हिन्दी संताली शब्दकोष

स्वर्णलता प्रसाद

एम० ए० (पटना), भाषा तत्व (पूना), साहित्यरत्न

निदेशक

बिहार जनजातीय कल्याण शोध संस्थान

रांची

हिन्दी संताली शब्दकोष

Bharatavani
Book No. 53
Santhali

स्वर्णलता प्रसाद
एम० ए० (पटना), भाषा तत्व (पूना), साहित्यरत्न
निदेशक

बिहार जनजातीय कल्याण शोध संस्थान
रांची

कल्याण विभाग

© बिहार सरकार

रु० ५०-००

मुद्रक : वर्मा यूनियन प्रेस, राँची

अन्न	सं०	आनाज, ओन, जोमाक अनाज—ओन अन्न होना—ओन अन्न धन—ओने धोने अन्न पानी—सं० ओन् दाक्, ओन् जोल अन्न रहित—वि० रमयँ रॉय अन्न भंडार—सं० मुराई
अन्य व्यक्ति	सं०	आरामीन
	वि०	आलगेल उदाहरण :-अन्य लोगों को मत बताओ—आलगेल होड़ ठेन दो आलोम लाया ।
अन्यथा	संयोजक	बाङ दो, बाङ-खान
अन्याय	सं०	बेहोक् बेहीके, आने आँव ।
	वि०	आनेआव अन्यायी—बेधोरोम, बेहीके, जाय-बेजाय' अन्याय करना—बेहीके अन्याय होना—ओनलेया अन्याय पूर्ण—ओनलेया । अन्याय पूर्वक—ओने-आवते ।
अनगिनत	वि०	आठीकान, बेतायेन, बेलेखा ।
अनजान	वि०	आनधाँ, आनजान, छुतालिया, आनहुन । अनजाना—उआई उदाहरण:-अनजान दोष को नहीं पकड़ना चाहिए—आनधा तेयाक् दोष दो बाको साबा अनजान लोगों

अनुमान	सं०	उन कुप, ओज, निसाप, मोंवाजाय, आनकुप, इमताम । ओराद, ओहमा तोजबीज, हिसाब, मुराद, ओनमात, ओहमा, तादबीर ।
		अनुमान लगाना— ओराद, उनकुप इमताम, ओनमान, बाद, तादबीर हिसाब, ओपाजीव आनकुप, निसाप, ओज, कूत, हारलोलाव, आयबोय ओहमा जोरा—जुरी ।
		अनुमानित—वि० सोतोक्, सुमुङ । हिसाब कोरा ओआजीब ।
		अनुमानत:—ऐन्डेरेमा ।
		बिना अनुमान लगाये—टाटाक ।
अनुमोदन	सं०	रोका ।
		अनुमोदन करना—रोका ।
अनुरुप	वि०	जुगुंत, जोटिच् ।
		अनुरुपता—जुगुत ।
अनुवाद	सं०	तोरजोमा ।
		अनुवाद करना—उतराव, तोरजोमा ।
अनुशासन	सं०	दोबोन, दोब, जाबीद ।
		अनुशासन हीन—वि० बेजॉक ।
		अनुशासन मे रहने—क्रि०, दोबना-दुबनी, जोक-जोरोप् ।
		अनुशासन में रखना—दो.बो.न
		अनुशासित करना—साधन
अनुसरण	सं०	गो.यो.न
		अनुसरण करना—गो.यो.न

अनुसंधान	सं०	दारियाप अनुसंधान करना—दारियाप् खुड़ियाब अन्वेषण करना— सुदाब, सुटियाब
अनेक		तुत्—तुत्, तानाक्—बुसाक्, आयमा
अनैतिक	वि०	आधारोन, बेधोरोम उदाहरणः—तुमने अनैतिक कार्य किया है—आम दो आधारोन एम कामी आकात्आ
अप्रतिष्ठित	क्रि० वि०	आसाहा, दुसाहा
अप्रधान	वि०	आजगार
अप्रभाव कारी	वि०	आनडरा—मानडरा, आनडरा—आनडरी
	क्रि० वि०	थुगुल—मानते, आपुच्, चुङ, दोहोल अप्रभावकारी होना—थुगुल थुगुल—थुगुल अप्रभावशाली एड़गाँ, चुलुङ अप्रभावित—पोदेत्रोत्
अप्रवीण	वि०	डाहगारिया
अप्रसन्न	वि०	आन छोटा, रोत्र रोत्र खान्पस—सुनुस। मैं बहुत अप्रसन्न हूँ—आडी आनछोटात्र आयकाव। एदा अप्रसन्न होना—वि० तीतो हुरचु मुनडुत्र
अप्रील	सं०	आपरेल
अपकीर्ति	सं०	बिभोरोंम

अपना	वि०	आपड़ें, अपेन, आच्—आक्आपनार, आयाक अपना बनाना—क्रि० आपान—आपीन अपनी—आसान—चालाव अपना—उतम—पुरुष, एक वचन सम्बन्ध कारक—इअहच् अपने—आकोन अपना—सर्वनाम—उतम पुरुष, एक वचन—सम्बन्ध कारक—इजरेन अपना होना—इअरेन, इजाक् आयाक् अपना—अपना—आपान—आपी न, आजाक्, आङगा आ ङगी अपना धन—आरपा कोरपा उदा:— अपने हैं—आकोन गेयाको अपनी तरफ कर लेना—झाकान अपने लोग—आचरेन
अपनाना	क्रि०	आपनार, चेङगोत, आयाक् अपना बनाना—आयाक, आपनार, आङगे अपना लेना—चेङगोत्
अपमान	सं०	बेयाबरुक, बेईजोत, हेनोसता, का ली, बान्दा, बिभोरोम
	वि०	ओ पो मान अपमान करना—बेयाबरुक ओ पो मान, का ली अपमानित—निनधन, सोरमा—सुरमी दाबरा ती अपमानित करना—सोरमा—सुरमी, दालमित्, लो सो त्, दा बरा ती,

		बेयला ज, दापोड़—माङगालें, बिभोरोम
अपयश	सं०	आबजोस, ओजोस अपयश होना—ओ जो स अपयश पूर्ण—ओ जो स
अपर्याप्त	क्रि० वि०	को रो च्—मो टो च्, सीटका
अपराध	वि०	दो स, काई, तुसकील, आपरो द धाट अपराध करना—दो स, सुसकील काई घा टी अपराधी—का दी, दुसी, आपरो दी अपराधी ठहराना—दुसी
अपराह्न	सं०	आ युप्—बेला, माराङ—तारासिज ऊलटी—धान्टा तारासिज अपराह्न होना—तारासिजोक्
अपरिचित	वि०	आनचीत, आ ना ड़ी उदा:— अपरिचित लोगों से मित्रता मत करो—आनचीत हो ड़ सा ङगे आलो म गातेक्आ अपरिचित स्थान—देस—विदेस आ ना ड़ी जायगा।
अपरिपक्व	वि०	काचीं, बाचड़ा, बालोक, जाली, काचा। अपरिपक्व होना—जाली' काची।
अपरिवर्तनीय	क्रि० वि०	ओल-सीत्।
अपरिष्कृत	वि०	धारपील, रोद-रोदो, धारपीलाक्।

अपवित्र	वि०	जूठा, बेमिधो, छुत, छुत-मुकुटा मावता, मारधाट, बेसोनोत अपवित्र करना—मावता खोट
अपशकुन	सं०	बेसागुन
अपार	वि०	बेकुराव, बीनभुचात्
अपालतु	वि०	आबोट उदा:-अपालतु होने के कारण इस बैल का दाम खट गया—आबोट इयाते नुई डाङगरा बांय दाम लेना।
अपहरण करना	वि०	जोरोंय आगीर
अपाहिज	वि०	आरपाइच्
अपील	सं०	आफिल अपील करना—सानी
अपूर्ण	वि०	बेकुलान' बीनपुराव
अपेक्षा	क्रि० वि०	बोरोङ' बिचकोम उदा:-उसकी अपेक्षा यही अच्छा है—ओना छाडा बिचकोम नोवागे ठीका
अफवाह	सं०	आजजोम' हुलाई' डामडाहे' उदाँव' उनान' भाकरा' बिरतानत
	वि०	ओते-बोले' भुआ अफवाह फैलाना—उदाव' गोगा, ड़डाय' चाओ-माराओ अफवाह होना—हुलाई, हिराक्-हिराक् उदा:-अफवाह पूरे देश में फैल गई—गोटा दिसोम रे एड़े काथा चाओ-

		मारओ एना उस अफवाह को मत सुनो—ओना विरतान्त दो अलोम आञजोमा ।
अफीम	सं०	आफीम उदा:-कुछ लोग अफीम खाते है—आदोम होड़ दो आफीम को जोमा ।
अबरख	सं०	लिपीन्दीच् ।
अबीर	सं०	आबीर । उदा:-उन लोगों ने उस को अबीर लगा दिया—आबीर को लगावादेया ।
अबोव	वि०	आव ।
अभ्यस्त	वि०	हेण्डेर' रोसाव । अभ्यस्त होना—हेण्डेर' रोसाव तीजजाव
अभद्र	वि०	बेभोदरो अभद्रता पूर्ण व्यवहार—हागाय-हुगुई ।
अभयपूर्वक	क्रि० वि०	साहासाय' बीन बोतोर
अभाग्यवश	वि०	आखाम-दुखाम' कालटानाव
अभागा	वि०	आभागीया' दुखीचारा' आबजोस जोमहेम उदा:-तुम बहुत अभागे हो—आम दो आडी आभागिया होड़ कानाम । आज कल तुम बहुत अभागा हो गये हो—आम दो नेतार दोम आबजो-सेना

अभाव	सं०	राप्-कोटाप्' टानाटानी ।
	वि०	टान' टानुआ' कोटकीना ।
		अभाव पड़ना—टानुआ ।
		अभाव का दिन—टाना दिन ।
		अभाव होना—कोटकीना' टोनटा' टीटी मीटी ।
		अभाव ग्रस्त—टोनटा' टानाटान' टीटी-मीटी
अभिप्राय	क्रि०	भाकण्डा-भाकाण्डी ।
अभिन्न	सं०	बिनभेद ।
अभिभावक	सं०	आपात-बारेन' आप-बारे' आपात ।
अभियान	सं०	धोमोक' गोरोब
		अभिमानी—धोमोकिया बाडाय
अभियोग (झुठा)	सं०	पीरीस, फेचाङ ।
		अभियोग (झुठा) लगाना—जाँचाव फेचाङ ।
अभिरुचि	सं०	साद, आङगरा ।
		उदा :—उसको किसी में भी अभि–रुचि नहीं है—चेत् आङगरा हो बाङ ताय ।
		अभिरुचि होना—साद ।
अभिलाषा	सं०	हिचा, हियातिञ, साना ।
अभिशाप	सं०	पीय, साराप ।
		अभिशाप देना—साराप ।
		अभिशाप देने वाला—सारापिया ।

अभी	क्रि० वि०	नेक्एँ, ने खानते, नितोक् अभी-अभी—नेञोक् अभी नहीं—आवरी उदा :आवरिये चालाक्आ ।
अमंगल	वि०	एड़ङ्गा एड़ङ्गा, गायहा-गोयहो ।
अमर	वि०	बाङगुजुक्, ओमोर । अमर-लत्ता—सं० आलग-जॉड़ी । उदा :—सम्पूर्ण पेड़ पर अमर लत्ता छा गई हैं—गोटा दारे आलग जाड़ो ते एसेत् ऐना ।
अमरुद	सं०	सापरी, आम, सोपोरी, आम-सोपोरी, आमरुद, पियारा ।
अमड़ा	सं०	आमड़ा, आम्बड़ा । उदा :—इस साल अमड़ा बहुत अधिक फला हुआ है—नेस दो आमड़ा आडी आँट जो आकान ।
अमानत	सं०	दोहो—जोमा, ।
अमावट	सं०	उल-आमठा, आमठा, आनोट ।
अमावस्या	सं०	आमबास, आमबाबासिया, ञुतात । अमावस्या होना—ञुतात ।
अमीन	सं०	आमीन । उदा :—अमीन लोग खेत नापते है—आमीन दो खेत को सोङा ।
अमुक्त	वि०	तुसका, फालना, आमका, आमकारिया, उमुक्त ।

अयोग्य	वि०	थोतोच्, गेञजाड़, काप ामुना, नापा-रोक, ओसाधी फोचङगा, आकारपा, बे-सादी, बेङलेक, ओलेक, हेजतेच् । अयोग्य होना—फायागुना, नापारोक, पाझड़ाव । अयोग्यतापूर्वक—जेड़ेमेटे ।
अर्ककपूर	सं०	रोसो कापूर ।
अर्जी	सं०	आरजी, आ जीज । अर्जकरना—आरोज ।
अर्थ	सं०	पाड़ी आन, माने, आरोत, ओरथो । अर्थ बताना—ओरथो ।
अर्थी	सं०	गोक्—साहान । अर्थी ले जाना—गोक्-साहान ।
अर्द्ध रात्रि	सं०	आदरातिया, ताला ओन्दा ।
अर्दली	सं०	आरदाली ।
अर्धनग्न	वि०	भाटाङ भुटुङ ।
अरवा	सं०	आदवा ।
	वि०	आरवा, । अरवा चावल—आदवा चावले । उदा :—अरवा चावल का भात बनाओ—आदवा चावले दाकाय में ।
अरहर	सं०	राहेड़ । अरहर (जंगली)—बिर-राहेड़ ।
अरुचि	वि०	बेरोच, ओरोचा । अरुचि होना—आसाङोया, ओरोचा ।

		अरुचिकर—ओरोचा, जोरो-झारा, आसाङी-या, बिला-बितली। उदा :- अरुचिकर होने के कारण भात नहीं खाया—बेतला-बितली दाका बाय जोम लेदा। अरुचिकारक—छान्दगार। अरुचिपूर्वक—ओगो रोज, ओरोचा।
अरे	विस्मयादि बोधक	आड़ो, आयगे, आइयो, आर, आने
अल्प	वि०	रोमोच्-कोटोच्, छाना-छिपा, चोर-कोच्, बोदेर। अति-अल्प—चारकाच्-चोरकोच् अल्पभाषी—गान्दाच्-गुन्दुच अल्पस्पर्श—चोहोत् अल्प संख्यक—झिङ गाड़-झोङगोड़
अलकतरा	सं०	अलकातरा
अलग	क्रि० वि०	बेगार, एटाक्, जुदा, आपारे, बेतोङ, बेलोग अलग खाना—आङगाव अलग होना—आपान-आपीन, आपाबाड़िया एकाद्दीना, जुदा, आमइञ, छुटा-छूटी, छुटाव, बितोङ, छापाडाव, हाराच् दुरुच् होसेच्, सोङ-छाडा, बापाग, छोड़ा-छुड़ी आलाग-छिनगाव, छिलगा-छिनगी, जोड़-भाङगा। अलग करना—वेतोङ, हाटिञ-ओडोक सिनिभिच्, साला, गाछीयाव, छाँट, बेगार, हेरपात, उरलाव, छाडाव, डुलाव, झाड़ाव, जोड़-भाङगा,

		बिछनाउ, फोडाव अलग रहना—एकाछीना अलग-अलग—बेगार-बेगार भिनिभिच्आपान-आपीन, गाछीयाव जानी-जाती, आम-इञ अलग न किया हुआ—बें-बाद क्षणिक अलग—उठी बापसी
अलक्ष्य	क्रि वि०	आङगोत-बाङगोत, आनकोथा-आन-बेथा, आलदोम।
अलि जिह्वा	सं०	सुण्ड।
अव्यवस्थित	क्रि० वि०	हेन्देच्, ऐपेम-तेपेन, गालुच्, सालुच, तीरड़ोच तोरड़ोच् एन्ते-नेते, तिरसात-तोरसोत, हिदाड़-झाड़ाङ, आलमालाव, हिड़ाक, हाड़ाक् दोंजनाप, एपड़े, सोदो-बोदो, गुलमाल, बाजराही, होयाङ-होयाङ, आपतार, हेंजलाङ अव्यवस्थित होना-आस-मानडाव, आरन्डाआवला-कावली, गिताक्-गिताक् तुलुच्-बुलकुच्, चुड़क-भुटुक, धीङगाल, साङगाल अव्य, वस्थित—बेकायदा, बेझारी, आवला आवली, आमबील-झामबील, आन-हुटा, धाञजड़े, उलठा-पलटा, चुलुङ भुटुङ, तुलुच्-बुलकुच्, दीनदिर सिच्, गालोच्-सालोच् धासाड़ बाजाड़ अव्यवस्थित रूप में—इगीड़-बिगीड़। अव्यवस्थित—क्रि० वि०-आजाक्-बुजाक्, इनडोर-गोनडोर अव्यवस्थित रूप से—आनहुता'

		हागादोगोक् हारूड़ हारूड़, हेसडोच-हेसडोच् उदाहरण:- घरअव्यववस्थित हालत में हो गया—ओड़ाक आमबील-ग्रामबीलएना ।
		अव्यवस्थित रूप से उगा हुआ होना—सादगुम बादगुम ।
		अव्यवस्थित रीति से—सारोय-रादोय ।
		अव्यवस्थित रूप होना—हाबाक्-चुबाक् ।
		अव्यवस्थित करना—आवन्दा-ओउन्दी, दोड-सेच्, गाड़-बाजाव ।
अव्यवहारिक	वि०	बेलाड़चाड़ ।
अवकाश	सं०	उफाङ, छुटा-छुटी, उठी-वायसी ।
		अवकाश प्राप्त करना—उफाङ, छुटा-छुटी
अवयव	सं०	जोड़ान
		अवयव होना—जोड़ान
अवरोध	सं०	होडगोर, रोक-टोक ।
	वि०	उटी
		अवरोध लगाना—होड़गोर
		अवरोध होना—टँटेवाभी, ठाकेत्
		अपरूध होना—सीकुप्
		अवरोध करना—मोजसील
अवलम्ब	सं०	टीमी, टाधेन, आठड़ें
		अवलम्बित होना—टेहाड
		अवलम्बन होना—टाधेन

अवश्य	परसर्ग	तेगे, ते हो
	क्रि० वि०	ओ बो सो
अवशेष	सं०	रेस, लेन्दा, बाद-बा़की, हारभाजज, बाछा-कुछा, भाण्डकार, बोकोया सारेच्
	वि०	सातारेच्, रापुत् सारेच्,-बारेच्
अवस्था	वि०	तीतरीत्, गुतिक, हालहालाव, हा़ल, हालात, लाक रोकोम, ढाय, ओबोस्ता अवस्था लोटना—चुड़ती अवस्था विशेष—एनखान, एण्डेखाच् अच्छी अवस्था—केकेपाक् उस अवस्था में—एन्डे-रेसेत्, एण्डेते, एण्डेरेसे उलझी अवस्था—सागुच्-बागुच् नंगी अवस्था—माण्ढेत्-मुनढेत् उसी अवस्था में—एनकोर ।
अवसर	सं०	आँवड़ा-गावड़े, आत, फुरसात, का़र, ओसोर, ओंकते, धाँक
	वि०	ओपसोर अवसर पाना—ओपसोर अवसर मिलना—ओपसोरोक् उदा :-जाने का अवसर ही मुझको नहीं मिलता है—चाताक् आत गे बाज आम एदा । अवसर खोजना—धात-धाताव अवसर विशेष—हाविच् ।

अवहेलना	सं०	इतराव, डेङधान । अवहेलना करना—गाम-पाताव, नासती, इतराव,डेङधान ।
अवज्ञापूर्वक	क्रि० वि०	गाड़ोर, बेड़चा-बिड़ची । अवज्ञा करना—नेह़ात ।
अवांछित	क्रि० वि०	बेवाजिव ।
अविकसित	वि०	जाली, आली, खोड़े ।
अविवाहित	वि०	बेहोड़, डाङगुवा, पुड़ती, सादा, डाङगुआ ।
अविश्वास	सं०	बेपातियार, इनदित् अविश्वासी—अविसास, उलटा-पालटा छोपोटक डाबोक, आडगोङगाङ, आलगासी । अविश्वास करना—अलगासी । अविश्वासनीय—वेपातियाउ, निमू-खाराम, आवड़ी, सावड़ी हिडीर-कीडिर, अविश्वास—लाड़बुड़िया ।
अवैध	क्रि० वि०	दागा-फसाद, बआयदारी ।
अश्लील	वि०	बेचोलोन अश्लीलता—बेचोलोन, बेचोल असभ्य—बेचाल । अश्लील काम करना—बेचोल अश्लीलतापूर्वक—सीट-भाण्ड, बारोसोतरो । अश्लील बोलना—ऐन्ड-मेन्ड, गाली-गाली ।

अशंकित	क्रि० वि०	बाद-बाद ।
अशर्फी	सं०	आसरूपी, आसराफी ।
अशान्त	वि०	चारवा-चुराडुच्, हकिल-सीकिल, आकाय-रानधाय, ठोल-ठोल, कोकोड़बोक्, भाचाङ भुचुङ अशान्त रहना—कोकोड़बोक् अशान्त होना—नाही-नीनधान, जीवी लोराव, ओलोचोलो ।
अशिष्ट	वि०	धारकाट, छिदगाय, लिलोज, बेभोदरो ।
अशुद्ध	वि०	बेड़म्बाक्, बेसाफा, बेसोकेत, गाड़माक् अशुद्धिपूर्वक—गावड़े ।
अशुभ	वि०	बेसागुन
अषाढ़	सं०	आसाड़ । अषाढ़ महिना—आसाड़िया, आसाड़-चांदो । अषाढ़ महीने वाला—आसाड़िया : अषाढ़ महीना का सातवां दिन—आमबाबोती
अस्त (सूर्य और चाँद)	वि०	हासुर
अस्तबल	सं०	आसतोबोल, सादोम बाड़ा, आसतबाल
अस्पष्ट	क्रि० वि०	थारसात्-थोरसोत्, पोसोङ-पोसोङ पोपोल्होत्, पोलसो, ताङ, हाङ-हुङ, हेंच्-होंच्, हायाम-हायाम होयाम होयाम, फोसोङ हॉङोत, हुड़ुत, धेंगने, जाबड़े, गाहात-गुहुत, धाज-धुज, गुङगुवा, आन्दार-ओन्दोर

आलाक-आलाक्, आलाकमानते, थीतो-थोतां, थाक्-थोक् थाता-थोले, जाला-जुलु,चह-चोह ।

अस्पष्ट बोलना—थोतों-थोतो, हेचे पेचे, लाड़ो-बाड़ो, गारडा-गोरड़ो, हेते-तोते ।

उदा:-दुसरों के मुहँ से अस्पष्ट सुना हूँ—एटाक् होड़ाक्मोचा खोन चाह-चाहे इञ आञजोम अकादा

आञजोम अकादा—

अस्पष्ट रीति से—हायाम—मानते, हेते—तोते, होयमित, होयाम, हॉडॉत् हुडुत् ।

अस्पष्ट सुनना—हिराक-हिराक ।

अस्त-व्यस्त	वि०	ताँहाड — बिहाँड़, तारगालाक्, तासड़ा—तासड़ी, पोसानते, सोलोक—बोकोक, झागा—झावी, आज—वाजाव, गाजबाजा,गादी — आव, दालसिञ, तालसिञ तायतीय, दोनदो—रोआक्, धारपील, दोनदो, राम—चाम, गोसड़े, सीमपा—साड़े, दोन्दोर पोले आगार—ड़िगार, आगाड—बागाङ, उजील—झाम-बील, धान्जा—धान्जी,धीनदीर—पीसीर, धुनसी—पुनसी, थोसोत्—मोरगोत्, धीनदिरसिच् । उलटा—पालटा,उल्टी—पूल्टी ।
	क्रि॰ वि०	धाचाल—धुचुल, राञजा—राञजी, सीटवा—साड़े धेजे—बेजेर, सीगीचं—बीगीच्, सीगीड़ बीगीड़, धाचुल—

धाचुल, हिड़ाक्—हाड़ाक्, जोबो ढोङ, सेदेबदे, डामाडोल, रायाल—रूयुल, सागुच्—बागुच्, गुरूरपारण सादगायाक्, दारूक्—दावुक, गुल-माल, गाजजा, गुअजा, धावजजा, धावुअजा — धावजजी, धावदा—धाबदी, धारपीलाक्, सादगा—बीदीड़, इगीड़, बिगीड़, आवला—आवली, आवला, सावला गाडवे—साडवे, गायला गोयलो, गोलोच्—सालोच् थासाड़—बाजाड़, एहेन्ड—गुहेन्ह ।

अस्त व्यस्त अवस्था—धोरसोत्, मोरगोत् अस्त व्यस्त होना—डामा डोल, धुम—धापोट, आगार—हिगार, तुलुच्—बुलकुच्, लाजवझाव, धालाय धालाय, धासा दावड़ा, धोसमो सियो अस्त—व्यस्त कपड़ा पहनना—धासार—पीसार ।

अस्त—व्यस्त (पानी के लिए)—ढोल—ढोल ।

अस्त—व्यस्त (बालों के लिए—धोरो—धोसो अस्त—व्यस्त करना दुनसी—पुनसी अस्त—व्यस्त हालत में कोंड़ों—खोड़े, सादगात उदा :—सब कपड़ा अस्त—व्यस्त हो गया है—जोतो किचरिच् आबला—सावला चावा आकाना सब सामानो को उन-लोगों ने अस्त व्यस्त कर दिया—सानाम जिनिस को आवला आवली केदा ।

		सभी चीजें अस्त व्यस्त है—सानाम जिनिस आगाड़—बागाड़ मेनाक्आ।
अस्तूरा	सं०	होलात् ।
अस्थायी	क्रि० वि०	ठेस लेका, टोहराम, मित्-घाड़ीआक्, सेताक् सिसिर अस्थायी (चंचल)—ठाटार बाज। अस्थायी चुल्हा-उठुलाक् चुल्हा—झारानी। अस्थायी रूप से ठीक करने की प्रक्रिया—जाबा—जुबा।
अस्थि	सं०	जाडा—बाहा। अस्थि—पंजर—पंजरा।
अस्थिर	वि०	बेथीर, उड़ाचाल, धालाच् धुलुच् गान्दुक्—सान्दुक चारवा—चुण्डुच्, छाट—पाटिया,
	क्रि० वि०	दीड़ो दोड़ो, डेहृत्—ड़नडुङ, बेवराद अस्थिर होना-डेहैंत डुनडुङ दीड़ो—दोड़ो, उड़ाचाल, जोता, बाकात्—बाकात्, अस्थिरता—युद्ध। अस्थिरता के साथ—दीगवार।
अस्पताल	सं०	हासपाताल, रान—ओड़ाक्।
अस्पर्श	वि०	आरदा।
अस्वस्थ	वि०	रास-रास, रोप-रोपो, जोजझो, जेबड़े, मास—मासाव, बेसुक, ओसुक, बेनिरोपन, दॉड़ाँ—सोंड़ें, दॉड़ा—सोड़ो, दोग—दोगो, दोरो-सोरो दोरोङ—सोरोङ, दोलो—मोलो, दाराङ—दाराङ।

अस्वस्थ होना—दाराङ—दाराङे दोग--दो-गो, रीपो-रोपो, आरेच्,— गोरेचबेसुक, रोजझो, जेबड़े ।

अस्वच्छ	वि०	पोतोव, रोठा, रीठा ।
अस्वादिष्ट	वि०	चेपेस—चेपेस, सोरोच्, पोंटोच्, लेमटोक्, साबराहा साबरा, सीटना-सावाद, बेसेलेल,
	क्रि० वि०	चापोस—चापोस, अस्वादिष्ट होना—साबराहाक्, हेडगे हेसाव अस्वादिष्ट लगना—सीठा उदा :—कद्दू की तरकारी अस्वादिष्ट है—होतोंत् उतु चापोस—चापोस बाङ सेबेल काना ।
अस्वीकृत	वि०	आस आमोल, बेकाबुल, गिडी ओरे । अस्वीकार करना—छीः बाङ, पेसड़ाव, फल, दूर, दुनदुर मुहाँ, गिडी, पेसड़ा-पेसड़ी, धाताका, माहराब दाबीरास, दुदराव, नाकुबुल, नेमञ्जुर दोदाव, फाटाका, एरक ।
अस्सी	सं०	आसी, इराल-गेला । अस्सी व्यक्ति आये—इराल-गेल होड़ को हेच् एना ।
असक्त	वि०	पोसका ।
असख्य	वि०	आलेखा, बेलेखा, बोगेते । उदा :- असंख्य आदमी आये हुए हैं—आलेखा होड़ को हेच् आकाना ।

असंगत	वि०	गोयला, जाहुड़-माहुड़ । असंगत रुप से—हागाक्-दोगोक्
असत्य	वि०	इथी, एड़े: एड़े-मड़े
असन्तोष जनक	वि०	गारोय-सारोय, आनडरा-मानडरा-आनडरा—आनडरी उदा :- असंतोष जनक काम करना ठीक नहीं है—आनडरा-आनडरी कामी दो बाङ ठीका । असंतुष्ट—उरूम-पारूम: बिनतीरिज, जेनतेन, बेजोनतार, असंतोष प्रकट करना—होमोञ-गोरोंञ असंतोष जनक आकृति—लेचड़े असंतोष होना—हिड़चात, हेड़सा-हिड़सी ।
असन्दिग्य	वि०	बाकड़ा ।
असफलता	सं०	फेल असफल होना—बिगाव, एण्ड दोहोल ।
असम्य	वि०	इनडरोच्-ओन्डरोच्, आरना, बेसोभो ।
असम्बन्धित	वि०	बाजे ।
असम्भव	वि०	ओसोमभाव, बेलेटेव्
असम्मिलित	वि०	आलिञ, बिनयेसाव
असमकोण	वि०	तोय, असमकोण होना—तोय ।

असमतल	वि०	टीलहोय, उबाड़-खाबाड़, कोटंड़े, ढाक-ढ़ेक, रोकोड़ रोरोत, एपड़े खादरा, खोदरो ढोम ढोकाक्, गाटका गोटको, टायला टुयला, लेटा, गोते, गाड़ा गेंड़े, आटका-ओटको, रागात-चोगात । असमतल होना—टायला-टुयला, डोमबो, गोते, रोदोत खादगा-बादगा, रोकोड़, असमतल जमीन—डोमपोहोर चोत्, असमतल जगह:—लात-लोपाक ।
असमय	सं०	कुबेला, ओसोमोय, बेसोमोय, । असमय होना—कुबेला । असोमयिक—बेबातार ।
असमर्थ	वि०	पोचला । असमर्थ होना—पास-काटाव ।
असमान	सं०	कोड़ा-खोड़े, दाड-काक्, दोड़-कोक् लिलो-लोको, छिन-छिपा
	वि०	गिविच्-गिविच्, एकधार, डीढ़ी-बाढ़ी, हेंच-पेंच-कान्दा-कोन्दे, आला-आली, आनखाय-आनखाय, बेसोमान, लेदा, छीना-पुरी । असमान होना—छीना पुरी, लेदा, छिना-छिपा । असमानता से—हेंचपेंच, दोजनाप ।
असर	वि०	हिलडोल । असर पड़ना—हिलडोल, गुन असर होना—आसेर ।

असली	वि०	असोल, नीरा, आमकी, माड़, खाटी ।
असह्य	वि०	उलखू-पुलखू, आला,-झाला, बिनसाहाप् ।
असहन शील	वि०	उलखू-पुलखू, असहनशीलता—आनखा-आनखी ।
असहमत	वि०	बेराजी, आखाजी, तोञचोक, आन्दका-आन्दकी, तोलबीच असहमत होना—ओइठा, आगधाक, हुण्डा-हुण्डी, नेपड़ा, एपड़े, रोञरोञ असहमत होते हुए—ओपोर ।
असहाय	वि०	ओसाधी, आनथाड़ी, हायता-होयतो, जाबुन, जावड़ी सोतयोत, काया, गुनाब जाटाल, कोटाल, कायागुना, नापारोक, आवा-टाप, बेहिरला, आलाचार, आनखायला, तेहेल—बोहेल, ओसंसार, नाचार, लाचार ताला—टाण्डी, बापूड़िच् । असहाय होना—नापारोक, कायागुनाताला—टाण्डी, हाया—दाया असहाय भटकने की प्रक्रिया—जाटाल कोटाल । असाहय बच्चे—टानाक टुनुक । उदा :- बच्चे असहाय हो गये—गिदरा को आनथाड़ी एना । तुम बहुत असहाय बातों को बोल रहे हो—आड़ी आनखाय—लाम रोड़े तुआ ।

असाधारण	वि०	असाम भेड़, असाधारण रीति से—आसटाङ ।
असामंजस्य	क्रि० वि०	चाङमाङगओ, आवखाव, । असमंजस में पड़ना—धेजमेज ।
असामयिक	वि०	आदीन, मासुवा, मुराडधुसिया, बेओकते, बेदेन । असामयिक वृष्टि हुई—आदीन सोमोयरेये दाक् केदा ।
असावधान	वि०	बेहेवाजोत, हिडीर — फीडिर, खोतारी, सेदे—बेदे, मोस—तोराम, गोमड़े, हेहेलोक्, धोसमोसिया धोङ गोल—फोसोल, नीवनाहा, गोधड़ा, आवड़ी—सावड़ी, गाफिल, ढीली—सीली, आन्धामार, दासा—दाउड़ा । असावधानीपूर्वक्—छितीर—बितीर, धासार—पीसार आड़ी — धाड़ी, सीरदुड़ — बीरदुड़, छिदगाय—छिदगाय ढील, सोतोच्—सोतोच्-ढीला,—ढीली धीसो—धोसो गाफ-लात, पासानते, धोस—मोसछिदगाम गानत, ताहोड़—बिहोड़, छेदगा—छिदगी, धीजधातरा, आङ गोत—बाङ गोत, आनधे—पथाउड़ी, हुड़ा-हुड़ी हेला—हिली, धीता—धाता, धापुच्—धापुच् खोतारी, गारोय—सारोय, डीबा—डाबे, खाजजा—खाबजी, खाद—बीद । असाबधानीपूर्वक करना—दोङगोल—फोसोल, हाबाक्—चुबाक, आड़ी—

असाधारण	वि०	असाम भेड़, असाधारण रीति से—आसटाङ ।
असामंजस्य	क्रि० वि०	चाङमाङागओ, आवखाव, । असमंजस में पड़ना—धेजमेज ।
असामयिक	वि०	आदोन, मासुवा, मुराङधुसिया, बेओकते, बेदेन । असामयिक वृष्टि हुई—आदीन सोमोयरेये दाक् केदा ।
असावधान	वि०	बेहेवाजोत, हिङीर — फोङिर, खोतारी, सेदे—बेदे, मोस—तोराम, गोमड़े, हेहेलोक्, धोसमोसिया धोङ गोल—फोसोल, नीवनाहा, गोधड़ा, आवड़ी—सावड़ी, गाफिल, ढीली—सीली, आन्धामार, दासा—दाउड़ा । असावधानीपूर्वक्—छितीर—बितीर, धासार—पीसार आड़ी — धाड़ी, सीरदुड़ — बीरदुड़, छिदगाय—छिदगाय ढील, सोतोच्—सोतोच्-ढीला,—ढीली धीसो—धोसो गाफलात, पासानते, धोस—मोसछिदगाम गानत, ताहोड़—बिहोड़, छेदगा—छिदगी, धीजधातरा, आङ गोत—बाङ गोत, आनधं—पथाउड़ी, हुड़ा-हुड़ी हेला—हिली, धीता—धाता, धापुच्—धापुच् खोतारी, गारोय—सारोय, डीबा—डाबे, खाजजा—खाजजी, खाद—बीद । असाबधानीपूर्वक करना—दोङगोल—फोसोल, हाबाक्—चुबाक, आड़ी—

		धाड़ी, गाफिल, असावधानीपूर्वक बैठना—पोगोयाक् असावधानीपूर्वक घसीटना—हादराक्—मासराक् । असावधानी—आड़ीन्धाड़ी, बहैबा-जोत, आवड़ा, हेल गाफलात । शीघ्र असावधानी पूर्वक—ओरलो पोरलो । उदा :– असावधानी पूर्वक काम कर रहे हो—आन्धमार एम कामी काना ।
असीमित	वि०	बे—ठीकान ।
असिलसिलेवार	वि०	आनहुटा ।
असुविधा	सं०	बेसुबिता, असुविधाजनक-बेताक ।
अहितकर	वि०	आतरूञ ।
अहिल-दहिल	क्रि० वि०	उझाल—पाझाल ।
अहंकार	सं०	गोरोब । अहंकारी—गोरोबिया, बाडागिरी ।
अक्षकील	सं०	आनोली । उदा :— बैलगाड़ी में अक्षकील लगाओ—सागाड़ रे आनोली लागाव में ।
अक्षर	सं०	आतोर, होरोप । उदा:—अक्षर को पहचानना सीखो-आखोर च्रोल ओरोम चेद मे । बड़ा अक्षर—डाग-डाग ।
अक्षांस रेखा	मं०	ओंबो रेंखा ।

अज्ञानता	सं०	आन्धा गोडो । उदा :—वे इस काम में अज्ञात है—ओनको दो नोवा काभी रे को आन्धा गोड़ो गेया । अज्ञानी—बेयायदा, आन्धागार, छोण्ड, उरबुदाहा । अज्ञानवश—जोनमुनी ।
अड़चन	सं०	बेदोच्, बाधा, बाधाव, लेटोक, जाङगे, रोकटोक टेक—झोक, ठेक, आटोक, ताकिच्, तालाक, बेवड़ा, जावहाड़, लेटाङ, लेताङ, दीरादागा, आकोट, अड़चन होना—हाङगाव, टेक-झोक, रोक टोक, लेटाङ, तालाक, कामउड़ाव । अड़चन डालना—टेटेबाझे, बात—काटाव, पाँकलागाव अड़चन डालने वाला—आसीड़ ।
अड़ाना	क्रि०	टेन्डार ।
अड़ोस-पड़ोस	वि०	आसे-पासे, आडे-पासे, पास-पड़ोस, अड़ोस—पड़ोस- ओत्रचोल, आड़सी-पाड़ासी ।
अढ़ईया	सं०	आड़हाईया ।
अढ़तिया	सं०	दुसतुरी ।
आँख	सं०	जेअलोक्, मेंत, आँख से ओझल होना—जेलआत । आँख मारना—जिपीत, जिलपीत् : आँख मलना—इतकित । आँख चकराना—मेंत आचुर ।

आँख जलना—मेत-जौल ।
आँखका गडढा—मेंत गाडा ।
आँख आना—में तदोक् ।
आँख उठना—मेंतदोक ।
आँख मुंदना—मेत झापनी,
जिलपीत् ।
आँख मुदना—जिपा, जापीत ।
मुंदी आँख—जिप्प ।
अंख लाल होना—आराल ओरोल ।
आँख में किरकिरी पड़ना—चुबाक् ।
आँख मिचौनी-खेल—टुप्—टुप्,
ओको-ओको-एनेच् ।
आँख मारना—रीपीत ।
पलक मारना—रीपित् :
अधमुदा आँखवाला—लोण्ड कोत् ।
आँख लगना—नासोन :
ऐंची आँख वाला—टेरा :
टेढ़ी आँख—टेरा, टेसरा, काडेत् ।
बड़ा आँखवाला—लोण्डकोत ।
आँख फाड़-फाड़ कर देखना-लोण्ड-
कोत् ।
भूरी आँखवाला—पानडरा ।
सफेद आँखवाला—पेण्डरा, पाण्डरी ।

आँगन — सं० — छाटका, हाबाली, राचा ।

आँच — सं० — दाँक ।

आँचल — सं० — टेप्, आनचाल, आनचार, आञचार,
इंगित करना—टेप् ।
उदा -आँचल में पैसों को बाँध कर
रखा है—आनचाल रे पायसाय
घेंट अकादा ।

		आँचल मैं बाँधना—गावला । आँचल में लेना—गोबला, गोछा, गोछा-गाबेल आँचल के लिए धागा छोड़ना—दासी ।
आंत उपरी	सं०	भोसाम ।
आँधी	सं०	बिरबाँओ आधी तुफान के साथ वर्षा—गाराजाला, आँधी से गिरना—आड़गाव ।
आँव-आँव	क्रि०	आँव-आँव राग । राग-रोना ।
आँवला	सं०	मेराल ।
आँस कुजी	सं०	आँस कुजी, होड़ो । उदा:-यह आँस कुजी धान है—नोवा दो आँस कुजी होड़ो काना ।
आँसू	सं०	मेंत्-दाक, जाक्रम दाक् आँसु भर जाना—डाबडाबाव ।
आईना	स०	अर्जेलाक्, आरसी
आकृति	सं०	मुठान, ठोट, बोरोन । आकृति बनाना—गाड़हाव ।
आक्रमण	सं०	हाव आक्रमण करना—झाँप, धावा
आकर्षित	वि०	चोमबोक; लोबधाव, लालाक । आकर्षित करना—लोबधाव, झाकरा-झाकरी, चोमबोक, झाकाव, लाबुक, मालुङ आकर्षित होना—झारकाव, लाठा ।

आकस्मिक	क्रि० वि०	काल भाग, हुबा-मुखी आकस्मिक घटना—सुसार, गोर-सुसार
आकड़ (फूल)	सं०	आकाड़ बाहा । आकड़ की लता—आकड़हा ।
आकार	सं०	बोहोंक, मुठान, सॉच, छोल, छोन्द, गोड़होन । आकार में बड़ा—चुटुज आकार बनाना—गोड़होन । आकार रहित—हुयला छोटे-बड़े आकार का—टेम्बेच टुरूच् ।
आकाल	सं०	हावरा, दोरलोय, आकाल-सुकाल-हालाक, टान, पालोन । आकाल पड़ना—हालाक, टान, पालोन । आकाल ग्रस्त—जिलावा कालवे
आरवान जातरा	सं०	आरवान जातरा पर्व ।
आकाश	सं०	सेरमा-चोट । आकाश-गंगा—पाञजार-डाहार ।
आकाँक्षा	सं०	दाड़, साना
आग्रह	सं०	आकुत, ईदेत् । आग्रह—करना—नेहोर, जारी । आग्रह पूर्वक—डेहेत्-डूनटेत्, हेङगेत-टेडगेत । आग्रहपूर्वक प्रार्थना—धीगिया, धीगिया ।
आग	सं०	सेङ गेल, जोल आग लगना—जोल, डाहाव, पा़र पाब, ढाउढाउ, डाही आग लगना—जोल

आग लगाना—जेरेत्, झोला, डेच्-डेच् ।
आग जलना—जोल
आग जल जाना—डेच्-डेच्
आग लहकना—दुगुर-दुगुर, धा़व धाव,
आग तापना—हेपो, जोरोक्, ओरपो, हेरपात् ।
आग की लपट—जोलोक्, ओटेच्-सेङ गेल ।
आग सुलगना—धाव-माराव, पा़र-पात्र ।
आग लहकते हुए—धाव मानते ।
आग बबुला होना—सुरसुडी आक् ।
भगाने के लिए आग जलाना—जा़व सा-जाँवसी ।
आग की लपट—लाप् ।
आग की लपट उठना—लाप्
आग भड़कना—हा़व-हाव ।
आग के समीप जमा करन—ओरोप

आगत	वि०	हिजुक्, हिजुक्आक् । आगत वर्ष—कालोम आगत तीसरा साल—सातोम आगत चौथा साल—केर सातोम
आगमुखी (घास)	सं०	आगमुखी—घाँस ।
आगामी	वि०	छुरियाँ, छुरी आगामी परसो—मेयाङ आगामी कल—गापा

आगीया घास	सं०	आगीया घाँस उदा :—मैंदान में आगीया घास उत्पन्न हुआ है—टान्डी रे आगीया घास जानाम आकाना । आगीया घाव—आगीया घाव् उसको आगीया घाव हो गया है—आगीया घाव राकाप् आकावादेया ।
आगे	सं०	आगदाहिनी, उचाट, लाहा, लाहारे, बाँहाँड़ । आगे बढ़ना—हेलाव, उकती, आदरोम-पाहरोम । आगे रखना—उचाट । आगे-आगे होना—लाहार-चान्दार आगे-पीछे रगड़ना—हेतो । आगे निकला हुआ—चुटुत्र । आगे-पीछे—लाहा तायोम, आगे डीगे, झीका-झीके, झाका झोको, आगला-पाचला, घरफेर । आगे ओग—लाहा-लाहा । आगे-पीछे होने की झूला की अथवा ढकेलने की प्रक्रिया—झीका । आगे—पीछे जाने की प्रक्रिया—एकाड़ान्डीया
आघात	सं०	गाङ' घाता' सोकोक आघात कर कुचल देना—गाङ । आघात करना—सोबोक' झॉप' हुवाक्
आचार	सं०	आचार, चाली, होरा । आचार-विचार—चाली-चोलोन ।

आज	सं०	तेहेञ, तेहेञोक ।
		आज ही—तेहेञोक, तेहेञगे ।
		आज-कल—डरसीञ, बारसीय, नॉहॉक्‌तेहेञ-गापा ।
आजीवन	क्रि० वि०	जाय जोनोम, जोनोम-जुग, तिरे-जुगे
आटा	सं०	आटा, होलोङ ।
आटी	सं०	आटी । उदा :- आटी बाँधो—आटी तोल में ।
आटेरन	सं०	नाटवा
		आटेरन में धागा लपेटना—नाटवाय ।
आठ	संख्यावाचक	इराल, इक्‌राल, आट
		आँठवाँ—सापाय
		आठोपहर—ओण्ठो घाड़ी, ओण्ठो पोहोर ।
आठी	सं०	कोयो ।
आडम्बरपूर्ण	क्रि० वि०	हाट-लाहेर
		दिखावटी—हाट लाहेर ।
आत्मश्लाधा	क्रि० वि०	चामदाड़ाक् ।
		उदा :—उनके पास आत्मश्लाधा क्यों दिखा रहे हो—ओनको ठेन चेदाक् एम चामदाड़ाक् आकाना ।
		आत्मश्लाध करना—हेंको, लाफाव ।
आत्म समर्पण	सं०	दावीनास
आत्मा	सं०	दानाङ पेड़ा, जीवी, बुरू
		एक आत्मा का नाम—लीटा

आतंक	सं०	चाङे, हुलसाय। आतंक उत्पन्न करना—हुलसाय। आतंकित—लेङ गेत्—लेङगेत् केकलेसेत्। आतंकित करना—दील दीलाव। आतंकित होकर—दील दील।
आद्यान्त	क्रि० वि०	ओड़े-ओड़े, ओड़े-ओड़पाक्।
आद्रभाव	वि०	आवा—पापा। उदा :—इस घर में लोग बहुत आद्रभाव * रो रहे हैं—नोवा ओड़ाक् रे आवां-पापा की राक् एत् काना।
आदत	सं०	हेरेड़, राहाम, रॉहॉमा, तारघार, हेवा, सोर, साबाब, सोभाब, चाली, दाय, भासी, चोपाओ, लोछोन। आदत पड़ना—हेवा, हेवाक्, लाता, माताव, हेरेड़। आदत लगना—रीगदाव, रीगड़ाव। आदत होना—लेछोन। आदत हो जाना—हेवा। आजकल उसने शराब पीने की आदत कर ली है—नंतार उनी दो हान्डी अ्य चोपाओ एना।
आदमी	सं०	होड़, हेरेल, हेपेल, जोन आदमी (जंगल वासी)—बिर-होड़। आदमियों के साथ—धासेन।
आदर	सं०	पुछाव, मानोत गिनाव, गानाव, नेत, थाप, रोहोम-सोहोम, इज्जोत, आबरूक, आदर करना—रोहोम, गानाव,

		गाधनाव, मानाव, नेत थाप, गुनमानाव । आदर देना—रोहोम-सोहोम । आदरणीय—मानोतान, हुजुर होड़ ।
आदान-प्रदान	सं०	ऐपेम आदान-प्रदान करना—ऐपेम
आदिकाल	वि०	आद,सेदाई । आदिकाल से यह हमलोगों की जमीन है—आद खोन नोवा दो आलेयाक् जुमी काना ।
आदेश	सं०	परामस, आचू, हुकुम, चिट्ठा। आदेश देना—आक्, बोरात पानी डाल दो—दाक् आक् में ।
आध बटाई	सं०	भागभुता
आधा	सं०	आदकारी, ताला, आतरा, आतरा-आतरी, आधेक, आधा-पाधा, आधा, आदा, आदसान आद, आतरोम, तारा-केचाक् आधा से अधिक—आधा आधी । आधा बनाना—आतरोम आधा सेर—आदसेर । आधा रास्ता—आतरा । आधा हिस्सा—आधेक । आधा सूखा हुआ—रास मारूआ । आधा चान्द—मोलाके तीकिन । आधा-आधा—आरतोम-पारतोम, ताला-माला, बानुड़च्-बानड़च्, बानडिया-बानडिया आधी कीमत में लाओ—आदकारी दाम ते आगुय में

आधार	सं०	गोण्डा, टाधेन, गोडोत, केडात । आधार होना—ओडाङ गाव । आधार शिला—दोड़ोक्आक्, गोड़ा । आधारित—पेड ।
आधिक	सं०	आडी तिरित् ।
आनन्द	सं०	जोवान, आलाय-फुलाय, हॉस, सोआर, आनोद हॉस-कुसी, हॉसी-हॉसी, हासाय-खेलाय, मोन्ज, कुसी हींत रासका, हुलास आनन्द लगना—हुब आनन्द होना—हींत, हॉस-माड गाव आनन्द पूर्वक—होसेच्-सेकरेच् रीतीया-रीतीयी, रीझा-रीझी आनन्द मनाना—हेसेच्-सेकरेच् आनन्द दायक—मजेधुबन आनन्द विभोर—सामडा
आना	वि०	हिजुक्, आवा, हेच्, दारा, आना हेंच्-मित आना-जाना—हेच्-सेन, आना-गोता (इसका प्रयोग मंत्रया गीत में होता हैं) देर से आना—गोर-गाफोल उदा :—वह इस रास्ते पर बहुत बार आया गया है—नोंवा होर दो ढेर धावे आना गोना वाकातआ आकर साथ रहना—हेच्-मित् आकर भेंट करना—हीरी-इदी । आओ (साथी के लिए)—या-छोटे के लिए—योई ।

		आओ-आओ (जानवरों के लिए)—आवह्-आवह् । आओ-आओ कर के उसने पुकारा—आवह्-आवह् कातेये हो हो केदा ।
आपत्ति	सं०	एङ्गेजोक्, आकोट ।
आपाद मस्तक	वि०	सोबा सातेर ।
आबादी (धनी)	सं०	रासी ।
आभास	सं०	भास, आइकाव ।
आभूषण	सं०	होरोक्—बान्दे, झाने-झापाने, बॉग्हॉ, झाबराव साज । आभूषण (चौड़ा)—डाड़ाङ-डाड़ाङ, गोहना गोहना गुड़िया । बड़े आकार का आभूषण—ढाङ-ढांड़ाङ, ढाङ का ढाड़ाङ । ढीला आभूषण—ढाङ का—ढाड़ाङ । आभूषण से सुसज्जित—ओलाङ का, सेके दांके, सेके-सेके
आम	सं०	उल् आम की तरकारी—उल्–रासे । आम का पेड़—उले सीज, उल्दारे । आम की शरबत—उल् का नजी । आम का बीज—कोयो सुखाया हुआ आम—आमसी, आम-धोला जंगली आम—बीर-उल् । उदा :– जंगली आम बहुत मीठा है—बीर उल् आडी हेड़ेमा ।

आमने सामने	सं०	उस बाकाल, धामुवा, धामुथ, मोह-राडा—मुहराडी मुखारात, सामना-सामनी, हाल-हजिर मुहाँ-मुही, सामेक । आमने सामने होना—सामना-सामनी, धामुवा धामुया, सामेक आमने सामने लाना—सामका-साटी । आमने सामने देखना—मेंत-मोंत्-ञेपेल । आमने-सामने मुलाकात करना—मेत्-मेत्-ञेपेल ।
आमोद-प्रमोद	सं०	राङ-रीज, कुसी—रासका
आय	सं०	आमदानी आय बृद्धि—आय धन ।
आयात-निर्यात कर	सं०	तोलानी ।
आयु	सं०	काल, उमार ।
आर्तव	सं०	हाँस धुड़ी ।
आर्द	वि०	जेरङ गाहा, जेरकाहा । आर्दता—जेरङ गाहा ।
आरम्भ	सं०	पाताड़—कोड़, एहोप् ।
आरती	सं०	चुमावड़ा, पाड़छाव ।
आरपार	क्रि० वि०	इपार-उपार ।
आरी	सं०	काता, कोरोत ।

आराम	सं०	नीराय, जिराव, टानठा, सोहोल। आराम करना—दोगमाराव। आराम पूर्बक—निरायते, जुडास, जुडासी। आराम पसन्द होना—सुकराड़ा। आराम देह—जुत। आराम दायक—लिठुर। आराम पाना—सोहोल, नीराय, फीट। आराम लगना—जुड़, टानढा, जुत।
आरू (जंगली)	सं०	बिर साङ।
आरोग्य	सं०	बोंगे।
आलता	सं०	आरता। उदा :-आलता खरीद कर लाओ—आरता किरिञ आगुय में।
आलपिन	सं०	आलपीन। उदा :— कागज में आलपिन लगा दो—कागोज रे आलपीन लगावाक् में।
आलमारी	सं०	आलमारी।
आलसी	वि०	भाचाम-भुचूम, धुतराडी, गोजड़ा, दाँत-तिसड़ी, दाँत-तिसड़ा (पुरुषों के लिए) दाड़े धातुआक्, दारया, राकाप तोसोक्, मोरगोत्, झिङगा, फुलिया, गान्दीया, गोतोर साटा, गा सुवा—गोहदोम, आसकते, आसाङिया, आटवासी-पाटवासी, आङ चासुवा आसाङ, माठो, मुराड—मोरोन

हारूड़ सुत्ती, लोठो, लानढुवा, लाढुवा, नोकलाहो, जामभुवा, धाप-काजोधा, धातका, धातार—बाजी, डीङगरा—जोड़े-जोडो, लोंनदेया, जाहा-जोहो, कुढ़िया, जाढना गोसडे, लेकाम्, लाठेया, ओपोमोन, धोलो--मोलो, किदगिच् बेचाण्डाकी, गाडामी, गोद-गौदो गोड़धा—बोडबोडो, बोरो-डाङ, भिकुआहा, बाङगोट, भोंसड़ा, भातधुना, भाँगुआ, बेड़केञ, ढासमास, ढेमालिया, मोराड़ा, गायता-गोलात, धामाकिया आलसी होना—देयरोय, लाठुवा, धुत-राडी इसात-ओसोत, डेढेर, धीतो-धोतो, दाड़े-धातु ञिसा-गोसो, लाठेया, जोड-जोडो, कुढ़िया, धुमा, ढापाच-दपुच् आलस लगना—सुस्ती, तोसोक्-मोरगोत, धोलो-मोलो आलस करना—गायता-गोलात् होमोञ-गोरोञ ।

आलस्य पूर्वक — क्रि० वि० — जाबा-जोबो, रीमीच्-राबाङ, दीलो दोलो जिडा-जाडा, जात्-जात्, दापाच्-दुपुच् जाहात-जोहोत्
अलस्य वश—जाहात् माहात् ।
आलस्यपूर्ण—धेंड़साङ-धिड़सीङ ।
आलस्यता पूर्वक काम करना—हेला-फेला ।

आलिंगन करना— — हाडुप्, कोके, होबोर, होरोडोफो, जुंगुलु ।

आलु — सं० — आलु
उदा :....हमलोग आलु की तरकारी बनाएँगे—आलु बोन उतुया ।

आलेस	सं०	नामा, आसौर,
आवश्यक	वि०	आसुल ढोक् जारूड़ आवश्यकता—जारूढ़, धोअज, चोराड, चांराड, जारुड़ाक् ओकुलान, लाकती-दरकार हुचुक कोसोला, धोक । आवश्यकता पड़ना—धोअज, जारुड़, हुचुक, दुराड़ी, जारुड़, लागती, गोरजो, जाले धाल, धण्टाल बाड़हाल । आवश्यकता से कम—ऐम ओडे । आवश्यकता से अधिक—बिडिच्-बिडिच् । आवश्यकता पूर्वक—झाकमार जॉवड़े जॉवड़े अति आवश्यक—जाराड, जोंहोंत अत्यन्त आवश्यकता पूर्वक—चाराड । आवश्यक सामान—सोरोम जाङ ।
आवा	सं०	आवा ।
आवाज	सं०	साडे, साबाद, साय-साबाद, शोब्दो, गालगालाव आड़ङ आवाज (तेज तीसी—चेरेञ ।) उसने अचानक तीखा आवाज में कहा, "कि मैंने पसन्द नहीं किया"—आचकागे चेरेञ मारतेय रोड़ केदा, "बाञ कुसीयादा ।" आवाज करना—हाडबाडाव, साडेय । आवाज करते हुए—रोगोस—रोगोस । आवाज करते हुए खाना—हाबरुक्

आवाज होना—साडे, साड, हाड-बाडाव, आड़ाङ, साटपाट
आवाज सुनाई पड़ना—साय-साबाद
सड़सड़ाहट की आवाज होना—साटपाटाव

आवाले	सं०	आवाले
आवाज (अस्थायी)	वि०	छानी, छामडापेड़ों की पतियों एवं डालियों से निर्मित ।
आवेदन	सं०	उजुर मुजुर । आवेदन करना—उजुर मुजुर ।
आवेश	सं०	आडरा, सुर, जोस बहुत आवेश में आया—आडी आडरा गेये हेच् एना आवेश में—कादराहा आवेश में आना—सीकी-सीकी, बेरासी
आवोहवा	सं०	होय ।
आश्चर्य	वि०	हाहाड़ा आश्चर्य होना—ठाक, हाहाड़ा आश्चर्य करना—मालुङ, भाड़ो आश्चर्य पूर्वक—जातेच् आश्चर्य जनक—आजबी तुम जो बोल रहे हो बहुत आश्चर्य जनक बात —आम ऐम रोड़ेत् दो आजबी कान गेया । आश्चर्य चकित—हारी-भाङे, हाय-मोय, ठाक । आश्चर्य चकित होना—हाय-मोय-काट ।

आश्वासन	सं०	जोबान, जीवी-राड़ेच् आश्वासन देना—जोबान, जीबी राड़ेच् उदा:-मैं उसे आश्वासन दिया—ऍनी जोबान इञ ऐम आकाउ आदेया।
आश्रय	सं०	आठड़ें, आड, तावे, हिरला, छानार उमुल। आश्रित—तावे आश्रित होना—तावे आश्रित लेना—ढेंवडे, सोरो आश्रय पाना—दानाङ, साड, आवतन आश्रय स्थल—दानाङ
आशंका	सं०	चुकु चुकु, दिग्धा।
आशा	सं०	मलोत्-चेटोत्, आसरा, आस-भोरसा आशा होना—आस—भोरसा आशा करना—आनदा, जेञजले, दाट-चाहाय आशा रखना—जेञजले आशा की प्रक्रिया—जेञजले आशा पूर्वक—इदु, आस लायते आशा जनक—आस-पास आशा (प्राप्त करने की)—देञगाच् बहुत आशा के साथ—रिरिआ रिरीमी थोड़ी आशा—हाय फाय बिना आशा का—ताटका भार
आश्विन	सं०	आसीन, आसोङ दिन मैं आश्विन महीना आया हूँ—इञ दो आसीन चन्दोअ हुन् अकाना

आशिर्वाद	सं०	हातवाई, भोर आशिर्वाद देना—हातवाई, भोर उदा:—उसने मुझे आशिर्वाद दिया— उनी दो इजे भोर आदिनाम।
आस-पास	सं०	ओअदोल, होमाना, आडे-पासे, बेड़हाय सेच्, नेमान आस-पास देखो—आडे-पासे-ग्जे ल में। आस पास होना—होमान
आसमान	सं०	सोरोंग, सेरमा, ओसूलान।
आसान	वि०	आलगा, रावान, आवसान, होलको हुड़बुस हुड़घुस। आसानी से घुसना—हुड़बुस मानते आसानी से निकाल जाना—लुड़युग्
आसाम (प्रान्त)	सं०	आसाम
आसाड़िया (एक जंगली लत्तर)		आसाड़िया।
आह्वान	सं०	तील मान्तर, डारबाक् आह्वान करना—तोलोप, ताबीच्, डारबाग।
आह! विस्मयादिबोधक		आह, आयगू उदा -: आह ? बहुत दर्द कर रहा है—आयगू आडी बॉट हासो काना। आह! आह!—जारे-जारे। आह! ओह—इस्स, बापो
आहट	वि०	रोगोस, साबाद आहट होना—साबाद, रोगोस आहट करते हुए—रोगोस-पोगोस

आहत	वि०	हान आहत होना—हान आहत करना—हान, होन होआङ
आड़	सं०	लोपाक्, आड, दानाङ, ढाउरा आड़ होना—लोपाक्, आडोक्, दानाङोक् । आड़ लगाना—ढाउरा
आड़ी रेखा	सं०	ढेरा दोंग ।
आढ़त	सं०	आड़ोत ।
आज्ञा	सं०	पास, गुरूगियाँ, हुकुम, जाँक, हॉक हाजुर, डिग्री आज्ञा देना—हुकुम, डिग्री, पीटाव आज्ञा मिलना—हुकुम । आज्ञा पत्र पाना—सोडरा । आज्ञा पत्र—रोका, छाड़, हुकुम-नामा सोडरा, सालोन आज्ञा पत्र देना—रोका आज्ञा पत्र मिलना—सालोन आज्ञा जारी करना—डिग्री-पीटाव आज्ञा कारी होना—बाताव आज्ञाकारी न होना—हारूवानियाँ आज्ञा कारी—हात-बोस आज्ञा कारी होना—हात-बोस ।

इ

इंगलैण्ड	सं०	ईंगलोण्ड ।
इंगित	सं०	उदुक् । इंगित करना—उदुक्, टेर ।

इंच	सं०	इञची ।
इंजन	सं०	इञजीन ।
इकट्ठा	सं०	झोमा, जारो, दुमहें, जारबा इकट्ठा होना—जुटान, सामील, दोन्धा-दुन्धी, ढरवा, थोपरो, जार-वाक्, जोह्ड़ाव, तोबड़े, डाबा, डाबा-मारा, गोठान, गुटियाव जोम-काव । इकट्ठा करना—थानीत, झावा, जुकताव, जुड़ाव हुनार, चुसाव, सामटा-सुमटी, हार-सामटाव, पुञजी, जाड़ी-जुमबड़ी, हादेर, डावरा, जुटाव, नाड़े-जोड़े दुरीब, सामटाव, हालाङ, मुटीआब नाहींत, कुड़ाव, जावरा, कान्धेड़, झाटिआव, गुटाव, आड़ोङ गुटियाव, जोह्ड़ाव, कोटे-आम ।
इकाई	वि०	आपपरुप, गुटी, गोटेच् ।
इच्छा	सं०	रोगोड़, जाल—जाल, मुरजी, इच्छा, रेवाज, गोरोज, हिचा, रोच, रुची, गुरजी, साना, दारीस, टेसटा, हुड़सो, साना सुबा, चाहला उबील-नामा, रीज, लोचोर, सोक, रेबेन, दीड़ामुण्ड, साना । इच्छा करना—हार-गुजुक्, शोस, रेवाज, हारसाव जुङगी, आनकड़ुवा, हुड़सो, हाया, जारपेड़ेत् मिरुक, भिरुक् ।

इच्छा प्रकट करना—हिचा, जुझाव, गुरजी, गारमाव, दारीस, एड़ेम-एड़ेम।

इच्छा होना—रोच, रुची, रीज, साकना, सोक, साना, गोरोज, हाहाब, मेलेमेले।

इच्छा होना (पेशाब या पैखाना करने की)—ओगोर।

इच्छा | सं० | इच्छा नहीं होना—हारुड़।

इच्छानुसार चलना—बादॉव।

इच्छा व्यक्त करना—दारनाब।

अन-इच्छा प्रकट करना—देप सेय, विडबा-वाकवे अन-इच्छा होना—श्रीडँ।

इच्छानुसार होना—उबीलनाभा।

तीव्र इच्छा—मेरेल-मेरेल।

अपनी इच्छा—फोई।

अति उत्कंट इच्छा—ओलोम-चोलोम।

उत्कंट इच्छा होना—ओलोम-चोलोम।

इच्छा भर—ठासीया।

इच्छुक—तोआर, खाड़ा, आभाड़-ओमोड़, बेआजार चालाङ-चुलुङ—आवाड़िया, उकुत्-बुयुत्।

इच्छुक होना—तानतानाब, देसटा, मोर-मोराव रामुज, रीतीआव,

अति इच्छुक—चाचाओ, जीतीजाम।

इच्छित-चुटचुट, गुरजी।

इच एमरे (एक जंगली लत्तर) | सं० | इच् एभेर।

इच कोच् (एक पेड़)	सं०	इच कोच् ।
इचाक् (पेड़)	सं०	इचाक्दारे इचाक् फूल—इचाक्बाहा इचाक् सींक—इचाक् चारेच् इचाक् साग—इचाक् आड़ाक्
इचिक मीचिक (बच्चों का खेल)	सं०	इचिक-मीचिक
इज्जत	सं०	इज्जोत, मुराद, मानोत, थाप, इज्जोत, मान
इजमाली	वि०	इजमाली
इतला	सं०	एतलाय इतला देना—एतलाय
इत्मिनान	क्रि० वि०	मेकेच्-मेकेच्, खातीर-जो ।
इत्यादि	अव्यय	एमान, एमानतेयाक्, आर-आर
इतना	क्रि० वि०	इयो, इसका, इनगानेत, इन, हुनाक्, इनगान, उन उडीच, उनाक् नीनाक्, इनाक्, हिनाक् हुनाकउडिच्, नुन, नुनाक,नुमोनाक्, नाहानाक, नाहात, निमोन नीन हुन-हुनाक् । इतना अधिक—हिनाक्-उडिच्, हिनाक् । इतना-उतना—नुनाक्-उनाक्, नीनाक्-इनाक् उनाक्-नुनाक । इतना बड़ा—इसका, इन-माराङ इतना होना—इनाक् हुन-हुनाक् इतना ही—हिनाक्-उडिच् इतना से—इनाक् ते, इनाते इतनी देर तक—नुमीन, नीनते

इतवार — सं० — जिरावाक् मॉहाँ, अठवार

इतिहास — सं० — इतिहास

इधर — निश्चयात्मक सर्व — नाहा, नेतेर, नेते, नोते, नोतेरे

इधर ढाला—ऐनतेन, नोतेनाक्

इधर होना—नाहाते, नोतेक्

इधर का—नातेन, ने-पारोम, नाहतने, ना पाराम

इधर-उधर—तावाक-तारको, गिसा गोलो, चुरकुच्-भुरकुच्, छिलकी-बिलकी, हानते-नोते, नोते-ओनते, हानते-नोते, चाओरा-चाओरी, आनडरो-क-सानडरीक्, ओनते-नोतेन, हाटाप्-हुटुप, हाराडे-नाराडे, ऑवटा-ऑवटी, गाराम गुरूव, आत्-तोत्, ओनते-नोते, रायाल रूयुल,तॉहॉड़-बिहॉड़, तेगे-नेड़े, चुन्डुल-भुढ़ल, गायता-गोलात् गालाड-गुलुड; गेवेल-गेवेल, आनडुर-मानडुर, आजाद-क'-बुजाक्, आसेच्-तासेच् आवलाव, आलमाल, बाडार-बुडुर, बेरा-बीरी, बिरला-बिरली, गोयमा-गुथमी, इन्देपार-उन्देपार, इहाँ-उहाँ, ऐनते-नेते, धाजजड़े-धाजजेड़, उचाड़-नाचाड़, आज-बाजाव उसकु-पुसकु, हेते-नेते, धायाल-धुयुल, धेजे बेजे, कान्दा कोन्दे, कान्दा कोनदो

ऐन्दे-पेन्दे, गालबाट-सालबाट

इधर उधर (फेला हुआ)—बिन्दाड़ सान्दाड़

इधर-उधर(भटकने वाला)—बायीया,

डीबाडाबे छिण्डाका, टायात्-टुयुत्,
गोहला-गुहली
उदा:-किताब को इधर-उधर मत
करो—पुथी आलोम आवलावा
इधर उधर बैठे हुए हैं—आजाक बुजाक्
को दुड़प् आकाना।
कहाँ इधर उधर भटक रहे हो—
ओका कोरे आत-डुर-माडुरेम दाँड़ाँ-
बाड़ाय काना।
इधर उधर छिना झपटी—लेग—
नेड़े।
मेरा पेट इधर उधर से दर्द कर रहा
है—लाच् आँवटा-आँवटी हसो
इदित्रा
इधर उधर करना—आगाड़-बिगाड़
डोयमा-डुयमी, बाकड़े
इधर उधर होना—आलाग-आलगी,
आलात्-बाकात्, हेन्देच्, पेन्देच्,
हाबाक्- चुबाक्, धासा-दाव-ड़ा,
हेडगे-हेसाक्
इधर उधर भटकना—हाण्डरा-
हाण्डरी
इधर उधर झुलने की प्रक्रिया—
लाडुङ लाडुङ।

इन्तजार सं० ताङ्गी, जेलहोर, कोयोक्होर।
इन्तजार करना—धारना
इन्तजार करना—छापकाव, होरो-
लाम्बेत् छिपकर किसी का इन्तजार
करना—ताँड़ाँक्

इन्द्रजाल सं० बान

इनका	सर्व	नुयाक् इन दोनों का—नुकीनाक् इन लोगों का—नोकोकाक् इन लोगों का—नोकोवाक् इन्हें—द्वि वचन-नुय । बहुवचन—नोको
इनकार	वि०	आगराव इनकार करना—बेडो यह शब्द अभद्रपुर्ण अर्थ में किसी को गाली देते समय व्यवहार होता है) दुदरा-दुदरी, आगराव । उदा:—उस वस्तु को इनकारमत करो—नोवा जिनिस दो आलोम आगरावा ।
इमली	वि०	जोजो इमली खाने वाला — जोजोखोर इमली की नयी पत्ती—जोजो पालवा इमली की पत्ती — जोजो साकाम
इरादा	सं०	मोने इरादा करना—मोने जोङ
इलाका	सं०	टोठा ऐलाका
इलायची	सं०	इलाची
इश्तहार	सं०	इस्ताहार
इशारा	सं०	इसारात, चाहेर उदुक् इशारा करना—इसारात, उदुग
इष्ट बन्धु	सं०	इस्टी बुन्दू,दुलाड़— बोयहा

इष्ट मित्र	सं०	इस्टी बुन्दु, दुलाड़ गाते
इस्तिफा	सं०	इसतोपा ।
इस्त्री	सं०	इस्तीरी ।
इस्पात	सं०	इसपात ।
इसका	सं० वि०	नुयआक् । इसे—नुय, नोवा । इसका— नुय, नोवा । इस स्थान का—नोण्डेलाक् । इस प्रकार—नेन कान, नेनका, नोङका, जिनीस, नोवालेका, नाहानका-लेका, एनका ओनका लेकाते । इस प्रकार का—नोनकान, नाहानकान इस प्रकार होना—नाहङक इस रीति से—नेनका इसलिए—तोबे तेड़ोङ, ओना–ते ओना मेनते, ओना तेड़ोङ ।

ई

ईंट	सं०	इटा गारा लगा कर ईंट बैठाना—गथली
ईख	सं०	आक उदा :– हम लोग ईख चुसेंगे—आले दोआक ले चेपेजा । ईख पेरने की मशीन—राकसी ईख खाना—लेमेच् विभिन्न प्रकार के ईख—रॉबण्डा आक, काजरी

ईगल (बाज) पक्षी	सं०	पाझाड़
ईमान	सं०	इमान इमानदार—सुखुन, सोझे इमान-दार, सोतेया, साबीत, पतियार । इमानदार होना—साबीत, सुखू, सीधा, परियारोक
ईश्वर	सं०	जोनोमदातो, दाता, इसोर, ठाकुर-जीव, ठाकुर, खुदाई, इक्दी-आक्गु-इच्, माराङ बुरु, चान्दो । ईश्वर की पूजा—ठाकुर मानाव । ईश्वर की पूजा करना—ठाकुर मानाव । ईश्वर-भक्ति—ठाकुर भोकती, ईसारे-माक्नाव । ईश्वर-भक्त—ठाकुर माक्नाविच्, ठाकुर भोकता, ईसोर माक्नाविच् ईश्वर की स्तुति से—दुरी-दुरीते, ईसोर गुन-मानाव । ईश्वर की कृपा से—हा हुरी-हुरीते, ईसोरदाया । ईश्वर से प्रार्थना करना—हाकरार-डोकराव, ईसोर ठेन कोयजोङ । ईश्वर से वरदान पाना—गेले-आताङ ।
ईर्ष्या	सं०	कान, हिसका, हिसका-दुलुङ, डाहोक ईर्ष्या करना—हिसका, हिसका-हुलुङ ।
ईर्ष्यालु	वि०	हिसालिया

ईसाई	सं०	इसाय ईसाई होना—इसायोक् ईसाई बनना—उम, बापतिसमा ईसाई मण्डली—कालिसिया

उ

उकताना	क्रि०	आड़ीसोक् उकताहट—आड़ीस
उखड़ा जोंक	सं०	उखड़ा जोंक उखड़ा-उखड़ी—उखड़ा-उखड़ी
उखाड़ना	क्रि०	उट , धाङ धासेर, तीत् चोकटाओ, धालकाव, उखड़ाव, उटकाव, पोटाक्, चाटिच्, ओरतोत्, कोकोट, बाटुप् । जंगली पौधों को उखाड़ते हुए—कोकोट ।
उग्र	सं०	तापीस उग्रता—तापीसतेत् । उग्र होना—तापीसोक् । ऊग्र होकर—उमधुम उग्रतापूर्वक—तीलकी-बीलकी । उग्रवादी—नीधनाहा
उगना	क्रि०	सारहे, डिगो-डिगो, सारहे, पुटाक्, आङकुर, कोमोनोक, जनामोक्, बारबाराव । कम उगना—डायात्-डुजुत्
उगलना	क्रि०	उला, छुर, दोयोक्, बुडरूच्
उच्चारण	सं०	उचराब । उच्चारण करना—उचराब ।

उचकना	सं०	आदगास, उदगुस
उचटना	क्रि०	चाटिच्
उचित	वि०	साबित, ठीक, मोनासिब, उचित्, जुत, मातावेल उचित होना—उचीत, साबित, साद, ठीक । उचित कहना—आक्आमोल । उचित न्याय होना—तुलाव
उछलना	क्रि०	फेत, लिवीच्, टेड़ोक्–टेड़ोक्, बिद-नाक्, बिदनाक् उच्, उच्-कुटला, खुटला, दोन, कोचोड़ मवेशियों का उछलना—पीडगाव उछल-कूद—कुटला-कुटली, चाड़क-चाड़ुक, चाम्बार चोम्बोर उदा :- मेढ़क उछल-कूद करता है—रोटे चाड़क-चाड़ुक को दोना । उछल-कूद करना—कामसा-कादाक उछल-कूद करते हुए—कामसा कादाक । उछलते हुए—हुतलाङ-हुतलाङ, फुटुल-मानते, गाडार गुडुर, हुललाङ मानते, चाड़ाक चुड़ुक तीव्रता पूर्वक उछलना—बोयोल बोयोल ।
उछार	वि०	उछाड़ ।
उज्वल	वि०	बोरोत् बोरोत्, झाक झाक
उजड़ना	क्रि०	खाङकार, धाङधासेरोक्, दोरोङ सोरोङ । उजड़ा हुआ—धोन फोङ, खाङकार हेण्डेर पोटोर ।

उजला	वि०	उजला, साफा, पोडँ उजला बनाना—साफाय उजलाय।
उजाड़	वि०	उजाड़ उजाड़ होना—उजाड़ोक् उजाड़ काँटा—उजाड़ जानुम।
उजाड़ना	क्रि०	धोन फोङ, धाङ धासेर, उजड़ाव, चाटकाओ उजाड़नेवाला—ऊजड़ाबिच्
उजाला	सं०	मारसाल।
उझलना	क्रि०	उझलाव। उझल-पझल—सझाल-पाझाल।
उठना	क्रि०	तेड़गोक्, बामबकाव, टाका, बेबेरेत्, आनढेङ, बेरेत आलगाव, आटाप उटुप्-उट-ऊटू, तुलीआव, राकाप् पुटाक। ऊपर उठना— बारनी।
उठाना	क्रि०	उकती, टोकटोकोय, उकाव, उपोस्ती, उनुठाव, कुटुङतुल, उयुक्, उसकाब, उसकुर, चापाओ, ओअजार, रीनसी हार उठाया हुआ—कालेङ्। उठा लेना—जाहींत। उठा कर ले जाना—झाटिआव, तुलइदिय उठा हुआ—दोम दोकोक्, दुनदुन, टोक-टोको, काडे-काडे, उच-उचू, ऊपर उठा हुआ—खप-रापा एक छोर उठा हुआ—रोक रोको उठापटक—सीटीच्-पाटाक्

उड़ना	क्रि०	उड़ाव, फारकाव, आपिर, उटाङ उड़ने वाला—उड़ाविच् उड़ जाना—आपिर, ओटाङ, उडाव उदा :—चिड़िया कहाँ उड़ गई ओकाते चेंडेंय आपिर एना ।
उड़ेलना	क्रि०	ढालाढुला, ढालाव, ताङ, बुभाव, दुल, आँड़कुच्
उत्कंठा	सं०	हिया । उत्कंठा होना—हुमुर-हुमुर तीव्रउत्कंठा रखना—जीवीजोम जुग-जिताव ।
उत्तम	वि०	भागे
उत्तर	सं०	उतार, जोबाब उत्तर देना—उतार, काकाले, गोड उत्तर में होना—उतार रे उत्तरी—उतार, उतराहा
उत्तरदायित्व	सं०	जोबाबदीही, दाय, भागी, दायिक, लागती' सिरभार' हाय दाय उत्तरदायी—दायीक' माथोआन उत्तरदायी होना—हायदाय' दाय' गाथाव' हायजोमा । उत्तरदायित्व पड़ना—दायीक उत्तरदायित्व लेना—गाय माराव । उत्तरदायित्व पूर्वक—झाकमार उत्तरदायित्व से मुक्त—ऐलेक छाडा दाय सालास उत्तरदायित्व होना—हाड़ी झाड़ी । उत्तरदायी ठहराना—ठेला ।

उत्तराधिकारी सं० आयदारी' धाधका' आवासी
उत्तराधिकारी बनना—धाधका

उत्तेजना सं० सीडाङ' सूर' उयतातो' उसकूर
उत्तेजना पूर्वक—सारङगा सारङगी
उत्तेजित—उमबरा उमबरी' उमता
उमती' सूरमाव तेबडाहा, सारङगाव।
उत्तेजित करना—सीन डाङ' पाक
पाकाव' झाँप भुसकुतेवड़ाव' सुर
नगाव' सुरगाव' रियाव' चाड़ियाओ
हेटेत्
उत्तेजित होना—सान सानाव'
तावाव' सान सान' राग' सुरमाव'
रीब रीबाव
उत्तेजित चाल—राग बाग
उत्तेजक—हेटेत
अत्यन्त उत्तेजिता—सारङगी
सारङगी।

उत्पत्ति सं० जाङ, सरिजाव

उत्पन्न सं० जानाम
उत्पन्न होना—जानामोक, ओमोनोक्
उत्पन्न करना—जनाम, बेनाव,
सिरजाव सिरजाव।
बच्चा उत्पन्न होना—जोनोम,
ओमोनोक' बुसाक् बुसाँड़

उत्पात वि० उतपात
उत्पाती—उतपातिया
उत्पात मचाना—उत्पात, आड़ाय-
बाड़ाय।

उत्पादन	सं०	फोलोन, आरलोन, आरजाव उत्पादन होना—हाँसील उत्पादन नहीं होना—बाञ्ज
उत्साह	सं०	आँट, ओराउरी, लाहकर, दिल, छाती, खेलोड, मारजात, बुद भोरसा। उत्साह आना—दिल, उत्साह होना —छाती। उत्साह पूर्वक—जीवी जुड़ासी, दापा-दापी चूटुच्-चुटुच् उत्साह वर्द्धक—जीवी जुडासी उत्साह हीन— दोन्धो - मोन्धी, रामधू, हुलास भाङ्गा। उत्साही—जोलोनिया, दान्दागिरी, दीलगारिया जाल-जालिया, आडुच-ताडुच्, दिल, आटवारा, एड़ेम-एड़ेम, खाड़ा उत्साहित करना—दीलगार, ठुकाव, दोम उदगाव रामजाव, हानताव, दोम-ठुकाव, ऐटेच्, आन्धी-चान्दी। उत्साहित भीड़—दात्-दुङ्गेड़ उत्साहित होना—ओरा-उरी उत्साहित—चाण्डा चाण्डी
उत्सुक	वि०	उकुत् बुयुत्, आङ जाङ, रोसाव, जालदी, रीङ टीङ छाट छाट, जालीम सार उत्सुक होना—ऐटे चेटे, थारेभारे, टीच्टीच्, उकुत्बुकुत् उतुधुतु, रीझाव, आहका आहकी, रामुज ठाकठाकाव। उत्सुकता—रीकीड़, रीज। उत्सुकता पूर्वक—आङ जाङ, रीङ रीङगाव चाँड, चालाक चालकी,

छाट छाट, रीङ टीङ, तिलकी बिलकी, चालाङ चुलुङ
उदा:—बहुत उत्सुकता पूर्वक यहाँ से उठकर चले गये—चालाङ चुलुङ को बेरेत् चालाव एना
उत्सुकता होना—रीज, रीङगीच, चीङ गीच काचमाचाव, जुड़गी, रूमबुच् रूसबुच्
बहुत उत्सुक—चाकमाकाव
उदा:—युवक युवती मेला जाने के लिए बहुत उत्सुक हो रहे हैं—कोड़ा कुड़ी मेला ओजेल चालाक् लागित् को चाकमाकाव वाड़ाय काना।
उत्सुकता प्रकट करना—छाट—छाटाव

उतना	क्रि० वि०	उमीन, हुन हुनाक उनगान, इना वाटाड़िच, उनाक उडीच्, उनउडी, इनाक्, उनउनाकते, उनाक्, इयो, इन, उनाक्।
		उतना से—हिनाक्ते
		उतना ही—इनान उनाक्ते
		उतना अधिक—उनतीतीत्, उन।
		उतना तक—उन आवाङ
		उतना होना—इनाक्
		उतने तक—हुनाकते।
		उतना इतना—हुनाक् नुनाक
उतरना	क्रि०	आँड़गो, सीबोड़, जेसड़ाके, सुहीत, फेड़ोक्।
		चलकर उतरना—दाँड़ाँ आँड़गो
उथल पुथल	क्रि० वि०	बिदड़ा—बिदड़ी

उद्गम	सं०	आरोम्बो, आहला, जाङ, तुली
उद्घाटन	सं०	उढाव ।
उद्दण्ड	सं०	छेछोड़ ।
उद्देश्य	सं०	काथा, जोस
उद्धृत अंश	सं०	मीना
उद्यमी	सं०	जिदात, खाटोया, हुनारिया, खाटाया, दान्दकुट, सेलेगामी । उद्यमी होना—आट कुटी, दान्दकुट
उद्योग	क्रि० वि०	धामकाव
उद्विग्न	वि०	दोवा सीला, आन्देसाले, उद्विग्न करना—दीक, दीक दीकाव उद्विग्न होना—हुमचाक् बेडवा बिडवी, हेड़सा—हिड़सी, बेजार
उदय	सं०	राकाप्, भोलोक्, पुटाक् भाग्य उदय होना—ओल सीत् ओटत् सीत् ।
उदर	सं०	लाच्
उदार	वि०	लाहे चाहे, दिवाइया, उदार होना—लाहे चाहे । दानशील होना—लाहे चाहे ।
उदाल	सं०	उदाल
उदास	वि०	उदास, दादारमोच, मोमोयोत्, तुर तुमबुच्, टोनटोड़ोङ, ओटाङ पोलाङ उदास होना—उदास टोनटोड़ोच्, तुर तुमबुच्, दीरदीर

उदाहरण	सं०	नोअजेर
उधर	क्रि०वि०	इनाकोरे, ओनतेते, ओनते, सेच् ओनते, हेनटे, ओनेओनते, ओनतेरे, ऐनतेते, होनते, ओनओनते ओमान दारा।
		उधर का—ओनतेरेन, ओनतेनाक ओनतेनीच्, होनतेन, हेनतेरेयाक्, ओनतेन।
		उधर में—हेनतेरे, ओनतेरे, हिनाकोरे।
		उधर से—ओन्ते खोच्।
		उधर होना—नाहाय तोरा, नाहाते, ओनतेक्
		उधर वाला—ऐनतेन, ओनतेनीच्,
उधार	षं०	उधार, उठाना, दायपाड़ो, हावलात, पाअचा, धांर।
		उधार लेना—पाअचा, धार, उधार उठाना, धाराव, माङगा-भाड़ा
		उधार देना—धार एमोक, दादोन, हावलात, उधार।
		उधारा होना—दायपाड़ो।
		नया उधार—हालबाकी।
उधियाना	क्रि०	से।
उन्नत	वि०	हुटहुटू, डाबका, जातगार, हीड़हीड़, हिड़ीहिच् डागोर, डेमचोक् उन्नात।
उन्नीस	संख्यावाचक	गेलआरे, उनीस

उन्मत	वि०	बावला बावली, बावड़ा, बावड़ाहा, बावलाहा। उन्मत होना—बावलान, बीयील, भूतेड़।
उन्मूलन	सं०	बोंसगाडाव।
उन्होंने	निश्चय वाचक सर्वनाम	उनीन।
उनका	सर्व	एनीयाक्, ताकोवाक्, तोर।
उपक्रम	सर्व	आराव। उपक्रम करना—आराव।
उपकरण	सं०	सोरोमजाङ
उपकार	सं०	उपकार, भालाई। उपकारी—उपकारी, भाक्लायिच्
उपग्रह	सं०	उपोग्राहो
उपज	सं०	आरजोन, फोसोल हॉसील, वाड़हीनता, खोन्ड, उपजान। उपजना—फोसोल हॉसील उपजाना—आरजाव, बाडबोरिन उपजाने वाला—आरजोनिया। उपज होना—आरजाव अच्छी उपज होना—झाङगड़ाव उपजाऊ—जोरवार, गोबराव, पुली। उपजाऊ भूमि—आबोल, जुमी, वाड़ी उपजाऊ होना—आरगात, खोद।

उपद्रव	सं०	हाङगामा, गाहूल, हुलमाल, उतपात, आगारकोराड़, हावला, हूल । उपद्रव करना—आटाप् उटुप्, आगार कोराड़ गाहूल, आगार काराड़, हुलमाल, उतपात, झुकाँव, टाल मालाव, धाराधारी । उपद्रवी—उतपातिया, आनखायला, आलखानिया, बिछुक । उपद्रव होना—गाहूल ।
उपदेश	सं०	बात, सीखाव । उपदेश देना—सीखाव गाड़हाव उपदेशक—आयुरिच्, सीक्खावीच्
उपनाम	सं०	बाहना उपनाम देना—गोखना
उप प्रधान	सं०	पारानिक
उपयुक्त	सं०	खावाब
उपयोग	सं०	बेवहार, लाड़चाड़ । उपयोगी—बानधेच् । उपयोगी होना—बानधेच् । उपयोग में न लाना—ढाबाव ।
उपर	वि०	चेतान, चोट, उसुल उपर तल्ले वाला कमरा—हुदड़ा । उपर-नीचे—चेतान लातार उदा :—थाली को तुम उपर-नीचे देख कर ही खरीदोगे—थारी दोचेतान लातार ञोल करते किरिञ में । उपर-उपर होना—रीचाङ-पीचाङ

उपलाना	क्रि०	उपलाव, बोकोल, डोम बोल-डोम-बोल, पुटाक ।
उपवास	सं०	उपास
उपस्थित	सं०	हाजिर, माहजुत, उपस्थित होना—हाल-हाजिर, साङ्गे, हाजिर उपस्थित पूर्ण होना—हेच्धुर
उपहार	सं०	सानदेस । उदाः—वेउस लड़की को उपहार देने के लिए आये हैं—सानदेस एमाय लागित को हेच् अकाना ।
उपाय	सं०	धाती, भात, उपाय, आय उदा :—उनीयाक् अन्य ढोत्र आम आकात् ताया । उपाय होना—उपाय । उपाय कर लेना—कोटेआम ।
उपार्जन	सं०	तुमाल, बाझाव, उपार्जन करना—बाझाव उपार्जन कर्ता—आवाला
उपेक्षा	वि०	हारजीत, बेहेबाजोत, ढीलाव उपेक्षा करना—हारजीत, अलदिलाव, आड़ेच्-गाड़ेच् ऐण्डेंल, बेहेबाजोत, ढ़ीलाव उपेक्षित—ओसुसार, निहात, भोदारे, भाटे, हेला, उपेक्षक—काम उड़ाव मेरी उपेक्षा मत करो—आलोम आड़ेच गाड़ेजिजा ।

उफनना	क्रि०	डोयलाव चापे, चामडुल
उबकाना	क्रि०	झॉय
उबटन	सं०	पुरा-पाटोरे
उबना	क्रि०	सीठाव, भागाव
उबलना	क्रि०	भाक भाकाओ, हेडेच्
उबालना	क्रि०	बोलका, इसीन, बाफा-बाफी, आवटाव, हेडेज, छाची, तेके, तेके-मेले ।
उभड़ना	क्रि०	दॉयदॉय, दामा-दोमो उभड़ा हुआ---डीमबी, दामादोमो, दॉय ।
उभरना	क्रि०	दार उभरा हुआ—दार
उभाड़ना	क्रि०	लीलकार
उभार	सं०	दारसॉड़, दाड़ाङ, ठोपको, ओचोत् उभरा पत्थर – हुटुप्
उम्र	सं०	उमेर, तुर, बास । अधिक उम्र का—लाम्बो, उमारान ।
उर्वर	वि०	जिवेत् ओत, जोल, गोबराव, ओखार, खोत, ओत-सेबेल । उर्बर जमीन—हॉसील, आवोल, सारगात, ।
उरद दाल	सं०	रम्बड़ा । एक प्रकार की उरद—गासुवा राम्बड़ा, ।

उल्का	सं०	इपील इच् ।
उल्टा	वि०	उलटाव, सीरगात् ।
		उल्टा होना—सीरगात् ते ।
		उल्टा ओर से—सीरगात् ते ।
		उल्टा हुआ—सोट ।
		उल्टा सीधा—धोलटा-धुलटी ।
		उल्टी—बेच्, उला, दोयोक् ।
		उल्टी करना—बेज, उला, दोयोक् उछलाव ।
		उल्टी-सीधी—उल्टी-पुल्टी ।
		उल्टी सीधी बात करना ...तेलङगा ।
उल्लधन		रापुत् रोद ।
		आज्ञा उल्लंधन करना—रोद ।
उल्लास	सं०	हुलास ।
उल्लेख	सं० क्रि०	उलेक ।
उल्लसित	वि०	रिरिआ-रिरियी ।
उल्लू	सं०	पेचा, कोकोर, दुन्दू ।
उलझन	वि०	आड़झा-आड़झी, आड़झाव ।
		उलझन में फँसा हुआ—हाड़ी-झाड़ी ।
		उलझना—गादार-गुदुर, झावड़ा, झावा-झावी ।
		गाजबाज, गाजबाजाव, आजबुज बोकोर-बोकोर ।
		उलमाल, मोहलाव, गुंड़छी, आवझाड़, उच्, गाड़-बजाव लाझ बाझाव, लावझा डुमबड़ा, आस-मा डाव, लोठा, बाज,

		लेठा, गाड़-जुड़हा, लासकाव, सागुच्-बागुच् । उलझ जाना—गाँड़सा-पाटाक, धुँचड़ी उलझा—बाक्- भेङ कोड़, रागुम -चागुम, पेंच, बेसुबिता उलझा हुआ —लाज बाझाव, लावझा, डुमबड़ा, एन्द बेन्द, गाठीया, हिरचित् ऐधे-बेधे ढ़ाम्पा-ढ़ोम्पो, सो्लो्क् - बोकोक् सो्दा-बोदो, झाड़े- पाताड़े, आबूज बोकोर-बोकोर, बाजबाज, बेधोड़ झावड़ा गाज बाज झाव/झावी, झानते -झाड़े, ओबोड़-झावड़ उलझाना—लोठा झालिया-झालियी बाजा, झालिआव उलझा बाल— दाम -दाम उलझी हुई परिस्थिति— लेठा/
उलट पलट	क्रि० वि०	उकाट-पाकाट, उलाट-पालाट, ससकु -पुसकु। उलटना—उलाट, दुँडुँच् ।
उलहना	क्रि०	पाचला—पाचली/
उलार	सं०	उलार/
उष्ट्र–पक्षी	सं०	ऊँटचेंड़ें/
उषाकाल	सं०	आङ, आङगा, पाहा/पोहो, आड़ँगात, ऐताक-बेला ।
उस्ताद	सं०	ओस्ताद ।
उस	सर्व	ऐन, इना, उनी । उसका—ओना, ताय, ताकार, उनीयाक् । नोट: - ताकार का प्रयोग नगण्य है । उसको

—हुन -हुनी, हुनीटाक्,ओन-ओना ।
उसके बाद वाला— हिनाटाक् ।
उसके जैसा—इना-लेकान, इनालेका
उनी लेका, हेनका, होनका ।
उस तरह—ओना लेका, हान-हानते
हानासेच्, हेनतेते, हेनते, सेन, हानते ।
उस तरफ का—हेनतेरेन, ओनतेरेयाक
ओनतेसेच् । उस तरफ से—हिनाक्ते ।
उस दिशा में —हेनतेते, हानासेच् ।
उस समय—उमीन दारा, एनबेतार,
ओन्डेतेत्, हाने उनरे, ओने-उनरे ।
उस समय तक—हुनाक् कोते ।
उस जगह पर— ओण्डे,होण्डे,हेण्डे ।
उस जगह में—हाण्डे रे होन-होण्डे ।
उस जगह होना—हेण्डेते ।
उस जगह का—हेण्डेरे ।
उस ओर—ओन्ते,ओना सा ।
उससे—इनाते ।
उस स्थान पर—ओन्डे तेत् ।
उस स्थान वाला—ऐन्डे रेन ।

इससे क्रि० इनोत ।

उसर वि० सार दाङ ।

उस प्रकार क्रि० वि० ओनकान, ओनका, ओनकाते, होनका, ओनका, होन होनका, हेनका -लेका, एनकाम, हेनो, हेनेहेनका, ओना-लेकाते, हिना लेकाटे, ओना-लेकाव, हानका, ओने-ओनका,इना-वाटाड़िच्, इनालेकाते । उस प्रकार का—हानकान हाने

हानेकान, इनालेका इनालेकान, ओनालेकानाक, ओन-ओनका-लेका हानेहानकाने। उस प्रकार से— होन-होनका लेका, ओन-ओनका, ओने-ओनका -लेका। उस प्रकार होना—हेने,हेनका। उसक्षेत्र का —हेनते-रेयाक्, ओनतेनाक्। उस क्षेत्र में—ओमानदारा।

उसकाना	क्रि०	लूड़गाव, टुन्डु; बुसकु, विचकाड, बारगाव, उसकाव सीनडाङ, उसकुर, सेचराव।
उसना	वि०	उसकाना।

ऊ

ऊंकड़	सं०	कोड़े—कोड़।
ऊंगली	सं०	काटूप्। ऊंगली बजाना—ठोच्। ऊंगली तोड़ना—ठोच्। बीचली ऊंगली—मुतुल काटुप्। जुटी हुई ऊंगली—जेरका।
ऊंघना	क्रि०	जीपीतु-जीपीत, दुदड़ुम। ऊघने की प्रक्रिया—जीपीत्-जीपीत्।
ऊंचा	वि०	हिड़ीहिच्, राटबाङ, झाल, जेलेब, दायोक्—दायोब राङकाड़, दारोजजा, रोयला, खाड़कू, काड़जा, डाङका, डावका, रायका, राकडाङ, हुटहुटू, नापड़ाक्, उसुल, ऊँच, रोकरोको। बहुत ऊँचा—दोमकोड़ोक्, टाङटाङ।

बहुत ऊँचा और पतला—टुई-टुई चुई-चुई।
सबसे ऊँचा में—मोचोङ, मुतुल।
ऊँचा स्थान—मुतलुङ।
ऊँचा लम्बा—डायलुँ।
ऊँचा होना-ञाल जेलेञ
ऊँचाई-जेलेञ, उसुल, लाफाङ।
ऊँचाई होना—दोमचोक् रोयला।

ऊँट सं० ऊँट।

ऊख सं० आॅक।
कड़ा ऊख—बाजड़ा आॅक।
बासता ऊख बासता आॅक
ऊख पेरने का निर्धारित स्थान—साला।

ऊद-बिलाव सं० ओदाम।

ऊन सं० बोनात।

ऊपर वि० उपोर, उपार, चेतान, चोट, उसुल।
उपर में—उपाररे, उपार चेतान रे।
ऊपर-ऊपर—रीचाप्, हेनडेर-हनडेर।
ऊपर-नीचे—गिविच्, गिबिच्, एरेल-कोयोक्, चाङ-दुबाड़दू, आॅड़गो-राकाप्, हिडीच्-डिकीड़।
ऊपर उठा हुआ बाल—रिसकीत।
ऊपर उठना—उतलाव, उपोर, कुटला, ढीङकू।
ऊपर उठाने की प्रतिक्रिया—जालाय-राकाप्।
ऊपर जाना—दाॅड़ाँ राकाप् कटला, देजोक्।

ऊपर उछालना—कुटला ।
ऊपर से हटाना—आलोप् ।
ऊपर होना—उच-उचु ।
ऊपर से होना—उपरा-उपरी ।
ऊपर-ऊपर हल जोतना—हौयोड़ ।
ऊपर-नीचे—बुकुच्,-बुकुच्, चेतान-लातार ।
ऊपर नीचे होना—धाचुल-धाचुल, बादे, लिवीच्-लिवीच् ।
ऊपर नीचे जाना—लिवीच्-लिवीच् ।
ऊपर-ऊपर—छेव-छेव ।
ऊपरी— ऊपोर- चाप-ऊपरी, छेपको ।
ऊपरिया—ऊपरिया ।

ऊबना क्रि० मोकोज, भागाव ।
ऊब जाना—मोकोज, भागाव ।
ऊब—डुब—टुब—टुब ।

ऊबड़-खाबड़ वि० गाडलाक्, गोडलोक, धाटाच्-धुटुच्, ऊबड़-खाबड़, खायदाक-खोयदोक् गाढ़ा-गोढ़ो, खायपाक्-खायपोक्, गाडा-गोडो लाभभुवा, रागा-रोगो, रोगदो, रागदा-रोगदो डोमपो, लेदा, गोदरो-सोदरो, आटका-ओटको ढीपा, बान्दरा, दाड़काक्-दोड़कोक्, आताच्-उतुच्, तुलुच्-तुपुच्, धारचात, धोरचोत ढापा-ढोपो, धाड़िया, धीड़कोक्-धोडकोक्, धाड़काक्-धोड़कोक् होरचोच्, ओटकामे, राकाड़-रोकाड़े, डाम्पा-डोम्पो, धाकाड़-धोकोड़, रागात, रागात् कोटंड़े, ढाक-ढेक, लोन्दोत्, सोपोक्-रोडोक्, राधा,-रोधो, गाटका-

गौटको, रागाड़-रोगोड़, लान्दाच्
लोन्दोच टालहा-टीलहा, काटका-
कोटकी, दामचाक्-दामेचोक् ढापा-
ढोपो, गड़हा-गोड़हो, ढापमा-ढोमपो,
चोड़राडाङ, ढीपा-ढापे, डोमबा-
डोमबे, हारचात-होरचोत, सीरददुड़-
बीरदुड़. डानठा-डोनठो, धामचाक्-
धोमचोक् ।

ऊल्लू — सं० — दुनदू, कोकोर ।

ऊह — विस्मयादि बोधक शब्द — उह । उह रे ।

ऋ

ऋण — सं० — रिनधारुग। दादोन, धोराट, कारजा, पाञ्चा, धार

ऋण देना—वायसाड़ी, धोराट, बासावड़ी ।

ऋण चुकाना—खारा, दुलाव ।

ऋण पत्र—दालीस ।

ऋण से दबा हुआ—गाराद फारफुती, रिनगाड ।

ऋण होना—आसामी ।

ऋण मुक्त—निधारुआ, फारफुती ।

ऋण लेने वाला—निधारुआ ।

चालु वर्ष का ऋण—हालबाकी ।

नया ऋण—हालबाकी ।

ऋणी—पोर-डुबा, रिनगाड ।

ऋतु — सं० — ताक, रीतु, ओकते, दिन ।

एक	संख्या वाचक	मित्-टाङ, एकाम, मित् टेन, मित्-गोटाङ एक होना—गोत, एक-जीवा, एक-सोट । एक समान होना—एकान । एक किनारा—एकधार । एक-टक—ओन्डोर-ओन्डोर । एक-एक—एका-एका । एक-दो—एका-दुका, मित्-बार । एक के बाद एक—भासाङ-भुसूङ, गोयोर-गोयोर, ओलोच्-गोतोच्, हेचेच्-तिरुप्, हिरोच्-होरोच्, तायोम-माड़ाङ, हाक्-हुक्, ओतोर-गोतोर एके-एके । एक ही समय में—जोमाक । एक दुसरे को देना—ऐपेम । एक दुसरे का सहभागी होना—चाला-चालो । एक ही समय—ओपोर-जोपोर । एका दुका—एका दुका । एक एक कर—बाराबारी, मिश्रित, मिमित् ते । एक अरब—बिन्दो ।
एकत्र	सं०	सामील, दुमहें, जारवा, आम-जाम एकत्र होना—दोन्दोड़चोत्, मित्-जीवी, ढाबा, जामके, काठा, चुम-चुम्वा । एकत्रित—जुङ, जोड़हा; जुटान, जुमुल, झाराक-झुरूक, जोमकाव ।

एकता	सं०	एकान, ऐक सौक, साठा, साल हो, रीओत, एकोक् जुम । एकता होना—ऐकसोट, साठ रीओत, एकोक् ।
एकरारनामा	सं०	एकराड़नामा ।
एकलौता	वि०	टेटेज-ठेङगाक्, साधेर, एकापुत, एसकार-जानाम । एक लौता होना—आबगा । उदा :—यह उसकी एकलौती लड़की है—नुई दो उनी रेन आबगा कुड़ी कानाय ।
एकड़	सं०	ऐकोड़ ।
एकाएक	वि०	होटोक, आचकागे ।
एकाग्रचित	सं०	भित् मोन, जुकती ।
एकान्त	वि०	सीसीड़िच्, निचोल, एसकार ।
एवज	वि०	उजी ।
एड़ी	सं०	इडी ।

ऐ

ऐंठना	क्रि०	पाटैत्, पाँक, मोचड़ाव, बीड़ो-बोड़ो, कुकुच्, मेराव, मोचड़ा-मुचड़ी, पेटेर, आभुवा, उत्र, हेड़तेच पेटेर-रेला । ऐंठ देना—कुकुच् । ऐंठन—चाड़मोड़ पेड़ता । ऐंठन उत्पन्न होना—हुड़ेत् । ऐंठन होना—हातमा—हुतमा ।

ऐंठते हुए—मोचड़ा-मुचड़ी ।
ऐंठा हुआ—जाङगड़ा-जुङगड़ी बेधोड़, गाठी-या, होंड़जाङ, होडजाङ, काटबुच्, काड़चाङ-कुड़चुङ, इड़ची, लेचड़े, लोकबे, गेनठे, धुड़ची, रात्र-जाव, हुड़बाङ, गुड़हाव, धोकड़े, लामभुबा, गाड़ा-गेंड़े, काड़चाङ-कुड़चुङ, काटइच्, पेटेर, पेड़ता,-पीड़ती, इड़ची-धुड़ची, पाटेया, गोते, काड़ा-खोंड़े, पेड़ता।
ऐंठा हुआ मुह—लोड़पे, पीटुआ-पाटवे, ।
ऐंठ-ऐंठी—मोचड़ा-मुचड़ी ।

ऐ	बिस्मयादि बोधक	हाई ।
ऐनक	सं०	चोसमा ।
ऐसा	क्रि० वि०	नोनका-लेका ने, नोआन, निया लेका, नाहान-का-लेकान, ओन-बाताड़िच्, । ऐसा-बैसा—इयान,ओनकान, नोङकान । ऐसा होना—बाङ से, नोनका। ऐसा ही होना—होय-के-बोटे । ऐसे वैसे—फालान ।

ओ

ओ	सम्बोधन	हेन्दा, आइआ । उदा:— ओ इधर आओ— आइआ नोते हिजुक् में ।
ओसल	सं०	उखुड़ । ओखल का छेद-उखुड़ भूगाक् ।

ओछा	क्रि० वि०	टेपेञ-टेफेञ ।
ओझल	सं०	फेङकान, दानाङ । ओझल होना—दानाङ, हासुर ।
ओझा	सं०	सोखा, जान, बोद, झाझाड़िच्, चाउराहा, डिगली ओझा गुरू-ओझा, जानगुरु । ओझा का काम—ओझाक् ।
ओढ़ना	क्रि०	ओयो, झापड़े, गायला—गोयलों, पोटोम ऐसेत् । ओढ़नी—ओमोन,पीछावाड़ी । ओढ़कर ढाँकना—ओयो ऐसेत् ओढ कर ढाँका हुआ—ओयो-पोटोमें ओढ़ा हुआ—ओयो-ऑड़गो ।
ओरी	सं०	भाड़कोचा ।
ओल	सं०	आतो-पिन्डा, ओल, बिर-पिन्डा
ओला	सं०	आरेल दाक्, आरेल । ओला पत्थर—आरेल घीरी ।
ओस	सं०	सीसीर, सीसीर-दाक् । ओस गिरना—सीसीर । ओस से होने वाली फसल-सीसीर-चास
ओसाना	क्रि०	ते । सूप से अनाज को हवा देकर भूसा से अलग करना—ते । ओसावनी करना—गुम
ओसारा	सं०	छाबा

ओते	आश्चर्य बोधक	जाह, इह, बेहाज, दीरखाराक् दीरहाक् मोर,धीटउह, उहरे, उसरे, कुहाक, धुरहाक् दुरया, दुर-रे । ओहो—आयगे, आइजो, दूरहाक् हेन्दा,ऐसे ।
ओहारी	सं०	सुपी ।
ओड़हुल	सं०	जोबा-बाहा ।

औ

औटना	क्रि०	ऑवटाव ।
औजार	सं०	खाण्डा, सापाप्, साना-फाना ।
और	वि०	आर हों ।
औरत	सं०	सान्धीन, आगो, आयमाय, दाबली मायजीउ । गंदी औरत—साराढाय । ऊँची साड़ी वाली औरत—पेदनेञ, पेदेञ-पेदेञ । चौड़ी मुँह वाली औरत—तुमबडाङ, तायबेड़ाय । चौड़ा चेहरे वाली औरत—तुमबेड़ाय, तुनसाङ, ताड़ोयाक् ।
औसत	सं०	मुन्जरा ।

क

कंकड़	सं०	माटेकोरी, सेमेंच्, गुटी । कंकड़ मिला हुआ=सागाय ।

कंकड़ से भरा हुआ—रेते कोते, रेतेच्-रेतेच्, रागड़ा-रोगड़ो, रामबड़ा-रोमबड़ो ।
कंकड़ पूर्ण होना—रेते कोते ।
कंकड़ी—मुटकुरी ।
कंकड़ीला—रीगोड़-रोगोड़, रोम्बड़ो, सेगेरोड़े ।

कंकाल सं० ढाढरा, साज ।
कंकाल होना—ढाढरा ।

कंगना सं० खाड़ू, साकोम, साङगा ।
कंगन का जोड़—साङखा दुआर ।

कंगाल वि० दुखी-काङगाल, गुनी-गुरीब, काङगाल, कांङगलाहा ।
कंगाल होना—काङगाल ।

कंघी सं० नाकिच्
सिंग का कंघी—काकरी ।
कंघी करना—नाकिच्, रोत्-नाकिच् ।

कंठी सं० ढोकोच् ।

कंजूस वि० कुठिया, पेन्टओत् पापी, कोकोच्, चोजाहा, कान्टेत्, पाटवेत् ।
कंजूस होना—कान्टेत्, कुठियाक् ।

कँपकपी वि० लुकुर-लुकुर ।
काँपना—लुकुर-लुकुरोक् ।
कँपन होना—दुलकाव ।

क्या	प्रश्नवाचक	चेता, चेत्, चेले, ओकाबा। क्या तुम अँट-सँट बकते हो।—चेत् कोम रोड़ेदा आलात्-ओलोत्। क्या करना—चेका। क्या हुआ—चेका।
क्यारी	सं०	पाही।
क्यों	प्रश्नवाचक	चेत्लागित्, चाक्, चेत इयाते, चेदाक्। कल तुम क्यों नही आये थे—होला दो चेदाक बाम हेंच् लेना।
क्योंकि	क्रि० वि०	एनते, चेदाक् जे। नीम नहीं खा सकता हूँ, क्योंकि तीता है—नीम ओहोज जोम लेया, चेदाक जे हाड़हात गेया।
क्रन्दन	सं०	राक्, गेराङ। क्रन्दन करना—ओक् राक्, ऐहेंक्-ऐहेंक्।
क्रमबद्ध	वि०	सुरुथाल, रेट।
क्रमश:	क्रि० वि०	ऑक-ऑक।
क्रमानुसार	क्रि० वि०	खॉपे-खॉप, जाड़ेजाड़, ओड़ औड़ डाकेडाक। क्रमानुगत-राही-राही ते।
क्रय-विक्रय	स०	किरिञ-आकरिञ क्रय, विक्रय करना—किरिञ-आकरिञ।
क्रीड़ा	सं०	सुलाङ, एनेच् क्रिड़ा करना—लाफुवा, सुलाङ।

क्रोध सं० एदरे, राँगाव, राग, रीस, रागी, आगरा आगरी, आदरा आदरी, डाडनास, तावानी, खींस, हुरा हुरी दॉक, कुरूद ।

क्रोध करना—हुरमार, हारा हुरा, हुरपा हुरपी, हुरचू मुनडत्र, हुरूवा हुरूई, बावका बावकी, बावकाव, सीर सिड्आक्, एदरेक्, एदरेन, कुडुर, फुडुर, राँगाओक्, रॉगीक्, इसबीस, हेजफेज, आगरा-आगरा, पाकपाकाव, बावड़ाव, आराक्-पोंड बेंगेत्, फुला फुली, गार गाराव, डाडनास, गार्सेयाव ।

क्रोध दिखाना—आदरा ।

क्रोध होना—सारङगाव ।

क्रोध करने वाला—कारड़ा,

क्रोध से—राङगा-राङगी ।

क्रोध से बोलना—खेरचे-मुन्डेज, एतराङ हेजफेज,

क्रोध से काँपना—सीर सीराव ।

क्रोध से जल्दी घुँमना—हुर मानते ।

क्रोध पूर्वक—सीर सिड्आक्, हारा हुरा, तापेर आगु, मेंतआर मेंत्, एतराङ, गेसेर मानते, फुडुर फुडुर, कुरुद, तेरगेज मानते ।

क्रोध पूर्वक बोलना—तेरगेज तेरगेज, एतराङ एतराङ ।

क्रोध पूर्वक बोलनेवाला—तेरगेसाक्, हिरची ।

क्रोध रखना—एदरे साङगिज ।

क्रोध को दबानेवाला—रोहोंभिया ।

क्रोधी—कादचाहा, रागी, डाडना

सिया, सुरसील, तेवड़ाहा ।
क्रोधित—आलखानिया, डाडनास, राग-रागीया, आनकाउड़ा, आनठा, खेरचे मुन्डेज चाड़हा, चोयनदा, चुमडिज, हुरचू हुलुङ, सुरमाव, हुरूवा हुरूई, ठेर, हाण्डरा हाण्डरी कुरूद कादराहा, सूईया खाचढ़ाहा, खाड़खायला, रागात् चोगात्, चोर चोटाहा, सुईपाक, खान्टाहा, कोर कोस, कारड़ा

उदा:—क्रोधित व्यक्ति को कोई भी पसन्द नहीं करता—चोर चोटाहा होड़ दो ओकोय हों बाकी कुसीया कोआ ।

क्रोधित करनेवाला—इसबीस
क्रोधित करनेवाला कष्टि—सीकीड़
क्रोधित होना—चुटीज, तावाव, सानीआव, सीक सिकाव; सीतलाव, खींस, सुरमाव, गाझाव सारंगा सारंगी, तीड़ीज, ताड़ङ, तीड़ीज ।
क्रोधित होकर—दीत घोमपेल, सीकी सीकी

अत्यन्त क्रोधित होकर—दीरी-दीरी ।
शीघ्र क्रोधित होना—सेङ्का
अत्यधिक क्रोधित—साँच ।

क्रुध सं० बिरधा ।
उदाहरण :-इतने में ही क्रुध हो गये—इनाक् तेगेम बिरधा येना ।
क्रुध होना—रोअरोज, बिरवाड़ ।

क्रूर	वि०	चोरठा, काट-जीबा अति क्रूर—बिटानास । क्रूर स्थान का—रोकोत मुँहाँ । क्रूरता पूर्वक—चोचोलकात । क्रूरता का व्यवहार करना—गाजजोन ।
कृतघ्न	वि०	बेगुणमान, बेबाताव, आदोलिया । कृतघ्न होवा—इतराव ।
कृतज्ञता	सं०	नुनगुन ।
कृतिका नक्षत्र	सं०	चुमकाक्-इपिल ।
(उड़न सटोंला नक्षत्र)		
कृपण	सं०	आठीयाड़, केटेच्, चोजाहा, कान्टेत, कुटला, कुटनी, दोयो । उदाहरण :- यह व्यक्ति बहत कृपण है- नुई होड़ दो आडीतेतए आठीयाड़ गेया । कृपणता के साथ—दोयो-दोयो कृपणता पूर्वक—गार, चाराच्-चुरूच्
कृपा	सं०	मायाँ, दाया ।
कृमी	सं०	पाटवा ।
कृषक	वि०	चासा
कृषि.कर्म	सं०	जिरात कृषि-कर्म करना—जिरात ।
क्लब-घर	सं०	ओनट -ओड़ाक्

क्लर्क	सं०	मुहरी।
क्लिप	सं०	आमबागाउड़ा, सुलाक।
क्लेश	सं०	दीक, खींस क्लेश होना—दीकोक्, खींस।
कच्चा	वि०	काचा, फेसेर, जाली, हारियाड़, बेरेल। कच्चा फल—डेमकोक कच्चा मकान—हासा-ओड़ाक कच्चा लोहा—बाली, मास कुटा कच्चा (तम्बाकु के लिए)—काचरी कच्चा होना—फेचेर, काचा
कच्चू	सं०	पिचकी, सारू। कच्चू (जंगली)—बिर-सारू एक प्रकार का कच्चू—मान-कान्दा सारू
कच्छा	सं०	काचा।
कचनार साग	सं०	सीञ-आड़ाक।
कचहरी	सं०	इजलास, दावरा, माँव-दुआर, काचाहारी, कोट आदालोत, मिसिल, चिकोंड़ पिण्डा। अपील करने वाली कचहरी होना—दावरा।
कछुआ	सं०	काछीम, काटहोरो, होरो, छोटा कछुआ—कोटनाक्-होरा पहाड़ी कछुआ—बुरु-होरो। एक प्रकार का कछुआ—टूकुच्-होरो लापरा-होरो।

कट्टर	वि०	कुडराक् ।
कट्ठा	सं०	काठा ।
कटघरा	सं०	आड़गाड़ा । सभी बकरियों को कटघरे में बन्द कर दिया गया—जोतो मेराम को आड़ गाड़ा केत् कोवा ।
कटना	क्रि०	गाण्डराव, जोखोम, ञोदोक्, गेत् । गहरा कटना—लामाक् । कट जाना—केचेत् । कटा होना—सीगी ।
कटनी मिचौनी	क्रि०	हर, एन । कटनी की समाप्ति—छातबार
कटहल	सं०	कानठड़
कटि	सं०	डान्डा कटि भाग—ह वाङ कटि प्रदेश—हावाङ
कटिबन्ध	सं०	पाठेक्आक्
कटुवचन	क्रि० वि०	एङगाम, दाड़ाव, दोङगाम, बुरा बचन ।
कटोरा	सं०	कारोरा, बाटी, बाटो होपोन ।
कटौती	सं०	काढाव, काटित कटौती करना—नेम्बराव ।
कठपुतली	सं०	ठाप्, चादोर-बादोनी, भादु ।

कठिन वि० दुसको, हेंचपेच, घाटाल-जाल, आझॉट, आॅट, जाकालो गाहड़ी, जोहोत, उभार, सामार, जॉक, खचे पेचे, मुसकिल, आटुप-झाडुप, आट-गाटे, आॅट-कुचील, आॅटा, आकोड़, धाका, आन्दका- आन्दकी, मोजजोर दारून, मोसोकोत् बाज
कठिन होना—हामाल
कठिन परिश्रम—काटसार।
कठिन परिश्रमी—काटसार
कठिन समय—घाटाल-बाड़हाल।
कठिन अवस्था में—आङगाप्-आङगाप्
अति कठिन—एँसकॉस
कठिन श्रम युक्त—उमार सामार झाक-झाक।
कठिनता—दोपचा, जाङगे, हार-गार।
कठिनता पूर्वक—इड़गोच्-तोड़गोच्, जाहाप्-जुहुप्, जॉक, बाड़िया
कठिनाई—मोसोकोत्, मुसकिल, फाण्डो, हाल-मोहन्डा, मोटअजोर, उपान-जापान, आगार-ओगोर, दाल मालाव, हिकमोत, घेर, पेंच, गार गोर-सोर, टेक-झोक, गोर सुसार, गार सुसार, घाटाल बाड़हाल, गारा, जाला, ताल, फॉस, बेवड़ा दायँ खायँ, ताकिच, हामाल, ठाकठेक, हुयरा गुयरा, झीक झोर, दागा, नेझाङ, लेटोककेसाद, कुगार, कात जाबहाड़, जोहोत, फेचाङ, घाटी

बाड़टी, सोन्धे, माहरे, लोटोक, हार
गार, लेटाङ, लेताङ, दोजोक्।
कठिनाई होना—झीक झोक, गोजोर,
दोमा, काम उड़ाव, टेक झोक,
ताकिच्, जावहाड़. जोहोत, लेटाङ,
झीका झोको, सीनीत्ठोक।
कठिनाई में—झीका-झाके
कठिनाई में पड़ना—गार, ऐचे-पेचे,
घेर, काचार, आटुप्-झाडुप्, टेटे-बाझे
कात, हाल-मोहन्डा, गोरजो, कान्दा-
काटा, फेचाङ, कुगार लीटोक।
कठिनाई में रहना—आङ गाप्—
आङ गाप्।
कठिनाई पूर्वक—इड़गोच्-तोड़गोच्,
ऑवड़ा-गावड़े ओरे-टिकोर, झींका-
झोको।
अत्यन्त कठिनाई पूर्वक—काट मोहञ,
जोरते, झीक-झोक, एङ गेल-पेङगेल।
कठिनाई पूर्ण—रोडोञाक्।
कठिनाई से—होरे-दोरे, हाहाल-देहेल,
धाकाच्-धुकुच्।
कठिनाई से होना—हिकमोत।
कठिनाई से भरा हुआ—ठाकठेक,
ढाकढेक
कठिनाई से निगलना—दीच्
कठिनाई मालुम पड़ना—दाँय-खाँय।
कठिनाई उपस्थित करना या होना—
बान्धा।
कठिनाई आना—तुकान।

कठोर वि० काटजीबा, हाडचीबा, दादाड़हाम,
कुरमुताहा, कुमाँयाँ, कोडरो, बिरोट,

केटेच्, ऐक-ढाड़—नाचा, चागाय, काङकेड़, राठुआ, भेरोट, पाकोट, पाटबेत पापाँड़दाङ ।
कठोर होना—राढुआ, पापाँड़दाङ, आँटा टिङकी ।
कठोर हृदय का होना—कुमाँयाँ ।
कठोरता पूर्वक—एड़गेच्, तुड़गेच् ।
कठोर रहना—वाली ।

कठोली	सं०	काठली
कण्ठ	सं०	काण्टा, होटोक् । कण्ठ अवरुद्ध होना—दीच्, गाडरा-गोडरो, अवरुद्ध कण्ठ से—गाडरा-गोलरो कण्ठ रोग होना—जाड़ी । कण्ठस्थ करना—माकासता ।
कण्ठपाश	सं०	ओर—आसीच् । कण्ठपाश बाँधना—ओर-आसीच्, ओर हुसीत् ।
कण	सं०	पोदोर ।
कत्ल	सं०	गुर, खूँन, कत्ल करना—खूँन, टेमाङ, जाबे, हेलेच्, माक्, जीवी—आगुअँत् ।
कतरन	सं०	छोला । कतरना—छोला ।
कतला मछली	सं०	कातला ।

कतार	सं०	सार, यार,थार, कतार में होना—सार, कालेन, थार, थार, गेत-गेते । अलग-अलग कतार में-थारे तोरकान एक कतार में—गोंर-तोड़ोंच् । लम्बा कतार बनाना—गोंर-तोड़ोंच् ।
कथन	सं०	बिबोरोन कथनानुसार—मेनसिकते ।
कथा	सं०	काथा ।
कद्दू	सं०	होतोत् कद्दू से बना कटोरा—लावा जंगली कद्दू—बिज-डिम्बु
कदम	सं०	लेबेत्, डेक, ताड़ाम, डेग कदम बढ़ाना—ताड़ाम । कदम रखना—लेबेत् छोटा कदम—डेबेच्—डेबेच् ।
कन्द	सं०	दा । कन्द होना—दाक् । कन्द-मूल—आसेर, जाड़माड़ । एक लम्बा कन्द—झालदा ।
कन्दरा	सं०	खाराङ, खान्दड़ाङ, डोन्ढोर ।
कन्दा	सं०	डुमकुच् । एक प्रकार का कन्दा—सुसनी ।
कन्दा	सं०	तारेन, दाबी । कन्धा फुलना—तारेन । कन्धे की हड्डी—दाबी जाङ । कन्धे पर लेना—घोंड़ा ।

कनखा	सं०	काङ्खो, काङ्खा । कनखादार—काङ खाआनाक् । कनखा टूटा बर्तन—बुरूआङ, बुड़आङ ।
कनखियाकर	क्रि० वि०	कोड़सच् । कनखी मारना—जीपीत् रिपीत ।
कनचपड़ा घाव	सं०	काना-आड़े-घाव ।
कनपट्टी	सं०	लुतुर हुपाक् कानो-आड़े ।
कनिष्ट	वि०	चुन्डाक् सोनोतोक । कनिष्ट लड़की—चुण्डी, चुण्डको ।
कपट	वि०	छोल, छोन्द-कोपोट, क्षोन्द-कोपोट, दोमबाजी, दागा ठोक । कपटी—छोन्द-कोपोट, कोयन्दा, बेहीके, दागाबाज दोमबाज, छाभा, एरका, जुआखोर, दगाबाज, कपटी (स्त्री)—बाठपाड़ी । कपटता पू .क—बाड़काचते ।
कपड़ा	सं०	पोसाक, हाप्, दालपुङ, किचरिच् बोसतोर,ड़ेङगानक् (पहनने का) लुगड़ित्, लुगड़ी । कपड़ा फट ; जाना—गायुर-गापुर । कपड़ा फटना—हेडरेच् पोगोयाक् । कपड़ा का एक किनारा—कानासो, आन्जबार । कपड़ा तह करना—कानासो, कोसो । छोटा कपड़ा जो कमर में बाँधा जाता है—कापो

अधुरा पहने हुए कपड़ा—दाल पाङ-दालम ।
ऊनी कपड़ा—बोनात ।
बढ़िया कपड़ा—झील-झीलीया ।
कपड़ा पहनना—डेङगा, बान्दे, होरोक् ।
कपड़े की कमी होना—दालपाङ ।

कपार	सं०	चान्दी, मालाङ ।
कपास	सं०	कासकोम । कपास की रूई—डीनडी । कच्चा कपास—कापा-साडा । बड़ा कपास—बुढ़ी कासकोम ।
कपूर	सं०	कापुर
कब्र	सं०	तोपा, कोबोर । कब्र में गाड़ना—कोबोर, तोपा । कब्रिस्तान—माँडी-पोडा, मोरा-कोम्पा कब्र खोदना—गाडा ला ।
कब	क्रि० वि०	तीस, तीमीन, ओनेन कब से—तीसोङ, तीसाक, तीसखोन कब तक—तीस-कोते कब की—तीसीच्, तीसाक् । किस समय तक—तीस-कोते, तीस-हाबीच् ।
कतड्डी	सं०	माबडी ।
कबूतर	सं०	पारवा । कबूतर नाच—पारवा-एनेच् । कबूतर का दरबा—टाबँगी । कबूतर का दरबा बनाना—टाबँगी ।

कभी	अनिश्चय वाचक सर्व	जाँहाँ-तीसोक् । कभी नहीं—ओहोतेत, तीस-हों—बाङ । कभी भी—जाँहाँ-तीसगे । कभी-कभी—जाँहाँतीस-जाँहाँतीस, बाजेखाने, ओका-ओका, बाजे-बिरला, छाड़विड, छाडामेला साके-साके, जाखान-ताखान, ठामकाव-ठामकावते
कम्बल	सं०	काम्बरा । कम्बल होना—काम्बरा
कम	वि०	कोम, कुमती, घाटी, आड़ोप, आपरूम, तुलुच्-तुपुच् रोमोन्-कोटोच्, एताङ, काडायेते, कुड्युत, केन्डरा, सारचा, टोनटाँ, हारसुङ, छियाक्, कामाही, कासो । कम करना—काटाँड़, काटाव कोमाव, सुहीत, शाड़ाव, आटाँव, हातकाव । कम होना—काटाँड़, घाटोक्, कोमोक्, तुलुच्-तुपुच् नेम्बराव, नेम्बरोत, आड़ोक, गानझेड़, हारसुङ कम-बेसी—बेसोमान । कम किया हुआ—थुकाड कम वजन का—होलको हालका-होलको । काटकर कम करना—कोसो । बहुत कम—रियाङ-रापाङ टुम, साद पेड़े पेड़े, टायाल-टुयुल. गोयन्डा-भेटाव, पोलसो, एका-दुका आटोस-कुटोस, दोयो-दोयो, बाजेक, साजेक, रीचाङ-पीचाङ, थुलुच्-थुलुच्, हुडू-हुडच् कम कपड़ा होना—डेनडका ।

कमी—कमाव, टोनटा, आकाल, आकाल-सुकाल, पालोन ।
कमी होना—टोनटा, केन्डरा, आकाल, छेर, छेर आधी पालोन, दोमकाव ।
कमी का अनुभव करना—आकालिया, आपरूग ।
उदाः-बहुत कम हमको दिया गया—आडी आपरूग को एमा दिआ ।

कमजोर वि० डोलाव, लाराहा, लाटलाहा, जाकान-जुकुन, केडमेर, लापड़े, रूयाँ, रोयदा, मारचा, निजोर, आय, लिचोड़, लिचाङ, साकोसिया, जोद, डेकेत्, डेकेत्, तोरलात, जीपो-जोपो, चोपला, रूईयाँ, जालपा, रूड़कू-जुड़ङ, रोबोङ कोबोङ, जुकनी, लोड़कोच् लेड़ोसिया, रेहें, जुलुङ-जुपुङ, डब-डिबीया, लाकुड़, दोजमारा. सोआङ-पोड़ा हिड़हात हिरो-झोको, लेटरेत, लीपसा, जापा-जोपो, जापाङ-जुपुङ, जुरा, जोपो, जोपसो
कमजोर लगना—रीबोङ-कोबोङ, रापा-रोपी, रीबोच्-रोबोच् ।
कमजोर होना—तोरलात, लाटलाहा, रूयाँ, जुलुङ रूकडुङ, रूङकू जुडुङ, टोलाव, लोड़कोच्, लाटाव, रेंहें, लाकुड़, लीपसा, जोद, आसा-दुसा ।
कमजोर पड़ना—हिड़हात, जुकनी ।
कमजोरी के कारण झुमते हुए जाना—हिरो-झोको

कमर	सं०	डाण्डा ।
		पतली कमर—सुसुरबाङ ।
		कमर टेढ़ा होना—रान्दाच् ।
		कमर में मोच आना—हुँक ।
कमरंगा	सं०	चामरांगा, कामराङगा ।
कमर धनी	सं०	कारधानी, नाड़ा, डोरा ।
कमरा	सं०	कान्दहा, कामरा ।
कमल	सं०	उपेल, उपाल ।
		एक प्रकार का कमल—टान्डी उपाल
कमसिन	वि०	बाले-होड़मो, ओबराबास, ऐहेल-बेकेच्, पाटकाल-पोटकोल ।
कमाई	सं०	कामाई ।
कमान (धनुष की)	सं०	पोड़ँछा ।
		धनुष की रस्सी के बदले में प्रयोग किया गया बाँस की पतली पत्ती—पोंड़छा ।
		कमान (छाते की)—कामान
		धनुष का कमान चढाना—दाक् ।
कमाना	क्रि०	कारदानी, कामाव, रोजगार, मेराव
		कमानेवाला—आरजोनिया ।
कमानी	सं०	कामनी ।
कमी	सं०	टानोक्, टानाटानी, ओझड़ाव,
		कमी पड़ना—टाना-टानी ।
कमीज	सं०	आङ्गरोप, आँगरोप ।
		उदाहरण:— मुझे कमीज खरीद दो—आँगरोप किरिञ आञ में ।

कय-कया	क्रि० वि०	सेरेड़-सेरेड़, सेरेङ मानते । कय करना—फाटकार, उच्छलाव, बेच्
कर्कशतापूर्ण	क्रि० वि०	रोयो-रोयो, रागात् उदाहरण:—उसने मुझे बहुत कर्कशतापूर्ण बातें कही-आडी रागात् कायाय मेता आदीजा। कर्कश ध्वनि—काण्डराङ-कोण्डरोङ, तोरडाच्-तोरड़ाच् गाहला । कर्कश आवाज करना—दाड़ाव कर्कश आवाज के साथ—रोड़े-रोड़े ।
कर्ज	सं०	रीन, कोरजा, हावलात, धार, कर्ज होना—रीन, कोरजा, कारजा, कर्ज में डुबना—रीन-गाडोक् कर्ज बढ़ना—बाढावना कर्ज लौटाना—उसुल । कर्ज देना—बासाड़े ।
कर्तव्य	सं०	दाय, दायीक । कर्तव्यच्युत होना—दाय-खालास ।
कर्णफूल	सं०	कान फुल, लुड़का
कर्मा पर्व	सं०	कारमा-पोरोब कर्मा पर्व मनाना—कारमा-पोरोबोक् कर्मावृक्ष का डाली—कारामडार
कर	सं०	लागान,भेजा, माल, मासुल, खाजना, तोलानी । कर-मुक्त—निरबेड़ । कर—मुक्त होना—मिलकी । कर—मुक्त जमीन—नाखराज ।

		कर वसुलने वाला—मासूल— हजादार, साधोनदार ।
		कर चुकाना—खारा ।
		कर लगाना—बाब ।
		कर बढ़ाना—लागन
		कर लेने वाला—तोलानदार ।
		कर देने वाला—इरारा, इजादार ।
		कर बाकी रहना—जेर—बाकी ।
		कर बाकी रहने का सन्देह—जेर बाकी
		अनियमित कर—हेजा—भेजा ।
		अतिरिक्त कर—जाडबान ।
		कर जो जमीन दार को मिलता है । (इस प्रकार के कर में जमीन दार को कर के बदले कपड़ा मिलता)—जाडबाङ ।
कर—कर	क्रि० वि०	रीचोत्—रोचोत् कर—कर चबाना—रोचोत्—रोचोत्
करजोट	सं०	सोङकोर—जोटा ।
करताल	सं०	कोरताल ।
करनजुवा पक्षी	सं०	तारजुवा ।
करना	क्रि०	आधा-सुधा ओचोय, लीहके, आर, इश्रा, कोराव ढाला-ढुलो । उदा :—हमलोगों ने कर लिया—आधा सुधा के दाले । और करने का मन करना—ओदगेल । अभी और करना—तातॉव । पकड़ कर कर—डाटोप् ।

करंज (पेड़)	सं०	कोरोञ्ज ।
करंड	सं०	छाला ।
कराह	क्रि०	गेराङ, ञोक, हों हों-हों हों, हेंक्, हूँ-हूँ-हूँ-हूँक् गेराङ हारूङ, कुँहराव, आडरा-आडरी । बाध दर्द से कराह रहा हैं—तारुप् दो हासो तेय आडरा-आडरी बाडाय काना । कराह—गेराङ, कोरो-कोको । कराहते हुए—गेराङ-हारुउ ।
करीब-करीब	क्रि० वि०	लगी, कुरियो आन्दाज ओना बाताड़िच् टेक, निरोत । करीब-करीब माप—हार करीब-करीब खतम करना—हाचला-होचलो । करीब उतरा—हुनाकृगान ।
करुण-रस	सं०	राहेड़ ।
करेली	सं०	कारला, हाड़हात्-कारला, जंगली करेला—बिर-कारला ।
करैत साँप	सं०	गान्डेत ।
कल	सं०	काल, गापा । बीता हुआ कल—होला । कल का—होला नाक, होलान, (बिता हुआ कल के लिए) कल परसों—गापा-मेयाङ ।
कलकल-भाव	सं०	कास ।

कलंक	सं०	बान्दा ।
		कलंक रहित—बेकाली ।
		कलंक लगाना—भाकनाओ ।
		कलंकित करना—दालमित्, खोचा, लेआव ।
कलख	सं०	हुलिया ।
कलगी	सं०	काहेल,डुगी, डोग, फोड़ा ।
कलछी	सं०	काड़छू ।
कल-छुल	सं०	बोकाक्, चुनडुच्, काड़छू, ड़ाड् ।
कलम	सं०	कोलोम ।
		पेड़ का कलमी करना—कोलोम ।
		कलम चलाना—कोलोम-ओल ।
		कलमी धान—कोलमा होड़ो ।
कलसी	सं०	दाक्-काण्डा ।
कलह	सं०	सोपोलोङ ।
कला	सं०	हुनार ।
कलि	सं०	लाड़हाय, झोगड़ा, मुसकिल, हासो कालाव ।
		कलियुग—कालावजुग ।
कली	सं०	भोटोक्, बाहा-मोटो, मोहे, डोग ।
		कली फुटना—भेंहे होन-जाङगा
		कली निकला होना—रीटो-रोटो ।
		कली निकला हुआ—रीटो-रोटो ।
		कली को खा जाना—लेपेच् ।
		डोगा को खा जाना—लेपेच् ।
कलुषित	वि०	नोङगरा, जूठा, जूठा-माठा, मायला ।
		कलुषित करना—लेटा ।

कलेजा	सं०	इन ।
कवि	सं०	कबी, गाथनीया ।
कष्ट	सं०	आपोतो, हारोम, रोगुदा, जाला, बाव-बातास, कोसटो । कष्ट होना—जाला'क्, हारोन । कष्ट देना—हान, दीक, रोगदा, दीक-दीकाव आनसा, हेड़ोक्-हेड़ोक, डेहेत्-डुनदेत, डेढेत् । कष्ट कारक—आन होट, हेटेच् । निर्बलों को कष्ट देना—हुम घुम ।
कसना	क्रि०	उरिच्, टानाव, ओर उरिच, ओस्कुस कुसाव, रेटा कासाव । कस कर भरना—खाचाव । कस कर बाँधा हुआ—सपुचकुत् । कसा—टील टील । कसा हुआ—टेजटेड़ेज, टेजटेज, कोस कोस, पङ पुङ बिना कसी हुयी रस्सी—फोदलो ।
कसाई	सं०	कोसोया, कासाई, दुचाड़ ।
कसार	सं०	डोमबोक् । कसार बनाना—डोमबोक् ।
कसीदा कारी	सं०	सोहोर ।
कसेली	बि०	कासा । कसेला लगना—कासा । कसेला पानी—कासा दाक् । कसेली—कासायली ।

कहना	क्रि०	सैता, मेन, चालबील लाय ! सामने कहना—हाकियाँ । अनर्गल कहना—आनडरा । भला बुरा कहना—ओहता,खाजचेड़, एगेर । छोड़ देने के लिए कहना—जाय दे । जाने देने के लिए कहना—जाय दे। कह कर—मेनकाते । कहने का तात्पर्य—ऐनकाथाय । कहलाना— बिकाउ । कहा सुनी होना—रोपोड़, रोपोड़ दापराम, रोगोड़ झोगोड़ । बिना कहे हुए—सोदरोक् ।
कहानी	सं०	काथा लाहटी, ताड़, गाम, खिस्सा, काहनी । कहानी कहना—काहनिय. गाम, लाहटी । कहानी करना—ताड़ । कहानी बनाना—बाडोही । कहानी सुनाना—गाम, लाहटी । कहानी—कारकाथनिया
कहावत	सं०	फेल ।
कहाँ	बि०	ओकोर, ओकारे, ओकातेन, ओका ठेन, ओकासेन, ओका उतार, तोका तोकोर । काव्य रूप में "तोका" का प्रयोग भी होता है । कहाँ कहाँ—ओका ओका । कहाँ पर—ओका सेनरे, ओका ठेन ओकोर ।

		कहाँ तक—ओका धाबिच्।
		कहाँ से—ओका खोन।
		कहाँ का—ओका रेयाङ, ओकान, ओकारेन।
कहीं	क्रि० वि०	जॉहॉरे, आदोम सेच्।
		कहीं-कहीं—आदोम सेच्, आदोम-आदोम, ओकारे।
		कहीं कभार—हाटे-बाटे।
		कहीं भी—जॉहॉ रेगे एकारे, जान्दे-सान-तान्दे, ओकाते-हों, जॉहॉते, जॉहॉरे, पोते-घाटे।
		तब कहीं—हिना-आनाक।
कड़कना	क्रि०	लुटुर, हुडुर
		कड़क—साडे, गारजाव, ठेर, हुडुर।
		कड़कते हुए—सेकड़ेच्-मानते।
		कड़कने के शब्द के साथ—रेकड़ेच्-मानते।
कड़रू (भैंस का नर बच्चा)	सं०	काडरू।
कड़ा	वि०	सोकतो, पापॉड़दाङ, आमोट, केटेच् पाटोचाक्, चिमोड़, सोकतो, राटको, खुटुर, रवेड़ेस, काडरो, देगेन-देगेन, कोरहोड़, दुडुय-दुडुय, टील-टील, जोमाट, कारकास, दादाड़हाक, काडराय, कोडरो, काडरो, जामाट, केकेड़जाङ, काडकेङ, ऑट, ऑझॉट, ऑटा, जोहोत, खाटास, रोकड़ोच्, लुटुच्, राढुआ, पाटा, पाकता-पाकतो, रोटको पोटको,

रोटकी, बिडिर-बिडिर, तालीस, लीड़, निसेराड आसी, भारू।
कड़ा बाल के लिए—रापे, रारोचाम,
कड़ा होना—देगेन-देगेन, युटुर, काडराय, जोमाट जाड़िताव, दाडड़-हाम, कारकास, खाटास, पापॉड़दाङ, पीकतो, साटीआव, काट, टिल-टिलाव, साकिच्, तासील।
कड़ा विरोध पूर्वक—जुन-नुनाव।
कड़ा जमा हुआ—जामाव।
कड़ा व्यवहार—हुड़दुङगा।
बहुत कड़ा—धोड़ोय-धोड़ोय।
कड़ाई करना—हुड़दुङगा।

कड़ाही — सं० — काराही, लुईहा।
कड़ाही में भूजने की ध्वनि—हेण्डोच्-हेण्डोच्।

कड़ी — सं० — काड़ी, सिकड़ी, हुड़का।
कड़ी लगाना—सिकड़ी, हुड़का।
कड़ी धूप—आहला।

कड़ुवा — वि० — आयताहा वीकतो, झाल, आड़ाय-ओड़ोय, हेवेर, हाराङ, हेबेन, लाग, हेम हेम, हेवेर-हाड़हात् तीतो, तेज गोल-गोल।
कड़वा स्वाद होना—हाड़हात्।
कड़वा लगना—हेवेर - हाड़हात हाड़हात्
कड़वा होना—लाग।
कड़वापन—लाग।

कढ़ई-शादी	सं०	टुङकी दिपील बापला गरीब लोगों की एक प्रकार की शादी जिसमें मणडप नहीं बनाया जाता है और सिन्दूर दान लड़के के यहाँ होता है—टुङकी-दीपील-बापला।
काँख	सं०	हातलाक्
काँच	सं०	काँच काँच माला—साँक माला।
काँटा	सं०	आँकुस, काटी, साण्डासी, पेड़ या पौधें का काँटा—जानुम काँटे दार—चाइला-चोइलो, जानुम, राङगा-चोङगा। काँटा लगाना—कानारी। एक प्रकार का काँटा—सापीन। काँटा साग—जानुम-आड़ाक्। काँटा से भरा हुआ—रेगे-चोगे। काँटी—काटी, जालाय। काँटी ठोक कर जोड़ना—जालाय।
काँपना	क्रि०	सारसाराव, लुकुर-लुफुराक्, थार-थारकोक्, लुक-लुक, रुन-रुनाव, धाक-धाकाव, हिलाओक्, टाक-टाक, तारको, लोधोर। साक-साकाओक् धुपुच्, टाकार-टुकुर सीसीराव, छुप-छुपाव, दाकाल-दाकाल जार-जाराव, डोरे-मोरे, मालमालाव, रुमुल-रुमुल, टुक-टुकाव, दामसाव ठाक-ठाकाओक्, टाक-टाकाव, धुलुप-धुलुप, डागडागाव, दील-दील,

दालकाव, धाड़कुक्, थाल-थालाव, साक-साक, तेवड़ा-तीवड़ी, पायाल-पुयुल।
डर से काँपना—रीब-रीबाव।
ठंड से काँपना—सुकू-सुकू।
थर-थर काँपना—ओकोर।
काँपते हुए—टुक-टुक, टयुत्-टयुत्, रुकून-रुकुन, साक-साक, दालाक्-मालाक्, तेवड़ा-तीवड़ी, डागमागाव
कंपकपी—टाकाव-टुकुर, दाकाल-दाकाल, जार-जाराव, ठाक-ठाकाव, लुकुर-लुकुर।
कंपकपी लगना—रुब-रूबू, लुकलुक,
कंपकपी होना—रूमुञ-रूमुञ, रूकुन-तुकुन, सीसीराव, साक-साक।

काँय-काँय	क्रि० वि०	चान-चान, काँय-काँय। काँय-काँय करना—काँय-काँय, चेञ-चेञ। उदा:— हर समय काँय-काँय सुनता हूँ—सिञ सा तुः चान-चान इञ आञजोम ऐदा।
काँव-काँव	सं०	काँक्काँक्।
का	सम्बन्ध कारक	दो, रेन, नाक्।
काई	सं०	गिवार-गावार, लेया, सेयालोम। काई बैठना—लेया, गिवार-गावार, ओलहात्।
काग	सं०	बुरू काँहु, बेनेत् ठीपी।

कागज	सं०	कागोच, कागोज, पोतोर । कागज का पुलिन्दा—ढाढरा । आधा पन्ना कागज—तारा-कागोज। टिकट लगा कागज—फुलियां ।
काजल	सं०	आयनोम, काजार बजाना बनाना—थुम काजल लगाना—आयनोम, काजार।
काटन	क्रि०	काटाव,काटित, लेसे, हेलेच् आड़ोप, गेत्, लाहेर, कामान, हेसे, लाक्, गेत् ओतोड़ेच् डुलाव, माक्, रेता धालकाव, साभाक्, ठाक-ठोक, हेड़, धाड़, गला–धाड़गली, धाड्गलाव, धालका-धालकी, साटाक्, सब्माक्, दोखला-दुखली, डुला-डुली, खेंच, गिरी, खोडराव, कातराव । मुंह से काटना—गेर, लोसाक्, ोहाक् । पेड़ की फुनगी काटना—हेतड़ाव, हुबाक् । सांप का काटना—सोगाक । चोंच या सांप के मुँह से काटना—थागलाव, खाबलाव । फसल काटना—हातार, इर । पेड़ की डाली काटना—डुण्डगा । गहराई तक काटना—लामाक् । अत्याधिक काटना—हेलेच् । छोटा काटना—तोपे । काट-छाँट—काट कुट । काट-छाँट करना—काटकुट । काट कर छोड़ना—इर-गितिच् ।

काट कर निकाला हुआ (फसल के लिए)—इर ओडोङ ।
काटकर जमा करना—इर जारवा, कान्धो, इर राकाप् ।
काट कर गिराना—घासकाव ।
काट कर ढेर लगाना—हुड़बाग ।
काट कर निकालना—धालका-धालकी
काटने वाला यन्त्र—गेतेत् आक् ।
काटने वाला प्राणी—गेगेर इच् ।
काटते हुए—साडाक् मानते ।
टहनीयों को काट डालना—हेड़हेवजाङ ।
किसको काटना—आड़ोप ।
छुरी से मुझे काट दिया—छुरी तेय आड़ोप किदिञा ।
काटा हुआ—गेत्-आक्, इर-आक्, मुण्डरा (बालों के लिए), ढुण्डगा (पेड़ों के लिए)

काठ — सं० — काट, काट-माकोड़ ।
काठ होना—काट ।
काठ पर उगने वाला गोबर छत्ता—कठओत् ।

काठफोड़वा — सं० — सेङगेल ऐरे, ऐरे ।
काठफोड़वा पक्षी—गुतरत्, दाबला-कुटास ।

काण्ड — सं० — कान्डो ।
काण्ड होना—कान्डो ।

कातना — क्रि० — टेकोस, ढेरा, गाङ, गाक् ।

कातला (बैलगाड़ी की धुरी पर की लकड़ी या कुम्भीर)	सं०	कातला।
कादर (एक विशेष जाति)	सं०	कादोर। कादोर जाति के लोगों का देश—कादोर-बोङ्गा।
कान	सं०	लापड़ा, लुतुर। कान कटा—बुचा। कान कटी—बुची। कान का मैल—ऍड़गोत्। कान खोलकर सुनना—लुतुर-बीत्। कान फट्टी—हुपाक्, लुतुर-हुपाक्। कान में फुसफुसाना—कान-फुका। कान में बताना—कान-फुका।
कान-खजूरा	सं०	राईसात-लेण्डाङ।
कान-गोजर	सं०	कान-कोटरा।
कान-फूल	सं०	ठेका-पागरा।
काना	वि०	ठेसरा, टेसरा कोड़सेंच्, कॉड़ेत्, खोंचड़े। काना होना—टेसरा, खोंचड़े।
कानाफुसी	क्रि० वि०	काने-काने, खाय-खोंय।
कानी	वि०	टिसरी। कानी उँगली—सीच्-काटुप्।
कानून	सं०	दामान, आन, आरी, आन-आरी, साखा, कानून, राजोक् चाली। कानून के अनुसार काम करना

पड़ेगा—आन-आरी ले काते कामी जारुड़ा।
कानून बनाना—आनबान्धाव।
कानूनी आज्ञा—डिग्री।
कानूनी आज्ञा जारी करना—डिग्री जारी।
कानून होना—धारा।

काम वि० उदाम, काम, कामी, काज।
अधिक काम—हाल-हाल।
अधिक काम पड़ना—हापचाप, हाल-हाल।
जरूरी काम—हाल-हाल, हाप-चाप
अधुरा काम—इदोड़-विदोड़।
विभिन्न प्रकार का काम—दोक् (यह शब्द केवल मण्त्र में व्यवहार होता है)।
काम करना—कामी, बेजाव, काम, कामतुक, नाल-हा, आसाङ-उसुङ, उडुड़-धुपुड़।
काम पकड़ना—कामी, काज।
काम रहना—आड़हारो-बाड़हारो।
काम होना—दामचाकू, धुरधुर, उचराव।
काम पड़ना—धुर-धुर।
काम कर देना—बाङगाम।
काम लगना—जोबाब।
काम में जाना—ओठाबन्दे।
काम चलाना—पाट।
काम में फँसा हुआ—उडु-डुबु।
जल्दी काम करना—हिरकाल-पारकाल।

काम में लगना—खाजजाव, धुरपाव, ठेकाव।

काम में लगाना—धुराव, आचू, नानधाव।

काम शुरु करना—धुराव

काम समाप्त करना—सारियाब।

शक्तिपूर्वक काम करना—हिडिच्-डापिच्, दीगीर दीगीर।

लगातार किसी काम में लगे रहना—सारपाड़-आतीज।

असन्तोष जनक काम होना—सातरा-पातरा।

मन लगाकर काम करना—तारकाव, दागुर-दागुर।

काम के बोझ से दबना—दुड़-दुरी।

कुछ काम का न होना—थोकड़ाव।

जोर-शोर से काम करना—दागुर-दागुर।

किसी तरह से काम चलाना—दीवसी

काम से जी चुराना—गाँवड़े-गाँवड़े।

खूब काम करना—हाक् हाटिज।

खूब काम करवाना—हाक् हाटिज।

काम चोर—झुड़-धापका, तोज, टान्डी-आन्डिया (स्त्री)।

काम भर—सामुङ।

काम में व्यस्त—धामान्ड।

सब काम जानने वाला—हुनारिया।

बे-काम का—जोरपोच्।

कामुक वि० छिवार, उमताव, लोङगरा, साण्ड-गार, सीड़बाच, उमता, उमती,

		इपीर-किचाक्, ताई, काधाय, छिनारी (स्त्री) कामुक होना—ताई उमबरा-उमबरी, काधाय, गिलगिताव ।
		कामुकता पूर्वक—इतराव ।
		कामुक ढंग से—छालाक-छान्दोरी ।
कामोतेजक	वि०	बाटुवा ।
कायर	वि०	डुरुकिया ।
		कायर होना—डुरुक ।
		कायरता—डुरुक ।
कायस्त	सं०	कायेत, कात ।
कार्य	सं०	काम, काज, कामी
		कार्य करना—आमाली, कामी, काटनिपुन, कार्यकुशल, खारकाहा ।
		कार्य का श्री गणेश होना—ओड़सोड़, ओराबारा, ओराव
		कार्य कुशल— बरोटी-पाजजारान, गाखुड़, आवाला
		कार्य कुशल होना—आवाला, बायसाव ।
		कार्यरत—आसाम—उसुम, कायतुक
		कार्यक्षमता—आझॉट ।
		उसकी कार्यक्षमता द्वारा हमलोग जीत गये--उनीयाक आझाट तेले जीदावेना ।
		कार्यालय—आपीस ।
		वह कार्यालय गया—उनी दो आपीस तेये चालाव एना ।

कारखाना	सं०	कारखाना । कारखाना होना—कारखाना ।
कारण	अव्यय	इकाते, सातोन, इयाते, तेसे, सौक, दायते, साबानते, लागित् कारोन, दुरुन, ऐनते । कारण होना—दुरुन, जोह । कारण से—दुखवते, ऐनते, तेड़ोङ, होतेते, धोमोसते धोड़ोसते, उथुमते, होतेर, इयाते, रेकाना, मेनते । बिना कारण से—हाक-नाहाक् । बिना किसी कारण से—लाय-लाय । उस कारण—ओनासेनते, ओना-तेड़ोङ ओलाते । उस कारण से—इनाते । कारण वश—इनालेका, गुनाक्ते, तेड़ोङ, एड़ोङ कारोनते ।
कारतुत	सं०	टोटा ।
कारा	सं०	कासाड़, जाहाल, गाराद ।
कारीगर	सं०	मिस्तीरी ।
काल	सं०	धाड़ीया, काल ।
काला	वि०	हाता, ओलहात् काड़ेया, जाङ-धोयाक, हेन्दे, कुईला, ओङगा, कोया, ताड़ोयाक् । काला चेहरा वाला—बानडोक् । अत्यन्त काला—आक्-आक् । बहुत काला—मेयोदाङ, आड़ादाङ आङगाल-अुत ।

काला बाल—कारकान्धा ।
काला चमड़ा वाला—कुईला ।
काला करना— कोया, हेन्दे ।
काला होना—हेन्दे कोया, ओङगा, ओलहा ।

काला-ज्वर सं० आङ गारिया ।
वह काला ज्वर से पीड़ित हैं—आङ-गारिया रुआ तेये जाबुन आकाना ।

कालाजीरा सं० कालिया-जीरा ।

कालापानी सं० दीप-चालान, कालापानी ।
कालापानी की सजा मिलना—कालापानी, दीप-चालान ।

काली सं० काली (स्याही)
काली देवी—काली ।

कालिख वि० झोल, गोयाक् ।
कालिख लगना—झोल-मोटका, गोयाक् ।
कालिख लगा हुआ—गोयाक् ।
कालिख लगा चेहरा—बानडोक् ।
धुआँ का कालिख लगा हुआ—झोल-मोटका ।

काशी सं० कासी ।

काढ़ना क्रि० कुन्दाव, काढान ।

किंकर्तव्य-विमूढ़ वि० बिराम-पाट, हारी-हारोन, हारिआँ-बुसिआँ किंकर्तव्यविमूढ़ होना—हापू हारा, आन्दामान्दाओक्, आहुड़-

		बाहुड़ोक्, आयाक्-ओयोक आलात्-ओलोप्, हारी-भोङ्, हायमोय-काट, ऐचे-पेचे, भाकुआड ।
किवंदन्ती	सं०	तुलाव काथा ।
कि	संयोजक	जे ।
किच्ची	सं०	वेञ्जाक् ।
किटकिट	क्रि० वि०	किट-किट । किटकिटाना—किटकिटाव ।
कितकित	सं०	आइटाव-पाइटाव । वे कितकित खेल रहे हैं—आइटाव-पाइटाव को एनेच् काना ।
कितना	क्रि० वि०	तीमीनाक्, तीमीन, तीनाक् । कितना थोड़ा—तीनाक्-उडी । कितनी बार—दारते ।
किताब	सं०	किताब, पुथी ।
किन्तु	संयोजक	सेबिचकोम । सें बोरोङ ।
किधर	सर्व	ओका सेन, ओकसेनरे । किधर से, ओका-सेन-खोन ।
किनारा	सं०	पाहटा, कोनाच, कूट, पोहोल, काली, सीरा, कोचा धारी, कानास, आड़े, कोण्ड, धारे, ढीप, कानाच-कोनाच, धारी, सा, भाछे, धारे-धुरे, डीमबी, लोचोङ । एक किनारा—एक-सिताल, काड़ ।

		एक किनारे होना—धातरा ।
		एक किनारा चौड़ा—धेमोन-फुदिया ।
		बिना किनारे का—मेड़हो ।
		किनारे का जगह—धुटु ।
		किनारे का—धातरा ।
		किनारे में बार लगना—धातरा ।
		किनारा होना—कोन्डधारे ।
		किनारे होना—धारेक, धारे-धुरे, चुकरी ।
		नदी का किनारा—रीड़ाङ ।
		किनारे लगा कर अलंकृत करना—दासी ।
किरण	सं०	रात, जेडेर ।
		किरण में—ठीकारी ।
		किरण फूटना—जेडेर ।
किरासन	सं०	दिवहा-सुनुम, हासा-सुनुम ।
किला	सं०	गाड़, किला ।
		किला बनाना—गाड़ ।
किवाड़ी	सं०	कावाड़ ।
किश्ती	सं०	किस्ती ।
किशोर	सं०	ओच्, गिदरा ।
किस्त	सं०	किस्ती ।
किस्सा	सं०	खिस्सा ।
किसका	सर्व	ओकोय-रेन ओकोयाक् ।

किसप्रकार	क्रि० वि०	चेकालेका, चेकाते ।
		किसी प्रकार से—चेकालेकाते, ओका-लेकाते ।
		किस दिशा में—ओका-सेन रे ।
किसलय	सं०	पेंपड़ेंत् ।
किसलि ए	प्रश्नवाचक सर्व	चेदाक् चाक् ।
किसान	सं०	जोतदार, इजादार, चासा ।
किसी को भी	अ. वा. सर्व.	जॉहॉयमान-तॉहॉय ।
		किसी तरह—आङगोत-बाङगोत ।
		किसी भी प्रकार से—जीते ।
कीचड़	सं०	लोसोत्, बिगार-बोगोर ।
		कीचड़ कर देना—खादबादाव, लोसोत्, घाट-घुरा, गाज-गाजाव ।
		कीचड़ से भरना—जोलोम ।
		कीचड़ हो जाना—जेबेच्-जेबेच् ।
		कीचड़ से लथपथ होकर—जोबे ।
		कीचड़ होना—लाटपाटीव, थाल-थालाव, गाज-गाज, दाहलाव, गावास-गुबुस ।
		कीचड़ में फँसना—जोबदाव ।
		कीचड़ में धँस जाना—गाद-माराव ।
		कीचड़ पानी होना—हेवेल-वेकेल, सोडोर-बोडोर
		कीचड़ लपेटना—थाईया-थोका
		कीचड़पूर्ण—जेगेच्-जागुम, काचकाच, ।
		कीचड़ युक्त—कादा-चोहला, हेजपेजे, थोरोड़-थोपोड
		कीचड़ भरा हुआ—थाईया-थोका ।

कीट	सं०	टीरा।
कीटाणु	सं०	तीक, तेजो।
कील	सं०	जालाय, आँकुस, खील, गुजी, गोजाल, गोजा, गोज। कील ठोकना—गोजाल, जालाय, नुजी, खील-जालात्। कील लगाकर दृढ़ करना—खील उरिच्।
कीड़ा	सं०	टीरा, तेजो। कीड़ा लगना—तेजो। कीड़ा पड़ना—तेजो। कीड़ा खाया हुआ—ढोढेओ, धोरवो, धोदेआ, ठोओ गान्डराव कीड़ा खा जाना—ढोया। कीड़े के पर निकलने के पूर्व के अवस्था—दाका, एक प्रकार का कीड़ा—जोखा, तोपोत, गाडा-गाँड़ी एक जंगली कीड़ा—आहड़ा। एक छोटा हरा कीड़ा—आमचाटा। एक बिषैला कीड़ा—सुसमार। पत्ता खाने वाला कीड़ा—पाता-इचाक्। धान नष्ट करने वाला एक कीड़ा—बाकी, चॉई। पुटका कीड़ा—पुटका-एङगा।
कुंज	सं०	दान्धी, पोर।
कुआँ	सं०	इनदारा, कुंज।

कुकर्मी	वि०	चुदि ।
कुकुर	सं०	सेंता । कुकुरमुता जन्मना—चिञ्चित् । बरसात में कुकुरमुत्ता जन्मता है— जापुतरे ओत् चिञ्चिदोकआ । गोल आकार का कुकुरमुत्ता— ऐरोक-पुटका ।
कुचलना	क्रि०	लानद्, लेसेन, लेबेत्, सेरेत्, माण्डा, थाईया, काड़गो गास-गान्डाव, एन, साड़गोम, रीयदा-रीगदी । कुचल देना—लेसेन, गाञ्जाव, धासाभाराङ । कुचलते हुए—काड़गो, रीगदा- रीगदी ।
कुछ	वि०	आधान, मिमित्, मिमित्, थोड़ा, मोठे, आदोम चारटी । कुछ लोग—आधान को । कुछ हिस्सा—आधानाक् । कुछ दिन पहले—आर, लाहा । कुछ समय पहले—एनाङ । कुछ समय पहले का—एनाङाक् । कुछ समय बाद—ऐने-ऐने । कुछ समय बाद होना—हापेन । कुछ भी—जागे, जेकिछू, जाउडीच् । कुछ भी नहीं—ओकाहों, मोरोनतो । कुछेक—भित्-बार ।
कुटिया	सं०	कुड़िया, कुम्बा ।
कुटुम्ब	सं०	कुटुम, पेड़ा ।

कुट्टुर-कुट्टुर	क्रि० वि०	रासुक्-रासुक् ।
कुण्डा	सं०	कुन्डा । एक लम्बे आकार की बाल्टी जिसका पेंदा समतल नहीं रहता है—कुन्डा ।
कुता	सं०	सेता ।
कुदरूम	सं०	कुदरूम, बामबाड़ो ।
कुदाल	सं०	कुडी । कुदाली—कुडी । गहरी कोड़ाई करने वाली कुदाल—गुजी-कुडी । एक प्रकार की कुदाली—सापीन-कुती ।
कुन्दरी	सं०	कुन्दरी । एक जंगली कुन्दरी—बिर-कुन्दरी ।
कुन्दा	सं०	मुनडहात, मुन्ढा ।
कुप्पी	सं०	कुपी, डुब ।
कुबड़ा	वि०	उट-उटू, कुबधा, कोबजो ।
कुम्हलाना	क्रि०	कुम्बलाव, तोलमोच, ओल । कुम्हलाया हुआ—ओल-तोलमोच् ।
कुम्हार	सं०	कुङकाल ।
कुमनी (मछली पकड़ने की)	सं०	मुचु, झाका ।

कुमुदिनी	सं०	सोकियोम, पोरायनी, आठीयाल, उपाल-बाहा । कुमुदिनी फूल की झाड़ी—आठीयाल । यहा कुमुदिनी फूल की झाड़ी है—नोवादोआठीयाल दारे काना । जंगली कुमुदिनी—बिर-पोरायनी ।
कुर्ता	सं०	कामीज, आङगरोप ।
कुर्सी	सं०	चाउकी ।
कुरकुरा	क्रि० वि०	मुचुर ।
कुरथी	सं०	होड़ेच् । जंगली कुरथी—बिर होड़ेच् । काली कुरथी—हेन्दे होड़च् ।
कुरीतिपूर्ण	क्रि० वि०	सुतुर-ना-गातार ।
कुरुप	वि०	ओखुलान, धाल-धाल, दोयमोङ, टोपले, बेढोल, बाड़गुराक, जोहो-तुम्बा, दाबली (स्त्री), दावला बंडुल, होरोपाङ, तुमबड़ाङ, तुरूधुम, वेदेरोआक्, तुमबेड़ाय, तामबोड़ाय, तुमसाड़, बेहाँस बेहुसनाक्, बेसीजोन्तोर, भास्कार, साधाराम, बेताजोङ, धाचुआकं ।
कुल्ला	सं०	हुरतिड़, हुतुम । कूल्ला करना—गाड़ गाड़ाव, बुङरूच्, हुरतिड़, हुतुम ।
कुल्हाड़ी	सं०	पोतायचुवी, टेङगोच् ।
कुल	वि०	सानाभरे, मुजजरा, मोट ।

कुली	सं०	मोहू-बोहा।
कुविचार	सं०	बादी-सटी।
कुवाँरा	वि०	कुआँरो, डाङगुआ, छाड़हातुआ, कुवाँर, कुवाँरापन—हीङ्गी-डाङगुआ।
कुवाँरी	वि०	मिस, कुवाँरी।
कुश्ती	सं०	कुसती। कुश्ती लड़ना—कुसती।
कुशल-मंगल	सं०	जीवी-जाती, बागे-जुदा।
कुहासा	सं०	कुहड़ा। कुहासा छाना—कुहड़ा।
कुड़कुड़ाना	क्रि०	भाकार-भाकार।
कूँची (बालों की)	सं०	जोतोक्। (बीनने के धागे पर लगा हुआ माड़ को) कुंची से झाड़ना—जोतोक्।
कूटना	क्रि०	चोबोक्—हुडङ, चोबोर। हमलोगों ने चावल को कूटा है—चावले ले चोबोर ओक् केदा। ढेंकी में थोड़ा चावल कुट दो—ढ़िकी रे चाओले चोबोक्-ओक् आम। कूट कर चूर्ण करना—लोटोक्।
कूदना	क्रि०	लामडा, लापाव, दोन, टेड़ोक्-टेड़ोक्, उच्-कुटला, बिदनाक्-बिदनाक्, उच्-पान्टील। कूदते हुए—पुटुल मानते, उलुय-सुकुय, पादाक्मानते। धप्प से कुदना—पादाक्-मानते। पैर समेट कर कूदना—बादाड़-सेलेत्।

कूब	सं०	डोह़ो ।
कूबड़ा	सं०	ओचोत् ।
कूड़ा-कर्कट	सं०	गारोय-सारोय, जाड़ी-जुमबड़ी, राटा-कुटा, काटा-काटुआक्, तुरु-तुका, हुर-गुन्दुर, आपतार, कातवार, जोबरा, जाय-जुमठा, गादरा-गुदरा, कुटा, गासी-गुदरी, तागा-तुसा । कुड़ा-कर्कट से भरा हुआ—तुरुतुका । कुड़ा-कर्कट का ढेर—दाङ्ग ड़ाव । कुड़ा-कर्कट का ढेर लगाना—दाङ्ग ड़ाव ।
केंचुआ	सं०	गीधो-रानी, पातालमोद, लेनडेत्, लेण्डोम-कुआँरी ।
केकड़ा	सं०	काटकोम, धीरी-का कोम, डाटो-कुआँर । केंकड़ा का पंजा—डाटोम । पंजा मारना—डाटोम । पंजा से पकड़ना—डाटोप । केंकड़े का डंक मारना—काटकोम ।
केचुल	सं०	बिज-उर, काजचुर ।
केन्द्र	सं०	तालामाला भोग ।
केन्दु	सं०	तेरेल । बरसाती केन्दु—जारगे तेरेल ।
केला	सं०	कायरा । जंगली केला—बिर-कायरा ।
केवड़ा-फूल	सं०	किय -बाहा ।

केश	सं०	उप्, केस।
		पशुओं के केश—तीक।
		केश युक्त—घालगुम, घालगुम-घालगुम, सादगुम।
		केशहीन—हेण्डरा, मुण्डरा।
		केश वाला—रागुईचाक्।
		गुथे केश वाला—रारु।
केसर (रंग)	सं०	गोर-गोर।
केहुनी	सं०	मोका-घाटी, उचुङ।
		केहुनी मारना—उचुङ।
		केहुनी की हड्डी—मोका-ठोड़ें।
		केहूना—लुलहा।
कैंची	सं०	कापची।
		कैंची से काटना—कापचीय।
कैद	क्रि०	काभाड़, काद, हाजोत, जेहेल।
		कैद करना—काभाड़, काद, हाजोत, गिरिपदार, जेहेल।
		कैद खाना—आराक्-ओड़ाक्, काद, हाजोत, काभाड़।
		कैद में डालना—काद।
		कैदी—आसामी।
कैसा	क्रि० वि०	चिमिन, चेता, चेकाते, चेत्-लेका, चेत्-लेकाते, चेकालेका
		इसे आप लोगों ने कैसा किया—नोवादो चिमिन लेका पे चेका केदा।
कैसे	क्रि० वि०	ओकालेका, ओका-लेकान, चेका-लेकाते, ओका-लेकाते।

कोई	सर्व०	जाँहाँय । कोई भी—जाँहाँन,जेयाक्, बाङसेयाक्, जाँहाँय गे जाँहाँय, ताँहाँय, टाक्, जाँहाँय-ओकोय, जाहाँनाक-तानाक्, जाँहाँय-मान-ताँहाँय ।
कोट (बड़ा)	सं०	गीलाप ।
कोटरा	सं०	बिर-मेरोम ।
कोठरी	सं०	खुड़पी कान्दहा ।
कोठा	सं०	कोठा ।
कोठी	सं०	कुठी ।
कोण	सं०	उनुचूङ ।
कोना	सं०	उनुचुङ, कोचा, कुचाल ।
कोपल (बाँस का)	सं०	डुगी; कारला । बाँस का कोपल निकलना—सारहे, कारला, डुगी ।
कोमल	वि०	वेलकेच्, लुथुम, नेमारे, धीमा, पाकास-पुकुस, सोहना, फोर, फोकसाहा, लेबड़ेंच्, नोरोम, सुहनी । कोमल बनाना—तामुर । कोमल होना—लेबड़ेंच्, नोरोम । कोमल पत्ती—लेगेच् ।
कोयल	सं०	कोल, कोयला ।
कोरना (खेती करना)	क्रि०	कुराँव (जंगल साफ कर पहाड़ पर खेती करना)।

कौरा	वि०	सादा।
कोल्हू	सं०	कूलहू, घानी, लेलेनाक्।
कोल (जाति विशेष)	सं०	कोल।
कोलाहल	सं०	गाबाड़-गुजज, गाजाड़, रागाव-रागाव, चाओ-चाओ, काउ-माउ, गोलमाल, हाङगामा, गोण्डो-गोल कोलाहल करना—चाउ-चाउ। कोलाहल मचाना—दाना-दानी। कोलाहल मचाने की प्रक्रिया—चिलचिलाउ। घर में कोलाहल मत मचाओ—ओड़ाक् रे दो लोम चिलचिलाउआ। कोलाहल युक्त—गाहागाउ, गाहा-गाटुड।
कोवा	सं०	कोसा।
कोशिश	बि०	कुरुमुटू। कोशिश करना—आयकाव, एटेच्, टेसका।
कोषाध्यक्ष	सं०	खाजाञची।
कोस	सं०	कोस।
कोसना	क्रि०	जोजना।
कोहड़ा	सं०	कोहन्डा। गोल कोहड़ा—बाँड़िया-कोहन्डा, जानते कोहन्डा।
कोड़ना	क्रि०	पोला, ताड़ाव, गेलेच्, दागुर-दागुर।

कोड़ा	सं०	कोड़ा, चाड़चाड़ी, कोडरा, हुतो । कोड़ा मारना—कोडरा, चामकाउ ।
कोढ़ रोग	सं०	मुरहुत जोम । कोढ़ी—रोगा मुरहुत जोम । कोढ़ होना—रोगा ।
कौआ	सं०	गाडा-काहुँ, काहूँ ।
कौतुहल	क्रि० वि०	हाहाड़ा, चामाइ-चोड़ाइ, चाङ्के । कौतुहल वश—चाङमाङ्गाओ । मेला जाने के लिए लोगों में कौतुहल हो गया—मेला ञेञेल चालाक् लागित को चाङ-माङ्गाओ बाड़ाय काना ।
कौन	सर्व	होकोय, ओकोयटाक्, ओकोय, चेले, ओकान । कौन-सा—ओकाटाक्, ओकातानाक् कौन-कौन—ओकोय-ओकोय ।
कौर	सं०	दागुर, लापेत, लाडुम । कौर लगाना—लापेत ।
कौड़ी	सं०	कावडी । कौड़ी होना—कावडी । एक कौड़ी—कॉड़ॉ-कावडी पुछिया कौड़ी—पुछीया कावडी । कौड़ी बनाना—कावडी ।

ख

खंघारना	क्रि०	गितिल, हिजहाड़ ।
खंजन पक्षी	सं०	गाडा-चात्रचीर, टीवीच् चेंड़ें, दाक्-धाकुच्, दाक्-चाज-चीर ।

खंजरी	सं०	बाटा, घेरा।
खखार	सं०	खाराक्। खखार थूकना—खाराक्। खखारना—एथेम। खखारते हुए—एथेम।
खखोरना	क्रि०	धोगराव, खोखराव, धोङगराव।
खच्चर	सं०	खोचोंर।
खचड़ा	वि०	खेचड़ाहा, खाचड़ा।
खजाना	सं०	खोना।
खजांची	सं०	खाजाञ्ची।
खजुर	सं०	किता, खिजुर।
खट्टा	वि०	जोजो, हिलोएत, झारा, कुरन्डा, गौल-गोल, रोरोच्, कोरोच्-मोरोच्, चोमोकोच्, बिरिञ खट्टा पड़ना—रोरोच्। खट्टा लगना—जोजो, मोरोच्। खट्टा रस—जोजो रासा। खट्टा होना—कोरोच्-मोरोच्, रोरोच्, हिलोएत, लीटी। खट्टा भोजन—आस-ओसोल, जोजों-झारा। खट्टा-मीठा—जोजो-मोरोच्। खट्टा और मीठा—तीतो-मीठो। अत्यधिक खट्टा—कॉच्-कॉच्।
खट-खट	क्रि० वि०	हाटपाट। खटखटाना—ठोप्-ठोप्।

खटमल	सं०	होड-मुच् ।
खटमुतना	वि०	जोरेया । खटमुतनी—जुरनी ।
खटना	क्रि०	खटाव । खटाना—खाटाव ।
खटिया	सं०	पारकोम ।
खटोला	सं०	काटलाक्, खाटलाक् ।
खटोली	सं०	चाउडाल ।
खण्ड	सं०	खाण्ड हाटिञ । खन्ड करना—खान्डाव । खण्डित—खांडी । खण्डित होना—छिन्डा काटा ।
खत्म	वि०	सामुङ, चाबा, खातोम, मुचात्, चाक्-पूची । खत्म करना—चाबा, चाक्पुची, मुचात्, छोखाङ, उछाद, उबरा-सुबरा, सार-पाट; अमाधा, राड़ेच्-रासुम, सॉयताव, सामसुम, साबाड़, थुकीत्, आकोट, छुटा-छुटी, तेबाक्, दोयकाव, तोड, होरा, छाङ छुङ दूर, हुलाङ, तोड़ोप, चुकान, पेटेच्-लेटेच्, धाड़काव, पापुक्, पाचुक्, पाट-सुधाँ, छिर-बिदीर, गेच्-गायुम सुरास, पोटोर, मोकोज, चाबाय । खत्म होना—छाका-छून, छान, सोयबोत, मोसोत्, हासा नासाव,

पाक-पूची, ठायात, ठापोत, छुटाव, लोय्, खोतोम, दोम-बड़ाव, छीतभाड़, उठाव, ठीस-मीसहोय आपचो, चाबाक् ।
खत्म हो जाना—छितीछाड़ ।
खत्म किया हुआ—हिड़हात् ।
खत्म करने की प्रक्रिया—छेखाङ ।

खतना | सं० | टोसेआ ।
खतना करना—टोसेआव ।

खतरनाक | वि० | सीनीत्, बोतोरनाक् ।

खतियाना | सं० | खुतियान ।

खदकना | क्रि० | सेंटे-सेटे ।

खद-खद | वि० | टेके-टेके ।

खदान | सं० | सुम ।

खदेड़ना | क्रि० | लागा, धाचपाचाव ।

खन्दक | सं० | खोन्दलाक् ।
खन्दक खोदना—खोन्दलाक् ।
खन्दक के सदृश—खोन्दलाक् ।

खनकना | क्रि० | सिमची-सिड़िञ, सीमपा-साड़े ।
खनखनाहट के साथ—रीढ़ाङ-रीड़ाङ ।
खनखनाहट का शब्द होना—रीड़ाङ-रीड़ाङ ।

खपटा | वि० | जालीम ।

खपरेल | सं० | खपरा, खोला ।

खपड़ी	सं०	केलहात् ।
खबर	सं०	खोबोर, टेवान, हुकी गोत, जान-गुथान, खोबोर । खबर देना—खोबोर । खबर लेना—सुंकताव । खबर होना—टोआन ।
खम्भा	सं०	खुन्टी, मुहरी, थुम-खुन्टी, थाम, डाङ कोवाले । खम्भा गाड़ना—थुम । खम्भा बनाना—थाम ।
खर्च	वि०	खोरचा, खोरोच, धोरमाङगानी । खर्च होना—दीनहार, उड़ाय-पाडाय । खर्चीला—उबला-डुबला, दीन-हारिया, धोर भाङगानी । खर्च करना—खोरचा, खेलाव, खोरोच, तोड़ाव, उबला सारभार, डुबला । खर्च में पड़ना—गेवेच्-गासेर ।
खर-खर	क्रि० वि०	रागात्-रोगोत् । खरखराना—रागात्-रोगोत् ।
खरगोश	सं०	कुलाई, रेठेया-कुलाई । खरगोश फँसाने की जाल को पत्तियों से ढाँकना—धावाड़ ।
खरबूजा	सं०	फुट-ताहेर ।
खरराटा	वि०	उदूर ।
खरहा	सं०	कुलाई ।

खराब वि० बेजुत, बान्दरा, बाकेड़, बाड़िच्, फींट, मोल-गोल, धागुम-सागुम, मोन्दे, जेदे-बेदे, धाकचाक-धामचुक, रोडोआक्, धीरोङ-सोरोङ धोदेया, धोरपोट रादी, धाल-धाल, बाडगा, बोडगो, नेकारा, रूदी, रोडगा रोडगो, नोछोतोर, धोकड़ाव, दुसाना
खराब करना—बेब्री लोण्ड, बा–बाड़िच्, गास-मान्डाव, आगाड़-बागाड़, कारचाप्।
खराब होना—फादगाव, धालमुठी नेकारा-धालाव, लाम्बात, हाजाव, गिडी-मोरे, झेदगे, धालधाल, धोरपोट, गुढ़मारा, धीरोङ, धोरोङ डीगीर, आज-बाज, दारदूर, कारचाप्, आपञो, लीटी, आवलाव, मोन्दे, बाड़िजोक्, आवटा-आवटी।
खराब लगना—धीरोङ-सोरोङ।
खराब हो जाना—गाजगाजाव, बेदबोधि।
खराबी—खेआनात।
खराबी होना—फीट।

खरिका सं० खाड़का, चारेच्।
नीम खरिका से पत्तियों को सीकर पतड़ी बनाओ—नीम चारेच् ते पातड़ा रोग में।

खरीदना क्रि० सोयदा, किरीज।
खरीद-दार—गारखाक, गाहकी, खोददार।
खरीद-बिक्री कर—तोलानी।

खरोंचना	क्रि०	खाडराव, हुरित्, राबोड़, खारोत् खाडरोक्, खायोत्, गार, गारोक् । खरोंच लगना—हुदरित्, खारोत्, गार, हादरा-हादरी हादराव, गारोक, हुरित्गाबोड़ । गहरी खरोंच—गारोक्-मानते, बेराडेर, हादुर-हादुर, खोडराव । भीतर तक खरोंच—गारोक्-मानते ।
खलिहान	सं०	हामार, खाराय, हामोर । खलिहान बनाना—खाराय ।
खल्ली	सं०	काड़े ।
खस्सी	सं०	कासी, बोद-खासी, राम-खासी । खस्सी काटना—आडाककासी ।
खसखस	वि०	चागाइ ! जिसमें चिकनाहट नहीं रहता है—चागाइ ।
खसड़ा	सं०	खासड़ा । खसड़ा से पीड़ित होना—खासड़ा ।
खड़खड़	क्रि० वि०	रोदोय-रोदोय, सीटाप्-सीटाप्, रेकड़ेच्-रेकड़ेच्, हार-हार, राट-राट, बादड़ाक्-बादड़ाक् । खड़खड़ होना—राग बाग । खड़खड़ाने का शब्द—रेकड़ेच्-रेकड़ेच्, रीचात्-राचेत् । खड़खड़ाना—सीङकोड़-साङकोड़, राकाड़,-रोकोड़, रोगो-पोतो । खड़खड़ाहट—रोदोय-रोदोय, ठायार-मानते ।

		खड़खड़ाहट के साथ—रोदोय-मानते; सीङकोड़-सोङकोड़, राग-बागाव। खड़खड़ाते हुए—रोगोस-मानते।
खड़ा	क्रि०	तेङगो, सोझे। खड़ा करना—उनुठाव, तेङगो। खड़ा होना—तेङगोन, डीडा, डीडी, खाड़ा। एक तरफ खड़ा होना—हाडगुच्। स्थिरता पूर्वक खड़ा होना—हाडगुच्। डटकर खड़ा रहना—टेड-हेडे।
खड़ाउँ	सं०	बाधा। रस्सी का खड़ाउँ—बाबेर-बाधा। एक प्रकार का खड़ाउँ—मुण्डरा बाधा
खड़िया मिट्टी	सं०	खाड़ी-माटी।
खाँची	सं०	खाची, उमॉड़।
खाँटी	वि०	खाटी।
खाँसी	सं०	एथेम, खोक्। खाँसना—खोक्,ऐहेम।
खाई	वि०	खोयाक, खॉयदूक, खान्दड़ाङ। खाई खोदना—खोयाक्।
खाजा	सं०	खाजाड़ी। खाजा तैयार करना—खाजाड़ी-आताय।
खाधान्न	सं०	जोम-आनाज, इता-रानु, जोमाक्। खाधान्न खाने वाला—जोजोम। खाधान्न जुटाना—ओन।

खाद	सं०	साहार-गोबोर, साहार, आदा, खोत । खाद होना—खोत । खाद देना—गोबराव, पोसाव, साहार-गोबोर, साहार ।
खान	सं०	खाद, खान ।
खाना	क्रि०	चाटाओ, माटोच्, जोम, मार, मेटोच् लेड़गो, मारुक् जोवाक्, तागुम, आतिञ खाना पकाना—इसीन, इसीन-आरो, आरो । खाना बनाना—तानाभाना, आरो । खाना-पीना—ओन-जोल । जीभर खाना—कोस कोसो । भर पेट खाना खालेना—ढेर-ढेर । भर पेट खाना मिलना—ढेरे-ढेरे । खा लेना—हाजाम, रासुक्, माचोक् । अधिक खा लेना—बिडिच्-बिडिच् ।
खारा	वि०	गारगात् चेओ-चेओ, खारा, खारना, खोरना । खारे पानी का सोता—जेरकाहा ।
खाली	वि०	हायला-हुयला, होयदोक्, छाड़- हातुआ, ठायात्-ठापोत् डोयोत्, ठुन्डगुत् ठाय-ठाय, रोय-रोय, ठुन्डगा चोपा, हेड़हेञजाङ, खोकन्डो, हेड़हेड़, आज़ाबड़ी, एकेन, ठोयो, सुन, सुना हेण्डेर, भोयडोङ खोड-खाडरा, टाक सीसीड़िच् मारचा उलफा, खेन्डकेत्, हुयला, चुपरी, हुतुर, राङरुङ, ओटाङ- पालाङ, एकेनाक्, ठोङ-ठोङ ।

खाली होना—ठोङ-ठोङ, डोयोत्-उलफा हुयला हुतुर, सुन, आजावड़ी, हेड़हेड़, टयोत्-टेपोत् ढोडरा, हाङ हापुक् ।
खाली करना—हेण्डेर, उरान, खोकन्डो ढालाब, निङ-गराव ।
खाली-खाली—पोटोर-पोटोर ।
खाली किया हुआ—एकेनाक ।
खाली छोड़ना—सुना ।
खाली पेट—हापाक्-हापाक् ।
खाली हाथ—हाङ-हापुक्, सुधो, आबगा, लोड़कायनी हात-लुड़की, सुखले, सुधे ।
खाली हाथ ही में आया—आबगा गेज हेच् ऐना ।
खाली हाथ होना—सुखले ।

खास	वि०	उचीत, आमकी ।
उदा:—यही खास व्यक्ति है—नुई दो आमकी होड कानाय ।

खाड़ी	सं०	दोरे ऑव-कोचा ।

ख्रिस्तान	सं०	किरिस्तान ।

खिचड़ी	सं०	सुड़ा ।
खिचड़ी बनाना—सुड़े ।

खिल्ली	सं०	खिली ।

खिलखिलाना	क्रि०	सीटी-सीटी, खेनते-खेतेच् ।
खिलखिला कर—खाद खादाव, खेनते-खेतेच् केनकेच् ।
खिलखिला कर हँसना—इही-इही किकी-कोको ।

खिलना	क्रि०	आतिञ, आलग-बालग । फूल खिलना—बाहाक् ।
खिलाना	क्रि०	खावाद, आजो, खेलाव, आसुल,-दुड़प्, आपाजो, गुड़दाक्, पोसाव, खियाव, आनाज, चावराव, खुलाब । खिलाना पिलाना—ख्रियाव पियाव ।
खिसकना	क्रि०	दाड़दाड़ाञ, हो सोर, बाड़ाच्-बुड़च्, गास-गासाक घास-घासाव । खिसक कर गिरना—होसोर-ञुरहा । खिसक कर बढ़ना—होसोर-चालाव । खिसक कर आना—होसोर-हिजुक् ।
खिड़की	सं०	जालना, झारोका, खिड़की । खिड़की बनाना—खिड़की ।
खींचना	क्रि०	झाकरा-झाकरी, टुनीयाव, टानाव सुरकाव, राचाक् तीच्, हिडाङ-ठापाङ, टेञ-टेञ । देर तक खींचना—दागार-दागार । खींचने वाली रस्सी—टान । रस्सी को खींचना—टान । खिच कर निकालना—ओवोड़ । खिंच कर अन्दर करना—ओर-आदेर । खिंच कर धक्का देते हुए—झीलो-झोलो । खिंच कर खोलना (वस्त्र)—ओर-बुडुच् । खिंचा जाने वाला जाल—ओर-झाली ।

खीर	सं०	खीर, तोवा-दाका । खीर बनाना—खीर, तोवा-दाकाय ।
खीरा	सं०	ताहेर । पका खीरा रंग—बेले ताहेर रोङ ।
खुखड़ी	सं०	पुटका-ओत ।
खुजली	सं०	कासरा, खास, कालकालाव । खुजलाहट—बाबात, गायार-गायाय, सीगी-बीगी । खुजली होना—कासरा, खास । खुजलाना—गादुर, कालकालाव, गार, बाबात, गित-गिताव । खुजला कर(जोरों से)—कालकालाव । खुजलाहट होना—सीकीड़ । खुजलाते हुए—गाताम—मानते । खुजलाहट पैदा करने वाला—गारगात । खुजलाहट के साथ दर्द—गुमुर-गुमुर ।
खुट्टा	सं०	कुरन्डा ।
खुदर्दी	सं०	मारखू खोदे । खूदर्द होना—खोदे ।
खुदरा	सं०	रेजगी, खुचरा, खुदरा । खुदरा पैसा—रेजकी, रीचकी ।
खुदाई	सं०	खोलाव, ला ।
खुर्दरा	वि०	रोगदो ।
खुर	सं०	खुरा, बोनखुरा । खुर होना—खुरा ।

खुरचना	क्रि०	गारी, गेलेच् गाबोड़ । अंगार खुरचना—ऐंच् ।
खुरचनी	सं०	कारबोरनी ।
खुर-खुरा	वि०	झारोयाक्, रोकोड़, रोरोत्, सीरबा, रागुईसाक्, रोदोत् रोदोत् । खुरखुरा होना—रोरोत्, झारोयाक्, रोकोड़ ।
खुरदरा	वि०	रागड़ा-रोगड़ो, रोगदो, रेगड़ा । खुरदरा होना—रोगदो, सीरबा ।
खुराक	सं०	खोराक । खुराकी मिलना—खोराकी । खुराकी—खोराकी ।
खुलना	क्रि०	पुचुच्, बुडुच्, ओटाक्–टान्डी, झिजोक् खुलम-खुला—तोडफाड़ । खुलम-खुला बताना—सारा-बुरा । खुलेआम करना—हॉक-हाजर ।
खुला	वि०	होयदोक् पोङ, ठाङका-ठाड़ाङ, झीच्, उदाप्, हिगो-होगो, सानदोड़ाङ । खुला हुआ—फाङका-फायाड़, हांल- काल, सीड़ा, बेयाड फादा, मेलाम, पाङ-पाङ उधमा धोङ-फोङ, मायठा -न, होड़-होड़, ओटाक्, झीच्, टाक्- टाक्, काल । खुला स्थान—मेला, उदाम । खुल जाना—बेयाड ।
खुशामद	सं०	कोमामुन्दी । खुशामद करना—नेहराव, कोसामोन्दे. नेहरा-जेहरा, आबोड़-बोधा ।

खुशी सं०
जुड़, खोस, रासका।
खुश रहना—इरीच्-चिकीच्।
खुश होना—रीतिआव, हेनात्, हारी, रुजू, कुसीक्
खुशी होना—हासाय-खेलाय, खोस।
खुशी हो कर—खुसी-राजी।
खुशी लगना—जुड़।
खुशी मनाना—छोक-बोकाव।

खूँटा सं०
पील, झाटा, खुन्टी, गोजा, डाङगना, क्रुठा।
खूँटा से बांधना—खुन्टाव।
घेरा लगाने का खूँटा—गुरजा।
खूँटी ठोकना (नोकीली)—गोजा।

खून सं०
मांयांम, रोंकोत, खून।
खून करना—खून।
खून करने वाला—खुँनियाही।

खे सं०
ओल, खेत, आफोर-गाड़ी, ओत-खेत, ओत-जायगा, बाड़गे-आहार।
खेती—आबाद, चास, खिती।
खेती बारी—जोत, जिरात् खेती वाडी।
खेती बारी करना—जिरात।
खेती बारी योग्य जमीन होना—ओत खेत।
खेती किया हुआ—आबाद।
खेती करना—चास, खिती, जोत गिरोसतो।
खेती नहीं हुई—आबाद बानुक् आनाङ। गढ़ा खेत—डाबुङ।
असमतल खेत का गढ़ा—गोछा।

खेत बनाना —खान्डीत ।
खेत का चूहा—दाड़ाङ एड़ गो ।
खेत का छोटा टुकड़ा—टोपरा ।
खेत का मेंढ़ टुटना—भांगाट ।
खेत का छोटा भाग—गुड़हा ।
खेत पर बना हुआ गढ़ा—खाना ।
छोटी-छोटी धान की खेत—गाड़हा-गुड़हा ।
जाड़े की खेती—जाड़य ।
खेती बारी के योग्य भूमि—ओत-खाड़गे ।
खेती हार—पाइहा चासा, पाइकोसला, जोतदार, चासा

खेर सं० चेरो ।
खेर घास से हम छत छाते हैं—खेराते साड़िम ले दाबा ।

खेल सं० आभला-पाचला, ऐनेच्, लेल, लाफुवा, झाँगी खेला ।
एक खेल (बच्चों का)—धावड़ा एनेच् ।
एक प्रकार का खेल—छालिया, गोलो-गोलो ।
लुका-छिपी खेल—भालुक-लुका ।
खेल का नाम-लोबदे, साङलाव खेल, थाइसो हारूप् गाडा-काती, ओड़ाक्-एनेच् ।
खेलना—ऐनेच्, खेल, उकु-सुकु ।
खेलवाड—आवकाव ।
खेल-खेलने के समय एक दुसरे को धीरे से छुने की प्रक्रिया—गाचित्-गोडाक ।

बच्चों का खेल:-गुटी-एनेच्, गुणडरी-चुकी-एनेच् सीमीच्-सीमीच्, सीम-मांयोर, गुताय–ओराक्एनेच्, सुई-गुत्-एनेच्, हाको-हाको-एनेच्, सींकड़िच्-सींकड़िच्, गुड़-तावाक्-एनेच्, खुन्टी-काती ।

खेसारी	सं०	किसारी ।
खोंच	सं०	खोंचा, खुची । खोंच लगाना—खोंचा ।
खोंसना	क्रि०	सुन्दुच्, सोगे, रेवेत । कमर में खोंसना—कोंड़ोंच ।
खोइछा	सं०	गोछा ।
खोखला	वि०	खोखरो, फोकरा, कोरा, फुकी, ढोडरा, डोदीओ, ठुईयाक् ठोयो-खोखयो, खोयो, खंदेरा, गान्डरा, खायपाक्-खोयपाक्, ढोडेया, हान्दड़ाड, हान्दड़ोक, खोल । खोखला जगह—लोपाक । खोखला होना—लोपाक, खायपाक्-खोयपाक्, गान्डरा, खोखयो, खोयो, दोन्दोरयाक्, गाड्धार, गोड्धोर, खोखरोडो-न्डहोर । खोखली आँख—ठोय राक् । खोखलापन खोखरो, गाड्धार-गोड्धोर, खोल
खोज	सं०	खोड़ी, ताय-तोलाय, तोदारोक, तोलान, लागदारी, सेन्दरा । खोज करना—ठान-ठानाव, तोलाय

तापुस, मिसरी, बाटा, आचार-पुचार, सेन्दराय, तानदारी।
खोज लेना—ओरोम।
खोज निकालना—गातार नोलाव, बारनाव, सेनदरा-ओनडोङ।
खोज में जाना—जान-जुमान।
खोजना—धानदड़ा, धुनदड़ा, सानदड़ा, सोन्दड़े, धॉवड़ा-धॉवड़ी, खोड़ो, जिगास, ताय-तोलास, साङयार, टेवान, दॉवॉव, चाहाओ, ऐटेच्, सुटिक, केदरा-व, सुतराव, पाछा, चकड़ाव-टोआन, जाम-आजाम, खुदाव, थुकड़ा-थुकड़ी, रॉवन्दाव, हुनढ़ाव-हुनढ़ी, सुतुर, डुनढ़ा-डुनढ़ी, धुन्दड़ाव, टामडा-टामडी, सुईकार, सीडी, टामडाव, धान्दड़ाव, हुनढ़ा
व्यग्रतापूर्वक खोजना—धॉवड़ा धॉवड़ी, डुनढ़ा-डुनढ़ी, धुन्दड़ा-धुन्दड़ी।
सूंघकर खोजना—हुनढाव।
बार-बार खोजना—हुनढा-हुनढी।
इधर-उधर खोजना—सानदड़ा-सोनदड़े, धॉवड़ा-धॉवड़ी।

खोटना	क्रि०	टुँच्।
खोठी	सं०	सोन्दरो। खोठी पड़ना—सोन्दरो।
खोदना	क्रि०	धाङगला—धाङगली, उटकाव, होटोर, ला, ताड़ाव, खोटराव, धालका-धालकी, धाङगला, धास, धाङ धासेर, धाङगलाव, दागुर-दागुर, गांडा।

		शक्ति पूर्वक खोदना---दागुर-माराव खोदते हुए—दादुर-हादुर । खुदाई करना---गोड़होन, खोखराव । खोद कर निकालना----होटोर-तोत्, ला-तोत ।
खोना	क्रि०	होसेच्, लोप् बिलटाउ, खुआव, आतूक, बागदाव, गुसुच्ँ, मोसाव, डुबाव, आत्, छात्, गोरबाद । खोदेना—मुडुच्, बाहबी-लोण्ड, आद खो जाना—गुसुच्, आत् ।
खोपड़ी	सं०	खापरी । खोपड़ी का जोड़ चिन्ह---रोतोक ।
खोरिज	सं०	खोरपोस ।
खोल	वि०	खोल ।
खोलना	क्रि०	भारूँड़, पारसाड़, खोलाव, आड़ाक्, छाड़ाव, छिनड़ाव, फोड़, लाड़ा, राड़ा । हाथ से खोलना---पीसकिच् । पुआल का बोझा खोलना—गुछी । खोलने का पैसा—खुलानी । मसल कर खोलना---पीसकिच् । खुला—पारहाड़ । अधिक खुला हुआ—बेगबेगे ।
खोह	सं०	दोन्दोर पाक्, हानदडुङ, ढोढेओ, दारदेर, सूँन्द, गोङधोर खोरलोङ, दान्देर । खोह होना—खोर लोङ, दानदेर । खोह बनाना—गोङधोर ।

खोढ़र	सं०	खोरों, हानदड़ुड़, खोयो, डोनदोर ।
खौलना	क्रि०	हेडेच, बेडेच्-बेडेच्, तेके, तेके-मेके, डाएकाव, छॉय-छॉय, डाबकाव, वासवकाव, बामका-बामकी । खौला कर बनाना—डाबकाव । खौलता हुआ—दासङ-मानते । खौलने की प्रक्रिया—बुडुच्, बुडुच् बुकुड़-बुकुड़ । खौलाना—ऑवटाव, डोबकाव, डोपकाव । पानी खौल रहा है—दाक् ऑवटावक् काना ।

ग

गंगा-तुलसी	सं०	गंगा-तुलसी ।
गंगा-नदी	सं०	गाङगा, गाङगा-गाडा, गाड्-नाई ।
गंजा	वि०	चाडरा, चेडे । तुम गंजे हो गये हो—आम दोम चेडे येना ।
गंजी	वि०	चाउरी ।
गंजेड़ी	वि०	गानजखुर ।
गंदा	वि०	मायला, गारना-सीतुर, भोसो, भोसटोङ, जेदेबेदे, मायला-रीठा, धाधरो, लेकरा, गेसटाही, केन्देरपेत्, गेराटाहा, मासुडाङ रीठा, लोसोत,

नेकारा, धीराङ धाराङ, सीलुङ-पीटुङ, दालसिञ, सोरपोङ, सील-मोच्, तालसिञ, खेदड़ा, खेन्दरेच् खाकन्डा, उदाम-दाङगाड़, उदम-धुड़ी, काचार, तुरूधूम, तुरुतुका, गोदरो-सोदरो, इलेजेटके, हिरीड़, गारीड़, हेन्दे-रीठा, दामायला, सोदोर-वोदोर, गोमोच् ओटे, सीट-सीटी थोरो-थोपो, थोरोङ-थोपोङ, धुरुङ-धुसुङ, आङगाल-आङगाल, आङगाल-ओटे, सोदो-बोदो साङगा-मुरा लरूरपारा बेजेबेजे, गेसोट, गादरुम-मादरुम, दीसा-ढोरो बाज-राही, बिकोल-बोकोल, बोडे गेजगेज, ब्रेकेर-बेलडाङ ।

बहुत गंदा—आङगाल-ओटे, कॉट रुञ-पुठुच् ।

गंदा आदमी—केसोटिया, धेजराहा, लेकराहा, कुटा हेजलेच्, रोठा, मोर-गोत् ।

किचड से गंदा—ओदोर-थोपोर, थोरों-थोपो ।

अंत्यधिक गंदा—सात-रीठा, हेन्दे-रीठा ।

गन्दी औरत—धेजराही ।

गंदा सिर—एटबे ।

गंदा स्वभाव का—हेराङ-पेताङ ।

गंदा करना—काचार, सीलमोच्, सीलुङ-पीटुङ, हेवला-हिवली, ऐन-ऐङ-गोन, गाबाक, ओपोट, उदाम, धूम-धापोट, दाङगाड़, बोडे, बिकोल-

		बोकोल हुडगार, हेडले-गोडले, बाद, गाराक्, खादबादाव ।
		गंदा होना—धुरुधूच्, लापलोण्डे नाङगा, नेकारा, मायला, सीलुङ-पीट्टुङ ओटे, रीठा, एटवे, तुरुधूम, हिरीड़-गारीड़, हेडगे-हेसाक्, थोकड़े, ओपोट, तुब्तुका ।
		गंदा दिखाई देना—सीट-सीटी, थोकड़े, हेजलेच्, हेजलेच् ।
		पानी गंदा करना—घाटधुरा ।
		गंदी—गेसटाही ।
		गंदी हवा निकालना—गासिच्, दोङगोय ।
		गंदगी—मायला, काचार ।
		गंदगी भरा हुआ—उदाम-दाङगार ।
		गंदगी की ढेर—नोरोक-कुण्ड ।
		गंदला—बोड़ोर-बोडोर, बोढोर, बेकेल-बेकेल, हुमेल-बुकेल ।
गंध	सं०	सो, बास ।
		गंध होना—आन्दका ।
		तीव्र गंध—लाग ।
गंधक	सं०	गोंनधोक ।
गंधरस	सं०	गोनधरोस ।
गंभीर	वि०	गामभीर, दुरूमदाय, गुड़म ।
गँवाना	क्रि०	गोओंव, गॉवॉव, खुवाव ।
गवाँर	वि०	भाकचु, गोंआर, लेलहा, थुड़गला ।
		गँवारी बोली—गॉवारी-रोड़ ।

ग्रह	सं०	गोरहो बृहस्पति ग्रह—चोर-खेदा ।
ग्रहण	सं०	गाहना, हाताव । सुर्य या चाँद—ग्रहण—गाहनाक् । ग्रहण करना—तेला ।
ग्राम	सं०	गेराम, आतो । गामीण—आतोन । ग्राम वासी—बोहा ।
ग्रास	सं०	ढोक, ढोकोच्, दागुर, डोकोच् ।
ग्राहक	सं०	गाहाक, गाहकी, गारहाक । ग्राहक होना—गाहकी ।
गृहणी	सं०	गिरहोंन-एरा, गिरनी ।
गृष्म-ऋतु	सं०	निरोन, रावदाड़ी, खोराली । गृष्म-ऋतु का कर्ज—खोराली ।
गृहस्थ	सं०	गारोस्त, चासा, गिरासता । गृहस्थी—गारोस्ती, पोरवासती, गारोस्तली, चास । गृहस्थी करना—गिरासता । भरा-पूरा गृहस्थी—रावना-भावना
ग्यारह	संख्यावाचक	गेल-मित, गारो ।
ग्लास	सं०	गिलास ।
ग्लोब	सं०	गोलोक् ।
ग्वाला	सं०	गोवाला, माहरा ।
गगरा	सं०	घाघरा, कन्हा ।

गछना	क्रि०	गाछाव ।
गज	सं०	गोज । गज भर—गाजी ।
गजगज	क्रि० वि०	गाजा–गुजु ।
गड्ढल	वि०	सोरोच्-लेका ।
गड्ढा	सं०	ठेला, डोहो । गड्ढा पड़ना—डोहो ।
गठन	सं०	ढोब । गठन करना—ढोब ।
गठबन्धन	सं०	गीकड़ी-साकड़ी ।
गठरी	सं०	गॉट, घेंट. मोटरा । गठरी बांधना—मोटरा, घेंट, गाड़ी-सुड़ी ।
गठिया	सं०	गाठीया ।
गढा	सं०	खोअजा खुयांक, गाडलक्, खापलो गाडा, गारहा, हानदड़ुङ, ठोयो ठोयदाक्, दार पोगार, जावडाहा बोदगार, गाभा, लात्-लोपाक् । गढा होना—गाडलागोक् ढाबुङ, गोछा, गाभा, खुयांक् । गढा और छेद—ठोयराक्-ठोयराक् । गढा बनाना—ढाब । कचरे का गढा—होंस-गाड-लाक् । गढा में गिरना—खोअजाक्, हानदड़ुङ गढा भरना—भाताव । पानी भरा गढा-दाह—हिअजोल ।

गण्डा	सं०	गान्डा (चार का एक गण्डा) गण्डा बनाना—गान्डा ।
गणित (किताब)	सं०	धारापात ।
गति	वि०	लाड़ाव, चालाक् । डेमडेम, डेलडेल, थिर, कोड़बोक्, डुडुडुप्, कोकोड़बोक् गतिहीन होना—डेमडेम, कोकोड़बोक, गति में लाना—दुलकाव । मन्थर गति से छीवछोको । पूरी गति से—यादार ।
गद्दादार	वि०	सुपा ।
गद्दी	सं०	गादी ।
गदहा	सं०	गाधा, काटिन । गदही—गाधी ।
गदराना	क्रि०	आराराव । कोहड़ा गदरा रहा है—कोहन्डा आराराव्क् काना ।
गद-गद	क्रि० वि०	गाद-गुद ।
गदा	सं०	मुताक, लाधना, गुडना, झारोयाक् ।
गन्ना	सं०	आंक ।
गप्पी	सं०	लाहटी, बाजनीया, गालुवा, फुला-कासीया, चाप्-चाप् बाझाड़, बाझाड़ी, बात-बाझाड़ी ।

गप	सं०	आहटीं, गोलपो, गाल-माराब, काप। गप करना—चाप्-चाप्, गाल-गोलपो, गोप्पो, काप। इधर उधर क्या गप करती फिरती हो—चाप्-चाप् चेत् एम लाई एदा। गप लड़ाना—बेचेड़। गप शप—चाइ-चुगली।
गफलत	सं०	गाफलात।
गबगब	क्रि० वि०	गाब-गाब।
गमछी	सं०	गामछा।
गर्जन	सं०	तारास।
गर्दन	सं०	होटोक्, गरदर। गर्दन पकड़ना—गारदा-गारदी। पतला गर्दन वाला—कोयडोक्। गर्दन ऐंठना—धोड़-मुचाब। गर्दन ऐंठ कर—धोड़-मुचाब। गर्दनिया—गारदा-गारदी। गर्दनिया देना—गोरदोन। गर्दनिया देते हुए—गारदा-गारदी।
गर्दा	सं०	गारदा, लेनदा, गाद। गुर्दा गुड़—माहुत-गड़।
गर्भवती	वि०	पुड़पुड़, डुम-डुम, टुब-टुब्रू, आसापाती, पूई-पूई, थाल-बाली, जोहो, बार-जीवी, टेमटेम, पोआती, लेदड़ेत। गर्भवती (पशु के लिए)—ऑड़गो। गर्भवती होना—थाल-बाली, लाच्, बार-जीवी, ढीपी ढेब, आसापाती, टुङटुङ, टुब-टुबु, गावडुलाक्, सोगोय। गर्भ होना—कुचा, डुम।

गर्भ धारण करना—डुलडुल, डुबडुबौ, डुब, डुय-डुय, रूबरूबु, गाड़हाव, भारती।

गर्भ वेष्टन—आँवॉर।

गर्भावस्था—बोजगार, आसापाती-होड़मो।

गर्भाशय—दुड़ेबाहा, कुखी, कुठी, सॉच।

गर्म वि० एलाङ, गोरोम, लोलो, उरगुम, कोरहोड़, धुका, गाम-गाम, उदगार, खोरा, आड़ाय-ओड़ोय, गर्म करना—लोलोय, उरगुम, धुका, आँवटाव, तावाव, बासाङ (पानी के लिये)

गर्महोना—गारमाव, बासाङ, तावड़ोन-ठोलोलो, एलाङ तावाय, गारगामाव, गारमा-गुरमी, सामठाव, डाह-डाहाव,।

गर्म लगना—लोलो, उदगार, ओड़ोय-ओड़ोय।

गर्म माड़ भात—सीता।

गर्म कपड़ा—बानात।

गर्माना—तावाव, ताव, दाराङ-दाराङ।

गर्माहट—लोलो, झाला।

गर्माहट होना—लोलो।

गर्मी—लोलो, झाला, उदगार, आलाझाला, एलाङ, दॉक, गुरमी।

गर्मी का दिन—उधमा-दिन, खोराली, राउदाड़ी, खारा दिन।

गर्मी लगना—झाला, धामा-धामी, धोपाव, गामगामाव गोरमाव।

		अधिक गर्मी—थामा-थामो, गाम-गामाव, गुमी-गुमी । अत्यधिक गर्मी—थाल-थुल । गर्मी के कारण मूत्र त्यागने में कठिनाई होना—झाला
गर्व	सं०	गोरोब, डीगीमीथी, ठोनोक, बाडाय । गर्व होना—ठोनोक । गर्व करना—जेठो, हेको, बाडाय ।
गरई-मछली	सं०	गाड़ाय चेंगे । गरई मछली के सदृश एक मछली—चोडगोच्-हाको ।
गरजना	क्रि०	गारजाव, किकियाल, हुदहुदाव, ठेर, लुठुर । बादल का गरजना—हुदुर, हुद-हुदाव । भैंस का गरजना—ऐंच्-ओंच् । गरजन के साथ—ठेर मानते ।
गरीब	वि०	रेङगेच्, राबाल, आला-तोका, लाङटा, उसोट, बाबूड़िच्, रेङगेच्-ओरेच्, ठोयराक्-ठोयराक्, काङगाल, गुरीब, काङगलाहा, गारपोच्, डीङगार, निनधान, तीराङ, लेब्जेर, हाङ-हापुक्, बाराय । बहुत गरीब, ठोङ—ठोङ । गरीब होना—रेङगेच्, गुरीब काङगाल, हेब्जलाङ, दारदुर, डीङगार, ठोङ-ठोङ, उदास, लेब्जेर, डीङगाराहा, हायमात्, गाड़पाच्-गोड़पोच् ।

गरीब अवस्था में होना—हाटाक्-हारुप्, हाले-डाले ।
गरीब-दुखी—नाचार-निन्धान ।
गरीब बना देना—तीरुब्ञोत ।
गरीबी—रेङगेच्, हावरा, दोरलोय।
गरीबी अवस्था—हाड-हापुक्, हाटाक्-हारुप् ।

गरूड़-पक्षी	सं०	गारूड़ ।
		गरूड़ पक्षी का पेट—गारूड़-थायलाक्
		गरूड़ पक्षी का चोंच—गारूड़-ठोन्टा ।
गलप	सं०	गालपाराव, गोलपो ।
गलत	वि०	भूल, बेठीक, आनहोस, माकड़े
		तुम गलत काम मत करो—आम आनहोस आलोम कामीया ।
		गलत-सलत—बाचाक्-बोचोक् ।
		गलत बात बोलना—हुड़चुत्-बुड़चुत् ।
		गलती—भूल, माकड़े, बेठीक, चुकचुक ।
		गलती करना—आनहूँस, गालती, बाटा ।
		गलती होना (किसी को पहचानने में)—आनधा ।
गलना	क्रि०	लेक्, गालाओक्, गाराव, छेर, लामबाव
		गल कर कम होना—छेर आधी ।
		गल जाना—हाजाव, छेर-आधीक्, गालाव, लाम्बाव, गाजबाक् ।
		गलाना—गालाव, गालीद, लेय ।
		गला हुआ—लेआक् ।
गलफारा	सं०	आकोत् ।

गलबहियाँ	क्रि० वि०	कोके, गाडया—गुड़या।
गलमोच्छा	सं०	कानवा-गोचो।
		गालमोच्छा रहना—कानवा-गोचो।
गल-सुटका	वि०	चाइकुप्।
गला	सं०	होटोक्, गाला।
		गला फँस जाना—गोङगरोत्।
		गला घोंटना—लिम्बात्।
		गला काटना—जाङे।
		गले लगाना—कोके, गाडया-गुड़िया।
		गला-दब जाना—गाडधार, लिम्बोत्, कोरोच्, गोङगरोत्।
		गले में अटक जाना—दीच्।
		गले का बन्धन कसना—कोरोच्।
		गला कसा हुआ—कोरेच्।
		गला दबा हुआ—रोङखोङ।
		गला तक भरा हुआ—ओकरोत्।
गलो	सं०	गुलो।
गलीचा	सं०	गालीचा।
गलेहार	सं०	धुकधुकी।
गवर्नर	सं०	लाट।
गवार फली	सं०	बुरु-राहेड़।
गवाह	सं०	गोहा, साखी, साबूद, साद, नोजेर
		गवाह मिलना—साबूद।
		गवाही देना—ओहजाव, गोहा, साखी-एम गोहा-गुजराव।
गहकी	सं०	गाहकी।
गहगहाना	क्रि०	गाहगाहाव।

गहना	सं०	गोहना, साज, गोहना-गुड़िया । गहना पहनना—साज ।
गहरा	वि०	खान्दड़ाङ, आवगार, गाभा, गाहीर, खान्दरी—गामभरा, खुयांक् । गहरा होना—खान्दरी, खुयांक्, खाँयदूक् । बहुत गहरा—खाँयदूक् । गहराई होना—गाहीर । गहराई तक— गाद-सानत, दागुर-माराव । गहरी जोताई करना—हुजलाक् गाजलाक् । गहरी नींद सोना—लाचाक् तातित्, ताताक ।
गड़गड़ाना	क्रि०	गुड़गुड़ाब, हुडहुडाक्, रीड़ीम-रीड़ीम, हाड-हाडाव, गारगाराव, दुलदुलाव, साकार-साकार, साकोर । गड़गड़ाने का शब्द—साकोर । गड़गड़ाहट—खाङहुड, रोगोड़-रोगोड़, हाड-हाड, हुड-हुड़ाव । गड़गड़ाहट होना—दील-दील, ढीकोक्-ढीकोक् । गड़गड़ाहट के साथ—दील-दील, हाड़-हाड़, गुडगुड़ाव । गड़गड़ाहट की आवाज होना—हाड़-बाड़ । गड़गड़ाते हुए—सोकोर-सोकोर । पेट गड़गड़ाना—ढीकोक् ढोंकोक ।
गड़ना	क्रि०	गाडियाव, पाटीक्, गाडाव, किड़-बित् गड़ते हुए—रागात् रागात् ।

गड़बड़	सं०	आड़गोड्गाड़ । गड़बड़ करना—आड़गोड्गाड़, हेड़्चा-फेचाड़्, बारमाण्ड । गड़बड़ होना—गाडबाडाव, गाडनुर्डो गाडबे-साडबे । गड़बड़ी—गोण्ड़ोगोल ।
गड़ारी (धागा लपेटने की)	सं०	नारी ।
गढ़	सं०	गाड़ । गढ़ बनाना—गाड़ ।
गढ़ना	सं०	गाड़हाव ।
गढ़ा	क्रि०	घाटलाक, खुयदाक् । गढ़ा होना-ढाम्पा-ढोम्पो ।
गाज	सं०	चाके ।
गाँजा	सं०	गाञजा ।
गाँठ	सं०	जेनेरेत् ठुबे, तोनोल, गाँट, ठोमपो, घेंट, गिरा, गिठरा, डोमको, होरचोच् एक प्रकार की गाँठ—सुकरी-गली-तोल । गाँठ पड़ना—डोमबे तोनोल गाँठ बाँधना—गाँट,घेंट, डोमठो, गिरा, गिठरा, गाड़ी, सुड़ी, ढोभ-ढोकोक । गाँठ होना—ठुबे, डोमपो, ढोम-ढोकोक् । गाँठ में—ठुबे-ठुबे । गाँठो से पूर्ण—डानठा-डोनठो, डोमबा-डोमबे । गाँठो से भरपूर—गेड़े सात गेड़े ।

		गले की गाँठ—गाली ।
		गाँठ दार—लाभपुवा गेडा, गाँड़ा-गेंड़ें, डाँहाँ-डेंहें ।
		गाँठदार होना—डाँहाँ-डेंहें ।
गाँथना	क्रि०	गाथो ।
गाँव	सं०	आतों, डीह, डीहाली, गाँवता, गाँ, गावले, गेराम, दिहात ।
		गाँव वाले—गाँवले, आतोरेन ।
		गाँव का मुखिया—डीहदार, माञ्झी
		गाँव बसाना—डीह ।
		गाँव बसाने का स्थान—डीह-धुडु, डीह-डीन्ड ।
		गाँव की सभा—कुल ही दुड़ुप् ।
		गाँव की सीमा—सीमा-डाण्डी ।
		अड़ोस-पड़ोस का गाँव—टोला-पाड़ा ।
		पड़ोसी गाँव—टोला-पाड़ा ।
		एक गाँव से दुसरा गाँव—डाकेडाक
गाछी	सं०	गाछी ।
		गाछी होना—गाछीक् ।
गाजर	सं०	गाजोर ।
गाजा-बाजा	क्रि० वि०	राजान-बाजान ।
पूर्ण (गाद)	सं०	फूलगाद ।
गाभीन	वि०	मुसा-गाभीन, पोआती, गाभीन ।
		गाभीन होना—गाभीन ।
गाय	सं०	गाय, डाङगरी ।
		काली गाय—कायली ।
		गाय बछड़ा—गुरू-बाछुर, धीनआर, गाय-मिहु ।

		गाय घाट (जहाँ गाय पानी पीती हों) गाय-घाट । गाय का रास्ता—गायछुर । गाय के सदृश—गुरूरपारा । गाय की पूँछ का सफेद गुच्छा—चाउरी । बिना सींग की गाय—मुण्डरी । जंगली गाय—बायली-गाय । बड़े नस्ल की गाय बैल—पाधाइया ।
गायक	सं०	गायनाहा ।
गायक	त्रि०	आपाक्, आत ।
गारा	सं०	गारा ।
गाल	सं०	जोहा, चाउहाड़ी । फुली गाल-पोकनेंत, पोकरोत् । गाल बजाने वाला—गालबाज ।
गाली	सं०	ऐगेर, हावराव, रूहेत, निसड़ावना, गालमार । गाली देना—ऐगेर, रूहे,त् लेसे, धुङगराब, धापकाव, दुनदराव, दुनदरा-दुनदरी, धोमका-धामकी, रामपा-रोड़े, सीडवाक्-बाडवाक्, दोबका-दुबकी, ठानका-ठानकी ठोकने, चाड़हा-चाड़ही, आवगार, एङगाम-दोङगाम हुड़ा-हुड़ी । उन्होंने एक दुसरे को बहुत गालियाँ दीं—चाड़हा-चाड़ही किन रोगोड़ेना । गाली बकना—हेंव-हेंव । गाली-गलौज-एङगाम-दोङगाम, चाउ-चाउ, ऐन्ड-मेन्ड ।

		गाली-गलौज करना-बाकताव लगातार गाली देना—बोकोत्-बोकोत् खूब गाली देकर—ऐगेर-ओतोङ ।
गाहार	सं०	कासमार (दारे)
गाड़ना	क्रि०	बित्, तोपा, बाबाक् । खूटा गाड़ना—गोजा । अपने को गाड़ना—गाड़-तापाक् ।
गाड़ी	सं०	गाड़ी, सागाड़ । गाड़ीवान—सागड़िया, साक्गाड़िच्, गाड़वान ।
गाढ़ा	वि०	गाधड़ा (दुध या तरल पदार्थ के लिए) गाड़हो । गाढ़ा होना—गाधड़ा ।
गिद्ध	सं०	गिदी, सेङगेल गिदी ।
गिनना	क्रि०	बिकाऊ गुनती, लेखा, गिनाव, गुटी । गिनती करना—तालखा, गुनती—इसी, लेखा । कुल गिनती—मूड़-गुन्ती । गिनती करने वाला यंत्र—लेक्खावाक् ।
गिरगिट	सं०	धीरड़ी, काकड़ा । बड़ा गिरगिट—बुढी काकड़ा । उड़ने वाला गिरगिट—उडाष् काकाड़ा एक विशेष प्रकार के गिरगिट—धीरी काकड़ा (जो पत्थरों पर रहता है) हाटीया, पोर-काकड़ा ।

गिरजा-घर	सं०	गिरजा-ओड़ाक् ।
गिरना	क्रि०	ओवोर ब़ुर, भिन्दाड़, घास-घासाव, घासुड़, कुचा, हाञ्जलुक्, बुजुर, तीलसाङ, तुपुच्, घासाव, हुलाक्, लानदुड़, तारसे, हिरीच् सालोङ, दासा-दासी, धाञ्जलोङ, पेड़साङरूप, राप्-रूप्, लथेच्, रीहीड़-रीहीड़ । सिर के बल गिरना—बिड़तुज । अचानक गिरना—सानाक् । गढ्ढे में गिरना—हुन्दडुङ माराव । तरल पदार्थ का गिरना—पुचुच् । धप्प से गिरना—तोपोक् मानते, लेथड़ेच् । मुँह के बल गिरना—ओम्बाक्, सोलोङ, गड़दा-गुड़दा, सोमबोत, बाजी । एकाएक गिरना—रीहीड़-रीहीड़ । धमाके के साथ गिरना—रीहीड़-रीहीड़ । गिर जाना—लेथेच्, दासाव, काचड़ाव । एकाएक गिर जाना—लेथेच् । गिरते-गिरते—बुजुर-बुजुर, माण्डवा-माण्डवी । गिरते पड़ते—भिन्दाड़-भिन्दाड़ते, हुड़ात्-पाटेत्, तोरोत् थामाक्-थाकुड़, ताहाम-तुकुच् । गिरते हुए—बाजार-बुजुर । इधर-उधर गिरते पड़ते आना—थासड़ा-थासड़ी । छेद होकर गिरना—बोगोच् ।

थोड़ा-थोड़ा। गिरना—बुजुर।
बगल से गिरना—भेड़ताङ।
एक तरफ से गिर जाना—काचड़ाव।

गिरवी सं० जायजात।

गिराना क्रि० हिरीच्, खाञ्जो, टेपटेपे, पाछड़ाव, अुरहा- गिराव, काचड़ाव, गुर, थासड़ाव, तापसे, भिन्दाड़, भिन्दड़ाव।
अचानक गिराना—सानाक्-मानते।
लट्ठा से धान आदि गिराना—बॉस, अडॉस।
मार कर गिरा देना—देजगाच्।
नीचे गिरा देना—काचड़ाव।
गिरा देना—थासड़ोक्, झाड़-झाड़ाव,
गिरा हुआ—पातीत, धारगोच्।
गिराते हुए—दासा-दासी।

गिल्टी सं गॉन्ड, गिलठी।
गिल्टी निकलना—गिलटी, गॉन्ड।

गिलहरी सं० तोड़।
गिलहरी की पूँछ—तोड़-चाण्डबोल।

गिड़गिड़ाना क्रि० बिकोत्-बोकोत्।

गीत सं० सेरेञ, दुराङ।
गीत गाना—सेरेञ, दुराङ, रेघाव्‌ धुड़सा-धुड़सी।
विदाई गीत गाना—सेरेञ-आताङ
बुअड-गीत—बुआङ-सेरेञ।
एक खेल का गीत—धावड़ा-सेरेञ।
गीत की टेक—चोड़ाङ।

गीत की टेक गा कर नाचना शुरू किया—सेरेञ चोड़ाङते एनेच् को एहोप-केदा ।

गीदड़	सं०	तोयो, खीकड़ीं । गीदड़ का रोना—हुवा ।
गीध (विशेषे)	सं०	सोनेर गिदी ।
गीला	वि०	ओदा, लोहोत् ओदामोदा, साबाच्-साबाच्, हेमाल, जाव, पुरयु, सेम, जेरेङगाहा, लुबुर । गीला करना—मोआँव । गीला होना—बोजबोजाओ, ओदा, हेमाल, सेम लुबुर । गीला पड़ना—लुबुर । गीली जमीन—दाक्—होरा ।
गुच्छा	सं०	हुबे, गाँट, छिमबड़ी, थोबा, थोबला, दान्धी, थोपा, थोपनाक्, फोला, झोम्बले, ऐडे-ठोमपे, गाछा, ताडा । पंख का गुच्छा—डुची । गुच्छा बाँधना—ताड़ा । गुच्छा होना—कान्धी, ठुबे । गुच्छा में—थोपा-थुपी, झोम्पा, गाड-माच्-गुडगुच्, ठुबे-ठुबे गुच्छा में होना—थोबला, ऐडे-ठोमपे, थोपे-थोपे । गुच्छा में लटकना—झाङका-झाकुर, झाड़पुङ, झारगुम, झारगुयाक् । गुच्छा में लटकता हुआ—झारगुम, झाडपुङ । गुच्छा में लटकने की प्रक्रिया—

		झाङका-झाकुर ।
		गुच्छेदार—झाड़पुङ, दुची-दुची ।
		गुच्छा-गुच्छा—थोबा-थोबा, थोपे-थोते, थोपा-थोपा, थोबला-थोबला ।
गुजारना	क्रि०	गुजराव ।
		गुजारा—गुजार, चालाव ।
गुट	सं०	गुट ।
		गुट में होना—गुट ।
गुटका	सं०	चाड़ ।
		गाछ की धड़ को लुढ़काने के लिए गुटका लाओ—दारे उत्टाव लागीत् चाड़ आगुय में ।
गुटरगूँ (कबूतर की बोली)	सं०	भाक-भाकुर ।
गुड्डी	सं०	गुडी ।
गुण	वि०	कोदोर, गुन ।
		गुणवान होना— गुन
		गुणगान करना—गुन, ओड़हें ।
		गुणी—आक् आमोल ।
		सर्व-गुण सम्पन्न—बारो-हुनार
गुद्दा	सं०	गाबे, गानथार, माञ्ज, भाण्डार ।
		गुद्देदार; फल—सोन ।
गुद-गुदी	सं०	भोकड़ो ।
		गुदगुदाना—भोकड़ो, गुतलु, गायजाम, गातला-गुतलु, गाईगुम ।
गुदड़ी	सं०	कानथा, गादले ।

गुन्दली	सं०	गुन्दली । गुन्दली का पुआल—गुन्दली-बुसुप् ।
गुप्त	वि०	ओको, वेदीखीत, दानाङ, छापीत, छापा, बिचे-बिचेते, जीवी-मितार, छोपोक-डोबोक, मोपो-सोल । गुप्त रखना—छापीत, ओको, ओको-दानाङ, गुसियाव, जोपाव, छोपोक-डोबोक, गाब, गोई, लोटोम, गुप्ती गोप । गुप्त रहना—दाबड़े । गुप्त रीति से—ओको, हापाच्-हुपुच्, छापका-छापकी, जीवी-भीतार, गापे-गुपे, गायाङ-गुयुङ, गालगुस, हापे-हापेते । गुप्त रुप से—गुप्ती मार । गुप्त अंग—कार । गुप्त तलवार—गुप्ती-ठेङगा । गुप्त रखने योग्य—ओको-दानाङ । गुप्त बात—बोङ्गा काथा । गुप्तचर—भिदुक, भिदी, गोयेन्दा । गोपनीय—भेन्ता ।
गुनगुनाना	क्रि०	हुँहूँत, बाडाक्-बुडुक्, गुन्द-गुन्दाव, ताँहाँरेता, हुँन-हुँन । गुनगुनाते हुए—ताँहाँ-रेता । गुनगुनाहट—रेंब ।
गुफा	सं०	दोनदोर, सुन्द, दोन्दोरवाक्, गोङ-धोर, दानदेर । गुफा होना—दानदेर, गोङधोर । गुफा बनाना—दानदेर, सुन्द ।

गुम्बज	सं०	तोपा-मुन्दील ।
गुमसैन्धा	वि०	गुमा । गुमसैन्धा होना—गुमा ।
गुर्दा	सं०	पोटा, भाण्डार, कुन्डी, आडो-ओड़ोक् ।
गुर्राना	क्रि०	हाण्डराव,ओन्दराव, हुडटुडाव, गोन्दराव ओक्, काण्डराच्, कोण्डरोच्, गारजाव, घुराव, गुन्जराव, कोकोत् हाण्डरोक्, सारसाराव, हुहकाव, होण्डकोक्, हुकहुकाव । भालु अथवा सुअर का गुर्राना—साण्डकोक् । बिल्ली अथवा बाघ का गुर्राना—गान्डार-गोन्डोर । गुर्राते हुए—हुदुड़-हुदुड़, हुण्डरुक-हुण्ड़रुक, हुक-हुकाव, हादुर-हादुर, हाण्डरा-हान्डरी, काण्डराच्-कोन्डरोच्
गुरु	सं०	दाउ, चेचेत्, इच्, गुरु । गुरु होना—गुरु । गुरु जी को प्रणाम करो—चेचेत्-इच् जोहाराय में । दवा देने वाला गुरु—गान्डो-गुरु ।
गुल्ली	सं०	टीर । गुल्ली डंडा खेल—टीर-ऐनेच् ।
गुलगुलिया (बनजारा)	सं०	गुलगुलिया ।
गुलर	सं०	लोवा । गुलर के फूल के भीतर रहने वाले-छोटे-छोटे कीड़े—हॉड़ू ।

गुलाब	सं०	गोलाब ।
गुलाम	सं०	गोलाम, गुती । गुलाम होना—गोलाम, गुतीक् । गुलामी—गोलामी ।
गुलेंची	सं०	गुलॉज बाहा ।
गुड़	सं०	गुड़ । गुड़-पानी—गुड़-दाक् । कच्चा-गुड़—बाली-गुड़ ।
गुड़-गुड़ी	सं०	बोता, गुड़गुड़ी ।
गूंगा	वि०	बोबा, गुंगड़ा, गुंगा, तोड़मोंयोक्, बुकटान, निखुली । गूंगा होना—तोतड़ा, तोड़मोंयोक्, गूंगड़ा, गूंगा । गूंगी—गूंगड़ी, गूंगी ।
गूँज	सं०	राँवा । गूँजना—राँवाव, राडाङ, हुँन-हुँन । गूँजते हुए—राड़ाङ-राड़ाङ, हुङहुङ
गूँथना	क्रि०	गाथाव, गालाङ, हाराङ, गाथनी, पाटेच्, गाथाव, लाङगा, गुतुमालङ ।
गूँधना	क्रि०	काचटा-काचटी, काचलाव ।
गूलर	सं०	पोडो । एक प्रकार का गूलर—सेता पोडो ।
गूढ़-तत्व	सं०	भाञ्ज ।
गेंदरा	क्रि० वि०	गादरोच्, गेन्दरेच् ।
गेंदा	सं०	कुसुम्बी-बाहा ।
गेंद	सं०	गेंड़, बोल ।
गेन्धारी	सं०	गानधारी । एक प्रकार का गेन्धारी साग—ऐढे गानधारी ।

गेरु	सं०	गिरु, गिरु-आराक् ।
		गेरुआ से रंगा हुआ—गिरु-आराक् ।
गेहूँ	सं०	गुहूम ।
गेंता	सं०	गॉयती, दॉत, दॉयती, टामनी, पासा ।
गेंडा	सं०	गान्ड-गारूड़ ।
गैर	वि०	थोर, एटाक् ।
		गैर-कानुनी-बेआयेनी, बेआन, बेधारा ।
गैस	सं०	गेस ।
गोंद	सं०	लाठा,जेर ।
		एक प्रकार का गोंद—काटलाञ्जेर ।
गोंयठा	सं०	गोंयठा ।
		गोंयठा बनाना—थापड़ा ।
गोटी	सं०	गुटी ।
गोतनी	सं०	आता ओतेया ।
गोतिया	सं०	गुतिया ।
गोद	सं०	होबोर ।
		गोदलेना—आसुल, बाढा-हेव, ।
		गोद लिया हुआ बच्चा—बाढा-गिदरा ।
		गोद भरना—हेव-होपोन ।
		गोद में लेना—होबोर।
		गोद में आना—गोढ़हें ।
		गोदी करना—हेवे, हेवे ।
		गोदी होना—हेबेक् ।
गोदना	क्रि०	खोदा ।
		गोदने वाला—खोदना ।
		गोदने वाली—खुदनी ।

गोदाम	सं०	कुठी, गोला, गोदाम, मुराई । गोदाम घर—गोला-ओड़ाक् । अनाज रखने का गोदाम—हामार ।
गोधुली	सं०	झीक-झींका, माची-आन्धार, हादाम-हुदूम । गोधुली बेला—बेर-हासुर जामबाक्-ज़ुमबाक्, जाहाम-ज़ुहुम ।
गोप	सं०	माहरा ।
गोपी	सं०	गुपीनी ।
गोबर	सं०	साहार, गुरिच् । गोबर से लिपना—गुरिज । गोबर-पिल्लु—गुरिच्-उरू । गोबर जमा करने का गढ़ा—गुरिच्-मान्दे । गोबर की ढेर—मानदे । गोबर की ढेर लगाना—मानदेय । एक चोता गोबर—चापाक् । उदाहरण:—एकचोता गोबर लाओ—मित चापाक् गुरिच्आगुयमे ।
गोबर छत्ता	सं०	ओत् । विभिन्न प्रकार के गोबर-छत्तो का नाम:—ओटेच् ओत, हाती-ओत सीम-ओत, बिञ-ओत, पुटका, सेता-पुटका, मुची-अञोत, मोताम-ओत, पीसका-ओत मांत-ओत, आञॉत-ओत, गुरिच्-ओत, ओत-पुटका, लील-ओत, ओर-तोत-ओत । गोबर छत्ता उगना—ओत-पुटका । गोबर छत्ता का उपरी हिस्सा—

		ओत-भोटोक् गोबर छत्ता निकलने का स्थान—ओत-आडा । गोबर छत्ता की सब्जी—ओत-आड़ाक् ।
गोभी	सं०	कुबीं ।
गोमस्ता	सं०	गोमोसता ।
गोरा	वि०	गोरा, ऐसेल, साफा, फोरसा, गारला ।
गोरैया	सं०	धाड़ना ।
गोल	वि०	पुरूभुअ, गोल, तुलपा, गेरवेल, गुलाण्ड, गुलुमुलु, सुमुङ गुच् । गोल होना—गोल । गोल मुँह वाला—पाकुरसाक् । गोलाई—गोल, बेरा, गुलाण्ड, बेड़हाय । गोलाई में बैठना—चुमचुम्बा । गोलाई में होना—गुलाण्ड । गोलाकार—गुलुमुलु, गुलाण्ड, चुमचुम्बाक्, डुमका थुथमा ! गोलाकार—तुलपा । गोल-मटोल—गुड़मुड़िया, कुटमेल, घुटमुटिया, आनठिकान, डुडुम-ढुकाक्। गोल-मटोल बढ़ा हुआ—कुटमेल । बड़ा गोल—दाङ दोड़ो ।
गोलमाल	सं०	आलमाल, गुलमाल, गोलमाल । गाँव में बहुत बड़ा गोलमाल हुआ है—आतोरे आडी माराङ गुलमाल होय आकाना ।
गोलमिर्च	सं०	गोल-मारिच ।

गोला	सं०	गोला-दोकान, तोला ।
		किसी चीज का बड़ा गोला—ढुम्बाक् ।
गोली	सं०	डोमबोक् गुली ।
		गोली बनाना—गुली, डोमबोक् ।
		गोली मारना—ठू ।
गोस्त	सं०	जेल, मासुड़ -टाड़ुङ ।
		गोस्त भात—जेल दाका ।
गोह	सं०	तोरहोत् ।
गोत्र	सं०	पारिस, खूँट, गुतरी मायला, गुष्टी, दाहगी ।
गोड़-बोवाई	क्रि० वि०	छान्दा-दाक् ।
गो	सं०	गाय ।
		गोशाला—गोड़ा ।
		गोशाला पूजा—गोरोया ।
गौर	सं०	तानरवी ।
		गौर करना—मेंत्-बायसाव, तोन, आनमान, धोराट
		गौर से—बेरा-बीरी ।
		गौर से देखना—मेंत्-पेरेच्ज़ेल, तान-मान-जेल ।

घ

घंटा	सं०	घोन्टा, बाजा ।
		घंटी—घान्टी ।
		घंटी बजाना—घोंन्टा, वान्टी, ठाङ ठाङ, ठाङ ठीअ ।
		घंटी लगाना—घान्टी ।

		घंटी बजाने की आवाज—हाडाङ-हाडाङ ।
		पशुओं के गले की घंटी—दुनधा ।
		छोटी-बड़ी घंटी एक साथ बजना—हाडाङ हुडुङ ।
घृणा	सं०	बादॉव, बाशरोत, आड़ीस, हिरखा, धीन, धीसना, खोनोस, आकरूद, उदा:-तुम से मुझ को घृणा है—आम इञ आकरूद आकावात्‌मेया । घृणा करना—आड़ीस, हिरखा, धीन, इम-इम गोरी-का घृणा करने वाला—आड़ीसिया हेंचकारा, धीन मिरीक, हिरखा । घृणा प्रगट करना—हिर-साराक्‌ । घृणा भाव से देखना—साकड़ाय । घृणा स्पद—ओरोच्‌, हायरा-गायरा । घृणा स्पद रीति से—हेंचकारा । घृणा पूर्वक—कुरूद । घृणित—छुचा, छियाक्‌आडीस—पाडीस, आनखा-आनखी । अति घृणित—छान्दगार, बेजेलगाक्‌ हिरखा-पारखा माकड़ाय । घृणित रूप से होना—नेपड़ा । अति घृणित रूप से—हिरखा-पारखा । अति घृणित अनुभव—सेंरेंड़-मानते ।
घटना	क्रि०	दोमकाव दोमबड़ाव, घोटना, घाटी, ओसभाव, घाटाव झाटकाव, आहराव, आंधी । घट जाना—घाटाव, ओझड़ाव । आकस्मिक घटना—गोरसोर । बहुत घटना—आचमा-आर्मा ।

घटवाल	सं०	घाटवाल ।
घटाना	क्रि०	एड़ान, एड़ाव, घटाव, सुहीत, जेर, गुदराव, काटॉड़, आधी घटा देना—आड़ोप ।
घना	वि०	जाराजार, कोंथो, घेंच, गाड़ही,, गादो, तुलकुप्, पेलकेरेच आकाट, आकुट—इबिल, कॉट, घाचपाच, ठेके-ठेके दारिया, गाजाड़ । घना करना—गाबान । घना होना—घेंच, घाचपाच, लाटाव, । घना जंगल—उरूनी-बिर, आजगाड़-बिर, काधाड़बिर, आकुट-बिर । घना बाल—सादगुम, बादगुम, सादगुम-गादले, गादरूम तुलकुप । घना बाल वाला—होदो-होदो । घना बाल होना—सादगुम, हादगुम । बहुत घना—गोरोजज-गोरोजज, टॉवहें, गारगादलाक् । घनी घास—सादगुम-बादगुम । घनी झाड़ी—रोदोबदो । घनी दाढ़ी—गोदरो-गोचो, गोदोर-गोचो, सोदगो । घनी दाढ़ी होना—रोदो-बोदो । घनी रोपनी—गाबान । घनी रोपनी लगाना—गाबान ।
घनिष्ठ	वि०	सोतासोङ, हेङे, उरू, बुरू, सोपोर, हागाया । घनिष्ठ होना—सोतासोङ, उरूबुरू । घनिष्ठ मित्र—सोङभाई, इस्टी-तुम्बू । घनिष्ठता—सोतासोङ, हेड़, दुस्ती, हागाया ।

घनिष्ठता होना—दुस्ती, हागाया, पाताव ।

घबराना	क्रि०	आकता आकती, हुचुक, सेयेच्-गालेच्, बुदहारा, धाकाड़ धाकाड़, आक-चाकाओ, झीक-झीकाव, आकुट, हापु-हारा, आनधूप, आन्दमान्दाव, हादियाव, हुचकू-चुकूर आभू-चाभू, हापु-चापु, दावड़ा-दावड़ी । घबरा देना—तीन-तुफान । घबरा जाना—आस-बास । घबराया हुआ—आस-बास, आनधूप, बिरलाङ-बिरलाङ । घबरा कर—धाकाड़-धाकाड़, डिगला-डिग । घबराहट— आसबास । घबराहट होना—दोगो धावज, दागो-धान । घबराते हुए—हुड़ेत-पाटुप् । वह बहुत घबराया हुआ है—उनी दो आडी आँटि आनधूप आकाना । तुम बहुत घबराने वाले आदमी हो—आम दो आडी आकता-आकती होड़ कानाम ।
घमंड	सं०	बोमोक, मालबोर, आदोर, उमुक, बाड़ाय, आदोर, गोरोब, आडाय-बाडाय । उस में घमण्ड अधिक है—आदोर दो माराङ गेलाया । घमण्ड करना—बोमोक, बाड़ाय, आदोर, गोरोब ।

घमण्डी—घोमोकिया, वाडारिया, बारियॉत, आदोरिया, गोरोबिया।

घमौरी सं० गुरमी।
घमौरी निकलना—गुरमी।

घर्र-घर्र (आवाज) क्रि० वि० घाड़घाड़ाव, हेडेर-हेडेर।
घर्रघराना—हेडेर-हेडेर।
घर्र घर्र की तीव्र आवाज—हुडुड़-हुडुड़।

घर सं० ओड़ाक्, बाड़ी, बासा, आवतान, तुका, ताहेनोक्-आक् थाम।
घर बनाना—ओड़ाग, तुकाय।
घर बसाना—ओड़ाक्-दुआर-तेङगोय।
घर द्वार—धार-दुआर, ओड़ाक्-दुआर।
घर जमाई—धार-जॉवॉय, धारदी-जॉवाय।

घर-घर में—ओड़ाक्-ओड़ाक्रे धोरे-धोरे।

घर छाने की घास—रेडो, सावड़ी।
घर की स्त्री—ओड़ाक्-बोङगा धारना
घर का देवता—ओड़ाक्-बोङगा, गुडरा।

घर का एक देवता—धुराया।
घर का आदमी—ओड़ाक् रेन।
घर का मालिक—धारोअजी, खाम-खुन्टी, खामिद।
घर का चूहा—ओड़ाक् होन।
घर बनाने का स्थान—ओड़ाक्-डिन्डा, धार-डिन्डा

घर घुस कर—घोर घुसिया ।
सुन्दर साफ घर—हारला पुरला ।
घर का सदस्य—पालुआ ।
बाहरी घर— बाहेर -ओड़ाक् ।
चिपटी छत वाला घर—गुडी-ओड़ाक् ।

घराना सं० घाराना, घारोञ ।

घरेलु सं० आसुल ।
घरेलु जानवर—आबोला ।

घसकना क्रि० सोरकाव, होस–होसाव, गेनढेर, गास –गासाव । घसकाना—घालकाव ।

घसना क्रि० घासा–घासी, घासाक्, उरुत् ।

घसियारा वि० घासी, घासीआड़ा ।

घसीटना क्रि० घादराब, घासराव, गासड़ाव, फाकड़ा, घीचा - घाचे, ओर– घाच-घाचाव, घास- घासाव, दाड़दाड़ाव, गास– गासाव, घेरे –घेचे ।
घसीटने की प्रक्रिया—घेरे- घेचे ।
जोरों से घसीटने की प्रक्रिया—घाच-घाचाव, धाड़-धाड़ाव ।
घसीटकर ले जाना —गोहोल, टोङ कोर । घसीटते हुए—घेरे -घेचे, हेरे-झेके, हिडाङ-ठापाङ, हिडगार-हो डगोर ।
घसीटते हुए चलना—हिरा-होचो, गोसरोत् । घसीटते हुए ले जाना—हिडगार-होडगोर, हिडाङ ठापाङ ।
घसीटकर—ओरे-तेवेञ ।
घसीटकर अन्दर करना— ओर-आदेर । घसीटने की आवाज—

हाडार-ठापार, हाडार- होडोर घसीटने की आबाज होना —हादार -हादार ।

घड़ा	सं०	घाड़ा, जोल–घुटी, दाक्- कान्डा । मिट्टी का घड़ा—कान्डा । छोटा घड़ा—टुमाङ, ठीली ।
घड़ियाल	स०	तायान । एक प्रकार का घड़ियाल—सॉयार ।
घड़ी	स०	घुड़ी, घाड़ी ।
घाघ	सं०	घाघ ।
घाट	सं०	घाट। घाट होना—घाट।
घाटा	सं०	आवघाट ।
घाटी	सं०	लोदाम, दासना, बेडा । शहरी घाटी—खाराङ, खान्दड़ाङ ।
घात	सं०	घात-घाताव । घात लगाना—घात-घाताव, घाती । घात में रहना—तॉडाक् ।
घानी	सं०	ऑड़कुच्, घानी । एक घानी तेल ले आओ—मित् घानी-सुनुम आगुयमें ।
घायल	वि०	घाल दारमाच्, घार, बाजाव । घायल करना—हारकाड़ । घायल होना—दारमाच्, घार, घाल फेरटीच्, बाजाओक् ।
घाव	सं०	घाव, जोखोम, घाल । घावों का प्रकार:—पायठानी, मेरोम - घाव, रोकोच्, घाव छुचन्दारी । सिर का घाव—उरी । पेट का घाव—पाठा । घाव लगना—घाल, हार ।

घाव होना—घाव गाङ्वार ।
गला में घाव होना—बुरुङ-हारुङ ।
घाव का चिन्ह—जो ।
घाव की जलन—ऐड़ेच्-ऐड़ेच् ।
घाव उभाड़ने वाला—बातोल ।

घास — सं० — घाँस ।
विभिन्न प्रकार के घासों का नाम—
सेता-सागाक्, घाँस, सुराहीघाँस, कुकरा, डुढी, टाक्-घास, टिकली घाँस, हाडाहा, गुण्डरी-गेखेल-घाँस, लापोते, आङघास, सुकरी-सामाक् घाँस, सीरोम, बारे-बाडवाराक्, जेबखोच्, खाड़ाङ, तीकघास, बुरु-कासी, बारी-बाडवाक्, तोयो-सागाक् घाँस, चिपरा, काडा-चान्दी, नासोन, घाँस, नाकिच्-घाँस, राङकी घास, पुटकी घास
कोमल घास—लुबुई घाँस ।
मुलायम घास—लुबुई घाँस ।
घास होना—घाँस ।
घास से भरा हुआ—तुरुधुम, चारहाट
घास काटना—इर
घास का बोझा—दुमचाक् ।
घास का बोझा बनाना—दुमचाग ।
उदा :—सब जमीन घास से भरी हुई है—सानाम जुमी खील चार-हाँट एना ।

घिनघिन — क्रि० वि० — घीन-घीन ।

घिरनी — सं० — घाड़-घाड़ी ।

घिसना	क्रि०	पोटाक्, हेड़, खियाब खागाव निरंतर व्यवहार से घिसना—केवा। घिसा हुआ—हेड़, टोटोक् फोदलो, मारुड़ खियाव, टोटबोक्। घिसा हुआ होना—टोटबोक्।
घी	सं०	गोतोम घी बनाना—गोतोम। घी कुवाँर पौधा—घी कुवाँर।
घुंघरु	सं०	पायगान, घुगरा, घुङगुरा, उरयाल, लिपुर।
घुटना	सं०	गुनठी। घुटने का जोड—हुनड़ेत्। घुटने के नीचे का हिस्सा—नास। घुटने के बल चलना—काडा। घुटना टेकना—इकडुम।
घुन	सं०	हुती। घुन लगना—हुती, मुरहुत्। घुन लगा हुआ—दारपोट।
घुमक्कड़	वि०	चामाई-चोड़ाइ। तुम बहुत घुमक्कड़ हो—आम दो आडीम चामाय चोड़ाइ गेया।
घुमना	क्रि०	आचुर। घुमा हुआ-गाँड़ा-गेंड़ें।
घुलनशील	वि०	लोंपोर।
घुमकना	क्रि०	गोसरोत् घेसराक् रागोड़-पागोड़, होसोर, गासाव, होसोत् घेमरोत्, होसरोत् गेसराक्।

		घुसकते हुए—गासरोक् ।
		घुसक-घुसक कर—घेसराक् ।
		घुसकर आना—होसरोत्हेच् ।
घुसना	क्रि०	हुड़ेत्, छुवाव, बोलो, बोल, गाव-चाव, ओर-बोलो, सोडो ।
		जबर्दस्ती घुसना—सोडो ।
		सहज में घुसने की प्रक्रिया—बोग बोगाओ ।
		घुसते हुए—ऐहे-चेहे ।
		तीर का भीतर घुस जाना—गाद-माराव ।
		पानी के भीतर घुस जाना—गाद-माराव ।
		घुसी हुई आँख—ठोयराक् ।
घुसाना	क्रि०	हुड़ेत्, दाखील, आदेर, बोराव बोलोय ।
घुड़सवारी	वि०	आसवारिया ।
घूँघट	सं०	टुटुरी ।
घूँट	सं०	ढोकोच्, ढोक, कोडोच्
		घूँट पीना—ढोक, कोडोच्, कोटोक्, सोकोड़, डोकोच्-डोकोच् ।
		घूँट-घूँट पीना—ढोकोच्-ढोकोच् ।
घूँसा	सं०	किलाव, कुटाम ।
		घूँसा मारना—कुटाव, गुसाव, कील काचटा-काचटी ।
		घूँसा देना—काचटा-काचटी ।
		घूँसा मारते हुए—किला-किली ।
घूमना	क्रि०	साङगार, आचुर, दाँड़ाँन दाँड़ाँ-बाड़ाय, बिदुर गुर-गुराव, ताताव, गोहन्डाव,

बालाक् मालाक् इधर-उधर घूमना—
गुसाङ गुसिङ।
बेकार घूमना—हेलवा-हिलवी।
अकारण घूमना—आसोक्-टायोक्।
निरर्थक घूमना—गायहा-गेयहो।
निरुद्देश्य घूमना—बुआङ।
चारों ओर घुमने की प्रक्रिया—
घिरिया–घिरियी
घूम जाना—पेड़साङ।
एक तरफ घूम जाना—बेग।
बेकार घूमते हुए—कुलाङ।
घूमा—गोते, घुरॉट, बाधोड़िया,
पड़ेता, बाधोड़।
पूरा घूमा हुआ—धाँस।
घूमा हुआ रास्ता—हेंक।
घूमाना—आचूर, गुरगुर, आलगाब,
हुरला, घुराब, घिरिया, घुर-घुराब
धाकनुच्, आसने लाझाड़, घुरफेर।
उदाहरणः— बैल को घुमाओ—
डाङगरा, आचूरेय।
घुमाव—आनाचूर, थाचूर, आनटेत्,
पानटेत् धुकाड़।
घुमावदार—आचूर-आचूर, पेटेर-पेटेर
ऐहोड़-बेहोड़।
घुमाव स्थल—आनाचुर।
घुमक्कड़—नाङगार चाकार, होटकोङ,
चोलोय-बोलोय।

घूस सं० खुलानीं, सिसबोदर, घूंस।
घूस लेना—रिसबोद।
घूस लेना—रान।

घेरना	क्रि०	जाङगे, घेराव, बिन्धाड़, एटेत्-एटेत् आचुर, एसेत्-आचुर, आचीर-पाचीर । घेर देना—एटेत्-एसेत् । घेर लेना—हार-सामटाव ।
घेरा	सं०	आडोन, घोड़ना, घोड़ना,-बेड़ना, डाण्डी, छाड़ ऐटेत्, चिपा, बाधा, आचीर-पाचीर, पाचीर-बावाड़, नाङगेर-चाकेर, बेड़हाय, झान्टी । घेरा डालना—घोड़ना-बेड़ना, धोड़ना घेरा बनाना—छाड़, ऐटेत्, छाड़ । घेरा करना—धावाड़ अस्थायी घेरा—पाचान । घेराव—बेड़-बिन्धाड़ ।
घैला	सं०	घायला, ठीली, आद-ठीली, कान्डा ।
घोंघा	सं०	गोङघा । छोटा घोंघा—रोकोच् । जंगली घोंघा—बिर गोंघा ।
घोंसला	सं०	तुका । घोंसला बनाना—तुकाय ।
घोटना	क्रि०	हेवला, हाङगुर, उरुत्, हाण्डकुर, लेबडा, होट-कोर, टासाक्, घान्टुर, आटाप्-उटुप्, हुङगार ।
घोपना	क्रि०	गाजलाक् मेनते, सोबोक् । घोपा हुआ—गाजलाक् मानते ।
घोलटना	क्रि०	घोलटा ।
घोल	सं०	लेवहा । पतला घोल—लोपोर ।

घोलना—लेवहाय, घोलाव, फेंट, हेवला हिवली, हेवला, घोराव।
घोल तैयार करना—लेवहा।

घोड़ा　　सं०　　सादोम
घोड़ा नचाना—सादोम एनेच्।
अरबी—बानधार सादोम।
घोड़े की पूँछ—दीमची।
घोड़े की जीन—झीन।
घोड़े का हिनहिनाना—चि-हों-हों, हिनहाव।
लगाम से घोड़ा को रोकना—झीन।
घोड़ा हिनहिना रहा है—सादोम ऐ हिनहा-ओक् काना।
घोड़ा गाड़ी—सादोम-गाड़ी, घोड़-बागी।

च

चंगा　　सं०　　फारनाव, बेस।
चंगा होना—जिवेत्-बेरेत्, जिनाव, बोगे, फारिआव, ताजा, साख।

चंचल　　वि०　　चोअचल, सीमिल, हालोबालो, छाट-पाट, भाचाड-भुचुङ, हाबहाबिया, इसपात, इकिल-सिकील, छाटपाटिया, हालबालिया।
चंचल होना—छाटपाट, ओलो-चोले, हालोबालो छाटपाटिया।
चंचलता—हालबाज।
चंचलतापूर्वक करना—हारूआनिया।

घर जाने के लिए उस का मन चंचल हो गया—ओड़ाक् ते चालाक् लागित् मोन चोञचल एन तायां।

चंदा	सं	भेजा-पँजा, भेजा। चंदा उठाना—बिहरी।
चइला	सं०	पाताड़ाक्।
चक्कर	वि०	आचूर। चक्कर खाना—तीर—तीराव, आम्बाक्-ओम्बोक्। चक्कर लगाना—आखड़ा, बिहुर, घुर घुराव। उदा :—दो तीन बार चक्कर लगा कर नाचो—मित्-बार आखड़ा काते एनेच् में। चक्कर काटना—भेनभेनाव। चक्कर खाना—गुरलाव। चक्कर खाता हुआ—होण्डेयाल। चक्कर खाते हुए—गुरला-गुरली। चक्कर खाते हुए जाना—हुड़ताङ-हुड़ताङ। चक्कर खाते हुए बढ़ना—हाड़बाङ हुड़बाड़। चक्कर आना—रीमी-झीमी, टोल-मोल, दानमानाव, टोलमोलाव। मुझको चक्कर आ रहा है—आम्बाक् ओम्बोक् इञ आयकाव एदा। चक्कर आया हुआ—रोल-मोल। चक्कर होना—गुरलाव। चकराने जैसा—झाम-झाम, झाम-झामते।

चक्का	सं०	चाक ।
चकनाचूर	सं०	छाका-छून ।
चकमक	क्रि० वि०	चाक माक, चोक–चोकाओ ।
		वह पत्थर दूर से चकमक दिखाई देता है—ओना धिरी दो फाराक खोन चोकचोकाओक् काना ।
		चकमक-चकमक—जिड़िप्-जिड़िप् ।
		चकमक करना—झाल-माल ।
		चकमक पत्थर—छाकमाकी, चोखमुर्खी, धीरी ।
चकोर	सं०	चामा-चाकोर ।
		काला चकोर—मुनढ़ात् चितरी ।
चखना	क्रि०	आयकाव, जाल, चुकुप्-चुपुक चाखा, आटकार, चाखना ।
		चखने के लिए दिया जाने वाला मांस—काटनासो ।
चटक-मटक	वि०	छीक-छाक ।
चटनी	सं०	चाटनी ।
		दाल भात के साथ चटनी भी खाओ—दाका-उतु सालाक् चाटनी हों जोम में
		इमली की चटनी—जोजो-काञजी ।
चटाई	सं०	चाटा, पाटीया, चाटाई ।
		बाँस की चटाई—ठाटरा ।
चट्टान	सं०	चाटानी, हुद्दु, चाडरा ।

चट्टी	सं०	चाट्ठी ।
चटोर	वि०	चाटना । उदा :—यह चाटोर घर में नहीं रहता, दुसरों के पास ही खाता है। नुय चाटना दो आड़ाक् रे बाय तोहना, होड़ ठेन गेये जोमा ।
चण्डाल	सं०	चाण्डाल ।
चतुर	वि०	जालीम, जालीम सार ठोक । चतुराई-बारो-बुद्धि
चन्दन	सं०	चोनदोन ।
चन्दा	सं०	बियुरी, दान, भेजा, चाँदा । चन्दा देना—दान ।
चन्दोवा	सं०	चान्दा ।
चना	सं०	आजजा, बुट-दाना ।
चप्पल	सं०	चाटकी, खारपा ।
चप-चप	क्रि० वि०	लाड़ोप्-चाकोप्, पागुय-पागुय, चाकोप्-चाकोप्
चपरासी	सं०	आरदाली, चोपरासी, सोर-सोपाहो।
चपल	वि०	जारनाहा हातचुटी । चपलता—हाल-बाल, चोजचोल । चपलता के साथ—हाब-हाबाब, हादाङ-दापाङ, जेलेप्-मानते। बहुत चपलता के साथ—छेंक मानते।
चपड़ा	सं०	चालधा । उदा:—दीवार का एक चपड़ा गिर गया—भीत रेयाक् मित् चालधाअर एना ।

चबाना	क्रि०	तोगोच्, हामबुड़, माचुर, मेटरेच्, लाड़ो-चाको, ऐड़ोय-बेन्दोय, माकुर, सुटुर, सेटरुक् रासुक्-माराव, रूचुप्-माराव, चाबला, चाबली, राटुक् माराव ।
		चबाते हुए—मेटरेच्-मटरेच् ।
		चबाने की प्रक्रिया—पागुय-पागुय ।
चम्पा	सं०	चाम्पा-बाहा ।
		मेरे प्रिय चम्पा फूल को मेरे जुड़ों में खोस दो न—जुरी तिञ चाम्पा बाहा दो बाहावाञमें से ।
चम्मच	सं०	चामोच ।
चमकना	क्रि०	डीगी-भीगी, डाग-डागाव, डिग-डिग, झेड़े-झेड़े, जीरित्-जीरित् गेरेगेसे ।
		चमकता हुआ—झुडुझाक्, झीकी-मीकी, हुदयु-दुगुर, डीगी-मीगी ।
चमकीला	वि०	झीलझोल, झुडुझाक्, बाराङ बाराङ ।
चमगादड़	सं०	बारदुँडुँच् ।
		विभिन्न प्रकार के छोटे आकार के चमगादड़—भालुआ, गोडो-बारदुँडुच्, चुटिया-बारदुँडुँच् ।
चमड़ा	सं०	हारता ।
		चमड़ा छिल जाना—बोन्डोर, हुरूड़, खाल ।
		चमड़ा उतारना—हुरूड़ ।
		चमड़ा उद्योग की कला—कास ।
		चमड़े को रंगना—कास ।
		चमड़ा उद्योग से कमाना—कास ।
चमार	सं०	चामार, मुची ।

चमेली	सं०	हुन्दे बाहा।
चमोटी (चमड़े की रस्सी)	सं०	चामटा। चमोटी से जुवट को बाँधते हैं— चामटा ते ऑरॉड़ को तोला।
चर्चा	सं०	ढोडोय।
चर्बी	सं०	इतील। चर्बीदार—इतील-बासील, सीरात्-बाराट्, तेलगार। चर्बी वाला—इतीलान। चर्बी होना—छुर-छुर।
चर्र-चर्र	क्रि० वि०	रेच-रेच।
चरखा	सं०	चारखी, चारखा, ढेरा। चर्खा को घुमाने वाली रस्सी—आवाले। चर्खा के धुर की लकड़ी—हातवा। चरखी—चाकी। चरखी से सुता को लपेटते हैं—चाकी रे सुताम को ताकोय जाखाया चर्खी घुमना—टेकोस।
चरना	क्रि०	आतिञ छोले। चराना—आतिञ, गुपी, टेकाव, चारहो, गायों को चराने के लिए ले जाओ—गाय आतिञ लागित् इदी कोम। चर जाना—गारदान। थोड़ा-थोड़ा चरना—रीचाप्। उन्होंने सब मड़ुआ को चरा कर खत्म कर दिया—सानाम जानहे को चारहो केदा।

चरनी (बाँस की टोकरी बच्चे को सुलाने के लिए)	सं०	नान्दवा।
चरवाहा	सं०	चारवाही, गुती, गुपी, कोड़ा।
चरित्र	सं०	चाल-चोलोन, चोलोन, चाइचोलोन। चरित्र नहीं खरीदा जा सकता—चाइ चोलोन दो ओहो किरिञ लेना।
चलना	क्रि०	चालाओक्, ताड़ाम, दाह्लाव, चाचा, उटुप्-उटुप्, लाड़ाओक्। छिप कर चलना—चाका-चोको। घसीटते हुए चलना—धायात्-धायात् धीरे-धीरे चलना—हिदोच्-दोपोच्, थीया-थापे, जापा-जोपो धीरे-धीरे चलने वाला—गाहड़ी। थकित अवस्था में चलना—हिदोच् लड़खड़ाते हुए चलना—थीया-थापे, रेबे-रेबे, डीड़ा कुटिल चाल चलना—हातमा-हुतमा। लाठी टेक कर चलना—तीरुप्। रास्ता छोड़ कर इधर-उधर चलना—टाहाप्-टाहुप्। भद्दी तरह से चलना—दाकाड़-दोकोड़ अंगुलियों पर चलना—चोण्डोक्। अंगुलियों के बल चलने से आवाज नहीं होती है—चोण्डोक्कातेत् ताड़ाम लेखान बाङसाबादोक्आ। पैर से चलने का प्रयत्न—काड़ाकुड़। इधर-उधर ऐंठते हुए चलना—टावाल-डावाल।

		संकीर्ण रास्ते में चलना–टुनडाङ । अंगुठे पर चलना—चाण्डुच् । एड़ी में काँटा गड़ जाने के कारण अंगूठे पर चलता है—इडी रे जानुमें रोक् आकान ते चाण्डुच्-ओक ए ताड़ाम एदा । चलते-चलते—उटुप्-उटुप् । चला जाना—आरतोम, उडाव । चलों चलें—दीलोई । असावधानी से चलना—हाट-पाट ।
चलनी	सं०	झाअजरी, चाला ।
चलान	सं०	चालान ।
चलाना	क्रि०	चालाव, हाडगुर, घान्टा, हाण्डकुर, लाड़ाव हुचकाव, होटाक्, होंटकार, हेवला, घान्टुर, मुट, हेवडा, ठासाक ।
चश्मा	सं०	चोसमा ।
चहचहाना	क्रि०	टेटेच् ।
चहल-पहल	क्रि० वि०	चाहाक-माहाक ।
चहार–दीवारी	सं०	ऐटेत्, पाचरी, घावाड़, ऐनेटेत् ।
चढ़ना	क्रि०	आपले, देच् राकाप्, देनेच्, चोघे । चढ़कर आना—देनेच् । चढ़ाई—रानाकाय, चाड़हाई । चढ़ाई करना—धावा । चढ़ाना—लादे, घोंड़ा । एक पर दुसरे को चढ़ाना—चोनदा । बही में लिख कर चढ़ाना—ओल–चाढ़हाव ।

		चढ़ा देना—रैम ।
		चढ़ा हुआ—टेअटेड़ेअ ।
चाँद	सं०	जिन्दा-चान्दो—चान्दो ।
		दूज का चाँद—बाले-मोलोक् ।
		दूज का चाँद दिखाना—मोलोक् ।
चाँदनी	सं०	तेरदेच् ।
		चाँदनी रात—तेरदेच्-जिन्दा ।
चाँदी	सं०	रपा ।
चाकू	सं०	चाकू ।
चाकोण्ड-साग	सं०	चाकओडा ।
चाचा	सं०	काका, होपोन-बा ।
		चाचा होना—काका ।
		बड़े चाचा—गोङगो, माराङ बा ।
		चाची—काकी, होपोन-गो ।
		चाचा-भतीजा—गोङगोया ।
चाटना	क्रि०	चाटोक् ओड़ाम-चाटाओ, जाल, मेलोत्-चेटोत्, हाबरूक्, मेलाङ-चेटाङ ।
चादर	सं०	आलवान, चादोर, पीछावड़ी ।
		मोटे कपड़े का चादर—बारकी ।
चाबुक	सं०	चामुक ।
		चाबुक से मारना—चामकाउ ।
		चाबुक मारना—छिरिच्-छिरिच् ।
		चाबुक लगाना—चुराव ।
चाभी	सं०	चाबि, काठी ।
		चाभी से ताला खोला—चाबि ते कुलुप झिज में ।
		घड़ी में चाभी देना—दोम-एम ।

चाय	सं०	चा ।
		चाय बनाना—चा ।
चार्ज	सं०	चारोज ।
		उन्होंने हम पर फौजदारी का चार्ज लगाया है—फाउदारी को चारोज आकात् लेया ।
चार	संख्यावाचक	पोन, पोनया, चार, लाकुड़ ।
		चार-चार—पोपोन ।
		चारो—पोनोन ।
		चारो-ओर—उल्टा-उल्टी, फायफुच, चारिया, कोड, चारिया-धार, बेड़हाय, बेड़हाय ते, बेड़हाय रे ।
		चारों ओर से छेकते हुए—ऐसेत्-आचुर ।
		चारों तरफ—दाहा-दाही, गोहुला-गुहली, गुरगुराव, चारों तरफ से—गुरला-गुरली ।
		चारों तरफ फैलते हुए—दुन्दला-दुन्दली ।
		चारों तरफ लटकाना—आराव, टामका-टाकुर ।
चारा	सं०	चारा ।
		पशुओं को फँसाने के लिए चारा लगाना—चारा ।
चारागाह	सं०	गोचार, घासाड़ी, चोरोंट ।
		चारागाह में चराने का फीस—घासाड़ी ।

चाल (टेढ़ी-मेढ़ी)	सं०	गाजार-गुजुर, बिड़योङ-बाड़योङ । भारी चाल—दाड़गाम-दुड़गुम । भारी चाल से—गीदा-गादे । चाल तेज होना—राङ गाव । चाल-चलन—गुन, चोलोन, चाल, चाल-चोलोन । चाल व्यवहार—चार-बेओहार । उसके पिता का चाल-चलन बहुत अच्छा है—आपा-ताक् चोलोन दोआडी बेसा । चाल-बाज—चाल-बाज, पाटी-बाज ।
चालाक	वि०	चाक्लाविच् ।
चालना	क्रि०	चाला, झाजरी ।
चालाक	वि०	चालाक, लिण्डार, आयोमान, खेया-सान, सात-सिआल, भुचाड़, चातरा-लिया, पीरका, खाचड़ाहा, हुसियार, चाल-बाज, साड़फाड़िया, धानिया, गाखुड़, खिलडिया, छेछोड़ । चालाक होना—खिलडिया । चालाकी से—गुसुर-गुसुर ।
चालाबुला (एक झाड़ी)	सं०	चालाबुला ।
चालू	वि०	छारकाव ।
चाव	सं०	रूची, साद । चाव से—गोब-गोब । बड़े चाव से—चाचाओ । उदा—बड़े चाव से मुझे ले गया—चाचाओ कातेये इदि किदिञा ।

चावल	सं०	चाओले । चावल छाँटना—सोक् । आधा छटाँ चावल—ताला । अजजान चावल—आजजान ।
चाह	सं०	मिरूक-मिरूक, हिचा-हिया, गोरोज, रीज, हुड़सो, गुरजी, साद । चाह पूर्वक—मेले-मेले । चाहना—बासुतः हुड़सो, केड़े गोरोज, सादोक्, हिचा, आलाड़-दुलाड़, रूमबुच-चुमबुच्, रूजू, आनीज, चाहाओ, मोर-मोराव, हाहाव, बारमाङ गाव, मुरजी, चुट-चुट, गुरजी, ओसोर, रीझाव, हाया, मेरेल । चाहने वाला—बासुतीया, आबाड़िया । यह लड़का अनेक चीजों का चाहने वाला है—नुई कोड़ा दोय आबाड़िया काना ।
चाहा-पक्षी	सं०	दाक् बाटा ।
चिगड़ी मच्छली	सं०	इचाक् ।
चिघाड़ना	क्रि०	हाण्डराव । चिघाड़ते हुए—हाण्डरा-हाण्डरी ।
चिकना	वि०	इतील-बासील, लोतोय, लुबुई, रेला, झुड़झाक्, लेन्जेर, चिकाँड़ गेनेड़े-ओम, आनदड़ाङ-आन्दड़ोङ, तीड़ोच् तोडोच्, तीड़गोच्-तोड़गोच्, फीनी-फीच् । चिकना होना—रेला, गड़ियोम, डीलू-लेका, तीड़ोच् तोड़ोच् तीड़-गोच्-तोड़गोच् ।

		चिकना सतह—लेअलेञ । चिकना करना—माठाव । चिकनाहट—छीक-छाक । सतह चिकनी होना—पाहटाव ।
चिकित्सा	सं०	चिकिसा । चिकित्सा करना—चिकिसा । बीमारी में उन्होंने मेरी चिकित्सा की—रूआ रे ओनको को चिकिसा किदिञा ।
चिकोटी	सं०	इतिच्, डाटकोप्, राडाप् । चिकोटी काटना—पीडिच्, सीन्डकाप्, साडाक्, डिटोम, बिचबीच्, राण्डोप्, डाटकोप्, इतिच्, राडाप्, रोटोप्, रीडकोप् । परस्पर चिकोटी काटना—इपीतीच् ।
चिचियाना	क्रि०	चोंच् । शेर को देख कर वे इतना डर गये कि चिचियाने की ध्वनी भी नहीं निकली—कुल ञेलते उनाक्को बोतोरेना जे चेले हों बाको चोंच् लेदा ।
चिट्ठी	सं०	चिट्ठी, चिठी ।
चित्कार	सं०	उसीच् ।
चित्	सं०	टेपटेपे, चित ।
चितकबरा	वि०	काबरा, आराक्-पोंड, काजरी, काबरा-कोठा, टाकलाक्-टिकलाक्, माची कोठा, आबलाखा, हेड़ाक् गिनडोर-गोनडोर, गोरला, गोला ।

चितकबरापन—छींट ।
चितकबरा मैना—ऐरे किसनी ।
उदा:-यह बकरी चितकबरी है—
नुई मेरोम दोय आबलाखा गेया ।

चिता	सं०	सारा । चिता बनाना—सारा ।
चिथड़ा	सं०	चिरा, फुदली, गेन्दरेच्, गायुर-टापुर, खाण्डवाक्, चेथरा, गेन्दरेच्-चेतरेच्, टाट, गेन्दड़ाक् गान्दुर-गापुर, ओड़ेच्-मोड़ेच् । चिथडा होना—सीड़ाङ, झादगोच्, खेकरे, गान्दुर-गापुर ।
चिन्तन	वि०	गान्डोन, सानेगुमान । चिन्तन करना—गान्डोन, सानेगु-मान ।
चिन्ता	सं०	हिजजराव, दुक-दान्द, जोजजाल, झोञ्जाट, पाझेत, दान्दी,-गुन्दी, दान्द, दुक, दुक-दुकास, दीक, दीक-सीक, जाला भावना, सोच, पोरभाय, आनदेसा, चिन्ता, थारहार, बिछावना । चिन्ता प्रकट करना—दान्दोक्, आनसा, खायखा-बड़ोक्, दीक-सीक, तीकतो, कासता-कासती, दीकी-आव । चिन्ता करना—चिन्ता, भावनाक् हाका-चाका, झोञ्जेट, बेसताव । चिन्ता न करना—हुरूय-ठाकुक् । चिन्ता न करने के लिये कहना—हुरूय-ठाकुक ।

चिन्ता में पड़ना—झुलाव, कातोर।
चिन्ता होना—पाझेत।
चिन्तापूर्वक—हुड़गू-दुड़गू, हुमुर-हुमुर, थारहार, साने-गुमाने, बितला-बितली।
चिन्तित—तोङगरा-तुङगरी, मुलिन, गार, मोंच्-मोच्, दारूक्-दायुक् बित-बाउला।
चिन्तित होना—बेजार, थारहार, झीकझोर, जोलाव, हाय-सोय, सीवेच्-गेलेच्तोङगरा-तुङगरी, हाल-हाचाव, दान्दीक्, तीत्, ओलोञ, दान्दराव, दीकी-आव, समेच-गालेच्, जोञजाल, हिञजराव, पानीआव अत्यन्त चिन्तित—सेमेच्-गालेच्।
चिन्तित दिखाई देना—जाञजापे।
चिन्तित रूप से—दान्दरा-दान्दरी।

चिप्पी	सं०	ताली-माराव।
चिपकना	क्रि०	ठेकोम, जालात्जेनेरेत्, रेत, लोण्डे, जाटाक्-जाटाक् जाटाक्, थाली, जेरपेंड़ेत्, जेबेन, लाठा, थुबड़े, गेर, लाटाक्, जोआव, जेमठे, जाटाक्, साटाव, साटकाव, लेटकोम, लेनठे, तोकड़े, जेपेत्, लेमठे, लेवठे, जिमटाव, जेरपेत्, लासकाव, लाटकाव, लाथी आव। चिपकने वाला—जेवेर-जेवेर, लाट-पाट, जेबेर-जाटाक्। परस्पर चिपकने की प्रक्रिया—जोड़।

		चिपकाना—जेरेव् । चिपका रहना—लोण्डे । चिपका हुआ—जेमठे, ओब-ओबों, जेपेत्, जेरपेत् ।
चिपचिपा	वि०	जेबेर-जेबेर, तोड़-तोड़, जेटकोम, लाटलाट, जेबेन, जेबेर—जाटाक्, जेटके लाटाक्,—लाटाक् जेहेजाबे, जेड़—जेड़, जाटाङ, जाटाक्—जाटाक् । चिपचिपा होना—जेबड़े, जाड़धुम । चिपचिपाहट—जेबेन, लाठा, जेड़बेड़, जेटके । चिपचिपाहट होना—जेटकोम, तोड़-तोड़, लाटपाटाव, जाटाक्-जाटाक् ।
चिपटा	वि०	चोपोत्, चापड़ा, चाकता, मानदाल, दाबदाबा । चिपटा होना—चापटा, मानढाल । चिपटा बनाना—चापड़ा, थापड़ा । चिपटा चूतड़ वाला—लापुवा । चिपटी—पापठी । चिपटी नाक—चेपे, खापताक्, चेपो-पेचड़े । चिपटी नाक वाला—खानदा, खेन्दले, सुईपुच्, खान्दी ।
चिपटा	सं०	डिटोम, चिमटा । चिमटा से पकड़ना—डिटोम, चिमटाय ।
चिमनी	सं०	चिमनी, मोङ्गरा ।

चिमड़ा	वि०	पाटकू नाडू, तोगोत्। चिमड़ होना—पाटकू नाडू।
चिरकाल	सं०	चिरोकाल।
चिरस्थायी	वि०	जुटाङ।
चिरैता	सं०	चिरोता। (यह दवाई के रूप में व्यवहार होता है)
चिरोंदिन	क्रि० वि०	छिनोदिन।
चिल्लाना	क्रि०	होहो, किकियाव, बेमाव, गुहार, हुका, तुत्, ऐच्, किरीड़, हाकाव, हाकार-पुकार, तारा-गाराज, आनड राच्-ओनडरोच्, गारजाव। जोर से चिल्लाना—रूग-दाय। चिल्लाते हुए — रागदाव-मानते, रागाव मानते किकिया-किकियी। चिल्लाहट — होहो, कावमाव, किरीड़।
चिलचिलाती-धूप	क्रि०	झाला-झाली।
चिलम	सं०	चिलीम। चिलम पीना—चिलीमञ्। चिलम से तम्बाकु पीते हैं—चिलींम ते थामाकुर को ञुया। चिलम का ठिकरा—ठीकरा।
चिन्ह	सं०	इसारात, चिनहा, हेलडेल, नाय-नाम, पोयान, गाब, छाप, चिखना टुड़ाक्, निसटान, चिन, सोला। चिन्ह होना—डाण्डा।

चिन्ह लगाना—टुड़ाक्, सोला ।
चिन्हित—नायनाम, छींट, दाग-ढाग ।

चित्र — सं० — नाकसा, छाबी, ओल ।
चित्र खींचना—नाकसा ।
चित्र बनाना—ओल, छाबा ।

चिड़चिड़ा — वि० — बिस पिताहा, आया, चोयन्दा ।

चिड़िया — सं० — चोंड़े ।
विभिन्न प्रकार के चिड़ियों का नाम:—लानढा, सासाङ-गालाच्, लान्द-चोंड़े, हाती-उड़िच्, हुच्-बीर, माहकाल, हेंडाक्-माहकाल, राज-मुनी चोंड़े, ओराल, काड़ी, चोंड़े, ओकोर, टिकमीञ-चोंड़े, तुत्-चोंड़े टीराङ, गिनडुआर बाटा, सुलुय-लुन्दुय चोंड़े, बोइला चेंड़े, बोरोडिञ, तोपेउड़िच्, कालाया, टेटे-टेङगोच् धुरा गुण्डरी, सासाङ चोंड़े ।
विभिन्न प्रकार की छोटी चिड़िया—रूई-रूई, चोंड़े झाटा केरकेट्टा, ड़ेत्-चोंड़े, कुटीस, जुगीसुच्, डेरेत्-चोंड़े, बाघे केरकेट्टा ।
चिड़ियों को घोसले में धीरे से पकड़ना-जालपुत्, झापुट ।
चिड़ियों का चहकना—चेरो-बेरो ।
एक प्रकार की चिड़ियों की बोली—हाकों-पाको ।
चिड़ियों का कलरव—चेरो-बेरो ।
चिड़िया का मांस—भुकनी ।

चिढ़ाना	क्रि०	आवड़ाव, भेसाओ, इलौल-सिकौल, चारहाओ (यह शब्द मवेशियों के लिए व्यवहार होता है)।
चींटी	सं०	मुच्, चिउटी। चींटी पिपड़ी—चिउटी पिपड़ी। काली चींटी—उप् मुच्। चींटी का अण्डा—दाका। विभिन्न प्रकार के चींटी के नाम—चुटुञ-मुच्, गुराडी-आरी-मुच्, राल-मुच्, सुनुम मुच्, डोडा-मुच्।
चीज	सं०	चीज, जिनीस।
चीता	सं०	पोटेया-ताऊप्, राण्डोप्-पुसी, आद-बाधिन, सोना-चीता, मोटा-मूँ।
चीमड़	वि०	तोकोप्-तोकोप्।
चीरना	क्रि०	चिरा, पाड़ाक्, तेरो-नेंड़े, ताड़गुड़, ताहुड़।
चील	सं०	कुंड़ित्, गिदी, गिदिनी। चील की बोली—हिञहाव, चि हिं हिं हिं।
चुआ	सं०	टोन-होड़ेयोत्।
चुक्का	सं०	चुकाक्-चुरीयाक्।
चुकड़ी	सं०	चुकरी।
चुकता	सं०	फारोक।
चुकाना	क्रि०	पुजाव, एम फारफुती, बाचोल, चुकान सोद, चुकती खारा, मीना, **बाचोन**।

चुगलखोर	वि०	चाईचुगली, बोयनांगोरी, चावाई, चुगुलखोर, चाइचाइ, चुगली-दार। चुगली करना—चोखना, चुगली, लाई।
चुचुक	सं०	चुचची, बाँट।
चुटकी	सं०	चुटकी। चुटकी भर—चुरुच् इतिच्-तुनुम। एक चुटकी—डुकनुँच्। चुटकी भर होना—डुकनुँच्।
चुन्दी	सं०	टुईला।
चुनना	क्रि०	बाछाव, बादाँव, आमचेत्, बाबाच, हालाङ, आमजाक्। चुनकर साफ करना—उरला-उरली।
चुनाव	सं०	हातबाछा, बाछाव। चुनाव करना—हात बाछा।
चुनौटी	सं०	चुनयटी, चून ठयाक्।
चुप	तिरस्कार सूचक शब्द	थोड़चोट दुड़चुत् सापो। चुप रहना—धाराव, थिरकोक् हात-आड, दोबका-दुबकी। चुप कराना—ताडगड़ाव, थापो, दोमबड़ा-दुमबड़ी। चुप होना—दाबड़ाव, होप। चुप हो जाना—टेवेत्। चुप रहने वाला—थोतोड़ो, थोतोड़ोक्।
चुपचाप	वि०	थिर, स्याने-युमाने, सागाम-सुगुम, डेबोक, हापे-होपेते मोसमोसो,

गुयुङ-गुयुङ, हापाच-हुचुच, चापे-चुपे, थुसुङ मानते, गायाङ-गुयुङ, पीडगी, सानसुन मोर-मोर, दादहुप्, गुंगलू-सूच्, थोतोड़ो, साच्-सुच् ।

चुपचाप अकेले चलने की प्रक्रिया—डुयुङ डुयुङ ।

चुपचाप भाग जाना—चाम्पोट ।
रात को किसी समय चुपचाप से भाग गया—जिन्दा तिनरेचोम चाम्पोट केदा ।

चुपचाप खाने वाला—जोमा ।
चुपचाप बात सुनना—टेवेत् ।
चुपचाप होना—हालाच्-हुलुच्, चाप-चुप ।

चुपचाप रहना—गुंगलू-सुच्, गुलुसुच्, किरधुम ।

चुभना क्रि० सोरलोक्, खाचाक्, बाबाक्, पाटी, सोबा, बानाल खाचाक् जानकाव, जानजानाव, बिदकाव ।

किसी चीज के चुभने का दर्द—चाबाच्-चुबुच्, बुयुत-बुयुत् ।
कोई चीज चुभने जैसी—गायाल-गायाल ।
चुभ-चुभ—चाबाच्-चुबुच् ।

चुम्बक सं० चोमबोक ।

चुमावना सं० चुमान ।
चुमावना देना—बानदापोन, चुमान ।

चुराना	क्रि०	हेड़ो, गाबड़े, लेनडेच्, सामाकलेन्डेच् पोटोच् आतकीर कोम्बड़ो, ओयोक्-चोन्डोक् । अण्डा चुराने—बेले कोमबड़ोइच् ।
चुरूट	सं०	चुरूट
चुलबुला	वि०	चुलबुलिया ।
चुलाना	क्रि०	चोडोर, चुबा ।
चुड़ैला	हं०	चुड़िन ।
चूँकि	अव्यय	ऐनते, चोदाक्जे ।
चूकना	क्रि०	फुस-चाटाव, हेरो, पान्दोल ।
चूतड़	सं०	डेके, लिन्ढी । चूतड़ हिलाना—धाकुच् । चूतड़ के बल गिरना—लेथड़ेच् । चौड़ी चूतड़—उखुड़-डेके । बड़ा चूतड़ वाला—पादगुड़, धाकेड़-धाक्, धाकेड़ाय, धाकुड़ाय, चुटुब-लिन्ढी । झुक कर चूतड़ दिखाना—बितुच् झुक कर चुतड़ मत दिखाओ—आलोम बितुजा । चूतड़ के बल चलना—हेरे घेसे ।
चूना	क्रि०	पुयुल, जोरोक्, टीया-टोयो । चू कर गिरना—जोरोक्, होंयोंड़ोक्, टीपाक्-टोड़ोक् । चूने की प्रक्रिया—टीया-टोयो ।
चूना²	सं०	चून । चूना के समान होना—चून ।

		चूना मट्टा—चूने भाटा ।
		चूना पत्थर—गाङगीट, गाटी चुन, बुटिञ ।
चूमना	क्रि०	चोक् चियुप् ।
		उसने प्यार से बच्चा को चूमा—दुलाड़ते गिदराय चोक् आदेया ।
चूर्ण	सं०	लुमुञ, गुण्डा, गाण्डा-गुण्डा ।
		चूर्ण करना—लाहुत् ।
		चूर्ण होना—लुयुम ।
		चूर्ण करने का साधन—होलोङ्-डिगिर ।
		चूर्ण-चूर्ण कर देना—होलोङ-डिगिर ।
		चूर होना—पोसेत् ।
		चूर-चूर—भाण्डाङ भुण्डुङ ।
		चूर-चूर करना—तालगा-तावाक्
		चूर हो जाना—भाँका-भाकुर, भाँगा चुरा ।
चूल्हा	सं०	अंगीठी, दामहा, चुलहा ।
		चुल्हा बनाना—उठलाक् ।
		अस्थायी चुल्हा—उठुलाक् ।
चूसना	क्रि०	चोपोचा्, सोरपोत्, चुसाव, सिड़प् जेम्बेत्,चोपोचा्, हाबरुच् ओंड़ाम, सुपुचा्-सुपुचा् ।
		चूसने की आवाज—छोप-छोप, छोप-मानते ।
		चूसकी लगाना—सिड़प् ।
चूहा	सं०	चुटियां, गोडो, होन ।
		जंगली चूहा—बालवार ।

		चूहे की पूँछ—चुटियाँ चान्डबोल । चुहादानी—सीनइञ-झाली, सोनङकाप् । बड़ा चूहा—भुस गोडो । एक प्रकार का चूहा—ऐड़गो ।
चूड़ा	सं०	ताबेन । चूड़ा बनाना—ताबेन ।
चूड़ी	सं०	अुरली, चुड़ी, साकोम । मोटी चूड़ी—साङखा ।
चोंगना	सं०	बोतके, सीम-होपोन ।
चों-चों	क्रि० वि०	चों-चों । सुअर की तरह तुमलोग चों चों मत करो—सुकरी लेका आलोपे चों चों या ।
चेचक	सं०	तालसा, मिलमिलिया, बोसोन्तो, मेला, मारी, काड़के, मारी-गुटी, कुरथिया, गुटी-रोग । चेचक मुहा—मारी-मेंत् आँहा ।
चेतना	सं०	आटकार, दीसा-पायसा, तारीक, चेताव । चेतना शक्ति—दीसा-पायसा । चेताना—चेताओ । चेतावनी—हुसियार । चेतावनी देना—हुसियार, चोहाओ, तालाव, टेर, इयप-आयका, माना, दारीयापी, कान्धाव, डाटा-डाटी, टोकाव, बाय । चेता हुआ—चेताव ।

तुमको होश है कि नहीं—आमाक चेताव दो मेनाक् तामा से बाङ ।

चेला	सं०	चाटिया, चेला ।
		चेला बनाना—चाटिया ।
		गुरूजी के तीन चेले हैं—गुरूरेन पेया चाटिया मेनाक् कोआ ।
चेष्टा	क्रि०	आटकार, कुरूमुटू ।
		चेष्टा करना—चेष्टा, गेला, कुरूमुटू ।
चेहरा	सं०	मुहाँ मेंत्-आहाँ, मुठान, चेहरा ।
		गोल चेहरा—फेकनोक् ।
		मोटा चेहरा—फेकलोक् ।
		चेहरा दिखाना—छामुआव ।
		चेहरा धोना—आबोक् ।
		चेहरा धोकर आओ—आप्हिजुक् में ।
		चौड़ा चेहरा और बड़ा पेटवाला—जोहो तुम्बा ।
		चौड़ा चेहरा—पोकरोत् ।
		चौड़ा चेहरा वाला—पोयकाक्, बाडगाक्, बोडगोक् ।
चैन	सं०	आवसान, नीराय ।
		चैन पाना—राड़ेच् ।
चैली	सं०	छायलाक्, सारलाक्, झुरी ।
		नोकीली चैली—सारलाक् ।
चैत्र	सं०	चात (महिना)
		चैत—चात ।
चोंगा	सं०	चोङगा ।
		चोंगा से तेल ढालते हैं—सुनुम दो चोङगा तेको दुला ।

		चूहे की पूँछ—चुटियाँ चान्डबोल।
		चुहादानी—सीनइब-झाली, सोनडकाप्।
		बड़ा चूहा—भुस गोडो।
		एक प्रकार का चूहा—ऐड़गो।
चूड़ा	सं०	ताबेन।
		चूड़ा बनाना—ताबेन।
चूड़ी	सं०	खुरली, चुड़ी, साकोम।
		मोटी चूड़ी—साङखा।
चोंगना	सं०	बोतके, सीम-होपोन।
चों-चों	क्रि० वि०	चों-चों।
		सुअर की तरह तुमलोग चों चों मत करो—सुकरी लेका आलोपे चों चों या।
चोचाक	सं०	तालसा, मिलमिलिया, बोसोन्तो, गेला, मारी, काड़के, मारी-गुटी, कुरथिया, गुटी-रोग।
		चोचाक मुहा—मारी-मेंत् आँहा।
चेतना	सं०	आटकार, दीसा-पायसा, तारीक, चेताव।
		चेतना शक्ति—दीसा-पायसा।
		चेताना—चेताओ।
		चेतावनी—हुसियार।
		चेतावनी देना—हुसियार, चेहाओ, तालाव, टेर, इयप-आयका, माला, दारीयापी, कान्धाव, डाटा-डाटी, टोकाव, बाय।
		चेता हुआ—चेताव।

चोंच	सं०	ठोन्टा। चोंच मारना—तोबाक्, ठोटराव, थागलाव, थागला-थागली, तोत् दागार, खाबलाव। चोंच से छेद करना—ठोठराव।
चोंयटा	सं०	चायोंक्।
चोक-खुंटीं	सं०	चोक-खुन्टी।
चोकर	सं०	पेटेचा्, भुसा, हेड़े। चोकर होना—हेड़ेक्।
चोखा	वि०	चाइगा, चायला-चोयलो, तेजाल, लाड़खायला, चहहुर, चोयमोर, लासेर, धार, चोखो, रागात्, चुहला। चोखा होना—लासेर। चोखा करना—धारलासेरसीलाव। चोखा बनाना—दाक्साप्। चोखा-चोखा—सोयगा-सोयगा, चुइगा-चुइगा।
चोट	सं०	देंवड़े, जोखोम, धाव, बाजाव, गहरी चोट—धाल। चोट लगना—बाजाथोक्, हाहान, जोखोम, खाम, हुआङ धाल। चोट करना—हानाव।
चोटी	सं०	चोट, चुड़ा, छीप, चोमदड़ो, हिर,-हिर, छातना। बाल का चोटी—टुईला। वृक्ष का चोटी—मुथना, छातनाक्। संकीर्ण चोटी,—हिर–हिर। चोटी बनाना—गालाङ।

		किसी चोटी पर—चोमचोड़ोक् । बच्चे पत्थर की चोटी पर बैठे हुए हैं—गिदरा धिरी चोटरे चोमचोड़ोक् को दुडुप् आकाना ।
चोर	वि०	दोड़ोय, छोचरा, कोम्बड़ो, चोरलोचरा, धारपेत । स्वभाव का चोर—लुचा । चोरी—कोम्बड़ो, आतकीर । चोरी करना—कोम्बड़ो, गोलोच, थोगड़ाव, आतकीर, हामहें लोचरा ।
चौंकना	क्रि०	चोमकाओ, चिह्राउ, धाड़ास । सांप को देखकर मैं चौंक गया—बिञ ञेलते इञ चोमकाओ एना ।
चौअन्नी	सं०	सीकी ।
चौका	सं०	चाक, पाटा ।
चौकीदार	सं०	रोनदार, खामदार, चाउकीदार । चौकीदारी शुल्क—डालिया-पाकरा ।
चौकोण	सं०	पोनकोना । चौकोरा बनाना—पाहटाव ।
चौखट	सं०	चाउकाट ।
चौड़ा	वि०	हाक्-हाक्, धाबला । चौड़ा होना—हाक्-हाक् । अधिक चौड़ा—दाबला, लेलेङगेत् हालफाल, होक्-होक् । चौड़ा और छिछला—चोमोल ।
चौथा	संख्यावाचक वि०	पोनाक्, चाउठा ।
चौदह	संख्यावाचक	गेल–पोन ।

चौराहा	सं०	दोबाटिया, दोबाटिया-दोचाङ्गा। (यह शब्द केवल मन्त्र पढ़ने के लिए व्यवहार होता है) दोचाङ्गा।
चौरेठा	सं०	होलोङ। चौरेठा बनाना—होलोङ।
चौहद्दी	सं०	चोहोदी।
चौड़ा	वि०	डाक डाका, धालपा, ओसार, बोहोर, जालाखार, हुदुड़ाक्, हाङहाङ, मेलान, मायदान। चौड़ा चेहरा—बागोदाक्, बाग-बागा। चौड़ा (पैरके लिए)—धाबुड़-धाताक् धाबड़े। चौड़ा पैर वाला—धाबड़े, धाबड़े-गाण्डी (यह शब्द केवल गाली में व्यवहृत होता है) चौड़ा मुँह वाला—दाब-दाबिया। चौड़ा भगवा—धाबड़े डेङ्गा। चौड़ी छाती वाला—कुटेत्-पाञजार, हुटेत् पाञजार, चाकालदाङ। चौड़ी पगड़ी—चाक-दाहड़ी। चौड़ा होना—दाबदाबा, ओसार। चौड़ा सिंग वाला—डावका। चौड़ाई — गानाडे, ओनोसार, ओसार, ओसारतेत्, गान्डे, लाप-लापा, हाहुरपाक्।

छ

छः	संख्यावाचक	तुरूई, छो। छः छः करके—तुतुर। छः सौ—तुरूई साय।

		छठवाँ—तुरूईयाक्, तुरूईयीच्।
छकनी	सं०	छाका।
छट्ठी	सं०	नारता।
छटपटाना	क्रि०	छाटपाटाव, पीड़ीआक्, खाड़्पाड़् छटपटी—छाटपाटी।
छटाक	सं०	छोटाक।
छठ	सं०	छाट-पोरोब (एक पर्व)
छठी	सं०	छाटियार। जानाम-छाटियार। छठी करना—छाटियाड़्। छठी मनाना—छाटियाड़्।
छत	सं०	साड़ीम, चाल, हुदड़ा, छाँत। छत बनाना—साड़ीम छाँत। छत छाना—गुजजाव। छत पीटने की लकड़ी—साड़्पा। छत पीटना—साड़्पा। छत की लम्बी धरू—सेनेर। बाँस की छत—टाबा।
छत्ता (मधुमक्खी का)	सं०	ठुईयाक्, छाता। छत्ता बनाना—छाताय।
छत्ताक (कुकुरमुत्ता)	सं०	छाता। गोबर छत्ता—छाता।
छन्ना	सं०	झाजजरी, छाकनी, दाप्।
छनकाना	क्रि०	छानकाव, छानका-छानकी।
छप्पर	सं०	चाड़ी। छप्पर छाना—दालोप्

छपक-छपक	वि०	थापाक-थुपुक । छपछपाना—थापाक-थुपुक ।
छम-छम	क्रि० वि०	छाम-छाम, छामाक-छामाक । छमकी—छामाकिया, छामछामिया ।
छर्रा	सं०	छारड़ा, छाडरा, छीटा ।
छरहरा	वि०	रेङ्गलेचा, छाड़न्डा ।
छल	सं०	छोन्द, हारु-दादू, छोल, फोकीर, एकड़े लोसिन्द, छु तीस, ढोआन, छोन्द-कोपोट । छलना—हारु-दादू, डोल । छल द्वारा—छोल ते, छोल काते । छल करना—छु तीस, लापुक्, छोल, छोन्द, ढोआन, गाँवड़े-गाँवड़े । छल-कपट—चोन्द-कोपोट, छोल-कोपोट । छली—दुपीठीया, जुआचोर, झोण्ड-कोपोट ।
छलकना	क्रि०	छोलकाव, छिलकाव, छिलका-छिलकी
छलाँग	सं०	दोन । छलाँग मारते हुए—रोयोल-रोयोल, रोयोल-मानते, केड़ेप्-केड़ेप्, केटेप्-केटेप् । छलाँग मारना—दोन ।
छवि	सं०	छाबी, उमुल ।
छहलाना	क्रि०	दुनदुन ।
छत्र	सं०	छातार । छत्र-छाया—छातार-उमुल ।

छड़	सं०	पासी, डाण्डीत्, डाङ ।
		लोहे की छड़—सीक ।
		छड़ों की दीवार—ओनोत् ।
		छड़ से घेरना—ओनोत् ।
छड़ी	सं०	छिटाकड़िच् हापा, डाण्डी, डाण्डीत्, ठेङ्गा ।
		छड़ी से नापना—डाप्-डुप् ।
छाँकना	क्रि०	छानी ।
छाँटना	क्रि०	छाँट, छालकाव, कामान, कातराव, कासो, डुलाव, छाटाव, बिन-कामान ।
		पेड़ की डाली छाँटना—हेसे, थालपो ।
		छाँटा हुआ—थालपे ।
		काट-छाँट करना—छाँट ।
छाता	सं०	छातार, छाता, दाक, दाक्रामाक् ।
छाती	सं०	कोड़ाम छाती, कोन्दोराम
		छाती से लगाना—हाड़ुप् ।
		छाती से लगाकर सोना—हामबुत् ।
		चौड़ी छाती वाला—ढेमान-फुचिया, जाकता,
		छाती की हड्डी—कोन्दोराम ।
छानना	क्रि०	आला, छाकाव, छाका छाकी ।
छाना	क्रि० वि०	दोलोप्-दोलोप्, डाबाव, दाप्, लादोप् ।
		छाना (घना)—गाक् ।
		घर छाना—झालिआव ।
छाप	सं०	छाप, दाग, मोहोर-छाप ।
		छापना—छापा, छाबा, डोङेकाव ।
		छाप होना—दाग ।

		छाप देना—दाग ।
		छापने का यन्त्र—छाचापाक् ।
छापाखाना	सं०	छापा-खाना ।
छाया	सं०	उरगान, नीती, नाता, उमुल ।
		छाया करना—झुर ।
		छाया में विश्राम—खारावरी ।
		छाया के सदृश—टुक लेका, उमुल लेका ।
छायावादी	सं०	भेन्ता ।
छाल	सं०	बाकलाक्, छाल ।
		छोटे साल की छाल—पाताङगेत् ।
छाला	सं०	छाले ।
		छाला पड़ना—छाले, फोका ।
छावनी	सं०	छावनी ।
		छावनी बनाना—छावनीय ।
छाड़ा	सं०	बाङकी ।
छि:	तिरस्कार सूचक	छी:, थुई, धीरहाक्, धीर रे ।
		छि: छि:—छी ! छी ! दीर ! दीर रे ! थो ! थो !, दीट ! दीट !
		घू बुड़चूत्, धीर खाराक् ।
		छि: छि: करना—इह ! इह ! छीः थो ।
छिछला	वि०	तेलपेज, छेपले, टेमेच्, छेव, गायला, खेवेच्, सेबेच्-सेबेच् चेलपेज, छिपछिपानी, छेपको ।

छिछला होना—तेजपेज, छेव, छापोराय, चुमुक, ।
छिछला स्थान—तेजपेज ।
छिछला दिमाग वाला—टेमेच्-बोहोक् ।
छिछला (वस्तुओं के लिए)—चेल-चेकेच् ।

छिटकना	क्रि०	फेत्, फेनटोड़, हुमटाक्, फेञचोड़, फान्टील, छिलका-छिलकी । छिटकते हुए—पीचीर-पीचीर, पीचीर मानते, गोट-मानते । छिटकाना—फेत्, पीचीर, इरची ।
छिटपुट	वि०	छाडबीड, छाट छीट ।
छितराना	क्रि०	छिती-बीती, छिर-बिदिर, हिरिच्-पासीर, गायार-गोयोर, पासनाव, पासका-पासकी, हिरिच सिदगी-बिदिर, छितीर-बितिर, तापसे, छितपाव, गाराय-गुरूय, छापीलमान, सादगाल, दुरदार, थापड़ाक्, सादगा-बादगा, माण्डा, दुराथान, छिर-छातुर, धीनदीर-पीसीर, झिङगोड़, ताराल-बासाल, आपारेच्, छिरीयाव, तारसे, फीदगील, पीचीर, छिरियाछित् पासीर पासानते, तासड़ा-तासड़ी, छेदगा—छिदगी । छितराकर—छिदगाय-छिदगाय । छितराते हुए—छिरिया-छित । छितरायाहुआ—हिरिच्-पासीर छिर-छातुर, ताराल-बासाल, सादगा-बीदीड़, ताराक्-बिराक्, हाराल-

चिटाल, सादगा-बादगा, हिटाङ-झाड़ाङ, होयमा-डोयमा, दागुमचाक्, सामबाक्, बुराक, हाटाप् हुटुप्, चुरकाक्, भुरकाक झोङगोड़, सार-सादले, गायला-गोयलो, तासड़ा-तासड़ी ।

छिद्र — सं० — भुयाक्, फोड़ ।
छिद्र पूर्ण (डाली के लिए)—गाण्डरा ।
छिद्रपूर्ण—झेदगे ।
छिद्रित—छेदरे ।

छिन्न-भिन्न — वि० — दिरोङ-सोरोङ, भारगोच्, झारोच्-झापोच् ।
छिन्न भिन्न होना—झारगोच्, धाङ पोङ, आड़ा
छिन्न-भिन्न अवस्था में—इन्दे-पार उन्दे पार ।

छिपकिली — सं० — चेरचेटेच् ।
छिपकिली घर में रहती है—चेरचेटेचे दो ओड़ाक् रेको ताहेना ।

छिपना — क्रि० — ओकोक्, गाड़, छापा, हालकाव, ओलोचोम्बोत्, दाबड़े गुप्ती, ओक्-कोक्, गोजजाव, गोप, चोकोक्, दाबडाव, छापका-छापकी, छापा-छापी, दापकाव, छोपोक-डोबोक, आवडाल, लोमबा, लोप, सुनुदच् सुड़ुच्, सोन्दे, सोलगात्, सोरो ।
छिपने वाला—छापीत, झुड़-धापका ।
छिपने का स्थान—दानाङ, गाड़ ।
झाड़ी में छिपना—झुड़-धापका ।

		छिपकर चलना—चाका चोको।
		छिपकर देखना—चारित।
		छिपे रहना—होरो-लाम्बेत्।
		छिपाना—ओकोय, लोटोम, तोकड़े, छापाव, सोलगात्, गोपाव, आडगेर, गुसियाव, छिपाव, दापाल, ढाकाव, छोप, पायड़े।
		छिपा हुआ—गुस-गुसिया, छापा, छोपोक-डोबोक।
		छिपाते हुए—चापे-चुपे।
छिलका	सं०	चोकलाक्, बाकलाक्, छाल, छाय-लाक्, खेन्डबाङ, चोकाक्, चाकती, छोला।
		छिलका उतारना—दोलकाव, उर, आँस
		छिलका होना—खेन्डबाङ।
छिलना	क्रि०	छेलो, होयो, उर, सालां, पोटाक्, कासो, भोङ्गार, लाक्, रेटा, छालकाव, छोला, हुसित्।
		छिलजाना—गार।
		छिला हुआ—पोटोर-पोटोर, पोटोर।
छिड़कना	क्रि०	छिरीक-छीरीक, ऐर, छिटकाव।
		छिड़कते हुए—छिटका-छिटर्क।
छींक	सं०	आछीम।
		छींकना-आछीम।
		सर्दी के कारण छींक रहा है—सान्दातेय आछीम एदा।
छींटना	क्रि०	छिटकाव, छिटाव्, इरची, छीटा, ऐर।

		जल छींटना—उम आरेच् ।
छीनना	क्रि०	खामचाव, रेच्, आतकीर, उछाद, बाहराव, सीबोड़, कालेद ।
		छीन कर ले जाना—रेच्, आतकीर।
		छीना-झपटी करना—रेपेच, छिना-छिनी ।
		छीन लेना—सीबोड़, गाबोच् ।
छुआ-छुत	सं०	छुत ।
		छूत की प्रथा—छुत ।
		छूत होना—छुता, छुत ।
		छूतहा—छुता, छुताहा ।
		बिना छुआ हुआ—निन्दी ।
छुईमुई	सं०	झापनी।
		लजौनीं—झापनीं ।
छुछुन्दर	सं	चुन्द ।
छुट्टी	सं०	छुटी, बि-निदा।
		छुट्टी होना—छोटा-छुटी ।
छुटकारा	सं०	तोराव, आराम, आत, आवसान, पार, पुरूधुन, सरहोल,
		छुटकारा पाना—हियाखालास, टान काव, जीनाव सोहोल, हातआड ।
		छुटकारा मिलना—पुरूधुन, पार, छोटा-छुटी ।
छुटपन	सं०	गिदरा, ऐहेल-बेकेच् ।
छुड़ाना	क्रि०	छोडाव, छाडाव, चोटाक्, दोक् ।
छूट	सं०	छाड़ ।
		छूट जाना—छोटा-छूटी ।

छूटना (हाथ से)—पासकाव ।
पीछे छूट जाना—झापाट ।
पीछे छूटा हुआ—झापाट, झापाट्-झापाट ।

छूत सं० छुत ।
छूत मिटाना—छूत मेटाव, छूत-फेराव ।

छूना क्रि० जोटेत्, गोडाक्, चाड़िच्, जाक्-जोटेत्, जाक्, जोह, चोंहोंत, गायुक्, छुवालाड़ा, गाविच्-गोडाक्, तुनुम, छुवा-छुई ।
धीरे से छूना—गायुक्, जाक् ।
छूया हुआ—जाक्-जोटेत्, छुवालाड़ा ।
छू कर अनुभव करना—तुनुम ।
छू देना—गोडाक् ।
छूआ-छूत—छुवा-छुई, छुवा-छूत ।

छूरा सं० बोगदा ।
छूरी—छुरी-होलात् ।

छेंकना क्रि० घाट-घाटाव, ऐसेत्, एटेत्, जालोप् ।
छेद कर लाना—ऐसेत्-आगु ।
छेक कर रखना—ढाबाव ।
छेका जाना—जाब-जाबाव ।
रास्ता छेंके रहना—माण्ड माण्डे ।
छेंकना (काँटों से)—राम ।

छेद सं० खोरलोङ, डीढीओ, लात्-लोपाक्, फुट, भुक, गारहा भुगाक् खोखरो, डोन्डहोर, ढोढोओ, ठोयराक्, भोङ-भोङ, भोक-भोण्डरोङ, गाङधार-गोडघोर ।

छेदना—फोड़ाव, हाराड़, पाटी, आगोर, भुगाग ।
छेद करना—हान्दड़ाङ, होन्दड़ोङ, खोलाव, गाडा खोडराव, रोतोक, भुगाग, गाज, धारड़ा ।
छेद होना—भुगागोक्, झेदगे, खोखरोक्, फुट, डोन्डहारोक खान्दुवा, ढोढेओ, ठोयराक् खोरलोङ, डी ढी ओ झादगोच् ।
छेद किया हुआ—ठोटेओ, झादगोच् ।
छेद से गिरने की प्रक्रिया—टीया-टोयो
छेद बढ़ाना—सीगी ।
छेद बड़ा करना—भोङला ।
बरमा से छेद करना—धारड़ा ।
छेद में भरा हुआ—गाङधार-गोङधोर ।

छेरना	क्रि०	छेर-छेर, पायाल-पुयुल ।
छेव	सं०	चेपा ।
छेहर	वि०	सीटो-सोटो, चेलकेच् ।
छेड़ना	क्रि०	चेलहे । क्या तुम लड़कियों को छेड़ते हो—चेत् कुड़ी कोम चेलहेत् एत् को ताहें काना ।
छैंनी (गोबर ढोने की)	सं०	आड़ा ।
छैल-छबीला (बच्चा)	वि०	छाल-छालिया ।
छैला	वि०	छायला-जुबान, छायला ।
छोकरा	सं०	छोडरा, छोकरा । छोकरी—छुकरी, छुन्डी ।

छोटा वि० काटिच्, होपोन, हुडीञ, गुन्ड्व्, जुनुच्, जुरा, तुम बेञजलाङ, जेनेच्, जोरपोच् नीतान, चुपरी, जाच्, घुटनी, फुची, काडायेत्, कुडयुते, रूईया, रेठे, जोञ्जरोच्, बेञ्जाक्-सेराक्, केन्डरा, डुडगा, जेरका, जेरे-बेढे, फुचिया, फुचका, गेडा, बालोक, गेडारास, टुरा, ठेड़मेञ ठेंड़बोक्, बेजनेच्, चुर-चुटुच्, चुङ, चुनी-चुनी, जुकनुच्, धुरुच् झीञजी, झुरी चेडगा, डुच् डुमकुच्, डेमेडेव्, डेरेत् थेपरेच्, खाटो गाडाच्-गुडुच्, गुडुच् गाडार-गुडुर, झोंया, पोत, बेच्-बेडरेच्, भेटकोक्, भाटकाक्-भोटकोक्, आकाग-दारयात्, दुरयुत्, दालचाङ–दुलचुङ, कायरात्, जिड़ि-याङ, जेरवेनडेत्, जेराक्-जेराक्, जेराक्, जोञजे, जोरमा, मेञजोड़, चेरचा, जिलपीत्-जिलपीत्, रेगोटिया, रेठेया, रेमे-ठेले, रियाङ-खियाङ, रीउण्डी, रिमसीच्, रायगाम-रुयगुम, हुपटीच्, मेर-सितुर, मेर-सितुराक्, सीड़िच्, सीटका-पीलचू, पीचनुच पुटुरञुत् पीचुच्, पुचुच्, निरोस रेमबड़े, होपना होड़मेंना जोड़ में होप लेटरा, लेटवेत्, ठेपो

छोटा बच्चा या बच्ची—दुलचुङ, टुरियुत्, टेमरेत्, टुरियुत्-मुरियुत् गुण्डरी, गिन्डरा, लिड़ीच्, आराक् अरुक, चेङ-चेड़िया।

छोटा मनुष्य—टेमेल, खाटो ठामसाक्

छोटा वर्त्तन—ठुयाक्-मुयाक्।

छोटा गुफा—ठुयाक्-मुयाक् ।

छोटा खेत—ठोयराक् टोपरा, टापरा-टोपरा ।

छोटा टुकड़ा—खुतरी, कापो ।

छोटा गाँव—गोण्डा ।

छोटा छेद—खोयदाक् ।

छोटा घर—कुड़िया ।

छोटा घर होना—कुड़िया ।

छोटा बाल—तुलपा ।

छोटा बाल रखना—खारचाप् ।

छोटा काटना (बाल के लिए)—खारचाप् ।

छोटा (वस्तु के लिए)—टुनुच्, टूना, टेम्बो, ठुटा ।

छोटा गढेदार वस्तु—ठुयाक्-मुयाक् ।

छोटा लकड़ी के लिए—ठूटका ।

छोटा (घर कर छोटा होना विशेषत: झाड़ू आदि—ठुठकी, ठुठका ।

छोटा करना—काटिज, ठुठका, ठुठकी ।

छोटा पड़ना—टोटबोत्, रेठे ।

छोटा और नाटा—गाडराच्-गुडरुच्, घाटमा-घुटमा ।

छोटा और घना—दोमसा-दुमसी ।

छोट और कमजोर—हेंच-होंच् ।

छोटा बोझा में—गाडमाच्-गुडमुच् ।

छोटा और दुबला—लेटरेत्, लेटरा ।

छोटा आकार का—रीउण्डी, रेमबड़े, रेगा, रिमसीच्, टेम्बो ।

छोटे आकार का होना—रेगा ।

अनेक छोटे आकार का—टेरेच्-
तुमबुच् ।
छोटा होना—खाटो, हुडिञ, रियाङ
खियाङ, ठुठका, होपोन, रेठेया
रोगोटिया, केन्डरा, तुरा, जेरका,
चुर-चुटुच्, थेपरेच् हालाय-हालाय,
धुरूच्, ठाटका-ठुटका, टुना ।
छोटा बड़ा—छोटो-बोड़ो, दाड़ा-
दोड़ो, जाराच्-जुरुच्, दाराच्-दुरुच्,
डेमबे डुरुच्, डामकाच्-डुमकुच्,
डाराच्-डुरूच्, चेदरो,, चुनी-मुनी ।
छोटा बड़ा होना—मामो-भागना ।
छोटा (बड़ा के बाद वाला)—
सोपोतेक् ।
छोटे बड़े बच्चे—सेले-टोके ।
छोटा और मोटा—लेसकेर, धुदुआ,
ओडोक्, टेम्बेरोत्, टेड़ोक् ।
छोटा और पेट निकला—लेदमा ।
छोटा और चिपका पेट वाला—
थापुवा ।
छोटा और कड़ा बाल—खारचाप् ।
छोटा और घुँघराला बाल—खारचाप् ।
छोटा और गोल—डुडुम ढुकाक् ।
छोटा कद का—दान्दले ।
छोटा और सुन्दर—चुड़बाक्, चुमकुच् ।
छोटे कद की मकई—ढीबरी-जोन्डरा ।
छोटे कद की गिरगिट—ढीबरी-
काकड़ा ।
छोटे कद का बैल—ओड़े आदार ।
छोटा चौड़ा—दाड़हाप् ।
छोटा और स्वच्छ—खीरड़िच्-
बीरड़िच् ।

छोटा और मोटा गर्दन वाला—
थोतमोत् ।
छोटा-छोटा– गुन्डरा-गुन्डरा, गेअ-
जलाङ, जाकनाच्, जुकुनुच्, जारमा-
ओरमा, धुपुच्, टेमरेत्-टेमरेत्,
चिरीबिरी, टुरा-टुरी, डुलुक-डुकुर,
टाना-टुकरा, डेमबे-डुरूच्, गान्डाच्-
गुन्डुच्, धुलुच ।
छोटा-छोटा बच्चा—घाटार-धुटुर,
टेम्बे, टुरा ।
छोटा-छोटा टुकड़ा होना– गान्डरा
गुन्डरा ।
छोटा-छोटा कदम लेते हुए तीव्र
चलने की प्रक्रिया—टेमेल-टेमेल,
पेडेल-पेडेल ।
छोटी-ढेना मेना, छिड़, ठीकरी ।
छोटी लड़की—हुपनीच्, माय, मेर-
पेन्डलोङ ।
छोटी झाड़ी—थापरो, थापरा-थोपरो ।
छोटी गर्दन वाली—ओकरोत्,
तोमबरोत् छोटकी—छुटकी ।

छोपना क्रि० छोपाव ।
अधपके फसलों को छोपने की—
प्रक्रिया—छोपाव ।

छोर सं० मुंडा, माछे, मुनुचात् ।

छोड़ना क्रि० बागी, पुस-चाटाव, बाद, फोटाव,
छाटाव, लेङगा, आड़ाक्, एड़ान,
आपाडाव्, छाड़ाव, बाबाद, बाबाच,
इकान, आरसे, होसेच्, गुमुच्, एड़ाव,
माजजुल, एन्डाक्- उरीआव, डेबार,

टीया, गुसाव, आनदाड़े-पानदाड़े, छि: बाङ, छोड़, आडरा-बाडरा, ढालाव, साहाड़, छुटाव ।

छोड़ देना—बागीयाक्, माहराव, एरेड़, बागी-गिडी, आड़ाक्‌काक्, छुटा-छुटी, इका-काक्, छुटाव, आलाव, बागदाव, होकारे, आलाय, बातील, बाडरा, बापाग ।

एक तरफ छोड़ देना—बातील, डेबार ।

छोड़ा हुआ—चिण्डाल, इकान, छाट छीट, छींट, छाड-बीड ।

छोड़ कर—छाडाकाते, छाड़ा, गुसुच्, छाड़िच्, छाडाकाते ।

छोड़कर भागना—ओर-बागी ।

अकेले छोड़ कर—एकनाड़ ।

एक तरफ छोड़कर—एकनाड़ ।

छोड़-छोड़कर—बागदा-बागदी ।

छोड़ना (घर)—चुटी ।

सदा के लिए छोड़ना—बाजमोनडा ।

जमीन छोड़ना—ढीपा-ढापे ।

अकेला छोड़ना—टाया ।

छोड़ा हुआ भोजन—इतात् ।

छौंकना क्रि० छानकाव, छोङ, छोङगोडो, रोङ ।

छौंकने की ध्वनि—छोङगोडो ।

बिना छौंका हुआ—बेरोङ ।

ज

जंक सं० मुरचा, ईच् ।

जंक लगना—मुरचा, इच्, इजोक, मालछा, गोरला ।

जंगल	सं०	बिर, राटेन, गाजाड़, जोङगोल, पाकाड़ । घना जंगल—फादड़ुक् गाजाड़ । जंगल साफ करना—पोहपोट, घीञ-घातरा । जंगल होना—गाजाड़ । जंगल क्षेत्र—बिर-दिसोम । जंगली—आरना, बिरनाहा, इन्ड-रोच्-ओन्डरोच् । जंगली कन्दमूल—जाय-जुपातिञ । जंगली कद्दू—बिञ डिम्बु । जंगली घास—खार । जंगली पौधा—जाब, खार, रूनदाय । जंगली बैल—आरना डाङगरा । जंगली बत्तक—सेराले । जंगली करैली—सान कारना, बिर-कारला । जंगली गिरगिट—बराय काका-डबाक् । जंगली चना—एरबा ।
जंघापिण्डिका	सं०	डुभी ।
जंघिया	सं०	जाङगिया ।
ज्यादा	वि०	जासती, जादा । ज्यादा होना—जादा । ज्यादा बोलना—आवगार ।
ज्येष्ठ-सास	सं०	आङनारिया । ज्येष्ठ साला—बाहोजहार । ज्येष्ठ कन्या—माहामाय ।

ज्योति	सं०	मारसाल।
ज्योतिष	सं०	गोनोक।
ज्वर	क्रि० वि०	मान्दा-रूआ। ज्वर (थोड़ा-थोड़ा)—रूस-रूस। लगातार ज्वर होना—रेङ गोस।
ज्वालामुखी	सं०	भुमबुक। ज्वालामुखी पर्वत—सेङगेल-बुरू, सेङगेल फुपुरकाव बुरू।
जकड़ना	क्रि०	जाम, हाड़ुप्-काजाक।
जख्म	सं०	घाव, जोखोम, बाजाव। जख्म होना—रोकोड़, जोखोम।
जगमगाना	क्रि०	झाक-माकाव।
जगह	सं०	आवतान, ठाँय, जायगा। जगह-जगह पर—ठाँव-ठाँव। उस जगह का—हाण्डेन, हेण्डेम, ओण्डेन, ओनतेन, होनतेल, हेनते रेयाक्, हाण्डेरेन, हाण्डेरेनाक्, हेनतेन, ओण्डेरेन। इस जगह में—हाण्डेते। किस जगह—ओका-उतार। पहाड़ी जगह—हाटाप्-हुटुप्। बहुत जगह का—हाण्डेन-नाण्डेन। सब जगह—ओनते-नोते। बहुत छोटी जगह—कुनी। उस जगह—इनाकोरे, हेनते, ओनतेन।
जज	सं०	जोज।

जटा	सं०	जाटा । जटाधारी—जाटला ।
जटिल	वि०	आटुप्-झाटुप् । जटिल होना—डाँहा-डेंहें, एन्डे-एन्डे ।
जन्तु	सं०	जोन्तु, जीवीआन ।
जन्म	सं०	जानाम, जोनोम, बिहाँड़, ओमोन, बच्चे का जन्म—ओमोन । पशुओं का जन्म—बुसाक् । जन्म देना—बिहाँड़, जानाम । जन्म लेना—जोनोम, ओमोन, जानाम । जन्म से—जानाम रे । जन्म का बाल—जानाम उप् । जन्मदाता—जानामदाता, जाजानामिच् । जन्मना (अपने आप)—उपेल । जन्म-स्थान—बुका-तोपा ।
जन	सं०	जोन, होड़ । जनगणना—होड़लेखा । जन साधारण—गुनी-गुरीब ।
जनेऊ	सं०	जानू, पोयता, जानाव ।
जब्त	क्रि० वि०	आद । जब्त करना—हामेट । धन को जब्त करना—आद ।
जब	क्रि० वि०	जाबे, ओनेन, जोखोन, तीरे । जब तक—धाबिच, तीनधाबीच् उनदीमा ।

जबरदस्त	वि०	आँटा, जोरमोट, नापारोक, जोबोरी । जबर्दस्ती—जोबोर-जासती, जोबरान, जोरमोट, धोरापाकड़ा, धोराधुरी, धोराबान्धा, जोराबोर, हातेधुरिया, धोरामारा, पाङगात्-पाङगात् । जबर्दस्तीकरना—जोबोर-जासतीय, धारकाव, जोबरान हाचहाचाव, हुड़मुस्ती, हाकियाँ, जोर-जुलुम । जबर्दस्ती करने वाला—हुरमुट । जबरदस्ती लेना—गोदोल ।
जवड़ा	सं०	जामबे । जबड़े की दाँत—जामबे डाटा ।
जम्हाई	सं०	आङगोप् । जम्हाई लेना—आङगोब ।
जमाना	क्रि०	काठनाव, सारहे, चेपठे, डायात्-डुयुत् डाब, जेरपेड़ेंत्, था, काठा, ओब-ओबो, जेरपेत्, जिमटाव, साकीत् । नीचे जमना—तारुक् । जड़ जमना—जेरपेत् । जम जाना—काट, थुबड़े, डामबाक्-डोमबोक्, दोन्धा-दुन्धी, डाबा, टोमबाव, दोन्दोड़चोत् । जम जाना (नाच-गान आदि)—जोमोक, दोन्धा । जमकर बैठना—जीकी-जारूम । जमकर काम करना—ओलढ़ा-उलढ़ी ।
जमा	क्रि० वि०	जामा, जुटान, कुठावड़ी । जमा-वही—खुतियान ।

जमा करना—गुटियाव, जोहड़ाव, सामटाव, जाहीत, कुड़ाव, ढीपा, सामटा-सुमटी,साजचाव, तुका, जुड़ाव, हार, गोजजाव, ओत, जामा ।
जमा होना—सुमुङगच्, थोपरो, कावडी, सामील, थोपे-थोपे, डाबाभारा, गोठान, सामटाव, गुटाव, जावरा, तोभबड़े, तुदरा, टोमबाव, कुठावड़ी, गादा, जुटाव ।
जमा हुआ—जुम, सुमुङ-गुच् ।

जमादार सं० जामादार ।

जमानत सं० जामीन, जामानी ।
जमानत होना—जामीन, जामानीक् ।
जमानतदार—जामीनदार ।

जमाना सं० जामात्र, बिदाल ।

जमाव सं० बाढी, जुटान ।

जमीन सं० ओत, जुर्मी ।
जमीन तैयार करना—ओत-बेनाव, ओत-आड़े ।
जमीन पर—ओत-ओतते ।
जमीन लेना—खान्डीत ।
जमीन जायदाद—चोक ।
जमीन कड़ा होना—जाड़ी ।
जमीन को साफ करना—जारा ।
जमीन को साफ करते हुए—कोकोट ।
जमीन का छोटा हिस्सा करना—डुनड़ाक् ।
जमीन उचट जाना—बुडाक् ।
जमीन दावा करना—खान्डीत ।

		जमीन में कटाव होना—धोगराव। जमीन को अपने अधिकार में लेना—ताल। पुरानी जमीन—ताल। नीची जमीन—सोत। उपजाने लायक जमीन—ओत-बाड़गे। ऊँची नीची जमीन—घुटु-चोपोत्। जमीनदार राज, जुमीदार, धाटवाल। जमीन्दारी—जुमीदारी। जमीन्दारी का बंटवारा—राजोक्-हाटिञ। जमीन्दारों का टहलुवा या सिपाही—दीगुआर।
जय	सं०	जय, जोय। जय भाग्य विधाता—जाय सीरी जाय सीरी।
जर्जर	क्रि० वि०	रेंहें-रेंहें।
जर्दी	सं०	बोतके, बेले-बोतके।
जरिया	सं०	आठा-साठा, बानधेच्, आत।
जरूर	वि०	ओबोसो, जारूड़।
जरूरत	वि०	चाही। मुझे एक कपड़ा की जरूरत है—इञ दो मित् टेन किचरिच् चाही आञ काना। जरूरत होना—जोहोत, आलेत। उसको इसकी जरूरत कल से हो रही है—होला खोने आलेतोक् काना नोवा आम लागित्।

जल्द   क्रि० वि०   गुरगुराव, चागाड़-चोगोड़, लागान, चोगोड़, हाद-हादिया ।

बहुत जल्दी—उसारा, गाल, तालवी, चोड़े-चोड़े, आरे-टिकोरे, धीट-धीटाव, हाड़ा-हुड़ु-होसो-होस ।

बहुत जल्दी करना—हात-चुटी ।

जल्दी-जल्दी—गुड़ङ-गुड़ुङ, चाटपाट, खाबल-खाबाल हाकुड़ माकुड़, हाबहाबाव, बायुल-बायुल, गानगानाव, ताड़ाताड़ी पुचुच्-पुचुच्, ताड़ी धाड़ी, दाचाङ-दाचाङ, तागुड़-नासुड़, हुरमार, छितीर-बितीर, तागाजा ।

जल्दी जाना—हान हानाव, दाकाड़-दाकाड़ ।

जल्द-जल्दी जाना—दीगीर-दीगीर, डायोल-डायोल ।

जल्दी करना—हानेमारे, एकताड़िया, धाकाड़-धाकाड़ हादाङ दापाङ, हाकुड़-माकुड़, ताड़ा ताड़ी, गिर-गिराव, हाचाड़-हाचाड़ ।

जल्दी तोड़ने वाला—पोहाड़िया

जल्दी-जल्दी रगड़ते हुए—मारदा-मारदी ।

जलदबाज—छाटकान, चोगोड़ ।

जल्दी बाजी—चाध्राइ-राध्राइ ।

जल्दी बाजी में—ताहाप्-टाहुप् ।

जल्दी से—चागाड़-चोगोड़, बायुल-मानते, पायाड़-मानते ।

जब आपलोगों ने मुझे छोड़ दिया तो घर छोड़ कर जल्दी में निकल आया—बागीयाञ रे चाध्राइ राध्रापइञ ओडोङेना ।

जल्दी-जल्दी काम करके आओ—चाटपाट कामी काते हिजुक् में।
जल्दी चलो—चोगोड़ ओक् ताड़ाम मे।
वह बहुत जल्दी आया है—चागाड़ चोगोड़ ऐ हेच एना।
मजदूरों को जल्दी काम करने के लिए कहना—हाल-हालाव।
दबाव देकर जल्दी काम कराना—हालहालाव।

जल — सं० — दाक्।
जल कुक्कुट—ढेंक जोड़।

जल-जल — क्रि० वि० — जाल जाल।

जलन — वि० — जालान।
जलन (तीखी)—पेड़ेन-पेड़ेन।
जलन होना—जाल-जालाव, जालान।
जलन की प्रवृत्ति—गायाल-गायाल।

जलना — क्रि० — लेप्, ड़ाउडाउ, लोक्, जोलोक्, डाह डाहाव, आङगरा लो, दापात्, जारी, जाराव, जारी-पोडाव, छुच्, जाराव, खावरा, रोङगो खाराव, जाल-जालाव, पारपाव, ओरपो, सेङगेल् डिगडिगाव।
अत्यधिक जलना—रूगदाय।
मन्द गति से जलना—मेलोत्-मेलोत्।
जल जाना—जालाव, झारकाव, राङगा-चाङगा, झारका-झारकी।
जल जाना (भात या सब्जी आदि)—ओक्, डाही।

जलने का चिन्ह—जेरेत् चिन्हा।
जलते हुए—दाराङ मानते।
जलाना—झाँवसाव. झाँवसा-साँवसी, सेङगेल, बाराव, जोलोक्, जुण्डी, डाही, दापात्, खावरा, जेरेत्, जाराव, झोला, धुड़साव, देकाव, पारपाव, रापाक्, आतार, धाँवसाव, जाँवसा-जाँवसी, जारी-जाराव, धाँवसा-धाँवसी।
जला हुआ—रोङगो।
दीप जलाना—आरसाल।
धुऐन्धाजला हुआ—आक्-आक्।
जला हुआ अंश—रोङगो-चोङगो।
जला कर नष्ट कर देना—डाहात्र।
जला कर भूमि साफ कर देना—डाही।

जल प्रपात | सं० | सुनुड्र, सोनोडोर दुनुल, घाघ, हुदहुदी।
जल प्रपात होना—घाघं।

जलपान | सं० | जोलपाल, दाक्-ञू।
जलपान करना—जौलपान, दाक-ञूय।
प्रातः कालीन जलपान—बासके थाक्।
प्रातः कालीन जलपान करना—बासके याग।

जलबेंत | सं० | चुछि।
नदी के किनारे-किनारे जलबेंत का जंगल है—गाडा आड़े-आड़े ते चुछि गाजाड़ आकाना।

जल सोख	सं०	छाता दाक् ।
जलसोता	सं०	उखुड़ डाही । जल श्रोत—दाक् होरा ।
जलावन	सं०	साहान-साकाम, गानढेत्-मुनढेत् । जलावन की लकड़ी—साहान । जलावन की लकड़ी एवं पती—काट पात ।
जलाशय	सं०	दारहा, दाक्–ओड़ाक् ।
जलेबी	सं०	जीलापी ।
जलोदर (बीमारी)	सं०	उदरी ।
जवान	सं०	बोलगोरिया, बोलमान, जुआन ।
जवाब	सं०	आचुर-रूवाड़ जबाब, जोबाब । जबाब देना—गोङ, आताङजोबाब, आचुर-रूवाड़ । जवाब-तलब करना—ठीकराव ।
जस्ता	सं०	जायसात, जोसता ।
जहर	सं०	जाहार, बिस । जहर मरूआ—जाहेर मावरा । (जहर को नष्ट करने वाली एक दवा)
जहाज	सं०	जाहाज ।
जहाँ तहाँ	क्रि० वि०	जाँहाँय-ताँहाँय जाँहाँ मान ताँहाँ ।
जड़	सं०	बुटा, हेत्, रेमूल । जड़ फैल जाना—गापचाव । भीतर तक जड़ फैला हुआ—गापचाव । जड़ निकलना—निफोड़

		जड़ जमना (धान का)—सानठाव। जड़ निकालना—ताड़ाव। गुच्छेदार जड़—बुटा। एक प्रकार का जड़—रेहेत्-सिन्देत्।
जड़ी–बुटी	सं०	जाड़माड़, ठासाठुसा। जड़ी बुटी का टुकड़ा—ठुसा। जड़ी–बुटी की दवा—रान-रेहेत्। जड़ी बुटी की दवा बेचने वाला—हिङगुवा। विभिन्न प्रकार की जड़ी-बुटी—मोटा-हातकान, मारकाटा, मोटाबीर-झुङका, बाधीन,धिरी—हिसीर।
जाँघ	सं०	धाड़ा, बुलु, टीकी। शिकार किये हुए जानवर की जाँघ—टीकी। जाँध में दर्द—जाङघी।
जाँचना	क्रि०	जाँचाव, बिडाव। जाँच करना—पोरोक, सुधराव, खुटियाव।
जाँता	सं०	जानते।
जागना	क्रि०	एमेन, जागवार, जागाव, जागरोन। जगाना—जागाव। जागृत—जागवार। जाग जाना—एभेनोक्, बेरेदोक्। जागा हुआ—चेतोन।
जागीर	सं०	जायगीर जागीर। जागीर मिलना—जागीर।
जातरा-पर्व	सं०	आचूर जातरा।

केलें जातरा पर्व हैं—गापा दो आचूर जातरा काना।
जातरा पर्व देखना—जातरा पर्व।
जातरा गीत—जातरा सेरेंञ।
जातरा नाच—जातराएनेच्।

जाति | सं० | हुदा, गाहण्डी, जात,गेआँत, जाती, आड़ामाड़ा।
जाति में लेना—जाते।
जाति का होना—जाती, हुदा।
जाति-पाति—जात-पात।
एक प्रकार की जाति—लेट, मायरा, बाचकार।
जाति से बहिष्कृत—ओजातीया।

जादू | सं० | जादू, मुहनी, जिनठी, बान, जिनठी-पाथरी, नाअजोम, टाटोक, मिलकी, गुनी, बान-पाथरी।
जादू-मंत्र—मानतार।
जादू दिखाना—टाटोक।
जादू करना—टाटोक।
जादू जानना—गुनी।
जादू चलाना—मुहनी, बान, बान-पाथरी, जिनठी-पाथरी, जिनठी।
जादूगर—डिगली, टाटोकदार,गुनी-दार, मातरी, मुहनीदार।
जादूगरनी—मालिन-बुढ़ी, दीकली।
जादू डालना—धुड़ीआव।
जादू मंत्र फूँकना—पाथरी।
मंत्र मुग्ध होना—पाथरी।

जानकारी | सं० | बाडाय।
जानकारी होना—सुकताव।

जानना	क्रि०	उद्धान, चिनाहाउ, तुफीन, बाडाय। घटना संबंधी बातें जानना—जोङ। जानते हुए—जानते-जानले, कोथे। जाना हुआ—जानते-जानले। पहले से जानना—बाडाय-लाहा। ठीक से जानना—बापाडाय। परस्पर जानना—बापाडाय। जानकारी—एलेम। जानकारी होना—सुदरी। अनिश्चित जानकारी—एण्डेतेगे।
जानवर	सं०	उरीच्, पासु, जोन्तु, जानवार। गहरे भूरे रंग का जानवार—साँवड़ा। जानवर की भाँति मरना—लाहाम। एक भूरे रंग का जानवर—गुली। एक प्रकार का जानवर—हारबा।
जाना	क्रि०	सेन, रावना, चालाओक्, जोखा-जूमाव, सेनो, हेलाओक्। जाना (जानवरों के लिए)—बिलाण्ड। शीघ्र जाना—गार गाराव। दूर जाना—उ़लटी बाट। निकट जाना—गासरात्-गोसरोत्। ले जाना—चुलुङ, हुडराव। चले जाना—सामाक्। असमान रूप से जाना—होण्डेयाल। जाकर लाना—दादराम। जाने की प्रक्रिया—डुगुर-डुगुर। जाने की इच्छा—आरड़ा-आरड़ी। जाने देना—जाय दे। जाने दो—हुरूय ठाकुक।

		जाकर देखना—अँल-आगु, आँयाङ-ओयोङ।
जापान	सं०	जापान (एक देश का नाम)
जाम	सं०	जाम।
जामुन	सं०	सो, चुडूक्। जामुन का वृक्ष—सो-दारे।
जायदाद	सं०	नाल।
जायफल	सं०	जायफोल।
जाल	सं०	धाड़ाप, फान्द, सीटाप् जाल, झाली। जाल से पकड़ना—झाली, धाड़ाप, टेपोक्। जॉल से फँसाना—धाड़ाप। एक प्रकार की जाल—बाज, ओर-दाक्-पासी, हुण्डाजाल चिड़ियाँ फँसाने की जाल—टापोक्, टेफेक कुड़ मछली फँसाने की जाल—हुण्डा।
जालसाजी	सं०	जालसाजी (झुठी गवाही देना)
जाल (मकड़ा का)	सं०	चान्दनी, बिन्दी-गानाक्।
जाली	वि०	जालिया, जाल, जालखार। जाली होना—जॉल। पशु के मुंख में लगाने की जाली—जालखार।
जासूस	सं०	जासू, गोयन्दा, फूल धारिया। जासूसी करना—गोयन्दा, जासू।
जाड़ा	सं०	राबाङ। जाड़ा लगना—राबाङ। जाड़ा-बुखार—भालकी रूआ।

जितना	नि.वा.सर्व	उनाक्-उडीच् जातना, जातैक। जितना भी—जाँहाँ टिनाक्।
जितिया-पूजा	सं०	जितिया (हिन्दू धर्मावलम्बियों की एक पूजा) जितिया पूजा मनाना—जितिया। जितिया व्रत का मेला–जितिया-जातरा
जिद्द	सं०	ढाड़नाचा, धोचोर, जिद, जिदी, जिदगारिया, तेथोड़-धोचोर, आङजाङ जिद्द करना—रीगीड़, होड़सो, जिद, तीरूङ-मीरूङ रेगेत्, जिद्धी। जिद्दी—होड़सो, रोगोड़िया, जिढाही, एक भाकिया टेण्डास, ढेण्डोसिया, माकठा, ढाड़नाचा, धाचराड़ डिगोर। जिद्दी होना—होड़सो, तेथोड़। वह पैसे के लिए मुझसे जिद कर रहा है—उनी दो पायसा लागित् ए आङ जाङेञ काना। जिद्द पूर्वक—रेगेत्-रेगेत, रोगोत्-रोगोत। जिद्द पूर्वक होना—तीरीत् लेका। जिद्द लगाना—रीगड़ाव।
जिन्दगी	सं०	जिनगात।
जिन्दा	वि०	जिवेत्। जिन्दा रहना—कामाव। जिन्दा रखना—जेबदाहा। जिन्दा मांस—जिवेत् जेल। जिन्दा होना—जिवेत् बेरेत्। जी उठना—जिवेत्-बेरेत्, जीनाव।

जी मचलना	क्रि०	देरेच्-देरेच्, रोप-रोपो, दोरा-दोगो, रास-रासा । जी मचलता हुआ—रोसोपोसो ।
जिम्मेदार	वि०	धाड़, जिमा । जिम्मेदार होना—धाड़ । जिम्मा लगा देना—गोताव । जिम्मेदारी रहीत—बेभार । जिम्मेवार बनना—हायवा । दुसरों को जिम्मेवार समझना—देसा ।
जियो	विस्म० सर्व०	जिया ।
जिरह	सं०	जेरा । जिरह करना—जेरा ।
जिरहूड़	सं०	जिरहूड़ (बरसात समाप्त होने के बाद का वह निश्चित दिन जब मच्छलियाँ खेत को एवं अन्य जीव जन्तु साँप बिच्छू आदि मैंदान छोड़ कर क्रमशः तालाव एवं अपने बिल में लौटते हैं)
जिल्द	सं०	मोलाट ।
जिला	सं०	जिरला, एलाका ।
जिस्ता	सं०	जिस्ता, दीसता ।
जिस प्रकार	क्रि० वि०	जेनो । जिस प्रकार से—जे लेका ।
जिज्ञासा	सं०	आबाड़, जिगासा ।
जीत	सं०	जीत, दाड़े । जीत लेना—दामाव । जीतना—दाव, जीताव, जीत,

		हालकाहील, जीनाव, जीताप, हाल काल, लेटेच्, हेंट, कॉस-माराव, ताड़, दाबाव, ढासीआव, हाठाव, टीकाव, जावदो, साराव ।
जीन (कपड़ा)	सं०	झीन, जीन । जीन घोड़े की—जीन, पालान । जीन कसना—जीन ।
जीभ	सं०	आलाङ । जीभ फेरना—मेलोत् । जीभी करना—हातार ।
जीर्ण	वि०	झादेच्-झादेच, थुलुक-थुलुड़, गायुर गापुर । जीर्ण-सीर्ण—टामका-टाकुर । जीर्ण काय—तुकुप्-तुकुप् ।
जीरा	सं०	जीरा ।
जीव	सं०	जीब, जीवीआन । जीव जन्तु—जीव-जोनतो चिउटी-पिपड़ी । एक जीव—एका-जीवी ।
जीवन	सं०	जीवी, जीता, जीयोन, जीबा, जिनगात । जीवन सुधारना—तुलीआव । जीवन-यापन—गुजार । जीवन-यापन करना—भुलजाउ, गुजार । जीवन काल—जिवेत्-जोनोम । जीवन को संतुष्ट करना—जीवी तेन । जीवन दान—जीव-दान ।

जीवन दान करना—जीवी आलाय, जीव-दान ।
जीवन अपर्ण करना—जीवी आलाय ।
जीवन भर—जिवेत्-जानाम, जो जिवेत् तो, जोनोम जुग घीक जोनोम कोकोड़बोक्, तीरे-जुगे ।
जीवन लापरवाही के साथ बिताना—जीवी तेआग ।
जीवन बचाना—जीवी-रूखिया ।
जीवन न्योछावर करना—जीवी-तेआग ।
जीवन भर—जीवी रेबेत् ।
जीवन त्यागना—जीवी तेआग ।
जीवन गुजारना—गुजार ।

जीविका सं० गुजार, निरबाह, गुजरान ।
जीविका चलाना—निरबाह ।
जीविका निर्वाह करना—निरबाह ।
जीविको पार्जन की प्रक्रिया—जीवी-झींट ।

जीवित वि० जियाव, जिवेत् ।
जिवित रखना—जियाव ।
जीवित रहना—जीवी-रेबेत्, जिवेत्, जीवीझींट ।

जुआ सं० जुआ ।
जुआ खेलना—जुआ-एनेच् ।

जुआठ सं० आराड़ माराड़ ।
जुआठ की रस्सी—आकड़ा—बाबेर ।
जुआठ पर हल रखना—साक् ।
असमान जुआठ—एकनाड़ ।
जुआठ रखना—धुँड़ा ।

		बैलों के जुआँठ लगाने के लिए आदत कराना—धुँड़ा।
जुई	सं०	से। छोटी जुई (जुई का अण्डा)—तेले।
जुगनू	सं०	बाकजुनू।
जुटना	क्रि०	जुम। जुटाव—पारेक, जाहित, थोल, जुटाव, हादेर, नाड़ेजोड़ें जेरपेत, कुलाव, थोपे ढ़ावरा, राजज, रोगाड़। जुटा हुआ—जोनाड़ाव।
जुताई	क्रि० वि०	सी। गहरी जुताई—गारगाराव। जुताई छूट जाना—एतोम। अधुरी जुताई—एतोम।
जुर्माना	सं०	फूरान, डाण्ड, लागन, जुरीबाना, डाण्डोम, डाण्ड कुरान, गुनागार। जुर्माना (खेल में)—लागन। जुर्माना करना—डाण्ड, डाण्डोम, डाण्ड-कुरान, डाच्-डुच्, जुरीबाना, गुनागार, गेच्-गासेर, गेच्-डाण्डोम, हागाव, फुरान, पुरान। जुर्माना देना—गेच् डाण्डोम। जुर्माना से मुक्त होना—गेच् डाण्डोम।
जुल्फी	सं०	कान चावरिच्।
जुलाव	सं०	जुलाप।
जुलाहा	सं०	तान्टी, जोलहा, गाजाड़—मोचा।

जुड़वाँ	सं०	जावा । जुड़वा होना—जावा । जुड़वा बच्चा होना—जावा ।
जुँ	स०	से सी । जुँ निकालना—गोसेच् ।
जुट	सं०	जाँड़ी । एक प्रकार का जुट—भेङथा जाँड़ी ।
जुठा	वि०	झुटा, जुठा, इतात्, आँयठा, जुठामाठा, ढायना ढाक् । जूठा करना—ढाबाव, ओन्डोर, जोह, झुटा । जूठा भोजन—इतात्, आलसे, आंइठा, जुयठा । जूठाछोड़ना—उबोड़-सुबोड़ । जूठा कर रखना—ढाबाव ।
जूता	सं०	पानाही, जूता ।
जूड़ा	सं०	सुत् । जूड़ा बाँधना—सुत्, रोत्, गालाङ ।
जेठ (महीना)	सं०	झेंट ।
जेल	सं०	जाहाल । जेल में डालना—काभाड़ । जेलखाना—काभाड़, हाजोत, गाराद, जाहाल, जेहेल । जेल देना—काभाड़, हाजोत, गाराद । जेल में रखना—जेहेल ।
जैतुन	सं०	जायतुन । जैतुन का पेड़—जालपाय । जैतुन की कलगी—जीत डोग ।

जैसा	वि०	लेकानाक् ।
		जैसा भी—जौंहा लेका ।
		जैसे—हेनो, जाथेजायसा, जायसान, जेलेका ।
		जैसा-तैसा—गाबुर-साबुर ।
		जैसे तैसे—सोतो-पोतो, जेयाक् बाङ सेयाक् ।
		उसके जैसा—हानहानका ।
जोंक	सं०	जोंक, काड़यो—काका, जुकी, कावले।
		पानी का जोंक—दाक् जोंक् ।
		एक प्रकार का जोंक—रेहडा जोंक ।
जोंकटी	सं०	पाटवा ।
जो	संबंध वाचक सर्वनाम	ओने-ओकोय, जे ।
		जो कुछ—जे किछ, जाहा-नाक्-गे ।
		जो भी—जे, जाँहाँय, गे ।
		जो जैसा—जे जेमोन ।
जोकर	सं०	जोकर ।
जोतना	क्रि०	सियोंक्, ठो, सी, जोत ।
		जोतने वाला—जोतदार ।
		जोतने वाला बैल—गुण्डी-बाण्डी ।
		जोतकर दबाना—देच्लोटोम ।
जोर	सं०	जोर, जोबोर ।
		जोर से बोलना—दाड़ाव ।
		जोर से पानी मारना—हुडराक्-हुडराक् ।
		जोर से खींचना—दागार-माराव ।
		जोर से हिचकी आना—हैकोय-हेंकोय ।

जोर से हांफना—हँसरा-हिसरी, हाकार-हाकार।

जोरों से हँसना—हाट हाटाव, ही-ही-ही ही।

जोर से भुँकना—झाव मानते।

जोर से मारना—हुक् मानते।

जोर से गिराना—हुदुड़ मानते।

जोर से बजने की ध्वनी—दाड़ाङ।

जोर से हिलते हुए—दायमाल।

जोरों से बीमार—जापाव

जोर से—गारजा-बारजा, राटपाट, तापते, चारात्-चाराच्, मारते, हुजलाक्, मानते, जाराक्-मानते, गाह्-गाहाव।

जोर का ठंड या दर्द—कानकान।

जोरों को खर्राटा—कान्डरोक्- कान्ड-रोक्।

जोरों की वर्षा—डामबरा-डामबरी।

जोरों की हवा चलना—हालाय-हालाय।

जोरों की भूख—खान-खान।

जोर-जोर से रोना—हुँकुर-हुकुर, हुँक-हुँक।

जोर से हँसना—हीटी-हीटी।

जोर-जोर से बोलना—रागाड़-चागाड़, हाँका-हाँकी सागाय-दाड़ाय।

जोर-जोर से—तारा-गाराज, दाडाव, मानते।

जोर-जोर से झगड़ना—दापा-दापी, रेगोपेतो।

जोर-शोर से चिल्लाना—रूगदाय-मानते, हाँका-हाँकी।

		जोर-शोर के साथ—जार बाजार, जोर-बान्धी ।
		जोर शोर का हल्ला होना—रूगदाय-रुगदाय ।
		जोर-शोर से—जोमकाव, चाँओ-चाओ ।
		जोर शोर से बोल कर शोर मत मचाओ—चाँओ-चांओ, दो आलोसेम आड़िसा ।
		जोर शोर का आवाज होना—हाड़ हाड़ ।
		जोर करना—घोरा बान्धा, जोर-बोजोर, जोरमोट, जोर-जुलुम, ताड़खाय ।
		जोर दार—बिसी, जोर-जुलुम, बहुत जोर दार—आडी गारते ।
जोशिला	वि०	रोसाव ।
जोड़	सं०	उटी, जेनेरेत्, तोङगे, जोनोड़, जोड़ान, जोनाड़ाव ।
		जोड़ना—जोड़ान, तोङगे, जोनोड़, जेनेरेत्, लेक्खा मित्, तेङगे, जुड़नी, गोतोच् तुरता, घेर बेर ।
		पुनः जोड़ना—बोको-बोलो ।
		जोड़ कर-धालोक् ।
		जोड़ कर करना— डाटोप् ।
जोड़ा	सं०	जोड़ा, जोड़, जोट, जुकुर, जोता जूरी-जोता, जाह् ।
		जोड़ा—(गाय या भैंस का)—छाँन्द
		जोड़ा होना— जोट ।
		जोड़ा तारा—पोताम-बेले इपिल ।
		एक जोड़ा—मीसी-बारेया ।

जोड़ी—जुड़ी, जुड़ीदार, जुरी-जोला
जोड़ी होना—जुरीद्रार, जुरी ।
जोड़ी दार—जुरीदार, जुड़ीदार ।

जौ — सं० — जाव, जाइ ।

झ

झंझट — सं० — टेक-झोक, पोझात, भोजो, कोटो आवला-सावला, गाहूब, झोञजाट, हाङगामा, लिजाक् ।
झंझट करना—बितलाव ।
झंझट होना—डामाडोल, झोञजाट, सीरबा ।
झंझट में पड़ना—दोगोषाञज, दोगो धोन, हाड-पाचाव ।
झंझटिया—झोञजाट, बाखाड़िया-चिरित् ।

झंझरा — वि० — झाञजरा-झाञजरी ।
झंझरा—झाञजरा ।
झंझरा बनाना—झाञजरा ।
झंझरी—झाञजरी ।

झकझोरना — क्रि० — झाकरा-झाकरी, माण्डवा-माण्डवी, तागाड़-नाचाड़, रूकू ।
झकझोरने की प्रक्रिया-झाका-झाकी ।

झगड़ना — क्रि० — झोगड़ाक्, काढाकाढ़ी, धुङगरा-धुङगरी, हाकामुका लापका, रेपेच्-इपीचाक्, मामबड़ाव, रोपोड़, नेआव, दापा-दापी, दामचा राचाक्, रापटा-रापटी रागाड़ चागाड़, धुन्दाभेट, आरचा-आ्ाी एपेर-हेन्डे हाव-हाव,

तेखरा-तीखरी, छिना-छिनी, हुपुटेत्,
काफारिया, हुड़ुम घुड़ुम, रोपोड़
दापराम, रेपेच्, ठायका, झोगड़ा-
झाटीक, काजिया, सोपोलोङ, रेटे-
पेटे, रेठा-रिठी, रोगदा-रूगदी,
रागाड़-झागाड़, नेकठा, नेआव-झोगोड़
इरा-इरी, उपरा-उपरी आपठाव-
लेठो, हेंसा-हिंसी, रेसा-रीसी, रेगेज,
तेगेज धुना-धुनी, ठुका-ठुकी, टेंवटेंव,
ठायका-ठायकी, एपेर—हेण्डेन।
ठोना-ठुनी, छिनड़ा-छिनडी।
दृढ़ता पूर्वक झगड़ना—रोगड़ा-रुगड़ी।
जोर शोर से झगड़ना—रोगड़ा-रुगड़ी
झगड़ते हुए—उपरा-उपरी।
झगड़ा—झोगड़ा, लेठो, हावहाव,
सोपोलोङ झोगड़ा झाटी, धुन्दड़
भेत्, कान्टा, काजिया, बादा-बादी,
आखाजी-काफारिया, रागा-रनी,
रेटे-पेटे, रेठारिठी, लाग, रोगदा-
रूगदी, रागाड़-झागाड़-लोकठा,
नेआब-झोगोड़, आपठाव, बाखड़ा-
बाखड़ी ठायका, लेठा, गोण्डो-गोल,
दाबा-दाबी, बाखेड़ा, लेकराड़, हाव।
झगड़ा करना—बाकड़ा बाकड़ी,
चोखना, रोगड़ा, तोकरा-तुकरी।
झगड़ा होना—बाखड़ा-बाखड़ी,
आपठाव, तोकराड़।
झगड़ा काल—रागा-रागी।
झगड़ा शुरू होना—झिड़का झिड़की।
झगड़े का कारण—गाली घार।
झगड़ालु—रोगड़ाहा, हुदेत्, रोगा,

		सुईपाक्, पानटेत्, रोगड़ा, सुईपोच्, रेंगमेञ, खेचड़ाहा, झागड़ाही, चुमडिञ कादराहा, आँटा-आँटी, सुईया।
झटकना	क्रि०	हुमचाक् चापादोक् धामचुलोक् पासिरोक्, हुतमा झटका—गायल-मानते, हाजा-होजो, इरचिक्। झटका देना—इरची, दीगाव, दागार-माराव, बिदनाक, धामचुक्-धामचुक् धाड़कुक्-धाड़कुक् तापसेच ढाड़कुक्-ढाड़कुक। झटका लगना—हुमचाक्, धोड़ोक्-धोड़ोक्, हुमचाक्, इकोच्-सोकोच्, धामपोल, जारगे, हिचको-होचको। झटका होना—हुतमा। झटका लगाना—तावाक्-तारको। झटका देते हुए—हुतलाङ-हुतलाङ-हुतमा-हुतमी। झटका के साथ—हुमचाक्-मानते, हिचको-होचको, रासाक्-मानते, धाराड़-मानतेधाराड़-धाराड़, ढाड़कुक्-ढाड़कुक्, ढाड़कुक्-मानते, धामचुल-मानते, हुमचाक्-हुमचाक्। झटका लगते हुए—इकोच् सोकोच्। झटके की आवाज—धाराड़-धाराड़, धारपाड़-धारपाड़ झटका-झटकी—हुतमा-हुतमी।
झटपट	क्रि० वि०	झाट-पाट, चुन्डुड, मानते, उसारा, झोटो-पोटो, चाटपाट, धोत-पोत, झाट-झाटाव।

		झटपट करना—उसारा धोत-पोत ।
		झट से—साट-मानते ।
झटास	सं०	झाटास ।
झण्डा	सं०	झानडा ।
		झण्डा फहराना—झानड़ा-उटाङ ।
		झण्डा गाड़ना—झानडा बित् ।
झनझन	क्रि० वि०	झान-झान, सेकरेच्-सेकरेच्, सेकेच्-सेकेच्, झानार-झानार, सीड़ीप्-मानते ।
		झनझनाना—सिमपी-सिड़िञ, ठोकले, झानझानाव, हानहान, झानार-झानार, ठोकोर-ठोकोर ।
		झनझनाते हुए—रीचात्-राचेत्, रोकडोच्, राड़ाङ-मानते सेकरेच्-मानते, सेकेच्-मानते, राड़ाङ-मानते ।
		झनझनाहट—रीचात्-राचेत् ।
		झनझनाहट के साथ—रोकड़ोच् मानते ।
झनर-झनर	क्रि० वि०	हानार-हानार ।
झपकी	सं०	उमधी, आन्धा-ओन्धो, लीठी ।
		झपकी लेना—दुदडुम, आन्धा-ओन्धो, लीठी, दुदडुम, दोले, रीपीत्-गापीत, हुँडु-हुँडु ।
		झपकी लगना—मेंत्-झाप-झाप ।
		उदा:-जागने के बाद झपकी लेने का मन करता है—बेरेत् तोरा आन्धा-ओन्धो आइकाओक् काना ।
झपटना	क्रि०	झापोट झाँपटाव, खास्-चग्व, कापटाब, हालो,आतकीर, खाबलाव ।

		झपट लेना—हालो, हातवा ।
		झपट कर—झापाट मानते ।
		झपटा-झपटी—छिड़ो-छुनती ।
झपसी	सं०	झोपसो ।
		झपसी लगना—झीपसी ।
		झपसी लगाना—झीपसी ।
झबरी	वि०	होदगो, हादगुम, हादगुई ।
		झबरीला—हादगुई, हादगुम, हादुय,
		होदो-होदो, हादुय-हादुय ।
झब्बू	क्रि० वि०	झोमपा ।
झरकना	क्रि०	झारकाव ।
झरझर	क्रि० वि०	झार-झार ।
		झरझराना—झारझाराव ।
झरना	सं०	टोन हेड़ेयोत, झारना ।
		झरना (क्रि)—झाराओक् ।
		झरना फूटना—झाराव ।
झलक	सं०	दीखीत, आलाक, झलाक ।
		एक झलक—हायाम ।
		एक झलक के साथ—गिबिल मारते ।
		झलक दिखाई देना—गिबिल-मानते ।
झल मल	क्रि० वि०	झालाक्-मालाक्, जुलुत्-मानते,
		झालामाला ।
झाँकना	क्रि०	ओयोङ, हुलकाव ।
		झाँक-झाँक कर देखते जाना—होजो
		होजो ।
झाँझ	सं०	राङखी ।

झाँप	सं०	झाँप ।
झाँव-झाँव	क्रि० वि०	झाँव-झाँव ।
झाग	सं०	फोतो, लेया, गानथार, फेंड़ । झाग होना—फोतोक् । पानी का झाग—दाक् जेर ।
झापना	सं०	झापेन ।
झाबा	सं०	छाला ।
झारी	सं०	सेंड़े ।
झाल	वि०	आड़ाय-थोड़ोय ।
झालर	सं०	दासी-मासी, दासी, झोलोर, झालर होना—झोलोर । झालर-झुलुर,—झालार-झुलुर । झालर दार—जिहोर-जोहोर ।
झावाँ	सं०	झाँवाँ (पत्थर)
झाड़	सं०	झाड़,झावा । झाड़-जंगल—झोपो-तोड़ो, डापका-डुपका । झाड़-फूँक करना—झाड़ । झाड़-झुड़—झाड़ा-झुड़ा । झड़ कर ले जाने की प्रक्रिया—झाटिआव । झाड़कर निकालना—कोटा । झाड़ना—झोराव, जोक्, जोनोत, उरलाव, कोवा, गिरे-बाहरे, झाड़ा झुड़ा, जोनोत्, हुबाक् ।

झाड़ी	सं०	कांट, झुड़, राटेन, गाअझेड़, गाजाड़ झाड़पा, बादाड़, पाताड़-पोतोड़, पोझाड़-पोर, झावा-झाड़, झोपो, तोड़ो ।
		घनी झाड़ी—झोलान्ड ।
		झाड़ी-जंगल—मुण्डू, बिर-पाकाड़ ।
		झाड़ी होना—झाड़, झावा, काधाड़ ।
		झाड़ीदार—रूद-रूदु, एढे, दान्दले-दान्दले, कान्धी, गोदोर, तुलकुप, होदगो, राट-पाटा, आसुम-दारूम, गासुम-बादरूम ।
		झाड़ीदार होना—रूद-रूदु ।
		झाड़दार पौधा—तुलकुप् ।
		झाड़ीदार बैर का पौधा—एढे-जानुम
		एक कँटीली झाड़ी—लोटो ।
		एक प्रकार की झाड़ी—बितकील-चान्द, गोटे, बाजगोर ।
झाड़ू	सं०	ओनोक् ।
		झाड़ू लगाना—धातरा, जोक्, जोरा ।
		झाड़ूदार—जामादार ।
झिंगा	सं०	झीङगा ।
		कड़वा झिंगा—हाड़हात्-झीङगा ।
		झिंगा कीड़ा—गान्डार, सीङथोन-भाड़ुवा ।
		जंगली झिंगा—बिर झिङगा ।
झिंगी	सं०	झिङगा ।
झिंगुर	सं०	धुगरी ।
		काला झिंगुर—चापड़ी ।

काला झिंगुर मैदान में पाये जाते हैं—
चापड़ी दो टान्डी रेको ओमोक्आ ।

झींसी — सं० — जापुत्, पोरोय दाक्, पोदोय-दाक्, झिपिर-झिपिर दाक्, बिजिर-बिजिर छिपिर-छिपिर ।
झींसी पड़ना—पोरोय,पाराय-पोरोय, पुरी झाटाक-झुटुक, झोपसो, सुटुक, राबाच-रिबीच्, जीपसी, रूगुय, टीपीच्-टापाक् ।
झींसी पड़ने की प्रक्रिया (लगातार) सीटीच्-सीटीच् दुरुय-दुरुय, झाटाक, झुटूक, रूबुच्-रुबुच् ।
झींसी पड़ते हुए—टीपीच्-टापाक् ।
घनघोर झींसी—हालाय जापुत् ।

झिनझिना — क्रि० — झीनझीनाव ।

झिनुक (सितुक) — सं० — झिनुक ।

झिमिर-झिमिर — क्रि० वि० — झिपिर-झिपिर ।

झिर-झिर — क्रि० वि० — जालिया-जालियी ।

झिलमिल — वि० — झोल-झोलीया, जाला-जुलु, झिल-मिल, बिलित्-बालात् झाला-माला, जालिया-जालिया, झिलीमिली ।
झिलमिलाना—झालामाला, मालका-ओक् ।

झिल्ली — सं० — आंवांर ।

झिड़कना — क्रि० — जाहुर, धुन्दराव ।

झील	सं०	जाला, गोई, जोला ।
		गहा झील- हिम जोल ।
झुकना	क्रि०	जापाक्, हेलाक्, झालुड़०, ढीङकू, लाङुर, काड़चोङ-कुड़चुङ, बाजड़ा-बाजड़ी, लुलुङ- कुच, डायबुङ, एङगो दोक्, तोड़कुच् तीरूप्, लेड़वे, तुमबुत् कुचा हेड़वेच्-पेटेर, आनीज, कोचेक् लाविच, आतूर, लिवात्, दुँडूँच्-तुपुच्, कुड़बाङ केडे, ओम्ब्राक्, झायबोक्, कुडबुर,
		पीछे झुकना-लाटिच् ।
		एक तरफ झुकना-लेड़वाक् ।
		झुक जाना-लाटिच्, लेड़बाक्, लाकाङ कुजा, ताभेर, कुड़चेत् ।
		झुका कर-लादगुय ।
		झुका होना-खोंचड़े ।
		झुका हुआ-लिबेत् कुबा, लाङुर, काड़-चाङ-कुड़चुङ कुजा, हुड़बाङ, हुड़वाङ जापाक्, कुबजा, केडमेर, लोकेया, काटुइच्- लोकाङ, लादगुय, काटबूच् लोकवेत, लाडबुर, होजो, होजो, होम बो, लोकवे, गाबुच्, नेवाब केडे, कुड़डुङ, आतूर, लाटिच् ।
		झुका हुआ पीठ—लाटकीच् ।
		झुका हुआ कमर—कोबो, केडे ।
		झुका हुआ होना—होमबो, लोकवेत्, लेचड़े, होमबो, लोकवेत्, लोड़कोच्, कोञ्जेड़, कोचे ।
		झुकाना—लाड़कुच्, झोकाव, बाकाल, दापकाव, लिबेत्, बाकाव, आमिल, लिवात्, बाकाव, झापोराय, लाकुच्

झुका देना—लाकी,लाकड़च्, आमिल।
झुकाव— ढीङकू ।
झुकी हुई अवस्था—लोयोलोयो,
लुलुङकुच् कुईङुङ, कोडो ।
झुक कर चलना—लोयो, लोयो, कोबो-कोबो, काडा-कोडो डोपोत्-डोपोत्,
कुडुङ-कुडुङ, लाडबुर ।
झुक कर चलने की प्रक्रिया—हाजा-होजो ।
झुक कर जल्दी जाना—होजो-होजो ।
झुक कर घुटना टेकना—ओम्बाक्-इकड़म ।
झुक कर गिरना—तुपुच्, लाडबुर ।
झुकी सिंग—लाड़ी ।
भार के कारण झुका हुआ—खोजजा
मार कर झुका देना—ढेजगाच् ।
एक तरफ झुका हुआ—कोजजड़े,
हेजहेजे,
एक तरफ झुका देना—दाड़सेच ।
एक ओर झुकना—भोका ।
उपर नीचे झुक कर—लाविच् ।
झुकी हुई स्थिति—काडा-कोडो ।

झुण्ड सं० गाहन्डी, आड़ा, गोट, काड्वोल, चुमकाक् ।
झुण्ड (पशु पक्षियों का)— तोरफान पाल ।
झुण्ड में—ओलोय-गोतोय, जोपोर-जोले, गायार-गोयोर झाव-झाव ।
झुण्ड के झुण्ड—झाव-झाव, पाल-के-पाल ।

		झुण्ड में होना—सेगे पेटे, जोलोम-जोलोम, जुङगुर-जुङगुर गेसेच्-गेसेच्, हुजुक-हुजुक, झुण्ड में बाँटना—तोरफान।
झुनझुनी	सं०	रान-रान। झुनझुनी होना—रानरानाव, रान-रान। झुनझुनी लगना—रुन रुनाव। झुनझुनी उत्पन्न होना—रूमुज-रूमुज
झुमका	सं०	झीम-झीमी, झुमका।
झुर्री	वि०	रून, तुकुन गोन्जड़ाव, जेकड़े। झुर्रीं पड़ना—हाड़ाम-दुड़म, डोडो, ठेरा, जोङगड़े, डोपोयोत्, रुन-तुकुन, हाहालपात्। झुर्री पड़ा हुआ—डोपोयोत्। झुर्रीदार—डोडो, बिङगोय-बोङगोय।
झुलसना	क्रि०	ओरपो, जाँवसा-जाँवसी, खाराव धुड़साव, झारकावक् झोवसाव, रो, झारकाव। झुलस जाना—झाँवसाव। झुलसते हुए—झाँवसा-झांवसी, झारका-झारकी। झुलसाना—रो। झुलसाने वाली गर्मी—उडुच्-पुटुच्। झुलसाने के लिए आग जलाना—जाँवसा-जाँवसी।
झुलाना	क्रि०	हुरला, धिरिया-धिरियी।
झुड़ी	सं०	झुड़ी।

झुठ	वि०	आवड़ी-सावड़ी, इथी—एड़ेयाक्, एड़े, चाटी, नासे, लाहना एड़ेमेड़े ।
		झूठ होना—साजोक् ।
		झूठ बोलना—एकड़े, झुठा, चाटी, लाहना, एड़े-रोड़, फेफड़ाक
		झुठमुठ—झुट पुस ।
		झुठ मुठ बहाना करते हुए—एड़े-ऐड़े, एड़े-सुड़ुच्- सुड़ुच् ।
		झुठा—भुलानी, जाल, भोट, नासे, फेफड़ा, फुस, फासियारा, बेसारी, उलबुलिया, एड़े-मेड़े, उलटा-पालटा, झूठा, एड़ेयाक्, झूठा, साजेक्, निसारथी, ओसोतो ।
		झूठा होना—उलबुलिया, जाल, नाकली ।
		झूठा गवाही देना—साजोक ।
		झूठा अभियोग—फेचाङ ।
		झूठा अभियोग लगाना-फेचाङ ।
		झूठा अधिकार दर्शाना—लीसिन्द ।
		झूठी आशा दिखाना—हारहाव ।
झमना	क्रि०	ढोया-ढापे, स्केप्-सेकच्, हिलाप्, रायुल-रायुल, भारभाराओ, दाल-दालाकोंक, लिकित्, झीका, दील-दाल, मेड़सा-मिड़सी, डोकाडाके, दालाय-दालाय, हामाक-दामाक, झीकाझाके, दाकाल-दाकाल, लावार-लावार ।
		झूमते हुए—दीलदाल, जाहुर-जाहुर, मेड़सा-मिड़सी, हियाक-दामाक, रायुल रायुल, हामाक-दामाक, गुबुय-गुबुय, धापाच्-धुपुच्, हीलोडिलो, गायोर-

गायोर, हालाक-दालाक, झालुङ-झालुङ घालुच्-धाकुच्, काडाङ-कुडुङ।
झूमते हुए चलना—हिडोच्-डोकोच्, हिडगा-हाडगे, धुचुल-धुचुल, हाडाच्-हुडुच्, कोन्डेत्-मान्डेत्, हाडगाच्-हुडगुच्, हिलोच्-होलोच् ।

झूलना	क्रि०	डावाङ, बिगाय-बोगोय, डिवाङ, टावाल, झिङका-झाकुर, गयाल-गुयुल, दोलोय-दोयोय, धाञ्जलोङ, डीआङ, गाहञ्जुर, गामझूर, झीलाक्, टामकुर, लाडुङ लिवीच्, झीला, ढीलवाङ, हिलाक्, लिड़बाङ । झूल जाना—गाहञ्जुर । झूलने की प्रक्रिया—झालुई-झालुई । झूलते हुए — डिविज - डिविज, लिड़वाङ, गायोर गायोर झिङका-झाकुर, हिलोय दोचोय, टावाल मानते । झूलता हुआ—जिहोर-जोहोर । झूलाना—झीला, ढिलवाङ, धिरिया, लिड़वाङ, होरलो । झूला—झीला, हिनडोल, तारामाचा । झूला हुआ—गाहञ्जुर गामझूर । झूला कर ले जाना—डावाङ । कपड़ा झूलाते हुए चलना—हिलोय-दोचोय ।
झोंकना	क्रि०	खादले । आग में झोंकना—ओंरोम् ।
झोपड़ी	सं०	कुडुयुत्, कुम्वा, झुपड़ी, झापरी, छापरी, कुम्बा, कुड़िया

		छोटी झोपड़ी—तुत्-कुड़िया । झोपड़ी बनाना—कुम्बाय, छापरीय-झापरीय । झोपड़ी (जिसे संक्रान्ति के पहले दिन तालाब के किनारे बनाते हैं तथा दूसरे दिन सुबह जला देते हैं—बुढ़ी कुम्बा झोपड़ियों का समुदाय—गोराडा ।
झोर	सं०	सुरूवा । झोर बनाना—सुरूआ । झोरदार—चाडर-बाडुर । उन लोगों ने झोरदार दाल पकाया है—चाडुर बाडुर दाल को उतु आकादा ।
झोल	सं०	झोल ।
झोलङ	वि०	झिङगोल झोङगोल, झोलोड़ । झोलङगा—झोलङगा, तिलपाङ-ताल पाङ तोहोच्-तोहोच ।

ट

टंगनी	सं०	बाकुक्, टांगना ।
टकटकी	क्रि० वि०	मुटुर-मुटुर, टाकटाकी । टकटकी लगाना—टाकटाकी । टकटकी बांध कर—मोरोल-मोरोल । टकटकी बांधे हुए—आनडोर-ओनडोर
टकराना	क्रि०	ठुय-माराव, जाहात्-डाडुप्, छाता. टाकराव ताकिजोक् । धीरेसे टकराना—जोह्रोत् । टक्कर— दागार-माराव । टक्कर खाना—धुनाव ।

		थोड़ी शरीर में टक्कर—गायाल-मानते।
		भीषण टक्कर के साथ—दुडुय-मानते
टकसाल	सं०	टाकसाल।
टट्टी	सं०	टाटी।
		टट्टी बाँधना-टाटी।
		टट्टी होना—टाटी।
		बाँस की टट्टी—ठाटरा।
		टट्टी (पैखाना)—डान्डीते।
टट्टू	सं०	टाटू, भाट।
टटोलना	क्रि०	हातड़ाव, हुतड़ाव, ताहाव, टामडाव, टामडा-टामडी थाकड़ा-थुकड़ा।
टनटन	क्रि० वि०	ठीज-ठीड़िज, ठाङ ठाङ, ठाङ-ठीज,
		टनटन की ध्वनी—ठाङमानते, हाडाङ-हाडाङ।
		टनटनाना—ठीज ठीड़िज, हानहान।
टपकना	क्रि०	पुयुल, जारा पायाड़-पुपुड़, ठोप्-ठोप्, टीया-होयो जुर, सुडुर, टोपोक् पायाल पुयुल, सुडराव, सीडो-सीडो तीड़ो, तोड़ो, टीपाच्-टाड़ाक्, जीरा जारा।
		टपटप—बुरुय-बुरुय, भुकुड़-भुकुड़, टुयु-टुयु, थीयो-थोयो, टाप-टीप।
		टपटपाना—ठेप् जारा।
		टपकते हुए—तीड़ो-तोड़ो, सीडो-सोडो टीपाच्-टाड़ाक।
		टपकता हुआ पानी—झारा दाक्।

टमटम	सं०	टौम-टौम ।
टमाटर	सं०	बिलाती-बेङगाड़ ।
टर्की-मुर्गी	सं०	ठूकठुकुर सीम ।
टरटराना	क्रि०	आँवाँक्-आँवाँक्, टुरूत्-टुरुत्, टेरे ।
टसकाना	क्रि०	टासकाव ।
टहनी	सं०	डार, भिटुआक् ।
		टहनियाँ निकलना—डार ।
		टहनी और पत्ती—डारपात ।
		बहुत कम टहनी—ढेनडरा ।
टहलना	क्रि०	टाहलाव, दाँड़ाँ बाँड़ाँय ।
टहलुआ	सं०	टेराडेल ।
टाँगना	क्रि०	बाक्, आका, ढिलवाङ, टाङगाव ।
		टाँगने की रस्सी—टाँगना बाबेर ।
टाँगा	सं०	टेङगोच् ।
टाँगी	सं०	टाङगा ।
टाट	सं०	टाट ।
टापू	सं०	दीप, टापू।
टालना	क्रि०	ठेलाव, टाराव, टालाव, हेड़चा-फेचाङ, टोलाव ।
		टालमटोल करना-हेन्दा हिन्दी ।
टिकट	सं०	टिकस ।
टिकटिक	वि०	टाक्-टाक् ।
		टिक-टिक करना- टाक्-टाक् ।
टिकना	क्रि०	टीकाब, बाहाव ।

टिकली	सं०	टिकली, टिकला । टीका लगाना-टीकलाक् ।
टिकिया	सं०	टिकीया ।
टिटिहरी	सं०	टीटीरहीच् ।
टिड्डी	सं०	पोहो ।
टिमटिमाना	क्रि०	डाग डागाव जिड़िप्-जिड़िप्, झालकाव, जोलो-जोलो जुलुत् जुलुत्, जालात्-जुलुत्, जीरीत् जीरीत् डिग-डिग । टिमटिमाते हुए-जेलेप्-जेलेप्, चुक चुक, जालात्-जुलुत् । टिमटिमाकर जलना-धावाक्-धावाक् ।
टीका	सं०	चान्दा, टीका । टीका देना-टीका । टीका लगाना-टीका, टीकाक् ।
टीन	सं०	खापार, टीन । टीन का चादरा-चादरा ।
टीर-पहाड़	सं०	टीर-बुरू ।
टील्हा	सं०	ओटकोय, दानदाड़चुत्, चान्दला चोन्दलो, टालहा-टीलहा, डुङगरी । टील्हा सदृश-दानदाड़चुत् ।
टुंगरी	सं०	चान्दड़ा-चोन्दडो, डुङगरी ।
टुकड़ा	सं०	केचाक्, सीड़ा, कुटरा, रूखी टुकरा, ढोमबोक्, गुडांगुंडी काटुआक्, जाटाप् टाकरा-टुकरी चेड़ा, गिडरा, छायलाक् टाकरा-टुकरी, किटरा फाड़ा, गुङरा, खेन्डवाङ, खुदरी ताड़, गुड़च्, डुण्डे तालाङ ।

कपड़ा का टुकड़ा-खान्डवाक् ।
छोटा टुकडा-रूती, गिजिर-बिजिर ।
बड़ा टुकड़ा-धोया ।
लकड़ी का छोटा-छोटा टुकड़ा-झीनजी झुरी, भुङ गाड़ ।
छोटा-छोटा टुकड़ा-खुचरा ।
काटा हुआ छोटा टुकड़ा-गिजिर बिजिर ।

बचा हुआ टुकड़ा-गु·डा-गु·डी ।
टुकड़ा करना-लाहेर, बाराव, छितरा फुटाव, कुटरा केचांक्, टूना, टुकरा-टुकरा-टुकरी, टोना-टुकरा, टोना-टुनी, गिडरा, गुंडरा ।
टुकड़ा होना-ठुस, धोलकाव, खुदरी खेन्डवाङ, किटरा, टाकरा-टूकरा खेकरे, काटरा-कुटरा, छिती, छाङ ।
टुकड़ा खाना-आटाप् ।
टुकड़ा-आटाप् ।
टुकड़ा जोड़ना-कानथा ।
टुकड़े-टुकड़े करना-छार-छाराव ।
टूट कर टुकड़ा-टुकड़ा होना-तालगा-तावाक,गुंडा-गुंडी ।
टुकड़ा-टुकड़ा हो जाना-भांगाचुर, झका-झाकुर ।
टुकड़ा-टुकड़ा-छार-छूर, छिती, बिती छिर-बिदीर ।

टुसा सं० टुसा ।

टुह-टुह वि० जेङ गेत्-जेङ गेत् ।
टुह-टुहलाल—जेङ गेत्-जेङ गेत् आराक् ।

टूटना | क्रि० | छाका-छून, दुरदार, धासुड़, ठेस, दाराङ सारङ, ाड़ो फाङ झावाक्-घासाव, झारोच्-झोपाच्, फोड़, पासेत्, आड़ेच्, डापात्, धादरा, धादरी, बिन्दाड़, पिओङ-पोयोङ, झादगा, टुटा-भाङग, धोरोत्, धोपोत्, धीरोङ-सोरोङ, धीरॉङ-धोरोङ, धोदोर-पोदोर, धाद ो, धीरोत्-धोरोत्, धोदरो-धोदेया, धीरो-रोपोत्, तोपाक्, झाङगा-झुटा, पोसाक्, चोआक् चाटकाव, लानदुड़, रोचोत्, रापुत्, हुचाक्, गुदमारा, हुलाक्, केचेत्, कुचा, खेन्दो, खेचो, टेस, दोपाट, धादरा, लोकाङ।

टूटने की आवाज—चेच्-चेट-चेट, रेचेच्।

टूटने योग्य—चारड़ाहा।

टूट पड़ना—रेपेच्-इपीचाक्।

टूट जाना—छिती छाङ, खेकरे, दासाव, दुराथान।

टूट गया है—चाटकाओ अकाना।

टूट फूट जाना—धीङ गाल-साङ गाल।

टूटा हुआ—खेकरे, दोपाट, धादरा, खेरे, खेखेच, दालसित्र-तालसित्र, खेरचो, लोकाङ, हुरा-बुचा, लुङ काड़, लुकड़े, गेजेराक् लेवाङ, गनापुत्, रापुत्-सारेच, हुरी, झाङगा-झुटा, धोपोट, धोदोर-पोदोर, धीरो-रोपोत्, धीरोत्-धोरोत्-धोदरो, धोदेया, धीरोङ सोरोङ, धीरोङ-

धोरोङ, धोदेया, दोपचा, फोंके, डापात, धादरा-धादरी, गारोच, गापोच गांडा-गुंडा, झेदगे ।
टूटा फूटा—झादगा, टूटा-भाङगा, धोरोत-धोपोत, धोरोङ, रापुत-मापुत, काटरा-कुटरा, बेदरे, गारोच-गोपोच, ठेस, धोरपो, भांगाफूटा ।
टूटा सूप—धादरा हाटाक ।
टूटी-फुटी भाषा—गाड़माक, एड़ेञ-बिड़ेञ, थाक-थोक ।

टेंटें	क्रि० वि०	टेंटें । टेंटें करना—टेंटेंय ।
टेबुल	सं०	मेज ।
टेढ़ा	वि०	भेंकड़ा, लेवान, कोटबे, कोन्डेया, नेतियार, बेधा-बीधी, टेडढालोकड़े, कुबा, लोड़कोच, कुटबा, होमबे, कुडा, हुड़बाङ कुबजा, लोन्दोच, होड़जाङ, बाँका, गोते, लुकडे, काटबुच, लोचोङ सोंचड़े, लोकवेत, लिवेत, पीटुआ-पाटवे, लुलुङकुच नेवाव, लोकेया, होडजाङ, पातेया, लोकबे, गेनठे, घोचे, घोचड़े, तेरछा, तीरछा-तीरछी । टेढ़ा होना—लोकबे, कोटबेलेवान, होंड़जोङ, लोकडे, खोंचड़े, काटबुच, लेड़वे, पाटेया, भेंकड़ा-भिकड़ी, नेवाव, लोकवेत बाक भङकोङ, लान्दाच । टेढ़ा मेढ़ा—धोकडे, आंकुर-लाङकुर, आठीयाड़, पीटुआ-पाटवे, आयार, बाङका-बीङकी, खिड़जाङ-

		खोड़ जोङ, बेका-बोंको, हाड़ताङ हुड़ताङ, हांड़-जाङ होड़जोंङ, धाकड़ा-धोकड़े, हाड़बाङ-हुड़बाङ कांड़बात्-कोंड़बेत्, पाठे-पाठे, हेड़जाङ, किकिच्-कुड़बाङ, धाकुच्-बाकुच्, आकुड़-बाकुड़, गाठीया, बाक्भेंकोड़, एहोंड़-बेहोड़, बाधा-बीधी ।
		टेढ़ा मुँह—लोड़पे ।
		टेढ़ी गर्दन—कोकड़े ।
		टेढ़ी चाल—एड़चे-पेड़चे, गेवेल-गेवेल ।
		टेढ़ी टहनी—रामपा-रूड़ा ।
		टेढ़ी धार—चेदड़ो ।
		टेढ़ी रीति से—धोअजोङ-धोअजोङ ।
		टेढ़ी बात—चांगड़ा ।
		बात जरा टेढ़ी हो गई—काथा को चांगड़ा केदा ।
टेक्स	सं०	कोर, मासूल ।
टोकना	सं०	टोकाव, टोकार ।
		टोक—टोक ।
टोकरी	सं०	खाचलाक्, टुकरी, उड़ली, नाचू, उड़ोया, टुङकी, डालिच् ।
		बड़ी टोकरी—सायका ।
		छोटी टोकरी—फातियाक् ।
		चिपटे आकार की टोकरी—सेरोम-दावड़ा ।
टोटा	सं०	टोटा ।
टोंटी	सं०	ठोण्टा ।

टोपी	सं०	टुपरी, टुपी । टोपी पहनना—टुपरीक् ।
टोला	सं०	डी, टोला ।

ठ

ठक–ठक	क्रि० वि०	टोक्-टोक्, ठाक्-ठोक्, ठक-ठुक—ठाक्-ठुक् । ठुक-ठुक—ठुक्-ठुक् । ठुकुर-ठुकुर—टोपोत-टोपोत् । ठुकुर-ठुकुर चलाना—टोपोत्-टोपोत् । ठकर-ठकर—ठोकोर-ठोकोर ।
ठग	सं०	चाटिदार, फेफड़ा, ठाक-ठाकिया, फासियारा, ठाकाय, ठोक, बाजी, ठाकुवा, ठोक, ठोकानी, ठगना—फेफड़ा, लिपुक् ठुकिया, डोल, हारू-दादू, लुटुच्, बाड़काच्, ठाकना, लावकी, हारदुन्दी, ठोक, बुलाव, भुलाउ, ठाकाय । ठगा जाना—ठोकामी । ठगी—ठाकाय ।
ठठेरा	सं०	ठाटेरा ।
ठण्ड	सं०	जुड़ास, राबाङ । ठण्डा—रेहाँड़, कालहा, जुड़, उआई, राबाङ, रेयाड़ । ठण्ड लगना—सुड़सुच् । ठण्ड से सिकुड़ना—सुड़सुच् । ठण्डा लगना—रावाङ, रेहाँड़, टानहा, जुड, साक-साक

		ठण्डा होना—रेयाड़, तावमाराव, हाहेच् ।
		ठण्ड से कँपकपी—ठाक-ठाक ।
		ठण्डा करना—साँवरांब, बोराम, सीतलाव ।
		ठण्डा पड़ना—राड़ेच्-रासुम ।
		ठण्डा पकड़ना—सीतलाव ।
		ठण्डा अनुभव करना—साक-साकाव।
		बहुत ठण्ड—ओडो-सोसो, कालहा ।
		बहुत अधिक ठण्डा—रीतीत्-रीतीत् ।
ठप-ठप	क्रि० वि०	ओदगाक्-बोदगाक् ।
ठमकना	क्रि०	हेमबा ।
ठस	क्रि० वि०	टासाहा ।
		ठस-ठस—ठास ठास ।
		ठसा-ठस—भीड़ा-भीड़ी, टेसाटेस, ठेसा-ठीसी, पेटे-पेटे ।
ठहरना	क्रि०	एङगोत्-आङगा, बाट-चाहाव, छान-काव, भुञ्जाव ।
		ठहरों—हापे ।
		ठहराना—टाहराव ।
ठाकुर	सं०	ठाकुर ।
		ठाकुर बाड़ी—ठाकुर-बाड़ी ।
ठाट बाट	क्रि० वि०	ठाट-बोन्द ।
ठानना	क्रि०	धारना, मुरूक ।
		ठान लेना—गालोट, गोटाय ।
ठाय-ठाय	क्रि० वि०	ठा-ठू ।
ठासना	क्रि०	इलेत् ।

ठिगना	वि०	बागार-गाठीया, दालाय-दोलोय, बाले-बोंस, जोरगेल, दामचाक् ।
ठिठुरना	क्रि०	सुकू-सुकू, थार थाराप् ।
ठीक	वि०	बेस, ठीक, ओआजीव, ठाक-ठीक, छानमान, जुग-पीत.बोल ।
		ठीक करना—बायसाव, आरो, झाला-झुला, जातजुत, ठीक-ठाक, जुतआरो, झाला-झाली ।
		ठीक होना—ठीक, ठाक-ठीक, ओआजीब, जुत, बोट-फोच् ।
		ठीक-ठाक—ठीक-ठाक ।
		ठीक-ठीक—ठीक, उतार, उजू-उजू, ओड़-ओड़ ।
		ठीक नाप—जोखा-सीत् ।
		ठीक-ठीक न होना—एन्दे-पेन्दे ।
		ठीक से—होटाक्-खोडराक्, उरीआव, जाते-जुते, बेसलेकाने ।
		ठीक से कपड़ा पहना न हुआ—हिगोय-होगोय ।
		ठीक से न उड़ सकना—लिपा-लापे ।
		ठीक से पीसा न होना—सागाय ।
ठीका	वि०	फुरान, ठीका ।
		ठीका लेना—ठीका, फुरान, चुकानी ।
		ठीकेदार—ठीकादार ।
		ठीकेदारी—ठीका-बुन्दी ।
ठुकराना	क्रि०	बेवचांव, ठीकराव, ठोकराव ।
ठुड्डी	सं०	केवा ।
ठुस-ठुस	क्रि० वि०	ठूस-ठूस ।

ठूठ	सं०	हुलहुलिया, हुरूत्, रूईयाँ, ठाट-कात्, ठूटकुत्, खुनटेत्, ठुन्डगा, खेन्डकेत् । ठूठा—ठुन्टा । ठूठ होना—ठुन्टा, सुनटेत्, ठुन्डगुत् । ठूठी—ठुन्टी । ठूठी होना—ठुन्ठी ।
ठूसना	क्रि०	गादाव, कोस-कोसाव, इलात्, ठूँसा हुआ—रेत्तेपेत् ।
ठेप्पा	सं०	टीप । अंगुठा का निशाना लगाना—टीपाय । ठेप्पा लगाना—टीपाय ।
ठेपी	सं०	बेनेत्, ठीपी ।
ठेलना	क्रि०	ढेका, ढाका, ठेलाव ।
ठेस	वि०	धाड़चुक् । ठेस लगना—धाड़्क्-धाड़्क, तोहोक् बोचोक ।
ठेहुना	सं०	ठोंड़े, ठीटड़ॉक् । ठेहुना की हड्डी—ठोड़े जाङ ।
ठोंगा	सं०	ठोंङगा ।
ठोकना	क्रि०	ठोकाव, कोटेच्, ठुकाव, ठाक-ठुक, ठुका-ठुकी, कुटाम । ठोकने वाला—कुक्टामिच् । ठोक बजा कर—ठुकिया-बाजिया । ठोकर खाना—बिरासाली, भेञ्चाओ, तोहोत् । ठोकर लगना—तापीज, लेड़चोक्,

		हाड़ाक्, लेसेन, दारड़ा-दारड़ी, तोहोदोक्।
		ठोकर खाकर गिरना—लेथड़ेच्, तोहोत्-भिन्दाड।
		ठोकर लगते हुए—दारड़ा-दारड़ी।
		ठोकर देना—कोटाप्, मेडॅला।
		ठोकर मारने वाला—कुकूटामिच्।
ठोस	वि०	लीड़, जोआव, साकता, दाड़ी-मुड़ी, खाटास, जोमाट दारया-दापाक्।
		ठोस होना—खाटास, साकता, गुड़हा, साटीआव।
		ठोस और मजबुत—गोधड़ो-जुता।

ड

डंक	सं०	सुङगा।
		डंक मारना—तोड़, सीडीच्, साडाक्, पाडगाक्।
		डंक मारते हुए—साडाक्-मानते, साडाक्-साडाक्, बाडाक्-बाडाक्।
डंठल	सं०	बोंक, ढाण्डकाक्, डाठी, भिटुआक्, पाँयड़ा।
डकारना	क्रि०	ढेकार, होम्बे, होमबा, ओराडरोच्, हुडराक्-हुडराक्।
डकैती	सं०	डाकाती।
डगमगाना	क्रि०	हाबुक-डाबुक, डागमागाव, दोड़ा-दोड़ा।
		डगमग—टीमपा-हाड़े, टीगा-टागे, ओम्बाक् जापोक् दोड़ा-दोड़ा।

		डगमगाते हुए—दाकाड़-दोकोड़ डाग-डागाव । डगमगाते हुए चलना—धुलुच्-धुपुच् ।
डगरिन	सं०	दागरिन ।
डण्टा	सं०	डाण्डी, ठेंगा । छोटा डण्टा—टालहा । डण्टी—ढान्डकाक् ।
डण्ठल	सं०	डाण्डीत् ।
डण्डा	सं०	जामकी, जोते-डोरा । डण्डा बाँधना—जामकी । डण्डी (तराजू की)—डाण्डीत्, डाण्डी । डण्डी मारना—पायमारा ।
डबकना	क्रि०	हेडेंच्, हाडाक-डाबाक । डबकाना—डोपकाव, डोबकाव, डापकाव, हेडेज ।
डम्भा	सं०	डाभा, डोभा ।
डमरू मध्य	सं०	जोजोक ।
डर	सं०	बोतोर, धोमोक—चोमोक, आका-वाकी, धोमोस, हिचकाव, तोरास, धामास, डोर-भोय, बोर, दान्द । डर होना—दान्द, दाल-दाल, दाल-दालाव । डर जाना—धाकधाकाव, दुपदुपाव, हुलसाय, धुकधुक । डर से काँपना-दुपुच्-दुपुच्, पालाच्-पुलुच् ।

डर समा जाना—बिड़की, चोमोल।
डर के कारण तुरन्त होना—पुच-मानते।
डर से भागना—पुयुल।
डर के मारे भागना—जीवीलाय-पोरानते।
डर से बोली बन्द होना—केकलेसेत्।
एकाएक डर जाना—लुकुत्।
बिना डर के करना—हाँक हाजुर।
डर से वह भाग गया—आनदाक तेगये दाड़ केदा।
डरना—तोरास, हाबादुबा, धुक-धुकाव, लेङगेत्, हिचकाव, चोमकाओ, धुपुच्, लुयुत्, धामास, हिचका-हिचकी, टुमुल आनदाक्, थाकथाक थारहाराव, थोड़ोस, धुपुच्-धूपुच्, चोमोक, बोरकास, बोतोर, धोरा-धुरी, भेओना, दुपाय गाड़पाच्-गुड़पुच्, लिकिर, गापुच्, गाड़पुच्, थारहार।
डरते हुए—हांदु-दुदु।
डराना—बोरकाओ, बोड़काओ, बिलबिलाव, बिराज, पुचपुचाव, बिड़की, पुयुल, बोरो, दुपदुपाव, धीराव, चोभकाओ, हानेमारे, उड-राव, उडरा-उडरी, हापका-दुपका टुमुल, दाबकाव, धारधुर, धुरमार, दाबाय-दुनदराय, धीरा-धीरी, चोकाओ, तारको, हामा-होमो, हालात, बोतोर, दाबड़ी, धोमकानी, मिलकी, ठोकराव, हाबुक-डाबुक, धीमोक-चोमोक, धोमकाव हादुदुदु'

दुनदराव, दुन्दरानी, दोबका-दुबकी, ताड़रबाय ।
परस्पर डराना—धीरा-धीरी ।
डरवाना — हामा-होमो, आनदाक, हिचका-हिचकी ।
डरावना—दारून, दाँयाँक, चामाल-चोमोल, छुङ, नापोड़, दुरूमदाय, बोर बोतोर ।
डराते हुए—धोरा धुरी ।
डराकर भगाना—भेड़चाओ, भिड़काओ ।
डर के कारण जल्दी से हम तालाब से दौड़ आये—आका बाकीअ जीर राकाप् एना वांद खोन ।
श्मशान बांट में डर समा जाता है—मोर हाटी रे दो चोमोल-चोमोल आइकाप्‌आ ।
डरपोक—डूरूकिया, डुरूक, धोक—पुखीया, फाचफुचिया हागालिया, टूरूटुसिया, पोचरा ।
डरपोक होना—डुरूक, पोचरा ।

डलिया	सं०	दावड़िच्, टुपलाक्, ड़ालिच् ।
डसना	क्रि०	थागलाव, सोगाक्, पीड़िच्, जानजानाव पाटी, पीड़गिञ ।
डाँट	सं०	इलाज, गाल–मार ।

डाँट का असर होना—धीमपील ।
डाँट कर चुप करना—दुरचुत् ।
डाँट कर भगा देना—ठोकने ।
डाँट-डपट—दुन्दरानी ।
डाँटना—कुटाव, रूहेत्, धुरमार, तेरगेञ-तेरगेञ, तारको धान्दराव

हाद्दुद्दू, हाबा-दुबा, धामकाव, धुङ्गरा-धुङ्गरी, धुङ्गराव, धुन्दराव दामाय-धुन्दराय, दुनदराव, दुनदरा-दुनदरी, धापकाव, धोमका-धामकी, दोबका-दुबकी, हुमधुम, ठानका-ठानकी, धोमकाव, आलेच्, आलेत्, सोडा, बाकबाकाव, फेदड़ाव, छुङ-छुङ बाकात-बोकोत्, इलाज, कुडराव, आहुर, धोय-धोंय, गालमार, हाबुक-डाबुक, कोटेच्, धाँवसा-धाँवसी, ताड़ाव, धाँवसाव, छोरवाङ, हानताव रेगेत्र- तेगेज, तेसड़ाव, जेर-बेनेडाक्, एगेर, हावराव, धोमकानी, ताङगड़ाव, रोड़, तारगुम, तीरी-मीरी, तारधाम, तेरगेज़, तोड़फाड़ ।

डाँटने वाला—हाद्दुद्दू ।
उसको तुम लोग मत डाँटो—उनी दो आलोपे आले जिया ।
उसको उन लोगों ने खूब डाँटा—खूब का आलेत् के देया ।

डाँवा डोल वि० डामाडोल ।

डाक्टर सं० रारानिच्, डाक्टोर ।

डाक सं० लिलाम, डाक ।
डाकघर—डाक ओड़ाक् ।
डाक बोलना—लिलाम, डाक ।
डाकिया—डाक दाउड़ाहा, दावड़ाहा (पुराने जमाने का डाकिया जो दौड़ कर डाक को एक जगह से दूसरे जगह पहुँचाता था) डाक-पियुन, डाक-आवला ।

डाकू	सं०	डाकात, डाकू ।
		डकैत—डाकू, डाकात ।
		डकैती करना—डाकुय, डाकाती ।
डायन	सं०	डान-ढाकीन, डान, दोड़ोय, डकसी, नाञजोम, दीकली रान नाञजोम ।
		डायन होना—डानोक्, डानढाकी-नोक् ।
		डायनपन सिखना—डानक् ।
		डायन योगिन-डान जुगिन ।
डायल	सं०	डायरी ।
डाल	सं०	चाङ्गड़ा, डार, झाटा ।
		कटी हुई डाली—ठाण्डगा ।
		डाली निकलना—डारोक् ।
		डाली काटना—हाड़हे, मोण्डगोच्, मोण्डगोत् ।
डालना	क्रि०	खाञजाव, उप्, खाञजो, ढाला-ढुला, डालाव, खादले, टुटूरी ।
		गले में कपड़ा डालना—गोला-गामछा
		तरल वस्तु को डालना—ढुल ।
		डालते हुए—गोद मानते ।
		परस्पर डालना—ढुपुल ।
डाह	सं०	हिङसा, हिङसा-हिङसी, हिरका ।
		डाह करना—हिङसा, हिरका, हाराहारी ।
डाहुक	सं०	डाक (एक प्रकार की चिड़ियाँ जो पानी के किनारे रहती है) ।
डींग	सं०	आदोपिया ।
		डींग हाँकना—आदोप, फुटानी ।

वह केवल डींग हाँकता है—एकेन आदोप मेनाक् ताया ।

डीढ	सं०	आहा-डाटा ।
डुग्गी	सं०	डुगी । डुग-डूगी—डुब-डुबी ।
डूबना	क्रि०	डुबुच्, डाबडूब, डुब-माराव, आपासित्, गाडगा डाव गाडियाव उनुमोक् डूब मरना—उनुम-गुजुक् । डूबने भर—उनुम-सुमुङ । डूबना और उपलाना—उडुच्-डुबुच् । डूबते उपलाते हुए—उडूच्-डुबुच् । डूबते हुए—बोगोर-बोगोर,डुबच-डुबुच् । डूबकी लगाना—डाबाच्-डुबुच्- उनुम-एनेच्, उडुच्-डुबुच् । डूबकी लगा कर—डाबाच्-डुबुच, डुबुच् डुबुच् । डूबाना—चाड़ो, चाबुक, उनुम, चोबराओ । पानी में उँगली डुबाकर देखो कि गर्म है या ठण्ढा—दाक् चाबुक् में लोलोवा से बाङ । मेरे कपड़े को भी साबुन-पानी मे डूबा दो, ये बहुत मैले हैं—इञाक् किच-रिच् हों साबुन दाक्रे चोबराओ में बोगेते माइला आकाना । डूबा हुआ—उनुम ताहेन, उनुम आकान, थाला, ठूबे, ठूबा ।
डैकन	सं०	दाखीनापोत ।

डेग	सं०	डेग, डेक, टान्डा, खोद (नृत्य में) डेगना—कोचोड, दोन । छोटा डेग—डेबेंच्-डेबेच् । डेग भरने वाला—चाचो । डेग भरने वाला बच्चा है—नुय दोय चाचोक गिदरा काना । डेगा-डेगी—घाट-घुट ।
डेरा	सं०	डेरा, ठाँय । डेरा डालना—डेरा, ठाराव ।
डेढ़	वि०	डेड़ ।
डैना	सं०	फाँकडांक् ।
डोंगी	सं०	ढोङगा, ढुंगी ।
डोभा	सं०	डोबहाक् ।
डोम	सं०	डाम, ढोकाक्, डोम, ढोकरा-डोम । डोम बनाना—डोम । डोम (जिसका बाल लम्बा हो)—धावरा-डोम । डोम का नाच—डोम एनेच् ।
डोमनी	सं०	डुमनी ।
डोर	सं०	बाराहे, जोते । डोरा—डोरा । डोरा लगाना—डोरा । डोरा बांधना—डोरा । डोरी—बाबेर, डाराडोली । डोरिया—टुरिया ।
डोल	सं०	दोम । डोलना—धालुई-धालुई, लाड़ाव, थाककाव ।

डोलते हुए—धालुई-धालुई, धालुच्-धालुच् ।

डोली	सं०	डुली, राही, खुड़खुड़ी । डोली में ले जाना—दोङगा ।

ढ

ढंग	सं०	भात, दुस्तुर, धात, ढोङ, आड़ा-माड़ा ।
ढक्कन	सं०	एनेसेत्, ढाकोन, टोपार, ढाकना, दानापाल, दापालाक, धीपनी, हारूप्राक् झापोन, तेतनाक्, ढाकनीच् । ढक्कन लगाना—झाँप-झापोन, हारूप्, हानारूप, ढाकोन, ढाकना, झापनी । ढकनी—ढोकनीच्, ढाकनी । ढकनी लगाना—ढाकनी । ढकना—बेनेत्, तेतेन । ढका हुआ—पोटोम । बिना ढका हुआ—होरोपाङ, साद गायाक् ।
ढक-ढक	क्रि० वि०	ढाकोड़-ढाकोड़ । ढकढकाना—ढाकोड़-ढाकोड़ ।
ढकेलना	क्रि०	धाकलाव, हुड़ाव, ढाकलाव, ढेलाव, ढेका, झाकाझाकी, ताम धाकाधाकी, ढाकाढाकी, ढाका-ढोको, कापटाव, काचटा-काचटी, सोहोर, दाखलाव, झीलो-झोलो, गुड़दाव, हुचका-हुचकी । परस्पर ढकेलने की प्रक्रिया—झीका-झाके ।

ढमढम	क्रि० वि०	डुबाङ-डुबाङ (ढोलक की ध्वनी)
ढलना	क्रि०	बुभाव, दुल ।
ढाँकना	क्रि०	बेत्दाप् झापनी, कुकू, झामपा, हानारूप् ढाकोन, टोपार झाँप, झापोन, हारूप्, तेन, दापोल, ढाकाव, लादोप, पोटोम, एसेत् झापड़े, ओयो । ढाँका हुआ—ओयो-आँड़गो ।
ढाँचा	सं०	मुँहाँड़, ढोब, साँव, बोहोक्, साज, गोठोन, गोड़होन, रूप । ढाँचा बनाना—गोड़होन ।
ढाक-बाजा	सं०	ढाक ।
ढायढुय	क्रि० वि०	ठाय-ठुय ।
ढार	सं०	दाँड़गा ।
ढाल	सं०	ढाल, फीरी, रानाकाप् । ढाल होना—ढाल । ढाल का छोर—सुरमा ।
ढालना	क्रि०	ढालाव, ढाराव, चुडरुच् ताङ । धीरे-धीरे ढालते हुए—चोरोच्-चोरोच् । मेरे हाथ में कुछ पानी ढाल दो—तीरे थोड़ा गानदाक् चुडरूच् आज में ।
ढालु	सं०	धारमाँड, सीन्दीर, धाड़ढेगा, धाड़-काहा, दारसाँड़ काड़न्धड़, आनाड़गो, ढालु, दाड़ाङ, धाड़-धाड़िया, धाराही, खोरी-को-चले, खोरो, टील-होय । ढालु और ऊँचा—दाराही ।

ढालु होना—सीन्दीर, ढालु, धाड़धाड़

ढालुवा—ढालु, दारसाँव, काड़न्दाड़, सीन्दीर, जाहेर-माड़िम, दाड़ाङ, धाड़-धाड़, धाड़धाड़िया ढाड़काहा, दाँड़गा।

बहुत ढालुवा—खारलाङ दारादी, दाड़ाङ-दाड़ाङ

ढाड़स	सं०	ढाड़ोस। ढाढ़स बाँधना—ढाड़ोस। ढाढ़स होना—ढाड़ोस।
ढिंढोरा-पीटना	क्रि०	डोमकाव, ढारवाक।
ढिबरी	सं०	डिबिया।
ढीठ	वि०	बेरोठ, धामाकिया, बेराहा, डीठाँव, बेसोरमिया, डीठोव, बेपोस, भेरोट, टेण्डोसिया, टेण्डोस, चाम्भा, ठेटापू, बिमास, ढीटाव। ढीठ होना—टेण्डोस, ठेटामूँ। ढीठाई करना—ढीटाव, भाण्डगार, हारूआनिया।
ढीला	वि०	लीपसा, लोभोर, लाबुर, ढील, ढीका-ढाके, डेवेडेवे, हिलोङ, होकोच, बाखाण्ड, लिलो-लोका, बिसोच्-बोसोच्, बिसांक्-बोसोक, डेकेत्, डाड़ाङ-डाड़ाङ। ढीला वस्त्र—बुजरी, बोजगे, बोजरे, लिबरा, ढील दो कोच्, ढीलोङ-ढोलोङ। ढीला करना—ढील, आलगाव। ढीला पड़ना—धीअजलोङ, धाअजलोङ,

ढूढ़ना	क्रि०	राँवदाव, चिया, चारित, सेन्दरा। मेरे लिए एक सायकिल ढूढ़ँ दो—मितेटेन, साइकिल चिया वाञ में। ढूढ़ँने वाला—सूई कारदार। उतावला हो कर ढूढ़ँना—सोन्दड़ा-सुन्दड़ी।
ढेंकी	सं०	ढीङकी। ढेंकी की काँटी—गाड।
ढेका	सं०	धाचा डेङगा। ढेका खोंसना—धाचा-डेङगाक्।
ढेकारना	क्रि०	ढेकार।
ढेम्बा	सं०	ढीपका।
ढेर	सं०	बिडिच्, ढीप, मुक्ता, थाक, कुन्ड, ठावका, पुञजी, रास, ढुम्बाक्, सुमुङ गुच्, झावा, ढोमबोक्, दामे, दोहड़ा-गाद, बाही, बाहा-बाही, बाढी, पाडोन, दुनदुड़चुत, थोक, दोम-दोम, चाके, काण्ड-दुई, ढीरी-ढीपा, कुठावड़ी, दुमहें, कुन्ड, डाव-डाङ,गुटेक, ठावका, गादा रोमचोलोक्-लाथाक, जावड़ी, दामहा-दुमहे। ढेर-ढेर—दुमचाक्-दुमचाक्। ढेर में—ओलोय-गोतोय। ढेर करना—ढीपा, ढीपा-ढापे। ढेर लगा देना—रेमेत्-रेमेत्, रेमेंह-दुमहें, गाढा। ढेर सा देना—डाब। ढेर लगना—राझाया, सुमुङगुच्। ढेर लगाना—तोबड़े, मुहकूप, पाड़ोन-

बोढो, काण्ड-चाके थोक-डाङ, दामहो-दुमहे, दुमहें-दुमहें, थोक, राजज ।
ढेर लगा कर—गादाम-पीटाल ।
अस्त व्यस्त स्थिति में ढेर लगाकर—गोदाम-पीटाल ।
ढेर लगा हुआ होना—रोमचोलोक्, रूपुचकुत् ।
ढेर होना—जिमटाव, दुम्बाक्, दुमहें कुन्ड, कान्ड, कुठावेड़ी, डाङ, गादा, लाथाक, दाले, ओजोर ।

ढेला सं० ढेलका, ढीपका, डोमपो, ढीम्बा, सागाय ।
ढेला-ढेला—ढोमबोक-ढोमबोक्, चाड़दाक्-बुड़दाक् ।
ढेला फेंकना—ढेलकाव ।
ढेला बना हुआ—डामबाक् डोमबोक्
ढेला बनाना—डामबाक्-डोमबोक् ।
ढेला मारना—ढेलकाव ।

ढेव सं० ढेव ।
ढेव उठना—हाबुक-डाबुक, ढेव ।
ढेव मारना—हुडराक माराव ।
ढेव पैदा करना—हुडराक्-हुडराक् ।

ढोंड़ सं० ढोण्ड बीज (साँप)

ढोना क्रि० ढोआव, तुल, लादे ।

ढोल सं० ढोल, बाजनी, राहाड़, बाजना ।
बड़ा ढोल—दामाना ।
ढोल बजना—रेडेअ ।
ढोल बजाना—दोड़ोय ।
ढोल की ध्वनी—गाअजोंन ।

ढोल या नगाड़ा बजाने वाला—
टामकीया ।
ढोलक—ढाक ।
ढोलकी—ढुलकी ।
ढोल की मन्थर गति—काड़दुङ ।

त

तंग	वि०	जालाल, आड़ीस, नापोड़ । तंग करना—हुड़-दुड्गा, बित्‌बिदिड़, तीन-तेरह, बेरोस्ता पानी-आव, हिडीच्-डिकीड़, तीन-तोरलात, तीन-तुफान, तीन मोबो', तीन-तुम्बा, तीनीक नोकी, तीनभार, तीताव, तीतीका, दाझेत, हालकाप आमजाक्, कोसोला, दीक-दीकाव, हुड़गू-दुड़गू, सीटीच्-पाटाक्, आड़क्-धाड़क्, हुड़म-धुड़म, आनदेसा, खिजलाव, उपान-झापान, इलीज-सिकीज, इकिल-सीकिल, आनसा । तंग करने वाला—हालकाप, एक-ढाड़-नाचा । तंग आना-तोमोलदाक्, तीतीक, आनदाक्, जोलाव, झीक-झीकाव, उकुत्-बुकुत् । तंग आ जाना—पानी आव । तंग देना—तीन तापार-खाना । तंग होना—झीक-झोक, धिक, हारी-हारोन, हारोन, हालुवा-हारोन ।
तृप्त	वि०	तीरपीत । तृप्त होना—धीरपुर, मुथराव,

		तीरपीतोक्, आहाङ इँड़िच् ।
		तृप्त—खुसी-राजी ।
त्याग	सं०	दाबी, बोंगादाराम, आलाय ।
		त्याग-पत्र—इसतोपा ।
		त्याग कर—छाडिच् ।
		त्यागना—दाबीनास, तेआग, भांडुर, बागीय, छुर ।
		त्योहार-पोरोब, पोरबास, पीहार, खेलोड ।
		त्योहार होना—खेलोड ।
त्वचा	सं०	होड़मो-हारता ।
तक	अव्यय	धारिच्, हाबिच्, पोरजोनतो ।
तकरार	सं०	तोकराड़, तेखराड़ ।
		तकरार होना—तोकराड़ ।
तकली	सं०	सुताम आर चारखी, ढेरा ।
तकलीफ	सं०	हारोन, जोबी-लो, कोटकीना, ओसुबिता, हादोस, हारखेत, सातप, हिरदानी, जोञजाल, ओरोन-कोस्टो ।
		तकलीफ होना—सातप, हारखेत, हालुबा-हारोन, कोटकीना, झीका-झोको ।
		तकलीफ देना—कोचलोन्ड, तीन-तोपोर-खाना, तीन-तुम्बा ।
		भोजन कीं तकलीफ—ओरोन-कोस्टो ।
		तकलीफ में पड़ना—झुलाव ।
तकिया	सं०	सीतान, बालिस ।
तख्ता	सं०	तोकता ।

तगादा	सं०	तागादा।
तगाजा	सं०	तागाजा।
तजिया	स०	ताजीया (मुहरम के समय निकलने वाली ताजिया)
तटस्था पूर्वक	क्रि० वि०	जाबाड़-जुबुड़।
तत्काल	क्रि० वि०	इती, छोंट, ठोर उन-जोखेन।
तत्पर	सं०	हाचाड़, चाराडा-चाण्डी, माथोखान, दान्दागिरी, तेआर, ठानठानाव, जिदात। तत्पर रहना—दान्दागिरी। तत्पर होना—ताहताहाव, दान्दकुट। तत्परता—जिदात। तत्परता से—उगुर-सुन्डुच्। तत्परता पूर्वक—जिदास, काड़ा-कुड़। तत्परता के साथ—जुपुच्-जुपुच्, हाचाड़-हाचाड़, दीपीड़-दीपीड़।
तत्पश्चात	क्रि० बि०	एन्डेरे, एन्डे-नाही, एन्डेते-आनाङ, एन्डे-एनेच् इनतापोम, इनाकाते।
तत्क्षण	वि०	इती, उन-उन, उनाक्कोते, ताप, सीक, साटमानते।
तन्तु	सं०	लाड़।
तन्दुरूस्त	वि०	दारमोट, निफुट, पोहलान। तन्दुरूस्त होना—लोगनो, पोहलान।
तनखाह	सं०	तोनखा।
तनाव	सं०	डग्माडोल, धाराधारी।
तनिक-भी	क्रि० वि०	निरोत, थोड़ाहों।

तब	क्रि० वि०	कीर, तोबे, एने, ओनकाते, एने-आनेच्, आदो, उनते, उनेर, उनदो, खान-दो, उन-उतार, उनखाच्, इनरे, चेले । तब-तक—उन-कोते, उन-आनाङ, उनाकृते, दिनाक्-कोते, उनगानते, इन-उतार । तब कहीं—एने-उतार, पहली-बार, एन्डेते एमे-उतार, ओन्डे-उतार, तोबे-नाँहीं, एन्डे-रेसेत्, एन्डेरे से, एण्डे-खाचते एण्डे-खाच्, एण्डे-खान । तब कहीं होना—एन खानते ।
तबला	सं०	ताबला ।
तबादला	सं०	बुदली ।
तबाह	क्रि० वि०	बीडीच्-बीडीच्, खाङ धासेर, नोस्टो ।
तम्बाकु	सं०	खारसान, थामाकुर । तम्बाकु बेचने वाला—साहनी । तम्बाकु की डंठी—खाडा । एक प्रकार का तम्बाकु—सुरती-थामाकुर, खिजरिया ।
तम्बू	सं०	ताम्बू । तम्बू गाड़ना—ताम्बू । तम्बू गाडना—ताम्बू-बिद । तम्बू खड़ा करना—छावनी-बेनाव, ताम्बू-तेन्गोय । एक छोटा तम्बू—छोल-दोरी ।
तम्बोली	सं०	ताम्बोली ।
तमतमाना	क्रि०	तामतामाव ।

तमाचा	सं०	थातीञ, थापा, चेटाक् । तमाचा मारना—थातिञ, धीतिक, थापा, चेटाक् ।
तमादी	सं०	तामादी (निर्धारित समय के बाद का समय जिसमें मुकदमा दायर नहीं किया जा सकता है) ।
तमाशा	सं०	खिलडू, तामासा, चिगारी । तमाशा दिखाना—तामासय । तमाशबीन—तामासिया । तमाशायी—खिलडू ।
तय	सं०	गोटा, साकीम । तय करना—मोकोरोह, साकीम, गोटारीकीत, रिकाना, छाँट-चुकानी, रेट, चुकाव, जात-जुत । तय होना—साही-जुही । बिना तय किया हुआ—मादगायाक ।
तर्क	सं०	तोरको । तर्क करना—तोरकोक् ।
तर्जनी	सं०	उदुक्-काटुप् (उँगली) ।
तरकारी	सं०	तोरकारी, उतु । तरकारी पकाना—उतुय, छानाङ नानदाङ ।
तरफ	क्रि० वि०	सेत्, तुरफी, तोरोप । तरफ से—तोरोपते । इस तरफ—नोते । उस तरफ—हाने-हानते । एक तरफ—काड़, पाठेते, आद-नाखा,

एकधार, मित्, सेच् गोड़सेच् एकठाड़, तारासेच्, धाञजेड़ ।
एक तरफ करना—टाराव, नोते, मित् सेज, बाडरा एक तरफ होना—आरतोम, तुरफी, तोरोप्, फातुर धोकड़े ।
एक तरफ रास्ता छोड़कर—टाडे टाडेते ।
एक तरफा—एनते ।
तरफदारी—पोखे ।

तरल	वि०	लेहेर, साडगुर-बाडगुर, पायाल पुयल, चाडुर-बाडुर ।
तरह	सं०	लेका । उदा:—वह मेरे तरह दिखता है—इञ लेकाय ञेलोक् काना । तरह से—लेकाते ।
तराई	सं०	तापोस, धासना, कातरी, सोकड़ा ।
तराजू	सं०	निकती, तुला, तारजू । तराजू से तौलना—तुला । तराजू का नाम—डाला । तराजू का पलड़ा—डालावाक् ।
तरीका	सं०	सीक, रोकोभ, भात, धाय, दारा, धेर, ताल, तारधर,—दुस्तुर ।
तरुण	सं०	सीमु-जुवान ।
तरेरना	क्रि०	ढ़ोरो-ढ़ोरो । तरेर कर—जाराल-जाराल ।
तल	सं०	बुटा, गोण्डा ।

तलछट	सं०	गाद।
तलवा	सं०	थोपा, तालका, पानासका।
तलवार	सं०	तारवाड़े, पाण्डु वीञ । तलवार रखना—गादी आव। लम्बी तलवार—धूप। एक प्रकार की तलवार। तलवार भाँजना—उक्मालाव।
तलहटी	सं०	था, तुली। तलहटी का—राड़ो।
तलाक	सं०	साकाम ओड़ेच्, बापाग, छाडा-छाडी। तलाक देना—साकाम ओड़ेच्। तलाक होना—छापाडाव, बापागोक्। तलाक दी गई स्त्री—छाडवी।
तलाश	सं०	तोलास, ताय-तोलास, सेन्दरा। तलाश करना—तोलास, सीड़ी, टेवान, ताय-तोलास टामडाव, टामडा-टामडी।
तस्वीर	सं०	उमुल, नाकसा, छुबी।
तसला	सं०	तासला।
तह	सं०	रादा, ताह, पुर, लाटुम, आटाल, कासो। तह पर तह—दापात्-दापात्। तह लगाना—लाटुम, कासो, ताह।
तहस-नहस	क्रि० वि०	भाँगला-भाट, ताहास-नाहास। तहस-नहस करना—उबला-डुबला, धाड्धासेर।

तहसील	सं०	ताहसील ।
		तहसील करना—ताहसील ।
		तहसील उठाना—तुईसील ।
तड़क-भड़क	क्रि० वि०	चोहोल-बोहोल ।
तड़पना	क्रि०	आहकाव, छाट-पाटाब ।
तांत	सं०	तांत, लार ।
तांती	सं०	तान्ती ।
तांत्रिक	सं०	बुआङ्गुरू ।
ताकत	सं०	मुराद, दाड़े ।
		ताकतवर—दारमोट, ताजा ।
ताजा	वि०	नुतोन, नांवां, जुडास, तार-तारिया, पुरण, चेरठा रोका, ताजी, ताजा, नायनू, चोंहोंक, बेरेल, टाटका फारनाव ।
		ताजा होना—नांवां, ताजा ।
		ताजा खबर—लामके ।
		ताजगी से—जुडास ।
		ताजगी आना—टानकाव, टोनको, फारनाव ।
		तरोताजा होना—टोनको ।
तात्कालिक	क्रि० वि०	सोयदोम ।
तात्पर्य	क्रि० वि०	मेताक, बोले ।
तान	सं०	खोद ।
		गीत की तान—रेला ।
तानना	क्रि०	लाफांव, टानाव, चाण्डियाव, तियार ।
		तानकर फैलाना—चाचालकम, ओर-तियार ।

ताना	सं०	गालोच्-गालोच् ।
		तानातानी—टानाटानी ।
		ताना मारना—चिगारी ।
तापमान	सं०	दाँक ।
ताबीज	सं०	ताबीज ।
ताम्बा	सं०	ताम्बा ।
तार	सं०	तार ।
तारपीन	सं०	तारपीन सुनुम (तेल) ।
तारबुज	सं०	तारबुन, खिड़वा ।
तारा	सं०	इपील ।
		तारों का समुह—हाट-डाहार ।
तारीख	सं०	दिन, तारीक ।
ताल	सं०	ताल ।
		ताल का पेड़—ताले ।
ताला	सं०	ताला कुलुप ।
		ताला लगाना—कुलुप ।
		ताला बन्द करना—कुलुप-बोन्द ।
तालाब	सं०	सार, गोई, बान्द, दाक्-ओड़ाक्, गाडिया, दीघी, आहार, हाको-ओड़ाक्, पुखरी ।
		तालाब का पानी—डाबुरदाक् ।
		तालाब में नहाने जायेंगे-आहार ते डाबराक् ले चालाक्आ ।
तालिका	सं०	सूची, तालखा ।

ताली	क्रि० वि०	थायो।
		ताली बजाना—साड़पा, थायो।
तालु	सं०	ताळू।
ताव	सं०	दाँक ।
		ताव होना—ताव, खङगाव।
तावा	सं०	तावा ।
ताश	सं०	तास ।
ताड़	सं०	ताले दारे, ताले—सीञ ।
		ताड़ की पत्ती—ढोया, ढोयेगा।
		ताड़ी—ताड़ी।
		ताड़ी उतारना—ताड़ी।
ताड़ना	क्रि०	बिदोत।
तिगुणा	वि०	तेबड़ा।
तितर-बितर	क्रि० वि०	तामबाक्-बसाक्, सामबाक्-बुराक्, दुनदला-दुनदली, चुरकुच्-भुरकुच्, छिञ-छातुर।
		तितर-बितर करना—आस-मानडाव, बागड़ा-बागड़ी, बाहबी लोण्ड ।
		तितर बितर होना—उड़ार, पासीर
तितली	सं०	पीपड़ी, पीपड़ीआङ।
		तितली का लाखा—सीडथीन, भाडुवा
तिनका	सं०	काडेच्।
तिरछा	वि०	आङकुर-बाङकुर, हेडगेच्, तोथ, आयार, आयरे रोङगाही, कोचे, होयाङ होयाङ, होंड़सेच् घोचे, घोचड़े, तेड़ङगा, लोचोड, ढाड़काहा, ताय-तोर

		पेड़ता-पोड़ती, तेरछा, तीरछा, तीरछी जोमजे, ढालु,, गेनठे, घोकड़े ।
		तिरछा होना—तेरछा, कोचे, तीरछा-तीरछी, कोचले, पेडता, तोय, गान्डे, घोकड़े ।
		तिरछा सा—तेराङ माछा ।
		तिरछा मारना—तेराङ ।
		तिरछी स्थिति में—होंडसेच्-होंड़सेच् ।
		तिरछी अवस्था—जोमजे ।
		तिरछा गिरना—फेजचोड़ ।
तिरमिराना	क्रि०	तीरतीराव, तीरमिराव ।
तिरस्कार	वि०	बेमानोत, चोन, हेसोसता ।
		तिरस्कार करना—पेसड़ाव, आंइठा, माहराव, हेला-हिली, उटका-पाटका, हेला-फेला, हेनोसता, धुसाव, एन्डेल, रोद ।
		तिरस्कार सूचक शब्द—हिरहाक, हिरखाराक, छुस, छिः थो ।
		तिरस्कार युक्त—हेंचकारा ।
		तिरस्कृत—निहात, दाया-हातेया ।
तिल	सं०	तीलमिज ।
		तिल की दाग—सोसरोच्-खोद। ।
तिलक	सं०	तीलोक ।
		तिलक लगाना—तीलोक ।
तिलमिलाना	क्रि०	टेरमेराव ।
तीखा	वि०	लाग, तीखा होना—लाग ।
		तीखापन—लाग ।

तीतर	सं०	चितरी, आसकाल । तीतर की बोली—चेडो-चेडो । तीतर-बितर होना—ताम-तासे ।
तीता	वि०	हेबेन, हेमहेम, हाराङ, झाल, आयताहा, चाड़-चाड़ तींती, हेवेर, हाड़हात्, हाड़हात् । तीता लगना—झाल । तीता होना—तीतो, हेवेर, हाड़हात् । तीता कद्दू—हाड़हात् होतोत् ।
तीन	संख्या वाचक	पे, तीन, पेआ, तीनीक, पेआटाक्, तीनों—पेने । तीन—तीन-पेपे । तीनबार—तेहरा, पे-दोम । तीन (गुल्ली डंडा खेल में)—टेना । तीन वर्ष पूर्व—माह्-कालोम । तीन साल बाद—माह् सातोम ।
तीर्थयात्रा	सं०	जातरा । तीर्थयात्रा करना-जातरा तीर्थस्थान—ठाकुर-दुआर तीरथो-ठाँई, बासके-मानडा ।
तीर	सं०	सार, आपाड़ी, डोल, उगली । तीर का नोक—डोल, सुरमा । तीर बनाने की घास—गुण्डरी मेत् सार । तीर चलाना—तुअ, टुटी । तीर से भेदना—तुअ । तीर से मारना—सार बाजाव, सार तीर बनाने का कूस—सार । तीर धनुश—आक्सार । तीर कमान—ठोङ्गा-सार ।

तील	सं०	तिलमिञ। एक प्रकार की जंगली तील—कोद- तिलमिञ।
तीव्र	वि०	एड़ेञ-बेटेञ, बाराङ-बाराङ, हाद-हादिया हात चुटी, फूँर्ती, जल्दी, तीव्र होना—हातचुटी। तीव्र गति से—हुञमानते, रियात्-रियात्। तीव्र गति से हँसना—हाद-हादिया, दाहा-दाही। तीव्र गति से बहना—हाद-हादिया, तीरलोक। तीव्र गति—छाँय-छाँय। तीव्र गति से भागना—रूयुत्-रुयुत्, सार-सोंर। तीव्र गन्ध—आन्दका-आन्दकी, आन्द-काव, बासका-बासकी, बामका-बामकी तीव्र पीड़ा—हेलेत्-हेलेत्। तीव्र वेदना—हांहांस, हिडींच्-टिडींच् तीव्र दर्द—हिरिच्-हिरिच्। तीव्र प्रकाशित—झीकी-मीडी। तीव्र पतली आवाज होना—रेंडेंच्-रेंडेंच्। तीव्रता से—रियात्-रियात्, गोब-गोब, हादाड़, पादाड़। तीव्रता पूर्वक—बाड़-बाड़, बाड़दाके-माराव, बाड़दाक्-मानते, साटाक्-मानते, दाराङ मानते, दीगीर मानते, साटाक्-साटाक्।

तीसरा	संख्या सर्व	तेसार । तीसरा पहर—माराङदाक् लोबेर, कुबेला, हुडिञ तारासिंग, आयुप्-बेला ओड़ाक् । तीसरा पहर होना—ओड़ाक्, कुबेला तीसरी पहर की रात—घाटाव-अिन्दा ।
तीसी	सं०	टीसीया, टीसी । जंगली तीसी—बिर-तिलमिञ
तीक्ष्ण	वि०	आहका-आहकी । तीक्ष्ण दर्द—रोजजोङ-रोजजोङ । तीक्ष्ण बुद्धि वाला—हेर-फेर ।
तुच्छ	वि०	तुच्छ भिरिक, जेलपेत, जोञ्जरोच्, हीन, बाराग, भीजजी-झुरी, पुचुच्, पीचुच् पीचनुच्, होड-में-ना-जोड़-में, सीड़िच्-मेर-सितुराक्-काटिच् जुकनुच्, झोंया, पोत्, जोरगेल, जाच्-मेरा-हेत्, उड़ीन, आनखा-आनखी पोसड़ा, रागाय-रोगोय, रायारोयो, हेंच्-होंच्, जोर-पोच्, टोसे, टुम, दाया-हातेया, निहात । तुच्छ होना—हीन, जोरपोच्, छियाक् । तुच्छ समझना—पोसड़ा, आड़ो, पेसडाव । तुच्छ पदार्थ—चुटिया चान्डबोल, लेन्दा जेवेच ।
तुतला	वि०	तोतड़ा । तुतलाना—तोतड़ा, बैंड़बाक् । तुतड़ी—तुतड़ी ।

तुम्बड़ी	सं०	तुमबडो ।
तुम	एक वचन	आम । उदाः—तुम जा रहे हो—आम ए चालाक् काना । तुम दोनों—आवेन, बेन । तुम दोनों का—ताबेनाक्, आबेनाक् तुम लोग—आपे । तुम लोगों का—तापेयाक् । तुम्हारा—ताम, आमाक् । तुम्हारी पत्नी—एराम । तुम्हारी सास—हानहारमें । तुम्हारी दादी या नानी—जीयाम ।
तुर्की	सं०	तुड़ुक ।
तुरंत	परसर्ग	हालेपाते, तोरा, साह्-मानते, दोरो, गोल, तालवी झाव-मानते, चाटाचाट, जाड़ाप्-मानते, नुकूएँ, नेखानते, इती, जाड़ाक्, मानते, तुराँत, एनगे, जाइतोरा, छाट-मानते, फुस-मानते, एक-कालतें हुब-मानते, मारगे, नेनाहाक, छाँय-मानते, बोग, बोग, पुचुच्-मानते, बिथाक, चोट, जाड़ाक्-जाड़ाक्, एने-एने गोब-मानते, उसराव, झाट-मानते, फोय-मानते, एददोम । तुरंत ततक्षण—एकदोम । तरंत काम करो—चाटा-चाट कामी में । तुरंत होना—होटोक्-कायते, रोका-रूकी, हादाङ-दापाङ । तुरंत फिर से शुरू करने की प्रक्रिया—जाड़ाक-माराव ।

		तुरंत दोहराने की प्रक्रिया—जोड़ाक-माराव ।
		अभी तुरंत—आबे ।
		बहुत जल्दी—छाट मानते, छाँय-मानते ।
तुरही	सं०	बाकेया, तोरड़े, सीङगा, पेपड़ेंत्,
		तुरही की ध्वनी—हों-हों ।
		तुरही बजाने वाला—सीङगादार ।
		एक प्रकार की तुरही, मानदान-भेड़, कारनाल ।
तुरी	सं०	तुरी (एक जाति)
तुल्य	वि०	सोमान, लेकानाक्, छोन्द-बोन्दञ पेल-आपात् ।
तुलना	सं०	तोलोन ।
		तुलना करना – तोलोना तुलोना ।
तुलसी	सं०	तुरसी, तुलसी ।
		तुलसी, का पौधा—तुलसी दारे ।
तुषार-बर्षा	क्रि० वि०	हुलुई-हुलुई ।
तुत	सं०	तुत ।
तुफान	सं०	भारण्डो, तुफान ।
		तुफान आना—तुफान ।
तेज	वि०	तेजाल लागान-सार, लाग. जार-नाहा, जाँक-जोमोक, तासील, ताड़खाय, इसपात, खारनाहा, ऑट-तापीस, जोबोर, जोबरान तेज, खान्टाहा, हाब-हबिया, हान-हानिया, जालीम, जालीम-सार ।

		तेज करना—सान, हुलसित्र, उसकूर ।
		तेज गंध—गान्धा-गान्धी ।
		तेज धूप—ठाय (सेतोङ)
		तेज धारा बहना—रोगोड़ ।
		तेज धार वाला—छाँक-छाँक ।
		तेज होना—तासील ।
		तेज रहीत—बेतासिल ।
		अचानक तेज—जेलेप्-मानते ।
		बहुत तेजी के साथ—गिरगिराव ।
तेरह	संख्यावाचक	गेल-पे, तेरो ।
तेल	सं०	सुनुम, तेल ।
		तेल लगाना—कालगात्, अ।जोक् ।
		तेल मालिश करना—तेरे-पोटोर ।
		तेल के साथ पूजा—सुनुम-बोङगा ।
		तेल पेरना—सुनुम ।
		तेल पेरने की चापा—चान्दवा ।
		तेलही रोटी—सुनुम पीठा ।
		तेलिया साँप—सुनुम—बीञ ।
		कच्चा तेल—जिवेत्-सुनुम ।
		कचड़ा तेल—कुयिन्डी-सुनुम ।
		अधिक तेल लगाया हुआ—झेड़े-झेड़े ।
		तेली—तीली ।
		तेली का नौकर—तीली जाँड़ ।
		तेलाइन—झेड़झेड़े, झोज-पोज ।
		तेलदान—कुप्पी ।
तैयार	क्रि० वि०	बेम्बेकाक्, मोतेआन, सोयबोत, सोरजुत तोयनात माहजुत ।
		तैयार करना—तोयनात, तेआर जाहजोह, सापड़ाव, तालतुल, पाहराव, साजाव ।

तैयार रखना—माहजुत ।
तैयार रहना—माहजुत, मोतेआन ।
तैयार होना—सार-सोर, तालतुल, जोह-जोहात सापड़ाव, जाह-जोह, सोरजुत, मोहजजाम, जुझाव, तान-तानाव, सोयबोत, मोतेआन, ठाक-ठीक, बाङगाम, ठानठानाव, साँयताव, थुर ।
तैयार हो जाना—थाल-थोल ।
तैयारी—हेलडेल ।
तैयारी करना—ठीक-ठाक, थाल-थोल, सार सोर जोह-जोहाव, ताल-तुल ।

तैरना	क्रि०	डोमकोल, डाबरा, पायराक् सातराल, चापले । तैराना—पायरा । तैराक—पायराहा, सातराल, सात-रालिया । तैराकी—पायराही । तैरते हुए—छाल-छालाव ।
तोंद	सं०	लाच् मोटा-लाच् । तोंदैल—ओहदार रोबोसकाक्, पाटरा-पोटरा, लोथेया, पोटरा, पोटमा, पोटेया ।
तो	परसर्ग	होय, थो, थोर ।
तोतला	वि०	थोता, थोतेया, थोथड़ा । तोतलाना—थाथड़ाक् । तोतलाते हुए—थोतेया । तोतलाने वाली—थुथड़ी ।
तोता	सं०	मीरू सुगा सारो ।

तो भी	क्रि० वि०	एनरे हों, एन हो।
तोला	सं०	तोला। एक तोला—भोरी।
तोड़ना	क्रि०	चेदेच, चोत थाओ, रापुद, तागाड़ नाचाड़, पेटेज, हाड़हे, गोत, हुआङ, ठोच् कान्चेड़, तामुर, हारा-हुरा, होनडोआङ, बाबाक्, छितरा-फुटाव, धाङगला-धास, हादराव, हुलेच्, टोआक्, टुडगेच् चागाड़, तीड़ाव, ओतोड़ेच्, कालेद, धासुड़, ओतोड़ पोहाङ, हेड़ो, सीत्, नाचड़ाव, पेटेच्, चाचाक्, पोसाक, रापुद, लानदुड़, धोआक। तोड़देना—टेस, हुचाक्। तोड़ने वाला—भांगानी।
तौर-तरीका	सं०	ताक-रोकोम, धेज-ढांङ।
तौल	सं०	मानी, जोनोखा, जोक। तौलना—जोक, ओजोन, सोङ, तुलाय, तुलोना, नापती, तोलाव, डीजडावाक्। तौली—डुकी। तौलनेवाला व्यक्ति—कोयाल।

थ

थकना	क्रि०	लाङगाक्, दोमेदोम, सेंकतोड़ ठेकोम, थालुक्-थापुक् तामारदाक्, तीताव, धापेड़, रेबेरेबे, थुकित, एठेर पोठोर, तुफान, थोथोत्-थोपोत्, थीरात्-थोरोत्,

		थकी हुई अवस्था—जिरलुड़, जेठेर-पेठेर, हिडगा-हाडगे ।
थप्पड़	सं०	थापा, थापड़े । जरा सा थप्पड़ मारना—चाचिच्, चेटाक्, ठायठुय । उदा: डराने के लिए उसने उस को जरा सा थप्पड़ मारा बोतोर ओचोये लागित् थोड़ाय चाचिच् केदेया ।
थपथपाना	क्रि०	थापो, सुधेत्, होरलो लो लो, थापा-थोपो । थपकी देना—थापड़े होर लो लो-लो
थरथराना	क्रि०	थार थाराव, थार-थार । थर थर—थार-थार, दाकाल-दाकाल थर-थर काँपना—टुर-टुराव ।
थर-भसाना	क्रि०	थारबासाव ।
थलथल	क्रि० वि०	भितुङ-भितुङ ।
थलर-थलर	क्रि० वि०	पेदोड़-पेदोड़ ।
थसकना	क्रि०	जीकी ।
था	पूर्णभूत काल	ताहेंकान ।
थाक	सं०	चोन्दा-पोरे (एक के उपर दुसरा)
थान	सं०	लुण्ड, थान (कपड़े का थान)
थाना	सं०	थाना ।
थानेदार	सं०	थानेल ।
थापी	सं०	साड़पा, थापी (छत पीटने की लकड़ी

थामना	क्रि०	थामाव, तेङगोक् ।
		बिना थामे—पोयोड़-मानते ।
थाली	सं०	थारी, छिपी ।
		थालपोश—दाक्-पालाक् ।
थुलथुल	वि०	लोधोर-लोधोर, लुधुर-लुधुर ।
थूक	सं०	थो ।
		थूकना—थोय, लाथाक, फूर, फेच्,
		उला, पाचाक् ।
		बीज थूकना—बुडुर ।
थूड़ना	क्रि०	लुड़गाव, हुड़गाव ।
थेथर	वि०	थेथड़ो, भेटरो ।
थैला	सं०	थाईलाक्, बेग ।
		थैली—थाईलाक्, थुली, बुगर्ली,
		थाइली, खुती, दुखड़ी ।
थोक	वि०	इस्तोक, थोक, थाक ।
		थाक लगाना—थाक ।
		थोक में—थोक रे ।
		थोक-थोक—थोक-थोक, थोक-थोक ।
थोथना	सं०	मोचोङ, थोतना, नाथू ।
थोमा	वि०	खाण्डो-बोडगाक् ।
थोपना	क्रि०	थापना, थापना-थापनी ।
थोड़ा	वि०	जिलपीत्-जिलपीत्, जेराक्, जेराक्
		उडीच्, तालाङ तुलुड़, नासे, दोरासा,
		चुलुङ, ठोक, किञचीत, टुम, टुङओक्—
		थोड़ा, ओनो, जुनुच्, निया-चुन्दी,
		नीतान, इतिच्-तुनुम ।

बहुत थोड़ा—जेनेच्, हुडू-हुडूच,
टुकीन, चारकाच्-चोरकोच्।
थोड़ा कम—हुपटीच्।
थोड़ा सा—इतिच्-तुनुम, जा-उडी,
नासेयाक, नासेनाक् ने-उडीच्।
थोड़ा होना—थोड़ाक्।
थोड़ा बहुत—थोड़ा-बुडुत, जाउडीच्।
थोड़ा जोड़ना—तोके।
थोड़ा अन्दर प्रवेश करना—तोके।
थोड़ा भींगा हुआ—सीरपिटिआक्।
थोड़ा स्पर्श होना—ओंहोंत, जाक्।
थोड़ा सा बढ़ना—तेरेत्।
थोड़ा सा कूटना—ठेकरा।
थोड़ा सा बन्द करना—लाड़ोप्।
थोड़ा समय—दुपका।
थोड़ासमयतक—घाड़िक।
थोड़े समय के बाद—धुड़ी-टेक।
थोड़ा लेना—लाटाप्।
थोड़ा खाना—लाड़ाप्।
थोड़ा भोजन उठाना—लाडाप्।
थोड़ा-थोड़ा—नासे-नासे आँक-आँक,
जाव-जावते, डुच्-डुच्, टुकू-टुकू,
चाराच्-चुरूच् एनका-एनका।
थोड़ा-थोड़ा (चरना)—रीचाप्-
राचाप्।
थोड़ा-थोड़ा होना—रीचाङ-पीचाङ।
थोड़ी देर—टुङ-घाड़ी, आभेड़।

द

दंगा सं० दाङगा।
दंगा फसाद होना—दाङगा।

दृश्य	सं०	दारसान, दीखीत । सूर्य का बादल में छिपने का मनोरम दृश्य—हाँसी-डुबा ।
दृष्टान्त	सं०	फेन, तुलाव-फेन-काथा ,
दृष्टि	सं०	नोजोर । दृष्टिपात करना—नोजोर, दीखीत । दृष्टि रखना—तुहकीत । दृष्टिकोण से—लेकते । अल्प दृष्टि—गायाल-मानते । बुढ़ापा के कारण दृष्टि कमजोर पड़ना—चालसा ।
दृढ़	वि०	राअजाव, जिद, डेमचोक् डेक, खांच-डाहा, राकजाक, छातीवाला, पाटोचाक् ताजी, दोड़ह्रो, माकुल, पाटी ओड़े, पाका, हातचूटी, ढाठी, एक-रासुआ, डाटमोट, पाटकु नाँडू, हान-हान, रड़ी-जुधी, उरीच्-ताव गार डाटो, दुनदुन, जाकालो, साकता दीड़हो, कायेम, तोरकाल, जामाँड़, पोकतो, पाकता-पाकता, फारनाव दृढ़ता—जाँक । दृढ़ता पूर्वक—हान-हान, नेतेत्-मोकोड़, छालका-छालकी हाबहावाव, हाताम-हुतुम, मित्-मुरूकते, खापा-खाप, दामचा-राचाक्, दाकाड़ दाकाड़ तीरीत्लेका, तागाजा, पाड़नी, जीगीर दोगार,-दागार, उमार, सामार घाड़घाकाव, छामाक, छामाक, उसारा उसारा, एन्दबेन्द, ड़ाहोत् डानडुङ, जाकालो टान-टानाव चुतुच्-भुटुच् टाक, जीवीड़-जीवीड़, दालाक्-मालाक्

डेकलेका, जाकीर, हादुम-पादुम, मरूक, रागड़ा-रागड़ी राट-राट, सेनेदेभेर, सीन्दी-मीन्दी, हिडिच्-डापिच् छामाक-मानते, सुन्दुर-गासुच् उदुड़-धुपुड़, उगुर-सुण्डुच्, जामाँड़, दीड़ामुण्ड, मारमार, साटाक्-साटाक् लाय-लाय।

दृढ़ता पूर्वक होना — हाक्-हाक् हिडिच्-डिकीड़।

दृढ़ता पूर्वक काम करना—दिरकाल पारकाल, हुच् मानते,हाक् हाटिञ।

दृढ़ता पूर्वक कहना—हुकँ।

दृढ़ता पूर्वक चलना—दीगीर-दीगीर, हानहानाव हतमा-हुतमा।

दृढ़ता पूर्वक झगड़ना—रोगड़ा-रूगड़ी।

दृढ़ता पूर्वक जाना—दामाङ दामाङ

दृढ़ता पूर्वक पकड़ना—रूच्-रूच्।

दृढ़ता पूर्वक मांगना—रोगोत्-रोगोत्।

दृढ़ता पूर्वक खड़ा हुआ-रूदरूदू

दृढ़ता पूर्वक बना हुआ—दोड़सो।

दृढ़ करना—टानकाव, उरीच्, गादाव, टाहराव।

दृढ़ होना—टाका, पाटक्, नाँडू, जाँक, पाटीओड़, रोपाय, राक-जाक, हेंटम्बर, जिद, तावगार, दीड़हो जाकालो, साकता, पोकतो, पाकता-पाकता, दीड़ (यह शब्द केवल मन्त्रों में प्रयोग किया जाता है)

दृढ़ संकल्प—नेतेत्-मोकोड़।

दृढ़ संकल्पी—आटवारा।

द्रव्य	सं०	दोरोब ।
		द्रवित—कासताव ।
		किसी धातु का द्रवित होना—ले, छेर
द्रोही	वि०	हारआनिया ।
द्वापर	सं०	दोपार ।
द्वार	सं०	लुटी, दुआर ।
		द्वारपाल—दारवान ।
द्वारा	परसर्ग	ते, होतेते ।
		द्वारा होना—बुसा ।
द्विगुना	वि०	गुन ।
द्विविधा	क्रि०	आवखाव धुंक-पुक, बारमोन ।
		द्विविधा में पड़ना—दिगधा, दीगीच्, धुकपुक, दीगा दिगी ।
		काम करते-करते मैं द्रविधा में पड़ गया—कामी, तेञ आवखाव एना ।
द्विप	सं०	दीप ।
द्वेष	सं०	खोनोस, सोपोलोङ, हिङसा, डाह, हिसका, हिसका-हिसकी, डाहोक, हिसका-हुलुङ ।
		द्वेष करना—हिसका ।
		द्वेष रखना—हिपीसका ।
		आपस में द्वेष रखना—हिसका-हिसकी ।
		परस्पर द्वेष होना—सुई सागाक् ।
दखल	सं०	दोखोल, कोबोल, हातियाव ।
		दखल देते हुए—बाटाक् मानते ।

दण्ड सं० सेंक, साजाय, पोय, डाण्ड़ोम, इलाज, सोराद, हाला-हाली।
दण्ड देना—साजाय, ताङ गराव, सेंक, इलाज, डाटा डाटी, लेटवाक्, सोराद, डुण्डी, बाचा।
दण्ड मिलना—लेटरोक्।
दण्डवत—दाण्डबात।
दण्डवत करना—डोण्डबोत, नियाड़।

दतवन सं० दातावनी।
दतवन करना—दातावनीक्।

दन्तकीट सं रेङगोत्।

दफतर सं० आमाली।

दफादार सं० धापादार।

दबाना क्रि० सेरेत्, हारा-लातार, लानदू, तोलोच्, रिकुप्, जाय-बेजाय, होत, गोपाव, ठोकराव, गाडियाव, मोसो-कुसी थाक-दामान, लोटोम, छिपाव, छापाव, ओको, ढोमबोक्, लेन, रीडेत्, ओता, आइढाव, गोई, आँट-कुचील, आँट, पोचपोचाव, साड़गोम, ओता, दाबाव हेंट दाबड़ा-दाबड़ी, दापोड़-माङगाल, दाबड़ी, जामजाक्, झुर, तेपेन, तेन, आस-पास, आकताव, आलदोम जाँत, धास-माण्डाव, धाट-धाटाव, धासा-माण्ड, धासोर, धोप, एकटे-टोड़े, जोर-जुलुम, दावकाव, गाञजाव, दावराती, दुर-दुर, दुरुमदाय, ढाकाब, किलाप, हापचाव,

अँगुठों से दबाना—लीन, कासाव, जोलाव ।
गलादबाना—लिम्बात् ।
दबा देना—जाली-माराव, आँड़गोय, गाब, तेपेन ।
दबा कर रखना—तेन ।
दबा हुआ—ठुबे, जाबड़ी, तेनेन, लाटकीच्, जाबुन, खायपोक् ।
दबना—तीन-भोवोन, दाबड़ाव, खायपोक्, तेन, साटना लाटकिच्, सिटनाक्, जेर, जाबुन, दाबड़े, बाजड़ा-बाजड़ी ठेकोम, कुटेत् ।
दब जाना—घास-माण्डाक, जाड़ियाव, साटीआब, एचे-पेचे, तेन, हान्ज-लुक् ।
दबाने वाला यन्त्र—साटना ।
दबी हुई आवाज—खिया-खोयो ।

दम्पती सं० तीरी-पुरूस ।

दम्भी वि० गाल-काटुवा, डाकडाका, दुपीठीया झोण्डकोपोट ।
दम्भ पूर्वक कहना—जेठो ।
दम्भपूर्ण वार्ता—गाल-काटुवा ।

दम्भा सं० धोंक दामा ।
दम्भा रोग—दामा, कांस रोग, हापसी-दुक,

दमन सं० दोबोन, डानटाव, कोबोज ।
दमन करना—दोबोन, कोबोज, डानटाव, कोबजाव ।

दम सं० दोम ।

दम-घुटना—हँसरा-हिसरी, सेङगेत्, हांय-फोंय, सोकोरदम, सेंक-तोड़, उपोर-दोम ।
दम घुटते हुए—सेंकतोड़ ।
दम भरना—दोम-फुलाव ।

दमड़ी सं० दामबड़ी, चिदाम ।
उदा:-आजकल एक दमड़ी में कुछ नहीं मिलता है—नेतार दो मित् चिदाम ते चेत् हों बाङ आमोक काना ।

दया सं० आरूद, मायाँ, दाया, माया ।
दया करना—दाया, माया सीर टाटाव, जेब-दोहो, सुसटोन ।
दया दिखाना—जेब दोहो, सोसतोप ।
दया रहित—कुरमुताहा, इटोच्-पोटोच् ।
दयालु—सुसटोन, मायाँ, दायाबान, दायावानिच्, दायाक्—इच् घीमा ।
दयालुता के साथ—दाया-दायाते, दायाबाते ।

दर्जन सं० दोरजोन ।

दर्जी सं० दारजी ।

दर्द सं० हानोसा, हासो, जोलोन, बेदोन, हानास, दोरोद ।
दर्द होना—हासो, जोलोन, रापुत्-रोचोत्, हानास, हानोसा दारमोच्, आँवटा-आँवटी, दोरमोज ।
चुभने वाली दर्द—बुट्उन-बुट्उन ।
तेज दर्द—पेड़ेन-पेड़ेन, उठुल-उठुल ।

दर्दपूर्वक—इटोच्-पोटोच् ।
जलजलाने का दर्द—चाड़चाड़ाओ ।

दर्पण	सं०	आरसी, आयना ।
दर्शन	सं०	दोरसोन, दोरोसोन, दर्शन होना—दोरोसोन, दोरसोन । दर्शन करना—दोरसोन, हीरी ।
दर	सं०	दोर, दोर-दाम ।
दरखास्त	सं०	आरजी, दोरकास, आजीज ।
दरबार	सं०	दोरबार । दरबारी—दोरबारिया ।
दरवाजा	सं०	दुआर, सीलपिञ, कावाड़ । दरवाजा बनाना—सीलपिञ । बाहर दरवाजा—बारो दुआर । दरवाजा जो आँगन के तरफ हो—छाटका-दुआर । दरवाजे को थोड़ा खोलना—लाडाक् । पिछवाड़े का दरवाजा—गुली-दुआर । दरवाजे की सिकड़ी—भुरनी ।
दरवान	सं०	दारवान ।
दरार	सं०	खाजज, फोडके, खाप, पाड़ाक्-भूगाक्, पाड़ाक् । दरार पड़ना—ओटओटो, खाजज, खाप, दोन्दोरपाक्, सोट-कोयाक् गान्डराव, धीरो-धोरो, दार-दाराव, धीरोत्-धोरोत्, धीरो-रोपोत् दोपाट, दारपोट, हिडो-होडो । दरार बनना-खिडली ।

		काठ की दरार—खिडली ।
		मिट्टी के बर्तन में दरार पड़ना—सीकबार ।
दरिद्र	वि०	जाटाल-फोटाल, तेबेलगात्, आसारथी, टोकरा, लेअजेर, रेङगेच्, रेङगेच्-ओरेच, ठोय-ठोयाव, ढान-ढानिया, सोच्-बोदरोच्, काङगाल ।
		अति दरिद्र—ठेअजलाङ, आखाङ-एभेर, हेराङेर-पेटेर, हेण्डेर-पोटोर ।
		अति दरिद्र अवस्था में—हायभात ।
		अत्यन्त दरिद्र—पाटपाट ।
		दरिद्र होना—रेङगेजोक्, हाय-भात, ढाण्डकाव, गादरोच् ।
दरिया	सं०	दारयाँव ।
		दरियाई घोड़ा—दाक् सादोम ।
दरी	सं०	दारी ।
दल	सं०	जोग, दोल, दोङगोल, तोरोप, तुरफी ।
		दल में होना—दोल, जोग, थोल, तुरफी ।
		दल के दल—दोल के दोल ।
		बिना बुलाये किसी दल में शामिल होना—लुठु ।
		झुण्ड में एकत्र होना—थोल ।
		दल विशेष में होना—तोरोप ।
दलदल	वि०	जारही, दालाही, गोई, दोला, थाला थाल-थाल, दालहा, बालगादा, जुमी, दोल-दोलिया, सेरे-सेरे, बुगुर-बुगुर इगोर-बोगोर, गाबास-गुबुस ।

		दलदल होना—थाल-थाल, थाल-थालाव ।
		दलदल में रहने वाला जोंक—जारही जोंक ।
दलहन	सं०	दाल ।
		एक प्रकार का दाल—तिरी-रोती, आलपालवा ।
दलान	सं०	दोलान ।
दलाल	सं०	चाटिदार, गारकाटा ।
		दलाली करना—गारकाटा ।
दलित	वि०	निनधान, पातीत ।
दवा	सं०	रान ।
		दवा पानी—रान-दाक् ।
		दवाखाना—रान-ओड़ाक् ।
		दवाई—रान, रान-मुरगाव, मुरगाव ।
		दवाई करना—रान, मुरगान ।
		दवाई का लेप लगाना—गोबराव ।
		दवाई जानने वाला गुरू—गान्डो-गुरू ।
		दवा की छोटी गोली—बुड़ी ।
दवात	सं०	दोआत ।
दशा	सं०	दोसा, ओबोस्ता ।
दस्त	सं०	फेच, पुयुल, चोडीर ।
		पतला दस्त करना—छेर-छेराव, चोडीर ।
दस्तखत	सं०	दोस्तोखोत ।

दस्ता	सं०	बांट ।
दस्तूर	सं०	चोला, दास्तूर, दुस्तुर । दस्तूरी—दुसतूरी, चूनका, दास्तूर ।
दस	संख्यावाचक	गेल, दोस । दसवां—आरे-तायोमिच् । दस हजार—ओजुत । दस-दस—गेगेल । दस-दस की इकाई—गेगेल ।
दह	सं०	आधोरनी । दह स्थान में पानी नहीं सूखता है—आधोरनी जायगा रे दो दाक् बाङ आजजेदोकुआ ।
दहलना	क्रि०	दिलदिलाव, दुहलाव, दाहलाव, दोलकाव । दहलाना—दोलकाव, दोहलाव ।
दही	सं०	दाहे, दही जमाना—दाहे । दही जमना—दाहे, गिजड़ी । दही मथना—घोर ।
दक्ष	वि०	गाखुड़, लिण्डार, खाराकाहा, एतोम, एतो, हेरेड़, ओआखेप् निपुण । दक्षता प्राप्त करना—एतोक् । दक्षता—ओआखेप् । दक्ष होना—हेरेड़, लिण्डार ।
दक्षिणा	सं०	दाखीन । दक्षिणा (मन्त्र सीखने का)—बुन्दा । दक्षिणापात—दाखीनपोत ।

दाखिल	सं०	दाखील, आदेर, खाड़ । दाखिल करना—दाखील ।
दाग	सं०	चिन, चिन्हा, टीकला, गोताक्, दाग, गाब, चिखना दाग लगा हुआ—इनेडोर-गोन्डोर, बान्दरा, रोगदो । दाग पड़ना—डाण्डा । दाग लगना—गाबाव । ओंठों या गालों में काला दाग लगाने की प्रक्रिया—गोताक् । दाग लगाना—बान्दरा, ओदो-बोदो । दागना—छाबा । अर्द्ध चन्द्राकार दाग—कानधायला । दागी—दागी ।
दाँत	सं०	दाँत डाटा, दातीया । दाँत दिखाते हुए—इसीड़-इसीड़, इसीड़ । दाँत दिखाना—इसीड़ । दाँत किटकिटाना—तोगोच्-डाटा, तोगोम-मोगोच्, मेटरेच्-मेंटरेच् । दाँत काटना—तोगोच् । दाँत की एक बीमारी—सोनपात । दाँत पीसना—तोगोच डाटाय, तोगोच्-मोगोच् । दाँत पीसते हुए—तोगोच-मोगोच्-तोगोच डाटा काते, इसीड़ । दाँत निकला हुआ होना—सोटा, सीटकोच्, रेगेरेगे ,

दाँत टूटा हुआ होना—**फोगड़ा फोफो** ।
दाँत का कीड़ा—**रेङगोत्** ।
दाँत से काट कर खाना—**हामबुड़** ।
दाँत से खुरच कर नष्ट करना—**हामबुड़** ।

दाता	सं०	दाता, एमोकूइच् ।
दाद	सं०	**दाद** । दाद होना—**दाद** ।
दादा	सं०	दा, गोड़ोम, गोड़ोमबाबा, ताता, जिया । दादा और नाती-पोता—**आजा-नाती** । दादी—**गोड़ोम, गोड़ोम-आयो, जिया, बुडी, बुडी,-आयो** दादी सास—**हेड़े जोआत** । दादी पोता—**जियाया** । दादी हक (जो पोती की शादी में दादी को मिलता है)—**जिया-इतात्** । उसकी दादी—**जियात** ।
दान	सं०	दान । दान देना—**दान, दान-पुन** । दान करना—**दान-पुन** । दान में मिला हुआ—**दानते** । दान पुण्य—**दानपुन** ।
दानव	सं०	बिरबाण्टा ।
दाना	स०	दाना, आगड़ा । दाना सहित अनाज—**आगड़ा** ।

		दाना निकला हुआ—ढाम्पा-ढेम्पो ।
		दाना-पानी—दाना-पानी ।
दानी	वि०	दिवाइया, दानी, एमोक्इच् ।
दाम	सं०	दाम, दामकाय, दोरदाम ।
		दाम देना—दाम-काम ।
		दाम निश्चित करना—दाम-दुड़ी ।
		एक ही दाम में—गोड़-पोड़ता ।
		दाम चुकाना—दाब दाबिया ।
दामाद	सं०	जांवाँय, जाँवाँय-गोमके ।
		दामाद होना—जाँवाँय ।
दामी	वि०	चोड़ ।
दामोदर-नदी	सं०	नाय ।
दायर	सं०	दायेर ।
दायित्व	सं०	भार ।
दारु	सं०	दारु, पाउरा ।
दारोगा	सं०	दोरोगा ।
दाल	सं०	दाल ।
		दाल करना—दाल ।
		दाल पकाना—दाल-उतुय ।
		कच्चा फल की दाल—भाती ।
		दाल घोंटना—घुटनी ।
		दाल चीनी—दार-चीनी ।
दावा	सं०	आपोंती, दादखाय, आफोती, हिके, दाबी, दावा ।
		दावा करना—आपोती आफोती, हिके, दादखाय दाबी, आवदा,

		तानाजा, दुबदुबी, दावा, डाय-डाय
		बाधका ।
		दावा होना—दावा ।
		दावे के साथ माँगना—दादका ।
		दावेदार—ओबारीस, तागोजदार ।
		दावेदार, घातकाहा ।
दास	सं०	गुती ।
		दास बनाना—गुती ।
		दास-दासी-गुती-काड़मी, दास-दासी
		दासी—काड़मी, गोलामीनी, दासी ।
दाह-कर्म	सं०	डाहोन ।
		दाह संस्कार करना—रापाक् ।
दाहा	सं०	दाहा ।
दाहीना	सं०	एतोम ।
		दाहिने तरफ—एतोम, जोजोम ती-
		सेच् ।
		दाहिनी तरफ छोड़ देना—दाही,
		नात ।
		दाहिना हाथ—आगदाहिनी ।
दाढ़ी	सं०	गोचो, भागुम-सागुम ।
		दाढ़ी होना—गोचोक् ।
		दाढ़ी मुड़ाना—मेनदोड़आङ ।
		दाढ़ी वाला—गोदरोक् ।
		दाढ़ी बनाना—होयो ।
		घनी दाढ़ी—सोदरो ।
		बिना दाढ़ी का—मुनदोड़आङ,
		माँयड़ें ।
		लम्बी और कड़ी दाढ़ी—सोदरो ।

दिक		सं०		दीक ।

दिखाना		क्रि०		ञेलोगोक् ।
कम दिखना—दाराक्-दोरोक् ।
दिखलाना—उदुक् ।
दिखाना—हादेर, उदुक्, दारसाव, ञेल-ओचो, उयुक्, लालाक, हानहानी
अकड़-दिखाना—हातमा-हुतमा ।
अपने को दिखाना (लड़की)—बिडिचं
दिखाई देना—पुटाक्, उपेल, ञेलोक्, राकाप् ।
एक पलक दिखाई देना—होयाप ।
धुंधल दिखाई देने वाला—पेरला, पेलका ।
धुंधला दिखाई देना—पेरला ।
दिखावा—लीला, चामकालाक् ।
दिखावा होना—लालाक ।
उदा:—लोगों के सम्मुख दिखावे के लिए मत खड़े रहो—चामकालागोक् लागित् होड़ सामाङ रे आलोम लेङगो कोक्आ ।
दिखावटी—हाट-लाहेर आलाक-आलाक, गोयन्डा-मेटाव, झील-झोल, ञेमुपेल-उमूल, बोहोल-बोहोल ।
दिखावटी आँसू—सोहोरिया-राक् ।
दिखावटीपन—इँगुल ।

दिन		सं०		माहा, सीञ, दिन, माँहाँ, हिलोक्, पारेआड़, सीञमारसाल, आमदानी ।
दिन भर—दीनमान, दीनभोर, चो-पोहोर, दिन टाक्रे बेला-बेला ।
दिन निकलना—बेर-राकाप् ।

दिन निश्चित करना—नेण्डा गिरा बारते।

दिन पर दिन—दिन के दिन।

दिन-गुजारना—दिन गुजार, दिन-काटाव, दिन-टानाव

दिन-रात—सीञ-ञीन्दा, सीञ-साटुप् दिने-राते।

दिन के सदृश—दिन-मापीक, सीञ-लेका।

दिन होना—सीञमारसालोक्, सीञ।

दो दिन—बार-सीञ।

दिन का समय—लालाय।

किसी दिन—दीना, दिनेच्, दिनोक्, जाँहाँ-तीस।

कुछ दिन—मुरसीञ-वारसिञ।

उस दिन—एन-हिलोक्।

उसी दिर—एन-हिलोक्, इन-इन।

उपवास का दिन—बार।

ज्येष्ठ महीना का कोई दिन—डाह।

गर्मी का दिन—दुड़ुप् दिन, सेतोङ-दिन, लोलो-दिन।

विश्राम का दिन—जिराप्-दिन, दुडुप्-दिन।

कुछ दिन हुए—एन-बेतार।

दिनाय	सं०	ठीकारी।
दिमाग	सं०	हाताङ, बोहोक।
दियारा	सं०	दीयाड़ा।
दियासलाई	स०	दियासालाय।

दिल	सं०	हिया, छाती । दिल का दर्द—मोन-हासो । दिलवाला—दिलान ।
दिलासा	सं०	आस । दिलासा देना—आस-भरोसा ।
दिशा	सं०	पाहटा, कोन्ड, नाखा, दीग, मूँहाँड़, फोहोट, झाकिया, तोरोप । दिशा होना—कोन्ड । एक ही दिशा में—बाहका-बाहकी । उस दिशा को—नोतेतेन, नाहातेते । किसी दिशा में—ओका-टोटा, ओका-उतार, ओकादारा ।
दीदी	सम्बोधन	आजीया, दाय, दीदी । मेरी दीदी है—इज आजीया कानाय
दीन-ए-इलाही	सं०	दिन ।
दीन-दुखी,	वि०	गुनी-गुरीब, दुखीकाङगाल, रेङगेच्-नाचार ।
दीमक	सं०	उपी, भुसका, ओन्दोर, भूकू, दीमक लगना—ओन्दोर । एक प्रकार की दीमक—बुरगी-भूकू ।
दीया	सं०	माली, दिवहे । दीया जलाना—दिवहे । दीयादान—दियाड़ा ।
दीर्घशंका	सं०	इच्, इच्-कुण्ड, नाराक, पाइखाना, ओत-बाहा, जिजा, नोरोक, डाण्डीते । दीर्घशंका करना—जिजा, इच्-ओको इच् । दीर्घ कालिक—गाहड़ी ।

दीवार	सं०	काँत, भीत । दीवार बनाना—(मिट्टी का)–काँत । दीवार उठाना—काँत-राकाप् । दीवार पर दरार पड़ना—ओड-ओडो ।
दुअन्नी	सं०	दूअन्नी, बार-आना ।
दुकान	सं०	गादी, दोकान । दुकान खोलना—दोकान । दुकानदार—हाटबेक, दोकानदार, दोकनिया, दोकानी, बाकाल, आकरिञइच् । दुकानदारी करना—दोकानी, दोकान-दारी ।
दुख	सं०	एतेल-गेञजेल, बाब, बातास, दान्दो, आफोद, गारा, दुक, भाबना, पोसतानी, भाबना, पोसताव, जोञ नाल, दुसको, हादोस, मार-मुँहीन, सासेत, साताप, खोन्डो, हिञजराव हिरदानी, हारखेत, थीक, आनदे-साले पोझात, गाझेत, जीवी-लो, काण्डो, कोचलोण्ड, झोञजाट, बेदोन, जाला । दुख और पीड़ा—हाँस-हानास, दुक-दुकास । दुखदायी—इकिल-सीकिल, आनसा । दुख देना—इकिल-सीकिल, दाँगो-धान, सानताव, कन्दाव हेवेत्, हेड़ोक्-हेड़ोक्, कोचलोन्ड, तीता-तीतों, इलीब-सिकीब, हुजात, तीन-भोबोन, तीन-तुफान । दुख देने वाला—हालकाप हारखेतीय।

दुख देते हुए—हेड़ोक-हेड़ोक् ।
दुख होना—सासेत, दोगो-बाञज, सासाप, हुचाक्, जाय-बेजाय, एड़सेञ-बाड़सेञ, गारसा-गाले, जालाक्-दुसको, खोन्डो, हारखेत, पाझेत, हायदान्दी, हायहिया लिञ, जिड़माक, एतेल-गेञजेल, हालुवा-हारोन ।
दुख लगना—आरजान, झोञजाट ।
उदा :-इस बात से उसे दु ख लगा—नोवा काथाते आरजान केदे लेका आयकाव केदा ।
दुख प्रकट करना—उह, इस-इस, हायसोय, हायरे, जारे-जारे ।
दुख पहुँचाना—खिदोर, दीकदीकाव, जोलाव दुरूमदाय ।
दुख पूर्वक—ओरोनकोस्टो, साने-गुमाने ।
दुख उठाना—दुक ।
दुख दायक—बातोल ।
दुख-दुख—दुकसुक ।
दुख चिन्ता—जाला-जोञजाल ।
दुख में पड़ना—गार, झीका-झोको, कातोर ताराक, बिराक् ।
दुखित—हेमेंड़मेयोंक्, तीत, मोमोयोत्। गार, जिरलुङ सुन्दुर-गासुच्, मोरलाङ-मिरलिङ, दुखी-दापाल, जाले-थाले, काचार, दुखाली, मुलिन, जिड़माक् झोञजाट ।
दुखित करना—दीक-दीकाव ।
दुखित होना—उदास, हालसो, जारे-जारे, समेच्-गालेच्, डालाङ्डुलुङ, रूञ-पुठुच्, साराग-पाताले, जिरलुङ

कासोला, ओलोत्र-हेमेंड़मेयोंक्, मेहनाब,
जोलाव, दीकी-आव, हेहेलो, क,
हिअजराव, जीपुत्, कासता-कासती,
दान्दी, मोच्-मोच्, धीक, हादोस,
आनदे-साले, हेवेत्, हायरे-हाय,
हाय-दान्दी, पोसताव, पोसतानी,
हाय-हाय-हाय-चोक्, खिदोर,
कासतानी।
अति दुखित—हेमेच्-गालेच्, साराग-
पाताले।
दुखित होकर—जाले-थाले।
दुखड़ा सुनाना—हार-गुहार।
दुखी—गार-कुगार, आनदुक्-चानदुक्,
काङगलाहा, कुगार, हायदान्दी,
जाय-बेजाय, मिरलुङमोमोमोच्,
मोच्-मोच्, गार-सुसार, तोरलात।

दुत्कार — सं० — बेमानोत।
दुतकारना—धुरधुर।

दूत — सं० — गोडेत।

दुधारू (गाय, भैंस) — वि० — दुधाली, रोसकार।
दुधारु (एक सब्जी का नाम—दुधारी)

दुधिया — सं० — जावान, पोन्ड।
दुधिया नाग साँप—दुधिया-आयाङ।

दुधी (लतर) — सं० — उतरी-लतर।

दुनिया — सं० — दुनिया, धारती।

दुबला — वि० — रोहोड़, चोयटा, जोलपा, चिरमिटाहा,
राबेयात् रेङटा, जाकनाच्-जुकनुच्,
रोवेया, झोड़ेया, काबनाच्-कुबनुच्।

दुबला-लम्बा—सोहेला, सोडनगा, टोअचा, काङकाङ, सोयला ।
दुबला नाटा—टेटका ।
दुबला और बड़ा पेट वाला—रोबेया ।
दुबला-पतला—राबेयात्, चाइता चोइता, रेङटा, रोबेया, खेंङका, डाबुआ, चोरेया, जाकनाच्-जुकनुच् झुनकी, झोंड़ेया, डेडेवेत् डेरेत्-डेपेत्, हाडे-हाड, हाडगेच्, डोयधोत्, काबनाच्, कुबनुच्, जालधा, ढेड़े-ढेपे, दोमाढापे, रोहड़ा, खाडेया, हायला-हुयला, केकेड़-चाङ, जोपो, हाडगार, काड़जा, काकाड़चाङ, चाभोड़िया, जोंकड़ें, राहोड़, जेडेर ।
दुबला-पतला लम्बा—सोयला-बोयला ।
दुबला-पतला शरीर होना—ढेड़े-ढेपे
दुबली पतली—रुहड़ी,चामटा-चामटी

दुबारा	वि०	दोबड़ा-दुबड़ी । दुबारा करना—दोबड़ा-दुबड़ी । दोदो बार—दोबड़ा-दुबड़ी ।
दुमका	सं०	दुमका (संताल परगना जिले का प्रधान कार्यालय का नाम)
दुम	सं०	चाण्डबोल । दुम दबाना—गापुच् ।
दुमुहा	वि०	दुमुखिया ।
दुर्ग	सं०	मुरचा, किला ।
दुर्गन्ध	वि०	धाँड़ाँ-धोंड़ी, मारात, आँयसाहा । दुर्गन्धित—आँस ।

		दुर्गन्धयुक्त—आहना-आहनी, गुभा बाक-बाक, सीड़िच्-सीड़िच् । उदा—यह मांस का दुर्गन्ध कर रहा है—नोवा जेल आहना-आहनी सोक् काना । इससे दुर्गन्ध निकल रहा है नोवा दो आँय साहा सोक् काना । यह माँस बहुत दुर्गन्ध दे रहा है—नोवा जेल दो आडी आस सोक् काना । दुर्गन्ध होना—सीड़िच् । दुर्गन्ध युक्त—पोल-पोल ।
दुर्गा	सं०	सीज-बाहनी । दुर्गापूजा—दीबी, दासाँय । दुर्गा स्थान—ठाकुर-बाड़ी । दुर्गा देवी की मूर्ती—ठाकारान । दुर्गामाता—दुरगा ।
दुर्घटना	सं०	कान्डो, दाया, बाचोक, ताल, हुयाँ खोन्डो, उधुर, उपतान, खेम, घोटना आफोद, दाब, दोब, दोनखेन दुर्घटना होना—घोटना, कान्डो, दाबते, दाब, दोब, दोरादागा, दुरदोसा । दुर्घटना घटित होना—खोन्डो । दुर्घटना ग्रस्त होना—जारखार ।
दुर्दशा	सं०	दोब-दोसा, दुरदोसा ।
दुर्बल	वि०	बोरोच्-डोडोच्, फाकार-फकुर, आबोल, आनडराच् ओनडरोच्, जाड़बाङ, ढोपेया, लाड़बुड़िया, ढापे-

आत्, ढोपसा, ढार-ढोसाहा, पोस-काहा, बेतासिल, फुसफुसिया, बेटकेच्, पोचला, रुहुड़-रुपुङ, रोजझो, रियाङ-रापाङ, रीमका-टामके, रापा-रोपो, रापाङ-रुपुङ, राममा-रोमभो, मोरेया, मोसड़ा, मारयात्, राकड़िच् मोरगोत, मोरधा, मारूबा, लेटपीटिया, लाराहा, लाटलाहा, राबाझाला, रायात्-रायात, राहडाच्, सीप-सीपीया, सीबीज-सीबीज, रुथुयुत्, जेबड़े, दुबला-दुबली, आदका-पोलिया। जापुवा, जाड़बुङ-ओसोक्, हाटया, हाडगेंड़ाय, हाड़बुङ, हाडुवा, सोतगोत्, सोहना, रोमधो, रोमपोड़, रोमझो रोयदा, रेङघा, डोलाव, ढीपा-ढोपे, थोरियो, जूरूच् एकहारा आय, उतुत्-तुमबुत्, खिकड़ी, डायबुङ, टोरेया, ठाटरा, जुराजोद, जाकान-जुकुन, रूङकू-जुडुङ तोरलात, लेड़ोलिया, रेहें-निजोर, जोपसो, जापाङ-जुपुङ, निरबुली, केडमेर, पोसका, शेन्जोड़, सीटका, लेटवेत्, बेच्-बेड-रेच्, जोकड़े, पोचा, पोदरा, जालपा, रिटिड़-हीच्, जोममो, काँयुड़, राङ-गाप्, चारेया-चोरेया, लेटरोक्, मोरा, जारगे, राताङ, लाबडुक्, खोखयो, हेण्डेर-पेटेर, थुलक-थुलुड़ तेवेलगात्, तुकुप, ठेरा, होड़मो-आलगाव।

दुर्बल (सजीव)—तातीआहा।

दुर्बल (औरत)—चान्दरी।

दुर्बल और बड़ा पेटवाली,—रूबनी ।
दुर्बल होना—नानहा, सुखात, रूङक्
जुडूङ, लाटाव, टापाच्-टुपुच्, थुलुक
थकुड़, हेराडेर-पेटेर, लावडुक् तोल-
मोच्, रितिड़हीच्, झुलाव, ओसभाव टोरे-
या, ठाटरा, धान्दरी, जोद, उतुत्, तुमबुत्
थोरियो, ढोपा-ढोपो, रेङधा, रेहें,
रोमझो, रोमपोड़, रोमधो हाड़बुङ
जाड़बुङ, हाडगेंड़ाय, ओसोक् जापुवा
जेबड़ें रोजझो, जोपो, दुबला-दुबली
रूपुयुत्, राहडाच् रायात्-रायात्
लाटलाहा, लेटपीटिया, रियाङ-रापाङ,
टुटाव, जारा, दुबलाव जुलुङ, रूकडुङ,
रावजाव, हीड़-हीड़, टोलाव, लाहराव,
जाड़बाङ, ओधराव, तीरूज-झेत्,
जोरपोच्, ढाढरा डोबेया ।
दुर्बलता—ढाढरा ।
दुर्बलता होना—हापसाव ।
दुर्बलतापूर्वक—जापाङ-जुपुङ ।
अति दुर्बल—डोबेया ।
बहुत दुर्बल—टापाच्-टुपुच् ।
अत्यन्त दुर्बल—हेण्डेत्-ठेपेत् ।
अत्यन्त दुर्बल होना—हेण्डेत्-थेपेत्
दुर्बल लगना—रीबोच्-रोबोंच् ।

दुर्भाग्य सं० दागा, खान्डो, गारा उपतान, ताल,
दुरदासा ।
दुर्भाग्य वश—कालभाग, झाँवसा-
झाँवसी ।
दुर्भाग्य नष्ट होना—ओल-सीत्-आटेत-
सीत् ।

दुर्भिक्ष सं० दोरलौय ।

दुर्व्यवहार वि० गाजजोन, कोचलान्ड ।

दुरबीन सं० दुरबीन ।

दुराग्रही वि० हुठू, हुटँ, हुरमुट, झीकी ।

दुराचार सं० छुत, मुकुट ।
दुराचारी—देड़हेड़, चुदि ।
दुराचारी होना—बावहा-बावही ।

दुरूस्त वि० दुरुस ।
दुरूस्त करना—दुरुस ।

दुल्हा सं० जाँवाँय ।

दुलकी-चाल वि० कोनडोङ ।
दुलकी चाल चलना—कोनडोङ कोनडोङ ।

दुलार सं० दुलाड़ ।
दुलार करना—दुलाड़ ।
अति दुलार करना—चुक्-चुक् ।
दुलरुआ—दुलाड़िया ।
दुलारी—दुलाड़ी ।

दुश्मन वि० भोदोई भाइफूट, दुसमान ।

दुशाला सं० साल ।
दुशाला का कपड़ा—साल-किचरिच् ।

दुष्ट वि० पीनडुवा, ढाडनासिया, हेजलेच् धुराहा, बुरा, छेछोड़, छेछड़, दागा-बाज, हाडचीबा, जेखेनडेत्, पाचीस्ता हाडराप, साराङगार, गादतु, धुरबाज, चोरपोट, चुदि, जोरपोच्, बाडिच्, राडाहा, तेनदोड, छाट-

पाटिया, पापमारा, सुईपाक्, रोगा, कोर-कोंस जेरकेमारा, दुष्टो, नेप-ड़ान, सुईपीच् आछाक, हारूआनिया, भाँड़, पाटीबाज, हिसालिया, हारमाद हलकाप, हेङ्गला, भांगोड़, भाण्ड भाताहा, निभूखा-राम, आड़ीन, गाण्डी, डिगुआर, दुराहा, ञोन्ञेलीच्, बोरजात, दुष्टामी, डीठाँव, छाय, झालबाज, फासियारा, हाहीदुढ़ी।

दुष्टता—दागा, आधारोन, बोर-जाति, दुष्टामी, दागाबाजी।

दुष्ट और नीच—हागाल-गाण्डिया।

दुष्टता करना—दुष्टा-दुष्टी, हारु-आनिया, हालकाप

दुष्टता व्यवहार करना—हाडराप।

दुष्ट होना—हाहीदुदी, डीठोव।

दुष्ट औरत—बाजनीया, बाफानी।

दुष्ट मनुष्य—होडबोंङ।

दुसाध	सं०	दुसाद, धुसात।
दुहना	क्रि०	होत्, दुहाव।
दूज	सं०	मोलोक्
दूत	सं०	दूत, गोडेत।
दूध	सं०	तोवा, दुद।

दूध देना—तोवा।

दूध होना—तोवा।

दूध दुहना—जिवाङ।

दूध की छाली—डाडहीत्।

दूध कटुआ—दुद काटुवा।

दूध से वंचित होना—दुद काटुवा।

दूध टघरना—पाघराव।
दूध फटना—गिजड़ी।
दूध भाई—दुद भाई (माँ एक, बाप अलग)
दूध भात—तोवा दाका।
दूध भात पकाना—तोवा-दाका इसिन।
फटा हुआ दूध—गिजड़ी।

दूब-घास	सं०	धुब्री घाँस, धुब्री-तासाक्, दुब-घाँस।
दूर	क्रि० वि०	फाराक, झाल, साङगीञ।

दूर होना—हिगो-होगो, लाफाङ, दुरादुरी, होफात, साङगीञ।
दूर चला जाना—फेङकाव।
कुछ दूर तक—धुरा।
बहुत दूर—आकीलाङका, लेलेङगेत्, लाङका, जाजान
बहुत दूर में होना— लाङका।
वह बहुत दूर देश से आया हुआ है—आकीलाङका दिसोम-खोने हेच् आकाना।
दूर की टहनी—लाफाङ।
दूरी—लाफाङ, दीग, दुरानता, साङगीञ, आकीलाङका, तोफात्, जाजान।
दो स्थानों की दूरी—जाजान।
उतनी दूर—उन-धाविच्।
दूर-दूर होना—हिगो-दीगो।

दुल्हा	सं०	जांवाय-कोड़ा।

दुल्हा का साथी या संगी—लोङता।

दूषित	वि०	भोङ्ङ, भुजालभाङ, बेसिधा, थाकार-बाकार दूषित करना—खोट, लेटका, बोको-भोण्ड । दूषित होना—थाकार-बाकार, एटवे ।
दूसना	क्रि०	दुसाव, धुसाव ।
दूसरा	वि०	एटाक्, दोसार, एटागोक्, दुकाम, दोसरा । दूसरे प्रकार का—एटाक्-लेकान । दूसरे प्रकार से—एटाक्-लेकाते । दूसरी शादी करना—साङधा, छुटकी । दूसरी बार बोना—एर उभार । दूसरी पहर—बीनाङ, हानाबेला । दूसरी तरफ—एटाक्ते । दूसरी बेला—हानाबेला, साजझाली । दूसरी बार—एटाक् गारते, सानी । दूसरी स्त्री—छुटकी, हीराम । दूसरी स्त्री रखना—छुटकी, हीराम । दूसरी—पोर । दूसरा छोर—होन-पारोम । दूसरा किनारा—होन-पारोम, एन-पारोम । दूसरा होना—आराक् । दूसरा भाई—सोपतोक् । दूसरे सभी—आरार । दूसरे की माँ—एङगात । दूसरे गाँव का रहने वाला—कुरफा । दूसरों का—पोरेक, पोरेर । दूसरों को दोष देना—दुदरा-दुदरी ।
देखना	क्रि०	जेल, डाहोक, सुझाव, एहेतो, नोजोर, टोहोर, चाराओ, तुनखी, बेंगेत्,

कोयोक्, बेरा-बीरी, जिगास, आखाम-दुखाम, नोअजराव, आरित्।

देखो—इयो, आइखा (चेतावनी) दीखीया, देखेनसा (इंगित) देकियो (चेतावनी) देकजा (आदेश), दीखली।

देखो वे लोग तुम्हें मारेंगे—मेंन आइखा को दाल मेया।

परस्पर देखना—ञेपेल।

देखने वाला—ञेञेल-होड़।

देखने योग्य—दीखनोर।

देखने का मैदान—ञेञेल-टान्डी।

देखने की शक्ति—ञेञेल दाड़े।

इधर-उधर देखना—बेरलाङ बिरलिङ।

तिरछी दृष्टि से देखना—टेरा।

आँख टेढ़ा करके देखना—टेरा।

घूर-घूर कर देखना—पोरपोच्।

टकटकी लगा कर देखना—जाराल-जुरूल।

झाँक कर देखना—बाव, ओयोङ।

एक झलक देखना—चाड़िच्।

देखकर—उरला-उरली।

देख कर पाना—ञेपेल आपाम।

देख कर चुप रहना—ञेल-हापे।

देख कर पकड़ा जाना—ञेल-तियोक्।

देख लेना—साप्, ञेल-तियाक।

देखते हो—चेले।

देखते हुए—पेहलाङ पेहलाङ।

उपर की ओर देखते हुए—कोयोक्-कोयोक्।

जल्दी से इधर-उधर देखते हुए—चाउका—चाउकी।

खड़े होकर क्या देख रहे हो—जल्दी

काम करो—बिडबिडी, चेत्एम तेंगो वाकाना, कामी होद में।
बिना देखे इधर-उधर—चाहाप्-चातुर।
उदा:-बिना देखे इधर-उधर कहाँ जा रहें हो—चाहाप् चातुर, ओकातेम चालाक् काना।
देख भाल—जोगास, जोगा-साम।
देखभाल करना—उतजोग, हिपाजत, आकाड़, गुपी, ताहकीआत, टेकाव, तान-दारी, बासुत, सामबडाव, हारसामटाव, हेबाजात, उधार-सामहार, तानखी तालीक, सातारे, तुनखी, जोगासोन, जोगास, सुटुच्।
देख भाल करने वाला—साप्-दाप्।
देखभाल न करना—बेल-ढिलाव।
अच्छी तरह से देख भाल करना—रूहु-टुहु।
ठीक से देख भाल कर—काने-काने।
देखा हुआ—दास।
खड़े होकर देखते रहना—बिडबिडी।

देना क्रि० एम, बाँयहाँ, एमा, खिलि दिया, डुच्गिडी, डालाव, दिलेक (यह गीत में व्यवहार होता है)
सूद में देना—बिलात।
बाद में फिर से देना—जुरूपुटका
फिर से देना—जुरूपुटका।
दुबारा देना—जुरूपुटका।
फिर से देना—जुटिक्।
दे देना—दीनहार, गुवाव, चुकान।
देने के लिए करना—धुच-धुचाव।

देने के लिए दबाव डालना—हुच-
हुचाव ।
देनदार—दीनकिन, दिनीदार ।

देर | सं० | बिलोम ।
देर करना—गाहड़ी, जेड़े-मेटे, जापे, थोपे, हितो-होतो, बिढ़ावरा, धोलटाव, तीहो-तोहो, हेमखेम ।
देर होना—बेरबाट, गाहूल, दोम-चोक् ।
देर लगाना—दोम-दोम ।
देर तक—धालटा-धोलटा, दागार-दागार ।
देर होने वाला—ओलोड़-झावड़ ।
उतनी देर—उन-धाबिच् ।
कुछ-कुछ देर बाद—पोहरेक-पोहरेक
बहुत देर—जोहोत्-मोहोत् ।
बहुत देर तक—जेठेर-पेठेर ।
बहुत देर के बाद—बोड़हान ।
बहुत देर में—उनतायोम ।
बहुत देर होना—आहार जुग पहार जुग ।
देरी होना—गाहड़ी ।

देवता | सं० | बोङ्गा, खुदाई, गोसाँय, भोगेमान ।
देवता सदृश—बोङ्गा—मुठान ।
संतालो का एक देवता—बाहाटा, दीयाड़ा ।
विभिन्न देवताओं का नाम—धीरी वाँवरा, धारासान्डा, लाहबार गुरू, सारी-चान्दी, बोङ्गा, राङ्गा-पाहाड़, दुआर, सेंडे, भाजझी-हाड़ाम ।
देवता को मनाना—तीत-मान्तर ।

देव स्थान—थान, जाहेर थान (वृक्षों के बीच का देव स्थान)
देवी-देवता—बोङ्गा बुरू।

देवर	सं०	एरबेल देवर-भाभी—हीली-हाली। देवरानी—आता। देवरानी बनाना आतेया।
देवी	सं०	गोसाँय-एरा। एक देवी का नाम—राङकीनी।
देश	सं०	देस, दुनिया, दिसोम। अन्य देश—एटाक्-दिसोम। दुष्ट लोगों का देश—भाँड़ दिसोम। एक देश का नाम—टुण्डी। पूर्वजों का पहला देश—दुदुमूल। देशवासी—दिसोम-होड़। देश-बिदेश—देस-बिदेस। देश-बिदेश घुमना—देश-बिदेश। जंगली देश—बिर-दिसोम। देश-देशांतर-देस तिरूप्, दिसोम तिरूप्।
देहात	सं०	दिहात, आतो।
दैत्य	सं०	बिर-बाण्टा।
दो	संख्यावाचक सर्व	बारेया, दुई, दू, बार, दाकीन, देन। दो भाई—दाकीन (यह शब्द केवल गीतों में व्यवहृत होता है)। दो-दो बार करना—दोहड़ा-दुहड़ी। दो पैर वाला—बार जाङगावान। दो अर्थ वाला—घेनता। दो-मुट्ठी—आजजले। दो टुकड़ों में टूटना—रापुत्-राचात्।

दो-दिन—दीन-किन, बार-दिन।
दो-दो—बाबार।

दोकड़ा	सं०	दो-कड़ा।
दोगला	वि०	बिधुवा, दूअसला, बारासला। दोगलापन—चुपी- छाड़ुई।
दोना	सं०	चोकोर-हात्, खुली, चुटीउल-फुड़ुक्, दोलखा, ढोण्डरा, खोला, फुड़ुक्। पत्ती का दोना—भातरतिच्, दोङगा। मोटी पत्ती की तह से बना दोना—आटाल-फंडुक्। दोना बनाना—खोला। बड़ा दोना—सोड़हा। बड़ा दोना बनाना—सोड़हा।
दोनों	अन्य पुरुष द्वि वचन	ताकीन, तीकीन, बानार। वे दोनों साथ-साथ—उनकीन-ताकीन। दोनों हाथों की लम्बाई—आरपा। दोनों तरफ—दुयो कूल, दुयो दिके, ओनतें नोतेन, देने-बानार, बानार सेच्। दोनों तरफ का—एनतेन-नेतेन। दोनों ओर—देने-बानार। दोनों दल का—एनतेन-नेतेन। दोनों दल का सहायक—लुठू।
दोपहर	सं०	तीकीन। दोपहर का समय—तीकीन। दोपहर का समय होना—तीकीन। दोपहर में मवेशियों के आराम करने का स्थान- गोट।

दोबारा	वि०	दुहड़ो । दोबारा करना—दोहड़ा । दोबारा जुर्माना होना—दोबोड़ डाँण्ड ।
दोष	सं०	आपाय, तोञचोक्, घाट, दुसाना, तुसकील, गुना, आपरोद, लाटाक्, दोस, निन्दाव, आपाय । प्राकृतिक दोष—दोसा-दास । दोष देना—दोहमोत, निन्दनिन्दाव, देसा, घोरामारा घोरा-पाकड़ा, दोस, लाटाक्, तुसकील, दुसाव, निन्दाव ताङगराव, खोचा, दुसी, दुसा-दुसी, धापकाव, लोकठा, दाबा-दाबी । दोष करना—लाटाक्, गुना, घाट-घाटी । दोष निकालना—निन्दनिन्दाव । दोष लगाना—लेआव, भादेस, फोन्द, नोसड़ाव, भेञ्याओ । दोष रहित—बेड़्या । दोष पूर्ण—घारोमारा । दोष पूर्ण होना—दोपचा । मिथ्या दोष लगाना—फुन्दी । परस्पर दोष देना—जोपोम । दुसरों को दोष देना—देसा-मुनड़ा, ढेसा-ढेंसी ढेसा ढेसाव, हुड़ा-हुड़ी । दोषारोपण—इयान । दोषी — दुसाना, घाटा-घाटी, ओपरादी, आसामी, घाटीदार, दाजमारा, दारपीट, दागी, दागीमार, दुसी, घाटी, मोदोई ।

		दोषी होना—दारधोट, दागी, दाग, दागीमारा ।
		दोषी ठहराना— घाटा-घाटी, उखड़ा-उखड़ी, काल, दोहमोत, लोकठा, डाङठेला, गोला-गामछा ।
दोहरा	क्रि० वि०	दुहड़ी, दोहार, तोंडांहेंत् दोवड़ा ।
		दोहराना—तोंड़ांहेंत् दोबड़ा, झालाव केरकायते, आरो, घुराय-उल्टाय ।
		दोहराते हुए—तेड़त्-बोड़ेत् ।
		दोहरी छत—आटचाला ।
		दोहरी तह— आटाल, डाबली दुहड़ी, डोबोल ।
		दोहरी लरी—बारलाडमाला ।
		दोहरी तह लगाना—डाबली ।
		दोहरी—डाबोल ।
दोहाय	सं०	दोहाय ।
दौरा	सं०	दावड़ा ।
दौलत	सं०	दावलात ।
		दौलत होना—दावलात ।
दौड़ना	क्रि०	ओर, होजोर, हालहालाव, दाड़, तोकार-ताकार, टेपे-टेपे, हानहानाव, गुडुर-गुडुर, पीडगाव ।
		यहां वहां दौड़ने की प्रक्रिया-दालाक्-मालाक् ।
		दौड़-दाड़, ओर हापाराव ।
		दौड़ पड़ना—गानगानाव ।
		दौड़ कर करना—गानगानाव ।
		दौड़-धूप (कार्य में)—दाड़ाव-दाबाय ।
		दौड़-धूप करना—बिड-बिड, दाड़-

धूप, दाड़धाव, दावड़ा-दावड़ी, धाश्वप-धुड़े ।
इधर उधर दौड़ दौड़ कर—कुबुई-कुबुई ।
दौड़ते हुए—भीड़-भीड़, तीकार-ताकार, धीट-धीटाव पीडगाप्, धांवधॉव ।
दौड़ते-दौड़ते थक जाना—ओर-लाङगा ।
दौड़ना—दावड़ाव, पीडगाव ।
घोड़ें को दौड़ाना—कामसाव ।
दौड़ा-दौड़ी करना—दावड़ा-दावड़ी ।

ध

धृष्ट	वि०	ठेलामूँ, टेराडोस, ढीठ, टेराडोसिया, ढीटाव । धृष्ट होना—टेराडोस, उमुक, चोचोलकात् । धृष्टतापूर्वक—छिदगाय-छिदगाय, बाटाङ-बाटाङ । धृष्टता—छिदगाय ।
ध्यान	स०	उतजोग, मोने । ध्यान देना—उतजोग, आतेन, आङ, हेता, बुज-बुजिल । ध्यान न देना—बातील, बेडो (गाली में व्यवहृत होता है) ध्यान पूर्वक—आरी-बानधी । उदा:—खेत का काम ध्यान पूर्वक देखने के लिए वह गया है—चास कामी आरी-बान्धीय चालाव आकाना

ध्वज	सं०	धाजा।
ध्वनि	सं०	आड़ाङ, साडे, आवाज, गालगालाव, गाजाड़। नगाड़ा की ध्वनी—डेबे-डैबे। नगाड़े पर की ध्वनि पर नाच—टनडुङ एनेच्। कंपन की ध्वनि—रीचीत्-रीचीत्। कर्कश ध्वनि—तीरड़ोच्-तोरड़ोच्। ध्वनि के साथ—बाड़दाक्-बाड़दाक्। ढेकी की भारी ध्वनि—ढाड़ाक्-ढाड़ाक्
ध्वंस	सं०	धासकाव।
धक्का	सं०	हाका-मुका, धामपोल। धक्का देना—दागार-माराव, ताम, दाखलाव.छुड़ा-छुड़ी होटकोर, तुकुच्, छिरछिराव डाड़ुप्, दोमसाव ढाकला-ढाकली। धक्का देकर निकालना—होटोर। धक्का लगाना—धाड़कुक्-धाड़कुक्, हेंचाल। धक्का-धुक्की—धुका-धुकी, धाका-धोको, धाका-धाकी, धकला-धाकली, ठेले-पायसें, ढाका-ढाकी, ठेला-ठीली, ढाकलाव, ढाका-ढोको, थुकड़ाव, थुकड़ी, लुड़गाव, टुण्डु, धाड़कुक्, ढाकला-ढाकली।
धकधक	सं०	धाक, धाकधाकाव।
धकेलना	क्रि०	हुड़कुचाव, धारकाव, पाचुआव, धारका-धारकी, ढेका। हाथ से धकेलना—तुकुच्।

धत्	विस्मयादि बोधक	धुत्, दौट, धात, धातधुत, धूर, हुड़चुत्, धूत, धू-बुड़चुत् धत् छिः—धुर-खाराक् ।
धतुरा	सं०	धातरा, दातरा ।
धधकना	क्रि०	हुदगु-दुगुर, बामबकाव, सागाव । धधकते हुए—सागाव मानते ।
धन्धा	सं०	बिरित, खाटुवा ।
धन्यवाद	सं०	सारहाब । धन्यवाद देना—गुन-मानाव
धन	सं०	आय बोय, आरजोन, धोन, चुलती, राजोस्टी, दावलात, पुन्जी-पाटा, रासी-पूँजी, दादोन, दुरीब, माल । पुस्तैनी धन—बापोती धोन । धन-दौलत—जाय जिनिस तीज, धन-दुरीब, धोन-दावलात, तीज-बासुत । धन-दौलत प्राप्त करना—तीज । धन दौलत होना—धन-दुरीब, तीज बासुत । धन-कुबेर—दारियाँव । धन अपहरण करना—सामाक्-लेण्डेच् धन जमा कर लेना—साप् जुकताव लाभार्थ धन लगाना—लागान, लाहना । धन लुटाना—छारकाट, उबला-डुबला धनवान—दाड़े, किसाँड़ । धनवान होना—साप्-जुकताव, होड़हारा, होड़, नापड़ाक् जोबोर, तालीआव, ओने-धोने, रोसाड़ ।

धनी—रोसाड़, ओने-धोने, ढेकेला तालीआव, दावलातान, ताली-आन, जोबोर, तेआर, हापड़ाक्, नापड़ाक्, तालेबोर, बालगोर, पाकता, पाकता दाता, जोरवार, दालीदार, मोसतो, मोटा, किपीसाड़, भोगदो, मानधास, धानआन, इतील, इतीलान, रासी-आव, आयबोय, अचेल, धारला-पुरला, चुलती, धुनी, ढीकेलाय, दानादार, चालकी, धानधार, धान-धारिया, राने-भाने, धानी, आनडेला, धालगार, उमबराव, उमबरा-उमबरी, किसाँड़, गानगानिया ।

धनी होना—इता-रानु, चुलती-दावलान, तालीआन, हापड़ाक् ।

धनिया	सं०	धानिया ।
धनुर्वात	सं०	धीनुक-बाय (एक प्रकार का रोग)
धनुष	सं०	आक् । उदा:—मेरे लिए धनुष बनाओ—इञ लागित् आक् बेनाव में । धनुष की रस्सी—घुँड़ाँ ।
धनेस	सं०	धोरसो (एक पक्षी)
धपाहा	वि०	मालछा ।
धब्बा	सं०	पोरेत्, कानधायला, गाब, कोठा गोल धब्बा—गेखेल । धब्बा लगना—जोदो-बोदो, लेटा, गाबान । धब्बा लगा हुआ—इनडोर-गोनडोर, टीकला-टीकली, टीकला, टीकलाक् धब्बा लगाना—गोरला ।

धमकाना	क्रि०	बिल-बिलाव, दामाय-बुन्दराय, धोमकानी, बोरकाओ, दाबडोच्, धोमका धामकी, थाइयाथान, दाबड़े, दामकाव, दापका-दापकी। धमकी देना—बाङगाम। धमकी देकर भगाना—बोड़काओ, धम, भीड़भिड़ाउ।
धमधम	क्रि० वि०	धाय-धुय, धामधुम, धामधाम। धम से—रीहिड़ मानते।
धमाका	क्रि० वि०	दुड़ुम मानते, दुड़ुम-दुड़ुम, ठापार, मानते, दुड़ुय-दुड़ुय, लीठीर। धमाके का शब्द—लिठ्म। धमाका करना—दुड़ुम-दुड़ुम। धमाके के साथ—साहड़ाक्-मानते, दोड़ोय-मानते। धमाके के साथ (गिरना)—दाड़ाप्-दाड़ाप्। धमाके के साथ (फटना)—रीहड़ाक् मानते।
धर्म	सं०	धोरोम। धर्म-कर्म—धोरोम-कोरोम। धर्म-कर्म करना—धोरोम-कोरोम। धर्मी—निकाय। धार्मिक—धोरोमिया, आरनीक,। उदा :- वह बहुत धार्मिक व्यक्ति है—आडी आरनीक होड़ कानाय।
धरती	सं०	धारती।
धरन	सं०	पाड़, मुनछान, जालीम, छाटोड़, भिड़िया।

छत की लम्बी धरन—छातांड़, लोधरा।
करघा की धरन—तुर।

धराधरी क्रि० वि० धारा-धारी।
धरा-पकड़ी—धारका-धारकी।
धरा पकड़ी करना—धारका-धारकी।

धसना क्रि० रापुरुप्, दासाव, धासाव, वालकाव
धास-धासाव, दासा-दासी, हुडराव,
धाजजुवा।
कीचड़ में धँसना—गाबगाब, थाली।
सरलता पूर्वक धसना—गाब-मानते।
धस जाना—रुप्, धासुड़, दासाव।
आँख धसना—होरोक्।
धसाना—दासाव।
धसा हुआ—धाजजुवा, खापलो,
थाल।
धसा हुआ होना—लोन्दोच्।
पेट धसा हुआ होना—खायपोक्।

धड़ सं० फेडात, गान्डके, गोडा, फेड।
धड़ और जड़—ठाटकात्-ठुटकुत्।

धड़कना क्रि० टीहकाव, उठुल-उठुल, धाक-धाक।

धड़फड़ क्रि० वि० धोतोर-पोतोर, ढाड़ाय-ढापाय,
धाड़पाड़, आन्दाड़े-पान्दाड़े।
धड़फड़ करना—धोतोर-पोतोर।
धड़फा-धड़फी—धातार-पातार।

धड़ाधड़ क्रि० वि० धोड़ धोंड़, धाडा-धाड़ी, धाड़ा-धाड़।
धड़ाक-धड़ाक—धाड़ोक्-धड़ोक्।
धड़ाके के साथ—दाड़ाय-दाड़ाय,
दाड़ाय मानते।

धड़ाम	क्रि० वि०	धाड़ाय-धापाय । धड़ाम-धड़ाम—धड़ाय-धड़ाय । धड़ाम-धड़ुम—धाड़ाय-मानते । धड़ाम-धड़ुम करना—धड़ाय-माराव
धाई	सं०	दाक्-दुल-बुढ़ी, बुका-बुढ़ी ।
धाक	क्रि० वि०	आयदारी, रार्बा, दाबादाबी । उदा:-इस इलाके में तुम धाक जमाये हो—नोवा टोठा रे दो आमाक् आयदारी गे होय आकाना ।
धागा	सं०	सुताम, ताक, बाबेर । धागा तैयार करना—सुताम । धागे में माड़ लगाकर करधे में बुनाई के लिए लपेटना—जोक् ।
धात्रि	सं०	धाँई बुडही, दाक् दुलीच्, दाक्-दुल-बुढ़ी ।
धातु	सं०	धातु ।
धान	सं०	होड़ो । विभिन्न प्रकार के धान का नाम :- सोकड़ा-झागड़ी, गुन्दली, झागड़ा, धिसाजली, झिङगा-साल, टाङगा-बेट, तुलसी फूल, कादोरिया, कामानी, कारहानी, रामसाल, राधु साल । राना, रूधोन, रोकोत्-चोन्दोन, गुरपा, गुयपा-राङगी, जाली-होड़ो, जाटा कोलमा होड़ो, जागारनाथ होड़ो, गुडमा होड़ो, गुखुल सार होड़ो, गुडमा होड़ो, गुण्डरी भादाय होड़ो, माचनो-पोर होड़ो, मुरछी होड़ो,

मोहान माला होड़ो, रातुआ कान्डा, राय-बुन्दी होड़ो रायमुदी होड़ो, हारदी कोलमा होड़ो, हाती पाअजार, हेमचा होड़ो, लीतासाल, जाँबाँय-लाडू होड़ो, आगनी-सार होड़ो, नोना होड़ो बाद होड़ो, बाद कोलमा होड़ो, दूबराज, काकवा होड़ो, दुद-कोलमा, दुदकानी, सामुन्दर केन होड़ो, साल-मुङ-गार-होड़ो, केले, दुदबेलाती, कोनोक-चूर होड़ो कोया होड़ो, तीला सार, ओहोय-होड़ो, बेनाफूल, बागआयनोम, बागपाजजार, भासा, गोलाकानधी, गिता, डाहार होड़ो, काजरी-होड़ो, गोंयठा सार गोपाल भोग, बाजाल, आअओम, कोलमा होड़ो, सोना मुखी होड़ो, सुन्दारमुखी होड़ो, बासमाती बास-मोयपाल होड़ो, बालाम-होड़ो, बालाम होड़ो बासमोजा होड़ो, बासा होड़ो, बाहु-ताबेन होड़ो नागी, नाड़ी होड़ो, नाँड़ी कोलमा होड़ो, बादरास बाद हेमचा मसुर-होड़ो।

काला भदई धान—हेन्दे भादाई होड़ो।

पटयन धान—पाटनाय।

नयान कलमी धान—नोयान कोलमा।

धूसरी धान—धूसरी होड़ो।

धान की बाली फूटना—पोटे, गेलेक्।

धान का पौधा हरा भरा होना—सानठाव।

धान का बाल पकना—गाभाँण्ड।

पूर्ण धान न होना—हिराक्-हिराक् ।
धान का बाल—गाथनी, गाभाण्ड, गेले ।
धान का बाल भर जाना—गाभाण्ड ।
धान में बाल होना—गाभाण्ड ।
धानकी अच्छी पिटाई—एन-चारमा-ण्डो ।
धान कूटने की मजदूरी—कुटा ।
धान का बड़ा खेत—हीड़, ढाब, ढाबेर ।
धान का बड़ा खेत बनाना—ढाब ।
धान का भूँजा—खोई ।
धान का भूँजा बनाना—खोई ।
निचली धान की खेत—बायहाड़ ।

धानुक — सं० — धोनुक (एक विशेष जाति) ।

धामिन (साँप) — सं० — जामबड़ो ।

धार — सं० — रागात् धार ।
धार होना—धार ।
धार करना—सीकील ।
धार तेज करना—सीलाव ।

धारण — सं० — डाण्डाव ।

धारा — सं० — आन, धारा ।
धारा फूटना—सारसाब, तीरड़ी, टुण्टी ।
एक धारा—धाड़ा ।
धारा होना—धारा ।

धारी — स० — पाचन ।
धारीदार—साल साकाम ।
धारीदार रंग—इनडोर—गोनडोर ।

		धारीदार दाग—साट-दाग । धारीदार बाघ—साटदाग तारूप् ।
धिक्कारना	क्रि०	नीतान, सोड़ोग ।
धीमा	वि०	गाडोर, हारसुङ, हुगुय-हुगुय, राया-रोयो । धीमा होना—हारसुङ । धीमा स्वर—डाबा, टाका-टीके, खाई-खोय । धीमी चाल—दाड़गाम-दुड़गुम । धीमी आँच में पकना—गोसो-इसिन
धीर	वि०	सुहनी ।
धीरज	सं०	जीवी-राड़ेच्, सोमभुरी । धीरज धरना—सोमभुरी, जीवी-हाताड़, साबूर, जीवी ।
धीरे-धीरे	क्रि० वि०	इसोत्-ओसोत्, गीदा-गादा, गीदा-गादे, होंहाड़-गुहुँड़, धासाड़-धोसोड़, टाहरी-टाहरी धोलो-धोलो, टोहोक, डालाङ-डुलुङ, गासाड़ गोसोड़, गोंहले-गोहले, धेड़साङ-धिड़सीङ, धुसुच्-धुसुच्, धाकुड़-धाकुड़, दोलो-दोलो, सुसतो हाराच्-हुरुच् हालाच्-हुलुच्, सीताप्-साताप्, सुसता, रासे-रासे, मेंहेत्-मेंहेत्,मेसेत्-मेसेत्, राही-राहीते, राबाक्-रूबुक्, रीकोच्-रोकोच्, रोहाप्-रूहुप्, रासते, हाकुम-टाकुम, गुयुङ-मानते, गुयुङ, जाम्बाक्-जोमबोक् जाबाड़-जुबुड़, जाबा-जोबो, जात्-जात्, गेमेच्-गेमेच्, गुसुङ-गुसुङ, धापेट-धापेट, जाहात्-माहात्, दिनेक-दिनेक

जीड़ात्-जाड़ेत्, जिहो-जाहा, जाहाप्-जुहुप्, जाव-जावते, काले-काले, दाहाल-दोहोल, दालगा-दोलगो, दापा-दोपो, दापाच दुपुच्, थापाक-थुपुक, डोपोत्, गोसेच्-गोसेच्, डीपीच्-डीपीच् धीला-धाला, धीरे-सुस्ते, धीरे-धीरे, गान-गानते, किला-कोलो, गिहो-गोहो, डीबाडाबे, जेड़े-मेटे, गायो-गापो, डाकाप्-डाकाप डाकाड़-डुकुड़, गाहागोहो, रूगुम-रूगुम, टीगा-टागे, राहाम-रोहोम, गायाङ-गुयुङ झिङ कोड़-झोङकोड़, धापाच्-धुपुच्, जुते-जुतेते, बेचाण्डाकी, धीसाड़-धोसोड़, राही-साहीते, भोरमे-भोरमे, तीहो-तोहो, रीमबा-रामबे, गाड़धाम-गुड़धुम, धीलोय-धोलोय, डाकार्च-डुकुच्, आटुप् झाड़ुप्, तायोम-माड़ाङ ओसते-ओसते, बाय-बायते, पेसेञ-पेसेञ, पेदेच्-पेदेच्, बाकात्-बुकुत्, दीलगो-दोलगो, दीलो-दोलो।

धीरे धीरे जाना—डुकुप् डुकुप्।

धीरे धीरे जलना—हारूय डिगीर।

धीरे धीरे बातचीत—गालसुल।

धीरे धीरे चलना—धायात्, धायात्, हिदोच्, दोपोच्, रीङ-गाम, चाङगाम, रेबे-रेबे, धीपा-थापे, ढीबा-ढाबे।

धीरे धीरे बोलना—गेहेंत्-गेहेंत्।

धीरे धीरे करना—लाहके।

धीरे धीरे काम करना—रीभीच्-राबाङ-रूबुक, रूबुक्।

धीरे धीरे बहना—रीजजी रीजजी पुयुपुयु, लिङगा।
धीरे धीरे लगातार होना—रूबुक-रूबुक्।
धीरे धीरे चबाना—आल-पालवा, पागुर।
धीरे धीरे होना—लाहके, लाहके रूबुक्- रूबुक्, तायोम-माड़ाङ जाहात्, जोहोत् हापेन।
धीरे धीरे चलना—थामों-थामों, रीदाच्-रोबोच्, धुलुच्-धुलुच्।
धीरे धीरे टपकना—लिङगी, ठोप्-ठोप्।
धीरे धीरे जाना—हाडगाच्-हुडगुच्।
धीरे धीरे चलने की प्रक्रिया—झालुङ-झालुङ।
बहुत धीरे धीरे—जापे-थापे, रागाम-रूगुम।
धीरे करना—जापे टाप-टीप।
धीरे चलना—टीहा-टाहे, सोच्-सोच्, हागोर, बागोर, टिमबा-टामबे, डाकाच्-डूकुच, रीपो-चोपो, रीमबा-रामबे।
धीरे आना—झीतो-झोसो।
धीरे बहना—लेजलेज।
धीरे होना—टाहरी।
धीरे से—हापाच-हुपुच्।
धीरे से होना—हाचहुच्।
धीरे से मारना—छोले।
बहुत धीरे—टाहरी।
धीरे और भारी चाल—दाहुप्-दाहुप्

धुआँ	सं०	धुआँ, भाराक । धुआँ करना—ओक, धुआँय । धुआँ-धुआँ—धुङ्गीया । धुआँकस—धुआँकोस । धुएँ से काला होना—झुलाँयदा । धुवाँ फेंकने की प्रक्रिया—पागाय-पुगुय । धुआँ फेकना—पोयोत् । असह्य धुआँ कोक-कोडरोक् । घना धुआँ—कोक्-कोक् धुआँ होना—ओक् सफेद धुआँ—पोदोय
धुंधला	क्रि० वि०	आलाउन्धा, आयुप्-अुमबाक्, आराल-ओरोल, धुन्द, पोपोल होत्, पोलसो, दाराक्-दोरोक् छानी, आनधेत्-दुनधेत्, पालाक्-पोलोक्, थोरसात् थोरसोत् । धुंधलापन—धुन्द । धुधला दिखाई देना—धुन्द, जालात्-जुलुत्, थारसात-थोरसोत, पालाक्, पोलोक्, दाराक्-दोरोक् बहुत धुंधला—जालात्-जुलुत् धुधली रोशनी—जोलो-जोलो धुधली आकृति—गालाम मानते
धुकचुक	क्रि० वि०	धुकचुकिया । धुकधुकाना—धुकधुकाव । धुकुर-धुकुर—दागार-दुगुर ।
धुल (पीकर)	वि०	भुचाड़ ।
धुनिया	सं०	धुनिया ।

धुरमुस	सं०	धुरमुस । धुरमुस से पीटना—धुरमुस ।
धुरा	सं०	मेरू । गाड़ी का धुरा—हदाड़ ।
धुवन	सं०	धूप-धुना, धूप धुड़ाँ । धुवन जलाना—धुप, धुमान, धुड़ाँ धूप ।
धूनी	वि०	उटाट, ठेक । धूनी लगाना—ठेक, उटाट, टेसा ।
धूप	सं०	सेतोङ, धूप । धूप निकलना—सेतोङ । धूप में—डेडेर-गेच् । धूप होना—डेडरगेच् । धूप लगना—डेडेरगेच्, डेच्-डेच् । जाड़े के दिनों में धूप तापना—जेडेर । कड़ी धूप—झाञज, झरला, झारली, आहला, डीगीर डीगीर, चारात्-चारात्, ठीकारी, जाराल-जाराल । उदा :—आज बहुत कड़ी धूप है—तेहेञ दो चारात-चारात् सेतोङ काना ।
धूपदान	सं०	धुपदान ।
धूमिल	वि०	एन-एङगोल, पोलसो ।
धूर्त	सं०	पीरका, वेसोआर, सात-सिआल, चातरालिया, भिगोड़ा, चालाक, चाण्डाल, छोन्द-कोपोट, धामाकिया,

धोअन	सं०	गितिल दाक् ।
धोकड़ी	सं०	धुकड़ी ।
धोखा	सं०	भुलानी, एड़े, छोलोना, छोल कोपोट, आलकाव, बेदा, चाचकी, धोखा, हारूदादु, लीलकार, दोखा चाटी, ठुकिया । धोखा देना—लिपुक्, मोञजा, एड़े-सुड़ुच्, दोमबाजी पाचुक्, डुबाव, एड़े सुक, एड़े मोञ्ज, एड़े गोच् ठाकाय, दागा, हारूदादु, एन्दे-पेन्दे, डोल, फैंक-फांक, ठुकिया, ठाक, फोटाव, हारदन्दी, लावकी होड़बेदा, दोखा, बेदा, टापी, हुण्डा हेसाक्, हुण्डा-बाड़े, टेपोक, ठोच्, छोलोना, फीचकारी एकड़े । धोखा देते जाना—एड़े-आगु । धोखेबाज—एड़गाँ, फीचकारीया, फाङगा, फीचकारी फाकुवा, फासि-यारा, पेनदला, चालबाज, लावकी आच्छाल-गाञजाल, टापी, दोमबाजी, छोन्द-कोपोट, ठाकुवा, हाही-दुदी, सातसिआल धुरबाज दागाबाज, पीनडुवा, दोमबाज, ठाक-ठाकिया डिगुआर, जुआखोर, बेञजाङ-बीञजीङ, फासियारा । धोखेबाजी से—हाही-दुदी । उदा :- मुझे धोखा मत दो—आलोम आलकाव इञा । धोखा से उन लोगों ने मुझे राजी कराया—चाचकी तेको हें ओचो किदिञा ।

धोखा दे कर ले जाना—एड़े इदी
वह बहुत धोखे बाज व्यक्ति है—
आडी आच्छाल गानजाल होड़कानाया।
धोखा दे कर रुपया ले लिया—चाटी
ते टाकाय इदी केदा।

धोती	सं०	धुती। धोती पहनना—धुतीक्।
धोना	क्रि०	आबुक, आप्, उम आप्-आबुक, आरुप्, सोबोत् सिड़गीर, धुबी (केवल मन्त्र में व्यवहृत होता है (बोहोय) प्रवाह में।) उदाहरण:—बच्चों को धोओ—गिदरा आबुक कोम। पैर धोना—आबुक-जाङ्गा। मेरे पाँव को धोओ—जाङ्गा आरुप् काञ में। मुँह हाथ धोकर खाना खाओ—आप् आबुक काते जोम में। हाथ पैर धो लो--आप् आबकोक् में कपड़ा धोना—काचाव।
धोबी	सं०	धोबा। धोबिन—धुबीनी।
धौंकना	क्रि०	धुकाव।

न

नंगा	वि०	लाङटा, उलुङ, खाड, खाडेया, हुतुर, खाङरा, नाङगा, डेनडका, हुरूड़, निबोस्तोर, होयदोक्, हायला-हुयला, हुई-हुई, कोयडोक्, दायपाड़ो, डेंडकोच्, भुटुङ, भुइला, खाङगा।

		नंगी—भुइली, लाइटी ।
		नंगा करना—भुड़ी ।
		नंगा होना—होयदोक्. लाङटा, उलुङ, दायपाड़े नाङगा, भुड़च् ।
		नंगा दिखाई देना—हुयला ।
		कमर से उपर नंगा—कोटो ।
नंगार-मैना	सं०	नाङगार-किसरी ।
न्याय	सं०	तादबीर, इमताम, नेआव ।
		न्यायाधीश—बीक् चारिच् ।
न्योछावर	सं०	सीर-ओडाव, आलाय ।
नक्सा	सं०	नाकसा, छुबी ।
		नक्सा बनाना—गोड़होन, नाकसा ।
नकटा	सं०	नाकटा ।
नकली	वि०	नाकली ।
		नकली होना—नाककली ।
		नकली करना—चेदे ।
		परस्पर नकल करना—भेंसा-भिसी ।
नकियाना	क्रि०	गाञ-गुञ ।
		नकिया कर—गेङगले-गेड़गले, धेने-धेने गाञ-गुञ ।
		नकिया कर बोलना—गाञ-गुञ ।
		नकियाने वाला—घेंगनें, धेने ।
		नकियाने वाली—घेङने ।
नगद	सं०	लोगोद, लोगोत, नोगदा, रोंका-रूकी ।
नगर	सं०	नाङगार, नोंगोर, नाङगराहा ।
		नगर चौहद्दी—नाङगेर-चाकेर ।

नगाड़ा	सं०	टामाक । छोटा नगाड़ा—हाती-बेले । बड़ा नगाड़ा—दासान । ढोलकी अथवा छोटा नगाड़ा—साड़ ।
नचनिया	वि०	नाचनिया, झुमवरिया, नाचनी, खिलडी, रास-धारिया बालोक-नाट, नाचोनिया । नाचने की उत्सुकता प्रगट करने की प्रक्रिया—झुम-वरिया ।
नजदीक	वि०	होचलो, सोर । नजदीक लाना—होबो-होबो, ओर-सोर । नजदीक होना—होबो-होबो । किसी के नजदीक होना—गोढ़हे । नजदीक में मिलाना—हाड़ोप्-पालात् । नजदीक-नजदीक—साटा-साट ।
नजर	सं०	लोजोर । नजर लगना—मेंत् लागाव, आहा-डाटा, होय हिसीत् । बुरी नजर पड़ना—आहा । नजर अन्दाज कर लेना—एड़ान । नजर बन्द—नोजोर-बोन्द । नजर बन्द रखना—नोजोर-बोन्द ।
नट	सं०	नाटा । नटुआ—नाटुआ ।
नटखट	वि०	चोअचल, बानदेज, चेंट, हालबाल, नाटखाट, नाटखाटी, साट-सुट, हालबाज, चुलबुलिया । नटखट होना—साट-सुट ।

नत्थी	सं०	नाथी ।
नथ	सं०	नात । नथनी—नाथनी ।
नदी	सं०	गाडा, नादी, नुदी । एक नदी गुअनई—गुवा, नाई । नदी का घुमाव उचुङ, कुचेल । सोड़ानाई नदी—सोड़ानाई गाडा ।
नन्हा	वि०	लेटबेत्, बेच्बेडरेचे, नानहा, लेटरोक् ।
ननिहाल	सं०	मामकुड़ । ननिहाली—जाङगा सेच्रेन ।
नप्तक	सं०	हापुक् चेंड़े, जानामदाता ।
नफा	सं०	लाफा, पोड़ता । नफा होना—लाफा, पोड़ता ।
नब्ज	सं०	नाड़ी ।
नब्बे	वि०	आरे गेल ।
नम्बर	सं०	नोम्बोर ।
नम्र	वि०	तुरतुमबुच्, बेहुँट, सुबुदिया, गाये-माये सोड़ा, सोपोत्, लाबडुक्, दाया-बान, बेहुठ्, लाबित्, सुपुत्, माकुल, बापुड़िच्, सुबुद, सुहनी । नम्र होना—माँहीर लाबडुक्, लाबित, नेम्बरोत नामोर निनधान, तुरतुमबुच् । नम्र बनना—तोपोरखाना । नम्र स्वभाव वाला—सापोत । नम्र निवेदन—आराधोन । नम्रता—नोम्बरो, दाया, नेम्बरोत, हावभाव, जुआब धार-चोर ।

		नम्रता दिखाना—धारचोर।
		नम्रता होना—हातेआरे, माँहीर।
		नम्रता का व्यवहार करना—जुआव, हावभाव।
नमक	सं०	बुलुङ।
		नमक की कमी—हायाम।
		नमक कम पड़ना—हायाम।
		नमकीन—आयताहा, राहाम, चेओ-चेओ, खोरनाहा, खोरना, गारगात, हेबेर, हाराङ, गोल–गोल, रावचाव राव-दाबा।
		नमकीन पानी—छापार दाक्।
		उदा:—सब्जी बहुत नमकीन बनी है—उतु आडी चेओचेओ एना।
नमाज	सं०	नेमाज।
		नमाज पढ़ना—नेमाज।
नमी	सं०	ओलाँत्, ओदा, पुरयु, हाल, ओलहान, ओदामोदा, जेरङगाहा, जेरकाहा, हेमाल, रेसाड़, सेरे, जोलहोर जोरोप, सेम, ओलाहेंत्।
		नमी होना—सेम, ओदा, ओलहान, डोलाव, जोरोप, सेरे, जेरङगाहा, हाल, रोसाड, हेमाल।
		उचित नमी—ओदा सुखा।
नमूना	सं०	उछना।
नया	वि०	आरदा, नाँवाँ, नुतोन, टाटका, बाले, लावतान,
		नया होना—नाँवाँ, लावतान।
		नया पौधा—फोड़।

		नया पौधा निकलना—फोड़ोक्, कोहेल ।
		नया पंख—सुई ईल ।
		नया पंख निकलना—सुई-ईल ।
		नया पति—हाँसघूड़ी ।
		नयी—रोसगार ।
		नयी फसल—गेलेबाले ।
		नयी कली—फाड़ ।
नर्तक (तलवार नाच का)	वि०	पायकाहा ।
नर्म	वि०	लाबित्, बुसबुसिया, लाबुर, गिला, लेङगा, बिगार, बोगोर, नेमारे, पाकास-पुकुस, बागास-बुगुस, लापरा, बागार-बोगोर, लेजरा, बेलेञ-बेलेञ, फोकस'हा, पोकोस, भारा-भुरू जाव, तोलगोयाक्, तोकोप्-तोकोप् हगोर-बोगोर, लेबड़ेच्, चोपसा, लोतोय, लोपोर, लोभोर, गुबुर-गुबुर, लेञजेर, लेबा, लिबुर, नोरोम, नर्म बाल—लोपिओन ।
		नर्म भूमि—फोरा ।
		अत्यधिक नम्र—इगोर-बोगोर ।
		नर्म—नर्म-पोकोत मानते ।
		नर्म होना—नोरमाव, लाबुर, बाङगाम, तोकोप्-तोकोप् दोहलाव, लेबड़ेच्, लोपोर, लोभोर, लुबुर, लेञजेर, लेबा, नोरोम, खिजाव ।
		बहुत नर्म होना—लिड़ू ।
		नर्म करना—लाहुत् ।
		नर्म और चिपचिपा—लेपेस ।

नर्स	सं०	सुसारिया ।
नर	सं०	आन्डिया । नर भेलवा—आनडिया-सोसो । नर बटेर—ओड़े-आदार । नर बलि चढ़ाना—ओण्डगा । नर-संहार—बिलिया-बिलित् ।
नर	सं०	नोरोक, नोरोक-कुण्ड ।
नरसिंघा	सं०	रामसिङ्गा ।
नरेटी	सं०	नाण्डरी, कान्टा ।
नल	सं०	बाम्बकोल, नाल नोल । नली—नाली, मोडगरा ।
नवजात	वि०	बाले ।
नवसिखुआ	वि०	जेखेनडेत्, जोरगेल, जोअजरोच्, छोण्डाटिया, जेटके ।
नवाब	सं०	लोबाब, नोबाब । नवाबी—लोबाबी । नवाबी करना—लोबाब ।
नवाँ	वि०	आरेइच् ।
नवीन	वि०	नावानाक्, नावानिच, नावातुर ।
नशा	सं०	नीसा, बुल । नशा हो जाना—आङगोप्, बुल, थुलमुल । नशीली वस्तु—बुबुलाक् ।
नष्ट	सं०	नोस्टो, बाड़िच्, हारना—मोरना, खुगाल, खागाल, धूम, धूमधाम । नष्ट करना—गोआँव-उरान, छीकी-

छुन, खोट, धूम, इतिच्, दूरदार, भाराभाट, बोंस-गाडाव, हुलाड़, हाड़हे, जारा, छेचकेच्, हबाव, भाम्बड़ाव, ओतोङ चिरबितिर, उपेर-खोपुर, रियाव-खीयाव ।

घर-द्वार को नष्ट करना—चिर-बितिर, धाङधासेर दुराथान, जोसाव, जालाव, नासती, माराज, खेआनात ।
नष्ट किया हुआ—जारखार ।

नष्ट भ्रष्ट करना—धाङगला घास ।
नष्ट होना—जारखार, ज़ाहास, नाहास दुराथान, धूमधाम, उजाड़, नोस्टोक, हालरे, माराव, नासाव, गाराय-गुरूय, छेर, टुट, हानाव, दारदुर धाङगलाघास, रवागाव, खागाल-खुगाल, झाङझावाक्, डीगीर धाङपोङ, बेनडाव, छाचकाक, दासाव, हासा नास, गोर-बाद, लोकसान, लानदुड़, गाण्डराव, धेर-आधी, लाम्बाव, गाराव, पोचपोचाव, डुबाव ।
सदा के लिए नष्ट हो जाना—माख्खू माराव ।

मरम्मत के बिना नष्ट होना—धारगोच् ।

नस सं० सीर
पेट का मोटा नस—पोटा-सीर ।

नहर सं० उकान, जालपाई, नोहोर, टाड, सोडा, सोडोक्, पाँयड़े ।
नहर बनाना—उकान ।

		नहर काटना—सोडा, पागराव, पांयड़े ।
		नहरनी—नाहारनी ।
नहाना	क्रि०	उम, डाबरा ।
नहीं	नाकारात्मक	बानुक् बाङ, बाङतेत् माना, आलो, उहूँक्, धोकोड़, एन्डरे, ओहो, छाय, आंडो, मात ।
		नहीं सुनना (हुकम)—आदोली ।
		नहीं पहुँचना—आरतोम ।
		नहीं तो (संयोजक)—बाङ होलाङ, पारलेक ।
		नहीं तो (नाकारात्मक—बाङखाच्, बाखान, बाङखान बाखाच् ।
		क्यों नहीं—हाले, चेदाक् बाङ ।
		कभी नहीं—जुनमित, तीस हों-बाङ, तीसरे हों बाङ तीसोक्, होंबाङ, तीस हों आलो, तीसोक् हों आलों, तीसोक् हों ओहो ।
		नहीं के बराबर—लाण्ड ।
		कुछ नहीं होना—लाण्ड, बोसेरटांक ।
नक्षत्र	सं०	नोछोतोर ।
नाई	सं०	नाउ, लापित ।
नाक	सं०	मूँ ।
		नाक से बोलना—हाङ-हुङ ।
		नाक चिपटा—चापिया ।
		नाक का दोनों छेद—नाथू ।
		नाक छेदना—नाथू-फोड़ाव ।
		ऊँची नाक—टुङगा-टुङगी ।

नाखून सं० रामा ।
नाखून गड़ाना—राबोड़ ।

नाग साँप सं० आयाङ बीञ ।
काली नाग—हेंन्दे-आयाङ ।
नागिन साँप—नाङगिन ।

नाच सं० एनेच्, नाट ।
विभिन्न प्रकार के नाचों के नाम:—
कासकोम एनेच्, गुञजार, गुलुआरी, गिदीनी, रीञजा एनेच्, मातवार, सीखार, हुमटी, लावाय, गोलबारी, ठाड, लागड़े एनेच् ।
नाच-गान—सेरेञ दुराङ, रोङरीज ।
नाच मास्टर—नाटेर-गुरू ।
नाच प्रारम्भ करना—एनेच् ओतोङ
नाचना—दुलकाव, एनेच्, ओतोङ, छालाक्-छान्दरी, खमडा ।
नचनी—छालाक-छान्दारी ।

नाजायज बि० आट-त-साट, बेहोक ।
उदा:—तुम नाजायज बोल रहे हो—आट-त-साट एम रोरोड़ काना ।

नाजुक वि० सोहना, बाले ।

नाटक सं० जाकता ।
नाटक दिखाना—जाकता ।
नाटक करना—जाकता ।

नाटा वि० गेडरा, गेडा, चेरचा, दारयात्-दुरयुत्, टुरा, दालचाङ-दुलचुङटुना, टेमेल, जोरमा, धुरूच् चेडगा, राईगुम, खेमटोक, रिउण्डी, डुच्, दुलचुङ, रियाङ-खियाङ, ठेमसोक्,

रैमे-ठेले, रेमबड़े, रेठेया, रेगोटिया, गेङगेच्, जुरा, थेपरेच्, जोरगेल, खेदड़ा, गुडरा, घुटरा, जोरपोच्, आँङे-आदार, गुड्डुच्, घुटमा, दामा-गुड़गुड़िया घुटला, गुटरा, देबरा, हुडमा, जेरे-जेरे, भुटका, डेबेडेबे, भाटका-भुटका, दाड़ाङ एड़गो,बेङरेच, पेङगो, गाङाच्-गुडुच्, ठामसाक्, बेरगा, गान्डरा-गुन्डरू दुलचुङ दुलचुङ, घाटार-घुटुर, दुलुच्-दुपुच्, ढेमेढेच्, गान्डरा - गुन्डरा, टुरा, गुडुच्-पेडले, टेमसो, टेमसोक्, टुड़का, ठेपचा, ठेमका, ठेड़मेज, ठेड़बोक्, डुडुगा, गाठीया, दालचाङ-दालचाङ, दालाय-दोलोय, जेरका, जेरे-बेढे, गेडा, गेडा-रास, रेठमा, घेटरा, रेठे ।

नाटा (पेड़ या औरत)—कोटलो ।

नाटा बच्चा—घाटरा-घुटरी ।

बहुत नाटा—डेमटा, बाँवड़ा ।

नाटा होना—रेमेठेले, रेठेया, धुरूच्, थेपरेच्, टुना, टुरा ठेड़मेज, दालचाङ-दालचाङ, रेगा, रेठमा, जेरका, गेडा, गेडारास, दुलुच्-दुपुच्, लुटा ।

नाटा पड़ना—रेगोटिया ।

नाटा और मोटा—दोमसा, दुमसी, घेटमा, एँड़गो-आदर, घुट-मुटीया ।

नाटा मोटा और भद्दा—गुड़धा ।

नाटा मोटा और ताजा—धुमा ।

नाटा और मजबूत—गेड़मिठीया, गुड़भुड़िया ।

नाटा और पेट निकला—लेधरा, टेबरा ।
नाटा नाटी—ठड़का-ठुड़की, गुडरा-गुडरी ।
नाटी—ठीकरी, ठुड़की, गुड़री, घुटमी, घुटली, घोटली, घोटमी, घीटरी, टुनी, टीरा, ढीबी ।
नाटी और मोटी—गुडमी ।
नाटी और पतली—गिठली ।

नाता	सं०	नाता ।
नाती	सं०	कोराड़, नाती । नाती-पोता—डार, लाती, नात-नातकाड़, जाय-कोराड़, नात-काड़, नाती-पुती, डार-पात नाती-पोता होना—डार । नाती-पोता-दादा—तातायो ।
नाद	सं०	नान्दवा, डाकाडाक् । पत्थरी की नाद—दुङगी धीरी । काठ की नाद—डाकाडाक् । मिट्टी की नाद—पातना ।
नादान	वि०	बेले-बोतके, बेचारा, कालो-बातो, आबालोक । उदा :— यह बच्चा नादान है—गिदराय आबालोक गेया ।
नाना	सं०	आजा, ताता, मामा, बा । नाना-प्रकार—नाना-बोन्द, नाना-पारकान, आडी-रोकोम । नानी—आजी, जिया, मामागो ।

		उदा :- तुम्हारी नानी मेरे पास आयी है—आम आजी इञ ठेने हेच् आकाना।
		नानी-नाती—जियाया।
नाप	सं०	जोक, नाप, जोनोखा, माप, जोखा।
		नापना—उमाँड़, सोङ, नाप, डाङ, तोलोना, जोखा सेरही से दबाकर नापना—भोरकाक्।
		ओछा नापना—दोन्दलो-दोन्दलो।
		हाथ से नापना—मोकाय।
		हाथ का नाप—मौका।
		नाप से ज्यादा—आसाम-भेड़।
		नाप में धोखा—धोवञ्जा, धावञ्जा, धावञ्जी।
		हाथ की नाप से घट जाना—मोका-घाटी।
		उचित नाप होना—साङ-डाटाप्।
		बराबर का नाप होना—साङ डाटाप्
नापसन्द	सं०	बेबासुत।
नापित	सं०	लापित।
नाबालिग	वि०	नाबालोक।
नाभी	सं०	बुका।
		नाभी काटना—बुका-गेत्।
		नाभी गाड़ना—बुका तोपा।
नाम	सं०	ञुतुम, नाता।
		नाम रखना—ञुतुम-दोहो।
		नामकरण करना—ञुम।
		नाम-मात्र का—गाचन्डा-पेटानी।

		नामी—अनुमान ।
		नामो-निशान—नाम चिन्ता, नीती ।
नायक	सं०	नाक, आकयुरिच् ।
नार कटाई	सं०	नार-काटावनी ।
नारंगी	सं०	नारंगी, कोमला-नीबु ।
नारायण	सं०	नारायोन ।
नारियल	सं०	नारकोड़ ।
नाल	सं०	नाल ।
नाला	सं०	सोडोक्, टाड, नाला, दोन-गाडा ।
नालिश	सं०	लालिस ।
		नालिश करना—लालिस ।
नाली	सं०	पोगार, नाला, नाली, बुलान, उकान, खोंयदाक्, सोडगोक्, सोडा ।
		नाली बनाना—गाडा ।
		नाली काटना—सोडा, उकान, पोगार ।
		नाली बनाना—सोडगोक् ।
		नाली होना—खोयदाक् ।
नाव	सं०	लावका ।
		नाविक—लावडिया ।
नाश	सं०	टुट ।
		नाश करना—बाचा ।
नास्तिक	सं०	दो-दोलाक्, नास्तिक ।
नासमझ	वि०	बेले बोतके, बेबुज, निरबुद, हालो-बालो, आन-हुँस, निरबुज ।

		नासमझों का काम करते हो—आन हुँस गेयेम कामी काना ।
नाड़ी	सं०	नाड़ी, नारी, नाटका ।
निकट	वि०	सोर, जोपोक, इबिल ठेन, नोमान, होचलो । निकट होना—होचलो, आठे, गाड़हो, सार-सोर, सोर आठेआठवाङ, एन्डे-एन्डे । निकट आना—हाबड़ाव, सोर-मबोत्, हाबला-हीचलो । निकट जाना—चाहटाओक् । निकट रहना—जिलु, केड़े । निकट करना—तोमबोङ । निकट-निकट—एन्डे-एन्डे, ठाँये-ठाँये, रेराटे-पेराटे निकट भविष्य—आगाम । निकटवर्ती—होचलो, नोमान-दारा, गाड़हो, पान्ते-पितेत्, फेड आस-पास, ठोओय-ठोओ, जाबड़े, सोपतोक्-सोपतोक, सोर, ठाँय-ठाँय, धेंच । निकटवर्ती गाँव—आड़-टोला । निकटतम—सोपोंर, कायले, गाडा-गुड, आठेआठवाङ आही-बाही । निकटता—धेंच ।
निकम्मा	वि०	आकोडा, सोसेया, चोथरो । उदा:-निकम्मा कहीं के कहाँ जा रहें हो—हेन्दा चोथरो ओकातेम चालाक् काना ।

निकलना	क्रि०	तोत्, ओडोकोक, भेरेच्, पुट्टुच्, बारबाराव । भभक कर निकलना—भुलकाव ।
निकालना	क्रि०	लो, तोत् बाहराव आमतोत, डुलाव, आलोय-राकाप पाटुप्, दागार-दागार, ओआर । निचोड़ कर निकालना—साबसाबाव । निकाल कर ले जाना—थोगड़ाव । हाथ से निकाल कर अलग करते हुए—ओआर, ओआर-गिडी । खींचकर निकालते हुए—ओआर । अंगारा निकालना—एच् । खींच कर निकालना—बोच् । दबाकर निकालना—पुठुच् ।
निकाई	सं०	हेड़हेत् ।
निकास	सं०	पाँयड़े, निकास, ओनोडोङ ।
निगरानी	सं०	ताली कोक्ओक, तानखी । निगरानी करना—आनमान । उदा:-इस समान पर निगरानी करना—नोवा जिनिस आनमान में ।
निगलना	क्रि०	लड़युत्, ताङगुड़, ताकोप्, लेड़गो—उते, लाड़युम, तागुम, चालकोफ, उत्, ताहुड़, ढोक-ढोकाव, ढोक, खाबलोक् डोकोच्-डोकोच्, दागुर, कालोप्, कोटोक्, सोकोड़, मोङगोय, मासराव, लातुम, लाकुम । निगलने की प्रक्रिया—लाड़ोय-चाकोय, निकलने की चेष्टा—लाड़ोय-चाकोय ।

निगाह	सं०	नजर । निगाहों से छिपाना—आडगेर ।
निचला	वि०	छेपले, फेड, लातार।
निचोड़ना	क्रि०	काचटाव, पोचपोचाव, बोड़ोच्, सोपोत्, तोलोच्, काचटा-काचटी, काचलाव, रोडोच्, साबसाब । निचोड़ा हुआ—बोडोच्-सोडोच् । निचोड़ी हुई शराब—झारा दाक् ।
निडर	वि०	फाङ्का-फायाड़, मुहखोरो, हिहया-खालास, निरभय, धोदरीक, आम्बाव । उदा : वह बहुत निडर व्यक्ति है—आडी आम्बाव होड़ कानाय । निडर हो कर—एक जीबा ।
नित्य	क्रि० वि०	नीत, जावगे ।
निन्दा	सं०	निन्दाव, निन्दा, हेनोसता । निन्दा करना—हेनोसता, निसड़ाव, बोको-भोण्ड, निन्दाव, जोजना, नाट, भाण्डाओ, धापकाव । परस्पर निन्दा करना—दुपुसाव । निन्दनीय—चाचाक् चावाक्, कालाक, हायरा-गायरा ।
निनियाना	क्रि०	निनीयाव, खिन्दुक्-मिन्दुक् । निनियाकर—निनीयाव, निनीया-नीनीया खिन्दुक्-मिन्दुक् ।
निपटाना	क्रि०	निपटाव । निपटारा करना—फाण्डाव, रोफा । निपटारा होना—रोप-धोप, राहाय-साहाय ।

निपुण	वि०	हेरेड़, लिण्डार, एतो, पाटीओड़, ओ-आखेप, निपुन, हातबोस, गाखड़ । निपुण होना—पाटीओड़, ओ-आखेप, हातबोस । निपुण व्यक्ति—सारधारिया, गाखुड़िया
निफिक्र	वि०	निरदान्दी । निफिक्र रहना—निरदानदी ।
निम्नतम	वि०	टोटा
निमन्त्रण	सं०	नेवता । निमन्त्रण देना—आचार-पुचार, नेवता, डाहू-बुलाव, दोदेला, डोडे । उदा:—कौन इसको निमन्त्रण देगा—ओकोय नुई दो आचार-पुचारेया । निमन्त्रित करना—डोडे ।
निमित्र	सं०	दुरून ।
निमोनिया	सं०	बोक्का-बेथा, पाछिया-बेथा ।
नियन्त्रण	सं०	तीनी, सामबड़ाव, डाण्टाव । नियन्त्रण में रखना—डाटा-डाटी, का बजाव ।
नियम	सं०	राहा—ढोक, धारा, मालिकी, चार, राहाम-रोहोम, दास्तूर, हार, साका, नेम, नेव-धोरोम, कानून । नियम धर्म—नेव-धोरोम । नियम चलाना—मालिकी । नियम होना—नेम । नियमित—आतोम । नियमित रूप से—जीरो-हीरी ।

नियुक्ति	सं०	बाहाली ।
		नियुक्त करना—आड़कारी, आड़काठीया, आचुये, बाहाल, ठेकाव, पानपाटा, लागाव, आमजाक्, बानाल, बादाँव, तेङगो, टारहाव, बोरात. तामिल, बायसाव ।
		नियुक्त होना—लोगोन, ओठावन्दे, आपाच् ।
		नियुक्ति कर्ता—आड़काटिया ।
निर्घिर्ण-गाली	क्रि० वि०	एङगाम-दोङगाम ।
निर्जन	वि०	धोनफोङ, निझुम, निसुन ।
		निर्जन जगह—हाहाकार ।
निर्णय	सं०	राई, गोटा, निट ।
		निर्णय करना—छिनड़खान्ड, सोक्सेटेच्, छीत-भाड़, सुही-जुही, सुबा, खाजज ।
		निर्णय देना—राई ।
निर्दयी	बि०	बेराह्राम ।
		निर्दयता—इलीज ।
		निर्दयतापूर्वक — देमारिया, एक घाटिया, निरधोक ।
निर्देश	सं०	हेलडेल ।
		निर्देशक—छोटोकदार ।
		निर्देश देना—बाँहाँड़, ठारपारसी ।
		निर्देशनार्थ—ठारे-ठोरे ।
निर्दोष	वि०	बेदागी, बिन्दोस, बेकाली, सोने, सोद, बिमदोसी निरीदोस, निरदुसी, निफुट ।
		निर्दोष होना—निरदुसी ।

निर्धन	वि०	निनधान, निपुत्रजी, बिधोन, लोड़-बुडिया, छुचा, डीङगरा, निडाङ गुरिया, निपात, निसारथी, आरोट, नाचार ।
		निर्धन होना—डीङगरा, निनधान ।
निर्धारण	सं०	गोटा, निट ।
		निर्धारण करना—खाड़ा ।
निर्बल	वि०	जोरमा, जाड़ाव, डायबोक् ।
		निर्बल होना—जाड़ाव, डायबोक् ।
निर्बुद्धि	वि०	निरबुद ।
निर्भय	वि०	निरभोय ।
निर्भर	सं०	जापाक् ।
निर्भीक	वि०	बेपोरभाईं ।
निर्मल	वि०	हामरान ।
		निर्मल होना ।
निर्माण	सं०	तुरता, बेनाव, गोड़होन ।
निर्लज्ज	वि०	निलाजिया, आडीन, चेछोड़, बेहोया, बेहुरमुत्, ढीठ, बेहोज, निलाज, लोङगरा, बेसिल, बेसोरोम, ठेलामूँ धोमोक-चोमोक, ढीटाव, बेसोरोमिया, बेभोरोम, भाँकाँड़ाँ, साण्डगार, लेलोच, लातकुटा, बिटानास ।
		उदा :—निर्लज्ज होकर उसने गाली दी—बिटानासे एगेर किदिजा ।
		निर्लज्ज होना—आरोट, ढीटाव ।
		निर्लज्जता—निलाज, बेसोरोम ।
		निर्लज्जतापूर्ण—सीलबेलोस ।

		निर्लज्जता पूर्वक—ठाम-ठाम । निर्लज्जता पूर्वक होना—बेहुरमुत ।
निर्वंश	सं०	निरबोंस ।
निर्वाह	सं०	निरबाह, दोजोक ।
निर्विघ्न	वि०	बाद-बाद ।
निर्विरोध	क्रि० वि०	बेताकिच् ।
निरंकुशता	सं०	जुलुम । निरंकुश होना—जुलुम ।
निरन्तर	वि०	जुग चेतान जुग, सीज-साटुप्, हेरगोय-हेरगोय, हिदीड़-दिकिड़, जीवीड़-जीवीड़, मित्-तोङगे, मित्-तालाव, तेड़ोक्-वेड़ोक्, घाचका-लाटिज निरन्तर वर्षा—हाड़ाम-जापुत् । कुछ दिनों तक लगातार वर्षा होना—हाड़ाम-जापुत्
निरर्थक	क्रि० वि०	धोक-जीबा, आलाक-लान्डो, माखा-माखा, जोठोर-पोठोर । निरर्थक घुमना—आलाङ-पोलेत्, आलाङ-फोलोङ रोभो-रोभो ।
निरस	वि०	पासाक्, मान्धुआ, रामधू, सीठा, निरोस ।
निरक्षर	वि०	मुखू ।
निराकार	सं०	बेरूप ।
निरादर	सं०	पोसड़ा-माङगाल, बेगानाव ।
निराधार	सं०	निराधार ।
निराभरण (बहु)	वि०	आनदाक् ।

निराला	वि०	निराला।
निरावरण	वि०	कोयडोक्।
निराश्रय	वि०	हाले-डाले, ओहिरला, ओरवाड़, निराश्रय होना—उदाम, हाले-डाले, असारथी। निराश्रित रहना—ओहिरला, छुचा।
निराश	वि०	मोमोयोत्, बेआस, आस-छुटाव, थोसोत्-मोरगोत्, हुलास-भाङ्गा, जिड़माक, हेमेंड़-मेथोक्, जिलुवा, कालवे, जिड़माक, जिलमिल, हेहेलोक्, मिरलुङ, रूञ-पुठूच्, जीबी-ञुर, सीवेच्-गेलेच्, आनदुक्-चानदुक्, टोनटोडोच्, मोमोमोच्, निरास। निराश करना—आरखाव, हाय-निसास, हुचाक्। निराश होना—टोनटोड़ोच्, आस-छुटाव, हाय-निसास, नोन्दोक, खोन्दोक्, नोयरास, हारखाव सिठाव, तीतीक, सीटकोच्, आधा-जीवा, ओलोज, जीबी-ओलोज, खाग-खुसुच्, हुलास, भाङ्गा तोसोक्-मोरगोत। निराशा दिखाई देना—जीपुत्। निराश—ओआसा, निरासा, उदास।
निरीक्षक	वि०	आरी, लेखोतिया। निरीक्षण करना—सुधराव, बैठाँ-वडाँ, खुड़ियाव, नाल कामजारी।
निरूत्साह	सं०	दोलोमोलो, आटवासी-पाटवासी। निरूत्साहित—आङ्चाचुवा। निरूत्साही—निरधीन।

निरूद्देश्य	वि०	जानदे-मुन्दे, आखाड़-बाखाड़, आनदाड़े-पानदाड़े, बिना-मोतलोब, आङगोत-बाङगोत, आलाकडीडी, आलाम-गालाम । निरूद्देश्य घूमना—आङगोत-पाङगोत निरुद्देश्य जाना—आयलो-गायलो, आयलो-पायलो।
निरोध	सं०	बारोन, ठाकेक् । निरोध करना—बारोन, माना, जुनाव, ठाकेद ।
निवास	सं०	थान-बाथान, मोकाम, आवतान, ताहेन-ओड़ाक्, बासा, बासा-बाड़ी, बासाड़िया, बोसकोत् । निवास स्थान (जंगली पशुओं का)—गाड़ी, बाथान निवास स्थान—बासा-बाड़ी, बासा, थाल-थोल, थोल, थाम । निवास करना—बासा । निवास गृह—साकीम । निवासी—निबासी, वासी ।
निवेदन	सं०	नेहोर, बिनती-भाक्ति, आड़सा, दारखास । उदा:-वह कपड़ों के लिए आवेदन कर रहा है—किच्-रिच् लागित् आड़सा दाब काना । निवेदन पत्र—दारखास ।
निश्चय	सं०	निसचोय, गोटा, नीट । निश्चय करना—गोटा, जिद, मुरूक, निश्चय कर लेना—गालोट ।

निश्चल	वि०	हिडगिच् डेल-डेल ।
		निश्चय होना—छापार, डेलडेल ।
निश्चित	वि०	सोतोक्-सुमुङ, ममताबेल, दारमाल, नीट, गुलाण्ड ।
		निश्चित करना—निरोगोन, जात-जुत, नेनड़ा, चुकानो ।
		निश्चित मात्रा—ओज ।
		निश्चित मात्रा होना—ओज ।
		निश्चित स्थान—साल ।
		निश्चित स्थान का—एन्डेन ।
		निश्चित समय—हदा-आधांड़, दीन-सोमोध ।
		निश्चित समय पर होना—दिन, नापित् रीतीमोत ।
		निश्चित होना—खाजज, छांट ।
निश्चिन्त	सं०	मेकेच्-मेकेच्, निरदान्दी, बावे-बावे ।
		निश्चित रहना—निरदान्दी ।
		निश्चिन्ततापूर्वक—निरायते ।
निशान	सं०	दाग, निसटान, निसान ।
		निशाना—निसान, जोस ।
		निशाना लगाना—टोनोक, चौंक, हाबाक् ।
नि:शब्द	क्रि० वि०	सागाम-सुगुम ।
निष्कर्ष	सं०	एन्डे ।
निष्कासित	वि०	खेदड़ा ।
निष्ठुर	वि०	चोर-चोटाङ, बेसोरोम, चागाय-चागाय, काट-जीबा, बिरोट, एक-ढाड़, नाचा ।

निषेध	वि०	बारोन, माना, निसेद, पालोन। निषेध करना—दोब, हानताब, पालोन, बारोन, तालहुड़। निषेध किया हुआ—आस-आमोल।
निस्तब्ध	क्रि० वि०	सीड़ीक-लाहाम।
निसंदेह	क्रि० वि०	हेना, धोरले, साके, बेसोक्।
निःसहाय	वि०	आनदुक्-चानदुक्, निनधान, बेआत, बेचारा, ओहिरला, हायफोय- सोआङ, पोडा। निःसहाय होना—हायफोय।
नीच	वि०	धुता, नीच, डीङगराहा, हेङगला, चोरपोट, छोचना, छुटालिया, छियाक्, निछोक, छुचा। उदा :—गरमु बहुत नीच व्यक्ति है—गारमु दो आडी चोरपोट होड़ कानाय। नीच होना—छटालिया, डीङगराहा। नीच मनुष्य—गान्डके (यह शब्द केवल गाली में व्यवहार होता है)। नीचता—दागाबाजी। नीचता का काम करना—हेङगला, धुता।
नीचा	वि०	हेंट, छापोराय, पेडले, हीन, काडो-येत्, कुड्युत्। बहुत नीचा—चपले, झापोराय, लापुर। नीचा दिखाना—छियाक्। नीची जमीन—जाबडाहा, गाभा, तापोल।

		नीचे—लाबार, हेंटे, केंड । नीचे उतरना—आँड़गो, आड़गोन, आनाड़गो । नीचे जाना—बासोन-कुसोन । नीचे आना—जाना-आँड़गो-राकाप् । नीचे की अच्छी शराब—तुलीआनी । नीचे झुका हुआ होना—लावेर । नीचे झुका हुआ सिंग—लाड़ा, लाड़ी नीचे झुकना—लेवा । नीचे तरफ से—लातार-खोंन । नीचे से उपर करना—होटाक् । नीचे लटकता हुआ—लावेर, झारगुय, गावार-गावार । नीचे लटकने की प्रक्रिया—जोहोक् । नीचे फेंकना—लेसड़ोक् । बहुत नीचे तक लटकते हुए—जोहोक्-जोहोक् । बहुत नीचे करना—झापोराय । निचला हिस्सा—नामाल
नीज	वि०	नीज (संतालों की एक उप जाति)
नींद	सं०	जानापीत्, दुदड़ूम, जापीत् । नींद लगना—दुदड़ूम, जानापीत्, गहरी नींद—गालसाङ जापीत्-लाचाक्, उसुच्-उसुच् एक नींद—सोना—गितिच्-एभेन । खर्र-खर्र नींद—उँस-उँस । निंदाना—दुदड़ुम ।
नीबू (कागजी)	सं०	काबजी ।

नीम	सं०	नीम ।
		जंगली नीम—बिर-नीम ।
नीरस	वि०	बेरोस ।
नील	सं०	लील ।
		नील का पौधा—लील ।
		नील लगाना—लील ।
		नीलकंठ पक्षी—टोया ।
		नील गाय—सोसाम, मुरूभ ।
नीला	सं०	लील, नील ।
		नीला होना—लील ।
		नीला बटेर—गादले गुण्डरी ।
		गहरा नीला—आक्-आक् ।
नीलाम	सं०	लिलाम ।
		निलाम करना—लिलाम ।
नींव	सं०	बुनियाद, रेहेत् ।
नुकता-चीनी	क्रि० वि०	ओकता-चिन्ता ।
नुकसान	सं०	हाराकात, खेआनात, लोकसान ।
		नुकसान होना—लोकसान, हारा, खियाव, हुआङ हाँसी-हानाव ।
		नुकसान में पड़ना—हाँसी-हानाव ।
		नुकसान किया हुआ—हुरी ।
नुकीला	वि०	चोयमोर, लासेर, चुइहुर, धार, चुंयगा ।
		नुकीला होना—आपाड़ी ।
नूतन	वि०	लावतान, नावा ।
नुपुर	सं०	पाइगान, लिपुर

		नूपुर पहनना—पाइगान होरोक् ।
		नूपुर ढीला होना—झोन्डोल ।
नेक	वि०	नेक ।
		नेक नाम—नेकनाम ।
		नेकी-बदी—नीकी-बादी ।
नेटा	सं०	सुलुच् ।
		नेटा गिरना—सुलुच्, सुरूच्-सुपुच् ।
		नेटाहा—सोरपोङ ।
नेठो	सं०	कानडहुम, बिण्डी ।
		उदा:—नेठो पर हँड़िया रखते हैं—
		बिण्डी रे टुकुच् को दोहोया ।
		नेठो लगाना—कानडहुम ।
नेता	सं०	माथा, चालाउआ, सुबा ।
		नेता के पास जाओ—चालाउआ ठेन
		चालाक् में ।
		विशेष अवसर के नेता जैसे विवाह
		आदि के—दाहीन आग ।
		नेता होना—सुबा ।
नेवता	सं०	नेवता ।
		नेवता देना—नेवता ।
		नेवतापुरी—नेतपुरी ।
नेवला	सं०	चेमेञ ।
		उदा :—नेवला साँप को खाता हैं—
		चेमेञ दो बिञ को जोम कोआ ।
		बड़ा नेवला—साराम बाबेया ।
नैंहर	सं०	नाइहार ।
		नैहर का देवता—नाइहार-बोङगा ।

नोंक	सं०	ठोण्टा।
		तीर की नोंक—कानारी।
		तीर की नोंक लगाना—कानारी।
		नोंकदार—बुचबुचु।
		नोंक झुका हुआ—कोड़गा।
		नोंक से भोंकना—सो।
नोख	सं०	चुंइला।
		उदा:—पेन्सिल में नोख है—पेन्सिल रे चुइला मेनाक् आ।
		नोखी—रागात्।
नोचना	क्रि०	राचाक्, लोचा, राबोड़, गाबोड़, चेवेच्, नाचड़ाव।
		नोचा-नोची—चोनथा-चुनथी, तागाड़-नाचाड़।
		नोच खसोट—चोनथा-चुनथी।
नोट	सं०	लोट।
नौ	संख्यावाचक	आरे, लो।
नौकर	सं०	गुती, चाकोर, बातुवा, नोकोर, जनकामिया,
		निजी नौकर—टेराडेल।
		नौकर चाकर—नोकोर-चाकोर।
		नौकर रखना—गुती।
		नौकर—नौकरानी—गुती - कामड़ी, गुती-दासी, गुती-कानिया।
		नौकरी—चाकरी, नुकरी।
		नौकरी करना—चाकरी, नुकरी।
		नौकरानी—धांगड़ी, कामीन, काड़मी, गुतिनी, दाकुदुल।
		नौकरानी होना—दाक्-दुल।

पृथ्वी	सं०	बोमा, पीरथिमी । पृथ्वी और आकाश—ओत-सेरमा ।
पृथक	सं०	बेगार, हाठिञ, पृथक होना—आवात, अलगछाड़ा । पृथक में—एटाक्-रे । पृथक-पृथक—आपान-आपीन ।
पृष्ठवर्ती	वि०	चुगुक ।
प्याज	सं०	पेआंज ।
प्यादा	सं०	पेआदा ।
प्यार	सं०	सोहाग, दुलाड़ । प्यार करना—मुरी-मुरी, रेंहों-रेंहों, सोहाग, होरोडोको, रूहू-टूहू आलाड़-दुलाड़ । प्यार होना—कोनोर-कोनोर, लाता । परस्पर प्यार करना—दुपुलाड़ । प्यारा—आलाड़िया, आलाड़-दुलाड़ । उदा:-अपने बाप का प्यारा पुत्र है—आच् बाबा रेन आलाड़िया गिदरा कान तायाय । अत्यन्त प्यारा—सोहागिया ।
प्याली	सं०	पेआला ।
प्यास	वि०	तेताङ । प्यास से छटपटाना—छाट-छाटाव । प्यास लगना—तेताङ, तीरसा, टटोआस । प्यास से व्याकुल—छाट-छाट ।

प्यासातुर—छाटछाट ।
प्यासा—तेताङ, तीरासा, टेटवासिया ।

प्रकृति	सं०	सिरजोन ।
प्रकार	सं०	आड़ा, खोद, फोदोर, आड़ामाड़ा, आड़ी, गोटाङ नाता, पारकार, बाछाव, लेकाते, रोकोम । प्रकार से—लेकाते । एक ही प्रकार का—झाड़, मित् रोकोमाक् । किसी प्रकार से—जाँहाँ लेकाते । किसी प्रकार से भी नहीं—ओका लेकाते हो बाङ । किसी भी प्रकार से—हाँहाँ लेकाते । उसने विभिन्न प्रकार की बातें कही—आडी गोटाङए रोड़ केदा । उसी प्रकार—हेन-हेनका ।
प्रकाश	सं०	मारसाल, बामबेर, सीज मारसाल । तेज प्रकाश—बामबेर, डीगडीग । प्रकाश करना—दिवहे । प्रकाशयुक्त—झाक-झाक, झाक-मानते । प्रकाशित करना—आरसाल, सोहरोत । प्रकाशित होना—सोहरोत ।
प्रगट	सं०	जाहिर । प्रगट होना—उपेल ।
प्रचण्ड	वि०	एड़ेज-बेटेज । प्रचण्ड अग्नि लगाना—डाही-डुङगारी ।
प्रचलन	सं०	धारा-धारोन । प्रचलित—चुलीट ।

प्रचार	सं०	पोरचार, लाई-पासनाव । प्रचार करना—पोरचार, लाई, डाहू-बुलाव, ढाड़ाय ।
प्रचुर	क्रि० वि०	बुर-बुदलुक्, बाखान, दाल-दाल, हामेसा, कुलान, गाण्डे-मुण्ड़ा, गाण्डे-ठेला ।
प्रजा	सं०	पोरजा ।
प्रणाम	सं०	जोहार, डाण्डबात । प्रणाम करना—जोहार, डोबोक्, गाड-लागाव । परस्पर प्रणाम करना—जोपोहार ।
प्रत्यक्ष	सं०	सामने, सामाङ । प्रत्यक्ष साक्षी—साखी-सामना ।
प्रत्येक	वि०	फी, मुन्सी, मित्-मित्-ते, मोमलोत, सोबाय, आङगा-आङगी, आङगे-आङगे, आतोम, जाती–जाती, उड़ती-पुड़ती, मिमित् । प्रत्येक व्यक्ति—होड़ो-होड़ो । प्रत्येक टुकड़ा—ओरोप्-कोटोप् । प्रत्येक छः (विभाजन सं०)—तुतुर ।
प्रतिकूल	वि०	बाधा-बीधी । प्रतिकूल होना—तालहुड़ ।
प्रतिद्वन्द	सं०	एपेर-हेन्डे । प्रतिद्वन्दी—एपेर-होन्डेन । प्रतिद्वन्दी होना—हाटा बाजी, हारा-हारी । प्रतिद्वन्दीता होना—हुपुटेत् ।

प्रतिदिन	क्रि० वि०	जाव, दिन-हिलोक्, दिनाम, दिनाम-हिलोक्, दिनेक-दिन, सादाय, दिन-दिन, दिन गे, मोन्दाम, रोज, हारोज, दीनटाक्रे, आनहिक, सोदाय, दिनेक-दिनेक ।
		प्रतिदिन होना—हिरगुय-हिरगुय ।
		प्रतिदिन आना—हिरगुय-हिरगुय ।
		उदा :—तुम प्रतिदिन काम करो—आम दो आनहिक गे कामी में ।
प्रतिध्वनि	स०	राँवाँव, ठाँव, रीङगाव ।
		प्रतिध्वनित—गुन्दराव ।
		प्रतिध्वनि होना—आन्दकाव, ठाँव, आनदाकाल, आवाज ।
प्रतिनिधित्व	सं०	छोन्द ।
प्रतिबन्धित	वि०	जोबदो ।
		प्रतिबन्ध करना—डाबोट, हातकाव दोरादागा, आकोट ।
		प्रतिबन्ध लगाना—रोहोम-सोहोम, जोबोद, राह्दानी हाक-दामान ।
प्रतिमा	सं०	मुठान, गोड़होन, भादू ।
प्रतियोगिता	सं०	पारला, हापाराव ।
		प्रतियोगिता होना—हापाराव, हाप-टाव, हापाटाव ।
प्रतिलिपि	वि०	नोकोल ।
प्रतिवर्ष	क्रि० वि०	सालेसाल, बाछड़ी, बाछड़ी ।
		प्रतिमास—चान्दोटाक्रे ।
प्रतिशत	सं०	हार, सायकाड़ा ।

प्रतिशोध	सं०	हाला । प्रतिशोध लेना—बायरी-साधाव ।
प्रतिष्ठा	सं०	इरजोत, पुतीसटा, मान, आत्मान-चालाव । प्रतिष्ठा रखना—आत्मान चालाव । प्रतिष्ठित—मानोतान, लोहानो, ताले-बोर ।
प्रतिस्पर्धा	क्रि० वि०	हारा-हारी । प्रतिस्पर्धा होना—हापाराव ।
प्रतीत	सं०	सोदोर, तुर्फोन-आड़काव ।
प्रतिज्ञा	सं०	बोल-काबुल, मानान । प्रतिज्ञा पत्र—काराड़नामा, गिरमिट प्रतिज्ञा करना—ढाला-ढुला, गाछाव मानानदोहो ।
प्रतिक्षा	सं०	एलहे-चेलहे, कोयोक्-होर, ञेल-होर प्रतीक्षा करना—एलहे-चेलहे, ताङगो, एलेम-चेलेम, आर-पेड़ेच् । प्रतीक्षा पूर्वक—आनडा-मानड़ा । उदा—वह उसकी प्रतीक्षा कर रहा है—उनीये आनडा-मानडायेदा ।
प्रथम	वि०	पाहिल, एताहोप्, मोंड़, मांडाङ । प्राथम्य—मातड़ाङ । प्रथम संस्कार करना—धुंड़ाव । प्राथमिकता देना—जोहोल । प्राथमिकता देते हुए करना—जोहोल
प्रदर्शनी	सं०	तामाशा । प्रदर्शन करना—तामाशा । प्रदर्शन होना—डीगी-मीगी ।

प्रधान	सं०	माञझी, ओपोमोन, लोहानी, मोटका-मुटकी, मुखिया खामीद, चाउधारी, पोरधान मुण्ड, सीरा, मुठू-मुठू, माथोआन, पुरूआत, जोहोल, मुर्ता-आन, आगलाहा, गोटा-गुटी, माथा, माराङ, मोस्तागीर । गांव के प्रधान लोग—माञझावटी, मापाञझी । सहायक-प्रधान—जोग-पारानीक । प्रधानता होना—सारथी ।
प्रपात	सं०	दाँड़गा ।
प्रफुल्लित	वि०	हुलास, छामके ।
प्रबन्ध	क्रि०	गोट, साप्-सोर । प्रबन्ध करना—जुड़ाव, रीका, तोड़ाव, तेल । प्रबन्धक—भुतलेक, चाक्लावोच्, जुक्ड़ाविच् । प्रबन्धकर्ता—मेनेजोर ।
प्रबल	वि०	जियाड़ ।
प्रभाव	सं०	आड़ेच्-गाड़ेच्, बेदबीधी । प्रभावशाली—लोहानी, हापड़ाक्, उगुर, तालेबोर, मुखोसे । प्रभावरहित—बेगुण । प्रभाव पड़ना—तेल । प्रभाव डालना—बेदबीधी । बुरा प्रभाव—तालाक । बुरा प्रभाव होना—तालाक । प्रभावित होना—छुवाव, गाढ़ियाव, छाटा, आमदा, सुनान, हेनात् । प्रभावशाली होना—हापड़ाक ।

प्रभु	सं०	पोरभु ।
प्रमाण	सं०	बोमाल, पोरमान, पेरमाण. साय-साबुद । प्रमाण पत्र—दोलेल, खोत, हुकुम-नामा । प्रमाणित करना—साय-साबुत, डारा-डाव, सुही-जुही ।
प्रमुख	वि०	सुसारी, सीरा ।
प्रयत्न	सं०	आटकार, कुरूमुटु । यत्नशील— आम्बाड़-आम्बाड़ । उदा—वह इस काम को पूरा करने के लिए बहुत प्रयत्नशील है—नोवा कामी पुराव लागित् आडी अटि आम्बाड़ ओमबोड़ोक् काना । प्रयत्न पूर्वक—चुरामार । प्रयत्न करना—लेगा, आटकार, कुरू-मुटू, आयसान । प्रयास करना—लेगा, कुथाव ।
प्रयोजन	सं०	दुरून । प्रयोजन होना—दुरून । प्रयोजन से—दुरून ते । प्रयोग में लाना—लाड़ चाड़ ।
प्रवृत	सं०	तेयार, गोटा, निट । प्रवृत होना—जापाक्, हेन्दाहिन्दी ।
प्रवीण	वि०	लाकेर, गाखुड़ । प्रवीन होना—लाकेर ।
प्रवेश	सं०	बोतोलो । प्रवेश करना—बोलोक्, आदेरोक्, ढोको, छुवाव, गाबचाव ।

प्रश्न	सं०	कुली, कुकली, सोआल । प्रश्न करना या पूछना—कुली । प्रश्नोतर-सोआल जोबाब । प्रश्नोतर देना—सोआल-जोबाब ।
प्रशंसा	सं०	सारहाव, आबरूक् । प्रशंसा करना—साबास, ओइहें, सारहाव, सारहानी, ज़ुलुम । प्रशंसा होना—सारहाव, सारहानी, दारा-हारा । प्रशंसा पाना—साबासी ।
प्रस्ताव	सं०	आर्जी, सुबा । प्रस्ताव पास करना—सुबा । प्रस्ताव करना—आङगाछाव ।
प्रस्थान	सं०	मोंहडा । प्रस्थान करना—चोड़ेत, मोंहडाक् ।
प्रस्फुटित	वि०	साड़, भोटोक, भाटकाक्-भोटकोक् । प्रस्फुटित होना—गेरेच्-गेरेच् सागेन ।
प्रस्तुत	सं०	पीआव, सोदोर ।
प्रसन्न	सं०	कुसी, रासका । प्रसन्न होना—हींत, इरीच्-इरीच् । प्रसन्नचित—खारसाला, आलापिया, छालाक, छान्दरी । उदा:-वह बहुत ही प्रसन्नचित व्यक्ति है—आडी आलापिया होड़ कानाय । प्रसन्नता—आनाद राजी । प्रसन्नता पूर्वक करना—छिन्दुङ-भिन्दुङ । अप्रसन्न करना—तीतीका, मोनदुक ।

प्रसव	सं०	जानाम, ओमोन । प्रसव होना—आला-सुता । प्रसव का दिन—आगार-ओगोर । उदा:-उसका प्रसव का दिन निकट आ गया है—आगार-ओगोर आकानाय दिन सेटेरोक कानताय तें । प्रसव पीड़ा—सोल ।
प्रसाद	सं०	पोरसाद, आधा—पुजा, जेरदोक्, सामाङओक् आक् । उदा:-आजकल वे देवता को प्रसाद समर्पण के समय हमलोगों को नहीं बताते हैं—नाहाक् दो आधा पूजा जोखेच् बाको लाई बाड़ा वालेया ।
प्रसिद्ध	सं०	नामडाक, जारनाम, लाहाँत, डरू-बुर, हिताव, डाकसरिया-ञुतुमान । प्रसिद्धि पाना—डाक-सारिया । प्रसिद्ध होना—ञुतुम, लाहाँत ।
प्रहार	सं०	छाता, गाङ, उयुक् । प्रहार करना—गाङ, छिरछिराव, उयुक् ।
प्रांगन	सं०	हाबाली, राचा ।
प्राचीन	वि०	सेदाई, जुग, बोलमोढ ।
प्राण	सं०	जीवी, पोरान । प्राणनाशक—गोगोच् । एक प्राणी—एका जीवी ।
प्रातः	सं०	सेताक्, आङगा, भिनसार, पारेआङ । उदा:—प्रातःकाल स्नान करो—आङगा-पारेआङ, रे हाबराक् में ।

प्रातः होना—सेताक् पारमार, सेता-
गोक् ।

प्रथम　　वि०　　पाहील, पोरयोम, सीरा, पाहला ।
सर्व-प्रथम—पाहीलरे, पाहील ते ।
प्रथमतः—सालास ।

प्राप्त　　सं०　　आम, भोग, लेटवाक्, तेलाव, जुड़ना, कारदानी, आरजाव, जुटाव, ताम-भाव, ताबलाव, हालकाहील ।
प्राप्त होना—पाड़ाव ।
प्राप्ति की इच्छा में—जाले-जाजजे ।

प्रमाण　　सं०　　साबुद ।
प्रमाणिक—आसी ।
प्रमाणित होना—दुबदान ।

प्रायद्वीप　　सं०　　उपोदीप ।

प्रायश्चित　　सं०　　पोरासचीत ।

प्रार्थना　　सं०　　बाँखेड़, उजुर-मुजुर, कोय, आजाक् ।
प्रार्थना करना—आराधीन, आरोज, गोसाँय-गोसाँय, दाहनाव, दाहना-दाहनी, तेहराव, कोय, कोयजोङ, धीगिया-धीगियी, धीगियाव, आजाक् आजाक्, जाँचाव, बाँखेड़, डेहेत्-डुन-ढेल, डेढेत् बेगोरता, बाड़े ।
प्रार्थना पत्र—आरदास, दारखास ।
प्राथाना पत्र देना—दारखास ।
सहायता के लिए प्रार्थना करना—दाहना-दाहनी, दाहनाव ।

प्रार्थी　　सं०　　गोला-गामछा, दादका-दार, राय-दोहाय ।

प्रारंभ	सं०	एहोप्, एतोहोप्, लाहा, ओमोनोम, ओपोमोन, ओतोमोन, आरोम्बो। प्रारंभ करना—ओराम, घुड़ीव, एहोप्, दायरे, बिझाड़, बिरजाउ। प्रारंभ होना—राकताव, ओंडाक। प्रारंभिक—आमबील-झामबील, मेरेच
प्रिय	सं०	दुलाड़िया, सोहाँड़ा, रेसेत्, रेसेत्-रेसेत्, माइरी। प्रिय पात्र—डेलगेच्, मानोतानिच्।
प्रीत	सं०	पीरीत, दुलाड़।
प्रेत	सं०	भुत, बोङ्गा। प्रेत आत्मा—बाड़ीच्-जीव, बाड़ीच्-आत्मा। प्रेतात्मा से प्रभावित होना—रूम।
प्रेम	सं०	मिलुवा, दुलाड़। पारस्परिक प्रेम—दुपलाड़। प्रेम पूर्वक—चोलेबोले, चेहोर-बेहोर प्रेम दिखाना—एँभेर-हाड़ुप्। प्रेम का स्वांग दिखाना—जाल-गालिया। प्रेम का स्वांग दिखाने वाला—छेलको।
प्रोत्साहन	सं०	सोहगा, बाकाव, बाकाल। प्रोत्साहन देना—बाकाल, सोहगा, बाकाव, रियाब। प्रोत्साहित—उतकुत्। प्रोत्साहित करना—साहोस, बिचकाड।

प्रौढ़	वि०	उमेरिया, हाड़ाम ।
प्लेटो	सं०	दासना, चाताल, दुमगी, बोटकोट्, डुङगरी, दोमगी ।
पंक	सं०	पाँक, लोसोत्, हासा ।
पंक्ति	सं०	पान्ता, थार, पात, लेन, सार, आगेर-आटाल ।
		पंक्ति-पंक्ति—पान्ता-पान्ता ।
		पंक्ति बध—पान्ते, रेतरेते, थारेथार थार-थार, थाराथार, बोनोच, बोनोच्, गोतगोतो—थार-के-थार
		पंक्ति बध होना—थार-थार ।
		पंक्ति में होना—रेत रेते, थार ।
		कविता की पंक्ति—आयात ।
पंकिल	वि०	इगोर-बागार, लास-पास, पाकुआ, आङगाल-बाङगाल, जाबडाहा ।
पंख	सं०	फाँकड़ाँक्, इल, पुङखी ।
		पंख होना—इलोक् ।
		पंख वाला—इलान ।
		पंख युक्त—इलसोपरोम ।
		पंखहीन—हेण्डरा-हिण्डरी, डेण्डे ।
		पंखहीन करना—डेण्डे ।
		पंख के नीचे—गुङगुत् ।
		पंख फड़फड़ाना—लिपा-लापे, लाप् ।
		पंख फैलाना—ढाप-ढापा ।
		कम पंख होना—डेनडका ।
		कम पंख वाला—बोयोल-बोयोल ।
		लम्बा और नर्म पंख जो नीचे की ओर झुका हुआ हो—लोबोय ।
		पंख रहित तीर—थोता ।
		बिना पंख का—लाङटा ।

पंखा	सं०	बिनी, पाङखा । पंखा झलना—पाङखा
पंखुरी	सं०	पुङगड़ी ।
पंगु	वि०	धुकाड़ । पंगु करना—धुकाड़ । पँगु हो जाना—पाझाड़ ।
पंच	सं०	बासयी, सालीसदार, सालीसी, माञझीया । पंच षष्ठ देव गण—मोड़े को तुरूई को ।
पंचम	संख्यावाचक	मोई-ईच्, पोञचोम ।
पचरंगा	वि०	पांचराइगी ।
पंचायत	सं०	पोञचाहीत, कुलही-दुड़ुप् चाउरास ।
पंजरा	सं०	पाञजरा, पाञजार।
पंजा	सं०	थोपा, डिटोम । पंजा से पकड़ना—डिटोम ।
पंजिका	सं०	पाञजी ।
पइला (अधसेरा)	सं०	पाई, बो, बुरसा । बीस सेर का पइला—बिसा ।
पक्का	वि०	आसी, केटेच्, पाकी, पाका-पाकी, पाका । पक्का होना—पाकी । पक्का कुआं—इनदारा ।
पकना	क्रि०	चांवांओ, हाराथुर, बेलेक । पूर्णतः पक जाना—बेले-बोराम, बेले-लीड़ू, बेले-लीडुर, हाराथुर ।

पकाना—रापाक्, छोङ, जामबो, इसीन, तेके-मेके, सोमडोङ ।

जल्दी बाजी में थोड़ा पकाना—टेके-टेके ।

पका हुआ—बेले, जुरूल-जुरूल, पाका, बेलेहार, पाकोट इसीन ।

अधिक पका हुआ—हार, इसीन-लाहा, लाम्बो, लिडू, बेलेलाहा, जारा-जारा ।

फिर से पकाना—इसीन-आरो ।

आधा पकाया हुआ—ओरलोक् ।

पका बाल—पाका-चुलिया, पोण्ड-उप् ।

पकड़ना क्रि० साप्, मुट, डुराआव, मुठीआव, धोराव, राचाक्, साफ, काड़-माटाव, पाकड़ाव, तेबाक, चिमटा, आक, छुवा-छुई, कापटाव, हेलाव, सापाप्, धोरा-पाकड़ा, ओता, घाटघाटाव, छुयओ, (यह शब्द केवल संगीत में व्यवहार होता है)

पकड़ाना—झालियाव ।

पकड़ कर—सोयसील ।

पकड़ कर उठाना—हार-बेरेत् ।

पकड़ लेना—घाटवा ।

एक साथ पकड़ना—झाली मित् ।

बंशी से मछली पकड़ना—टीपका, बाँड़सी ।

उछल कर पकड़ना—चापोट ।

गाय बैल को ढोर में जबर्दस्ती पकड़ना—बेडबान्द

परस्पर हाथ पकड़ना—तीपीआक् ।

चिड़ियों को घोसले में अचानक पकड़ना—जापुत् झापुट ।
परस्पर पकड़ने की प्रक्रिया—घाटवा घाटवी ।
पकड़े रहना (हाथ में)—सेपेञ ।
एक दूसरे को पकड़ना—सापाप् ।
अँगुली से पकड़ना—रोचो ।
हल्की-रीति से पकड़ना—रोचो ।
पकड़कर रखना—मोड़मोड़ाव ।
गप से पकड़ लेना—कालोप् मानते ।
तुरन्त पकड़ लेना—कालोप् मानते ।
कसकर पकड़ा हुआ—रूच्-रूच् ।
गर्दन से पकड़ कर—धाड़-बाकाव ।

पगडण्डी — सं० — सुड़ुच्-डाहार ।

पगला — वि० — कोङका, पागला ।
पगली—कुङकी ।

पगड़ी — सं० — दाहड़ी, पाटका ।
पगड़ी बाँधना—दाहड़ी ।
पगड़ी लगाना—दाहड़ी ।
एक चौड़ी पगड़ी—चाक-दाहड़ी (ऐसी पगड़ी प्रायः बुढ़े लोग बाँधते हैं)
बड़ी पगड़ी—रोम-चोम ।
बड़ा पगड़ी होना—रोम-चोम ।
ऊँची पगड़ी बाँधा हुआ—रोन-रोन ।
पच्चड़—ठुनी ।
पच्चड़ लगाना—ठुनी ।

पचका — वि० — खुपा ।

पचना — क्रि० — आझमाव, गालीद, हाजामोक ।

		पच जाना—हाजाम ।
		पचाना—हाजाम, पाचाव, जिराव ।
पचनोन	सं०	ताले बुलुङ ।
पचार (लकड़ी की बत्ती)	सं०	पाचार ।
		पचार ठोकना—पाचार ।
पचासवाँ	वि०	मोड़ेगेल आक् ।
पछताना	क्रि०	कासताव, पाचताव, पोसतानी, पोसताव, कासता-कासती, कासतानी ।
		पछताने योग्य—कासतानी ।
		पछताते हुए—कासताव ।
पछाड़ना	क्रि०	तावाक्, पाछड़ाव ।
पट्टा	सं०	इजादारी (भूमि का पट्टा) ।
पट्टी	सं०	पाटी, बाधी ।
पटकना	क्रि०	टेपटेपे, थासड़ाव, थापड़ाक्, तेकेच्, तावाक्, हिङगुड़ ।
पटपटाना	क्रि०	पाटपाटाव ।
पटराव	सं०	पाटा, पाटरा ।
पटवारी	सं०	पाटवारी ।
पटवासी	सं०	पाटवासी ।
पटसन	सं०	मुसना, जोंड़ी, फुल-सोन, मेसता, पाट ।
पटाना	क्रि०	पाटाव ।
		पटाये जाने वाला—पाटान ।
पाटियाना	क्रि०	पाटियाव ।

पट्टआ	सं०	मुसना ।
पठार	सं०	चाताल ।
पण्डा	सं०	पानडा, उतीत ।
पण्डाल	सं०	चामडा ।
पण्डित	वि०	पोण्डेत, पानडेत ।
पण्डुक	सं०	पोताम । छोटी जाति का पण्डुक—बाड़गे-पोताम । बड़ी जाति का पण्डुक—गुदुरधुम ।
पत्तल	सं०	पातड़ा । पत्तल बनाना—टीपा ।
पत्ता	सं०	पाता । पत्ती—साकाम, पालहा, पुती, पाती । पत्ती तोड़ना—हेच् पत्ती को तोड़ना—चाचाक् । पत्तियों से बनी बरसाती—गुङगू । ताड़ की पत्ती—डेमका, डेमडोक् । सुँखी पत्ती—पाताबलाक् । पीली पत्ती—पालो । पत्तियों का विस्फुटन—गेरेच्-गेरेच् । पत्तों का दोना—टोटोड़ बाक्, फुँडुक् । जलावन का पत्ता—पताहाक्, पाता-बलाक्, पकसा ।
पत्थर	सं०	चाउरा, धीरी । पत्थर का माला—धीरी-हिसीर । एक बहुमूल्य पत्थर—चुनी ।

पत्थर का जोड़—सीआन।
पत्थर का ढेर—ढुई।
पत्थर से भरा हुआ—रेगे-चोगे, रोगड़ो।
पत्थर की मुत्ति-सीधी।
पत्थर की मुर्ति बनाना—सीधो।
काले रंग का नंगिन पत्थर—नाङ-गिर धीरी।
चकमक साफ पत्थर—चेटेर-धीरी।
पथरीला—रींगोड़, रोगोड रागुई।
पथरीला जगह होना—रोडगो।
पथरीली जमीन—रेडगेच्, रोगड़ो, रोडगो।

पत्नि	सं०	एरा, ओड़ाक्-होड़, बाहु, रीनीच्, ओड़ाक्-बोङगा ओड़ाक्-गोमके, दावड़ा-बोङगा, धारना। अपनी पत्नी होना—ओड़ाक्-गोमके। पत्नी बनाना—ओड़ाक्-होड़ ए। दिहरी की पत्नि—दिहरी एरा। प्रथम पत्नि—बाटकी।
पतझड़	सं०	पातझाड़।
पतरी	सं०	सारताल। पतरी बनाना—सारताल।
पतला	वि०	रियाङ-रापाङ, रोजझो, रोमधो, मोसड़ा, रूपुयुत्, ओसोक, रोमपोड़, रोयदा, जोअजरोच्, सीसीआर, रितिड़हीच्, हालाय-हालाय, हिगो, होगो, रूपुच-कुत्, रियाङ-खियाङ, कायरात्, एताङ, पाताराङगा,

झीजजड़ी, फीनी, फीच्, साडार-सुडुर, लेजरा, लालहार, लिजाक्, पोदोय, लोमोञ, राङगाप् छुलहुलिया, पातला, सुडुर-सुडुर, बोरोच्, नानहा, लेमेञ।

पतला (पानी के समान)—लेहेर, टुयुल-टुयुल।

पतला करना—फाड़ाव, झाड़ाव।

पतला और बड़ा पेट वाला—झोटेया।

पतला और चोखा—हाईआर।

पतला और कम—रायाम-रूयुम।

पतला-गोल छेद—रूडु-रूडु।

पतला और सकरा—चुल-चुड़िया।

पतला और चौड़ा—लापरा।

पतला बिना हुआ—धाङगरा-धाङगरी।

पतला बुना हुआ कपड़ा—लेजरा।

पतला दस्त होना—सेरेच्, चिडिर।

पतला होना—ओझड़ाव, लालहार, रियाङ-रायाङ, रूकडुङ, रोमपोड़, हुयुड़, ओसोक्, लेजरा, लेमेञ, रितिड़हीच्, हाङगार, रोमधी, टीञ-टीञ।

बिना टहनी का पतला पेड़—हुलहुलिया।

पानी के टपकते हुए पतला धारा—जाडार-सुडुर।

बहुत पतला—टायाल-टुयुल, डायात्-डुयुत्।

पतली और चौड़ी मच्छली—चितोल हाको।

पतली तार—तार-सुताम।

पतली डोरी—साँक।
पानी की पतली धार—साडार-सुडूर
दुबला-पतला—रीमका-टामके,
लेटपोटिया, रायात्-रायात्, जापुवा,
सीवीञ-सीवीञ, राहड़ाच्, हाडया,
हाडगेंड़ाय, रेङ्था।
दुबला-पतला होना—राबा-झाला।

पतलून	सं०	झाङ्गड़े, झाङ्गा।
पतवार	सं०	चिहिड़ी डाङ, पातवार। पातबार धारी—लावड़िया।
पता	सं०	टेवान, नावठिकान, पोयान। पता-ठिकाना—ठीकाना। पता होना—टेवान, ठिकाना। पता लगाना—निरोपोन, तोनदोही, धान्दरा, धान्दरी, दारियापी, पाछा, तादबीर, तोदारोक, खुड़ियाव, निसटा, दारियाप, चिया, खुटियाव।
पति	सं०	जाँवाँय, हेरेल, हेपेल, झाटा, दारे, पुरूस। पति होना—दारे। पति-पत्नि—जुरी-पारी, बाहु-जाँ-वाँय, जुरी-जोता, एरा-हेरेल। पति पाना—हेरेल। पति मिलना—हेरेल।
पतित	वि०	छार-हाडिया, पातीत। पतिता—बाचकार। पतित जमीन—पुतीत।
पतिला	सं०	पातना।
पतोहु	सं०	किमीन।

		पतोहु बनाना—किमोन ।
पथ	सं०	डाहार, होर ।
		संकीर्ण पथ—सुड़ुच्-डाहार ।
		पथभ्रष्ट—घाञजेड़, आपरांड़ ।
पथरी	सं०	पाथरा ।
		पथरी की बीमारी—कारड़ा ।
		पथरीला—रोडगा-रोडगो, राधा-रोधी, रागाड़-रोगोड़ ।
		पथरीली—राड़ो ।
पद	सं०	काली, पोद, आयात, गीरी, हुदा ।
		पद मिलना—हुदा ।
		पद लाइन—आरवाङ ।
		पद ग्रहण करना—गीरी ।
		पद चिन्ह—लेबेत्, पाञजा, गोयोन, हारभाञज ।
		पद चिन्ह से पीछा करना—पाञजा-गाडाव ।
		पद चिन्ह जो गहरा और चौड़ा हो—बोदयाक् ।
		मोटा पद चिन्ह—बोदगाक्-बोद-गाक्
		पदवी—शारीस ।
		पदवी पाना—गीरी ।
पन्द्रह	संख्या वाचक	गेल-मोड़ें ।
पन्ना	सं०	साकाम, ता ।
पन्नी	सं०	राङता ।
पनडुब्बी (चिड़ियाँ)	सं०	पानीडुबा, डुबा-चेंड़ें ।
पनपना	क्रि०	सागेन ।
पनहो	सं०	पानाही ।

पनीर	सं०	छाले-चेड़ा।
पपड़ी	सं०	सोन्दरो। पपड़ी पड़ना—सोन्दरो।
पपीता	सं०	आमरीत, पीपा। पपीता का फल मीठा होता है—आमरीत जो दो हेड़म गेया।
पपीहा	सं०	पिओ, सासाङ-पीओ।
पर्चा	सं०	पोरचा।
पर्दा	सं०	ओरवाल, पोरदा। पर्दा लगाना—ओरवाल।
पर्यटन	सं०	दाड़ान।
पर्यवेक्षक	सं०	का मजारी।
पर्याप्त	वि०	हामेसा। पर्याप्त स्थान वाला, जगह—हेलाकेल।
पर्व	सं०	पोरोब, पोरबास। संतालों का एक पर्व—छाता।
पूर्वत	सं०	बुरू।
पर	सं०	फांकड़ाक्। पर (संयोजक)—मेनेक्, मेन-खान
परखना	सं०	बिडाब, पोरोक, मेयाड़। परख—बिडाव।
परगना	सं०	परगना।
परगनैत	सं०	परगाना पाँच छः गाँवों के प्रधानों के ऊपर परगाना होता है।

परजात	वि०	नि-जात, पोरजाती, पोरजात ।
परजीवी	सं०	बान्दा ।
परती	वि०	पाड़ती ।
परदादा	सं०	दादा ।
परदेश	सं०	पोरदेस । परदेशी—पोरदेसी, उरिया, उआई ।
परन्तु	संयोजक	मेनखान, से-सानते ।
परपितामह	सं०	दादा-हाड़ाम, जाय, जाय ताला ।
परपौत्र	सं०	जाय-कोराड़, जाय ।
परम्परा	सं०	सोखा, लेगचार, लेग । परम्परा के अनुसार चलना—लेगचार । परम्परागत अधिकार—लिगी ।
परलोक	सं०	हाना-पुरी । परलोक सिधारना—हाना-पुरी।
परवरिश	सं०	पारबास्ती ।
परवल	सं०	पोटोल, पालता-पोटोल । एक प्रकार की परवल—गेन्द-पोटोल ।
परवा (पौधा)	सं०	पारवा-झाड़ा ।
परवाना	सं०	पारवाना ।
परवाह	सं०	चिन्ता, दान्द ।
परस्पर	क्रि० वि०	टाँवहें, उरला-उरली, आरा-पारीन । परस्पर धोखा देना—एपेड़े ।

परस्पर आदान - प्रदान—एपम-चापालाव ।

परस्पर डाँटते हुए—एपेगेर ।

परस्पर सहायता देते हुए—एपम-चापाल ।

परस्पर झपटा-झपटी—कापटा-कापटी ।

परस्पर ढकेला ढकेली—कापटा-कापटी ।

परस्पर पीछे जाते हुए—ओपोतोङ ।

परस्पर सन्निकटता—गासरात्-गोसरोत् ।

परस्पर टक्कर—ठापा-ठुक् ।

परस्पर भिड़न्त—ठापा ठुक् ।

परस्पर भेंट होना—आपाम ।

परस्पर सहमत होना—आपाम ।

परस्पर नाम से पुकारना—ञुपुम ।

परस्पर सलाह देना—चेपेत् ।

परस्पर देखना—ञेपेल-हेपेल ।

परस्पर जुर्माना करना—दापानडोम ।

परस्पर विचार विमर्श करना—लापाय ।

परस्पर बातचीत करना—लापाय ।

परस्पर दोष देना—हुण्डा हेसाक्-हुण्डा-बाड़े ।

परस्पर खींचना—ओपोर ।

परस्पर खींचते हुए—ओपोर ।

परस्पर लड़ना—दापाल ।

परस्पर प्रणाम करना—सो-जोहार, जोपोहार ।

परस्त्रीगमन	सं०	लाटघाट ।
परसना	क्रि०	पारसाव ।
परसों	सं०	एन्दराय, मान्धेर । परसों के दिन—एन्दराय-हिलोक् ।
परसौती	वि०	बाले-होड़मो ।
पराग	सं०	कोंच ।
पराजय	सं०	नाहीं-छाय, भागाव ।
पराधीन	सं०	इलीज, पोर-अधीन । पराधीन होना—इलीज ।
परामर्श	सं०	पोरामोस । परामर्श करना—सोपी, सोलहा, जान-गुमान ।
परावलम्बी	वि०	पोरचाटा ।
परास्त	सं०	दाड़े, भागाव । परास्त होना—हारिआ-बुसिआ ।
परिचय	सं०	लाय, बोतोल, चिह्नाप ।
परिचित	वि०	ओपोरोम, हेड़, जाना-सुना, हण्डर, पारचा, लोय, जान-पाछान, जानबीत, हेड़ा-गेसा, ठीकान, आमदाज, ञपेल-ओपरोम, चिनहाय । परिचित कराना—लाय । परिचित होना—सामगे, ञपेल-डीपीक, ञपेल-ओपरोम, हेड़ा-गेसा । परिचित व्यक्तिहीत-मितोर, आमदाजी होड़ । परिचित समय—आड़ । पूर्ण परिचित—हित—पीरीत ।

परिणाम	सं०	जो, फोल, तीरीत्, कुड़ाई।
परिपक्व	वि०	जोआव। परिपक्व होना—छानका-छानकी, वास। परिपक्वता पूर्वक—जोआव।
परिपूर्ण	वि०	छाकला-छाक, आसाम-उसुम, साम-पुरून, दानेसाने, ठोल-ठोल। परिपूर्ण होना—आसेच्-तासेच् आसेज-तासेज, साम पुरून।
परिभ्रमण	सं०	आनडुर-मानडुर।
परिलक्षित	वि०	उपेला, बारबाराव।
परिवर्तनशील	सं०	आथोल। परिवर्तन करना—जोता :
परिवार	सं०	झाड़, दाहगी, धार, दुआर, जाहुन्डी, उसटी-पुसटी, गारोसती, घारोञ्ज, घोर—गुसटी। परिवार के लोग—सातार-गातार। परिवार के सदस्य—एरा-उरू, एरा—होपोन। बिना परिवार का—एका-जीवी।
परिश्रम	सं०	धामावटा, खाटाव। कठिन परिश्रम—धामरोकोत। परिश्रम करना—धान्धकूट, धामरो-कोत। परिश्रम पूर्वक—उमार-सामार, जदात। कठिन परिश्रम पूर्वक—रोङका-रोबोत्।

		परिश्रम सहित—छालाक-छाकाक।
		परिश्रम अथवा उद्योग से—धामका-धा-कुड़।
		बिना परिश्रम का खा नेवाला—खाबार-आङगरा।
		परिश्रम कर के प्राप्त करने की प्रक्रिया—धामावटा।
		परिश्रम के साथ—उडुम-सुडुम।
		परिश्रमी—खाटोया, इरिच, कार-दानी, दान्दागिरी, छाटकान।
		परिश्रमी होना—सेलेगामी, धामा-वटा।
परिस्थिति	सं०	हाल, गुतिक, हाल-सुराग, दोसा, आनहाल, दिगदिगुआर
		परिस्थिति विशेष में—एन्डे-बापो, एन-खान।
		आर्थिक परिस्थिति—तुलीआव।
परिहास	सं०	लाफुवा।
परीछना	क्रि०	पाड़छाव।
परीक्षा	सं०	बिडाउ, पोरिखा, पारीखा, आजमाव, इम्तीहान।
		परीक्षा करना—तुलोना, डाहाव, तेखराव, नोलजोल, बारनाव, पारीखा, नोलाव, घान्दड़ाव, तोलोना।
		परीक्षा लेना—आजमाव, बिडाउ।
		उदा :—परीक्षा लेकर देखो कितना सफल होते हैं—आजमाव, कोम तिनाक् को दाड़ेयाकूआ।

परेशान	वि०	जिलपुक्, मोच्मोच् । परेशान करना—आलाव । परेशान होना—जिलपुक्, आयोक्-टायोक्, आसोक्-टायोक्, हारिआँ-बुसिआँ । परेशान होकर—जिलपुक् । परेशानी में पड़ना—कातोर ।
परोपकारी	वि०	उक्-उपकार ।
परोसना	क्रि०	आँड़ती, लो । उदा :—उसने फिर परोसना लिया—द्दाका आँड़तीये हातात्र केदा ।
पल	सं०	हुपका, पोलोम । पल-पल—ओधे-ओध ।
पलक	सं०	मेंत्-पिपनी, पोलोक । पलक गिरते ही—झुप-मनते । पलक मारना—जीरित्-जीरित्, रीपीत्-जापीत् ।
पलटन	सं०	पालटोन ।
पलटना	क्रि०	धोलटा, आचुर, कोयोक्-आचुर ।
पलंग	सं०	पालांक-पारकोम ।
पलथी	सं०	एहेर । पलथी मारकर बैठना—एहेर, पाट-गान्डो ।
पलास	सं०	ओत-मुरूत । पलास पेड़—मुरूत्-दारे ।
पँवरिया	सं०	पांवरिया ।

पवित्र	वि०	सोनोत निछोरा, सोने-सोद, आमीज। पवित्र करना—पाड़छाव। पवित्र होना—सोलतोन, छुत-फेराव, सुधो, आमीज। पवित्र आत्मा—सोनोत-जीव, ठाकुर-जीव। पवित्र स्थान—थान, सोनोत-ठाई।
पश्चाताप	सं०	आरूद, पोसताव। उदा:-मैं बहुत पश्चाताप कर रहा हूँ—आञी आंट इञ आरूदोक् काना। पश्चाताप सूचक शब्द—हिरहाक्।
पश्चिम	सं०	पाछिम। पश्चिमी—पाछिम, चेतान, पाछमा, पाछीआरी।
पशु	सं०	पासु, जोन्तु, आन्धरा। चितकबरा मादा पशु—टिकली। बड़ा सिंग वाला पशु—डायका, डाबे। पशुओं का धड़—गुण्ड। पशुओं का चमड़ा उतारना—खाल। पाशविक—जीवीआन।
पसङ्गा	सं०	पासाङ।
पसन्द	सं०	पासीन्द।
पसली	सं०	कोरवा, पाञजरी। पसली की हड्डी—हाँस, हाँस जाङ, इबिल-पाञजार, हाँसली-जाङ।
पसाना	क्रि०	आँड़ित्, धाड़काव। उदा:-भात पसाओ—दाका आँड़िज में।

पसारना	क्रि०	आराव, पासार ।
पसीना	सं०	दाल-बाल, उदगार दाक् । पसीना छूटना—पाल-पाल, बाल-बालव, उदगार, साव-साबात, सेम सेमाव । पसीना-पसीना—उदुम-सुदुम, पाल-पाल, ओदोय, बालबा लाव । पसीना का गंध—जोजो-मुहूँत् । पसीना निकलना—ओदोय—बाल-बाल पसीना से लथपथ—सेमबे-सुरेच्, होराम-गारेम । लगातार पसीना छूटने की प्रक्रिया—झाक्-झाक् ।
पसेरी	सं०	पासारी ।
पहचान	सं०	पाछात, ओरोम । पहचानना—ओक्रोम, बाडायओरोम बेल-ओरोम, धोराव, तुफीन, पोरोक, चिनहाउ, पोहोम, भेयाओ, बिछनाउ, बारनाव, पाचनाव, आमदाज । उदा:—मैंने इस व्यक्ति को पहचान लिया है कि वह नहीं जायगा—नुई होड़ इञ आमदाज केदेया, बाय चालाक्आ । उदा:—कौन है मैंने नहीं पहचाना—बाञ चिनहाव लेदेया, ओकोय कान चोय ।
पहनना	क्रि०	होरोक्, लोद, हुराड़, पाठेक, पाहराव, ओयो-बन्दि बाँयहाँ, हाराड़, हुड़ाड़, रेम-कोत् ।

		कपड़ा पहनना—डेङगान ।
		कपड़ों को तह लगाकर पहनना—काचनी ।
		पहनने का कपड़ा—डेङगा, होरोक्-बान्दे ।
		पहनने योग्य कपड़ा—डेङगान ।
		पहना देना—आराव ।
		फटा कपड़ा पहना हुआ—होरोपाङ ।
		मोटा कपड़ा पहना हुआ—गिहाँ-गाँहाँ ।
पहर	सं०	पोहोर ।
पहरा	सं०	पाहरा ।
		पहरा देना—पाहरा ।
		पहरेदार—पहरादार, चाउकीदार, दीगुआर, पायकान, पायके ।
पहलवान	सं०	पालहान, पाहालवान ।
पहला	सं०	पाहिल, आद, लाहा, माराङ ।
		पहले—पाहिल ते, नीनदारा, एतो-होय्, लाहाते, माड़ाङ आंड़गात, आगे।
		पहलीबार होना—सालास, सादरे ।
		पहली बार—एने-बोले, इनउतार, आसांय-साबांय ।
		पहले समाप्त हो जाना—एना ।
		पहले आना—हेच्-दोहो ।
		उदाः—पहले क्यों नहीं बताया—आगे रे चेदाक् बाम लायात, लेया ।

उदा:—समय से पहले जाओ—
आंड़गात रे चालाक् में।
बहुत पहले—उनीम रे।
पहलौठा—पाहलावटा।

पहलू	सं०	पोहोल।
पहाड़	वि०	बुरु, दोन्दोडचोत्, हारा, ओत-बुरु। बड़ा पहाड़—माराङ-बुरू। पहाड़ की ढाल—रीन्दीड़, रीनीड़। पहाड़ के देवता—बुरू। पहाड़ के एक देवता का नाम— कुड़ूक बुरू बोङगा। पहाड़ की तलहटी—ओतेत्। पहाड़ के बीच का देवस्थान—जाहेर मुन्डू। पहाड़ का शिखर का किनारा— रीनीड़। पहाड़ी—ढोपो, डुङगरी, दावड़ा, बुरू, डोपकोच्, दोमगी, दोमकोच्, चान्दड़ा-चोन्दड़ो, बोटकोच्। पहाड़ी होना—दोमचोक्। पहाड़ी जमीन—घुटु, ओत-बोटकोच्, ओत-डुङगरी, डाङगा, ओत-बुरू। पहाड़ी जमीन होना—ओत-बोटकोच्, ओत-डुङगरी ओत-बुरू। पहाड़ी चिती साँप—बुरू चीती बिञ। पहाड़ी सांप—बुरू-आम्बायतार। पहाड़ी केकड़ा—बुरू काटकोम। पहाड़ी की शिखर—ओत-कोटको।
पहाड़ा	सं०	नामता।

पहिया	सं०	चाँक, चाका ।
		पहिया का केन्द्र—पाई ।
		पहिया ठेलने की प्रक्रिया—चाक ढाका ।
पहुँचना	क्रि०	सेटेर, तीयोक्, हावड़ाव, हाचला-होचलो ।
		पहुँचो—पुजचो ।
पहेली	सं०	कुदुम ।
		पहेली सुनाना—कुदुम ।
		पहेली कहना—कुदुम ।
पड़ना	क्रि०	घोटाव, पाड़ाव ।
पड़ाक	क्रि० वि०	पाड़ास (थप्पड़ मारने की आवाज)
पड़ाव	सं०	डेरा ।
		पड़ाव रखना—डेरा ।
पड़ोसी	वि०	आस-पास, ठाँय-ठाँय, पाड़ा-पुड़स, गाँये-धोरे ।
पढ़ना	क्रि०	पाड़हाव, पोड़हा ।
		पढ़ा लिखा—ओलोक्-पाड़हाप् ।
		पढ़ाई लिखाई—ओलोक्-पाड़हाव ।
		पढ़ाना लिखाना—सीखाव-पाड़हाब ।
		पढ़ा लिखा होना—सीखाव पाड़हाव ।
पक्ष	सं०	पोखे, पीट ।
		पक्षपात करना—पुखियाय ।
		पक्षपात—मानुस-बुजिया ।
		पक्षपाती—तोरोदार, बेपारसी, पुखिया ।
		पक्ष लेना—बासुत ।
		पक्षपात दृष्टि से देखना—तोरोपदार ।

पक्षी	सं०	चेंढें, चिपह्प् । विशेष प्रकार के पक्षी—आरतागोम, दाक्-सीम ।
पत्र	सं०	चिठी ।
पाइप	सं०	मोङगरा ।
पाई	सं०	पाय ।
पाकड़	सं०	पाकाड़े (वृक्ष) । पाकड़ कीड़ा—पाकाड़े-तेजो
पाखंडी	वि०	दुपीठीया, दो-दोलाक् ।
पागल	वि०	आलवासुवा, कोङका, बावड़ाहा, बावड़ा, आलआ-बासुवा, बावड़ान, भोंटो । पागल कुत्ता—भालोक् । पागल होना—कोङ काक्, बावला-बावली । उदा :- पागल व्यक्ति कभी-कभी मारते भी हैं—आलावासुवा होड़ दो जोखेच्-जोखेच् रेको दादाल गेया । वह पागल व्यक्ति है—आलवा बासवा होड़ कानाय । पागलपन—बावला-बावली, बावड़ाहा, बावड़ा ।
पागुर	सं०	पागुर । पागुर करना—पागुर, पागराक
पाछ	सं०	टीका, पाच ।
पाजी	वि०	पाजी ।

पाठ	सं०	पाट । पाठशाला—पाटसाला, इसकुल ।
पाठी	सं०	पाठी ।
पाडरे	सं०	पाडेर (एक जंगली पेड़)
पाणि ग्रहण	सं०	होरोक् ।
पाताल	सं०	पाताल, पातालपुरी । पाताल कन्दा—पाताल कोहुन्डा । पाताल देव—थापना बोंगा । पाताल फोड़—भुमफोड़ ।
पादरी	सं०	पादड़ी, पास्टोर ।
पान	सं०	पान । पान पत्ती—गुवापान । पुसी पान लता—पुसी ।
पाना	क्रि०	आम, हाताव, ओरे, आगू अआम, आमाली, रीमी, होड़गो-देड़गो, गातार, तेला । पाने की इच्छा करना—हारखा-हारखी । पाया हुआ—रीमी, सान्धावड़े ।
पानी	सं०	दाक् । पानी-पानी—जेरे-जेरे, झोज-फेज । पानी लाना—दाक्लो, दाक् आगु । पानी निकालना—दाक्लो, रेअजेत्, हिअजित् पाजाव । पानी डालना—दाक्-दुल । पानी देना—दाक्-दुल । पानी की बूंद पड़ना—टीपाक् ।

पानी गन्दा करना—सौडली-गुडली, सेडे-गोडे, सेडे-बेडे, हावण्डेल।

पानी का बौछार होना—सीडराक्-बाडराक्।

पानी छितराना—सेडे-गोडे, सेडे-बेडे, साड-साडाव, हुडराक्-हुडराक् सेडे-पेडे।

पानी छितराते हुए—हाबका-हाबकी।

पानी बन्द होना—उबेड़।

पानी बहा देना—गाद देना।

पानी बहना—आतुक्, गोद-गोदाव।

पानी बहकर गिरने की प्रक्रिया—गोद-गोदाव।

आवाज के साथ पानी बहना—साड-साडाव।

पानी टपकना—धीयो-धोयो, सोड़ो।

पानी फेंकना—आरेच्।

पानी में डूबने की प्रक्रिया—तुपुच्।

पानी में डूबना—उनुमोक्, जोबढाव।

पानी में डूबाना—तुपुच्।

पानी छींटना—चाबाच्-चुबुच् उम-आरेच्।

पानी पटाना—झींट, पाटाव।

पानी गिरना—सोड़ो।

पानी को चला कर घुला देना—हावण्डेल।

पानी घोंटना—हावण्डेल।

पानी बरसना—दाक्।

पानी भरना—दाक्-पेरेज।

पानी गिरना—हुदहुदी।

पानी से भीगना—सेमबे-सुरेच्।

पानी में भिगाना—तोपो, लोहोत् ।
पानी का छलकना—हाबुक-डाबुक ।
पानी गिर कर गढ़ा होना—हुद-हुदी ।
पानी हो जाना—दाक् ।
पानी कम करना—ढाड़काव ।
पानी गिरा देना—ढाड़काव ।
पानी का अंश अधिक रहना—साबार-सुबुर ।
पानी में रखना—तोपो ।
पानी चढ़ाना—दाक्-साप् ।
पानी-भात—ओनदाक् ।
केवल पानी का हिस्सा ज्यादा होना—डोयोल-डोयोल ।
पानी की धारा बह निकलने की प्रक्रिया—ठाक्-ठोक् ।
एक दो बूंद पानी—टापाच्-टीपीच् ।
तुम्बा में रखा पानी—तुम्बादाक् ।
नदी का पानी—डाबुर दाक्, गाडादाक् ।
कच्चा पानी—बेरेल दाक् ।
बर्तन साफ करने का पानी—दापला दाक् ।
पानी की बूंद—टीपाक् ।
पानी में तैरने वाला वस्तु—चुन-पुही ।
पानी छिड़कने की प्रक्रिया—सीडली-गुडली ।
हवा के साथ पानी बरसना—हालाय-हालाय ।
बाढ़ का पानी—बुही दाक्, डुबा-दाक् ।

		अधिक पानी मिला हुआ—साबुर-साबुर । पानी छिटकाने का शब्द होना—होण्ड कोक् । पानी का एक कीड़ा—भाहरा ।
पाप	सं०	काई, पाप, दुक-पाप । पाप करना—दुक-पाप, काई, आक्रोद । पापी—पापीस्टा, दुष्टामों, दुष्टो ।
पायजामा	सं०	झाङगा, झाङड़े ।
पाया	सं०	कुठा, पाया ।
पार्थिव	वि०	औत ते ।
पार्श्व भाग	सं०	कानास ।
पार	सं०	सा । पार करना—सा, पारोम । पार लगना—पारोमोक, पार । पार होना—पारोमोक् । उस पार—उपारे, ओन-पारोम, झानासा । उस तरफ ओन-पारोम ।
पार-दर्शक	सं०	रुडुङ-रुडुङ, रोड़ीम-रोड़ीम, टुडुङ-टुडुङ टुङ-टुडुङ, टीञ-टीञ, टुङ-टुङ, धाङगरी ञेपेल-तापाप्, झीञजरी । पारदर्शी—ञेपेल-तापाप् । पारदर्शी होना—ञेल-ताप् । पारदर्शक पत्थर—जिवल्-धारो । पारदर्शक होना—टीञ-टीञ ।

पारा	सं०	पारा ।
पारितोषिक	सं०	बाकसीस, इलाम, सालामी । पारितोषिक मिलना—सालामी ।
पारी	सं०	पारी-पाली ।
पाल	सं०	बादोम, आबाद । पाल खाना—बावहा । पाल खाने वाली—भाटाउ ।
पालक	सं०	आक्सुलिच् । पालक साग—पालाङ आड़ाक् ।
पालकी	सं०	खुड़खुड़ी, चाउपाला, सबारी, आसवारिया । उदा :—नयी दम्पति को पालकी से ढो कर ले गये—बाहु जाँवाय खुड़-खुड़ी रे को देच् इदि केत् किना ।
पालजौंक	सं०	पालजौंक ।
पालतु (जानवर)	सं०	डेलगोच्, आबोला, जाल-जानवर, बोहोन, टेना, हातबोस । पालतु होना—सुबुद । पालतु बनाना—दामाव ।
पालन-पोषण	सं०	पोसाव, आचोरातिञ । पालन पोषण करना—होड़-हारना, हेबहारा, पोसाव, हार-सांवाहाँ । पाल-पोस कर बड़ा करना—हेबहारा. पालन करना—पाहलाव, आसुल, ओंडवार ।
पालना	क्रि०	पालाव, आसुल, पोसाव, हारा, आंडवार ।

पाला	सं०	आरेल, पाला, पाला-चाला । पाला-भूमि—आरेल हासा । पाला से नष्ट होना—राताङमारा ।
पाव	सं०	पोवा ।
पास	क्रि० वि०	ठेच्, सोर, ठेन, पास । पास में—ठेच् ।
पासो	सं०	पासी ।
पाड़	सं०	पाड़लाक । पाड़ रहित—मिड़ु ।
पात्र	सं०	बादाड़ ।
पाँगा-नमक	सं०	पाङगा-बुलुङ ।
पाँच	संख्यावाचक	मोड़ें । पाँच पाँच—मोमोड़ । पाँचवाँ—मोड़ेंयाक् । पाँचवाँ बच्चा—गाजजला । पाँचवीं बच्ची—गाजजली ।
पाँव	सं०	जाङगा, काटा । पाँवदान—लेनेबेत्, रेकाप् ।
पिंजरा	सं०	खाजचा, टेना, पाडर, पिजजरा ।
पिघलना	क्रि०	लेक् ।
पिचका	वि०	ओन्दोच्, चोपोत् । पिचका पेट—हाहालपाल् । पिचका पेट वाला—ळाड़पा । पिचका हुआ—खापुवा ।

पिचकारी	सं०	पोचोर, पिचकीरी । पिचकारी मारना—पोचोर, पिचकी, फोचरोट, पीचीर-पीचीर ।
पिछला	वि०	लेन्दा, पाछीआरी, पाचला, ताय-नोमाक् ।
पिछवाड़ा	सं०	कुड़ाम । घर के पीछे होना—कुड़ाम ।
पिछुआ	सं०	धाचा । पिछुआ झुलना—धाचा-आड़ाग, धोचा डेङगा ।
पिण्ड	सं०	पिण्ड, ढुला ।
पित	सं०	हाड़हात् सिसिर, पीत ।
पिता	सं०	आपब्र, आपात, आपा, जानामदाता, बाप, बापा, बाबा । बा, बापा । बाप-दादा—बाप दादा । पिता योग्य—बाबान । पिता-पुत्र—आपा होन । पितृ दया—आपा मायाँ ।
पिपनी	सं०	पीपनी ।
पिन	सं०	छुँच् ।
पियुस	सं०	पीड़ुँस ।
पिल्ही	सं०	पीला, पील-होय ।
पिलपिला	वि०	लेंजेर । पिलपिला होना—लेंजेर ।

पिल्लु	सं०	औसांय, तेजो ।
पिलाना	क्रि०	आँञू, जूँवाय । उदा:—बच्चे को पानी पिलाओ—गिदरा दाक् आँञू आय में ।
पिस्सू	सं०	तोंक, मेरमेटेच्, पीटीस ।
पिसका (जंगली कन्द)	सं०	पीसका
पीछे	क्रि० वि०	तायोम रे, तायनोम, तायोम, पाच-पाच ते, पाचली । पीछे-पीछे—जोहोक्-जोहोक्, आता ङआम्, जुगुर-जुगुर, गोंदोय-गोंदोय, गोरोय-गोरोय, पाछे-पाछे, गियार-गोयोर, गोलोय-गोलोय, गोसोङ-गोसोङ, गोड़ोय-गोड़ोय, गोयोर-गोयोर । पीछे छुटना—तायोम, रेपो-चेपो, लोप, थाकदामा, लसकाव, पीछे पड़ना—तायोम, हेड़गो-देड़गो, पीछोल । पीछे होना—तायनोम, पाचेला, तायोम, तायोम ते । पीछे हटना—पाच, हाटका-हाटकी । पीछे हटते हुए—पाच-पाच । पीछे हटाना—पाचुआव, हाटकाव । पीछे लगे रहना—गोहना-गुहनी पीछे छोड़ देना—लेनडेच्, नाड़ा, लेन्दा । पीछे रह जाना—रेपो-चेपो, थाकदामा लासकाव । पीछे की ओर झुका हुआ—लाटकिच् ।

पीछे वाले—तायोम तेन ।
पीछे जाना—पाजजा, गोदोय-गोदोय, गोसोड ।
पीछे-पीछे आना—दापा-दापी ।
बच्चे की माँ के पीछे-पीछे जाना—दालाय-दालाय ।
बहुत पीछे—उनतायोम ।
पीछे लटकना—जाहाक ।
पीछे छूटा हुआ—झापाट-झापाट ।
पीछे चलना—रूखी-पाजजा ।
पीछा करना—दापादापी, गोसोड पाछा, पेछा, रागदा रागदी- लापका, सुडियाव, गोयोर-गोयोर, गियार गोयोर, गोडोय-गोडोय, गोलोय-गोलोय, हुड़कुचाव, खिदखिदाव, गाडाव हुडुम-धुडुम, गुडिया-गुडियी, गाडया-गुडया, डिविज-डिविज, रोगदा-रूगदी, रूखी पाजजा, लागा, लोल, ओतोग, गुदा-गुदी, खुदाव, गोहनाव गोदोय-गोदोय, गोहना-गुहनी, गोरोय-गोरोय, धावा-धावी ।
पीछा कर पहुँचाना—पाजजा, तियोक् ।
पीछा करते हुए—रागदा-रागदी, डुलुङ-डुलुङ ।
शीघ्र पीछा करना—गुदा-गुदी ।

पीटना क्रि० पीटाव, जाङ गलाव, दोमाव, छिर-छिराव, दाल ।
धान आदि पीटना—एन ।
पीटा हुआ—पीटना— ।

		ढिंढोरा पीटना—डोङ्का-पीटाव ।
		पीटाई करना—एन ।
पीठ	सं०	देया ।
		पीठ में बांध लेना—गुमु गाबला, शोपचा ।
		पीठ पर चढ़ना—गुगुक् ।
पीतल	सं०	पीताल, पीतोल ।
		पीतल का कटोरा—बाटी, डुभी ।
पीतोंज-वृक्ष	सं०	पीतोञज ।
पीना	क्रि०	अुँ, होङ गोर, ढोक, ढोकाव ।
		पीने का पानी—अुँई दाक् ।
		थोड़ा-थोड़ा करके पीना—हाबरुक् ।
		पीया हुआ—अुँआक् ।
		पीयक्कड़—मातला ।
		पीकर थोड़ा नशा होना—अँलासेर, अँबूल ।
		पीकर संन्तुष्ट होना—अँटुइला ।
पीपल	सं०	हेसाक् ।
		झुका हुआ पीपल—हेडगे हेसाक् ।
पीब	सं०	बेले, गाण्ड दाक् ।
		घाव से पीब निकलना—गाराङ दाक्, बेले ।
		पीब से भरा—बेजे-बेजे ।
पीला	वि०	सासाङ, बाराङ-बोराङ ।
पीसना	क्रि०	रीगदाव, रीत्, लोटोक्, रागड़ाव, दारड़ाव, दाडराव, रागड़ा-रागड़ी ।

पीड़ा — सं० — हासो, दुक दुकाव, हानासो, हिरदानी, जोअजाल, दोरोद हानास, दोरमोद ।
पेट की तीक्ष्ण पीड़ा—बिन्दी बाई ।
पीड़ा होना—हानासो, जोअजाल, दोरमोच्, एड़सेच् बाड़सेच् ।
तीव्र पीड़ा होना—छुच् ।
पीड़ीत—आवाटापा, दोरमादी, जाबुङ, आहूलूङ, दुदुक, रोसो-रोसो।
पीड़ित करना—आहूलूङ ।
पीड़ित होना—धार, आवाटापा, लोराव, झुलाव, दोरमोद, थालहा-लाव, आटाप्-जाटाप्, आहूलूङ ।

पीढ़ा — सं० — गान्डो, दुड़ुप्आक् ।
पीढ़ा और मचिया—गान्डो माची ।

पुआल — सं० — आड़, बुसुप् ।
पुआल की आँटी—आड़ ।
उदा:—पुआल की आँटी बाँधी—आड़ तोल में ।
पुआल का बोझा—गुछी ।
पुआल की पतली रस्सी—सीकोल ।
हरा पुआल—साड़ी ।

पुकार — सं० — होहो, हाँक, पुकार ।
पुकारना—होहोय, हाँक, गोहरा-गुहरी पुकार, जुम, तुत्, हाँकार-टोकार ।

पुच्छल — सं० — चाण्डबोल ।
पुच्छल तारा—जोनोक्-इपिल, चाण्डबोल-इपिल ।

पुकारना — क्रि० — सुधाव, हुचकाव ।

पुजारी	सं०	नायके, पुझार । गाँव का पुजारी—नायके ।
पुतुल	सं०	पुतुल ।
पुतली (कपड़ा)	सं०	पुतली ।
पुनः	वि०	घोलटा । पुनः बीमार पड़ना—सोड़ता-रूआड़ । पुनः मैत्री करना—भिमाङ्सा । पुनः स्वस्थ होना—टायाक टुसुक । पुनः अपील करना—छानी । पुनः जीवित करना—लोमा । पुनः श्री गणेश करना—दामसाव ।
पुर्वासाठी	सं०	उटका-उटकी ।
पुरइन	सं०	ओल-पोरयनीं ।
पुरखा	सं०	पुरखा ।
पुरस्कार	सं०	इलाम, मारजाती, मुरजी ।
पुराना	क्रि०	मारे, मारे-ओरे, पालो, मारे-पुरना, झामाट, झाका, पुरना, झार-गोयाक्, झारगुई, पुराना, मारूड़, ठोयो, ठोयो, बोयसाल, मीरा-मीरा, आखेड़, आगील, मीरा-मारेन, धाधरी, ओरे, मुँहुत्, मोरे । पुराना होना—झारगुई, आराराव, फातुर, जोम हेड़ । पुराना वास स्थान—मारे-डिण्डा । पुराना सिक्का—मेनढेया टाका । पुरानी बातों को दुहराना—खोटा, जोजना । बहुत पुराना—रोत, पाण्डु ।

पुरुष	सं०	पुरूस, जोन बाबा होड़ । बड़ा सिर वाला पुरुष—डाटकाप्, डाटू, दाड़हाप्-दाड़हाप । चिपटा सिरवाला पुरूष—खोनता बो होक् । चिकना गाल वाला पुरुष—मोंयड़ा । बिना मूँछ दाढ़ी वाला—मोंयड़ा ।
पुरोहित	सं०	पुरहुत ।
पुल	सं०	साको । पुल बनाना—साको ।
पुलिस	सं०	पुलिस । पुलिस चौकी—थाना ।
पुष्ट	वि०	दीखनोर । पुष्ट फसल या शरीर—लोगनो ।
पुस्तक	सं०	पुथी, किताब, पुसतोक ।
पुत्र	सं०	पुता, होन, कोड़ा । पुत्र-बधु—बो बिटी ।
पुड़िया	सं०	रेत्, पुरीया । पुड़िया बाँधना—रेत् ।
पूँछ	सं०	चाण्डबोल, चाण्डलोम, मोण्ड, दुमछी, चाण्ड किलोप, पूँछ हिलाना—ठेपे-ठेड़े । पूँछ एठना—पुचलाव, पुचला-पुचली । पूँछ ऐंठकर उत्तेजित करना—पुचलाव, पुचला-पुचली । पूँछ ऐंठकर उसकाना—पुचलाव, पुचला-पुचली ।

पूँछ ऐंठकर प्रोत्साहित करना—
पुचला-पुचली ।
पूँछ का गुच्छादार बाल—चाँवाँर ।
उदा :-गाय अपनी गुच्छीदार पूँछ से
मक्खियों को भगाती है—गाय दो
चाँवाँर ते रोय लगायेत् कोवा ।
चिड़िया अथवा मछली की पूँछ—
चुपी ।
पूँछकटा—बानडिया ।

पूंजि	सं०	पुञजी पाटा, पुञजी, रासी पुञजी । पूंजी नष्ट होना—पुञजी नास ।
पूई-साग	सं०	पुराई आड़ाक् ।
पूछकटा	वि०	बाण्डा ।
पूछना	क्रि०	कुली, कुकली, आपुच, सुटुच्, पुछार, पुछाव, तेखराव, थुकड़ाव, टोकाव दारियाप । पूछ-ताछ करना—केदराव, तेथा, सुटिक, सुग सुदा-पुछा, तोनदोहीं, सुतराव, तेखराव, कुली, जान-गुमान, टामडाव तेखरा-तीखरी, दोदारोक, खुटियाव, जान-पाछान, दरियापी, धान्दरी-धान्दरी । पुछ-ताछ करने वाला—सुईकारिया, सुईकारदार ।
पूजा	सं०	पुजा, सेवा । पुजा-पाठ—देवा-सेवा । पुजा करना—गोचार, सेवा-देवा, दारसान, डोबोक्, सेबोक ।

पूजा की सामग्रियाँ—जेरदोक्-सामाङ ओक्-आक् ।
एक पूजा विशेष का नाम—बाढा-आहाङ, आबगे ।
उदा:—कल हमारे घर में आबगे पूजा होगी—गोपाले आब-गेक् आ ।

पूण्य	सं०	पुन ।
पूनी	सं०	खुयली । पूनी बनाना—खुयली । पूनी बनाने की लकड़ी—खुयली ।
पूर्ण	वि०	आगा-गोडा । पूर्ण विकसित—रोटो-रोटो । पूर्ण विकसित (जवान लड़की का कुल्हा)—दोड़-पेढोड़ाय पूर्ण विकसित (आदमी या पेड़)—हायला-बोयला । पूर्ण विकसित होना—रीटो-रोटो । पूर्ण परिचित—जाना-सुना, जाना-जुरगू । पूर्ण रुप से बढ़ा हुआ—रीण्डो-रोण्डो । पूर्ण रुप से बढ़ा हुआ होना—रीण्डो-रोण्डो । पूर्ण अंधकार—काङकाड़ाङ । पूर्ण रीति से—इड़तिच् गुड़तिच् । पूर्ण रुपेन—आके-आंक, आले-जाजगे, उतार, रेन्द-बेन्द । पुर्णत:—होटाक्-बोडराक्, दोमोक-दोमोक, होत्-हुसिट् राळाक्-मेसाक्, थेपेच्-थेपेच्, ठापात्-ठापोत्, काण्डेर,

ठाय-ठाय, सापरुम, खागाल-खुगाल्, उहुय-उहुय, सोलोआना, ओसतोक्, बिटिच्-सुटुच्, पुराकायते, पुरा-तुरी, बुरू-बुरू।

पूर्णत: सुखा हुआ—ठान-ठान।

पूर्णत: नष्ट होने की प्रक्रिया—झाङ-झावाक्।

पूर्णत: फैलना—छापलाव।

पूर्णत: रिक्त—ठात्-ठापात्।

पूर्णत: समाप्त करना—मारीकुटी।

पूर्णत: नष्ट—मुँड़ोहान, मूलाहान।

पूर्णत: भींगना—जेहे-जोबे।

पूर्णत: भींगने की प्रक्रिया—जेहे जोबे।

पूर्णत: अनशन—ठाय।

पूर्णत: भर जाना—एटे-एटे।

पूर्णत: संतुष्ट—गाढ़ायला।

पूर्णत: मस्ती छा जाना—हाबाक-डाबाक।

पूर्णत: फैल जाना—सारसादेल।

पूर्णत: फट जाना—छाचकाक्।

पूर्णिमा | सं० | ओत कुनामी, बुरू-कुनामी, कुनामी।
पूर्णिमा होना—कुनामी, ओत-कुनामी।

पूर्व | सं० | बेरराकाप्।
पूर्व-परिचित—जाना-सुना।
पूर्वी—पुरूबा।
पूर्वी क्षेत्र—नामाल।

पूर्वज | सं० | उसटी-पुसटी, बाप-दादा, पुरूष, आजा-पुरखा, बाबा-पुरखा, हापड़ाम।
पूर्वज लोग—हापड़ाम को।

पूर्ववत	क्रि० वि०	नीनदारा, मातड़ाङ। पूर्ववत होना—इनदारा।
पूर्वानुभूति	सं०	पायतार।
पूर्वाह्न	सं०	बासकेयाक्-बेर, बासोयाम, बासोया।
पूरक	क्रि० वि०	लादा।
पूर्वीय	वि०	पूरूबीया।
पूरा	वि०	बेबाक, सामपुरन, पुरा, जोतो, सामफोला, सामथूल, गोटान, सामेर, गोटाड़ाक्। पूरा समूह होना—डुरिया-डुरियी। पुरा होना—पूरा। पूरा करना—कामाल। पूरा करने वाला—पुक्रावइच्। पूरा भर देना—तुहेत्। पूरे गाँव वाले—डुरिया डुरियी।
पूल	सं०	पूल। छोटा पूल—ढाबा।
पूस	सं०	पुस।
पेंच	सं०	काटी, पेंच।
पेंदी	सं०	तुली, पेन्दी। पेदी की वस्तु—तुलीआनी।
पेचिस	सं०	आसमान, लाच्-ओडोक, बिरसाहा, आराक्-सुल। पेचिस होना—कुथा। पेचिस की बिमारी—कुथा। पेचिस की बिमारी होना—लाच्-ओडोक।

उदा :—उस को कल से पेचिस हुआ है—होला खोन बिरसाहा जाम आकादेया ।

पेट | सं० | दोजोक, लाच्, पेट ।
पेट होना—लाच् ।
पेट के नीचे—लाच्-लातार, पोन्दे ।
पेट दर्द—लाच्-हासो ।
पेट दर्द होना—लाच् हासो ।
पेट सटा हुआ—जालपाक् ।
पेट पिचकना—जालपाक् ।
पेट पिचका—जालपा ।

पेट फूलना—लुई-लुई, डोब-डोबो, डीब-डीबिया, दुम-दुमी, रूब-रूबु, डुब-डुबी, रातपाता, राबास-काक्, एसेत्-एसेत, सांडे-सोंडे, डमडुम, डाडीसाङ, डाबासकाक्, ढेब-ढेबे ।
पेट फूला हुआ—राटा-रूटू, टेमटेम ।
पेट फूला हुआ होना (खाकर)—रीनडी-ओल ।

पेट चलना—डीकाडोरो ।
पेट भरना—लोलो, कोसेत् ।
पेट भर जाना—डोब-डोबो,बी ।
पेट भर कर—ओदोर-ओर ।
पेट भर कर खाना—रीनडीओल ।

पेट भरा हुआ—राटा-रूटू,टेय-टेय, सॉय-सॉय, डोब-डोबो, रूट-रूटू, रूटीयुत्, डाड़ीसाङ, ढेब-ढेबे
पेट निकला—डाबासकाक् डाबा, डाबेया, जुरू-जुरू, जाहराय, जोहो, डाड़ीसाङ ।
बड़ा पेट वाला—डाबा, गोबले ।

		पेट निकली (छोटी लड़की)—पुटरीत् । पेट कुनिया—पायार । पेटू—रेंक, राकासिया, हाडोरिया, जोमा, आका—लिया, मातमारा, लेबड़ा, पेटलाहा, पीटुक, खाबा, खाबार-भाड़गरा, खायपोज, खावाय, खोंक, पेटहान्दीआ, बाहबाहीया, पेटासती, हाबादिया, भूसका, दार-दाहा, दारीदार ।
पेटारी	सं०	पिटारी ।
पेंहगो (एक पौधा)	सं०	पेंडगो ।
पेन्शन	सं०	पेनसोन ।
पेनसिल	सं०	पीलसिब ।
पेरना	क्रि०	लेन । पेरने वाली मशीन—लेलेनाक् ।
पेशकार	सं०	पेसकार ।
पेशाब	सं०	ओड़ो, पुतु । पेशाब करना—राचातेथ, पुतुय, आडोय । पेशाब पैखाना—हागा मुता । पेशाब की दुर्गन्ध—योतोत् ।
पेसगी	सं०	पेसकी ।
पेड़	सं०	दारे । टहनी रहित पेड़—हेड़हेलजाड़ । एक जंगली पेड़—राल । एक प्रकार का पेड़—भींची ।

		पेड़ का ऊपरी हिस्सा—डोगाल ।
		पेड़ की कलगी—डोगाल, डोग ।
		पेड़ की ऊँचाई—धोज, मुतुल ।
		पेड़ की प्रधान डाली—मुतुल डार ।
		पेड़ की फूनगी—लाकाड़ ।
		पेड़ की डाली को छाँटना—टिङ गराव ।
		पेड़ का रस—लोड़े ।
		पेड़-पौधे—रूक-बीरीत ।
पैजामा	सं०	डेङ गानाक्, झाङ्गड़े ।
पैदल	सं०	ताड़ाम, ओतते ।
		पैदल जाना—ओतते, ताड़ाम ते ।
		पैदल जाने वाला—ओतओततेन ।
		पैदल सेना—जांवी पालटोन ।
पैदा	सं०	जानाम, ओमोन ।
		पैदा करना—जानाम ।
पैदावार	सं०	आरजोन, आरजोन बिरजोन ।
पैन्ट	सं०	पेन्ट ।
पैर	सं०	जाङगा, काटापा, पाव, डोङोय-डोकाक् ।
		पैर पसारना—सोच्-सोच्, चाग-चागा, चाप चापा, तीआर ।
		पैर पड़ना—हाते-पाये ।
		पैर फैलाना टाण्डा, तेलजा, हिज-हिजी, लाङ-लाङ, जिहा-जाहे, हिजोड़ होजोड़, हिजा-हाजे, चाग-चागा तापसे ।
		पैर फैलाये हुए—लाङ-लाङ ।

पैर फैलाया हुआ—हिजहिजो।
पैर फैलाकर—जिहा-जाहे।
पैर फैलाकर चलना—हिचोङ-होचाङ
हिजाङ-झापाङ, हिजा-झाजे, हिड़ा-हाड़े, हिगा-होगे।
पैर फैलाकर धीरे-धीरे चलना—हिगा-हागे।
पैर लड़खड़ा जाना—हाड़ाक्-पाटाक्।
पैर लड़खड़ाने की प्रक्रिया—जाहुड़-माहुड़।
पैर घसीटते हुए—चोरहोत्-चोरहोत्, हिसरोत्-होसरोत्।
पैर की अंगुली—जाङ्गा-काटुप्।
पैर के नीचे—जाङ्गा-लातार।
पैर में पानी लगना—गितिल।
पैर से छितराना—फादगाल।
पैर पटकते हुए—पाड़दाक्-पाड़दाक्।
पैर होना—जांगा।
लम्बा पैर वाला—टोअचा।
टेढ़ा पैर वाला—भाडेया।
पैर लम्बा करना—तारे-आँड़।
बच्चे का पैर—होन, जांगा।
हाँथ पैर फैलाकर सो जाना—चाप-चापा।

उदा:—दुष्ट आदमी हाथ-पैर फैलाकर सोया हुआ है—लुचा दो चाप चापाय गितिच् आकाना।

उदा(२):—पैर मत पसारो नहीं तो गिर जाओगे—जाङ्गा आलोम चाग-चागाया बाङ्खान एम उलटाउकुआ।

पैसा	सं०	कावड़ी, रोकोड़, पोयसा, दामदुड़ो। पैसा कमाना—पोयसा। एक पैसा—काचा, खाचा, मित्-पोयसा।
पैत्रिक	त्रि०	आपा।
पोखर	सं०	पुखरी, गाडिया, दारहा। पोखर बनाना—गाडिया। पोखर होना—दारहा।
पोछना	क्रि०	जोत्।
पोजो (एक जंगली पेड़)	सं०	पोजो।
पोटली	सं०	घेंट, मोटरा, मोट, बानीया-पोतोले, थुतुवा। पोटली बाँधना—घेंट, थुतुवा।
पोठी	सं०	पुठी, पोटोर (मछली)
पोत-डोडो	सं०	पोत्-डोडो (चिड़िया)
पोतना	क्रि०	पोताव, पानडराव, लेटका, जोद-बोदाव, थोपराम, छोंच्, इरचो-पोताव।
पोथी	सं०	पुथी।
पोदीना	सं०	पोदीन, आड़ाक्।
पोपल	वि०	नाल्डो-बोकगाक्, बोड़ोआङ।
पोरसा	सं०	पुरूस।
पोरसिसिया	सं०	भेटरा।
पोल	सं०	मोटरा। पोल-खुलना—खुलाव, टाड़ाक्।

पोशाक	सं०	होकरोकआक्, होरोक्-बान्दे ।
		छोटा पोशाक—पोसाक, दालपुङ ।
		पोशाक पहनना—किचरीच्-होरोक्
		पोसता ।
पोस्ता		
पोसना	क्रि०	आसुल, पोसाव ।
पौधा	सं०	ओपात् ।
		छोटा पौधा होना—ओपात् ।
		बानदोम पौधा—बानदोम ।
		एक परजीवी पौधा—बाङकी ।
		एक जंगली पौधा—बारनी ।
		एक प्रकार का पौधा—ओपोनोम ।
		नड़वा पौधा—नाड़वा ।
		पौधा (गाछी) —पोटा, इलोब-चीज, गुछी ।
		पौधा—लगाना—गुछी ।
		जिस पर पेड़ पौधा न हो—ओत-कोटको ।
		विभिन्न प्रकार के जंगली पौधा—आटकुटी, लीलकाठी, खाथार, सारतालाक, साहेत्-साकाम, गितिल-रान, हाती, सोण्डा, हेम-सागोर, गुण्डरी कुरसे, सीराबना, सुडु कुच्-दारे-ओड़सा, जुगी-डुरिया आड़ाक्, मासुड़दाङ, धुरबाय, कादार, गाडा-पाचकानी, ओत-ढोम्पो, ओत-टिपाच्, चुटिया-चाण्ड-बोल, झाँवाङ-खाण्डेरा, जानहे-हिरोम, डाण्डी-साल गारगाडी, टाण्डी-सापनी, टाण्डी-बातोम-आड़ाक् घाई, झुनका, ओलात्, ओरोप्, टाण्डी, मेराल, जोखा-साकाम, जानुम-ठोम्पा, टाण्डी- खोदे

बाहा, जुगी-टुपरी, कासकोम-रान।
कंटिला पौधा—कान्टा-साक्, दाणात्-राड्गायनी, राड्गायनी।
विभिन्न प्रकार के छोटे पौधे का नाम :—गुटी-दारे, घुरा, हापुक्-आड़ाक्।
झाड़ीदार पौधा—का नाम—कुजरी।
विभिन्न प्रकार के पौधे का नाम :—
डाङगरा जानुम, डाङगरा-काटा-आड़ाक्, गाई-मुला, बेना,
बेलाबअजा, कोन्दरो, बाहा-चारेच, कालिया-कुँवार छाटपाट, गाइ-घुरा टोच-ओड़सा आँड़ाक, बांचकोम टिपोच्-कोङगात, दुढाजो, गाँड़ीं-हाताङ, दाक्-कुदुर, चिप्-चिड़िप्, भेलाउँजा, पेट-चामड़ा, बाई-टुटुरी मिड़ी-जेनेटेत्, आदाघाटिया (जो दवा के रुप में व्यवहार होता है)।

पौ-फटना क्रि० पायाक्-पोयोक्, पाहा-पोहो, पियाङ-पायाङ, पोहोक्।

पौत्र सं० कोराड़।

फ

फाँस सं० फाराम्स।

फँसना क्रि० दीच्, ढाङ, झाली, आड़झाव, पासी, आवझाड़, थाली, बाझुवा-बाझुई, गाडियाव, गाङगाडाव।
फँसाना—झामपा, जालोप्, झालि-आव, झालिया,-झालियी, फासाव,

		ओर-दोक्, लोठा, लापटाव, बाक् । एक साथ फँस जाना—झाली-मित् । फँसा देना—बाझुवा-बाझुई । फँसा हुआ—आडझा, आड़झी, बाझुवा, बेधोड, लोठा ।
फाक	सं०	फोरोक ।
फक्कड़	क्रि० वि०	आङगुवा, चुडुर-बुडुर । फक्कड़ बाज—फोकोड़बाज ।
फकीर	सं०	फाकीर ।
फगुवा	सं०	फागुवा ।
फटकना	क्रि०	गुम, गाम-गुम, गेल, तापसेच्, फेतेच्, फाटकाव, उलाद, केचेल । फटकने की आवाज—चेहेर-चेहेर । फटकारना—तेसड़ाव, फोट-कारया ।
फट-फट	क्रि० वि०	चेहेर-चेहेर ।
फटना	क्रि०	झादगा, दोवाट, टोचोच्, रापुत्, छार-छुर, टिडो-टोडो, थोरपो, पाड़ाक्, दार, गाण्डराव, दारदाराव, धीरो-धोरो-रेचेत्, झाङगा, झुटा, झादगोच्, फाटाव, छारछाराव, ओडेच्, झेदगे, डोपोत, धीदरो-धोदरो, गादरोक् सादरोक् । फट जाना—ओड़ेच्, सीड़ाङ, धीरो-रोपोत्, धीरोत्-धोरोत, धाङ-पोङ, ताराङ, गान्दुर-गापुच् । अधिक फट जाना—टिडो-होडो । फटा—धोदरो, धोरपोट, धोरोत्, पोङ-पोङ ।

फटा कपड़ा—हिगोय-होगोय, गेन्द-झाक्, गादरोक्-सादरोक् ।
फटा कपड़ा होना—हेडरेच् ।
फटा कपड़ा पहनना—डेण्डे ।
फटा कपड़ा पहना हुआ—हिगोय होगोय, डेंडकेत् ।
फटा चिथड़ा—हिगोय-होगोय ।
फटा पुराना—मारे-ओरे, ओड़ेय, भोडेच्, झादोर-धदोर खेरे ।
फटा वस्त्र वाला—गाड़पाच्-गोड़पोच् ।
फटा हुआ—धादरा, झादगा, धोर-पोट, गेरे, झादगोच्, झाङगा, झुटा, सीड़ा, हेडरेच्, गारोच्-गापोच्, गान्दुर, गापुच्, गादरूम-सादरूम, झेदगे, डोपोत्, धादरा-धादरी, धीदरो-धोदरो, गादरूम, गायुर-गांपुर, गालाङ-गापुच्, डोढीओ, दारपोट, धेदरे, फोडके, मारे, धाधंरी ।

फटाक-फटाक | क्रि० वि० | धाड़ास-धाड़ास, धाड़ास मानते ।
फट-फुट—पाट-पुट ।
फटाफट—पाटापाट ।

फतिंगा | सं० | सोसरोच्, बावडुलु ।
एक बड़े आकार का फतिंगा—झाङकर सोसरोच् ।
एक प्रकार का फतिंगा—रात चारो सेटे-सोसरोच् ।
रेशम के कीड़े का फतिंगा—पातीनी ।

फदड़-फदड़ | क्रि० वि० | दापाङ-दापाङ ।
फदड़-फदड़ जाना—दापाङ-दापाङ ।

फन्दा	सं०	फान्द, पासी, बेड़, झामपा, फोन्द, फाँस, सीटाप् । फन्दा में फँसाना—फोन्द । पशु और पक्षियों को पकड़ने का फन्दा—झामपा ।
फफोला	सं०	फोका, डुल-डुल । फफोला उठना—डुल-डुल ।
फर्क	सं०	फाराक । फरकाना—फारकाव ।
फरमाईश	सं०	फोरमासी, फोरमास ।
फरसा	सं०	कापी, आपार-कापी, सोबोक-कुड़ी । फरसा की नोंक—कापी-कानाई । एक प्रकार का फरसा—होयदोक् कापी ।
फरियादी	वि०	फीरीयादी ।
फरियाना	क्रि०	फारियाव ।
फरेब	सं०	ठोक, फारेब ।
फल	सं०	जो, फोल, ढोम्बो । फल (बेमौसम का)—सीसीर-जाली । बड़ा फल—ढाम्बो, ढाम्बो-ढाम्बो । फल-फूल—फोल ढोल, जो-बाहा । फल-फूल होना—जो-बाहाक् । फल का आवरण पत्ती—साड़ी । एक प्रकार का फल—जुङगी-फोल । एक प्रकार का जंगली फल—मेरलेच्, लामाक् । बन्दर लवड़ी फल—बान्दोर-लावड़ी

फलस्वरुप	अव्यय	एमे—एड़ोङ, ओना लेकाते ।
फलसा	सं०	बुज ।
फसल	सं०	फोसोल, आरजोन । बढ़िया फसल—लुढ़गुप् । फसल काटना—इर, गारदान । कम फसल—डालाङ-डलुङ । अच्छी फसल—आरजाव । फसल पकना—पान्डू, बेलेक् । अच्छी फसल होना—साहार, सुपटाव अच्छी फसल नहीं होना—टामबाच् टुमबुच् । अच्छी फसल वाला वर्ष—साँवाँय । जाड़े की फसल—खादीआड़, जाप-जिनिस । फसल को चरा कर नष्ट कर देना—खादीआड़ ।
फहराना	क्रि०	जालोय-राकाप्, फाहराव ।
फड़फड़ाना	क्रि०	ढाप्-ढाप्, फादा-फोदो, हिपीड़-हिपीड़, रुयु-रुयु । फड़फड़ाने की आवाज—ढाप्-ढाप्, हादाड़-दाधाङ । फड़फड़ाते हुए—रुयु-रुयु । फड़फड़ाने का शब्द—हिपीड़-हिपीड़ । फड़फड़ाहट के साथ—हाद-हुद । कपड़े का फड़फड़ होना—झीलो-झोलो ।
फाँद	सं०	फोन्द ।
फाँसी	सं०	झामपा, फोन्द, फाँस, फांसी, आका, सीटाप् धाड़ाप, सीनङकाप् ।

		फाँसी का तख्ता—फासीडाङ।
		फाँसी होना—आका येना।
		फाँसी लगाना—पासी।
फाक	सं०	फाँक, फाकी, पोङ्के।
फाकना	क्रि०	तापाक्।
फाकी	सं०	फाकी।
फागुन	सं०	फागुन।
फाटक	सं०	फाटोक।
फायदा	सं०	फायदा।
		फायदा रहित—बेफायदा।
फारसी	सं०	फारसी।
फाल	सं०	चुनका, पाल।
फालतू	सं०	लादा, फालतू, फावती, फादेल, आडरा-बाडरा, बाड़ती आजावड़ी।
		फालतू बात बोलना—हुड़चुत्-बुड़चुत्।
फाव	सं०	उनका।
		फाव देना—उनका।
फावड़ा	सं०	दायती, गाँयती, सोबोक-कुडी।
फाहा	सं०	पाहा।
फाड़ना	क्रि०	ताहुड़, चिरा, थागला-थागली, सोड़ा, होटाक्, तेगे-नेंड़े, होत् फार।
		फाड़ा-फाड़ी—चिरा-चिरी।
		उदा:-कपड़ों को फाड़ा-फाड़ी मत करो—किचरिच् दो आलोपे चिरा-चिरीया।

फिरना	क्रि०	फीराव, आचुर । फिर भी—एन हों, एन रे हों, ओना हों फिर से—सटाक् गारते, धुरियाँ, गारते । फिर से एक बार—घुरी-कायते, घुरियाँ कायते । फिर से शुरू होना—दोहलाव । घुर—फिर—घुरी-फिरी ।
फिसलना	क्रि०	लेअजेत्, दारड़ाव, होस-होसाव, हाङ, पेसोड़, उच, होजजाङ, थेसोङ, बुड़ुच, पीचलाव, दारड़ा-दारड़ी, तीरड़ोच् तोरडोच्, पीछोल-पीचलाव । फिसलन—तीड़गोच्-तोड़गोच्, तोड़ोच्-तोड़ोच्, लेअजेत । फिसल जाना—फेतकोच् । फिसल कर गिरना—होसोर । फिसल कर चोट लगना—होजजाङ । फिसलते हुए—भोसोर, तीरडोंच्-तोरडोच्, दारड़ा-दारड़ी । फिसलने वाला—बाड़ेयाङ-बुड़युङ । फिसलाहट पूर्ण—हेजे-पेजे । फिसलाहट होना—हेजे-पेजे । फिसलाहट के साथ—होसमानते, हुड़घुस-हुड़घस । फिसलाहट के साथ घुसना—हुड़घुस-मामते ।
फीका	वि०	नायनू । फीका रंग, पालसो पोलसो ।

फींचना	क्रि०	चोकोच्, सोबोत, काचाव । उदाहरण:-कुआँ के पास कपड़ा मत फींचो—कुँअ ठेन किचरिच आलोपे चोकोजा ।
फीता	सं०	फीता । बत्ती का फीता—सुलता ।
फुटफुटाना	क्रि०	बेचेड़-बेचेड़ । फुटफुटाते हुए—बेचेड़ मारते ।
फुटबौल	सं०	बोल, गेंद । फुटबौल का खेल—बोल-एनेच् ।
फुदकना	क्रि०	चोड़ोक्, कोचोड़ । फुदकते हुए—चोड़ोक्-चोड़ोक् ।
फुदना	सं०	फुदना, डिरिया । फुदना लगाना—डुरिया ।
फुन्सी	सं०	भुमबरी, पुसरी, तोपोत्, डाँहाँ-डेंहें ।
फुनगी	सं०	थोपनाक् ।
फुफकारना	क्रि०	उसोच, फुफकाव, सुह । फुफकारते हुए—छुङ-छुङ, फों-फों
फुफन्दी	सं०	फुपन्डा । फुफन्दी लगना—फुपन्डा ।
फुर्त्ती	सं०	फुरती, चोटकार, तोरकाल। फुर्तीला—चागाड़-चोगोड़, जुटाङ ताड़बाड़िया । फुर्ती से काम करना—ताड़बाड़िया।
फुरसत	सं०	आवसान । उदा:-अभी हमको काम से फुरसत

मिला—नितोक् कामी खोन इञ आवसान एना ।

फुसफुसाना	क्रि०	फासार-पुसुर, खायखोय, पुसकी, पासपुस, फास-फुस, भाराड़-भुरूङ, गानदार-गुनदुर । फुसुर-फुसुर—पुसुर-पुसुर । फुसफुसाकर—गान्दार-गुन्दुर, खाय-खोंय ।
फुसलाना	क्रि०	पुसला-पुसली, फोंक फोंक, पुसलाव, आनडिच्, बुलानी, धुचकार ।
फूट	सं०	फुट । फुट पड़ना—फुट । फूटना—पाटपाट, ठू, पोहाङ टुटा-भाङगा, रापुत, पोसाक् रेचेत्, धीरो-बोरो-, पोसेत् ओटेच्, फुटाव, पोजा-गोक् रापु-दोक् । फूटी—पुटी । फूटी कौड़ी—फुटिया-काउडी ।
फूफा	सं०	कुमाङ ।
फूफी	सं०	हातोम, नाना, बोङ्गा-हातोम ।
फूल	सं०	बाहा । बाहा पर्व (संतालों का)—बाहा । फूल का पौधा—बाहा दारे । फूल के पराग को हटाना—झोली-आव । सफेद खिला फूल—पोरोधोल । फूलमाला—मोड़ । जंगली-गुलायची फूल—भिर गुला-ञ्ज ।

फूल की गंध—बाहा-बास।
फूल सुंघाना—बाहा-बास।
फूल काँसा—फूल कासा।
फूल गोबी—बाहाकुबी।
बिड़ञ्जुफूल—बिड़ञ्जु-बाहा।
विभिन्न प्रकार के विशेष फूलों का नाम:—जिपुर-बाहा सोगोत्-बाहा। हाल बाहा, मोदोर मुली बाहा, कालहा-बाहा, किदिल बाहा, डुअ-डुअ बाहा, राइला-बाहा।

फूलना	क्रि०	मो, टिल-टिलाव, दोमदोम, दार, जाङगे, डुलडुल, गोड़धो, आटाप्-उटुप्, पोपोड़ो, दाने-साने, डोहो, पुटी, उटउटू, दोमो, फुलाव, पोक-पोको, दामा-दोमो।
		फूला हुआ—डुलडुल, लेण्डकेट, धुदली, पुटपुट, पुङपुङ, ड़ोहो, पोक पोको, डुम-डुम, दाम-दोमो, दीड़ीदाड़, मों।
		फूला हुआ होना—लेण्डकेर।
		फूला हुआ पेट—झालोराय, टुब-टुब, ढीब-ढीबिया।
		फूला हुआ शरीर—डोडोम-डोकाक्।
		फूली गाल—टुपलाक्, जोहा, पोकरोत्।
		फूल जाना—डेंहें, दोमसाव।
फूलवारी	सं०	फूल-बाड़िया, फूलवारी, बाहा-बग-बान।
फूस	सं०	बुसुप्, कासी।

फूहड़	वि०	लिलोज, पोहाड़िया ।
		फूहड़ स्त्री—पान्दराही ।
		फूहड़ रीति से—ऐहे जोहे ।
फूहो	सं०	फोता ।
फेंकना	क्रि०	थासड़ाव, तावाक्, उप्, खादले, तासड़ाव, डुसमा-डुसमी, गिडी, गिडी-ओरे, लेथड़ेच्, लेबदा, चापात् थासडोक्, बिन्दाड़, सान्दाड़ ।
		उछाल फेंकना—होटाक्-पासीर ।
		ऊपर फेंकना—होटाक्-पासीर ।
		बहुत ऊपर फेंकना—रोड़गाव ।
		फेंकने योग्य—गिडी ओरे ।
		फेंका हुआ—गिडी-ओरे ।
		फेंकी हुई वस्तु—चोथरो ।
फेंकाना	क्रि०	बाजड़ा-बाजड़ी, डुच्-गिडी ।
फेटना	क्रि०	फेंट, फेंटाव, गाबुच्-साबुच् ।
फेन	सं०	फोतो, फेंड़, फोको ।
		फेन निकलना—दोन्वा ।
फेफड़ा	सं०	बोको, बोरो, बुकसो ।
		फेफड़ा और कलेजा—इन-बोरो ।
फेरना	क्रि०	फीरोत, फीराव ।
		फेरी वाला—भाउरी ।
फैलना	क्रि०	पुटाक्, दुल-दुल, ओघेर, तामतोस, सांडराव, सारताल, गायार-गोयोर, छाराव, बामबकाव, साड़, राक-राका, जावार, तायोल, झापटाव, तीच्, गेरे-गेसे, तीरीआव, छिरीयाव,

तालोई, दार, आतिल, छिरियाछित्,
तारसे, बिदलाई, उदतोव, उदान,
गावचाव, गोतोर, उपचाव, छाराव,
होट-बोंट, चाभाओ, दोहलाव, तोच्-
तोरे, ओड़, दाम-दाम, दाने-साने,
पोचीर-पासीर, ताराल, बासाल,
छिर-छातर, डाबाव।
फैलाना—पासनाव, उडार, दाप्,
पारचाव, उचाट, बुझी, ओडाव,
तोंच, डोङकाव, माण्डा, लाफाव,
तोचतोडरोंच्, दुनदूआव, उड़िच,
फादगाल, टापटापा, लापलापा, तासे,
तोआर, जापार, डामडाहे, छिली-
बिती, तोरओड, हिरीच्, फीदगील,
छितयाव, सीदगी-बीदीर, पासका-
पासकी, लाय-लाय।
फैला हुआ—पोट-पोट, जालाखार,
डाकडाका, रोक-रोको छितिर-बितिर,
फाएल, फाल, फायलाव, छिरछातुर,
ताराल-बासाल, गेरेगेसे, हिटाङ-
झाड़ाङ, डाबका, एठे, साड़-माय-
ठान, कान्डेर, दालचाङ, दामदाम,
चाइताड़, टापटापा, लापलापा, तोंच-
तोरेओड़।
अधिक फैला हुआ—रोस-बान्धाव,
चान्धेड़।
फैला हुआ पंख—ढाप-ढापा।
फैला हुआ सिंग—लाया।
फैला हुआ अवस्था—टायात-टुयुत्।
पैर फैला हुआ—टापटापा, सापो-
ड़ाय, छापीलमान, सारसादले,
बासना पासनी, तोच्-तोडरोच्।

		इधर-उधर फैलाया हुआ—ताराक् बिराक ।
		फैलाव—बिलान ।
		फैली हुई जमीन—टाक्-टाक ।
		फैली हुई टहनी—रामपाड़, रीमपा-टामपे ।
फैसला	सं०	जात-जुत, रोहाय-चीहाथ ।
फोंक	वि०	चोपा, चोपया, फुकी ।
फोंका	सं०	फोका, बुबु ।
फोंकों	क्रि० वि०	सें कोंप ।
फोता	सं०	पेसका, लाडुङ ।
		बढ़ा हुआ फोता-ढाडू ।
फोरम	सं०	फोड़ान ।
फोड़ना	क्रि०	फोड़, पोसाक, छितरा-फुटाव ।
फोड़ा	सं०	ओजो, आटाप्-उटप् ।
		फोड़ा निकलना—ओजो, फोलाव ।
फौज	सं०	फाद ।
		फोजदारी—फावदारी ।

ब

बंगाली	वि०	बाङगाली ।
बंजर	सं०	टाक्-टाक्, बाचना, मालोट, पुतोत, हेड़हेड़, आत, बाञझा, बारे-बाडवाक्, उसोट, खील, डाङगुवा, सायदाङ ।
		बंजर होना—डाङगुवा, ठोट, हेड़हेड़, सायदाङ, नारचा ।

बंजर भूमि—नारवा।
बंजारा (जाति)—पाकमारा।

बंध सं० बोन्द, एसेत्, पोटोम।
बन्ध गोबी—बान्धा कुबी, पोटोम कुबी।

बंधक सं० मोचोलका।

ब्याज सं० बेयाज, सुद।
सौ प्रतिशत ब्याज देना—बाहा-लागी।

ब्राह्मण सं० बाँबड़े।

बक्सा सं० बाकसा।

बकबक क्रि० वि० बेचेड़-बेचेड़, भोदोर-भोदोर, बोद-बोद, बोदोर-बोदोर बोगोड़-बोगोड़, बोक-बोक, बोकोड़-बोकोड़।
बकबक करना—रोड़ोड़, बाड़ा-बाड़ा, फेदड़ाव, भाच-भाच भाचकाओ, धाँय-धाँय, बोकोत्-बोकोत्, बेचेड़, बाकात्-बोकोत्, बोहोड़, बाकतान, बोक-बोकाओ, बेड़ेच्-बेड़ेच् बाकबाकाव।
लगातार बकबक करना—झाड़-झाड़-ओ।
व्यर्थ बकबक करने वाला—गालबाज।
बकबकिया—गाल-काट्टवा, भाजरा, बाक-बाकाव, बेटेल बेटेल, लाझाड़, बाकात्-बोकोत् सोआलिया, पेला-कापिड़या, मोचाबान, दाल-बाजाड़ी, पाड़ाक, मोचा, लापचो, लासरा, लेचेरे।

बकबकिया (स्त्री)—भाचको, भेजेर-भेजेर, चायगो।
उदा:—वह बकबकिया औरत कहाँ जा रही है—उनी चायगो आइमाइ ओकातेय चालाक् काना।
अनर्गल बकना—भासा-भाडरा, मिचो-भोवो।

बकरी सं० मेरोम, मेमेक्, बाकरी।
पत्ती फाड़ने वाली बकरी—साकाम-ओक्ड़ेच् इच्।
बकरी का थन—मेरोम चुञ्चो।
बकरी की पूँछ—मेरोम-चाण्डबोल।
बकरी की आँख—मेरोम मेंत्।
बकरी की मूँछ—मेरोम-गोंचो।
बकरी भेड़ आदि का घर—गुदड़ी।
बलि का बकरा—बोरोम-बोदा, बोदा, बाकरू।
बड़ी नस्ल की बकरी—पायदा-मेरोम।

बकवास सं० चुगला-चुगली।
बकवास करना—टेरे-टेरे।

बकाइन-फूल सं० बोकाय-बाहा।

बकाया सं० पावना।
बकाया प्राप्त करना—दानाय।

बकुली सं० आरबायनी।
उदा:—बकुली से पुआल को हटाओ—आरबायनीते बुसुप्-ओचोग में।

बखरा सं० बाखरा।

बखेड़ा	सं०	बाखड़ा, बाखेड़ा ।
बग्गी	सं०	बागी, ठोका, -गाड़ी ।
बगान	सं०	बागान, बागवान ।
बगीचा	सं०	बागीचा, कोचा ।
बगुला	सं०	कोंक् बोंक ।
बघधनु	सं०	जाँट ।
बच्चा	सं०	होपोन-तोपोन, होन, चाच्, बाबा, होपोन-जानमाल, बुतरू, बुतुर, गिदरा । बच्चा पाना—हेव-होपोन, गिदरा । बच्चा होना—होपोन । बच्चा जन्माना—देरेच्, ओमोन । बच्चा जन्माना (मवेशियों के लिए)—धीड़ूँ, ओमोन, बुसाक् । बच्चा जन्मने का दिन—दुडुप्-दिन । बच्चों का झुण्ड—झाडगार-झुडगुर । बच्चों को खेलाना—ब्हीक-डीडीङ, चेरेच् । उदा:—बच्चों को खेलाते रहो—गिदरा चेरेच् हाताड़कोम । बच्चों को ऊपर फेंक कर लोकना—ब्हीक-डीडीङ । बच्चे—गादार । बाल बच्चे—छावना-पावना । बाल बच्चे होना—छावना-पावना । बाल-बच्चे वाले—देरेच् । कमर पर बच्चा लेना—टाटे । अण्डा से बच्चा निकलना—बारकाव । बच्चा नहीं उत्पन्न होना—बाथ ।

बचना	क्रि०	बाअचाव, आसराय, बाचोल, सारेच् दोमबङ्गाव ।
		बचाना—दोक्, बाबाअचाव, बाचलाव, बाअचाव, आरपा-कोरपा, ओआर, चाव-जोगाव, गिरहाड़, रूखिया, जीताव, होरहो, जाङ्गे, राह्राव ।
		बचाने वाला—बाबाअचाविच्, काकुथाइच् ।
		बचा हुआ—रेस, सारेच्, बाराबदा, उबरासुबरा, छींट, बोकोया ।
		बचा-खुचा—चुनीमुनी ।
		बचा हुआ भोजन—इतात् ।
		बचाव—बाअचाव, हिरला, गिरहाड़, आबडाल, राह्राव, रूखिया, बाबाअचाव ।
बचपन	सं०	गिदरा, हुडित्र ।
		बचपना—गिदरा-बासी, जानाम-गुण, एहेल-बेकेच् ।
बछड़ा	सं०	मिहूं ।
बछिया	सं०	पेठाँड़, फेटाँड़ ।
		बछिया का डकारना—ओम्बे ।
बजना	क्रि०	साडेक्, राड़ाङ-राड़ाङ ।
बजाना	क्रि०	रू, ओक्रोङ, ओरोङ, राँवाल ।
		ताली बजाना—थोयो ।
		थापड़ी बजाना—थायो ।
		फूँककर बजाना—ओकरोङ ।
		बाजा—ठोकले ।

		बजनिया—बाजोनदार, बाजनिया, बाजनी, बाजीया।
बझना	क्रि०	बाझा-बाझी, लोबधाव, बावझा, आड़बाझाव, इडुची-घुड़ची, बाझावड़ा। उदा:—लत्तर में हम बझ गये—नाड़ी रेज आड़बाझाव एना। बझाना—बाझाव। बझा हुआ—इँड़ची-घुँड़ची।
बट्टा	वि०	बाटा।
बटइया	सं०	बुटारिया।
बटखरा	सं०	बाटखारा। पत्थर का बटखरा—ढेव।
बटन	सं०	बोताम, बोदाम।
बटलोई	सं०	पातलोय, बाटलोय।
बटवारा	सं०	हाटिज। बटवारा करना—बाटाई, हाटिज।
बटुवा	स०	बाटुवा, बेग।
बटेर	सं०	बाटा, टीरा, गुण्डरी। बटेर का पंख—डुम इल। एक प्रकार का बटेर—हुकुर-गुण्डरी।
बटोरना	क्रि०	बाटोराय, कोन्डेल, हार-सामटाव, बाटुर-साटुर हार, हालाङ-सामटाम। महुआ का फूल बटोरते हुए—कोन्डेल। बटोर कर फेंकना—हार-गिडी। बटोर कर ले जाना—हार-इदी।

		बटोर कर लाना—हार-आगु ।
		बटोरा हुआ—बाटुर-साटुर ।
बण्डल	सं०	बानडुल ।
		बण्डल बाँधना—बानडुल ।
बण्डा	वि०	बान्डा ।
बतक	सं०	गेडे ।
		बतक की तरह चलना—दाकाड़-दोकोड़ ।
बत्ती	सं०	बाती, दीवहे ।
बताना	क्रि०	लाय, डोङकाव, लाय साडे, काटिच्, तुत्, बातलाव, डाहू-बुलाव, जानती ।
बतासा	सं०	बातासा ।
बाथान	सं०	बाथान ।
बध्घी	सं०	गाली-होरा ।
बदना	सं०	टुन्टी लोटा ।
बदनाम	वि०	आबजोस, बोदनाम, ओकता, बेहुरमुत्, आजगार ।
		उदा:—तुम बदनाम व्यक्ति हो—आम दोम आबजोस होड़ काना ।
		बदनाम होना—बेहुरमुत् ।
		बदनाम करना—बामदा ।
बदमाश	वि०	कोरकोस, हारमाद चोर-चोटाहा, बोदमास, खाजचेड़, चोआड़ ।
		उदा:—इस बदमाश को तुम नहीं समझ सकोगे—नुय चोआड़ दो ओहोम बुझाव ओचोलेया ।

बदलना	क्रि०	बुदली, बोदोल, फेराव, बादली, फेंट, उलाउली, ओजफेर, हेरफेर, उतीअ, उचाड़, उचाड़-नाचाड़, उपान-झापान डोण्डरोक् ।
		बदला—हाला-हाली ।
		बदला-बदली—बोदला-बोदली, हाला-हाली ।
		बदला-बदली करना-हाला- हाली ।
		बदला लेना—हाला-हाली, बायरी-साधाव, साधाव, झाड़ाव ।
		बदला चुकाना—हाला ।
		बदला लेने वाला—डाहुगोरिया, तेनदोड़ ।
		कपड़ा बदलना—पालाट ।
		बदले में—सानते, छाड़िच् ।
		बदले में करना—बोदोलते ।
		बदले में होना—बोदोल ।
		बदली—बादोली, बोदोल, उचाड़, बादरो, बादरी ।
		बदली होना—बादरी ।
बदसूरत	वि०	काबडुच्, केन्देरपेत्, दारुहाड़ ।
		बदसूरत होना—काबडुच् ।
बदहजमी	वि०	रोस-आमोल ।
		बदहजमी होना—पुटी, रोस आमोल, उगनी-मान्दा, उगनी, रास ।
बध	सं०	खूँन ।
		बध करना—खूँन ।
बधाई	सं०	आड़सा ।
बधु-मूल्य	सं०	पोन ।

[illegible] वि० घुल-घुलाव ।

बन्द करना—किलाप, जापाक्, राम, तुबेत्-तेपेत्, एसेत्, मोहण्डा-माराब, माहकूप, सीञ, बोन्द, माहकुम, टाहराम, नेमजा-नेमजी, लादाप, पोटोम, झांप, पाटाङ्, आड़े ।

कस कर बन्द करना—हांड़ोप्-उरिच् ।

जोर से बन्द करना—हांड़ोप्-उरिच् ।

कैद में बन्द करना—हांड़ोप्, हाजोत ।

बन्द रहना—एसेत्-ताहेन ।

बन्द होना—मुन्दाव, सीकुप्, उठाव, तेपेत्, उठा-उठी, ठामकाव, निरोत ।

बन्द द्वार—सीञ-दुवार ।

बन्दर सं० गाँड़ी, बोन्दोर, हांडू ।

बन्दर खाँसी—बान्दोर-खासी ।

बन्दर की बोली—हुकू-हुकू ।

बन्दर देवता—हांडू-बोङ्गा ।

बिना पूँछवाला बन्दर—ओलो ।

बन्दरगाह सं० बोन्दोर ।

बन्दिश सं० बोन्दिस ।

बन्दी सं० हाजोत ।

बन्दी गृह—आराक्-ओड़ाक् ।

बन्दी बनाना—गिरिपदार, जिमा, डुरीआव ।

बन्दूक सं० बान्दूक ।

बन्दुकधारी—बान्दुकिया ।

बन्दूक चलाना—दोड़माहा, ठू ।

बन्दूक का घोड़ा—घोड़ा ।

घायल पर बन्दूक चलाना—टोटा ।

		दो नली वाला बन्दूक—बारनाली ।
		विशेष प्रकार के बन्दूक का नाम—तोड़ा बान्दूक, जामकी-बान्दूक, पाथोर-काला ।
बन्दोबस्त	सं०	बोन्दोबोस ।
		बन्दोबस्त न किया हुआ—बेबोन्दोबोसती ।
बन्धक	सं०	भोरना, भोरना-भुता, हारना-भोरना, बान्दकी, बानधे, जाँत, थीत, जाँकाड़, ओल-बान्दकी ।
		बन्धक रखना-ओल-बान्दकी, जाँत, थीत, बान्धे, जाँकाड़, हारना-भोरना, रूजु, जामीन ।
		बन्धक देना—जायजात ।
बन्धन	सं०	तोनोल, बोन्धेज, बानधोन ।
		बन्धन होना—तोनोल ।
		बन्धन टूटना—तोपाक् ।
		बन्धन खोलना—ढीका-ढाके ।
		बन्ध जाना—साप्-पोंक ।
बन	सं०	बिर ।
		बन-बिलार—टोटोक्, रूण्डा ।
बनाना	क्रि०	तेआर, बानाव, जुड़ाव, ढुकाव, बेनाव-बाढा, बेनाव, जाह-जाहाव, ढोब, साईबूत, तुरता, कारोनी, गाथाव ।
		बनाने वाला—कारोनी ।
		बनाने में निपुण—कारोनी ।
		बनावट—गोठोन, ढोब ।
बनिया	सं०	बोड़ियां-बाकाल, बोड़ियां, गोलदार ।

बनैला	वि०	बोनेला, आनडरा ।
बपतिस्मा	सं०	बापतीस, बापतिस्मा, । बपतिस्मा देना—उम, बाबापतिस । बपतिस्मा देने वाला—बाबापतिसीच् ।
बपौती	वि०	भावरानी, बापेरकाल ।
बबुआई	सं०	बाबूआनी ।
बबुल	सं०	गाबला, बाबला, बाबूर ।
बम	सं०	बोम ।
बयान	सं०	लाय, बायान ।
बयाना	सं०	बायना । बयाना देना—बायना ।
बर्छा	सं०	बोरलोम । बर्छी—बारछी ।
बर्तन	सं०	बासोन, बारतोन, बासोन-कुसुन, बोरतोन । टुकुच्-चेलाङ, भाजान । बड़े आकार का कांसे का बर्तन—जाम-बाटी । एक छोटा मिट्टी का बर्तन—कोटनाक् कनखा रहित बर्तन—भेड़गो । मिट्टी का बर्तन—भाजान । अध पक्का मिट्टी का बर्तन—ढोपसा ।
बर्फ	सं०	बोरोफ, राताङ । बर्फीली ठण्ड—कालहा ।
बर्बाद	सं०	बेरबाद, आपचो, खेरवेच् । बर्बाद करना—नारबा-खारबा,

बाहबीलोण्ड, ढोयो, उबाव, डुबाव दुरदार, छोरकोतु, खोट, चिर-बितिर, जोसाव ।
उदा :—इस औरत को लाने से सारा घर-द्वार बर्बाद हो गया—नुइ आयमाय बोलो काते ओड़ाक् दुवार दोचिर-बितीर एना ।
बर्बाद होना—आहलाव, आवजोस, नास्टो, आबोसता, गीरबाद, नास, द्वारदुर, रिआय-खी-आय, हासा, बुड़ाव ।
उदा :—इस पानी से बहुत बर्बादी हुई—नोवा दाक् ते आडी आबोसता होयेना ।

बर्रे	सं०	सुसुरबाङ ।
बरगद	सं०	बाड़े दारे ।
बरनी-पर्व	सं०	बारनी-पोरोव ।
बरबटी	सं०	घाङगरा ।
बरमा	सं०	भाओरा (बढ़ई का एक औजार)
बरसात	सं०	जापुत् दिन, जारगे-जापुत्, नादी-नाला दिन । बरसात काल में खूब हवा, पानी के साथ पानी बरसने की प्रक्रिया—जारगे-जापुत् । देर तक बरसने वाला पानी—साज-झाली । बरसाती पानी—जारगे दाक् ।
बरहा	सं०	बाराही (मोटा रस्सा)

बराबर	वि०	सोमान, चाउरास, तुलनी, सोरा-सुरी, बाराग, उनी-बाताड़िच्, सुलोमान, ताल, एकलाय, एक मित् लेका, मुण्ढा-मुण्ढी, बार-बार ते, बोराबोर, जोंक, जदके-जाव, सीडरी, गाराक्-गाराक्, ओना-बाताड़िच्, तुलनी, छिप-छिपानी, ओपोर-जोपोर।
		बराबर करना—सुरछाव।
		बराबर होना—सुलोमान, जोपोर, सोड़, सोमान, सुरीक, ओपोर-जोपोर, धाँव-धाँव, सुरीक, सानामानी, तुलनी, ताल।
		आकार में बराबर होना—ताल।
		बराबर बाँटना—सोमोजोस।
		बराबर हिस्सा—सोमोजोस।
		एक बराबर—जोपोर।
		बराबर मोटाई वाला पेड़ या पशु—सोड़ोसोच्।
		बराबर-बराबर-माण्ढा-मुण्डी।
		चारों कोना बराबर वाला—चार-पोहोल।
		उदा:—खाट के पौवा का चारों कोना बराबर है—पारकोम कुठे को चार पोहोल आकात्-आ।
		बराबरी—दावा, एकलाय, एक।
		बराबरी वाला—सोखा-सुखो।
बरामदा	सं०	आताड़ पीन्डा।
बरेड़ी-पिन	सं०	बाहा चारेच्।
बल्कि	संयोजक	देहोन।
बल्लम	सं०	बोलोम।

बल | सं० | आयदारी, बोल, ताड़, दाड़े, मुण्ड़, धावोत, तापीस, मागदूर, जोर, दांड़े।
बल लगाना—जोर।
बलवान—दाड़ेयान, आँट, भुलियान, मागदूर, गाजील-मान, फुलास।
बलवान होना—जोर-बान्धी।
बलहीन—गोतोर-खावका, चुकुच्-चुकुच्।
बल पूर्वक—मोसोकुसा, बाड़दाक-मानते, मागदूर, जोर, जोर-बोजोर, दागुर-मानते, मोट, ताव, जोरमोट, जोर-जुलुम, आडी, कारते, तावते, जोर-बोजोर, जोरांय, जोर-बान्धी।
बल पूर्वक पीटना—बारात-मारत, बारात् माराव।
बल पूर्वक उसने पुकारा—आड़ो कारतेये होहो केदा।
बलात्कार करना—जा रांय।
बल पूर्वक अपहरण—हावण्डी।

बलिदान | सं० | बुलिदान, दाँड़ें, बोंगा-दाराम, बालिदान, तुलसामाङ-ओक्आक्, तुल सामाङआक्, पासाव आक्।
बलि चढ़ाना—बोंगा दाराम साकेत, सामाङ, तेङगेन, दाँड़े, माक् मेला।
बलि का पशु—साकेत, जोड़ा सामाङ।
बलि-मुर्गी—सोम-तियाक्।
बलि योग्य पक्षी—पाहुड़, पाहुड़-पासा।
बलि पुजा—पूजा आधा।
बलिष्ठ—बोनबामार।

बवन्डर	सं०	भारण्डी ।
वस्ती	सं०	बासती । घनी बस्ती—गान-गान ।
बस	बिस्मयादि बोधक	बास, इनाक्गे ।
बसना	क्रि०	बेरेल, थामगाड़ी, बासगाड़ी । बस जाना—थामगाड़ी, गिरोबास । बसाना—थाम । बसा हुआ—गिरोबास, बासकोतिया ।
बसुला	सं०	बास-बासला । बसुली—बासला ।
बहकना	क्रि०	बिलटाउ । बहक जाना—उराल-पाताले ।
बहकाना	क्रि०	उराल, बाइकाव, बिगड़ाव, बाइराव, उडराव, उडरा-उडरी, भावराओ, भाटाओ लीलकार । बहका हुआ—उराल पाताले । बहकाने वाला—उरालिया । बहकावे में आकर—एड़ोड़ ।
बहन	सं०	बोयहा-कुड़ी, वाहीन । बड़ी बहन—दाय ।
बहना	क्रि०	आतू, बुहेल, सेडराव, बुभाव, जोरो, सुडुर, डुबा, तायोल, टोयोल-टोयोल । उदा :—नदी में पानी बह रहा है—गाडा रे दाक् आतूक् काना । बहा देना—चामडुल, आतू-गोत्-काक् । बल जाना—बोयलाव, हेहेल, पोयोड़ ।

बेग से बहना—डोंज-डाबूर, हादहा-दाव ।
ऊपर—नीचे बहना—डायोल-डोयोल ।
पतली धार बहना—रूमु-रूमु ।

बहनोई	सं०	तेआङ ।
बहरा	वि०	बाहरा, काला, ओक्-लुतुर, गादुत यह शब्द गाली में व्यवहार होता है । बहरा होना—कालाक् । बहरी—काली, बाहरी ।
बहलाना	क्रि०	बाहलाव, छुचकार, फेंकफांक ।
बहस	सं०	भाका, बाहुस । बहस करना—टेरे-टेरे । बहस करने वाला—चाड़ा-चापाड़ । उदा:-बेकार बहस मत करो—आलोम चाड़ा चापाड बाड़ाया ।
बहड़ोछा	सं०	बाहडोंबता ।
बहंगी	सं०	भारिया ।
बहादुर	वि०	बाहादुर, बाहदुर । बहादुरी—बाहादुरी, बाहदुरी ।
बहाना	क्रि०	पेंघा, बोहाओ, बेदा, लाछान, ढोआन, आनडुडा, नाङगोस, लोचना, लोछना लासोड़हें, छुतीस, बाड़हान, । बहाना करना—लोछना, लोचना, बेदा, होड़बेदा, हेनफेन, एरका, नाङ-गोस, लासोंड़हें, ढेंस, लाछान, लीसिन्द, गाँबड़े-गाँबड़े, ढोआन, सुसी, जोखा,-डङगुल, फांस, छोन्द, छाड़ोस, पास-काटाव, गाम-पाताव ।

बहाना करने वाला—सुसी।
बहाना करते हुए—इँगुल, हेनेफेने।
उदा:—काम में बहाना मत करो—
कामी लागित आलोम आनड्ङा।
बहाना बनाना—लोबना आनड्ङ।
बहाना बना कर ले जाना—एड़े इदी।
बहाना ढुढ़ना—छतीस, सुसी।
बहाना के साथ—ढार-ढोसाहा।
बहाने बाज—नाङ्गोसिया।
बहाने से—लासाड़हें ते।

बहिष्कृत	वि०	होड़हो-आलगाव। समाज से बहिष्कृत करना—डाङ्गरा।
बही	सं०	वुही, राजेसटारी।
बहुत	क्रि० वि०	आडी, आडी, आडी, आडी-उतार, दादुड़, बुहुत। बहुत बार—आडी-छोट, आडी घाव। उदा:-उसने मुझे बहुत बार मारा— आडी छोटे दाल कीदिञा। बहुत अधिक—रेत्,-तेपेत्, आडी-उतार। उदा:-मैंने बहुत अधिक खा लिया है— आडी उतारिञ जोम केदा। बहुत जल्दी बढ़ना—सान-सानाव। बहुत घना उपर उठा हुआ—रूद-रूदु। बहुत मुश्किल से—एहें-चोहे। बहुत कम—होयाम-होयाम, डीबा-डाबे।

बहुत कम नमकीन—हायाम-हायाम ।
बहुत नीचा—लेदा ।
बहुत जल्दी होना—टोसगोर ।
बहुत निकट होना—रेपेयजेत् ।
बहुतायत—हेड़ान, गारगादलाक्, बारात्-बारात्, ढेर कायते ।

बहुमूल्य वि० दामान ।
बहुमूल्य रत्न—चुनी ।

बहुरंगी वि० इनडोर-गोनडोर, रोङ-बिरोङ ।

बहुसंख्यक वि० तानाक्-बुसाक्, हाड़ाय-हाड़ाय, गायार-गोयोर, थोय-थोय, छाब-छाब, रेमहें-दुमहें, हुजलाक्-मानते, गेर-गेसे, सागाल-सोगाल, आडा-उभार आड़ोङ, धीगा-धोगो, जाराल-जुरूल, दुङगुत्-दुङगुत्, गादाम-पीटाल ।
बहुसंख्यक मुर्गा-मुर्गी—धीगा-धोगो ।

बहू सं० बाहू, बाहू-कुड़ी, ओड़ाक्-होड़, रीतीच् ।
घर की बहु—गोतोय् ।
बहू बनाना—एराये, ओड़ाक् होड़े ।

बड़की वि० बाड़की ।

बड़बड़ाना क्रि० बिकात्-बोकोत्, बोकोत्-बोकोत्, कोकोत्, गिनदोर, गोनदोर, गाम-गोनदार, धाज-धुज, बाडाक्-बुडुक, गुन्दुर-गुन्दुर गेहेत्-गुन्दुर ।
बड़बड़ाते हुए—गेहेत्-गुन्दुर, छुङ-छुङ गुन्दुर-गुन्दुर ।

बड़बड़—बाडाबाडा।

बड़बड़िया—चाड़ा-चापाड़, बोदड़ा।

बड़ा वि० लाटू, माराङ जोबोर, जालारबार, जाबदो, जाहबाज, बोड़ोय, बाधाय, दाड़, दारोजज, मोटको, मोटा-मुटी, डागोर, हाडहाडा, हाडोपाक्, नापड़ाक्, हापड़ाक्, हुटहुट, एड़हेन, कायाई, दाड़हाप्, दाम्बो, दाङगा, धीड़धाङ, डाड़ाङ-डाङङ, खाबेल, धोधो, मापड़ाक्, मोकोरदोए, राटो-काक्, हाक्हाक् आथान, हाडोराप, ठाबु।

बड़ा मुँहवाला—हुदुड़ाक्।

बहुत बड़ा—आसराँत, आसीनताड़ा डाङगा-डाड़ाङ दाड़गेसाक्, डाङ-डाड़ाङ, ठाबु-ठाबु, रेपेत्-रेपेत्।

उदा:—हमलोगों ने बहुत बड़ा साँप को मारा है—आँसरात बीज ले गोच् केदेया।

बड़े आकार का—डाटा-डुटू, डाहाड़दाङ।

बड़ा सुअर जिसका दाँत निकला हो—दाँतेला।

बड़ा घर—नाङगोर-चाकेर।

बड़ा बनाना—दारोजजा।

बड़ा-बड़ा—दाड़गू।

बड़ा होना—नापड़ाक्, धाड़गू, एड़हेन, धीड़धाङ, आसुम-दारूम, हाक्हाक् आथानो, लाटू।

एक समान बड़ा—हाटा-हुट।

उतना बड़ा—उन माराङ।

कितना बड़ा—तीन—माराङ ।

बड़ा और नर्म—लोन्दोकाक् ।

बड़ा-गोल—दाड़गा, ठोम्पो, डापठु ।

बड़ा गोल पत्थर और फल—दाड़गा-दाड़गी ।

बड़ा और मोटा—लोदगोय ।

बड़ा करना—पासड़ाव, चागचागाय ।

बढ़ई सं० बाडोही, काट-बाडोही, बाडोही, छुतार, बाढोरिया, बाढ़ोई, काट-मिस्त्री ।

बढ़ई गिरी—काटकुट, ठकठुक ।

बढ़ना क्रि० धीड़धाड़, दुनदी, तोरो, डागडागाव, उपतान, आकरा, सारहे, होड़हारा, ओमोन, बामबकाव, बमकाबामकी, फादगाब, तीच्, साडगे, दामादोमो, देच्, ड टो, साहरे, बाड़-बोरित, धाबाधावी, सोरफा, लाहाक् ।

अधिक बढ़ना—डालढाव, हारा—लातार ।

बढ़ने से रोकने की प्रकिया—धासोर ।

बढ़ने वाला व्यक्ति—हारान ।

बढ़ जाना—गोतोर, गेयान, हारा-बुरू, दोनघा, चुड़ती ।

उदा :—आजकल बस्तुओं का दाम बढ़ गया है—नेतार सानाम जिनिस रेयाक् दाम चुड़ती आकाना

साथ बढ़ाना—अपेल-टापाराव ।

बढ़ाना क्रि० हारा, बाड़हाव, बाढ़ो, जुड़ाव, लुक-ताव, बाढाव, बाढ़ाबाढी,

आधराव, पारचाव, जुटाव, पास-ड़ाव, चाड़हाओ, तारनागाड़, जुटिच् ।

फेंक कर आगे बढ़ाना—सोहोर ।

इस स्थान को बढ़ाना होगा—नोवा जायगा दो बोन आधरावा ।

बढ़ा हुआ—डाटी, चोड़, हापामुन, डिगो-डिगो, कान्डेर, डाटा-डुटु ।

बढ़ा हुआ होना—डारा ।

एक साथ बढ़ा हुआ—अपेल-हापा-राव ।

आधा बढ़ा हुआ—टेला ।

अधिक बढ़ा हुआ—रोस-बान्धाव, गासुम बादरूम ।

पूर्णतः बढ़ा हुआ—बाड़ होनतार ।

उदा:—बाजार का भाव आज कल बढ़ा हुआ है—नेतार बाजार दो चोड़ आकाना ।

बढ़ी हुई अवस्था—हिरोक्-होरोक् ।

ढिठाई | वि० | निफुट, सोरोस, लुयुम, मोअजोक, जुत, मासता, सुलुप-लुन्दुप, सुसान, रोजगुत, जातगार । खासा, नापाय, सुसटान, सुथार, धार, मानगार, टोसगोर, टासकार मुरचुलू जोताला, यानगा-निया, डील-लेका, ढाब-डोब, लोमोज, लोयोम, बेस खलाव, टांवङगार, सीरा, बांसपाता, माजगुत, निमोन, सात, धादला, धुदली, जोतान, दुरूस, जोनतोर, सुखू, जोमोक: जुलधुर, सारेस, लेदगेच् सीरात-शरात, डाग-डाग, दोखनोर लिठुर ।

बहुत बढ़ियाँ—जाँतालो, डिगो-डिगो, धाराहारा, हारला-पुरला ।

बढ़ियाँ माँस—लासगार ।

बढ़ियाँ सब्जी—छासगार ।

बढ़ियाँ भूमि—आबोल ।

बढ़ियाँ तम्बाकु—खारसान ।

बढ़ियाँ बाल—लोपिओन :

बढ़ियाँ हालत—रोम़ाड़ ।

बढ़िया सुर्यास्त—हांपी-डुबा ।

बढ़ियाँ अवस्था—लुदगुपु, लुरकुम करमेल ।

बढ़ियाँ अवस्था होना—लुटकुम ।

बढ़ियाँ होना—लाटाब, जुत, डुच ।

बढ़ियाँ बनाना—सुसटान, दुरूस ।

बढ़ियाँ बना हुआ—रुदगुच् ।

बढ़ियां रीति से—उघीयाँ, जुते-जुलेते, रेमके-चेमके ।

बढ़ियाँ पीसा हुआ—लुभुज ।

बढ़ियाँ आकार का—लेबबोज ।

बढ़ियां बढ़ा हुआ—लेबबोज ।

बांक	स०	बांक (पैर का एक आभूषण)
बांझ	त्रि०	बाअझहा, हेड़हेड़, ठोट, डेङगा-डाङग गवा, निर्गादरा ।
		बांझ पशु—बाहला ।
		बाझ होना—हेड़ हेड़, ठोट ।
बाँटना	क्रि०	हाटिञ, इरिच्बाटोन, हिस, बाटा बाटी, खाअजाब गान्डा-गुटी ।
		आपस में बाँटना—हापाटिञ ।
		करछुल से बाँटना—बो, लो ।
		बराबर बाँटना—तीच् ।
		बाँट कर अलग करना—हाटिञबेगार ।

बाँध	सं०	बान्द । बाँध बांधना—गान्ड, बान्द, आड़े । बाँध टूटना—बोगोच् ।
बाँधना	क्रि०	तोल, मोटरा, घेट, जाङगे, हाड़ी, बीड़ी, बेव, दोमको-डोक्, बेघाव, नियाड़, ओत्-आराव, बानघीन, कोहड़ाव, नाथी । बाँधना पर्व—सोहराय । गाती बाँधना—माकाड़गाती । गठरी बाँधना—गाड़ीयाव साड़ियू । गाँठ बाँधना—डोम्बे । कस कर बाँधना—आराव, रेमकोत् । पत्थर से बाँधना—पाटाँड़ । बाँध कर स्थिर रखना—हाड़ी । बाँधा हुआ—बान्धा, बान्धाल ।
बाँया	वि०	लेङगा, कोयें, मेह । बाँयी तरफ—लेङगा । बाँयी तरफ से—माकड़े ।
बाँस	सं०	मात् । बाँस का कोपल—हाण्डुवा । बाँस की चुन्नौटी—चुन ठोङगा । बाँस की बड़ी टोकरी—डीड़मी । बाँस की बड़ी टोकरी जिसमें अनाज रखा जाता है—डीड़मी । बाँस की बनी बड़ी पेटी—हाड़का । बाँस की बनी चिपटी टोकरी—झड़ी बाँस जिससे बाँसुरी बनती है—बासनी । बाँस की बनी अर्ध गोलाई वाला—कुम्बेत्, हिस्सा ।

बाँसुरी	सं०	बासी, तीरीओ।
		बाँसुरी बजाने वाला—बासकारिया।
		बाँसुरी बजाना—बासकारियाक्, बासकारी।
		एक प्रकार की बाँसुरी—बेड़ँ तीरीओ।
बाँह	सं०	सोपो, बाँही।
		बाँह की मस्ल—सोपो।
		बाँहुक—साराड़्।
बाई	सं०	बाय (एक बिमारी)
बाईबल	सं०	बायबेल।
बाकी	सं०	बाकी, पुकरावाक्, बोकोया, सारेच्।
		बाकी रहना—कासार।
बाकेया जंगल	सं०	बाकेया बीर।
बारवरी (एक पर्व)	सं०	बारबारी।
बाग	सं०	बागवान, बाग।
बाघ	सं०	तारुप् भोटा मूँ, आदबाधिन।
		बाघ सदृश्य—बाघेराय, तारूप् लेका।
		बाघ का—बाघेर, तारूपाक्।
		परिणत बाघ—आनडकुल-बानडकुल।
		उदाः— यह बाघ मनुष्य परिणत बाघ है— नुई तारुप् दोय आनडकुल बानडकुल अकाना।
बाछा	सं०	बाछा।
		बाछी—बाछी, बाछुर-बान्धा।

बाज	सं०	पाझाड़ । छोटे आकार का बाज—टीरमुटी।
बाजरा	सं०	बाजड़ा, चिनो । बाजरे की तरह एक प्रकार की दानेदार अनाज—इड़ी । बाजरे का नाम—लेन्ढा, लेब्झा, बान्दोरनेजा । एक प्रकार का बाजरा—से मायाम, इड़ी ।
बाजा	सं०	बाजा, ठोकोर-ठोकोर । बाजा बजाना—बाजना, ओरोङ । फूँककर बजाना—ओरोङ । फूँककर बजाया जाने वाला बाजा—ओक्रोङ आका । फूँका जाने वाला बाजा—ओरोङ । बाजेगाजे के साथ—गजान बाजान ।
बाजार	सं०	बाजार । बाजार करना—हाट-बाजार । बाजार लगना—हाट । बाजार स्थान—बासके मानडा ।
बाजी	सं०	बाजी, बारजीत । बाजी लगाना—बाजी, बारजीत् ।
बाजू	सं०	सोपो । बाजू (आभूषण)—टाड, बाजू, खाया, छिड़, साकोम । बाजू बन्ध की रस्सी—बाजू-बाबेर । बाजू बन्ध ठेका, ठीसी, छिगबड़ी, साकोम ।

बाट | सं० | बाट ।
बाट जोहना—बाट ओलहोर, व ल-दाराय ।

बात | सं० | रोड़, ताड़, काथा, उच्
बात करना—मिसरी बाटा माल-माराव ।
निन्दनीय बात करना—उटका-पाटका ।
बातें करना—आजारे, ताड़, रोड़ ।
बात पक्की करना—सोंक्-सेंटेच्, गोटाय, नीट ।
बात समाप्त करना—आरखाब, मालतुपी ।
बात के आगे पीछे करना—हेचेपेचे ।
बात फैलाना—उड़िच्, डामडाहेय ।
बातें फैलाना—बार मोचा ।
बात दोहराना—उतलाव ।
बात होना—काथा, नीट ।
बात खत्म होना—तोपाक् ।
बात बिगाड़ना—दाच ।
बात बनाना—गुतु-गालाङ ।
बातें बनाना—बाडोही ।
बातें बनाना—गालमाराव, गाप्पो, कानथा, आकड़ा ।
बात कटना—बात-काटी ।
बात काटना—बात-काटाव ।
बात उलझना—पेसड़ा-पेसड़ी ।
बात उठाना—ताड़, काथाराकाव ।
बात नहीं मानना—दोनपारोम, काथा, बाङआनजोम ।
बकर-बकर बातें—चाप-चाड़ापू ।

बातचीत—काप, गालसाल, गाल-आराव।

बात-चीत करना—काप, गालसाल, आहाते-जुआव, आजारे।

उदा—बातचीत करने के लिए घूम रहा है—आजारे लागितए दाँड़ाँ बाँड़ाँय काना।

मूर्खतापूर्ण बातचीत करना—लोड़ो-बाड़ो।

चुपचाप बातचीत करना—टामटीम।

बाताबाती होना—हाड़का-हाड़की।

बातों बातों में—बाते-बाते।

बातों का पुष्टिकरण—एहेंतो।

बातूनी—बारमोचा, लाचार, दात बाजाड़ी।

बातुनी औरत—फेदगे, बाजेही, फादड़ी, फाफुड़ानी।

बाद सं० तायनोम।

बाद में—माहरे, एन्ड़ेते, तायोम रे, उन-उतार।

बाद आना—छापीलमान।

बादवाला—सीमतोक्, तायनोमाक्

बाद में होना—तायोम ते।

इसके बाद—तोबे-काच्, इना-काते।

उसके बाद-ओनकाते, इनकाते, हिना आनाक्।

बादल सं० रिमिल।

बादल गरजना—हुडुर, हाडार-हुडुर।

बादल छाना—पाधराब, गापगाद, डोप्-डोप्।

बादल छाया हुआ—रिमिल, डोप्-डोप् ।
बादल घिरना—उनाव ।
बदली करना—रिमिल ।
बादल इकट्ठा होना—पाघराव ।
काला घना बादल—कारीलाडाङ ।
आकाश में बादल छा जाना—डोण्ड रोक् ।

बादशाह — सं० — बादसा, पातसाय ।
बादशाही—पातसाय ।

बादाम — सं० — बादाम, बादाम ।
बादाम-सरसो—बादोम तुड़ी ।

बादे — सं० — बादे (बुनकर का कपड़ा बुनने में बादे को दबाकर सुत दबाया जाता है ।)

बाध्य — वि० — मोसोकुसी, आझाँट ।
बाध्य करना—आझाँट, मोसो-कुसी धामा-धूरा ।
उदा:—स्वीकार करने के लिए उसे बाध्य किया—आंगोच लागित् को आझाँट केदेया ।

बाधा — सं० — आकोट, लेठा, दोचोक्, घोड़ना, दागा, लाकिच्, दाँयखाँय, लेटोक्, ठाक-ठेक, बाधा, रोक टोक, लेताड़, लेताङ, आवझाड़, आलमालाव, आलकाव, आवलाव, बेदोच्, लोटोक, बेवड़ा, जाङगे-जाव-हाड़ ।
बाधा देना—एण्डाक्, माण्ड-माण्डे,

दागा, बिछावना, बाधाव, सामाधान, बातकाटी ।

बाधा पड़ना—लेठा, उथान-झापान, लेटोक्, जाव-हाड़, लेटाङ, लेताड़ ।

बाधा में पड़ना—उसुम-सुड़ूच् ।

बाधा डालना—इकिल-सिकिल, मोथ सोल, सामाधान, हेजफेज, पाटेत्, आनदाक्, ताबाक् ।

बाधा होना—लोटोक्, ताकिच्, रोक-टोक, बिढ़ाबरा ।

बाधा पूर्ण होना—हुड़ेत्-पाटुप् ।

काम में बाधा होना—काम उड़ाव ।

बान्दी	सं०	बान्दो (एक प्रकार की लतर) बान्द लोता (एक लत्तर विशेष)—बान्दलोता ।
बाबाजी	सं०	बाबाजी ।
बाबू	सं०	बाबू । बाबू गिरी—बाबूगिरी, बाबू-भाईया । बाबू भईया—बाबू भाईया । बबुआ—बाबू ।
बाम्बि	सं०	बुनुम । बाम्बी—मछली-बामबी ।
बाया	सं०	मालहान, चेड़ें, हीसी, जियाम, जीयोन ।
बार	परसर्ग	धाव एक बार—मित्-धाव, मित-दोम । एक दो बार-एक तेरवार-दू तेर-बार, मित्-बार दोम, मित्-बार धाव ।

बार-बार	क्रि० वि०	आटीस, कुटीस, बार-बार, होली-होली, बारे-बार, उकाट, पाकाट, जाव-जाव, उठा-उठी, घुचुर-घुचुर जाँवड़े-जाँवड़े, धाने-धाने, छतहों-पातहों, जाली खाली, गोरोक्-गोरोक्, तुली-तुलफी, दाफे, दाफे, डेहोड़, ओथा—होले काने-काने, घुरफेर, घुरियाँ-घुरियाँ, घुराघुरी, घुराय-फिराय, घुराथ उल्टाय, घाड़ी-घाड़ी तेड़ोक-बेड़ोक्, तालपी, तालपीमार, छतहों, पात हों रीगोड़, आचुर-बिहुर। बारबार आना—हेतो। बार होना—रीङ-गाड़ राङ, गाड़ हुचूहुच्, हुलुच्-हुलुच्। बारबार पुकारना—दाराक्-दाराक्। बारबार जीभ निकालना—मेलोत्-मेलोत्। बार-बार प्रयत्न करना—जाह-जाहते। बार बार जलाना धुड़सा-धुड़सी। बार-बार पूछना—भेदरे-भेदरे। उदा :- क्यों बार-बार आ रहे हो—चेदाक् आटिस कुटीस एम हिजुक् काना।
बारनिस	सं०	बारनीस।
बारह	संख्यावाचक	गेल-बार, बारो। बारही पइला—बारो-पायला। बारह मसिया पक्षी—बारो-मासिया चेड़े।
बारही	सं०	बारो-आड़ी।

बारा	सं०	बारा।
बारात	सं०	बारियात, बोरात।
बारी	सं०	पाली। बारी-बारी—ओला पाली। बारी बारी से—ओरा-पारी, पारा-पारीते।
बारीक	वि०	सेमेल।
बारूद	सं०	दारु, बारुद।
बाल्टी	सं०	बालटी।
बाल	सं०	उप्। घना बाल—धागुम-सागुम, धापरी। घुँघराला बाल—धुँबड़ो, रीसा। ऊपर उठा हुआ बाल—रीसा, रिस-कीत्। बिखरा बाल—दामचाक्, दामचा-दामची, दालपुङ, दारकादाले, दान्दरा, दामचाराचाक्। बाल बिखरा पुरुष—दान्दरू। बाल बिखरी औरत—दान्दरी। कटा बाल—ठाण्डगा। बड़ा बाल—रागुम चाक्, रीस-रीसी। बड़ा बाल होना—रीस-रीसी, रीसा। खुला बाल—दान्दले। उलझा बाल—दान्दले, रागमुचाक्, दामचा-राचाक्, पाटा, तोके। उलझा छितराया बाल—राउआक्। अनाज का बाल—सीस।

ऊपर उठा हुआ बाल—रापे, रीस-रीसी।
खड़ा बाल—दादुरहाम।
गंदा बाल—जाटा-जारुम।
ढीला बाल—तोके।
बहुत कम बाल—ढेनडरा।
सफेद बाल—पोरोधोल, पाण्डु।
बाल जमना—उप्।
बाल कटवाना—होयोन।
बालों को काटना—डुनड्।
बालों को छोटा काटना—डुनडा।
बाल मुड़वाना—होयोन।
बाल छाँटना—डुनडु, भालेप।
बाल उड़ना—पोदोय।
बाल बिखरना—दालचाङ दालचाङ।
बाल संवारना—रोत्-नाकिच्।
बाल संवारा हुआ न होना—हिरचित
बाल पकना—पान्डु।
बालों का गिरना—हेण्डरा।
बालों को बिखेरना—दालचाङ।
बालों से भरा हुआ—रोदो।
बालों का गुच्छा—धाचरी।
बालों की चोटी—चुटिउल।
बाल छितराया हुआ—दारकुल मारकुल
बाल लठलठ करने की प्रक्रिया—जाटा-जारुम।
बिना बाल का—डुडगा।
बालो में चिपचिपाहट—आने की प्रक्रिया—जाटा—जारुम।

बालक सं० होपोन, जोच्।
चंचल बालक—छोन्दा।

बाला	सं०	साकोम । मोटा बाला—कातरी-साकोम । पुरूषों के पहनने का बाला—टोडोर
बाली	सं०	पागरा, लुडुङ, टोडोर, बाला । धान की बाली—तोहोच्-तोहोच् । एक प्रकार का कान की बाली—झुर-झुरी ।
बालू	सं०	गितिल । बालुआही—डाङगाल । बालु में रहने वाला कीड़ा—गितिल-गांडीं । बालुआहि भूमि—गितलाहा, रूबुय-हासा ।
बावरी	सं०	कुड़की, आलवा-बासबा । बावरी चींटी—बावरी मुँच् । बावरी जाति—बाबरी ।
बावासीर	सं०	हारीस ।
बासन्डी	सं०	बासाण्डी (एक सूक्ष्म कीड़ा)
बासी	सं०	बासके, सीटाल-मीटाल, कोरोच्,-मोरोच् बासी, रेयाडाक्, बासीयाम । बासी होना—बासके, कोरोच्-मोरोच्, लीही ।
बाहर	सं०	बाहरे, बाहेर, बाहार, बहार । बाहर करना—पाटुप् । बाहर निकलना—आ डोकोक् । बाहर निकला हुआ—राग—रागा, सेक-सेके ।

		बाहर निकालना—बाहिर।
		बाहर जाने का रास्ता—हाट-डाहार, तोपोत्।
		बाहरी भाग—कानास।
बाहा-पर्व	सं०	बाहा-पोरोब।
		बाहा गीत—बाहा-सेरेञ।
		बाहा गीत का राग—बाहा राड़।
		बाहा गीत की धुन—बाहा रू।
		बाहा नाच—बाहा एनेच्।
बाहुपाश	सं०	हाड़ुप्।
बहूल्यता	सं०	आडी।
बाड़ी	सं०	बाड़गे।
बाढ़	सं०	होड़पादाक्, डुबा, बोही, बान, बाडी, बाढी।
		बाढ़ आना—बान डुबा, डुबाङ, तायोल, दोरो-दोरो
		बाढ़ होना—दाहा-दाही, टापू, तालोई।
		बाढ़ में बढ़ने की प्रक्रिया—जाङ-गला, जाङगली।
बिखरा	वि०	रासुम-बादरम, दादुरहाम, दागुम-चाक्, दोनदो, दामदाम।
बिगड़ना	क्रि०	ठायठुय, गाझाव, झुकाव, दापा-दापी, मोक, मोको राङगाप्, बाड़ी-जोक्।
		बिगाड़ना—बाड़ीज, भिगड़ाउ, भांगटाव, एहेण्ड-गुहेण्ड।

बिगुल	सं०	बिगुल ।
बिच्छू	सं०	किदिञ, काटकोम ।
बिचला	वि०	माजझला, माजजाल ।
बिछाना	क्रि०	आटेत् ।
बिछिया	वि०	मोल, बिछुक, बांटरी, आंवठा ।
बिछुड़ना	क्रि०	आत्-आपात् आपात् ।
बिजली	सं०	बिजली । बिजली कड़कना—बिजली, बोम-काओ, बिलिस-बिलिस ।
बित्ता	वि०	बिता । एक बित्ता—ढीङगुर ।
बिताना	क्रि०	काटाव, खेपाव छोरकोत् ।
बिधा	सं०	बुद, बिद्दा । बिधा-बुद्धि—बुद-आकिल ।
बिदाई	सं०	बिदा । उदा:—दुल्हन को बिदा किया गया—बाहु को बिदा केदेया ।
बिनती	सं०	बिनती ।
बिनना	क्रि०	हाताङ, गाक् । बिनाई करना—तेञ ।
बिना	उपसर्ग	बेगोर, बिन । उदा:—बिना बताये भाग गया—

		बिन लाई तेगेय दाड़ केदा । बिना रूके—काड़ाकाड़ ।
बियान	सं०	बियान । उदा:—गाय तीन बियान की है— पेबियान गाय कानाय ।
बियावान	वि०	बायावान ।
बिरनी	सं०	उरू, भाल, सुगिया । विभिन्न प्रकार की बिरनी—रास उरू, काल साकवा, बुनुम, बाराड़िज ।
बिरादरी	सं०	बेयादारी ।
बिल्ली	सं०	पुसी । जंगली बिल्ली—बीरपुसी, बोवाक्, रूणडा । एक प्रकार की बिल्ली—सोगोत् ।
बिहौती सिन्दूर	सं०	बाला सिन्दूर । बिहौती तेल—बाला-सुनुम ।
बीघा	सं०	बीघा ।
बीच	सं०	ताला, भोग । बीच का—माजजला, ताला-रेयाक् । बीच में होना—तालाक् । बीच-बीच में—छाड-बिड ।
बीज	सं०	इता, जाङ, इता-रानु । कपास का बीज—बाङगावरा । बीज योग्य—इतान । बीज रखना—इता, इतान ।

बीज संचय करना—इताबोलो, इता-बाय ।
बीज होना—इता रानु
बीज लगाना—राढ़होय, आड़ाक् ।
बीज बोनेवाला—रोहोयइच्, एरोक् इच् ।
अधिक बीज एकत्रित—इता बोलो ।
भारी वर्षा के कारण बीज उगने में अवरोध होने की प्रक्रिया—जाली माराव ।
बीज से भरा हुआ—रेते-कोते, रेगे-चोगे ।

बीतना क्रि० जोलपो, बीताव, पारोम ।

बीमार वि० रूआ, उरू-सुरू, बेमार ।
बीमार पड़ना—रूआ, रोस-रोसो ।
बीमार होना—बेजार ।
बीमार होने का अनुभव होना—सेरेड़ ।
बीमारी—रोग, रूआ, रोग-बीधीन, आखाम-दुखाम ।
बीमारी पकड़ना—नासोन ।
बीमारी का कारण—राराग ।
बीमारी का जड़—राराग ।
बीमारी बढ़ना—पोरगोल ।
पेट फूलने की बीमारी—पोटेया ।
बात की बीमारी—बात ।
यौन संबंधी एक बीमारी—तोलोक ।
पेट की एक बीमारी—पाठो ।
विशेष प्रकार की बीमारियाँ—डोन्ड, बाय, बाहुरा-लाय सादोम बाय, हान पाड्गला, हाडाहा ।

बीस	संख्यावाचक	बार गेल, इसी, कुड़ी, मित्-इसी, इसीया ।
		बीस गाण्डा—पोन ।
		बीसवा नम्बर—इसी ।
बीड़ी	सं०	चुठी, पुङगी ।
बूँद	सं०	ठोप ।
		बूंद पड़ना—ठाप-ठापाक् ।
		बूंद गिरना—ठाप-ठापाक्, टोड़ोक् ।
		बूंद गिरते हुए—टोड़ोक् मानते ।
		बूंद टपकना—ठोप, ठास-ठास, टोपाक ।
		बूंदा-बूंदी—जीपीर-जीपीर, छीटा-छिटी ।
		बूंद-बूद कर—तोड़ो-तोड़ो ।
		बूंदा बूंदी पड़ना—छीटा-छिटी ।
बुकनी	सं०	बुकनी ।
बुझना	क्रि०	सोच्, इँड़ीच्, आँड़िच् ।
		बुझाना—इँड़ीज, आँड़िज ।
		बुझ जाना—सोड़ोङ-सोड़ोङ ।
बुझोवल	सं०	बुझावला ।
बुढ़ी	सं०	बुढी, बुढिया, बुडी, एरा, झारगुयाक् ।
		बुढ़ी होना—झारगुयाक् ।
		बुढ़िया—बुढिया ।
बुद्धि	सं०	बुद, मोगोज, गेयान, मोत्ती, माती, हुँस, बुदधी, उजबुज, आकेल ।
		उदा:-बुद्धि लगाओ—आकेल लागा-बताम ।

बुद्धिमान—आकेलान बुद्धिमान, बुदान, गेयान, भाँवोर, हुदिसिया, बुदगारी, आयोमान, ओ-आखेप, खेयासान, आकेलिया, दीसावान, मेत्आन् मेत्-मेत्आन।
उदा:-यह बुद्धिमान व्यक्ति है—नुई दो आकेलान होड़ काना्य।
बुद्धिहीन—आलवा, बासवा, बोका, लेलहा।
तीक्ष्ण बुद्धिवाला—धाधोड़।

बुदबुदाना क्रि० फास-फुस, रवाय-खोय, गाम-गोंनदार, गाँहाड़-गुँहुड़।

बुदु-मछली सं० बुम्बुच् हाको।

बुधवार सं० बुदबार।

बुनियादी वि० बुनियादी, बेतेरेल।

बुरा वि० बाड़िच्।
बुराई—बादाँव, बादारोत।
बुराई करना—धुनाव।
बुरी भावना को हटाना—सुमान।

बुलबुल सं० टीच्-टोड़ोक्।

बुलबुला सं० डुलडुल, डुलडुलु, बीडीच्-बीडीच्, भुड़भुड़, बुरबुरूच्, बुकुड़-बुकुड़।
उदा:-पानी बुलबुला के सदृश निकलता है—दाक्-बुकुड़-बुकुड़ सेतेञोक् काना।
बुलबुलाना—हुमटाक्।

बुल बुला उठना—बेडेच्-बडेच् ।
बुलबुला उठने की क्रिया—बाडाच्-बुडुच् ।

बुलाना	क्रि०	होहो, दाहनाव, हाँकार टोकार, डाकराव, डाकाव, डाक, हाकाव, होडे । घरेलु पशु को बुलाना—हिव । बुलाने वाला डाकावना, डाकदार, होक्होइच् । बुलाये जाने वाला—डाकावना, डाकदार । बुलाहट—होहो, डाक, तोलोप ।
बुहारना	क्रि०	गेच्, नोक् ।
बूढ़ा	सं०	हाड़ाम, आढारो-बुढारी, ठोयो ठोयो, जाड़बुङ, हाड़ाम-दुड़ुम, होरो-पाङ हाड़ुम, फोफो, हाड़ाम-टुमबेड़ाय, हाड़ाम-पाडुड़ाय, मुरूबी, डोडो, गाड़ा, पाडगा, पाटका, पाटा, पाङगा, बूढ़ा, ठेरा । बूढ़ा जानवर—झारकुड़ेत् । बूढ़ा बैल—हाड़ाम डाङगरा । बूढ़ा या बुढ़ी—ठायकाक् । बूढ़ा और दुर्बल—तुकुप, तुकुप्-तुकुप् । बूढ़ा और झुका हुआ शरीर—हाड़बुङ । बूढ़ा होना—डोडो, पाडरा, ठेरा, तुकुप्, तुकुप्-तुकुप, हाड़ाम निःसंतान बूढ़ा बुढ़ी—हाड़ाम-बोयहा । समय से पहले बुढ़ा या बुढ़ी दिखाई देना—झाम-झाड़रुक् ।

		बुढ़ी—ञारकुड़ेत् । बूढ़ी औरतों की चाल—दोकोड़-दोकोड़ । बूढ़ापा—हाड़ाम, हाड़ाम-पाड़ड़ाय ।
बेंच	सं०	बेञ्च, बिञ्ची ।
बेंत	सं०	वेंत ।
बेईज्जत	सं०	बेमानोत । बेइज्जत करना—हुरमुत, जातआगू, काढाव ।
बेइमान	वि०	बेमान, बायमान, ठोक । बेइमानी—बेमानी । बेइमाना—भेंकड़ा-भिकड़ी ।
बेकाम	वि०	टो आ, किदगिच्, होड़ेमे-ना-जोड़मे, निकोंड़ा, बेकाज । बेकाम का होना—निकोंड़ा, आकाजवा, टीसेआव ।
बेकार	वि०	आबड़िपाक्, बाजे, बेकार, नासे, निकोंड़ा, पोदेओत् एन्ड, गादरा-गुदरा, थोतोच्, बेदीसा, दालसिञ तालसिञ, बातील, जारपेड़ेत, गंवड़े, धोआ-भोआ, बेगुना, नेहाली, जुठा-माठा, बे-लेक, बेकाम, उड़ानी, आनडरा, मानडरा, नासे-सीतुर, बेनहाक, बेकाजुवा, लाण्ड, बाजे-बाजे, आङगरा मुनढ़ात, जेयाक्, बाङसेयाक्, ओकाया, उकाङउलफा, टोसेआ, गात माञजा, रोय-रोय,

टोपे, धोकड़ा, धोकड़ाव, सीतुराक, धोकोड़साती, धोरमा कोरमा, रूदी, एण्डाक्, काथा, गुनाव, आवड़ा, आवड़ा, आवड़ी, आव, आव ।

उदा:—१—मैं बेकार नहीं आया था—आवड़ियाक् दो बाज हेच् लेना ।

२—यह बेकार बात है—नोवा दो आव काथा काना ।

३—वह बेकार बोल रहा है—आवड़ी गेये रोड़ेदा ।

४—बेकार पद ग्रहण किये हैं—रोय रोय ।

बेकार होना—हाक-नाहाक्, टोसेआ, धोकड़ा, लाण्ड, रूदी, बोसेर-टाक, डिगाव ।

बेकार खड़ा रहना—एड-एडे ।

बेकार बैठे रहना—डेढेर ।

बेकार भटकना—होयमा डोयमा ।

बेगार	सं०	बेट, बिठीं । बेगारी—बिगरिया, बेगारी, बेठ, बेगार । बेगारी करना—बिगरिया । उदा:—हमारे लोग आज बेगार करने गये हैं—तेहेञ दो बिगरिया को सेन आकान तालेआ ।
बेचना	क्रि०	आकरिञ, डुच्-मिडी, बेसाहा, डुसमा-डुसमी, खेजा, दोकान, आकरिञ । उदा:—धान बेचो—होड़ो आकरिञ में ।

बेचारा	वि०	बेचारा ।
बेचैन	सं०	आक-बाक, आस-बास, बेचोन, राठाय पोठाय, हाचाक, हुचुक । बेचैन होना—बे होल, हुचुक-चुकुर, सेनेदेभेर, आकबाकाव । बेचैनी लगना—पोतोत्-पोतोत् ।
बेटा	सं०	बेटा, टा, होपोन । बेटी—बिटी, होपोनेरा । बेटी दमाद—धी दामाद ।
बेडोल	वि०	बिण्डकोल-बोण्डकोल । उदा:—वह औरत बेडोल मोटी हुई है—उनी आयो बिण्डकोल-बोण्डकोल ए मोटा आकाना ।
बेदब	वि०	लुटा ।
बेदाना	सं०	बेदना ।
बेदिया	सं०	बेदेया (आदिवासी का एक जाति)
बेधड़क	क्रि० वि०	बेधाड़ाक, सोरोड़ ।
बेफिक्र	क्रि० वि०	जीवीकोटोप् ।
बेवस	वि०	बेबोस ।
बेभाव	वि०	बेभाव ।
बेमालिक	सं०	बेमालिक ।
बेमुराद	सं०	बेमुराद ।

बेमौसम	वि०	ओसोमोय । बमौसम में—ओसोमोय रे ।
बेयाना	सं०	आयसावड़ी ।
बेरंग	वि०	बेरोङ ।
बेरचुन	सं०	जानुम काव़जी ।
बेरदोड़	सं०	बेरदोड़ (एक झाड़ी) ।
बेर	सं०	जानुम । बेर की लकड़ी—जानुमकाट । बेर वृक्ष की गाँठ—जानुम ढोमपो ।
बेरोकटोक	क्रि० वि०	सोयोड़, मानते, धोर, हाड़ा हुड़ा ।
बल्ट	सं०	पाताड़ ।
बेल	सं०	सीब़जो ।
बेलचट	क्रि०	दामचु रूचुक् ।
बेलदार	सं०	बेलदार एक जाति ।
बेलन	सं०	बेलना । कपड़ा लपेटना कर बेलन—नार-खुल्टी । बेलना—बेलना ।
बेल माला	सं०	बेलमाला ।
बेलमुण्ड	वि०	मुण्डराझुडुझाक्, डुण्डगे, डुण्लता, डुण्डगुत । बेलमुण्डी—मुण्डरी, डूण्डली, डुण्डगी ।

बेलमुण्डा—खेदड़ा, होयो मुण्डरा, मण्डमुच्, कोलो, बान्बलाङ-कोन्दलोङ, मुण्डरा।

बेला	सं०	बेर, बेला।
बेवकूफ	वि०	होहाक्।
बेशर्म	वि०	लिलोज, लोङ्गरा।
बेस्वाद	वि०	सायाङ, साबाक्, हाराङ, फोकसाहा, पोदेओत्, जोजोझारा। बेस्वाद होना—सायाङ, साबाक्।
बेसर	सं०	पुटकी।
बेसहारा	वि०	एका बानडिया, बेसहारा।
बेसुरा	क्रि० वि०	तुड़ी-रुड़ी, बेड़ें, ब्रेड़ें, तुरू-रूतु। बेसूरी बाँसुरी बजाना—तुड़ी-रूड़ी, तुरू-रूतु।
बेहद	क्रि० वि०	बेहोद।
बेहाल	क्रि० वि०	बेहाल। बेहाल होना—बेहोल।
बेहिसाब	क्रि० वि०	बेहिसाब।
बेहुदा	वि०	बेहुदीस।
बेहोश	वि०	बेदीसा, आनदीसा, तेवेलगात्, सोबगाक्। बेहोश होना—सोबगाक्, झोन-झोनाव, तीरमीराव, तेबेलगात्।

बेहोशी—आनभूल।
बेहोशी में—कालो-बातो।

बेड़ा	सं०	लोथरा धारनाय, बेड़।
बेड़ी	सं०	हाड़ी, हाड़ी-बीड़ी, हुड़का, बिड़ी, बिनि बाता। दरवाजे की बेड़ी लगाना—हाड़ी-बीड़ी, बिड़ी, बिनि बाता। बेड़ी डालना—हाड़ी, छान्दा। बेड़ी पहनना—हाड़ी। बेड़ी लगाने की रस्सी—छान्दा-बाबेर। उदा:—किवाड़ में बेड़ी लगा लिया है—सिलपिञ रे बिनि बाता को लगाव केदा।
बेढंगा	वि०	आनडेयात्, दावला, बाँडड़ाँ, हुयली, जाबा, ढोङ, क्षेङ, बादगाराक्, ओनडयोत। उदा:—वह बेढंगा रीति से कपड़ा पहन कर आया है—आनयात् ओडयोत किच् रिच् होरोक् कातेया हेच् आकाना।
बैंगन	सं०	बेङगाड़। काला बेंगन—हेन्दे-बेंङगाड़। बारह मासा बैंगन—बारसे बेङगाड़। एक प्रकार का बेंगन तेतो-बेङगाड़।
बैंठी	सं०	बिण्ठी।
बैंठना	क्रि०	दुडुप्, बेठान दोड़ोम, बोइसो, बेठार, आप्-ओबोर।

जानवरों का बैठना—बुरूम।
उठा कर बैठना—ह्रार-दुड़्प्।
पालकी पर बैठना—एहे-चेहे।
पलथी मार कर बैठना—हुचहुचू, पाट-गान्ङोक्।
नीचे बैठना—तापुक्।
नजदीक बैठना—हेरपात।
शांति पूर्वक बैठना—रोम-चोम।
शांति पूर्वक बैठे रहना—रोम-चोम।
निठल्ले बैठे रहना—रोम-रोम।
बैठक—दुपुड़प्, चाउरासी, दुड़प्-आक्, दुड़प् ठांय।
उदा:-पेड़ के नीचे बैठक हुई थी—दारे बुटा रेको चाउरासी केदा।
बैठाना—दुड़प्, बायसाव, दोड़ोम।

बैरंग	वि०	बेरिङ।
बैर	सं०	बायरी।
बैल	सं०	डाङगड़ा, उरीच्, धुर-डाङगारा।

किराये का बैल—बाँहचा, चारो।
उदा:-इस समय किराये के बैल से ही जोतेंगे—चारो डाङगरा तेगे नेस दोले सीया।
बैल हाँकने—का शब्द—हिजाक।
बिना सिंग वाला बैल—मुण्डरा-डाङगरा।
बोझा ढोने वाला बैल—छाला-बादला।
बैल बाँधने की रस्सी—जोते।
बैल भक्षक—डाङगरा-चोथा।

जोआठ से बैल को बाँधने वाली रस्सी—जोते।
बैलों को हल में जोतने की प्रक्रिया—जोड़ाव।
बैलों को गाड़ी में जोतने की प्रक्रिया—जोड़ाव।
बैल गाड़ी—साागाडसागड़-झागाड़।
बैल का रास्ता—सोरान।
बैल गाड़ी की छत—टापोर।
बैल गाड़ी का वह हिस्सा जहाँ दण्ड लगा रहता है—आरला।
बैल गाड़ी के एक हिस्से का नाम—आङकी बैलों की जोड़ी—आराड़।
बैलों का झुण्ड चालोक।

बसाख	सं०	बायसाक।
बोकला	सं०	बाकलाक्, बोकलाक्।
बोझा	सं०	बोझा, बोज, झाँक, आसीब। बोझ रहित—छाड़हातुआ। बोझ कम होना—हालका। बोझ से लदा हुआ—जिड़ो-टोको, टेबे-टेबे। बोझ से लड़खड़ाते—टेबे-टेबे। बोझा—बाड़ा-ताड़ी, बोझा, भारी, ठामाय-ठुकाय, गुसड़ी, दाधू, बिन्हा, फोला, आसीबाड़। बोझा बाँधया—बाड़ास, ताड़ी, गाँट गुखड़ी। बोझा बानाना—दाधू। बोझा लादना—भारी।

		एक बड़ा बोझा—भिण्ड । उदाः—मेरे दोनों हाथों में बोझा है—बानार तीञ आसीआड़ गेया । बोझ में बांधना—ताडा ।
बोझिल	क्रि० वि०	किरा-कोरो ।
बोतल	सं०	बोतोल ।
बोदी	सं०	धाङगरा । डाङ बोदी—डाङ धाङगरा ।
बोना	वि०	आफोर, एर, छीट, आबाद, छितयावा उदाः—धान का बीज बोया—होड़ोक को आफोर केदा ।
बोरना	क्रि०	भुराक् ।
बोरसी	सं०	बुरसी । बोरसी की आग—सेगेल ।
बोरा	सं०	धुकुड़, बोरा—बोसता ।
बोलना	क्रि०	रोड़, छामुआव, मेता, रोरोड़, तेरेगेज, काकाले, बोकताओ, बाकाओ, लाय, तेरगेलाक् । रेगेज—रेगेज । बोलचाल—रांबसाव । बोलचाल करना—चालबोल । बोलकर—मेनकाते, मेनते । बोलने को मना करना—हात आड़ । जोर से बोलना—ताड़ाय । डाक बोलना—हांका-हांकी । झूठ बोलना—हुण्ड़ा-हेसाक्, हुण्ड़ा-बाड़े ।

कुछ नहीं बोलना—हाँ नहूं ।
तुंरत बोलना—वेचेड़ मारते ।
धावा बोलना—धावा ।
गुस्सा से बोलना—रेगेञ-रेगेञ ।
बिना मतलब का बोलना—बाचाक्-बोचोक् ।
कर्कश आवाज से बोलना—टेरेच्-टेरेच् ।
एक षब्द बोलना—टुङ ।
दाँत पीसकर बोलना—रेगेञ-रेगेञ ।
धीरे बोलना—गाँहाते मुहूँस ।
दृढ़ता पूर्वक बोलने वाला—तेरगेसाक्, काक्थाइच् ।
अस्पष्ट बोलना—बेंड़बाक् ।

बोली	सं०	वुली, रोड़ । अस्पष्ट बोली—इड़ीञ बिडिञ, इडीङ-बिडीङ ।
बोहनी	सं०	बुहनी ।
बौछारयुक्त	क्रि० वि०	टुयुल मानते ।
बौना	वि०	चेङगा, बौवड़ागेड़रा, बेड़रेच्, दामा-गुड़िया, डेवेले, बुटरा, बुतुच्, भिटरी, वाँवड़ा । बौना-बौना—दान्दले-दान्दले ।

भ

भंग	सं०	रापुत्, थाड़ थासुड़ । भंग करना—भाँगाओ ।
भंजाना	क्रि०	भांगानी ।

भंडार	सं०	भुराई । भंडारी—भंडारी ।
भंवर	सं०	बाहनी । भंवर उठना—भांओरा ।
भेंट	सं०	जापाम, पासावआक् ।
भ्रम	सं०	भोरोम, भोड़ोक ।
भ्रष्ट	वि०	भोण्ड, ओजोई, धुता, देड़-हेड़ । भ्रष्ट होना—ओजोई, भोसटो, गुरलोटोम । भ्रष्ट बुद्धि—आकाय-रानघाय । भ्रष्ट करना—छुवा-छुत, बोसटो ।
भक्त	सं०	भोकता । भक्ति—भोकती, भाक्ति ।
भगत	सं०	भोगोत ।
भगवा	सं०	सीरपुच् भागवा, डेङगा, कुपनी, जोलहा-भागवा । भगवा पहनना—डेङगा । भगवा पहना हुआ—धाजजेड़ । कसा हुआ भगवा—सीरपुच् ।
भगवान	सं०	ठाकुर, भोगोमान ।
भट्ठा	सं०	भाटा ।
भट्ठी	सं०	बाठी, (जहाँ लोहा गलाया जाता है) भाटा, भाटी, गीलान । भट्ठी खोलना—साल । भट्ठी खाना—छापार ।

भटकना	क्रि०	भिलटाउ, टोयोल-टोयोल, गालाङ-गुलङ, गोथमा-गुयमी, गायता-गोलात चुन्डुल-मुटुल, चाओर- चाओरी, डोममा-डुयमी, कुबुई-कुबुई, गिसाड़-गोसोर, जाटाल-कोटाल, गोड़सेच्, हेलवा-हिलबी, दाड़ान, आमडाल-उमड़ाल, हेलडेल, दामचा-दामची, धुरा-धुरी, बिडरा-बिडरी, घुराय-फिराय, जोलोम-जोलोम, गालाङ-गापुच्, भेचकाओ, भेचड़ाओ, भाकटाओ, भेंकड़ा-भिंकड़ी, बोनोच, आनडुर-मानडुर, एड-एड, ओनराव, कामसा-कादाक्, जाले-जाजे, आयोल, तामनाय-तोमधोय, जेलपेत्, दाँहाँच्-दुँहुँच् टाहाप्-टाहुप्, माण्डीयाव, हेमरवेम, दोलोङ- दोलोङ आँवरांड़, थाङदीड़, भिगड़ाउ, हुहुक-बुलुक, जेलेप् जेपेत्, जालात्-जापात, गिसा-गोसो, तोहा-तोहो आतार ओम्बाक्, थासाच्-थुसुच्, दाहा-देश, घीलो-घोलो, झीतो-झोतो, छिनगाव, छिनगा-छिनगी चुड़क-भुटुक, दाँड़ान, बावहा-बावही। बेकार भटकना—होबोङ-होबोङ। इधर उधर भटकना—होबोङ-होबोङ, धारपाड़, अतिञ, हाचाक-हुचुक, हादिया, हादियी। भटकने वाला—बावड़ान, भांगोड़। भटकते हुए—टोयोल-टोयोल, कामसा-कादाक, हुलुक-बुलुक, टाहाप् टाहुप्, माण्डीया-माण्डीयी, जेलेत्-जेपेत्,

		ओलोङ फोलोङ, जालात जापात्, गिसा-गोसो, तोहो-तोहो, आतार, ओम्बाक् गाबोच् साबोच् ।
		इधर-उधर भटकते हुए - काब का ब ।
		भटकते फिरते—काब काबाब, चाओस-चाआरी ।
		उदा:— वह चोर है, इधर-उधर भटकते फिरता है—उनी होय कोम्बड़ो गेया चाओस-चाआरी बाडाय-कानाय ।
		भटकता हुआ—घोलो-घोलो ।
		भटकाना—भिगड़ाव ।
		भटका देना—फादरूक ।
		भटका हुआ—आसोक्-दायोक्, आतार-ओम्बाक् ।
		भटकाने वाला—भांटाहा ।
भठियारिन	वि०	भाण्ड—भाण्डिन, भाण्डमारा ।
भत्ता	सं०	घोराट ।
भतीजा	सं०	होमोन, भातीजा ।
		भतीजी—होमोन, भातीजी ।
भतुआ-साग	सं०	भातुआ-आड़ाक् ।
भद्दा	वि०	तुरधूम, झील-झोल, बेसाजोङ, टापुवा, जोड़धे, झारोयाक्, बेढोब, बेडुल, बेजोनतार, जाड़धे, बेकेर-बेनडाङ ।
		भद्दी चाल—धारपेछ ।
भद्र	वि०	भोदरो ।
		भद्रता—बोगे, बोगेतेत् ।

भदई	सं०	भादाय (धान)।
भनभनाना	क्रि०	गुन्द-गुन्दाव, भानभानाओ, ढान-ढानाव, धाँव-धाँव, रेड़ें-रेड़ें, भेन-भेनाव। भनभनाते हुए—धाँव-धाँव, हुङ-हुङ। भनभनाने का शब्द—रेड़ें, रेड़ें।
भपाना	क्रि०	बाफाव।
भभूति	सं०	भोटा।
भय	सं०	बोतोर, पोरभाय, डोरभोय धोमोक-चोमोक, भोय, बोर, दुपाय, तोरास, हुलसाय, धामास। भयभीत करना—दाबड़ी। भयभीत होना—तोरास, हिचकाव। अत्यन्त भयभीत होना—पुचपुच, टाटका। भयभीत करना—दाबाय-दुनदराय, चोकाओ, आम्बाव, दोबनाव। भयभीत होकर—उलुच्-पुलुच्। भयभीत—धुक-धुँक, इरूक। भयपूर्ण—हिचका-हिचकी, गापुच्। भय पूर्वक—टुयुल-मानते। भयग्रस्त—लेङगेत,दुपुच्-दुपुच्, बोतोर-बाव, दुपाय-दुपाय। भयानक-काटाहा, बोण्डेचल, छुङ-आहि-दाही, कोताहा, गोगोच्-काल, बोतोर, भोयोन, बिटानास, काटाहा, बोण्डेचल, छुङ। भयानक स्थान—बागाही। भयंकर—काटाहा।

भर्त्सना	सं०	निसड़ावना, कालाक । भर्त्सना करना—खोटाव, उटका पाटका, गालोच्-गालोच ।
भरकना	क्रि०	एहेर-जोकी । भरका भरकी—झारकी-झारकी ।
भरण पोषण	सं०	दोजोक ।
भरता	सं०	भारता ।
भरती	वि०	भुरती ।
भरना	क्रि०	काधाड़, टोमबाव, दोरो-दोरो पुजाव, कासाव, तालोई, भोराओ, भोराट बापाव, भासाव, पेपरेच्, भारती, टुसाव गोताओ, तुबुत, बोजाओ, इलेत् उभोड़, तुहेत्, तेपेत् सोलोङ तोड़ोङ, सामबाव, ठेस, टेबटेबे, दोड़ें, सोड़ें, पीआव । अत्यधिक भरना—मिरकुट । भर जाना—पुटी, छापीलगान, गाद, चुरू-चुरू, हानाव, एसेत्-एसेत्, तोबो-तोबो, जावजाबाव । पेट भर जाना—गोद । भर देना—गादाव, तोबो, तोबो-तोबो । भर पेट—गादाव, एसेत्-ऐसेसुत्, एबे-तुबे, गाढयिला । भरपूर—दोदो-दोदो, छाकला-छाक, पुरून, आसेच्-तासेच्, उधीयाँ, उप्-नाँड़ी, उप्-साकाम, हाबाक-डाबाक, नापित, बारात्-बारात्, गाद ।

भरपूर होना—पुरून।

भरा—टील-टील।

भरा (लबालब)—बेंड़ें-बेंड़ें।

भरा होना—टिलटिलाव।

भरा हुआ—लाझाड़, डुबाङ, ठेस, टेमटेड़ेस, टेबटेबे, टेञ-टेड़ेञ, दादाड़ हाम, दोड़े-सोड़े, रेत्-तेपेत्, पूई-पूई, पेरेच्, पेटे-पेटे, गेरे-गोञ्जे।

भरा हुआ पेठ—रेप्-रेप्, रोब-रोबो, डेप्डेफ्।

भरा हुआ होना—रेत्-रेपेत्, रेपेञ-जेत।

चोटी तक भरा हुआ—चोनदो-बुरू।

उदा:—टोकरी चोटी तक भरा हुआ है—डालिच् चोनदो।

कठिनाई से भरा हुआ—हुड़ेत्-पाटुप्।

भरोसा | सं० | भोरसा-भोरोसा।

भरोसा करना—बारसा, डाङ उेला।

भरोसा रहित—ओभोरसा।

भला | वि० | भालो, भाला, नेक।

भला बुरा—ओक।—चिन्ता।

भलाई—बोगे, भालाई।

भले मानुष—ओदीसी।

भवन | सं० | दोलान।

बिशाल भवन बानाना—दोङगोल।

भविष्य | सं० | आखीर, दीमा, दीमा, आगाम, आगा।

भविष्यवक्ता—नाजी।

भविष्य बोलना—आगा ।
उदा:-यह केवल भविष्य की बातें बोलने वाला व्यक्ति है—नुयाक् दो आगा काथा ताय ।
भविष्य में—तायोम-दाराम ।
भविष्य में होना—तायोम-दाराम, हापेन इनदीमा, ।
भविष्य काल—इनदीमा ।
भविष्य वाणी—वायतार, पातरा, हातखाड़ी, भाओ
हाथ द्वारा लिखकर भविष्यवाणी करना—हातखाड़ी ।

भस्म	सं०	भोसोम, धाङधासेर, तोरोच् ।
भसकना	क्रि०	भोसकाओ ।
भस-भस	क्रि० वि०	भोसा-भोसा ।
भसाना	क्रि०	भासाओ ।
भड़कना	क्रि०	भोचकाव, बारगाव । भड़कते हुए—दागाव-दागाव । भड़काना—उसकुर, खिजलाव ।
भाँग	सं०	भाङ ।
भाँज	सं०	फुटिया ।
भाँजा	सं०	भागना, भाचा । भाँजी—भागिन ।
भाई	सं०	बोयहा । भाईचारा—भाइयाचारी । भाई की स्त्री—गोतोप् ।

		भाई-भाई—दादाया।
		भाई बहन—बोको-बोयहा, बारे, होड़मो-हाटिञ।
		बड़ा भाई—दादा, दा, माराङदादा।
		लड़की का भाई—बारेत।
		तुम्हारा (लड़की) भाई—बारेम।
भाग्य	सं०	भाग।
		भाग्य बतलाना—सीरीराम बाँई।
		भाग्यवश—ताङगात्।
		भाग्यहीन—आसान खाता, आयसुन, रास टाना, ओभागा, हायफोय।
		भाग्यहीन होना—खाराब, हायफोय।
		अभागा होना—खाराब।
भाग	सं०	हाटिञ, भाग, जोड़ो, होरा, हुण्डा हिंस।
		भाग करना—हिंस।
		भाग मिलना—हुण्डा।
		भाग होना-होरा।
		भागी—हायजोमा।
		भागी दार—भागीदार।
भागना	क्रि०	दाड़, गुसाव, पुयुड़, चुलुङ, बिडरा-बिडरी, पेसोडे, दाड़, जीर, पुयुड़, छटाव, पोयोड़, लागा, पाण्डुच्, चोमपोत, पुचुच्, पेचलेच्, छोनटाल, टियाल-टियाल, छोड़ोङ-बातोङ,—बोनोच् सासञाक, बराक्।
		चुपके से भागना—दापकाव।
		इधर-उधर भागना—डिगला-डिग।

घबड़ा कर भागना—डिगला-डिगली, डिगडिगाव।

बिना कहे भागना—ओरफोड़।

लड़का-लड़की का परस्पर भागना—आपाङगीर।

हड़बड़ा कर भागना—डिगडिगाव।

अपना घर छोड़ कर भागना—बिडराव।

भागने का मार्ग—झांरोका।

भाग जाना—आचोल, दाड़ताप्, एरेडे, चोमपोट, दाड़फोड़, फेङकाव, दाड़-पाण्डुच्, चोड़ेत्।

भगाना—आतकीर, भिड़काव, साराव, झापटाव, हुसित्, हालात, टारकाव, डिगलाव, दुरपार, उडार, उखड़ाव, धाड़-धाड़े, हाड़ी, धावाधावी, टाडे, उछाद, धार-धूंर, टेकाव, छिनगाव, खादखादाव, खिद-खिदाव, हेलाव, आतकीर खेद, दूर, हाटाव, ओकदूर, झाड़-झाड़ाव, धाकलाव, झोड़ा, दाखलाव, हायहुय, हेडो, हेडाक, आङगीर, आपाङगीर, आतकीर, दुर-दूरा।

आवाज देकर भगाना—हाय-हुय।

भगाने का शब्द—हुंई।

भगा कर ले जाना—छुटार।

भगाया हुवा व्यक्ति—खेदड़ा।

भगा देना—बिडराव दुरदुआव।

भगोड़—आङगरा-आङगरी।

भगोड़ी—आङगरी।

प्रेमी के साथ भागी हुई लड़की—आङगरी।

भाजा	सं०	भाजा, आता।
भाट	सं०	भाट।
भात	सं०	दाका, काकाक्, माण्डी, काक्, जागू। भात बनाना—दाक्का, दादका, माण्डी। भात पसाना—ढाड़काब, आँड़ीज। भात खाना—दाका-जोम, हुदाक् (यह शब्द केवल मन्त्र में व्यवहार होता है)। भात पानी—दाक्-दाका। भात का दाना—साकड़ी। भाते-भात—भाते-भात। अधपक्का भात—पोहो। बासी भात—जोजो-झारा।
भादू	सं०	भादू (एक जंगली पेड़)
भादो	सं०	भादोर।
भाप	सं०	भाप। भाफना—डापकाव, चुड़चुड़िया। भाप से पकाना—सोयोङ।
भाभी	सं०	होली।
भार	सं०	सिरमार, दायीक, तेनेन दाय, भार, बोजाय, ओजोन, चाप। भार होना—दाहाल-देहेल, दाय। भार लादना—डोण्ठोरो। भार देना—दाड़। भार पड़ना—दाय, दायीक।

		भार ले जाना—गोक्-भारिया।
		लकड़ी का भार—बिसा।
		भार मुक्त होना—खालास।
भारत	सं०	भारोंत।
		भारत वर्ष—भारत बोरसो।
भारी	वि०	हामाल, जोबदो, दारून, पेतेरेच्, जोंकोड़, आवगार, आसात-ओसोत्, जोंत, जोड़धे, आगार ओगोर, गोधड़ा दुरदुर, धोगदोगो, गोधड़ोजुता, जालाल, जाहबाज, गोड़धा, थुङगुल-थुङथगुल, जाड़धे, दुड़दुरी, हेंचपेंच, हामाल, जेंक, एसकोंस।
		भारी होना—जालाल, गाधागोधो, हालाम, जोड़धे, जोंत।
		भारी लगना—एसकोंस, थुङगुल-थुङगुल, गोदगोंदो, दोग-दोगो, लीन-भार।
		बहुत भारी लगना—रीबोच्-रोबोच्।
		अत्यन्त भारी—रोहोच्-रोहोच्।
		भारी चाल—इगोर-ओगोर, थायोत्-थायोत्, गाड़धाम, गुड़धुम, दाहाल-देहेल, झिङकोड़-झोंङकोड़।
		भारी चाल से—इगोर-ओगोर।
		भारी चाल चलना—इबो-ओबो।
		भारी चाल की आवाज—दुहुड़-मानते, थायो-थायो, धामास धुमुस।
		भारी पूर्ण चाल—रीभो-रोभो, दाहाप्-दाहाप्।
		भारी पूर्ण चाल चलना—रीभो-रोभो, रीपो-चोपो, रीबा-राबे।

		भारी आवाज होना—हाड़पाट ।
		भारी आवाज के साथ—हाड़ास,
		हाड़ास होक-मानते, दाहाप्-दाहाप ।
		भारी वर्षा—आञ्छाल-आजजाल ।
		भारी मन से—दीगो-दोगो ।
		भारी और सुस्त—गाधा-गोधो ।
		भारी पन—आजार, हालाम ।
भाला	सं०	टेण्टा, बोरलोड ।
		भाला से भोंकना—टेण्टा ।
		एक छोटे आकार का भाला—खोनता
भालू	सं०	बाना, बोयो-बाना ।
		भालू का गुर्राना—हुहहाल ।
भाव	सं०	दोरभाव, भाव ।
		भावना रहित—बेभावना ।
भाषा	सं०	रोड़, भाषा ।
		न समझने योग्य भाषा—टाम-टीम ।
		भाषण देना—रोरोड़ ।
भाड़ा	सं०	भाल, भाड़ा, मासुल ।
भिगना	क्रि०	मोआंब, लोहोद ।
		भिगा हुआ—बेरेल, ओदा ।
भिंडी	सं०	रामझिङगा ।
भिखारी	वि०	बिखारी, कोयजोङ-होड़ ।
भिन्न	सं०	भिंना, आवड़ी, बेगार, एटाक ।
		भिन्न-भिन्न—आनू-आनू, गाडार-
		गुडुर, आपाबाड़िया, एटाक्-एटाक् ।

		भिन्न विचार वाला—एटाक्-मोन ।
		भिन्नता—बेगार ।
		भिन्नता होना—हाड़का-हाड़की ।
		भिन्न होना—जुदा ।
भिक्षा	सं०	कोयजोङ ।
		भिक्षा मांगना—बुआङ ।
भीड़काना	क्रि०	टाडे, भिड़ाउ ।
भिड़न्त	सं०	रोपोक्-आपाम, भिड़ाउ ।
		भिड़न्त होना—तापीज, रोपोक् ।
भिड़ना	क्रि०	चाहटाओ ।
		उदा :—बाघ के पास कोई भी नहीं भीड़ सकता है—तारूपे ठेन दो ओकोय हों ओहोय चाहटावो लेना ।
भिड़ाना	क्रि०	हांडोंप् ।
भींगना	क्रि०	डोलाब, जोबे, जोरोप, जेवे-जेवे, भिजाब, लोहोत् भारगोच्, जोच्-जोच्, सेरेपेटे, सोरो-जोरबोडेआक्
		भींग जाना—झाक्-झाबुर, लोहोत् जोच्, जोच्, जोब-जोब ।
		भींग कर—जोब-जोब ।
		लगातार भींगने की प्रक्रिया—सेरेसिमबुच् ।
		भिगाना—आपारेच्, जावा ।
		उदा :—एक दूसरे को पानी से भिगा रहे हैं—दाक् कोन आपारेच् जोङ, काना ।
		भींगा—जेहे-जेबे, झारगोच्, झारगो.

पारगो, जोच्-जोच् जोरोच्-जोपोच्
जाधी, सेरेपेटे, सेरे-सिमबुच् ।
भींगा हुआ—झाक-झाबुर, सोरो-पोटो, लोहोत्, सोबोच्-सोबोच्, जारही, जोर-बोडेआक् उरू-सुरु, झोजपोज ।
आधा भींगा हुआ—सुरबुड़ुच् ।
भींगा खेत—धोगराहा, धोगरा ।
भींगापन—जोरोप ।
अधिक भींगी हुई—जेबेच्-जेबेच् ।
भींगी जमीन—ओलाहेंत्, दाक्, होरा धोगरा, धोगराहा ।
भीगी लकड़ी—सोरो-सोरो ।
भीगी हुई मिट्टी—चाचाड़दाङ ।

भी | अव्यय | पारजानता, पारजात, तीहीं, हों, थो, तेहों, तेगे, थोर ।

भीत | सं० | भित ।

भीतर | सं० | भितार, भितरी ।
भीतर-बाहर—भितार-बाहेर ।
भीतर तक घुसना—हुजलाक्-गाजलाक् ।
भीतर घुसना—धारड़ा ।
भीतर घुसा रहने वाला—गुसगुसिया ।
भीतर रखना—लोटोम ।
भीतर घुसा हुआ—कायपोक् ।
भीतर-भीतर बीमारी—घुस-घुस रूआ ।
भीतरी—भितरी, तोल ।
भीतरी-भाग—माजज ।
भितरिया—घुस-घुस ।

भीड़	सं०	दोङगोल, गाह्न्डी, काङबोल, साकड़ा-साकड़ी, ज्ञावमानते, भीड़, फाद, आड़ा, गादेल, ढीरी, ढोल, गाजझेड़, इबिल गाद, तुदरा, थोय-थोय, छाव-छाव, लासकार, रेला, राज-गाज, होड़-गाद, धावदा, धाजजा-धाजजी, मेले-मेले, जाब-जाब, ठेले, पायसे, डाबभारा, ढीरी, तुतुपेटे, सेंगपेटे, झाब, मानते, थोपे, धेंच, तुदरा-तुदरी।
		अधिक भीड़—गाजजा-गाज्जी, गाज-गुज।
		अत्यधिक भीड़—गाद-गाद, हूजुक-हूजुक, गेजेपेटे।
		भीड़ होना—धावदा, रेला, गाद, ठेसाठीसी, जावरा, ढोल;
		जाब, जाबाव, सोमबड़े, गाद-गादाव गाजजा-गाजजी, गाजगुज, गेजेपेटे, गाद-गाद, टेटे-बाझे।
		बहुत भीड़ होना—रेपे-चिरीत्।
		भीड़ लगना—तुदरा, दोन्धा-दान्धी, ढावरा।
		भीड़ लगाना—तामबाय-तोमबोय।
		भीड़ टूटना—भीड़-भांगाव।
		भीड़ जमा होना—गाद गादाव।
		भीड़ इकट्ठा होना—गाद-गादाव।
		भीड़ में—थाई-थाई, तामबाय-तोमबोय, ओलोय, गोतोय, झाब-झाब, भीड़-रें।
भुआ-पिल्लु	सं०	सुआ-पुका।

भुक-भक	क्रि० वि०	भुमबुक ।
भुगतान	सं०	आदाँय ।
		भुगतान करना—भुगतान, आदाँय ।
भुजाली	सं०	भुजाली ।
भुताहा	वि०	भुताहा, भुतेला, चोटाहा ।
भुर भुर	सं०	बुस-बुस भुरकाक् ।
		भूर—भुरा—भिरोभोरो, पोसका, रोगोय-रोगोय ।
भुरूकवा-तारा	सं०	भुरकाक्-इपिल ।
भुलक्कड़	वि०	गानी-सानी ।
		भुलक्कड़ होना—गानी-सानी ।
		भुलावे में—माँवड़े ।
भुस भुस	क्रि० वि०	भुस-भुस ।
भूँकना	क्रि०	भोक्, हाँव-हाँव, धाँव-धाँव झाव-झाँवक् ।
		जोर से भूँकने की प्रक्रिया-धाँव-धाँव ।
भूँजना	क्रि०	आता, होण्डाकु, ओडा, सोमडोङ ।
		भूँजा—भाजा, आता, आता-आड ।
		भूँजा हुआ—रूचकुप् ।
भूकम्प	सं०	भुमचाल, ओत-लाड़ाव ।
		भूकम्प होना—ओत-लाड़ाक् ।
भूख	सं०	रेङगेच्, भुक ।
		भूख से पीड़ित—जिलुक्-मिलुक्, काङदोड़, ठीटी-मीटी ।

		भूख से तड़पना—जाप्-जाड़ाप्, जालात्-जापात् ।
		भूखमरी का दिन—टाना—दिन ।
		भूखा—नि-ओन, डाटा-मुते, आङ-गरा, मुनढात्, रेङगेच् ।
		भूखा प्यासा—आटाप्-जाड़ाप्, जाप्-जाड़ाप्, उपासा-तीरासा, आहाल-आहाल ।
		अत्यधिक भूखा—सीटाप्-सीटाप ।
भूगोल	सं०	भूगोल ।
भूटिया	सं०	भुटिया ।
भूत	सं०	भुत, जीन, बोङ्गा ।
		भूत-प्रेत—भुत पिरित, दानाङ-पेड़ा ।
भूनना	क्रि०	आनदाक्, आक्‌ता, आता, भाँजी, भाम-भादाओ, आता-ओडे, सोमडोङ, रून ।
भूमि	सं०	ओत, हासा, भूमि, धुटु, दोमचोक्, चान्दला-चोन्दलो, जायगा ।
		ऊँची भूमि—दोड़चोक्, ढीपी ।
		उसर भूमि—चेण्डेज, चेमडेज ।
		उदा :—उसर भूमि में कोई उपज नहीं होता—चेमडेज ओत रेदो चासगे बाङ होयोक् आ ।
		क्रय-विक्रय योग्य भूमि—सीबील ।
		सुखी भूमि—डाङगा ।
		उपरी भूमि—डाङगा ।
		ऊँची-नीची भूमि-ढोपो ।
		कंकड़ीली भूमि—रेङगेच् ।

		भूमि का पाटा—इजारा पाटा।
		भूमि की नाप—जुरीप।
		भूमि की नाप जोख—जुरीप।
		भूमि नापना—जुरीप।
		भूमि बन्धक—सुद-बुन्दकी।
		भूमि के कुछ अंश—रेक।
		भूमि में कटाव —होनडोआढ।
		भूमि में कटाव होना—हुडराव।
		भूमि को डन्डे से मारना—टाकटाकी।
		भूमि कर— खाजना।
		भूमि कर उगाहना—खाजना-उठाव।
		भूमि हीन—बेचासा बेचास।
भूरा	वि०	झीआनी, पाण्डुवा, पोदगोय, हासा।
		भूरा रग का होना—पाण्डुवा।
		हल्का भूरा—पालकुइ, राङगिया।
		भूरा रंग वाला—खायरा।
		भूरा टिटिहिरि—गोंयठा टिटिड्-हिच्।
		भूरा पत्थर—गोच्-भीरी।
		भूरा तीतर—टीपोङ-टोड़ोङ।
		भूरा (बकरा या बकरी)—गोला।
		चमकीला भूरा रंग—राङराङ।
भूल	सं०	ओनेआव, बेठीक, बागलात, भसुर, भूल-भिसोर, भूल, बाचोन, आपाय, आलहुआ, चुक, आनभूल, बाचोक।
		उदा:-उस की भूल को मत पकड़ो—उनीयाक् आपायदो आलोम साबआ।
		मुझसे बहुत बड़ी भूल हुई—आञो माराङ इञ आन भूल केदा।
		भूल करना—आपाय, दोचोत्, सोरोड़, चुकाव।

भूल जाना—हिड़ीज, गोरोच्, ।
भूल होना—आनभूल, गाबड़ेन्ल-एरका, गोडोय, ।
बाकड़ी ।
भूल से—गाबड़ें, ओनेआवते ।
भूल से ले जाने की प्रक्रिया—गोडोय ।

भूलना	क्रि०	हिड़ीज, दिसाहारा, ड़ोलाव, आजजोम गाँवड़ो, दोक्, एपड़े, बिसोर । उदा:-मैंने क्या सुना भूल गया हूँ—चेत् चोज आजजोम गाँवड़े केत् । भूला कर—डावाङ मानते । भूला कर रखना—डावाङ ।
भूसा	सं०	पेटेच्, कुसटा, हेड़े, लोवोक्, छानी, भुसा । भूसा होना—हेड़े । भूसा काटना—छानी गेत् । भूसा से अन्न को अलग करना—जाङ । भूसी—लोबोक् । भूसी (जो महीन हो—तालसा । केवल भूसी—रोदोय ।
भेंट	सं०	आपाम । भेंट करना—ढीया, मोकाम, हीरी, हीपीर जोखा । भेंट होना—दापाराम ।
भेजना	क्रि०	कोल, भेजा, भेज, फेङकाव, दाखीलाव, रवाना, । गुस्सा से भेजना—बिदड़ाउ । भेजवाना—भेजाओ ।

भेजा	सं०	हाताङ ।
भेद	वि०	खोद, भेद् । भेद जानना—खोद-भोङ । भेद खुलना—टोडोक, सुदरो । भेद बतलाना—वुयुत् । भेदिया—भिदी, भिदुक ।
भेदना	क्रि०	साबोक्, हाराड़, खेंच, किड़बित्, कोबाक्, जानकाव, हारकाड़, जानजानाव, झाडकाड़, भुगाक्, गाज, टोनोक । तीर से भेदना—फेड़ेप् । तीर से भेदते हुए—खाप-माराव ।
भेलवा	सं०	सो, सो (एक पेड़) भेलवा तेल चुक्का—सोसो चुकाक् ।
भेष	सं०	भेस ।
भेड़	सं०	भिडी । भेड़ (जिस की ठुड्डी पर माँस लटकता रहता है)—लुड़का । छोटा कान वाला भेड़—पीटू । भेड़ को बुलाना—डरूहेत् । भेड़ा—भेडा ।
भेड़िया	सं०	हुण्डार ।
भैंस	सं०	बितकोल । जवान भैंस—टेण्टा भैंस की जुआठ—काडा आराँड़ । भैंस की हुँकार—ओंच् ।

		जंगली भैंस—बिर-काडा ।
		भैंसा—काडा ।
भोकना	क्रि०	होटकोर, भोसा, चुबुच, खाचाक्, गाज, कोबाक, गोताव, तोकोप् ।
भोक्ता	सं०	भोक्ता ।
भोग-बिलास	सं०	सुकभोग ।
		भोग विलास करना—सुक भोग ।
भोगना	क्रि०	भोग ।
भोगी	वि०	भोगदार ।
भोज	सं०	भोज ।
भोजन	सं०	जोमाक्, दाका, दानापानी, बुका, लोलो, दाकामाका काक् जागू, लाचू चारा ।
		भरपेट भोजन—भात-ला-भात ।
		बढ़ियाँ भोजन—कान्धा दाका ।
		दोपहर का भोजन—माञजान ।
		भोजन करना—माचेड़, मान्दरूस, आधार ।
		भोजन खाना—जोमोम ।
		भोजन खर्च—खोरचा ।
		भोजन बचना—इतात्, दाक्का, दाका ।
		भोजन समाप्त करना—मारूक ।
		भोजन समाप्त होना—राप्, कोटाप् ।
		भोजन का अभाव—लालाव, घाटाल-साञ्ज ।
		भोजन के लिए ललचना—लालाव ।

भोजन रहित—जारमाक्-तोरमाक् ।

भोजन रहित अति दरिद्र अवस्था में—
जारमाक्-तोरमाक्

भोजन देना—हारता ।

भोजन वस्त्र—खोराग-पोसाक ।

भोजन और धन—ओने-धोने ।

भोजन सामग्री—सेर-सीधा ।

भोजन को मशालेदार बनाना—ढुस

तरल भोजन—साडगुर-बाडगुर ।

तरल भोजन होना—साडगुर-बाडगुर ।

बिना भूख के भोजन करना—
दागार ।

भोज्य पदार्थ—खाजी, उदखुद,
माचुक, मोचड़ाव, आधार ।

भोण्डा	वि०	बाड़ताङ ।
भोथा	सं०	भोतड़ो । भोथा हँसुआ—बुढी दातरोम । भोथर—भाटका-भुटका । भोथड़ होने के कारण नहीं कटना— थुगुल थुगुल ।
भोर	सं०	सेताक्, आङगा, मारसाल, भोर । भोर का तारा—आङगा इपिल, भरकाक्, इपिल ।
भौंरा	सं०	उरु । भौंरों का मिलन स्थल—उरू-आडा । भौंरा का एक किस्म—काट सेरेज । गोबर का भौंरा—इच्-उरू । एक प्रकार का भौंरा—सुनुसनिया ।
भौंह	सं०	मेत् कुटी ।

म

मंगनी	सं०	माङगली, होरोक्-चिखना।
		मंगनी होना—होरोक्, चिखना, बाबेर।
		मगनी करना—होरोक्, बान्दे।
मंगलवार	सं०	मोङगोलवार।
		मंगलग्रह—मोङगोल।
मंजन	सं०	दातरे माञगोन, मीसी।
मंजर	सं०	गेले।
		मंजर निकलना—गेलेक्।
		अन्न की मंजरी—गेले।
मंजिल	सं०	मुनञ्जील।
मंजूर	सं०	राजी।
		मंजूर करना—राजी।
मंझला	वि०	माञजला, रास,माञजाल, माञजेला, ताला।
		मंझली---माञझली।
मंडप	सं०	चामडा, मानडवा।
		उदा :—शादी में लोग मंडप बनाते हैं—वापला रेको चामडाया।
मंडराना	क्रि०	साण्डीआव, माँडराव।
मँडली	सं०	माण्डेर।
मंहगा	वि०	आकरा आनढोङ, मांहगा, मारगो, माहरोग, चाड़ही।

		उदा :—आजकल चावल मंहगा हो गया है—नेताार दो चावले आकरा-येना ।
मृग	सं०	जेल ।
		मृग सिरा—आरांड़, इपिल, आरांड़-लालाक् को ।
मृत्यु	सं०	मोरोन, गुजुक्, मोरना ।
		मृत्यु का कारण—ड़ाली-फुली ।
		मृत्यु का कारण खोजना—डाली-फुली ।
मृत	सं०	गोच्, मोरा ।
		मृत जानवर की हड्डी—हाड़ा-गोड़ा ।
		मृतावस्था—आङगाप्-आङगाप् ।
		मृतात्मा बुलाना—आचाव ।
		उदा :— ओझा उस व्यक्ति के मृतात्मा को बुला रहा है—ओझा उनी होड़े आचाव एदे काना ।
		मृतक का फूल—उसमी, जाङबाहा ।
मृदु भाषा	वि०	सोसतोप ।
म्यान	सं०	बाराङगे, भोकार ।
मक्खन	सं०	मोखोन ।
		मक्खन युक्त—नायनू ।
मक्खी	सं०	रों ।
		एक छोटी मक्खी—जुजुहुच् ।

मकई	सं०	जोनडरा । मकई (गाछ में)—फोट । बांध कर बनाया हुआ मकई का गुच्छा—झोतोर । मकई का गुच्छा बांधने की प्रक्रिया—झोतोर ।
मकड़ा	सं०	बिन्दी । मकड़े की जाल—बिन्दी गानाक्, गानाक् । एक प्रकार का बड़ा मकड़ा—कुल बिन्दी ।
मकान	सं०	ओड़ाक् । कच्चा मकान—कांत-ओड़ोक् । मिट्टी का मकान—कांत-ओड़ाक् हासा ओड़ाक् ।
मखमल	सं०	मुखमोल ।
मग्न	वि०	डुबाव, उनुम, आनमानाव । मग्न होना—आनमानाव ।
मगर	सं०	तायान, माऽगाड़, मेन-खान ।
मच्छड़	सं०	सीकिड़िच्, भुसण्डि, बुसाडी । मच्छर का अण्डा—किकिड़-बित्र ।
मचान	सं०	मांडोम, माचा, माचान, पाड़ोन, पारांवचा । मचान (लकड़ी का)—पड़नी, गारगाज, मचान बनाना—मांड़ोम, पाड़ोन, पारांवचा ।
मचिया	सं०	माची ।

मछली संo हाको।

मछली मिलना—हाको।

मछली पकड़ना—बाहींज।

मछली मारने का भाला—काहली।

मछली पकड़ने की बंशी—जाजजीत, बाड़सी, डाङ, बाड़सी-डान्डीत्।

मछली फँसाने की जाल—राङकी जाल।

मछली विष—हाड़।

मछली को विष देना—हाड़।

मछली की श्वासोन्द्रिय—हारडाक्।

मछली का जीरा—डोगा।

मछली मारने के लिए पानी को विषैला करना—रूप्।

मछली पकड़ने की एक विधि—बाङ।

बिभिन्न प्रकार के मछली के नाम—रीठा-हाको, मात-साकाम, हाको, गेन्द्रलाङ, टीरोम हाको, जियाल, सीसीत्र हाको, काल-बोकोस, कारा-धाकोर, सोरोच्-हाको, सोल, बाँसपाता, पोहना, माङगरी, धुबी, हाको, बासला, हाको, लिण्डा, पाथोर चाटा, बाधोड़।

अण्डा देने वाली मछली—गान्धी।

बहुसंख्यक मछली—गान्धो।

गेतु के समान एक मछली—बुढी-बुम-बुच्।

बेंग मछली—चोडमोच्।

चोडगा मछली—गाडा चोडा।

ह्वेल मछली—तीमी हाको।

कुरसा मछली—चेगे।

रेतु मछली-आडा दुँड, दुँडी।
सोंस मछली—सू।
हिलसा मछली—इलसा हाको।
बोआरी मछली—बोवाड़ हाको, राग होप् बोआड़।
एक प्रकार की पुठी मछली—चाल्हा।
एक प्रकार की मछली—टेङगरा।

मछुआ	सं०	केंवटा, माचरेञ-चाहा, माचरेङका।
मज्जा	सं०	साजज, तुमेल।
मजदूर	सं०	बानकार, मुनीस, जोन-मुनीस, डीपू, जनाकामिया। मजदूरी—कुड़ाई, मुञजरी, मुन-साली, तोलोप, दोरमाहा। बेवरा, बेरहोन, नालहा। दैनिक मजदूरी—दिन-मुञ्जरी। मजदूर लगाना—डीपू। मजदूरी करना—नालहा। नौकरों का सालाना मजदूरी—दाहना कटनी के समय मजदूरी के अतिरिक्त जो अनाज मिलता है वह—दाहना। नौकरों की मजदूरी तय करना—दाहना।
मजबूत	वि०	केटेच्, दाड़े, जोरगार, जोरवार, पाकोट, जियाड़, जोआब, पाकड़ो, पाटोयाक्, ताजी, दाड़ी-मुड़ी, दोड़हो, दोड़ोय-दोड़ोय, माजगुत, निमोत, कारकास ताड़खायला, गोधडो, जुता, जाकालो, पाकता-पाकता, मुठु-मुठू, हानहान, फारनाव, भाक।

मजबूत होना—कारकास, पाकता-पाकता, पोकतो,
मजबुत करना—रोपाम,गादाव ।
मजबूत बीना हुआ—सीटार-पाटार
मजबूती के साथ बाँधना—दाड़ी-मुड़ी
मजबूती के साथ—जोआव ।

मजाक	वि०	फुकटी, चिगारी, लान्दा । मजाक करना—लान्दा, फुकटी, चिगारी, इरीच्-चिकीच्, ठाट्टा, हाँसभिया, खिलड़ु, फुलाई, मोजजा । मजाक में होना—बेड़काच् । मजाकिया—फालू, खिलोडिया, आहासा-दुसाहा, सीडवाच ।
मजूरी	सं०	दिन-बेरहोन ।
मट्ठा	सं०	घोर । मट्ठा बनाना—घोर, डाबहोत !
मटका	सं०	बाहनी । बड़ा मटका—हानिढ़ा, हाठुवा, टुकुच्
मटकाना	क्रि०	बिलित-बिलित ।
मटमैला	वि०	मालगोत, धुआँराता, बोडे, मोलसो गारसीलोड़ ।
मटर	सं०	बायान, माटोर । मोटा दानावाला मटर—बाटड़ा ।
मठ	सं०	माट ।

मणि	सं०	पोदमोराम, मानो ।
मत्स्य	सं०	हाको । मत्स्यरंक—किकीर, डुच्-किकीर ।
मत	वि०	निसाय, तादबीर, मोत, हिसाब । एक मत—मित् सांट, साठा । मत देना—हिसाब । मत प्रकट करना—नाल ।
मतभेद	सं०	बिरोद, तोकराड़, आँटा-आँटी । उदा:—मतभेद के कारण झगड़ा हो गया—बिरोद इयोते को झोगड़ाई एना । मतभेद होना—तोकराड़, आँटा-आँटी ठोना-ठुनी, एटाक्-मोन, चुन्डा-चुन्डी, छिन्ड़ा-छिनडी रोपोड़ ।
मतवाला	वि०	मातुवा, बुल, मुचेड़, उमता-उमती, टेरे-मेरे माताव । थोड़ा नशा में मतवाला—ताङगार-मातुवा । थोड़ा मद्य में मतवाला होना—ताङ गार-मातुवा । मतवाला होना—रोसाव ।
मति	सं०	माती ।
मथानी	सं०	मोनघायनी ।
मद्यशाला	सं०	गीलान ।

मदद	सं०	गोड़ो । मदद करना=आसुल-हाला,आसुल-दोक्, जीताव, गिरहाड़, टेहाड़ । मदद करने की प्रक्रिया—चाक-ढाका । मदद देना—सामबड़ाव, साङ्गाड़हें ।
मदिरा	सं०	मोद । मदिरालय—छापार ।
मध्य	वि०	बाराबारी, माञझला-रास,ताला, माञ्झारी, मोधोम, ताला-माला, भोग । मध्यस्थल—बाराबारी । मध्य रात्रि—ताला-निन्दा । मध्य रात—ओन्दा । मध्य रात तक रखना—ताला-ओन्दा । मध्यभाग में—तालारे, मोदरे । मध्याकार—ताला माला ।
मध्यम	वि०	माँझारी । मध्यम आकार का—माँझारी, घूँट ।
मध्यस्तता	सं०	सालीस । मध्यस्त होना—सालीस ।
मध्यान्तर	सं०	बाद ।
मधु	सं०	गोटे-रासा, दुमुर-रासा ।
मधुमक्खी	सं०	दुमुर । बड़े आकार की मधुमक्खी—अँले । एक जंगली मधुमक्खी—लुती ।

मधुमेह	सं०	बाहुमूल, आराकझार ।
मधुर	वि०	सोंहाड़ा । मधुर लगना—सोंहाड़ा । मधुर स्वर—राहेड़ ।
मधुशाला	सं०	गोला—दोकान ।
मन्द	वि०	टाहरी, ओसते, लेवड़ेच्, हुगुय-हुगुय । मन्द गति—हागोर-बागोर । मन्द गति से—दुरूय-दुरूय, गुड़गुड़ाव । मन्द गति से जाना—हिचो-होचो । मन्द गति वाला—हितो-होतो । मन्द चलना—हेमबा । मन्द हवा—हीसीत्,हीसीत्,हीसीत्-होय । मन्द हवा चलना—हीसीत्-हीसीत् । मन्द हवा भरना—हुगुय-मानते । मन्द वृष्टि—रुगुय-रुगुय । मन्द वायु—होयोङ। मन्द वायु बहना—होयोङ, सागाय—मानते । मन्द ध्वनि—ढोब-ढोबो । मन्द-मन्द ध्वनि—गान्दार—गुन्दुर ।
मन्दा	वि०	मोन्दा ।
मन्दिर	सं०	मोन्दील, मानदेर, थान-ओड़ाक् ।
मन्थर	सं०	बाई-बाई । मन्थर गति से—गाडाच्-गुडुच् ।
मन्त्र	सं०	मानतार, मुहनी । मन्त्र चलाना— तीहार ।

		मन्त्र पढ़ना—झाड़, झाड़ती ।
		मन्त्र फुँकना—तुड़ी-पाड़हान, झाड़ती ।
		मन्त्र मुग्ध—मोङ्गोन ।
		मन्त्र मुग्ध करना—धुड़ीआव ।
		मन्त्रोच्चारण—झाड़ती ।
		मन्त्रोत्पन्न—बीमारी—सागाक्-रुआ ।
मन	सं०	मन ।
		मन (नाप या तौल)—मुँड़ी ।
		एक मन—एकोत् भाव काट ।
		मन को शान्त करना—जीवी-ओर, जीवी-राड़ेच् ।
		एक मन होना—काट ।
		मन फिराना—सोन-आचुर ।
		मन सरखाना—मोच-ड़ुवा ।
		मन लगा कर—उगुर-सुन्डुच्, दीपोङ-दीपोङ, जाकीर
		मन में दुख होना—हिड़चाख ।
		मन में गड़ जाना—गाड़ाव ।
मनमानी	वि०	बातार-बाजी ।
		मनमानी करना—सोगोच् ।
		मनमाना—आनकाउड़ा, धाचराड़, ।
		उदा:-मनमाना काम कर रहा है—आनकावड़ाये कामी काना ।
मनमुटाव	सं०	ठुपठुक् ।
		मनमुटाव होना—लेकठा, रेसा-रौसी, हुण्डा-हुण्डो, आनघाड़ी, बिगड़ा-बिगड़ी, काढा-काढी ।
मनहुस	वि०	बेसागुन ।
		मनहूस औरत—हेमे एरा ।

मना	सं०	माना, बारोन । मना करना—रोकाव, बारोन ।
मनाना	क्रि०	ढार-ढुर । मना लेना—गोहाँडे, गोरास ।
मनुष्य	सं०	मानुस, ओन, होड़ । मनुष्य बनाना—मानुस, होड़-हारा । मनुष्यत्व का आभाव—होड़-मेनाक् ।
मनोरंजन	सं०	रीज-रोङ, सुलाड़, मारजात । मनोरंजन करना—राङरीज, लोब-थाव, रीज-रोङ । मनोरंजन-गृह—आनटा-ओडाक् ।
मनोहर	सं०	मोधूबन ।
ममहर	सं०	मामकुड़ ।
ममेरा	वि०	मामोथा ।
मर्यादा	सं०	मान । अमर्यादित रूप से—हाहावण्डी ।
मरना	क्रि०	गोत, जोबाव, गुजुक्, बेनडाव, तोरेओड़, गेमेर, दाक्-दोड़ोम, हाना-पुरी, जोवी ओडोक, जीवी-चालाव, लोहोम, मुरी, माहा-मार, फारबाव, गोजोक्, गुजुक्-गुरूक्, सोच् सुरास, खोतोम, जापीत्, तीआर, हानासा, गाजाव, तोच्-तोडरोच्, तोच्-गिडी, नोस्टो, मुचात्, सेसान्ती । जानवरों की भाँति मरना—लोहोम । मरना और नष्ट होना—हारना-मोरना ।

		मर कर उपलाना—ओड़मात्।
		मरण—हारना-मोरना।
		मरा हुआ—मोरा, गोच्,।
		मरा हुआ पत्थर—पोच्-धीरी।
मरम्मत	सं०	आरो।
		मरम्मत करना—मेरामोत, जुत-आरो, झाला-झाली, ठासाव, जाबा-जुबा, जात-जुत, झालाव, जाते-जुते, बेनाव, बाढा।
		अस्थायी मरम्मत—ठासा-ठुसा।
मरियल	वि०	मोरधा।
मरुभूमि	सं०	हाहाङ्कार, हाहाकार।
मरोड़	सं०	कुच्-कुच्।
मरोड़ना	क्रि०	मोचड़ाव, माड़वा-वाड़वी, मोचड़ा-मुचड़ी, पाँक।
		मरोड़ते हुए—मोचड़ा-मुचड़ी।
मरोड़ा	सं०	सुरुजबाय (एक बीमारी)।
मल-मूत्र	सं०	इच्-आड़ो।
		मल—मूत्र त्यागना—इच्-ओड़ो, बाह्रेते, गुण्डुच्।
मलना	क्रि०	ओजोक।
मलमल	सं०	मोलमोल।
मलहम	सं०	ओलहोम।
मलिन	वि०	धारपोल, धारपोलाक्, दो दोरमोच्, मुलिन।

अति मलिन—हेअजलाङ ।
मलिन वेष धारी—गासोच् ।
मलिन वेष धारी स्त्री—गारसा-गाले ।
मलिन वेश में—गासोच् ।
मलिन जल—ढोयमा-दाक् ।
मलिन स्त्री—हुरी—बुढ़ी ।
मन मलिन होना—दोदोरमोच्

मवेशीं	सं०	डाङभरी, जानवार आबोंला-धन, मोवासी । मवेशीयों को काटना—गुर लोटोम । घरेलु मवेशी—जान-जानवर । मवेशी जिसके पीठ पर सामान लादा जाता है—छाला । मवेशियों के तालु में छिद्र होने की बीमारी—सुरमा ।
मशाल	सं०	मोसाल,छेचा, चेछा । उदा :—असम में लोग खेत से हाथी को मशाल द्वारा भगाते हैं—आसाम रेन होड़ दो चेछा ते खेत खोन हाती को लागा कोआ ।
मस्त	वि०	मोङगोन ।
मस्तिष्क	सं०	मुली, मोगोज ।
मस्जिद	सं०	माहजीद मोसजीद ।
मस्तूल	सं०	बादोम-खुन्टी, मास्तूल ।
मसकना	क्रि०	मासकाव, मास-मासाव ।
मसलना	क्रि०	तीरमीत्, तीरहोल ।

मसाला	सं०	मोसोला, मर-मोसोला।
		मसालेदार—बेसोवार।
मसूर	सं०	मासरी।
मसूल	सं०	तोलानी, मासूल।
		मसूल लेने वाला—तोलानदार।
मसूड़ा	सं०	मासकुड़ा।
महक	सं०	सो, मोहोक, बास।
		महक लगाना—फोड़ाव।
		महकना—बासोद्, सोक, मोहोकोक्, माहकाव, बासकी-तिया, बाहका-वाहकी।
महत्व	सं०	आड़ेच्-गाड़ेच्, जांक-जोमोक।
		महत्वपूर्ण—सीङघीन।
		महत्व पूर्ण होना—सीङघीन।
		महत्व हीन—अलगा-सालगा।
महत्ता	सं०	माहात्तो, माहतो।
महल्ला	सं०	टोला, माहाला, पाड़ा।
महल	सं०	बाखेर, मोहोल, दोलान ढावेलाम, थामगोड़ी।
		महल बनाना—बाखेर।
महाजन	सं०	माहाजोन।
		महाजनी करना—माहाजुनी।
		महाजन जो गरीबों को चूसता है—हाङाहा।

महाजाल	सं०	माहाजाल (मछली पकड़ने का जाल)
महादेव	सं०	माहादेव।
महान	वि०	माहा, माराङ।
महामारी	सं०	ओंड़गोम-दुक, माहामारी, हावा-दुक उदा: महामारी से मर गया—ओंड़गोम दुक तेको गोच् एना।
महावत	सं०	माहुत :
महाशय	सं०	बाप-बोन, माहा सोय।
महीन	वि०	पीलीज, लीमीज, लोमोज, सुलुय-लुन्दुय, मींहीं, लेमेज, लुमुज, वेनहेच्, झीजजड़ी। महीन चूर्ण—छोमोज। बहुत महीन—लोयोम। महीन बाल वाला—सालपोत्। महीन बाल होना—सालपोत्।
महीना	सं०	चान्दो, मास, माहना। महीना-महीना—मासे-मास।
महुआ	सं०	मातकोम। महुआ का फूल निकला हुआ होना—रेगे-रेगे। महुआ का फल—कुईन्डी। महुआ का फूल—फूला। महुआ का शराब—पावरा, दुहली, मातकोम-दुहली।
महुली	सं०	माहले (एक जन-जाति)

मडुवा	सं०	कोदे ।
माँ	सं०	गोगो, गो, एङगा, तोवा-दारे, जाजानामीच्, आयो । अपनी माँ—तुनूगो । उसकी माँ—एङगात । सौतेली माँ—गाड़हान, काकी-एङगात । माँ को सम्बोधित करना—गो, गोगो । माँ और बच्चे—छाये-गाये, एङगा-होन । माँ बाप—एङगा-आपा, गो-बाबा, जाजानामकिन एङगात-आपात । माँ-बाप को दी जाने वाली जमीन—खानगी । माँ की सम्पत्ति—गोङ-हान्डहा ।
माँग	सं०	दावी, कोय । माँगना-देन कोक्‌कोय, दाहना, दाहनी, दाहनाव, उधार, खोदाव, धीगीया-धीगियी, धीगीयाँव, धाड़ा-धुड़ा ढोया, बाब, कोय । हठपूर्वक माँगना—रेगेत्-रेगेत्, बादा । माँग करना—दावी । दावे के साथ माँगने वाला—दादका-दार ।
माँजना	क्रि०	माञजाव, हुरतीङ ।
माँझी	सं०	नावका-चाक्‌लाविच्, देश, माँझी (गाँव का प्रमुख)
माँड़	सं०	दाक्-मान्डी । माँड़ भात—दाक्-दाका । माँड़ भात बनाना—दाक्-मान्डी ।

माँस	सं०	जेल ।
		माँस का बड़ा टुकड़ा—धोलमा ।
		माँस होना—जेल ।
		माँस ग्रन्थि—पीटकीरी, गाँड ।
		माँस काटने के बदले मिलनेवाला माँस—काटनासो ।
		माँस का मज्जा—जाङ-रूली ।
		माँस पेशियों में दर्द उठना—हाडी ।
		माँसल—बागरूम, तुसकुच्, धुदली (स्त्री का)
माघ	सं०	माग, माघ ।
		माघ-पूजा—माग-सिम ।
		माघ की ठण्ड—माघे-जाड़ :
		माघ महीने का—माङघी ।
माण्डीक	सं०	दाकदाराम चेड़े (एक पक्षी)
मात	सं०	मागाव ।
		मात करना—बोरकास, मागाव।
		मात खाना—बोरकास ।
माता	सं०	एङगात, गोगो ।
		मता-पिता—एङगात-आपात ।
		माता—साड़ी-एङगा इतात ।
मादक	सं०	बुबुलाक ।
		मादकता—धात्रोत, बुलतेन् ।
मादा	सं०	एङगा—मादा होना—एङगातोक ।
माधवीलता	सं०	हुन्दबाहा ।
मान्दर	सं०	तुमदाक्, रासका-कुड़ी ।

मान	सं०	थाप ।
		मान लेना—रेबेल, सौंट ।
		मानना—बातावं, सेन, बाइ ।
		माननीय—हुजुर ।
मानभूम	सं०	बारहा-दिसोम ।
मानव	सं०	मानवा ।
मानिक	सं०	मानीक ।
मानेकि	क्रि० वि०	शकुनतक्रिया, मेताक्मे ।
माप	सं०	जोखा ।
		माप निकालना—हार ।
माफ	सं०	इका, माफी माँगना—हाते पाये, इका कोय ।
मामा	सं०	मामा—मागो ।
		मामा-भगना—मामो-भागना ।
		मामी—मामी ।
		मामूहक—मोमो-सालाका ।
मामूली	सं०	चारेय-चोरेया, बिजनुच् ।
मायके	सं०	एङगा-आपा, ओड़ाक्, आपा-बारे, ओड़ाक् ।
		मायके का घान—इर-आरपा ।
मायाजाल	सं०	मौयाँजाल ।
मार्का	सं०	मारका ।
मार्ग	सं०	होर, डाहार ।

मार्ग दर्शक—आक्युरिच् ।
मार्ग भ्रष्ट—मोहंडाक ।

मारकीन	सं०	मारकिन ।
मारना	क्रि०	हाड़ा-हुड़ा, दाल, दादाल, दाव, टोटेपे, पाराट, गुर, खेंच्, ढाय, सोराद, फेटेआङ, छेअचाव, चारनाव, दुमेड़, मुकाड़, फीटाव, थोगडाव, केहनाव, सरीयाव ।

दोमाव, हुड़ाव, हुमाक, हिङ्गुड़, टोनोक् टीसुक्, टेसोक्, टुटी, लेटरोक् लेटवाक्, उहुय-माराव, कुटाम ।
धीरे से मारना—ठेप् ।
जोर से मारना—दाड़ाम-दाड़ाम, पाराट, मानते ।
अंकुश से मारना—धाच-पाच ।
कपड़ा से मारना—गुडाव ।
घूँसा मारना—गुड़ा-गुडी, गील, दुरी, गुठाव ।
पत्थर मारना—तीञ, चापात् ।
पैर मारना—कोलसा, थाया ।
ठोकर मारना—कोलसा ।
लात मारना—थाया, कोलसा, फाद-रूक् ।
लाठी से मारना—गुताव, गुता-गुती ।
लाठी मार कर बैल को उसकाने की प्रक्रिया—गुता-गुती ।
लाठी की नोक से मारना—गुतु, लुड़गाव ।
सिंग से मारना—उटा, रोक् ।
हाथ से मारना—थापा ।

कुँहनी से मारना— कोरवा, उचुम ।
हल्के से मारना—फोदोल, मानले ।
मार-पीट करना—दापाल ।
ऊँगली से मारना—ठेप् ।
डण्डा से मारना—टोठे, काड़ाय ।
छड़ी से मारना—चारनाव ।
मारना-काटना—मारा-काटा ।
मारने की आवाज—तोकोप् ।
मारने के लिए कोई वस्तु उठाना—एपेल ।
मारकर भगाना—हुड़ाव-लागा ।
मार-पीट—मार-पीट, दाङगा, दांगा-फासाद ।
मार-पीट कर—मारिया-पिटीया ।
मार-पीट करना—दांगा-फसाद, दोमा-हुमी ।
मार-काट—मार-काट, मार हाङगा
मार-काट होना—दाङगा ।
मार-दंगा—मार-डाङगा ।
मार कर खाना—माहा-मार ।
मार कर गिराना—झाड़गाव ।
मार का असर पड़ना—थोमपील ।
मार डालना—जीवी-आगू, सुमार, ञोंत ।
मार—थावा, कुटास ।
मार को रोकना—घावा ।
मारक—गोगोच् ।
मारा-मारी—मारा-मारी ।

माराड़	सं०	माराड़ (एक वृक्ष) ।

माल	सं०	माल ।
		माल खाना—आड़ोत ।
		माल गाड़ी—माल-गाडी ।
माल गुजारी	सं०	राज-भेजा, जोमा माल-गुजारी ।
माला	सं०	माला ।
मालिक	सं०	मालिक, ठाकुर, खामोद, गिरोस-ताली, पायके, गोमके, गोला, गाजील-मान, मालदार ।
		घाट का मालिक—घाटवेक ।
		मालिक रहित—पालातो ।
		मालिक होना—गोमके ।
		मालिक बनना—गोमकेत् ।
मालिन	सं०	मालिन-बुढ़ी ।
मालिश	सं०	इसकिर ।
		मालिश करना—इसकिर, पाइन्डाव, मारदाव, आईटाव, गायगाम ।
माली	सं०	दाक्, दुर्दालिच्, माली ।
		माली-फूल—माली-बाहा ।
मालूम	सं०	आयकाव, आटकार, बाडाय ।
		मालूम करना—आयकाव, टोहोर, लाय-सोदोर, जिमास ।
		खा कर मालूम करना—भारवा ।
मासा	सं०	जोने ।
		मासा होना—जोनेक ।
मास	सं०	चान्दो, माहना ।
		मासिक धर्म—बाहा ।

माहवारी	सं०	मासड़ा । माहवारी वेतन-मासड़ा ।
मात्रा	सं०	तीरीत्, तीतरीत्, बहुत अधिक मात्रा में—साव-साव । अधिक मात्रा में होना—हाड़हातुर । नाम मात्र के लिए—ठेस-लेका ।
माड़	सं०	जेरे-जेरे, गिला ।
माड़ी	सं०	खारेन । माड़ी चढ़ाना—खारेन ।
मिटाना	क्रि०	मेटाव ।
मिट्टी	सं०	हासा । मिट्टी में मिलना—हासा । मिट्टी देना—हासा । मिट्टी का घर—ओड़ाक् । मिट्टी तेल—हासा सुनुम, धीरी-सुनुम । मिट्टी की छोटी कड़ाही-टोकाक, टोकलाक, होटलेच्, टाक-नाक टाक नाक, टोकनाक् । मिट्टी से सिर धोना-नाड़का । मिट्टी का बड़ा बर्तन—जाड, हान्डा मिट्टी का हँडा—जाड़ । मिट्टी के वर्तन के नीचे के हिस्से को पानी से पोछना—ओहोय । मिट्टी के वर्तन को खंगारना—ओहोय । मिट्टी का ढेर—ढोमपा, ढुई । मिट्टी सूख जाने की प्रक्रिया—जाड़ी ।

		मिट्टी के घड़ा को सुखने के लिए आग में देना—सोन्धाव ।
		सज्जी मिट्टी—साजी-हासा ।
		नोना मिट्टी—लोना-हासा ।
		काली-मिट्टी—मुरुख् हेन्दे हासा ।
		दोमट मिट्टी—पुली ।
मिठाई	सं०	मीठाय । मिठाई बनाने वाला—हालुआय ।
मितव्ययी	वि०	रामो-राशिञ, रोमोच्-कोटोच् ।
मिथ्या	सं०	मीछा, एड़े । मिथ्या भियोग—हुरा-बुरा । मिथ्या दोष लगाना—नुनदी-फुनदी । मिथ्या प्रदर्शन-जेलेप् जेलेप् ।
मिमियाना	क्रि०	मेराङ । बकरियों का मिमियाना—मेमेक् । मिमियाते हुए—भेंक्-भेंक ।
मिर्चा	सं०	मारिच । एक प्रकार का मिर्चा-सोम-साका मारिच, साँची मारीच ।
मिलना	क्रि०	नापाम, आपामोक् मेसाव, दापराम, जामके, काठा, दाराम, आत, लाप-टाव, ऐलेत्, मिलोन, जुड़ता, पाड़ाव जोखा, छामुनाव, जुटाव, रेजेत् मोकाम, गोत । अचानक मिलना—ढेलमाच् । मिल जाना—छाता, जुम, माडबे, साडबे, गोजा, गाबाक, गासेन,

गोड़ोय, गालबाट-सालबाट, गाड़ुय-साड़ुय, सापांवञ्जा।
मिलने की जगह—चाटाइ।
मिलने की आशा—डुडू-डुडू।
मिल कर—सोंडबोत गाले-गोले सालाक् सातालाव जोमका-जुमकी
मिल-जुल कर—मिलीया-मिसीया, जोमका-जुमकी, मिली-जुली, मिले-मिसे।
सब मिल कर—सपटा
एक साथ मिल कर-सोंडगे-लाडगे।
मिलन सार न होना—मासुवा।

मिलाना क्रि० गाञजाव, हेवला, सालाक् सानाव, साठाव, सीपी, जुड़ता, जोड़ाव खाञजाव, जोड़ाव, जुटिच्, ओर-लोठा, गाबुच्-साबुच्, गान, गाञ्जा-गुञ्जा, गाञ्जा-गाञ्जी, लापटाव, मेसा-मीसी, मेसाव, मोआंव, मिंद, मिलाव, मिसरिच्।
हेवडा, घोंडगराव, घोराब, घावञ्जा, घावञ्जा-जुड़नी, लाटघाट।
भूसा का नरम मिट्टी में मिलाना—बाजा।
मिला कर—घालोक्, सातालाक्।
मिलाकर करना—डाटोप्।
मिला कर होना—लागाय, लेयते, लागायते।
एक साथ मिला होना—चेपठे।
मिला होना—आल-मेसाल।
मिला हुआ—साडुय-बाडुय, जुड, सेलेत्, गोजा, जुलुम।

लाता, मेसाल, घावदा-धावदो ।
मिला हुआ पदार्थ—सार-बाटुर ।
मिला देना—जेमबेत् ।
घुला मिला—गोडोय ।

मिलावट	वि०	बागाड़, लाटघाट, साजान, जुड़नी । मिलावट होना—साजान, खिचड़ी ।
मिर्गी	सं०	मिरगी ।
मिर्च	सं०	मारीच। जंगली मिर्च-बिर-मारीच । मिर्च का बगीचा—मारीच-बोन ।
मिस्त्री	सं०	मिस्तीरी ।
मिस्सी	सं०	मोसी ।
मिश्रण	सं०	जेमठे, पोथान, जोड़ान, भेजाल, जुड़नी, साजान । मिश्रण करना—जुड़नी । मिश्रण होना—गाडोय साडोय, दुलोक् ।
मिश्रधन	सं०	सुदे-मुले मिश्रधन देना—सुदे मुले ।
मिश्रित	वि०	जोपोक्, जुकती, सागुच्-बागुच्, भोरोन, सोलगोट, भेजाल बाक्षाड़, बाडोय साडोय, गाडुई-साडुई, आमाड़ बोगाड़, सोलोम-लोटोम, सार बाटुर, दोरासा, साल-मेसाल मिश्रित करना—भेंजान, भेजाल जोड़ान, हेड़चा-फेचाड़ । मिश्रित होना—सागुच्-बागुच् ।

मिश्रि कन्द	सं०	केसोर।
मित्र	सं०	गाते, भाइ-भागार, पेड़ाहोड़, फूल, मिलुवा, चिनहाय, हींत-पिजोर, रासीया, तीरी, पेड़ा-पोरभा। मित्र होना—गाते। मित्रता—गाते, सुलोङ, हींत, हेलमेल, हितपीरीत, हावभाव, फूल-पोरान, होलमोल, भाव, दुस्ती, हागाया। गाढ़ी मित्रता—काराम-डार। मित्रता करना—मिलुवा, चिनहाथ, हींत-पिजोर। मित्रता रखना—सामगे। मित्रता बढ़ाना—हेलमेल। मित्र होना—गाते, दुस्ती, फूल-पोरान, फूल-पाताव, हागाया, हींत, हितपीरीत इस्टी-बुन्धू। मित्रतापूर्ण वार्तालाप—सोआरात। मित्रतापूर्वक—होल-मोल, सामे-गामे। मित्रतापूर्वक रहना—सोलगोल। मित्रता का व्यवहार—हाव-भाव। मित्र के जैसे बर्ताव—हेल-मेल। मित्रहीन—आवाटापा, आलाग, ताला-टान्डी। मैत्री भाव—चेहोर-बेहोर, चाला-चाली। मैत्रीपूर्ण—सामगे, रेहलाम-रेहलाम, आयसा-आयसो, सोल-गोल।
मीठा	वि०	हेड़ेम। मीठापन—जोबान। मीठापन होना—हेड़ेम।

मीरू-फुल	सं०	मीरू-बाहा।
मील	सं०	माल।
मुँगरी	सं०	साल-मुङगार।
मुंधी	सं०	मुन्धी।
मुंशी	सं०	लोखोतिया, मुनसी।
मुँह	सं०	मोचा, मुखा, थुती, मुँहाँ।
		मूँह फट—मूँफुड़िया।
		मुँह धोना—हुतुम।
		मुँह से बोलना—थुती।
		मुँह खुलना—साण्डाप्।
		मुँह खुलना और बन्द होना—साण्डाप्
		मुँह खोलना—चाहाप्।
		मुँह बड़ा खोलना—बाङगोराय।
		मुँह बनाना—गोते-गोर, बिण्डुच्।
		मुँह में लेना—हाप, लापेत्, लाडुम।
		मुँह में डालना—हाप्।
		मुँह में भरना—कोपेत्।
		मुँह आना—जाड़ी-फुटाव।
		मुँह लगाना—हुनढाव।
		मुँह से चुसना—जेमबेत्।
		मुँह से चुसने की प्रक्रिया—जेमबेत्।
		मुँह के अन्दर रखे रहना—कोपेत्।
		मुँह में भरा हुआ—भोजन-बाबोल।
		मुँह फाड़े—बोङ-बोङ।
		मुँह फाड़ने की प्रक्रिया—बोङ-बोङ।
		मुँह फाड़कर रखना—बेङ्गाबाक्।
		मुँह फाड़ कर—बोम्बोड़ेयेत्।

मुँह ढाकने वाला—बेदोक्आक् ।
बड़ा मुँह वाला—बाड़ताङ, चाङ्गो-राय ।

मुँहासा	सं०	तोफोत् ।
मुक्का	सं०	कोखा । मुक्का मारना—किलाव, मुका-मुकी, मुकाव, कुहाब, गुदड़ाव । मुक्का—मुक्की-किला-किली ।
मुक्त	सं०	साहाड़, फीट, छाडाव । मुक्त करना—आड़ाग, छाडाव, राहाय-साहाय, उरीदाव । मुक्त होना—छुटी, फोण्ड, वाटाव, हिया-खालास, फीट, खालास, छाड़ोङ-बातोङ । मुक्त करने का पैसा—खुलानी ।
मुक्ता	सं०	मुक्ता ।
मुक्ति	सं०	आवसान ।
मुकदमा	सं०	नालो, मामला, मकरदमा, मोकोर-दोमा । मुकदमा करना—आदालोत । मुकदमा चलाना—मोकोरदोमा, सोमबोर । मुकदमा को खत्म करना—तुलाव ।
मुकरना	क्रि०	पेड़ताक्, टेठाक् । मुकर जाना—छाय-छाय ।
मुकाबला	सं०	दापराम, माखाजी, हापाराव,

		मोका बिला। मुकाबला करना—मोकाबिला।
मुकुट	सं०	टुपरी। मुकुट पहनना—टुपरीक्।
मुख्य	वि०	मुठू, बोहोक, मुखिया, मूल, सीरा भोगदो।
मुखड़ा	सं०	मेत्हाँ, चेहरा।
मुखिया	वि०	मुरूबी, मुखिया।
मुखी	वि०	मेत्हाँ। मुखी कच्चू—मुखी-साक्ष।
मुग्ध	सं०	मालुङ। मुग्ध करना—लिपुक्।
मुगदर	सं०	मुङगरा, मुङगार।
मुट्ठी	सं०	चुपुत्, मुट, लोचा। एक मुट्ठी—चुपुत्, तोहोप्, आलोय। उदा:—एक मुट्ठी चावल हमको दो—मित् आलोय चावले इमाञ में। मुट्ठी भर—लोट, रोबोत, मुट, सोबा, सो, हाटा-मुठा। मुट्ठी भर देना—चुपुत्। मुट्ठी भर होना—लोचा, तोहोप्-सुमुङ।
मुण्डन	सं०	होयोन, मुन्डरा।
मुण्डा	सं०	मुण्डा (एक जन-जाति)।

मुथा-धास	सं०	मुथा।
मृद्दयी	सं०	बाटी।
मुद्रा	सं०	रोकोड़।
मुनगा	सं०	मुनगा।
मनि	सं०	मुनि।
मुनीम	सं०	मुनीब।
मुफ्त	सं०	फोकोट, फोकतो, फोकते, फोकटी, आकाग, ओमते, मोकथे, मोसते, मोफोत। मुफ्त खोर—फुटिया।
मुर्गा	सं०	सीम-सान्डी, सान्डी, झान्टो-कोकोर। बधिया किया हुआ मुर्गा—गाया। जंगली मुर्गा—बिर-सीम। बड़ा मुर्गा—धोधो-धो। भूरा मुर्गा—फोरसा-हेड़ाक्। उत्तम नस्ल का मुर्गा—बायार-सान्डी। मुर्गा लड़ाई—तोपोत्। मुर्गा का बांग—सीम-राक्। मुर्गा का बांग देना—कुकडू। बड़ा मुर्गा या मुर्गी—किको-कोको।
मुर्गी	सं०	सीम-एङ्गा, मुरगा। मुर्गी की कलगी—दोचोत्। मुर्गी की आंत—मुण्डु-लाच्, सीम लाच्। मुर्गी का मांस—सीम-जेल।

		मुर्गी का दरबा—कुली ।
		मुर्गी का करकराना—हेहें कोको ।
		मुर्गी का बींट—सीमींच् ।
मूर्छा	सं०	झीमझीमी ।
		मुर्छा आना—तेसड़ाव, जेरबेनडाक ढानमान ।
		मुर्छा होने जैसा—झीमझीमी ।
		मुर्छित—बेहुँस ।
		मुर्छित होना—झीन-झीन, बेहुँस, ढानमानाव, झीन-झीनाव ।
		मुर्छित होकर—झीम-झीमी ।
मुर्दा	सं०	मुरदार, माड़ीं, गोच्-होड़ ।
मुर्मू	सं०	मुर्मू (संतालों की एक पदवी), टीका-मुर्मू ।
मुरकना	क्रि०	माड़काव ।
मुरगा	सं०	मुरगा, (एक पेड़) ।
मुरझाना	क्रि०	मोसोत्, झामाट, झाम-झाडरूत् गेसो, कारचुप्, जापन् ।
		तोलमोच्, हारमुङ, डायबुङ टोलाव झाँवराव, झाँवरा-झाँवरी, रूचकुप्, तीरमीराव, जाकमुच्, झीमी-झीमी, टोल-मोल ।
		मुरझा जाना—झामझाडरूक् (समय से पहले झाँवराव ओल-जुर ।
		मुरझाया हुआ—उसोट, तोलमोच्, जाकनुक् ।
		मुरझाया हुआ चेहरा—जाजजापे ।

मुरली	सं०	मरली ।
मुरुप-चूड़ा	सं०	मुरूप् गोडो । मुरूप झाड़ी—मुरूप् । मुरुम गोबर छता—मुरुम-ओत् ।
मुलाकात	सं०	आपाम, जपेल, हीरी । मुलाकात करना—आपाम, जपेल, हीरी ।
मुलायम	वि०	लुमुय, लेमेज, चिकाड़, लेञ्जेर, लोतोय, भुस-भुसिया (मिट्टी) मुलायम होना—बोज-बोजाओ, लुबुई । मुलायम घास—लुबुई-घास, हादे-आलोम । मुलायम बाल—हादे-आलोम । मुलायम और पतला बाल—लोपोते-आङ उप् ।
मुश्किल	क्रि० वि०	मुसकिल, आझांट । मुश्किल से—होरे-दोरे, ओरे-तेवेज, जेड़े-मेटे, जोर मोद ते । मुश्किल से चलना—हिरा होरो । मुश्किल होना—आंटा, जालाल ।
मुशहरी	सं०	मुसारी ।
मुष्क	वि०	धाड़गाई, आङगाव, दाडू । मुष्क फुला हुआ—दाडू ।
मुस्कुराना	क्रि०	मुलुच्, मुलुच्, मुलुच्, मेसकोच् । मुस्कुराते हुए-मुलुच्-मुलुच् ।

मुसलमान	सं०	मुसला।
मुसलाधार	क्रि० वि०	झाड़-झाड़, बोरोक्-बोरोक्। मुसलाधार वर्षा—आछाड़, दाक्, डाङगरी-डाङगरी, हुडुङ-चान्दी, दाक्।
मुसहर	सं०	मुसहार।
मुसाफिर	सं०	होरतेन, मोसाफिर। मुसाफिर खाना—साराय।
मुहर्रम	सं०	दाहा (मुसलमानों का एक पर्व)। मुहर्रम पर्व मनाना—दाहा।
मुहर	सं०	छाबा। मुहर देना—छाबाय।
मुहाना	सं०	दोमुँहानी, दुलमित्तेत्।
मुहामुही	क्रि० वि०	मुहाँ—मुहीं।
मुड़ना	क्रि०	कुबा, गोड़सेच् मुण्डरा। मुड़ जाना—डुम्बाक्। मुड़ा हुआ—जोङगड़े, पोटोर,कुबा, काटबुच्, मुण्डरा, डोण्डगोत्,मोण्ड-गोच्। मुड़ा हुआ बाल—डण्डगा।
मुढ़ी	सं०	खाजाड़ी। मुढ़ी बनाना—खाजाड़ी-आताय।
मूँग	सं०	मुङ। जंगली मूँग—बिर मुङ।

मूंगफली	सं०	बादोम, चिनाबादाम। उदा:—मूंगफली जमीन के अन्दर होता है—चिनाबादाम को ओत भीतरी रे होयोक्आ।
मूँगा-पत्थर	सं०	मुँङ मिणापाथरा।
मूँछ	सं०	मीसी। घनी मूँछ दाढ़ी—बादरुम-सादरूम, बादरो-साटोव। मूँछ दाढ़ी मुड़ाना—मोण्डगोच्, मोण्डगोत्।
मूँदना	क्रि०	मुन्दा। आँख मूँदना—जानापीत्।
मूठ	सं०	मुटी, डाण्डीत्।
मूर्ख	क्रि०	बोका, बोदो, बेबुज, बोका, लेलहा, बेबाडाय, बोण्डो, मुखु, तोचा, भोचो, टोय-बाक्, उरबुदाहा, आलहुआ, आलुवा-बासुवा, आलदुनघा, आलदु-दाहा, आलदुनदाहा, चोनघो, घोसमोसिया, सोसेया, दुनवा, आलात्-ओलोत्, आलात्-बाकात्, आजबुज, आकेल-खाबार बुड़बक, बेकुप, बोम्बो, होहाक, निरबुद, होतो-बुद्धि, मुरखु, मुखो, ओरलो, ओनड-योत्, लाड़योत्, लोड़ो, ओलखोबा, कालो-बातो, हाँक्-हुँक्, बान्ता-बाउड़ा, कोरधोच्, बेम्बलाहा, बेमभा, आयबाहा, दान्दहा-दुन्दहा थाङगला—थुङगला, थोतो, थुङगला, तुईबुत्,

मुसलमान	सं०	मुसला
मुसलाधार	क्रि० वि०	झाड़-झाड़, बोरोक्-बोरोक् । मुसलाधार वर्षा—आछाड़, दाक्, डाङगरी-डाङगरी, हुडुङ-चान्दी, दाक् ।
मुसहर	सं०	मुसहार ।
मुसाफिर	सं०	होरतेन, मोसाफिर । मुसाफिर खाना—साराय ।
मुहर्रम	सं०	दाहा (मुसलमानों का एक पर्व) । मुहर्रम पर्व मनाना—दाहा ।
मुहर	सं०	छाबा । मुहर देना—छाबाय ।
मुहाना	सं०	दोमुँहानी, दुलमित्तेत् ।
मुहामुही	क्रि० वि०	मुहीं—मुहीं ।
मुड़ना	क्रि०	कुबा, गोड़सेच् मुण्डरा । मुड़ जाना—ढुम्बाक् । मुड़ा हुआ—जोङगड़े, पोटोर, कुबा, काटबुच्, मुण्डरा, डोण्डगोत्, मोण्ड-गोच् । मुड़ा हुआ बाल—ड़ण्डगा ।
मुढ़ी	सं०	खाजाड़ी । मुढ़ी बनाना—खाजाड़ी-आताय ।
मूँग	सं०	मुङ । जंगली मूँग—बिर मुङ ।

मूँगफली	सं०	बादोम, चिनाबादाम। उदा :—मूँगफली जमीन के अन्दर होता है—चिनाबादाम को ओत भीतरी रे होयोक्आ।
मूँगा-पत्थर	सं०	मुँङ मिणापाथरा।
मूँछ	सं०	मोसी। घनी मूँछ दाढ़ी—बादरुम-सादरूम, बादरो-साटोब। मूँछ दाढ़ी मुड़ाना—मोण्डगोच्, मोण्डगोत्।
मूँदना	क्रि०	मुन्दा। आँख मूँदना—जानापीत्।
मूठ	सं०	मुटी, डाण्डीत्।
मूर्ख	क्रि०	बोका, बोदो, बेबुज, बोका, लेलहा, बेबाडाय, बोण्डो, मुखु, तोचा, भोचो, टोय-बाक्, उरबुदाहा, आलहुआ, आलुवा-बासुवा, आलदुनधा, आलदु-दाहा, आलदुनदाहा, चोनधो, घोसमोसिया, सोसेया, दुनधा, आलात्-ओलोत्, आलात्-बाकात्, आजबुज, आकेल-खाबार बुड़बक, बेकुप, बोम्बो, होहाक, निरबुद, होतो-बुद्धि, मुरखु, मुखो, ओरलो, ओनड-योत्, लाड़योत्, लोड़ो, बोलखोबा, कालो-बातो, हाँक्-हुँक्, आन्ता-बाउड़ा, कोरधोच्, बेम्बलाहा, बेमभा, आथबाहा, दान्दहा-दुन्दहा थाङगला—थुङगला, थोतो, थुङगला, तुईबुत्,

तुईगुत् । बुदु, गान्धुआ, उधार, आन्धरी, गोड़धा, थोम्बो, भुकु, गाधी, आन्धरा, आनडराब, ओनडरोच् जेटके गोंआर, फोचङगा, सोतयोते, तोयो, बेहुरमुत, डाटू, डाट-काप्, गाभरी (यह शब्द गाली में व्यवहार होता है)

मूर्ख होना—थोतो, होहाक् उल-बुलिया, धेज-ना-ढोङ ओन्ड-रोच् ।

मूर्ख बनना—छु्चकार ।

मूर्ख बनाना—होतो, बुद्धि, पाचक, टापी ।

मूर्ख जैसे घूमना—हेलवा-हिलवी ।

मूर्ख आदमी—आकेल-खाबार ।

मूर्खवत हँसना—हें हें, कोको ।

मूर्खता-बेबाहाय, बेबुज, दुनधा, आंत तोयो, चोंन्धो, आनधा, उलबुलिया, आलाग, बेजान ।

मूर्खतापूर्ण—कालोबात्तो, सीतुर-नागातार, बायात्-बुयुत् ।

मूर्खतापूर्ण बात—ओड़ाक्-न सिड़ाप्, आलबाट-सालधाट

मूर्खतापूर्ण हँसी हंसना—ही-ही हीही ।

मूर्खता पूर्वक—फुडुर-फुडुर, इनड-रोच्-ओनडरोच्, आलबाट-साल-बाट, पागाड़ ।

मूर्ख—दुनधी, भुचकी, थङगली ।

मूर्ति	सं०	गोठोन,मुठान, मुरहुत्, भादू, उमुल ।
मूल्य	सं०	दोरमाव, ढोक, दाम दामकाम, मोल, निरीक, दोरकाम, कूत ।

		अनिर्धारित मूल्य—बेवोज।
		मूल्य निर्धारित करना—ढोक, दोर-भाव, दोरमाराव, निरीक।
		मूल्य चुकाना—दाम-काम।
		मूल्य पूछना—दोरभाव।
मूल	सं०	गोड़ा, साबीक, मूल, बुटा, मुर।
		मूल राज्य—आन्डू।
		उदा :—यह इन लोगों का मूल राज्य है—नोवा दो नोकोवाक् आनडू दिसोम काना।
मूली	सं०	मुला।
		जंगली मूली—बिर-मुला।
		बरसाती मूली—बारसी-मूला।
मूसल	सं०	धुसरा, मसरा, तोक, साङ सोड़।
मूत्राशय	सं०	पुतु।
		मूत्राशय फूल जाना—बातुरी।
मूतना	क्रि०	पुतुय, राचाते, बाहरेते, आडो।
मेघ	सं०	रीमील।
		मेघा छन्न—दोन्धो, जोपसो।
		मेघाच्छादित—दोधो, मोन्धो।
		मेघाच्छादित होना—जालपुत्।
मेज	सं०	मेज।
मेट	सं०	चाला-बुला।
		उदा :—रास्ता बनाने के लिए उसे मेट बना दिया गया है—सोडोक बेनाव लागित् को चाला-बुला आका-देया।

मेथी	सं०	मिथी, आँवरा मिथी।
मेधावी	वि०	जामाजुता, आकिलान।
मेयाद	सं०	मेआद।
मेरा	सर्वनाम	इआक्, इअरेन, नीज, निजगुत।
मेरूदण्ड	सं०	मेरू। मेरुदण्ड (मवेशियों का चारही।
मेल	सं०	मील, मेल, मीत्, ठेन, मिली-जुली। मेल मिलाप—मिलाप, हेल-मेल। मेल मिलाप होना—मिलाप। मेल-मिलाप से रहना—होल-भोल मेल-जोल-हितपीरीत।
मेला	सं०	मेला, जातरा।
मेहतर	सं०	मेथोर, मेस्टेर, हाडी, जामादार।
मेहनत	सं०	मिहनोत। मेहनत करना—मिहनोत। मेहनती—छाटकान।
मेहमान	सं०	पेड़ा। मेहमानदारी करना—पेड़ा होड़ोक्।
मेहदी	सं०	मिहन्दी।
मेढ़	सं०	पीनढा सीम्दीर, पाँजची। मेढ़ बनाना—पीनढा। मेढ़ बाँधना—पीनढ़ा। मेढ़ तैयार करना—पाँजची। खेत की मेढ़ को ठीक करना—तुलाव।

मेढ़क	सं०	रोटे । बड़ा मेढ़क—बारूडाङ । पानी में रहने वाला मेढ़क—दाक्-रोटे । पेड़ पर रहने वाला मेढ़क—काट रोटे । बरसाती मेढ़क—पोकोत्-रोटे ।
मैं	सर्वनाम	इञ, आञ ।
मैथुन	सं०	देड़ काड़बोक, जागना । मैथुन करना—जागना । मैथुन योग्य होना—देनेड़ । हस्त मैथुन—हेतो ।
मैदा	सं०	मायदा ।
मैदान	सं०	टान्डी, धुटू, टीकुर, माट, मायदान, बासाड़िया, बिलान । मैदान जाना—टान्डी ते । मैदान होना—टान्डी । मैदान बनाना—डाङगाल ।
मैना	सं०	किसनी ।
मैल	सं०	आपतार, गानथार ।
मैला	वि०	मायला आङगाल आङगाल, काचार, दामायला, थोरोङ-थोपोङ, बेदेरोआक, बोसटो, मुसरा, काचकाच, बेसाफा, बेदेरगेच् मायला, सोरोङ-सोपोङ घोरोङ-पोतोङ, गोसरो, धुरूधुच्, धूम-धापोट, धूम-धारकान्ड, धूसरा, धोरपो, गारसीलोक गाबरो, गेसोट,

ढोसा-ढोसो, गेजोब, हिदरा-गिसरा, मुङगुर-सुतुच, होरोम-गारेम, मुँईगीच् धाबजड़े, धाधरी, बिकोल-बोकोल, (एक तरल पदार्थ के लिए)
मैला करना—एन एङगोल।
मैला होना—गादरूम, काँट, गादरूम, सादरूम धाड़ा, धुम-धारकान्ड, गेब-गेब, बिकोल बोकोल।
मैला पोतना—लेटा।
मैला लगा हुआ—होराम-गारेम।
मैला-कुचैला—गादरूम-सादरूम, धादरा-गुदरा, सीतुर-ना-गालार, हिदरा-गिदरा, ढोसा-ढोरो धूम-धापाट धूम-धारकाड, तागा-तुसा।

मोच	सं०	पोटोच्। मोच आना—पोटोच, हुड़जेत्। मोच पड़ना—बिचलाड।
मोचकना	क्रि०	फेनटोच्, माचकाव, हुंक, हुड़ेत्, दोरमोज।
मोजा	सं०	मोजा।
मोटर	सं०	हावा-गाडी। मोटर साईकल—फोटो-गाडी।
मोटा	बि०	भोंडा, भोगदोर, भोगाओ, भुण्डा, भुगाड़, भुकुर-भुण्डा, बेके-बेसडाङ, पोदलो, पाकुरसाक्, पोहलान, बाडगोत, बाडगा-बोडगो, बाडगाय-बोडगोय, जाइबाज, गोधड़ा, उम्बराव, गोधड़ो, उमबरा-उमबरी,

गोबो, रिया, धोदलो, एहेल-एहेल, कुटमेल, तुसकुच्, धुंदली, थुथमा, थोथोम-थोरोक्, थोम, थोरोक, दापात्, ओदगोड़, जारा-जार, कोथो, धाबाड़-धुबुड़, लोथरोक्, लोपसा, लोड़धो-लोमोक, लेण्डकेर, लुटकुम, रोडगा-रोडगो, रोतबोत्, रोथो, राटको, सामाय, लेहेजाङ, लोथरो, मानधास, मानधाक, बोड़ो, बोड़ो, इतीलान, इतील-बासील; इतील, इधोच्, ओथोच्, इबील, उदगुच्, उदुच्-उदुच्, उदड़ा, उमताव, उदुड़-धुमा, झागोर-बागोर, मुसरा, माटकू, साल-सालिया, मोटका, मोटको, मोटा, सुसुरटाक्, सीरात्, बारात्, आन्दडाङ-ओन्दड़ोङ, धादला, धुंदली, लेसकेर, दाड़ाङ-एड़गो, पोको-पोको, दुकुड़-दुमाड़, बिण्डीयाल, बोन्डयाल, पेतकेरेच्, लाधना, बोदगार, झुड़झाक्, तुरूवूम, दारुम, सारुम, ढोमसोल, दारिया, ढोलो, दीसनोर, होड़मो, गाबड़ुलाक्, छुक-छुक्।

अत्यधिक मोटा—ओबोक्-ओबोक्, भाकुम्भाक्, लेदेड़ेआक् लाटुमपाक्।

अधिक मोटा—लेगे साक्, लास-कोयाक्, इदि-ओदो, इबो-ओबो।

अधिक मोटा होना—इबो-ओबो।

बहुत मोटा—आदाड़-ओदोड़, ओदोड़।

उदाः—तुम बहुत मोटे हो गये हो—आम दो आदाड़ ओदोड़ेम मोटा आकाना।

मोटा होना—छुरछुर, लोभोक, फाण्डगार, ठेङमेज, ताजा लेण्डकेर, लुटकुष, जेल, ओदगोड़, थोथोम, थोरो, थुथमा, धोदको, गोघड़ो, उमबराव, उमबरा-उमबरी, उमुक, ओहलाल, राण्ड-भोगाद, कावड़ी, गाहा-गोहो, इतील, उदगुच्, उदुड़-धुमा।

मोटा बच्चा—लुसकुच्।

मोटा व्यक्ति—लोदगा।

मोटा डण्डा—मोटा-ठेङगा।

मोटा ताजा—मोटा-सोटा, लेद-गेच्, सालसालिया।

मोटा-तगड़ा—भुटाल।

मोटा-मोटी—मोटा-मुटी, मोटा-गुटी।

मोटा-गोल—गुडमा।

मोटा—गोलाकार-रोतबोल्।

मोटा धागा—थाकठा।

मोटा कन्धा वाला—कोन्दो।

मोटा और छोटा—थोसोम, थोरोक्।

मोटा और बड़ा—लोतोड़बोक्।

मोटा और नाटा—थोतोम-थोरोक्, रोथो, मुटका।

मोटा और सुन्दर—लोधरा।

मोटा तह लगा हुआ—जोड़धे।

मोटा कपड़ा ओढ़े हुए—गाहा-गोहो।

मोटा और आधा नंगा—ओन्दडोङ।

मोटा और भारी—दारया-दापाक।

मोटा और चिकना—कोन्दडोङ।

मोटा हेमचा साग—मोटा हेमचा आहाक्।

		मोटाना—दुकुड़-दुमाङ।
		मोटका—धुमड़ां।
		मोटका—मोटकी—मोटका-मुटकी।
		मोटकी—धुमसी।
		मोटाई—तील, बेड़।
		मोटाई अधिक होना—लेगेसाक्।
मोटी	क्रि०	ढुलकी, बिडगोय-बोडगोय, बोडगोय, बोगोय, पेदगोड़े, मुण्डिन, भिडगो-भोरो।
		मोटी लड़की-लुपसी, बोडगे।
		मोटी आँत—मोट-लाच।
		मोटी लाठी—मोटा—ठेङ्गा।
		मोटी गर्दन—गोरदोन।
		मोटी गर्दनवाला—कोन्दो।
		मोटी नाक वाला—मोटा मूँ।
		मोटी धार में बहना—हाड-राक्, बाड-राक्।
		मोटी तह—दारया-दापाक्।
मोताम-गोबर-छता	सं०	मोताम-ओत।
मोतिया-बिन्द	सं०	छानी।
मोती	सं०	मोती, मुती।
		मोती की माला—मुती, माला, मुङगा,-माला।
मोतीचुर	सं०	मोतीचुर।
मोम	सं०	सीतेत, मोम।
मोची	सं०	मुरचा।

मोर	सं०	माराव । मोर की बोली—हेयों ।
मोरा	सं०	बान्दी, मोड़ां । मोरा बांधना—बान्दी । मोरा अन्दर रखना—बान्दी-आदेर । मोरा को सख्त बांधना—चाक-माराओ ।
मोल-भाव	सं०	मुलाई । मोल-भाव करना—मुलाई ।
मोहक	वि०	सोहान ।
मोहनी	वि०	मुहनी ।
मोहर	सं०	मोहोर, छाप, मोहोर, छाप । मोहर लगाना—मोहोर, छापा, छाप्पा, मोहोर । मोहर लगा कागज—सीटाम-कागोज
मोहरी	सं०	बेड़ ।
मोहित	वि०	मालुङ, लोबधाव, मोङगोन । मोहित करना—जोबदो । मोहित होना—मालुङ ।
मोड़	सं०	आचूर ।
मोड़ना	क्रि०	आरगाटे, आटघाटे, लाटूम । पत्ती को मोड़ना—पेंपड़ेंत् । कपड़ामोड़ना—बीढ़ी । मोड़ा हुआ—एधे-बेधे ।
मौका	सं०	आत, दाव-धाव, धात ।

मौज	सं०	सुलाङ, हेसेच्-सकरेच् । मौज करना—सुलाङ, हांसी-खेला ।
मौन	वि०	दुनदुर, मुसाक्, थीर ।
मौरी	सं०	खुङगो ।
मौरुसी	वि०	माबरासी ।
मौसम	सं०	रीतु ।

य

यंत्र	सं०	जोनओ, जोनतोर । छेद करने का यन्त्र—धारड़ा । पशु को दागने का यंत्र—डाहनी ।
यत्न	सं०	जोतोन । यत्न करना—जोतोन ।
यथार्थ	वि०	जोथात, छानमान ।
यथाशक्ति	क्रि० वि०	भोरसोक, दाड़ेभोर ।
यथाशीघ्र	क्रि० वि०	आंडरोक्-सांडरोक्, तौनाक्-उसारा ।
यथा-संभव	क्रि० वि०	रोङका-रोबांत् ।
यद्यपि	क्रि० वि०	चाहे ।
यदि	क्रि० वि०	जुदी जानी ।
यमद्वार	सं०	जोम-दुआर । यमदूत-जोम-हुन्कार । यमराज—जोम-राज, हुदुड़-राजा ।

यश	सं०	जाँक-जोमोक, जोस, मान । यश प्राप्त करना—जोस । यशस्वी—डाकसारिया, माँहाँ ।
यह	सर्वनाम	हेते, नोक्ओय, हेने, निया, नुय, नोआन, निक्आी, नोआ, नाँहाँक्-आँय, नुक्उँय, इनी, इना, ओनान, एन । यह-वह—इनी-नुय, हाना-नाहवा, हाना-नोआ, राईया, हुनी-नुई, हिना-नीया, हेने-आनाक् । यह रहा—नुक्उँय, नोक्ओय । ये दोनों—नीकोन । ये सब—नेको, एनको ।
यहाँ	सर्वनाम	हेन्, नोनडे, नानडे, नेतेन नेतेतेन, होमान, होते, हेमान, आते, नेनडे, हुन, नाहाराडे । यहाँ तक—इन, निनाक्, निनाक्, हाबिच् । यहाँ का—नेन्डेन । यहाँ-वहाँ—चामका-चुमका, चाबाक्-चाबोक्, ओण्डे-नोण्डे, इहाँ-उहाँ, टायला-टूयला, एन्डे, नेनडेन, चिन्डका-चिलाक्, ठाँव-ठाँव, इन्देपार-उन्देपार, हिन्देपार हुन्देपार । यहाँ-वहाँ का—हानडेन—नानडेन यहाँ-वहाँ खोजना—ठानठाड़ातिब । यहाँ-वहाँ सभी स्थानों पर—एन्डे-नेन्डे ।
या	संयोजक	से, पारलेक, देहोन, होय, बाङखान, बारवाच् । या तो—होयतो, एक-एक ।

याचक	वि०	आकुतिया । उदा :—बहुत याचक व्यक्ति हैं आडोआकुतिया होड़ कानाय । याचना करना—दाड़, उछाव ।
याद	सं०	दीसा, उयहार । याद करना—उयहार, दारसाव, दीसा, एयाद । परस्पर याद करना—दीपिसा । यादगार—दीक्साबाक् । यादगारी के लिए रखना—दीक्सा-बाक् ।
यात्रा	सं०	जातरा, सोफोर, दाड़ान, साङ-गार । यात्रा करना—धाँस, दांड़ान, दाँवाँव, सोफोर, साङगार । यात्रा-सामग्री—सामबार । यात्रा के निमित भोजन-सातु-सामबार । यात्रा के निमित भोजन तैयार करना—सातु सामबार । यात्री—जातरी, राही, मोसाफिर ।
यीशु	सं०	इसा, जीसु ।
युक्ति	सं०	धाती ।
युग	सं०	पुसटी, जुग । युग-युगान्तर—तीरे-जुगे । युग-युगान्तर से—युग-चेतान, जुग ।
युवक	सं०	छोकरा, कोड़ा, छोण्डरो, राता, जामाट, कोड़ा, काजजेला, मीसी-जुवान । युवक(मनुष्य या जानवर)—छावड़ा युवक होना—ताल ।

युवती	सं०	कुड़ीं, कान्डा, दाक्, कुड़ी हारा-पापामून काअजेला।
युवा	वि०	कारकान्धा, आताङ-दोड़ोम, वेण्डकेल, डाटा-डुटू, मातात्र, सेंड़ा, रेसेत्। युवा होना—धीड़धाङ। युवावस्था—आँड़िया, टेला, धीड़धाङ। युवा वस्था प्राप्त करना—आँडिया, जुवान, ओकते, हारा पापामून। युवावस्था प्राप्त किया हुआ—हारा-राता, हिरोक्, होरोक्, हापामान, हाराझाका हारापापामून।
युरोप	सं०	इयुरोप।
ये	सर्वनाम	नीया, नीयाको, नोआ, नोआको। ये दोनों—इनकिन, निकिन, निया-किन।
येन-केन-प्रकारेन:	क्रि० वि०	बारो,-पोरकार।
योग्य	वि०	लेकमान, रावाँ, सीर, जोग, हेरेड़, एतोन, एपोतो, बारोटी पाञ्जारान, जुग, निपुण, पाकी, जाजीलमान, पाका, काजुवा, हिताव, जुलुथूर, दाड़े, जोमोक, ओसताज, लिण्डार लेकमान, ओ-आखेप, गाखुड़, चुलिया, उचित, माकुल, पाटीओड़, भाँवाँर, सोरेस, लोहानी, लेक, लेक—मान, मुराद, सुखू, लाकेर, साददी खेमोता। योग्य व्यक्ति—सारधारिया। योग्य होना—धेज, ओ-आखेप, पाटीओड़, गान, पाकी, हाराप्,

		साकती, लिण्डार, लेक, एपोतो, लाकेर, जोजाव, साद ।
		योग्य साथी—जोह ।
		योग्यता—जाजोलमान, उकती, लाकेर, साद्दी, सोआङ, ओड़ढोङ, धेज, खेमोता, लोट, साकती, ढोङ ।
		योग्यता प्राप्त करना—हिताव ।
		योग्यता होना—हेरेड़ ।
		योग्यता पूर्वक—जोआव, जोग ।
योगी	सं०	जुगी ।
योजना	सं०	पोनथा । योजना बनाना—पोनथा ।
योनि	सं०	डुडे-बाह्वा ।
यौन	सं०	बोटेतेत् ।
यौवन	वि०	हारा-राता, हारा-झाका, हारा-ताल, जुबान ।
		यौवन होना—हाराताल ।
		यौवन प्राप्त—हारा-पापाड़ून ।
		यौवन उभरने की प्रक्रिया—पीटकोल-पोटकोल ।

र

रंग	सं०	रोङ ।
		गहरा रंग—हेन्दे ।
		गहरा रंग का होना—हेन्दे ।
		रंगना—रोङ जोदबोदाव, ओेंत्, गिनडोर, गोनडोर ।
		रंग चढ़ाना—गाबाव ।
		रंग बदलना—ओरोन-फेराव ।

रंग होना — आराक् ।
रंगा हुआ — झीआनी ।
रंग-ढंग — रोङ-ढ़ोङ ।
रंग-बिरंगा — चान्द-बागाड़ ।
रंगिया-भदई धान — राङगिया, भादाय ।
रंगिया कलमी धान — राङगिया-कोलमा ।
रंग-विरंग — रोङ-विरोङ ।

रंगीला वि० हानआनिया ।

रईश वि० राईया ।
रईश-राईश, राईया ।

रक्त सं० मांयाम, खून ।
रक्त चन्दन — रोकोत-चोन्दोन ।
रक्त हीन — हामुस ।
रक्त हीनता की बीमारी — हामुस-रूआ, हाड-हामुस ।

रकम सं० रोकोम ।
अग्रिम रकम — सागुन ।

रखना क्रि० लादे, दोहो, बाय-ओरे, दोड़ोम, गुजजाव, उप्, गोजजाव, टीया ।
संचय कर रखना — दोहो-ओरे ।
तोड़ कर रखना — हेच्-दोहो ।
संरक्षण में रखना — जाबीद ।
किराये पर रखना — बाँहचा ।
अपने लिए रखना — मोरे ।
एक तरफ रखना — गुपत् ।

गुप्त रखना—गुपात् ।
अपने हाथ में रखना—डान्टाव ।
अधिकार में रखना—डान्टाव ।
नियंत्रण में रखना—डाण्टाव ।
नजर के सामने रखना—मेंत् रे दोहो ।
रखने वाला—आकाला ।
रखने वाला पदार्थ—दोक्होवाक् ।
रखवाला—राखादार, राखवाला ।
रखवाली करना—होरहो ।
रखा हुआ—ओरे ।
एक ही जगह में देर तक रखते हुए—ओगराव ।

रखनी	वि०	ओर-बोलो ।
रखार-रास्ता	वि०	हारचात्, होरचोत् ।
रगड़ना	क्रि०	हादराक्-मासराक्-रीगदाव, गासड़ाव, रागड़ा-रागड़ी, बेण्डेर कोचलाव, मारदाव, गायगाम, जोत, गासाव, रागड़ाव, रागदाव, रोगड़ाव, गास-राव, घासाव, इसकीर, घासराव, उरूत्, ओजोक्, खोयोत, हुरतिड़, पाइन्डाव, हार, रागदा-रागदी, राहाट-पाहाट, रीगदा-रीगदी जोद-बोदाव, दारड़ाव, खायोत् । धीरे से रगड़ना—गायुम, गाय-गुम । स्नान के बाद रगड़ना—ताम । हाथ से रगड़ना—काचटाव । रगड़ कर चमकाना—झाक-झाकाव । रगड़कर स्वच्छ करना—हुरतिड़ । रगड़कर साफ करने की प्रक्रिया—घासाव ।

रगड़ते हुए—रीगदा-रीगदी, घासा घासी, रागदा-रागदी।
रगड़धस होना—हादराक्-मासराक्।
एक दुसरे को रगड़ते हुए—गासरा-गासरी।
रगड़ाहट के साथ—हादरा-हादरी।

रचना	सं०	तोरजोमा। रचना करना—तोरजोमा।
रजिस्टर	सं०	राजेसटारी। रजिस्ट्री—राजेस्ट्री।
रण्डी	सं०	रान्डी। रण्डी बाज—राण्डबाज, राण्डी-बाज।
रत्न	सं०	रोतनो, पोदपोराम।
रती	सं०	रूती।
रतौंधी	सं०	आनधुवा, आनधा-आनधी, रातकाना, रातावन्दे। उदा :—रतौंधी के कारण उसको दिखाई नहीं देता है—आनधुवा, इयाते बाय जे जेला।
रथ	सं०	रौत।
रद्दी	वि०	झारोयाक्, रादी, रूदी। रद्दी होना—रूदी, झारोच्-झापोच्। रद्दी खाता—खोसड़ा। रद्द करना—रोद।
रन्दा	सं०	रोन्दा। रन्दा चलाना—रोन्दा।

रफू	सं०	जालाय, रोक् ।
रब्बी	सं०	राबी ।
रबर	सं०	राबोट ।
रम्भा	सं०	साबोल ।
रम्भाना	क्रि०	भोकराओ, वेभाव ।
रवादार	वि०	रोमबड़ो । रवादार सूखा गुड़—गितिल गुड़ ।
रविवार	सं०	आठवार, एतवार । उदा:—रविवार को हमलोग जाएंगे— आठवार, हिलोक् बोन चालाक् ।
रस्सा	सं०	बोड़ ।
रस्सी	सं०	लार, बाबेर । जोआठ की रस्सी—उमाधा । रस्सी को तानना—झींक । रस्सी को मजबूत करना—झींक । रस्सी को छड़ी से ऐंठ कर मजबूत बनाने की प्रक्रिया—झींक । रस्सी का अमेठन खुलना—भाँरूड़ । रस्सी कसना—गाक् । लपेटी हुई रस्सी—बुड़हु ।
रस	सं०	झार, रोस । ईख का रस—पानादाक । रसपूर्ण—रोझोक्-रोसोक् । रस-रस—रेसेत्-रेसेत् । रसदार—रोसगारिया, रेसेत्-रेसेत्

		रोबोच, साबार-सुबुर। रसदार होना—रोबोच्।
रसद	वि०	रोशोद।
रसाना	क्रि०	रासाव।
रसीद	सं०	रसीद, रासीद, फारफुती, दाखीला।
रसोइया	सं०	रानधानी, दाक्काइच्, आक्रोयीच्। रसोईघर—दाक्का ओड़ाक्, भात-आगार, बादमाराक्।
रहना	क्रि०	ताहेन, ठाटाव, आफोर, टाटाव, ताहें, थाम, बासा, बास-गाड़ी। फिर से रहना—काभाव। देर तक रहना—ठाटाव। रहने का स्थान और पीने का पानी—झाटा-उमुल तुम्बा, दाक्। रह जाना—आचार-बिचार, टाटाव आफोर, रेफा, रीफी, ताँहें, तामभाव टीकाव। रह रहा था—ताहेन। रह रहा है—ताहेन। राख होना—तोरोच् बीगीर।
राग	सं०	राड़, आड़ाङ। जंगली राग—बिर-राङ।
राज्य	सं०	राजोस्टी। राज्य काल—राज-पाड़िया। राज्य करना—राज-चालाव, राजोस्टी राज्य कार्य—राज-काज। राज्यपाल—लाट-साहेब।

राजकुमार	सं०	राजकुमार, बादशाहा, राजहोपोन, बाबूराय ।
		राजकुमारी—राजकुमारी ।
राजगद्दी	सं०	राजपाट, राज-सिहांसोन ।
		राजपाट—राज-पाट ।
		रहेगा—ताहेन ।
रहस्य	वि०	दानाङ, सुराग ।
		रहस्यमय—जाङ ।
		रहस्य पता लगाना—सुराग ।
रक्षक	सं०	सोनतोरी ।
रक्षा	सं०	ढ़ाल ।
		रक्षा करना—ढाल, जाड़ी, जान्तो, जाकाव, होरहो ।
राँगा	क्रि०	राङ ।
राई	सं०	राई, राय ।
		राई का तेल—राय-रूई सुनूम ।
राख	सं०	तोरोच्, डाही ।
		राख बनाना—तोरोच् ।
राजतिलक	सं०	राजतिलोक ।
राजदण्ड	सं०	राज-ठेङ्गा ।
राजदुत	सं०	राजपाठांवन, गोडेत ।
राजधानी	सं०	राजनाङगराहा, राजधानी, राजा-ओड़ाक्, दोङ्गोल, मोहोल ।

राजप्रतिनिधि	सं०	मोसोदी ।
राज पथ	सं०	राज-डाहार, राज-रास्ता ।
राजपुत्र	सं०	राजपुत ।
राजफुल	सं०	राज-बाहा ।
राजभवन	सं०	दोङगोल ।
राजमहल	सं०	राजदोलान, राजमोहोल । राजमहल धान—राजमोहोल होड़ो । राजमहल पक्षी—राजमोहोल पाखा ।
राजा	सं०	राजा, राज, लोबाब, रापाज । पाताल में बास करने वाला राजा—हुदुड़-राजा । राजा (आँख की पुतली)—राजास । राजा और जमीन्दार—राज-रापाज को ।
राजी	सं०	राजी । राजी होना—राजी, रूजु ।
रात	सं०	आयुप्, ञीन्दा । रात का भोजन—केदोक्, जानापीत्-आक् । रात दिन-सीञलन्दा, सीञलाय,-ञीन्दालाय, सीङगे सीञ-सीङगे-ञीन्दा । रातों रात—राता-रात । रात भर—रात-बिरात, आङगा-उटिच्, आङगा-आयुप् । रात भर भटकते फिरना—सारपाड़-आतीञ ।

रात गुजारना—एङोत्-आङगा।
रात होना—नीन्दा।
रात होने के बाद—आयुप्-ञुमबाक।
रात तक रखना—नीन्दा।
रात की रानी—(फूल)—रानी बाहा।
एक रात—एका-रातिया।
एक रात में—एका रातिया।

रानी	सं०	रानी।
रामचिरैया	सं०	किकीर।
रामायण	सं०	रामायोन।
राय	सं०	राई। राय (पदवी)—राय। राय देना—राई, गिस। आपस में राय—सलाह-मेपेन।
रावण	सं०	राबोन।
राशि	सं०	डुमहें।
राष्ट्र	सं०	हुदा। राष्ट्र का होना—हुदा।
रास्ता	सं०	आहार, होर, आत, राहा, रासता, बाट, बाटे, छुर, सेसाः सीक, धेर। पहाड़ी रास्ता—चाड़हाई। पानी का रास्ता—दाक्-सीर। कठिन रास्ता—हेंक। सकरा रास्ता—हेंक। गांव के बीच का रास्ता—कुलही।

चक्का का रास्ता—लिक ।
रास्ता खोजना—रीका ।
रास्ता खो जाना—झाक्-झाङ्क् ।
बिना रास्ते का—झाड़े पाताड़े ।
रास्ता बना देना—हें हेल ।
रास्ते से हटना—आयाक् ।
रास्ते से हटाना—हेरपात, लाको ।
रास्ता रहित—बेहोर ।
रास्ता होना—होर, डाहार ।
रास्ता बनाना—छुर ।
रास्ता बन्द होना—धुव-धुवाव ।
रास्ते से अलग—झाङ्क्-पाङ्क् ।

रास	सं०	रास ।
राह	सं०	राह, होर ।
		राह देखना—कोयोक्, होर ओल होर, आसरा, होरो-लाम्बेत्
		राह खर्च—सोमोल ।
		राह खर्च देना—सोमोल ।
		राहगीर—होरतेन, राही ।
राक्षस	सं०	राकास, रेंफ, बीरबन्टा, गोड़-मुँहा ।
रात्रि	सं०	औन्दा ।
		रात्रि भोजन—केदोक् ।
		रात्रि भोजन खाना—केदोगोक् ।
राड़	वि०	राडा, राड ।
राङआं	सं०	ताराके चाक् ,
रिक्त	वि०	खाण्डो, होड़होड़ ।

		रिक्त होना—सान्क्षो- ठात्-मानते । रिक्त करना—हान्दड़ाङ-होन्दड़ोङ ।
रिमझिम	क्रि० वि०	झिपीर-झिपीर ।
रिवाज	सं०	रीहाय, चोला, आरी-चाली ।
रिश्ता	सं०	नाता । दूर का रिश्ता—नाता-सुता । रिश्ता होना—नाता । रिश्तेदार—ओवारीस, नातासुता, सातार-गातार । रिश्तेदार होना-ओवासीस ।
री	संबोधन	बोय ।
रीठा	सं०	रीठा दोरे ।
रीति	सं०	धेर । अच्छी रीति से—साहील । उस रीति से—हानका लेकाते । रीति-रिवाज—चाली, दुड़प्-देङगोन, धारा-धारोन । लारधार, आन-आरी, आरी, चारी, आरो चलीत, लेग, लेग-चार राहा, दुस्तुर, सोला रेवाज, दास्तूर, साखा, बिधा । रीति रिवाज का अनुसरण करना—लेग, लेगचार, दुर-तुर रीति रिवाज न जानने वाला—ओलेग
रीढ़	सं०	बिसोजाङ, रीड़ । रीढ़ होना—रीड़ ।

रुई	सं०	तुलाम, रुई, कासकोम । रुई धुनना—पीतेत् । रुई निकालना—तुलाम ।
रुकना	क्रि०	तेङगोक्, तेङगोन, थिर, मेचकोक्, खेनते, टाङगाब । रुक जाना—टेरहे । जाकर रुक जाना—दीड़हेप् । रुक-रुक कर—तेङगो-तेङगोसे,धोड़-कोक्-धोड़कोक्, ठाम काव-ठामकावते । रुक-रुक कर चलना—हाजा-होजो। रुका हुआ—मेचकोक् । रुको—थुकुय, हापाय ।
रुकावट	सं०	आकोट, बेड़, धोड़ना, बेदोच, ठाक-ठेक, ढेंक-ढोक, ढेंक, जावहाड़, निसेद । रुकावट डालना—धोड़ना, गान्डे, छान्दा । रुकावट होना—उमाधा, एसेत्, ठाक-ठेक, ढेंक, जावहाड़, ताकी । बिना किसी रुकावट के—हाड़ा-हुड़ु ।
रुखड़ा	वि०	रोदोल, बन्दरा, रुखड़ा, चाचार-हात्, सीरगात, चागाय-चागाय, झारगोयाक । रुखड़ा होना—सीरगात्, बादरा-खोदरो ।
रुखानी	सं०	रुका । छोटी रुखानी—कुनो-रुका ।

रूखा	वि०	बेञ्जाक्-सेराक, मास-मासाव, रूङकू-जुडुङ ।
रूगड़ा	सं०	पुटका ।
रुचि	सं०	साद, रूची, रोच । रुचिकर—सुपोट, सेबेल । रुचि रखना—सोहाग । रुचि लगना—रोचाव । रुचि होना—सुपोट, रूची, रोच ।
रूनझुन	क्रि० वि०	हानार-झानार ।
रूठना	क्रि०	उसादोक, रोजरोज, रोस-रोसो, पोकोयआक्, रूख-पुठुच्, गाझाव, रूसाव, कोसोआक्, खाम-खुसुच्, कोस-कोसो, बेड़चोक, डुब-डुबी पीदराक, बेज-बेज, फुला-फुली, भेड़चोक्, तोम-तोम, कोस-कोसो, रूस-रूसु, रोज-खोज, रूठ -रूठी, होमोज-गोरोज हेड़चा-हिड़ची, मोच-मोचो, मोक मोको, लोटोआक, आड़ी, ढाङ-त्रासिया, खानास-खुनुस, पोकपोको । रूठ जाना—गाम-पाताव, बेड़-चोक् । रूठा हुआ—मोच-मोचो, मोक-मोको, लोटोआक्, इरा-इरी रूस-रूसु-रोस-रोसो, पोकोयाक्, पोकपोको, मोस-मोसो, आड़ी । उदा:—कल से वह रूठा हुआ है—होला खोन मित् आड़ी गे मेनाया । रूठी हुई अवस्था—कोसोयाक्, कोस-कोसो ।

रूदन	सं०	राक् ।
रूष्ट	सं०	उसात् । रूष्ट होना—बेडवा-बिडवी ।
रूप	सं०	रूप, मुठान ।
रूपया	सं०	टाका, लोट, दाम-दुड़ी । रूपया होना—टाका । रूपया कमाना—टका-आरजाव ।
रूमाल	सं०	उरमाल ।
रूल	सं०	राल, रूल ।
रूलाना	क्रि०	काण्दाव, आकड़ूव-ओचो, राँक्-ओचो ।
रूसी	सं०	उपीआँस, पोकलाहा । रूसी होना—पोकलाहा ।
रेंगना	क्रि०	लेब, टुनडाङ, रीमबा- रामबे, काबा, रायगाम, गायाङ मुयुङ । रेंगतेहुए—रागा-बागा, रूगुम-रूगुम । रेंगने की प्रक्रिया—बुकुत्-बुकुत् । उदा:—कीड़े रेंगते है—तेजो को बुकुत्-बुकुदोक् काना ।
रेकांकित	वि०	ओनोल, ओनोल-बोनोल, साल-साकाम । रेकांकित करना—ओनोल-बोनोल-ओनोल । रेखांकित किया हुआ—ओनोल-बोनोल ।
रेजगी	सं०	रेजेका ।
रेजा	सं०	रेजा, काड़मी ।

रेतना	क्रि०	रेता, काताय, गेत्।
		रेतने की ध्वनि—रेतो-रेतो
रेती	सं०	रेंत।
रेल	सं०	रेल।
		रेलवे स्टेशन—आपीस।
रेशम	सं०	लुमाङ।
		रेशम का कीड़ा—सोआले, जाडुय, लुमाङ-तेजो।
		रेशम का कोवा—लुमाङ।
		रेशम के कीड़े का प्रथम रोंआँ-टेका।
		रेशम के कीड़े का पीपा जो ठोस और बढ़ा हुआ हो—सीङगाड़।
रेशा	सं०	लाड़।
		रेशेदार—बाजा।
रेंड़ी	सं०	एराडोम, भेरडा।
		जंगली रेंड़ी—बिर-एराडोम।
		रेंड़ी का पौधा—एर-एराडोम।
		रेंड़ी तेल—आरन्डीक-सुनुम।
रैयत	सं०	पोरजापाती रायोत, पेरजा।
रोआँ	सं०	उप्, पालकुई, उफ्।
		रोआँदार—गोदरो-सोदरो, उप्-आन, होंदगो, चोपसा, राईगुम, रायगाम-रूयगुम।
रोक	सं०	उचाट, उटी।
		रोकना—उचाट, आठड़ें, आकोट, रोकाव, टेक, टेकाव, आड़बाङाव,

आसीड़, हेटे, बाझे, गाड़-गाड़ाव, डिगाव, ठाकेत्, ठामकांव, गुर-गुर, हाक-दामान, घोलटाव, हाँ-हाँक्, दाबड़ी, दाबड़-दाबड़ी, थामाव, टोकान, लुबेत्, हेडो, थुम, काटित, बारोन, एटेत्, तेड्गो, थाम, दोब, थाक-दामान, बानधी, धोलटा-धुलटी, गुडमुडाव ।

रोक लगाना—रोक, टाघेन, झामपा ।

रोक रखना—टेक, गाड़-गाड़ाव, रिकुप्, मोड़-मोड़ाक, तामार दाक् ।

रोकने का शब्द—हाँहाँक् ।

रोक-टोक—रोक-टोक ।

बिना रोक-टोक के होना—हाडगाय-आतिब ।

बिना रोक-टोक के—जाड़ाक्-जाड़ाक्

रोकड़	सं०	रोकोड़ ।
रोग	सं०	रोग-रोग-बीधीन ।

शरीर फूलने का रोग—भाराओ ।

रोग ग्रस्त—रेंहें-रेंहें ।

रोग से पीड़ित—रेंहें-रेंहें, रूगी, रूआ-जाबुन, जाड़ाव ।

रोग हटाना—टासाक-दोहरोम ।

रोग से छुटकारा पाना—टासाक-दोहरोम ।

रोगी—रूगी, राभुवा, बेनिरोपन ।

रोगी होना—जाड़ियाब, जोबड़ाओक्, रूगी ।

रोज	सं०	रोज, दिमाम, जावगे ।

रोजगार	वि॰	रोजगार, नालहा-तुमाक। रोजगार करना—रोजगार। रोज करने वाला—रोजगारीया।
रोटी	सं॰	पीठा, रूटी। रोटी बनाना—पीठाय। रोटी का टुकड़ा—आलाक-छोटाक।
रोडसेस (कर)	सं॰	रोडसेस।
रोना	क्रि॰	राक्, राब, आडराब, आरड़ाव, जेनेफेन कान्दना, आडाङ, गिरिया, आडरा-आडरी, राक् डेङगामेहनाव, बेबहाव, हेंक्, हाय-हिया तिज, आनडराच्-ओनडरोच्, रोदोन, गारजाव, एँक्माराव, तारा-गाराज। जोर-जोर से रोना—हुंक-हुंक, हुंकूर-हुंकूर। सिसकी भरते हुए रोना—हुँक हुँक, हुँकूरे-हुँकूरे। बात-बात पर रोना—आसकान्दना। चिल्लाकर रोना—हुकरा-हुकरी। रोना-धोना—रावना-झावना। रोने की प्रक्रिया—गारजाव, गोहरा-गुहरी। रोने में सहयोग देना—राक्-पाञ्जा। रोते-रोते—राक्-रागू। रोते हुए—एक मानते, राक्-राकते। सहज से रोने वाला—राङकीनी।
रोपना	क्रि॰	रोहोय। दूर-दूर रोपना—हिड़ा-हाडे। रोपा हुआ बांस—रोपा।

रोबीला	वि०	रोबाबिया ।
रोमांचकारी	वि०	चिरहाव, चाम-चाम, चाटो । रोमांचित होना—चाम-चाम, चाटो ।
रोशनी	सं०	जोल, मारसाल, जेडेर । रोशनी होना—जोल, डेच्-डेच् । जोरों से रोशनी निकलना—डिग-डिगाव, डाग-डाग । सुर्य की रोशनी—सीञ-मारसाल । चांद की रोशनी—तेरदेत्, मारसाल ।
रोहिनी	सं०	रूहनी । रोहिनी नक्षत्र—रूहनी ।
रोहू (मच्छली)	सं०	रूही ।
रोड़ा	सं०	रूड़ी, रोड़ा ।
रौंदना	क्रि०	लेबेत्, लिबेत्-लाहुत्, एन ।
रौब	वि०	रोबाव । रौब जमाना—रोबाव ।
लंका	सं०	लोङका ।
लँगड़ा	वि०	देञता, लेमपा, लेढोक्, लेढा, लेङगो, लाकुङ, खोड़दा, खोड़हा, खोंड़देत्, लेञ्चा, लेचोक, हुड़ताङ, हुड़जाङ, हेड़चाङ कुड़चेत्, कोड़धा, कोड़धेत् लेड़दोक्, काङगुच् । लंगड़ाना देञचोक्, लेडदोक, टेञचुल, टेञचुल कोड़धेत, कोड़धा, काङगुच्, कुड़चेत, हेड़चाङ, जाङगे, लेड़चोक, जाहुर-जाहुर, हुटेत्, हुड़चाङ, हुड़ताङ,

लेचोक, लेढचा, खोड़देत, लेडगो, लेढा, लेढोक, जिहा-जाहे, धाकुड़-धाकुड़, धाड़चुक्-धाड़चुक् ।

लंगड़ा होना—रान्दाय, लाकुड़, धाकुच्, बाकुच्, हुटेत् ।

लंगड़ा हो जाना—देजचोक् ।

लंगड़ा कर—चुकुच्-चुकुच् ।

लंगड़ाते हुए—धाडोक-धोड़ोक्, धाड़काक्, धाड़कोक, देजचोक्, देजचोक्, हुड़ताङ-हुड़ताङ, होड़जाङ होड़जाङ, हाडगुच्-हाडगुच्, दोड़ोक्-दोड़ोक्, धाकुड़-धाकुड, दाड़काक्-दोडकोक, धाडेत्-धाडेते, धाड़ुक्-धाड़ुक्, धाड़चुक् धाड़चुक धाड़कुक्-धाड़कुक्, देजचुक-देजचुक, धालुच्-धालुच्, धोड़ोक्-धोड़ोक्, हुड़ताङ-हुड़ताङ ।

लंगड़ाते हुए चलना—हुड़ताङ-हुड़ताङ,-हाडुच्-हाडुच्, धाकुच्-बाकुच, धीरोक् धोरोक्, हुटेत्-हुटेत् हुड़ेत्-हुड़ेत्, हेड़वाङ-हेड़वाङ ।

लंगड़ाते हुए चाल—लेडगा लाड़ेत्-जाड़ेत् ।

लंगड़ाते हुए होना—हेड़वा-फेचाङ ।

लंगी — सं० — काटा, जाङगा ।

लंगी मारना—डाड़ुक्, गाड़ता-पाटाक्, हांड़ांक् ।

लचकड़ — सं० — हुड़का, हड़काड़ ।

लकवा — सं० — भित्-काड़-गोच्, वायमारा, वान-मारा जोकोर ।

		लकवा मारना—मित्-काड़-गोच्, ओकोर ।
लकड़बग्घा	सं०	हाड़गार, पोटेया-तारूप ।
लकड़ी	सं०	काट, काट-माकोर, साहान ।
		बहकर आयी हुई लकड़ी—हाडी ।
		लकड़ी का टुकड़ा—गान्ढेत्-मुन्ढेत् ।
		लकड़ी का टुकड़ा काटना—खादी ।
		लकड़ी का लट्ठा—जोमसो ।
		लकड़ी का तम्मच—डोय ।
		लकड़ी का मज्जा—माँज ।
		लकड़ी का कोयला कईता, केड़े ।
		लकड़ी का कील—सावघारी ।
		लकड़ी की ढेर—कोड़ोय ।
		लकड़ी की बनी हुई—काट-माकोड़ ।
		लकड़ी के पटरे को मजबूती के लिए बुत्ती लगा कर बांधने की प्रक्रिया—जामीन ।
लगन	सं०	लोगोन ।
		लगन होना—लोगोन ।
लगना	क्रि०	आरूड़ी, बाबड़ा, लागाव, जोतोक् ।
		उदा०—किसी काम में लग जाओ—जाहान कामीरे आरूड़ीक् में ।
		पैखाना लगना—ओसोर ।
		लग जाना—जुम ।
		लगाना—लागाव, पेलाव, गोजाव, आच्-डोडो, आचूर, आचु ।
		लगा हुआ—जुम ।
लगभग	क्रि० वि०	देला, दीली, गान, ओना-वाताड़िच् ।

लगातार क्रि० वि० तासड़ा-तासड़ी, मित्-रोगोड़, मित्-लागाव, मित्-लागाव तातले, ताल-ताल, ताले तालपी, तेड़ेत्-बोड़ेत्, एक-राश्या, एक-ताल, एक-साड़िया, तेड़ोक, बेड़ोक् आकाड़ धाक, लाघेर, रीगोड़, रूबुच्-रूबुच, राटाराट, हड़ाहुड़ी, मुण्डा मुण्ड, काड़ा, काड़, ओसटो-पोहोर, जाराक, जाराक्, साहा-साय, राजाक-राजक, रूसुक रोगोड़, रोगोड़, टेङगेल, टेङगेत्, रोड़ोक, रोड़ोक हेरगोय हेरगोय, हुचुर-हुचुर, हिदीड़-दिकिड़, सीङरी, सादाय, धोल-धोल, सासारलाक, मासारलाक, बाङगोम, जाडाम-जाडाम जाण्डोम, जाण्डोम, सादाय, मोन्दाम, भाराड़-भाराड़, भाँड़-भाँड़

बोराबीर, पोयोड़-पोयोड़, पाड़नी, भोक्-भोन्दाड़, घेर, बेर, उमुर-सन्डूच्, जिरो-जोरो, दारा-दारी, जाबके, जाव, तुलपी, गाराक्-गाराक्, फाँके-फाँक, झाड़ ।

लगातार बकना—भोचोर-भोंजोर ।

लगातार बक-बक करना—भाड़-भाड़ाओ ।

लगातार होना—हेज-हेज, हाक्-हुक, हेसेर-हेसेर, रोगोड़, हेतो, हुपुच्-हुपुच्, हुच्-हुच् ।

लागतार रोना—हेज-हेज, हेजजेत्-हेजजेत् ।

लगातार बोलना—फेदफेदाव, गेदे-गेदे

लगातार चलना—होटोङ-होटोङ।
लगातार ज्वर होना—रोपो-रोपो।
लगातार हलका ज्वार होना—रेङ-गोस रेङगोस।
लगातार खाना—रासुवा।
लगातार घुमना—डोकोय-डोकोय।
लगातार थप्पड़ मारना—थापा-थापी।
लगातार छींसी पड़ना—रीबिच्-रीबिच्।
लगातार मेघ गर्जना—ठेर-ठेर।
लगातार खुजलाना—जासुर-जासुर।
लगातार आना-जाना—लागले-मार।
लगातार काम करना—हेब़जेत्-हेब़जेत्, हेडले-गोडले।
लगातार पुकारना—दाराक्-दाराक्।
लगातार मुँह जलाते रहना—लाड़ो-चाको।
लगातार लगे रहना—जारा।
लगातार दस्त—सिरोच् सोरोच्।
लगातार वर्षा—रोडोक्-रोडोक्।
लगातार भोजन—सेरे-गोरे।
लगातार रहने वाली बीमारी—टान-रूआ।
लगातार टपकने की प्रक्रिया—जोरो-जोरो।
लगातार काम—आकाड़, थाक-कामी।
लगातार काम करने वाला—सैले-गामी।
लगातार काम करने की प्रक्रिया—

		डुकुत् डुकुत्, झाकझाक, झाटका, लातिम । लगातार काटते हुए—रवाबाल-खाबाल । लगातार हँसते हुए—खाबाल-खाबाल
लगान	सं०	लागना, खाजना बाहरी ।
लगाना	क्रि०	ओडाव, जिलेत्, आचु । उपज लगाना—चाहुवा । लगा हुआ—जामड़ि ।
लगाम	सं०	लागाम ।
लगाव	सं०	जोनोड़ ।
लघु	वि०	जेलपेत् । लघु यात्रा-जाँत । लघु शंका—तुक्बा दाक् । लघु शंका करना—राचा, राचाते, बाहरेते-पुतुय ।
लच्छी (सुत की)	सं०	फीटी ।
लचक	सं०	तो ार, टानाव । लचक दार—चाकमाक, चेमकेच् । उदा:—वह लड़की बहुत लचीली दिखाई देपी हैं—छनी कुड़ी आडी चेमकुच्ए के लोक् काना । लचीला—लीपसा, तावकार, लापरा, लिचाड़, लिबरा, लेवा लचीलोपन होना—लिबीच् लेवा । लचीला होना—लिचाड़, लिबरा, लीपसा, तावगार ।

लज्जा	सं०	दावराती, लाज, बाम्दा, सोरोम, हाड़ैया-गाड़ैया, गाड़पाच्-गुड़पुच्-लाजाव । लज्जा करना—हाड़ैया-गाड़ैया । लज्जा होना—ओजोस । लज्जालु-सोरोमिया । लज्जा या डर से छिपे हुए—गारगाच्-गुरपुच् । लज्जा स्पद—बिभोरोन, छाय-छाय ओजोस । लज्जित—सोरमा-सुरमो, दावराती, भानुबा । लज्जित करना—दापोड़माङगाल- ।
लट्टू	वि०	रोतबोत् ।
लट्ठा	सं०	लोड़े, जेर, लोट । लट्ठा करना—चेपठे । लट्ठा के समान—दोन्दकोड़ोक् ।
लट्टू	सं०	बुज बाम्पा, भुबाम्पा ।
लटकना	क्रि०	टोकोर-टोकोर, टावाक्-टावाक, टासका-टाकुर, लेबाङ, ढीलवाङ, झीआङ, टामकुर, टाङकुर, गाबार-गाबार, झालुई-झालुई, झाङकुर, झालुर, लाटकाव, झिङका, झाकुर, झालुङ, डिबाङतीकोर, तोकोर, टाबाल-टाबाल, लापुर, टीया, टाबाल, तासेर-टीबाल-टाबाल । लटकता हुआ—लिड़बाङ, लेबाङ, झालार-झलुर । नीचे तक लटकता हुआ—जोहोर ।

गुच्छा में नीचे लटकता हुआ—झामका-झाकुर,टमका-टाकुर ।
लटकते हुए—डीआड़, डीआङ, टीवाल, टावाल, टावाल-टावाल, तोकोर-तोकोर, टीयाल, टीयाल, टीकोर-टोकोर, लेवाङदागाव, दागाव, टावाक्-टावाक्-झिङका-झाकुर ।
लटकाना—टीया, डीआङ-डीआङ ।
बहुत नीचे तक लटका हुआ—जोहोर-जोहोर, जोहोक्-जोहोक् ।
लटका कर ले जाना—टोङकोर ।
लटकाते हुए—टावाल-मानते ।

लटपट वि० लाटपाटिया, लाटपाट ।
लटपट होना—लाटपाटिया, लाटपाट

लठलठ वि० जाटाङ ।
लठलठ होना—जाड़धुम ।

लठैत वि० लाठीआल ।

लड्डू सं० लाडू ।
लड्डू बनाना—लाडू ।

लत सं० खोर ।
लत लगा हुआ—बोहोन ।

लता सं० नाँड़ी, आसेर ।
लत्तरदार सिरिस—नाँड़ी-सिरिस ।
विशेष प्रकार के लता:—पुटकीमाला, जाय-नाँड़ी, हेहेंल, बोदलाड़, बुढी-गासिच्, केदार, नाड़ी, दुधी लोटा, हाड़जोड़ा, आटकोर ।

विशेष प्रकार के वन लता:—
कावेत्, गोद, डिम्बु, सादोम-लोदोड़ी,
हाँडू आँबार, सीसु-गोद, माधुरलोता
गुरली, झीमबरिया, तेजोमाला,
तुरुलोता, तुरूझीता, आटेन ।
विभिन्न प्रकार के लत्तरदार पौधा—
नाँड़ी-कांसी, गुयहा गान्धारी ।

लथपथ | वि | थोको-बोको, झाबार, झुबुर ।
लथपथ होना—थोको-बोका ।

लदना | क्रि० | लादेक् ।
लद जाना—बाबा, लादेक्, चोधक्
देजोक् ।

लदर-लदर | क्रि० वि० | गुड्दुम-गुड़दुम ।
लदर-फदर पहना हुआ—झादेच्-
झादेच् ।

लन्दफन्द | वि० | नुनदी-फुनदी, नोन्द, फोन्द, आवड़ी-
पाथावड़ी ।

लस्सी | सं० | लेटो, लावसी ।
लप्सी बनाना—लेटो ।

लपकना | क्रि० | लापका, खापचाब, खामचाव, लोका ।

लपेटना | क्रि० | साप्पाक, गाड़हा-गुड़हा, गाड़िया,
गुड़िया, वेदहाव, गड़हू, गाड़गुड़हा,
गुड़हे, सामटाव, ओयो, मेड़हाव,
ओयो-आँड़गो, पेपड़ेल, बाधो ।
कमर में धोती लपेटना—पाठे ।
धागा लपेटना—बाँबडे ।
गोलाई में लपेटना—गुडिआव ।
लपेट कर—गाड़हा-गुड़हा ।
लपेट कर रखना—पोटोम ।

लपेटा हुआ—पोटोम, गाड़िया-गुड़िया, गाड-गुड़हा, साबू-पाँक, एधे-बेधे, गुड़हे ।

लबनी सं० लाबनी ।

लबड़ा वि० लाबडा ।

लबादा वि० जिहोर-जोहोर ।

लबालब क्रि०वि० पें पें, टेम-टेड़ेम, चेहेल-चेपेल, चेपेल-चेपेल, चेर्म-चेड़ेम, चेड़ेम-चेड़ेम, टुब, टुबाव, टुब-टुलाव, टेड़ेम-टेड़ेम ठोल-ठोलाव, चूरू-चूरू, चूरू, चामका-चाडुर, टुङ-टुङ, टुङुङ ।
लबालब भरना—सारेड, टोम टोम बाव ।
लबालब भरकर गिरना—सारेड ।
लबालब भरा हुआ—टुङगाव, टुब-टुबाव, टुङुङ-टुङुङ ।

लम्पट वि० भाड़ुआ, मिरोड़ा, छिनार, लुडर-लुडुर, लामोट, छिनारी ।
लम्पट होना—लामोट ।
लम्पटाई से करना—हारूआनिया ।

लम्बा वि० लाङ, जेलेञ, जाबार, रोङ्कोड़, बोयोल-लोयोल, लेञलेञ, लुङ, लाड़गा, बायला, आकाट, रोयला, लोञबोञ, लाङकू, बोय-बोय, बोलो-बोलोच, गादी, लोयहोर-लोयहोर, लोयहार, काड़जा, डायला, लाडका, डाबका, रायका, डाडका-डाडाक, राकडाक, रीओल-रोयोल, लाक-

धाँमिया, लोयतोड़, राडगो, राट बाङ, लोड़ो, सीसोआर, होत-होतो, रावका, दाँयोंक्-दाँयोक ।
बहुत लम्बा—ढाङका-ढाड़ाङ, टाङ-टोङ डोङ-डोङ, डाङ-डाड़ाङ, लोयोड़, दाँयाँक् ।

अधिक लम्बा—दावला ।

लम्बा खम्भा—लाकठा ।

लम्बा डण्डा—लाकठा डाङ ।

लम्बा पैर वाला—टामपा-टुड़ा, खाड़कू

लम्बा बाल—आसुम-दारूम, चौंवरा-भाँओरा, धालुय-धालुय ।

लम्बा बाल वाला—धापरा, रामधू ।

लम्बा चौड़ा—हाहुरपाक्, ढालका, बियोल-भोयोल ।

लम्बा-लम्बा—दाड़गू ।

लम्बा और दुबला पतला—भोयला, काड़जाङ, तोरेआँड़, टुईला, काँयुड, सायला-बोयला, सोड़ोसोच्, टाटाँड़-बाङ काकाड़ाङ, लाड़लाड़िया, लोड़ेया, रूई-रूई रूत्-रूत् ।

लम्बा और तेज—सोयगा ।

लम्बा और चिकना—लेनबोज ।

लम्बा और सुन्दर—छायला, धामेला ।

लम्बा और मोटा—भोड़ो-भोच, भोन्दोड़-भोच, भेटेला, दोदोघोक्, लाड़ाङका, हाहाड़दाङ ।

लम्बा और काला—टाबपुर ।

लम्बा और संकीर्ण जमीन—लोड़ो ।

लम्बा और पतला पेड़—रोतलेत् ।

लम्बा और ऊँचा—रुइला, डोङ-डोड़ोङ ।
लम्बा और सीधा—रितिड्हीच्, टोयटोय, तोरेला, तारनगोड़, सारहाड़ ।
लम्बा और नीचे झुका हुआ—काड़बाङ-कुड़बाङ ।
लम्बा होना—रितड्हीय, जेलेज, तोयहोर, रोयोल, लोयतोड़, रोयला, लाड़गा, उसुल ।
बहुत लम्बा होना—डोक-डोक, डोङ—डोङ ।
अत्यधिक लम्बा होना—दाँयाँक्-दाँयाँक् ।
लम्बा चौड़ा होना—हाहुरपाक्, दोड़ाक्-दोड़ोक् ।
लम्बा करना—तोयहोर, तारनगोड़, तोयार, टानाव ।
लम्बा बनाना—गोतोच् ।
लम्बा चौड़ा मैदान—चाउकान ।
लम्बा—(दुबंल)—बोइला ।
लम्बा निकला हुआ बोकबोको ।
लम्बा डेग लेने वाला—जाकुड़ ।
लम्बा-लम्बा कदम—दाँयोक्-दाँयोक्, चाहाल-चाहाल ।
लम्बा लम्बा कदम लगाकर—टाम-बुच्-टामबुच् ।
लम्बा सींगवाला—रायला ।
लम्बा और मोटा सिंगवाला—राईका, राईला ।
लम्बा और बीना बीज कोष वाला

मकई का पौधा—सार ।
शरीर या किसी चीज का लम्बा हिस्सा—पोर ।
लम्बा रूखा केश—रागुई-सागुई ।

लम्बाई	वि०	आल, जेलेब । लम्बाई में छोटा—कोटोङ । लम्बाई में छोटा—गोंरतोड़ोच् ।
लम्बित	वि०	सीदुप । लम्बित होना—सीदुप् ।
लम्बी	वि०	कुईली, रूईली । लम्बी लड़की—हाङकी । लम्बी दाढ़ी—सोदगो, गोदोर-गोचो, गोदरो सोदरो । लम्बी बढ़ी हुई दाढ़ी—गीदोर-गोदोर लम्बी नाक वाली—दोर-दोर । लम्बी मूँछ वाला—राइला । लम्बी सिंग—रावका । लम्बी और पतली—ढाङकुड़, टुइली लम्बी और पतली छड़ी—रोतलेत् । लम्बी एवं चोखी सिंग—सुईला । लम्बी एवं चोखी सिंग वाला बैल या भैंस—सुईला । लम्बी-चौड़ी बातें करने वाला—चाइचापाड़ । लम्बी मोटी सुडौल शरीर वाली—दोहाड़ा ।
लम्बोदर	वि०	ओहजार, गोबले, पोटेया, ओबरा होजरा, हुजहुजू, डोबेया जोतो, ढाम्बासाक्, लोबोझोर, जाहा-जोहो,

		लेदड़ेत्, रुटरुट्, हापुसकाक्, ढाबुस-बाक्, रुटीयुत, गाबड्-लाक, राबो-सकाक्, पेटेओत्, मोटालाच्।
ललकारना	क्रि०	तावीच्, ठेपो।
ललचाना	क्रि०	उराल, बुलाब, हारहाव, उरुञ-उरुञ।
ललाट	सं०	चान्दी।
लवण	सं०	बुलुङ। लवणयुक्त जमीन—जेरकाहा। लवणयुक्त मिट्टी—लोना। लवण युक्त होना—लोना।
लस्सी	सं०	लापर्सा, लेटो।
लसकना	क्रि०	जेटके, लासराव, लेबजेदोक्। लसकने वाला—जेटके। लस-लस—काच-काच, रोसोक्-रोसोक, चिट, जेगेच्-जागुम। लसलस होना—गाजनाक।
लहकना	क्रि०	ढाबडाव, डाग्डागाँव, दाहङगाव। लहकते हुए—दागाब-मानते, दुगुर मानते, डाउ डाउ, आगाव मानते, बायात्-बुयुत्। लहका—खोरा। लहलह—दाराङ दाराङ, जाराल-
लहँगा	सं०	पाड़हाँन्ड, साया, काचनो। लहँगा पहनना—काचनो।
लहठी	सं०	लाहटी।

लहराना	क्रि०	हिपीड़-हिपीड़ ।
लहलहाना	क्रि०	लोमनो । लहलहाता हुआ (साग)—डागडाग, डाहू-डाकार, दाराङ, हुरुम- हुरुम । लहलहाया हुआ—दाराङ-दाराङ ।
लहसन	सं०	सिल-झान्दो, जेरेत, दाग ।
लहसुन	सं०	रासुन ।
लहू	सं०	मायाँम, रोकोत ।
लक्ष्मी	सं०	लाछमी ।
लक्ष्य	सं०	बेझा, जोस । लक्ष्य करना—हाबाक् । लक्ष्य लगाना—बेझा, धात-धाताब । लक्ष्य साधना—हाबाक् । लक्ष्य प्राप्त होना—जोस । लक्ष्यहीन—आजारे, धोक-जीबा । उदा :—जवानी में हम खूब लक्ष्य-हीन घूमे—डाङगबा भोर-इञ आजारे केदा ।
लक्षण	सं०	पोयान ।
लड़का	सं०	कोड़ा, कोड़ा-गिदरा, छोन्डा, होन, उले-सीञ । लड़कों का एक नाच-सोंगोय । लड़का-लड़की—धाङगड़ा-धाङगड़ी, कोड़ा-कुड़ी । लड़कपन—एहेल-येकेल, गिदरा, हुडिञ ।

लड़की	सं०	थुरिया, उखुड़, कुड़ी, माकू, पाकू, माई, छन्डी छकरी छोटी लड़की—छुकरी। लड़कियों का छोटा बाल—तुलपी।
लड़खड़ाना	क्रि०	थालाक्—थुलुक्, थालुक्, थापुक्, थायोत्-थोयोत्, थामाक्-थाकुड़, थापो-थापो, थापाक्-थपुक्- थाराम-थुरूम, थुलुक्-थुलुक्, टाहुप्-टाहुप्, टाल-मालाव, टीमपा-टाड़े, आगाड़-ओगोड़, हाड़ाक्-पाटाक, थाकाड़-थोकोड़ सोमबोत, तारोत्, लुकुर, लुकुरोक, लाधाक्-लुधुक्, रूकुन-तुकुन, तोलसाड' लिडा-लाडे, हिलोड़, होकोच, जाहुर-जाहुर, ढोया-ढापे डेवेत्-डेवेत, रीब-रींबाव, जाजडो, लुधुर, दाँहाँच्-दुँहुँच्, तेवड़ा-तिवड़ी, हालुच-बाकुच, डेलेम, डेलेम, डिला-डाले, राकान-रूकुन, धुट-धुट, तोरसोत-तोरसोत्। ठेस लग कर लड़खड़ाना—तोहोत्-होरोत्। लड़खड़ा जाना—एड़गेजाक। लड़खड़ाकर—काडाङ-कुडुङ, सोबोक् कोयोक् धुलुच्-धुलुच्-टीमपा-टाड़े, किन्ड़ा-कान्डे, धाञजड़े, धाञजड़े, धीचा-धाचे, थामाक्-थाकुड़, चिपा-चापे, धुट-धुट, घिट-धिट, डाकाड़-डुकुड़। लड़खड़ाकर चलना—हाड़ाक-पाटाक, आगाड़-ओगोड़, हिड़ोच-डोकोच्, हालुच्-बाकुच्।

लड़खड़ाकर गिरना—सोमबोत् लोरभा-तुकुच्, तेहेम-तुकुक् ।
लड़खड़ाती चाल—दालचाङ-दुलचुङ ।
लड़खड़ाते हुए—थापाक् थुपुक्, डीकोच्-डोकोच् रूकुन-तुकुन, तीर-सोत् तोरसोत् जापाङ-जुपुङ थाराम-थुरुम, हिड़ाङ-ठापाङ, लाधाक-लुधुक् डेलेम-डेलेम, तोहोत-होरोत, दालाच्-दुलुच् दाँहाँच-दुँहुँच, तेवड़ा-तिवड़ी, बित-बित् हीलो-डीलो, बित-बिकोच् ताहाम-तुकुच् चाचो, राशाच् रुबुच् राकान-रूकुन, हाडुङ-पाटुङ ।
लड़खड़ाते हुए उड़ना—लिपा लोपो
लड़खड़ते हुए चलना—थोयोत्-थापोत, थालाक-थुलुक्, हिलोङ, होकीच्, टाहुप-टापुच्, लिड़ा-लाडे ।

लड़ना	क्रि०	लाड़हाई तापाम, गाड्या-गुड्या, जानमाल अपेत । जोर-शोर से लड़ना—धाटा-धाटी, धाटाँ मार । लड़ते हुए—हुड़ा-हुड़ी ।
लड़ाई	सं०	बिगाड़, लाड़हाय । लड़ाई करना—लाड़हाय ।
लड़ाक्	सं०	चोरठा, लाड़ाङका, लाड़ाङकार ।
लाइन	सं०	थार, लैन, लायेन । लम्बी लाइन—गेन्तेगेत, तोच्-तोच् ।
लाक	सं०	लाही ।
लाख	वि०	लाक ।

लागु	सं०	जारी, लागु, एहोप् ।
लाचार	वि०	आलाचार, खोरोंयठो, नाचार, लाचार, आराच्-अ‌ुरूप् । लाचार दिखना—दायागे । लाचारी अवस्था में होना—दायागे ।
लाज	सं०	लाज ।
लाट्टा	सं०	दुनी, टेना ।
लाठी	सं०	हापा, टेङगा, पाँयड़ी । लाठी मारना—टेङगा-हीङगी, दाल, लाड़ाई । लाठी बचानेवाली लाठी—लायड़ी ।
लात	सं०	थाईया लेबेत्, कोलसा । लात मारना—थाईया-भेंड़सा, लेबेत् । लाता-लाती—थाईया-थाईयी ।
लाद	सं०	लादावड़ी । पीठ में लाद कर—गुगु-गावला । पीठ पर लादकर ले जाना—गुगु ।
लादना	क्रि०	लाला, दाड़, लादे । पीठ में लादना—गुगु, गुगुक् ।
लाना	क्रि०	आगु, आगुय, गेमेर । उदा :- वह पानी लाने के लिए गया है—दाक्-आगुय चालाव आकाना । जाकर लाना—दादराम । सब कुछ लाना—आगा भुरा । अपने साथ लाना—गाँड़ा । लाया—यानाकोय (यह प्रायः गीतों

		में प्रयोग होता है) ।
		लाकर जमा करना—तोड़ोङ ।
लापता	सं०	आत, आनठिकान ।
		लापता होना—उलटी-बाट ।
लापरवाह	सं०	बिठीया, ढीमालिया, पुहाड़िया ।
		लापरवाही—बेंण्डकेन ।
		लापरवाही पूर्वक—बैंठना साड़पोयाक् ।
		लापरवाही के साथ जीवी—तेवेन ।
लाभ	सं०	बारफाय, बाफा, पारापात, जो,
		पोरहो, नाफा, लाफा, पारभाइ ।
		लाभ पहुँचाना—बाफा ।
		लाभ की आशा से धन लगाना—
		लागती ।
		लाभप्रद—काजुवा ।
		लाभ रहित—बेपोरहोआन ।
		लाभदायक होना—गान ।
लायक	वि०	लेकमान, लेक ।
		लायक होना—लेकमान ।
लार	सं०	उलीदाक्, फोको, राला ।
		लार टपकना—सेरेड़ ।
लाल	वि०	आराक्, राङगो, राङगिया, राङ-
		राङ ।
		लाल रंग-हिङगू ।
		लाल रंग की मिट्टी—टिरोम-हासा,
		गामछाहासा ।
		लाल तप्त आग—हुरूम-हुरूम ।
		लाल धब्बा लगना—गामछा ।

लाल रंग से रगना---गामछा ।
लाल लकड़ी छत्ता---आराक्-काटओत् ।
लाल पानी---नागी गान्डी दाक ।
लाल सिन्दुर--- आराक्-सिन्दुर ।
लाल कुदरूम---आराक-बाबबाड़ो, आराक-कुदरूम ।
लाल झाबार---आराक-झाबार ।
लाल गिरगिट---आराक काकड़ा ।
लाल कमल---आराक्-उपाल ।
लाली---आराक बोरोत्-बोरोत् ।
गाहरा लाल---गोरोअज-गोरोअज, हाग-हाग ।
गहरा लाल रंग---जोरोङ ।
अधिक लाल रंग होना---जोरोङ-जोरोङ ।

लालच सं० हारीदार, दारदाहा, लालोच ।
लालच करना---लुभी, हार-गुजुक ।
लालच कराना---एड़ो, हार दोक्, एड़ेम-एड़ेम ।
लालच दिखाना---एड़ो ।
लालच देना---लीलकार ।
लालच पूर्वक---घाटावा-वाटवी, सोभरा-सुनरी, मेलाङ-चटाङ, मेरेल-मेरेल, मेले-मेले, तागुड़-नागुड़ ।
लालची--- दारदाहा, दारीदार, आकलाहा, पेटासती, आकालिया, ओलाङ-मोचाङ, हाबादिया, हाही-दुन्दी, हार-गुजुक्, लालोचिया, लाबार-आङगरा, खाँक, भुसका, लुभी, लेबड़ा, पीटुक, पेटलाहा, खाधा ।

लालची होना—ओलाङ-मोचाङ-आँकोक्, हारदोक् ऐलेम-चोलेम, हाहुत।
उदा :- (१) वह बहुत लालची है—आडीय आकलाहा गेया।
(२) तुम बहुत लालची हो—आडो तेत् एम आकालिया गेया।
अति लालची—हाहे दान्दे।
खाने में लालची होना—खावा-खावी।
लालची जैसा खाना—ताहुड्।

लालसा	सं०	दारीस् लोचोर।
		लालसा रखना—जुग जिताव, जीवी जोम, आरखा आरखी, हारखाव।
लावारिस	वि०	बेहिरला।
लाश	सं०	माँड़ी, लाहास।
लाह	सं०	लाही।
		लाहिया कीड़ा—लाहिया।
लिंग	सं०	आरगाँव, आङगाव, एन्ड।
लिखना	क्रि०	ओल, ओलोक्।
		लिख लेना—ओल-आदेर।
		लिख कर—ओल-सीत्।
		लिखित—ओलाक्।
लिखावट	सं०	ओल, हारोप।
लिपिक	सं०	मुहुरी।
लिफाफा	सं०	खाप, लेफाफ।

लिपटना	क्रि०	गोढ़हे, गुड़हा, किड़िया-पाट, बेदहा-ओक, हाड़ूप, गुड़-गुत् । लिपट जाना—गुंगलू । लिपटा हुआ—किड़िया-पाटे, पोटी ।
लीपना	क्रि०	पोताव, जेरेड़ । गोबर से लिपना—कुकार, गोमान, गेच्-गुरिच्, छोच्, गुक्-रिच्, छोच—गोबोर, थोतराम, ओदहाओ । लीपना-पोतना—इरची-ओड़ोक । लीपाई—जेरेड़ ।
लीला	सं०	लीला, लोहोक । लीला करना—लोहोक ।
लुंज	सं०	तीअ-ना-जाङगाअ ।
लुकवारी	सं०	डुण्डुक । लुकवारी से ढूंढ़ना—डुण्डुक ।
लुका-चोरी	सं०	ओको-ओको-एनेच्, चोको-वोको-एनेच् । लुका-छिपी खेल—ओको-ओको-एनेच् ।
लुघड़ना	क्रि०	हाड़बाङ, हुड़बाङ पेड़साङ ।
लुच्चा	वि०	चोआड़, लुचा, मांगोड़ ।
लुण्डा	सं०	गासके ।
लुप्त	सं०	हाड़, ओको, निअझाव । लुप्त होना—निअझाव ।
लुभाना	क्रि०	उराल, भुलाव, बुलाव । लुभाये रखना—लोबधान ।

लुड़कना	क्रि०	गुड़गाव, गुड़दाव, गुबराव, दाड़ा-दोड़ो, हाडाक् गुड़गुड़ाव, सारा, धाड़-धाडाव, गाड़दा-गुड़दा, गाड़गुड़, डाकाप्-डुकुप्, गुड़गा-गुड़गी, डाकाड़-डुकुड़ । लुढ़कते हुए—गाड़दा-गुड़दा, गाड़गुड़ । लुढ़कते-लुढ़कते—ओलढ़ा-उलढ़ी । लुढ़क कर—गुड़गा-गुड़गी । लुढ़कन—लेञजेत् । लुढ़का कर ले जाना—गोहोल, गुड़दाव ।
लू	सं०	टान-कोडरा, झाँय । लू लगना—टान-कोडरा, झाँय, सेतोङ लागाव ।
लूटना	क्रि०	लुटूच्, सीबोड़, धावा, हामहें, एँड-पाटोच् । लूट लेना—गाबोच्, लुट, हामेट । लूट-मार—छिड़ी-छुनती, लुट ।
लेंड़ी	सं०	भेलाबोण्डी ।
लेख	सं०	तोमोसुक लेख लिखना—तोमोसुक ।
लेटना	क्रि०	तोआर, कुन्डेल, गितिच्, तासे, साराडाङ, सामबीर । पीठ के बल लेटना—सामबीर । छिप कर लेटना—लाम्बेत । प्रतिक्षा में लेटना—लाम्बेत् । लेट जाना—कुन्डलाङ, ओल, साँबार ।

लेन-देन	वि०	लोन्द-बोन्द ।
लेना	क्रि०	हातावं बिनुआबाट एसेत, हालाङ, आङगराव, आत्, आङखेर, आताङ, हाताव-ओरे, हामेट ।
		कन्धे पर लेना—बोंडा, गोक् ।
		हाथ में लेना—एड़गेच्, तुड़गेच्, ओसराव ।
		ले-लेना—एसेर, झाकाव, चुसाव ।
		लेआना—धाँवसे, गोहोल, डाह-राब ।
		ले जाना—हामेट, धरका, जाकाव, आतू, इदि, आङदोर, होण्डोङेओङ, मोटेआम, आसेन, ड्युङ, डोयलाव, डोयोल, इदी, हेलाव, झापटाव, दादेर, झोतराव, इधोदो, डुरीआव, धाँवसे, सामाक्, डोआङ ।
		भगा कर ले जाना—डाहराव, आतकीर ।
		बाहर ले जाना—बोइलाओ ।
		जबरदस्ती ले जाना—गोहोल ।
		भालु द्वारा आदमी को उठा कर ले जाना—हीहीक-डीडीङ ।
		ले जाकर पहुँचाना—इदि, आगू ।
		ले जाने वाला—इकदीरिच् ।
		लेते जाना—होरा ।
		ले भागना—डोयोल ।
		लेते फिरना—हादेर ।
		अधिक लेकर—गाबरोक-गाबरोक् ।
		लो (आज्ञा सूचक)—बे ।
लेपना	क्रि०	छोच, गोबरा, इलात्, जिलेत् जोदबोदाब, लेप ।

लेप—लेप, सीरीस ।
लेप लगाना—लेप, गोबरा, इलत्, लासराव, थोपराम ।

लोक	सं०	तुरी । लोककथा—गोम । लोक लाज—जाममुहींत ।
लोकना	क्रि०	लोका ।
लोग	सं०	होड़, मानवा । अपने समुदाय के लोग—दिसोम, होड़ ।
लोटा	सं०	लोटा ।
लोप	सं०	दानाङ, ओको । लोप होना—लोप, दानाङोक् ।
लोभ	सं०	लोब, लालोच । लोभ करना—लोब, लुभी, जुग-जिताव । लोभ लालच—लोब-लालोच । लोभ लालच करना—लोब-लालोच लोभ वश अधिक दिनों तक रह जाना—भाण्डीयाव । लोभी—लुभी । अति लोभी—हाहे-दान्दे ।
लोमड़ी	सं०	खिकड़ी ।
लोलक	सं०	डुरिया । घंटी का लोलक—लाडु ।
लोला	वि०	चेपड़े ।

लोलुप	वि०	आधाय ।
		लोलुपता—हाहुत ।
		लोलपता के साथ—हाहुत ।
लोहा	सं०	मेंड़हेत्, इसपात, पाघाल ।
		गर्म लोहा ठंडा करना—दाक्-साप् ।
		लोहा लगाना—इस्तीरी ।
		लोहे का काम करना—पासरा ।
		लोहे की धूरी—हाल ।
		लोहे से मढ़ी छड़ी—टायनी ।
		लोहे से दागना—तोबाक् ।
		लोहे का पतला छड़ जिसके द्वारा हुक्का की नली को साफ किया जाता है—सीटका ।
लोहार	सं०	पासरा, कामार, कामबरू ।
		लोहार गीरी—कामारी ।
		लोहार गीरी की मजदूरी—कामारी ।
		लोहार की दुकान—साल ।
लोढ़ा	सं०	गुड़गू साङसोड ।
		लोढ़ी—सासाङ, रित्, गुड़गू ।
लौ	सं०	लेप्, लाप् ।
		लौ उठना—लेप, ढाब-ढाब ।
लौटना	क्रि०	आचुर-रुवाड़, हेच्-रुवाड़, आचुर-हेच्, आगड़ाड़, रुवाड़ ।
		लौट जाना—आचुर-रुवाड़, रुवाड़ ।
लौटाना	क्रि०	रुवाड़, रसुल, लादाय, सोद, हाला, दानाय, घुराय-फिराय ।
लौलुपता	सं०	लाहार-चान्दार ।

वंचित	सं०	वेगार, वेदोखोल ।
		वंचित करना—तीक्ज-भोत् ।
		वंचित होना—होद ।
वंश	सं०	बोंस, बोङसो, पुसटी, गुसटी ।
		बोंस-बुदा ।
		वंशज.ओङगड़ा.पोङगड़ा—ओंबसा, बोंबसा ।
		अच्छे वंश का—बेस बोंस ।
वंशा (मछली फँसाने का)	सं०	सोआड़ा, बोंड़ोसी ।
व्यक्ति	सं०	जोन, होड़ ।
		चालाक व्यक्ति—सारधारिया ।
		बहुपत्नियों वाला व्यक्ति—एरा-गोसाँय ।
		बढ़ने वाला व्यक्ति—हारान ।
		बुरे स्वभाव का व्यक्ति—रीतीआन ।
		फटेहाल व्यक्ति—गारपोच् ।
		निपुण व्यक्ति—लागान-सार ।
		इच्छुक व्यक्ति—लागान-सार ।
		अन्य व्यक्ति—आधेक ।
		व्यक्तिगत रीति से—सामेक ।
व्यग्र	वि०	चुट-चुट ।
		अति व्यग्र—गान्दुक्-सानदुक् ।
		व्यग्र करना—हेटेत् ।
		व्यग्र होना—काचमाचाव, खाड़ुपाटु, दान्दराव ।
		व्यग्रता—आलाङ-आलाङ, हालबाज, हालाय मानते, दीक-सीक ।

व्यग्रता पूर्वक—डोकोय-डोकोय, धामेड़, धानदाड़-दापाड़ ।
व्यग्रता पूर्वक खोजना—दान्दरा-दान्दरी, धानदड़ा-धान्दाड़ी, डान्ढा-डान्ढी । धुकड़ा-धुकड़ी, आन्दाक्-तावाक् ।
व्यग्रता पूर्वक नाचना—दापुड़-दापुड़ ।
व्यग्रता पूर्वक हिलते हुए—दालाय-दालाय ।

व्यथा सं० खीस, बेथा ।
व्यथित—थालुक्-थायुक् ।

व्यभिचार सं० लाट-धाट, लोट-घुटी ।
व्यभिचार करना—जात-एम, लुड़युत् ।
व्यभिचारी—बारो-भातार, खुदनी, बारो-भातारी ।

व्यर्थ बि० बेफाव, बेरथा, फोचङ्गा, कामाहो, फाके-नाके, भाकना-भाकनी, भाबरा-झाबरी ।
व्यर्थ व्यय करना—छार-काट ।

व्यवस्था सं० ठीक, तैयार ।
व्यवस्था करना—गाथाव, ठीक, आर, छिनडा, माटोच्, गुतु-गालाङ, तेल ।
व्यवस्था कर लेना—पेटेच्-लेटेच् ।
व्यवस्थापक—मेरेजोर ।
व्यवस्थित—थारे तोरकान ।
व्यवस्थित करना—सोरा-सुरी ।
व्यवस्थित रुप में होना—डाटा-डाटी ।
व्यवस्थित रुप में—जोक्-जोरोप ।

व्यवसाय	सं०	बिरित, बेबोसा, लोन्द-बोन्द ।
		व्यावसाय करना—लोन्द-बोन्द ।
		व्यवसायी—बेपारिया, बेबसादार ।
व्यवहार	सं०	राहाम-रोहोम, आचार-बेवहार, चाल-चोलोन, बेबोहार ।
		उदा:-उस का व्यवहार ठीक है—आचार बेवहार ठीक गेतायां ।
		व्यवहार में लाना—लाङ-चाङ ।
		व्यवहार में न लाना—ढाबाव ।
व्यस्त	वि०	चाण्डा, चाण्डी, भीड़ान ।
		उदा :- आजकल हमलोग काम में बहुत व्यस्त हैं—नेतार दो कामी रे आडी चाण्डा-चाण्डी मेनाक् लेया ।
		व्यस्त रहना—धामान्ड, धामपे-धुड़े, हाड़पाबाव, बाड़ा, धोतोर-पोतोर, धाड़-पाड़ाव ।
		व्यस्तता—धामान्ड ।
		व्यस्तता पुर्वक—धामपे-धुड़े ।
व्यंग	सं०	भेल्ता ।
व्याकरण	सं०	बियाकोरोन, बेयाकरन ।
व्याकुल	वि०	बियाकुल, आस-बस, चुट-चुट, छीट-छीट, छिल-छिल, त्रिकला-बिकली, बिकोली, आन्दे-साले, गारसा-गाले, गारजा-बाजा, उकुत्-बुकुत्, बेकोल, आजाक्-बुजाक् ।
		व्याकुल होना—दान्दरा दान्दरी, रेङकाव, एड़सेच्-बाड़सज, उटू-पुटू, धाड़-पाड़ाव, दान्दराव, उकुत्-बुकुत्,

बिकोली, आकुत्, ताड़खाव, आरमा-राव, सेवेंच्-मेलेच्, सेलेङ-गामाङ, छिलकी-बिलकी ।
व्याकुलता—बेकुसी, बिकोली, बेजीवो, छिलकी, बिलकी ।
व्याकुलता पूर्वक—दारूक्-दायुक् ।
व्याकुलता पूर्वक घुमना—सारफाड़ ।

व्याख्या	सं०	भोङ, पाड़ीआन, बियान । व्याख्या करना—बियान, बातलाव, आरो-बारबान । व्याख्याता—मुखोरा ।
व्याख्यान	सं०	ताड़, बाखान । व्याख्यान देना—काथा ओड़े ।
व्यापार	सं०	आनीज, बानीज, बेपार, लोन्द-फोन्द । व्यापार करना—बेपार, सोवदा, आनीज, बानीज, फेर-भेक, बेपार-ओपेर, लोन्द-बोन्द, किरीञ-आकरिज । व्यापारी—आइकारी, बेपारी, बेपा-रिया, फेरभेक, आकरिजइच् । भेड़ बकरियों का व्यापारी—कोसोया ।
व्यायाम	सं०	माजआओ । व्यायम करना—एनेच् ।
व्यास	सं०	बिथास ।
वृद्ध	वि०	डुडुप, हाड़ाम, । वृद्धा—राभुवा, बुढी । वृद्धावस्था—थोपेथा— ।

वृद्धि	क्रि० वि०	बोरकेत, साङगे, जास्तीक्, ढेरोक् । वृद्धि होना—बोरकेत । वृद्धि रोकड़ा—लमेच् ।
वृन्दावन	सं०	सीरी-बिरन्दाबोन ।
वृश्चिक (राशि)	सं०	आँड़गोम, इपिल ।
वृषण	सं०	आङगाब, दाङ् ।
वृहत्	वि०	दाङ्, ठाट्, दाङ़गेसाक्, गेटेक्, लाङ-लाङ, ओसने-ओसने, बोवाक, आसटाङ जागे-सार, आसेद, भोन्दड़ा । बृहताकार—लासात गोसात्; लारोण्डाङ ।
वृक्ष	सं०	दारे । पत्तों रहित वृक्ष—हुयला । विभिन्न प्रकार के वृक्षों का नाम— जामदारे, काराम डामका-डाकोच, कोरोङ, कानेआड़ो, किताबरी, सोक-दार, डुण्डुकित, तुराम, सीमीच्दारे, तुरू, आवार, होपीर, सेकरेच्, जाङओलात्, जाङसीरीस, जाहाज-कायरा, जोजजीर, रोकोच् बोन्दोन, कामायगोम, राई, चन्दन गाडा तेरेल, सालगा, साँयसुई दारे, सात्त-सायार, साण्डी साबा दारे, बुरु माचकुन्दार, कादाम, बाना-हाटाक् साहार, सुड़सुच्, आरमू, मेरोम, मेंत्, तीलाई, गोरमा, तोयो-काड़, ओपे, केदार, चाइली, तेलहेच्, छातनी बारू, तोपे-सारगोम, काँडवात्, पोसका-ओलात्, होड़-ओमे, कावहा

विभिन्न प्रकार के जंगली वृक्षों का नाम—जुगिया, काण्ड-बेर, रूहेन, रीडे, हापो, हलेल, हिजजोड़, साकड़ी-फाल, साहड़ा, बाहला-दारे, लोदाम, आटकुड़ा, गाज-झेड़, आटी-साहड़ा, आत-नाक्, चारसिरा।
एक छोटा वृक्ष—झीत्रजीट।
एक झाड़ीदार वृक्ष—हेजजेत्।

वक्त	सं०	बाकात, आकते।
वक्ता	वि०	काह्-बाजिया।
वक्र	वि०	हेडगेच्।
वकील	सं०	उकील।
वचन	सं०	जोबान, हातबाई, काथा, बाँय-दिया। वचन देना—जोबान, गाछाव, हात-बाई, हें हूँ।
वञ्जुवृक्ष	सं०	बालत।
वज्र	सं०	चेटेर। वज्र गिरना—चेटेर-नरूक्। उदा:— आम के पेड़ पर वज्र गिरा—उल दारे रे चेटेर नरेना।
वजन	सं०	बोजाय, ओजोन चाप, जोनोखा हामाल। वजन भर—मोका-डाटोप। वजन दार—केरे, तावगार। वजन करने वाला—ओजोनिया। शरीर का वजन कम होना—छाड़न्डा

वट	सं०	बाड़े-दारे ।
		वट का फूल—बाड़े-बाहा ।
वधु	सं०	बाहु, बाहु-कुड़ी ।
		बधु मूल्य—गोनोङ, गोनोङ पोन, गोनोङ-टाका ।
वन	सं०	बिर ।
		घना वन—बिर-पाकाड़, बान-वाट, राटेन-बिर, जोङ-गोल ।
		वन मानुष—बिर-सिण्डिच् ।
		वन बिलार—बादाड़-कूनडा ।
		वनवास—बानोबास, बोनोबास ।
		व॰-कर—बोन-कर ।
		वन-देवता का नाम—धारा चाण्डी ।
वमन	सं०	बेच् उच्छलाव, दोयोक् ।
		वमन करना—बेज, उच्छलाव ।
वयस्क	वि०	सेंड़ा ।
वर्खास्त	सं०	बारखास ।
वर्ग	वि०	आगे-डिगे ।
		वर्ग विशेष—बाछाव ।
		वर्गाकार—चार-पोहोल, आगे-डिगे ।
		उदा :—वर्गाकार में जाना होगा—आगे-डिगे चालाक् होयोका ।
वर्ण	सं०	हारोप ।
		वर्णमाला—आखोरमाला ।
		उदा :—वर्ण माला की किताब खरीद दो—आखोर माला पुथी किरिञ आञ में ।

वर्णन	सं०	बिबोरोन, बेयान।
		उदा :- उसका वर्णन करो—उनीथाक् बिबोरोन में।
		वर्णन करना—बोरनोन, बरनान, बाखना-बाखनी, बाखनाव लाय।
		मिथ्या वर्णन करना—पाकोड़, एड़ेरोड़।
वर्तमान	क्रि० वि०	बोरतोमान, नेतार।
		वर्तमानकाल—नेवेतार, नुरसीव-बारसीव।
वर्ताव	सं०	बारताव।
		असभ्य वर्ताव—घीन-घातरा।
वर्द्धक	प्रत्यय	आनाक्।
		बल-वर्द्धक—दाड़ेआनाक्।
वर्मा	सं०	बारमा।
वर्ष	सं०	बोछोर, साल।
		आने वाला वर्ष—कालोम।
		गत वर्ष—दीन-कालोम।
		इस वर्ष—नेस-नेसोक्।
वर्षा	सं०	बोरसा, दाक्, रासुवा।
		भारी वर्षा—केहनाव।
		वर्षा ऋतु-दाक् दिन, गाडा-मुण्डू दिन, जापुत् दिन, जारगे।
		वर्षा काल—जारगे।
		वर्षा का समय—झाकसा।
		वर्षा की लगातार झाड़ी—जापुत्।
		वर्षा बन्द होना—घारन-आसोड़।

आंधी तुफान के साथ वर्षा—गारा-जाला।

बरदान	सं०	सीरी, भोर।
बरण्डा	सं०	ढाबा, बाराण्डा, चाड़ी, पीनडा।
वरुण	सं०	होरसेल।
वल्कल	सं०	गोनोक्। बल्कल से छाती ढांकना—गोनोक्।
वश	वि०	गोबोल। वश में करना—तेन, गोबोल, डान्टाव, काबु, बोस, साधाव। वशी भूत करना—कोबाज, दामाब, जोबदो।
वस्तु	सं०	जिनिस, दुरीब, तीज। वस्तु रहित—एकेनाक्। अतिरिक्त वस्तु देना—उनका
वस्तुत:	क्रि० वि०	ताँहाँ, आलबोत, ताँहाँ-रेसेत्, झाक-मुरुक, तो, धोरा, काजे, से-भातिच्, बोटे, बिचकोम।
वस्त्र	सं०	पोसाक, किचरिच् लुगड़ी, बोसतोर, खान्डवानाक्। अच्छा वस्त्र—धानी-पोसाक। एक प्रकार का वस्त्र—तोलोङ। स्त्रियों का वस्त्र—बाग्देन। वस्त्रहीन—बेबोसतोर, उलुङ। वस्तु की कमी—दालपाङ-दालपाङ।

वह सर्व ओनेन, ओन-ओना, इनी, उनी, ओना, एन, हानी. ओनान, ओने, हाना, नाहाक्-आय, होने, हानीटाक्, उनीटाक्, हान-हाना, हान-हाने, हेते, हिनाटाक्, होन, होना, हेने, हेनहिना, हुनी, हान-हानी, हाने, हानेन, हेने आङ, हेने-तानाक् ।

वह देखो—हानी ।

वह (इंगित करना)—हाने ।

वह (इंगित कर दिखाना)—हीन-हीनी ।

वह रहा—हाने ।

वह (वस्तु)—हीना, ओनाटाक् ।

वह (प्राणी)—हीनी ।

वह-वहाँ—हेने-हेण्डे, होने-तोरा, होने-चोङ, हुनीन, हुनी-आनीच् ।

उन-उनी, उनी-आनीच्, हाने-चोङ, होने-आनाक्, ओने-ओना, ओने-आन ।

वह वहाँ पर-हाने-हाण्डे, होन-होण्डे, हाने-चोङ, हुनी-आनीच् ।

वह उसको—हुन-हुनी ।

वह रहा—होने-चोङ, हान-हाने ।

वह-वह—इया ।

वह सब—हानान ।

वह वस्तु—हानाटाक् ।

वह देख—हाने-तोरा, हेने-तोरा ।

वह देखो, वहाँ—हाने-होने, हाने-तोरा ।

वह देखो ! वह देखो—हाने ! हाने ।

वह भी—ओना हों ।

वह उस तरह—हेन-हेनका लेका ।

वह	सं०	लाक्देयाक् ।
		वहन करना—ढोआव ।
वहाँ	सर्व	हाण्डे, एन—एण्डे, ओन्डे, हेण्डे, एण्डे, होण्डे, हाण्डे-रे, हेते, इनदे, इन, इनी, इनाकोरे, ओने-ओन्डे, एण्डे-रेलाक, हेन, ओनेन, हेने-आनाक, होते, हेमान, हेने, हेने-आङ, हुनी, हेने-तानाक्, होने, ओमान, ओन-ओन्डेन ।
		वहाँ का—ओने, ओनेन, हाण्डेन, ओन्डेरेन, आन्डेन ।
		वहाँ पर—हेण्डे रे ओनडे रे, ओन-ओण्डे, हान-हाण्डे, हिनाते, हेंण्डेते, ओन्डेतेत् वहाँ तक—हिनाक्-कोते, हुनाक्—कोते ।
		वहाँ-वहाँ—ओने, ओने ।
		वहाँ जो भी—तानाक् ।
		वहाँ सुनना—होतें-आनीच् ।
		वहाँ जो सुनता है—होते-आनीच् ।
		वहाँ होना—ओने-आन, हुनी, हाने, हेने-आङ ।
		वहाँ पर होना—हेने-हेण्डे ।
वहिष्कार	सं०	ओनडोङ, बेमानोत-सालाक् ओडोक ।
		बहिष्कृत करना—बे-माण्डेर, माण्डेर, बाहरे ।
वहीं	वि०	अमुक, "वहा" लेका गे माने ।
		केवल वहीं पर—एन्डे मोसो ।
वाक	सं०	काथा, बात ।
		वाक-पुट—बात-बाडोही ।

वाचाल	वि०	लाछाड़, लापचो, बातकुन्ड़ा । वाचाल होना—लाछाड़ । वाचाल स्त्री—बाजगोरिया, लाभरी ।
वाणिज्य	सं०	बानीज, बेबोसाय । वाणिज्य-व्यापार—बानीज-बेपार ।
वातावरण	सं०	होय-दाक् । बन्द वातावरण—धुल-धुलाव ।
वाद-विवाद	सं०	आपठाव, तेखराड़ । वाद-विवाद करना—ठारको । वाद-विवाद होना—तेखराड़ ।
वादा	सं०	एकराड़, बोल-काबुल, मोक् । वादा करना—काथाय, गोग ।
वादी	सं०	कादी । वादी-प्रतिवादी—कादी-बादी, दाय-मुदोय ।
वायलिन	सं०	बेहला-बानाम ।
वार्षिक	क्रि० वि०	बारिस, बारिस, बारसीक, बाछड़ी । वार्षिक कर (चरागाह के लिए)—बुसड़ी ।
वार	सं०	हाबाक् । वार करना—लेटरोक् ।
वारण्ट	सं०	आरोन्ट ।
वाला	प्रत्यय	आन । शरीर वाला—होड़मो-आन ।

वाष्प	सं०	भाप ।
		वाष्प निकलना—फुडुङ ।
वास्तव	सं०	सारी।
		वास्तव में—धोरले ।
		वास्तविक—सारियाक्, सारिनाक्, बासतोविक, बोटे ।
		वास्तविक होना—धीतो ।
		वास्तविकता—सारियाक्तेत्, सारिनाक्तेत, उबी-कोल, धोराट ।
		वास्तविक रुप में होना—होयकेबोटे ।
वाह	विस्मयादि बोधक	वाह ।
		वाह ! वाह—हाला, वाह्-वा ।
विकृत	वि०	बाड़िच् अकान, बान्दरा ।
		विकृत रूप से—टीहा-टाहे ।
विकट	सं०	आकोड़, आकोट ।
		उदा:-मेरे लिए विकट मत बनाओ—आलोम आकोड़ोना ।
विकास	सं०	लाहान्त ।
		विकास करना—बेनाव ।
		विकसित—पाड़्थालो, सापरूम, इलसापरूम, आलग-बालग, झ रकान्ह, बोम्बोरकोत ।
		पूर्णतः विकसित—बाड़्हान, हाराथूर ।
विख्यात	वि०	भोगदो, नामडाक, डाकसारी, लाधेर, लाहोंत, नामड़ाक् ।
		विख्यात होना—लाहोंत, नामडाक ।

विगत	वि०	चालावेन, गोतो । विगत दूसरा साल—होलकालोम । विगत परसों—माहन्देर । विगत चौथा दिन—ओन-माहन्देर ।
विघ्न	सं०	आकोट, बोघीन, दोचोक्, दोरा-दागा, आनदाक्-तावाक्, दाँय-खाँद । विघ्न होना—दोचोक् ।
विचलित	वि०	आका-बाकी, छिल-बिलाव । उदा:-काम के बोझ से वे विचलित हो रहे हैं—कामी तेको आका-बाकीक् काना । विचलित होना—घाञ्जेड़, छिल-बिलाव ।
विचार	वि०	हुदीस, इजलास, मोंवाजाय, मोत, बिचार, हुँस । विचार करना—हुँस खाम, तोन, हुदीस । विचार-विमर्श करना—सीपी, मीली-गुटी, पोनथा । विपरीत विचार—जाहुड़-माहुड़ । विचार से होना—लेकते । विचार कर्त्ता—बिकचारिच्, हुकदी-सीच् । विचार हीन—बोय-बोय ।
विचित्र	वि०	आजगुत, वेथामधा, एक-जोन्तोर । उदा:-यह बहुत विचित्र घटना है—आडो आजगुत घोटना काना नोवा दो । विचित्र पूर्वक—एकधार ।

विजय	सं०	जोय ।
		विजयनाद—हारो ।
		विजय होना—जीताव ।
		विजयी होना—जोय, जीत, थोतोच, लेटेच् ।
		विजयी—जीत ।
विजातीय	वि०	ओजातीया, एटाक-जात ।
विडंबना	क्रि० वि०	गुतु-मालाङ, लीसिन्द, झोन्ड-कोपोट ।
		विडंबना होना—लीसिन्द ।
वितरण	सं०	हाटीञ ।
		रूपये पैसे वितरण करना—विभास ।
		उदा:-गरीबों के लिए रूपयेवितरण किये गये—रेगेच होड़ लागित टाका को विभास केदा ।
		खाद्य पदार्थ वितरण करना—बिलटोय ।
विधा	सं०	विदिया ।
		विद्यालय—इसकुल ।
विद्रोह	सं०	हूल ।
		बिद्रोह करना—झुकांव ।
विद्वान	वि०	आकिल्मान, विदियामान, पोण्डत, चेचेत्‌इच् ।
विदाई	वि०	विनिदा, सौङ्छाड़ावनी, बिदा ।
		विदाई देना—छोनटाल ।
बिदेश	वि०	एटाक्-दिसोम, बिदास ।
		विदेशी—बिदिसिया, बिराना, पोरदेसी पोरदेसिया ।

विधर्मी	वि०	बेधोरोम ।
विधवा	सं०	राण्डी, खाड, खाडरा, खाडेया, खाडगा, तारा-केचाक् । विधवा औरत—राण्डी, एरा ।
विधाता	सं०	भिदाता, बिधानता ।
विधान	सं०	आन, बिधान । विधि का विधान—बिधि-बिधानता
विधि	सं०	आन, आन-कानून, आइन, चार । उदा:—पुरखों की विधि मत भूलो—हापड़ाम, कोआक् लेग चार दो आलोपे आदा । विधिवत शादी—इतुत् सिन्दूर ।
विनती	सं०	नेंहोंर । विनती करना—नेंहोंर, आरोज, हाकराव-डोकराव, आरजा-आरजी ।
विनम्र	सं०	माहोंर, हातेओर । विनम्रता पूर्वक—दाया-दायाते ।
विनय	सं०	दाड़, नेहोंर, कोय । विनय पूर्वक—आजाक्-आजाक्, डाहोत्-डानडुड । उदा:—बहुत दिन से विनय पूर्वक प्रार्थना कर रहा है—आड़ी दिन होने आजाक-आजागोक् काना । विनय सहित आराधना करने की प्रक्रिया—गोसांय-गोसांय । विनीत बेहुठू ।

विनाश	सं०	बिनास, डाहाव, थाङ-थासेर । विनाश होना—बिनास ।
विनोदी	वि०	लाभभुवा, दाङगोक्, लाफुबा । विनोद प्रिय—आलाय, फुलाय ।
विपत्ति	सं०	दोब, दोन-खेंन,उछ्‌ुर-जाला,जाला-जोजजाल, दुक, आफोद, हुयाँ, खान्डो-खापडो, फान्डो, दुसको, आपोतो, विपद, फाण्डो, कान्डो, मार-मुँहीन विपत्ती आना—दुक,कान्डो । विपत्ति में पड़ना—जालाक्, दुसको विपत्ति में डुबना—छाती-फाटाव । विपत्ति के चलते—हुयाँ ।
विपथ	सं०	झाक्-झाडकक ।
विपन्न	सं०	छाती-फाटाव ।
विपरीत	परसर्ग	उलटा उलटाव, बाधा-बोधी, बिरूद, उपार, तोलबीच्, बाकड़ा उपारत, जेयाक्-बाङसेयाक् । विपरीत से—उपार रे । विपरीत होना—उलटा-उलटाव । विपरीतार्थक—एड़ङगा एड़ङगा ।
विभाजन	सं०	बाँट, चोक-काटि । जमीन विभाजन करना—चोक-काटि उदा:—भाईयों के बटवारों में जगह जमीन सब कुछ का विभाजन किया जाता है—बोयहा को बेगारोक रेदो जुमी आयगा सानाम को चोक-काटिया विभाजक भीत—सीनइब ।

		विभाजित—छिनबा-काटा । विभाजित करना—खाण्ड-आवहा, सीड़ा । विभाजित किया हुआ—खाण्ड-आवहा ।
विभिन्न	वि०	दोसरान, जुदा, बेगार-बेगार, ओलोङ-ओलोङ साल-मेसाल । विभिन्न दल-दोल-दोल । विभिन्न पदार्थ—आनाक-फानाक । विभिन्न आकार का—टेम्बेच-टरूच् डेमबे-डुरूच्, तोलबीच । विभिन्न आकार के बच्चे—टेम्बे-टुरा । विभिन्न आकार का होना—तोलबीच् । विभिन्न प्रकार—आढ़ा-बाढा, बारो-सोतरो, आटाल-गोन डाल, बारो-पोरकार, तेगेच्-तागुम, ओनो, पाड़ा-हुड़ी । विभिन्न प्रकार का—उनु-उनु डाम-काच्-डुमकुच । विभिन्न प्रकार का होना—एमान-तेयाक् । विभिन्न प्रकार के जीव-जन्तु-एमान । विभिन्न प्रकार के जन्तु—एमानतेन । विभिन्न प्रकार से—नोनका ओनका । विभिन्नता—फेर, नेंत । विभिन्नता होना—नेंत । विभिन्ता दिखलाना—सार-बाहार ।
विभेद	सं०	बेगार, आलाग । विभेद करने का कार्य—ओड़सोड़ ।

विमुख	वि०	आतरूञ । विमुख करना—दोड़ो-सोड़ें ।
विरक्त	सं०	बिरोकतो, बापाक ।
विरूद्ध	वि०	आतरूञ । विरूद्ध होना—खिलाप । विरूद्ध कहना—गोखला ।
विरोध	सं०	आतरूञ, आकोट, आगधाव । उदा :—जाने के लिए विरोध प्रकट कर रहा है—चालाक लागितए आतरूओक् काना । विरोध करना—आगधाव, ठोकराव, तालहुड़, तेङगो ओवड़ाव, तानाजा । विरोधी—उपारतेन, भाण्डा-भाण्डी, काना—कानी, तोङगोन । विरोधी बनना—आडा-आडी ।
विलम्ब	सं०	बिलोम, आहील, माहील, आबेर, दीरी, नायी, आवरी । विलम्ब करना—हेमबा, हेंण्डगो, देय-खेय, दीरी, तेला, गोजोर-दोमा, कामाही, गोर—गाफोल, लाहार । विलम्ब होना—आहील-माहील, जामा, लाहार, आटोक, उछुर, आड़बाझाव, आहार-जुग-पहार-जुग, थाकदामा, गोजोर दोमा, कामाही । विलम्बी—जाता-जोहो । विलम्बित—जामा, आहील-माहील, जोहोक ।
विलक्षण	वि०	कुदना-सीट ।

विलाप	सं०	होमोर, राक। विलाप करना—होमोर-हालाङ, राक्, कुंहुराब, गेराङ-हारूङ,गेराङ मेहुनाव, हाय-हियातिञ। विलाप करते हुए—गेराङ-हारूङ।
विलायत	सं०	बिलात। विलायती—बिलाती, बेलाती।
बिलासी	सं०	बाटु, बाटुवा।
विवरण	सं०	बिलि, बोबोरोन।
विवाद	सं०	रेपेच्, आंवठा, ओदाबादो, बिबाद। उदा :—उन में विवाद हो गया—बिबाद एना को। विवाद करना—टेहाड। विवादास्पद विषय—हाड़का-हाड़की।
विवाह	सं०	बापला, जोड़नाड़, नाइजोड़, बीहा। अनियमित विवाह—मुण्डू बापला। विवाह करना—बापलाक, सिन्दुर-बुन्दी, जोड़नाड़, बापला-बिहा, ठाँव, होड़। जबर्दस्ती विवाह करना—ढाका-ढोको। विवाह होना—बापला-बिहा। विवाहित—छाड़वा, बिहालो। विवाहित व्यक्ति—होड़, बापला होड़। विवाहिता—छाडवी, देनेड़। विवाहिता स्त्री—सीन्दुर-बुन्दी वैवाहिक सम्बन्ध—धार-धाराय, नाड़ जोड़।

		बैवाहिक सम्बन्ध जोड़ना—नाड़-जोड़ ।
		वैवाहिक सूत्र—धार-धाराय ।
		बिहौती साड़ी—सीन्दूर-साड़ी ।
विवेक	सं०	माती, बिवेक ।
		विवेकशील—हुदिसिया ।
		विवेक शुन्य—चोरतेड़ ।
		बिवेकहीन होना—हेड़चा-हिड़ची ।
		अविवेकपूर्ण रीति से—घेजेबेजे ।
विश्लेषण	सं०	फीदली ।
विश्व	सं०	धारती, दुनिया ।
विश्वस्त	सं०	दायीक, दारमाल ।
		विश्वस्त होना—दारमाल ।
		विश्वस्तता—दारमाल ।
विश्वास	सं०	इमान, धोरोम, भोरसा, सोट, इमान, पातीआव, एतबार ।
		विश्वास करना—पातीयाप,टारसाव ।
		विश्वासघात—ओण्डगा, चोरतेड़, एक धीधोर ।
		विश्वासनीय—पातीआर, पातीआव-धारा, सोतेया, जातेच ।
		विश्वासी—एतबार, इमान ।
		विश्वासी होना—आँयाँ ।
विशाल	वि०	हाजजा-हाजजा, दादाड़हाप्; दाड़म-धाक्, माकारदाम, राटाकाक्, हाडो-राय, माराङकामाई, घोघो, खाबेला, एड़होन, धाड़गू, आड़ाङगा, हापड़ाक्, नापड़ाक्, धाड़गाई, दाँतेला,

दारोञ्जा, ठाकुम-ठाक्, खाण्डेया, ठाटू, ओसने-ओसने, तेड़ेझाक्, मुठ्, मुठू-मुठू, हाड-हाडा, हाडोपाक्, लोन्दोकाक्, सीलोदा, हाहाड़दाङ, सीङधीन, हुटू-हुटू ।

विशाल जंगल—रोदोन ।

विशालकाय—लेपेड़दाङ, लाडाङ, कार, बोड़योङ-बोड़य, धाकेड़धाक्, लाठू ।

विशाल होना—सीङधीन, दारोञ्जा, एड़हेन ।

विशिष्ट	वि०	आजगुत ।
विशुद्ध	वि०	सीधो ।
विशेष	वि०	आखोड़, बिशेष, मांड़ । उदा:—यह विशेष जगह है—नोवा दो आखोड़, जायगा काना । विशेष स्थान—आफोर-गाडी । विशेष बांसुरी—आनडरा-तिरीयो । विशेष रीति से—जाड़ी-जान्ती । विशेषत:—आसोकाथ्ते । विशेषता—आवहाल, उरगान ।
विष	सं०	बिस, माँहुर । विषैला—बिसान, बिसाहा, निरबीस । विषैला गंध—सीड़िच् ।
विषय	सं०	बिसोय, ताल ।
विस्तृत	सं०	राक-राका । विस्तृत करना—तारनगोड़ ।

		विस्तार होना—जापार ।
		विस्तार पूर्वक—अनुत्-गुतरूत् ।
विस्फूटन	सं०	गेरेच-गेरेच्, साड़, गेले ।
		विस्फूटित होना—सेरगेज ।
विस्मरण	सं०	कालो-बालो ।
विसर्जन	सं०	बासान, भासान ।
विह्वल	वि०	एड़ेज-बेटेज ।
		विह्वल होना—एड़ेजेज-बाड़सेज ।
		विह्वलता पूर्वक—दीर-दीर ।
विहंगम-दृष्टिपात	सं०	एड़ान ।
विज्ञापन	सं०	इस्ताहार, डोमकाव, ढारवाग ।
		विज्ञापन करना—चुपती ।
		विज्ञापन देना—इस्तहार । हुलिया ।
		विज्ञाप्ती—इजहार ।
विक्षुब्ध	त्रि० वि०	आड़सेज-तोड़सेज ।
विश्राम	सं०	आड़ा, जीराव, सुक, बाराग ।
		विश्राम का दिन—जिरावक् माँहाँ ।
		विश्राम का समय—सुक बाराक ।
		विश्राम का समय होना—सुक-बाराग ।
		विश्राम करना—जिराव, आराम ।
		विश्रामागार—थानीत, थोल ।
		विश्रामागार होना—थोल ।
		विश्राम स्थल—आड़ा-ठान्डी ।
वीर्य	सं०	लेड़ ।

वीर	सं०	बीर, बीरबान्टा, दिलशारिया ।
		वीर पुरूष—गाजीलाल ।
वीरान	वि०	हेण्डकेत ।
वे	अन्य पुरूष	आको, ओनकोन, ओनको ।
	बहु वचन	वे दोनों—उन कीन ।
		वे दोनों (पति पत्नी)—आकीन ।
		वे सब—हिनान ।
वेग	सं०	तोड़ ।
		वेग से हिलना—दालमालाव, डालकाव ।
		वेग से होना—हादहादाब ।
		वेग से गिरना—थापड़ाक ।
		वेग से फाड़ना—होटाक्-चागाड़ ।
		वेग से आंसु निकलना—हिडिर मानते ।
		वेग के साथ—दोडगोय मानते ।
वेतन	सं०	दोरमाहा, बेरहोन, तोलोप. तोनखा, तानखा, बेतोन ।
		अग्रिम वेतन—दादनी ।
वेद	सं०	वेद ।
वेदना	क्रि० वि०	हासो, हारोन ।
		तीक्ष्ण वेदना—छेच्-छेच् ।
		अचानक तीक्ष्ण वेदना—छेचमानते ।
वेदी	सं०	थान, खोन्ड ।
वेश्या	वि०	भुसड़ी, कुसम्बी, छिनार, बारे,भातार, दारी, छिनार, खुदनी, खेलडा,

खुदाड़िया, चामड़िया, हारजाहे,
आण्डिन, भायादारीं, नाटिन, खानगी,
देड़-हेड़, ।
वेश्या होना—दारी-छिनार ।
वेश्या वृत्ति करना—कुसम्बी ।

वैद्य — सं० — रारानिच बोध, बायदा ।

वैद्यनाथ धाम — सं० — बाबाथान ।

वैभव शाली — सं० — माँ हाँ ।

वैभव युक्त — क्रि० वि० — डीगी-मीगी ।

वैरागी — वि० — बायरागी, बोयरा[?]ी ।

वैरी — सं० — बेने बाइरी, बायरी ।

वैसा — क्रि० वि० — ओनका, लेका, ओनकान, ओनका-
लेकान, ओन-ओनका, ओन, ओन-
कान, ओन-ओनका-लेकान ।
वैस ही—नीपाट ओनकागे ।
वैसी स्थिति में—ओनकारे ।

वैसे — क्रि० वि० — जेनो ।
वैसे ही—ताँहाँ ।

श

शंकर — सं० — महादेव ।
शंकर मुकुट—सोङकोर-मुकुट ।

शंका — सं० — इनदित्, उनकुप्, धोखा ।
शंका करना—इनदित्, इनीनदित्-
उनकुप् ।

		शंका होना—धोखा ।
		शंका युक्त अवस्था—एभेल तुएल ।
		शंकित—धुकपुकिया ।
शंख	सं०	साँक-गोङधा, साँका-रोकोच् ।
श्रृजन	सं०	सिरजोन ।
		श्रृजन करना—सिरजोन ।
		श्रृजन हारा—बेबनाबइच्, सिसिरजाविच् ।
श्रृखला	सं०	सीकड़ी ।
श्रृंगार	सं०	सीङगार ।
		श्रृगार करना—सीङगार ।
		श्रृगार साधन—सुनुम-सोन्धात ।
श्रम	सं०	खाटाव ।
		श्रम करना—राटाव ।
श्रष्टा	सं०	सीसीरजावीच् ।
श्राद्ध	सं०	भाण्डान ।
		श्राद्ध सामग्री—मोरा-जिनीस ।
		श्राद्ध का भोज—बाकरांव दाका ।
श्राप	सं०	साराप, साप ।
		श्राप देना—साप ।
		श्राप देने वाला—सारापिया
श्रावण	सं०	सौराबोन ।
श्रेष्ठ	वि०	उपोर, लाहाँत ।
		श्रेष्ठता—आवड़ी ।

श्रोत	सं०	झारना ।
		श्रोत बह जाना—डीज-डाबूर ।
श्येन पक्षी	सं०	जालो ।
श्वसुर	सं०	सासुर ।
शक्त	वि०	सोकतो ।
		शक्त होना—सोकतो साकित ।
शक्ति	सं०	मूँड़, दाड़े, मागदुर, आझाट, साकती, जोर, मुरूक, ओड़, आठा-साठा, मुण्ड, बुलाल, सोआडक्ष सादरी, तालेबोरी, तागोज, पारताप ।
		शक्तिशाली—बोलमान, दाड़ेआन, सोआडीया, बागरासियाँव, बह-बाहीया, बोलगोर, तालेबोर, जारनाम, आड़ुच्-ताड़ुच्, जोबारे, दान्ड़कुट बागपाजजार, साराडसाद्दी, दाँतेला ताजी, जोरगार, जोरवार, दाड़ेयान, खेमोता, लोहानी ।
		शक्तिशाली घोड़ा—बानधार ।
		शक्तिशाली होना—जोबोर ।
		शक्तिवान—दाड़े, मागदूर, जोबोर, हानहानिया ।
		शक्ति पूर्वक—हाताम-हुतुम, मारदा-मारदी, मित, मुरूकते, राही साहोते, तोतोत-माकोड़, एड़गेच-तुड़गेच् दामाचा राचाक्, इड़गोच तोड़गोच्, आटकुटी, खापाखोप, दागुर, मानते, जिगरा-जिगरी, धुड़ई-धुपुई, तोतोत—माकोड़, मारिया-पिटीया, दापा-दापी, काट-काली ।

		शक्ति पूर्वक होना—रियात, रियात ।
		शक्ति पूर्वक काम करना—उत-धुतू ।
		शक्ति पूर्वक कोड़ना—दागुर-दागुर ।
		शक्ति हीन—मुण्ड-मोरोन, होड़मो-ना-जोड़मों, लाकुड़, तेहेल-बोहेल ।
		शक्ति हीन होना—लाकुड़ ।
		शक्ति हीन स्त्री—तोजाही ।
शंक	सं०	ओहमा ।
शकि	सं०	हाड़गोर ।
शकुन	सं०	जंतरा, सागुन, सार-सागुन ।
		शकुन होरा—सार-सागुन ।
शताब्दी	सं०	साताब्दी, सित-साई-बोछोर ।
शनिवार	सं०	सुनीबार ।
शनै : शनैः	क्रि० वि०	काले-काले, बाई बाई ।
शपथ	सं०	एकाराड़, होलोप, किरया ।
		शपथ खाना—किरया ।
		शपथ लेना—दीव, मानान, होलोप, आनचार, मानान-दोहो
शब्द	सं०	सोबदो, ।
		शब्दोकोष—उबी-थान ।
		घटोरने का शब्द—हाड़गाय-हाड़गाया
शबाशी	सं०	साबास ।
शर्त	सं०	बोह ।
		शर्त पर होना—होतेच ।

शर्म — सं० — सोरोम, हाड़ेया-गाड़ेया, लाज
शर्माना—हाड़ेया-गाड़ेया, लाजाप् ।
शर्मिंदा करना—हुरमुत ।

शरण-स्थल — सं० — आड़ ।
शरण स्थान—आसराय, हिरला ।
शरण लेना—हिरला, आवडाल, दानाड़ ।

शराब — सं० — हाड़ि, पाचरा ।
चावल की शराब—आरीका, हाण्डी, तागरी ।
उदा:-चावल की शराब बनाये है—आरीका को तेयार आकादा ।
शराब से मतवाला=तुएल, बुल ।
शराबी— मोदखोर, माताल, बुलमुन्हा, पीआक ।
असली शराब—रूसी ।
बिना पानी मिलाया हुआ शराब—रूसी ।
अस्वादिष्ट शराब—डैब डिबीया ।
खाली शराब—फुली ।
देशी शराब—पादरा ।
महुआ की शराब—पावरा ।
शराब चुआना—रेसेत्, चुवा ।
अधिक शराब पीना—तुएल ।

शरीफा — सं० — मानदारगोम, गोम ।
जंगली शरीफा—बिर मान्दारगोम ।

शरीर — सं० — होड़मो, खाजचा (प्राय: गीत में प्रयोग होता है) ।
गठिला शरीर—उदगुच ।
शरीर के तत्व—होड़मो-हाटिञ ।
शरीर के अवयव—होड़मो-हाटिञ ।

शरीर और आत्मा—जीबो-होड़मो।
शरीर कसमसाना—रोस-रोसो।
शरीर झुका कर जमीन से सटना—लाम्बेत्।
शरीर झुकाना—लोमबो।
शरीर पोतना—बोसदो।

शल्यक	सं०	झीक।
शव	सं०	मंड़ी।
शस्त्र	सं०	खाण्डा। एक शस्त्र—पोटी-खाण्डा।
शहतूत	सं०	सँच्।
शहर	सं०	सोहोर, साहार।
शत्रु	सं०	बादी, कानाकानी, दुसमोन, बेनेया, बायरी, बेने-बाइरी, बादी, बादी-साटी, नीकी-बादी। शत्रु होना—इरा-इरी। शत्रुता—बाकड़ा, खोनोस, डाह। शत्रुता होना—काना-कानी, एपेर-हेन्डे।
शांत	वि०	गान्दुच्-गासुच, पाकास-पूकुस, गाये-माये, सोपोत, सुपुत् मोंहीर, सुबुद, निनधान, थीमा, बोनोस, मोस-मोसो, गुन्दुर, मुसाक डलडेल, गुंगलूसुच्, कोड़बोक् गोहले, गाये माये, गोन-गोन, थोलोड़ो, तोड़मोंयोक्, आकोडा, गुलसुच्, मुसुच्, छापे, सोङगाड़ सोपोतिया, सालतान, सुबुदिया, गुडुम, सुबुरिया, नोरोम, निझुम, सोहबोद, धुसधुसिया, सापो, निरोत। बिल्कुल शान्त—थाल-चुल।

उदा:— मेरे घुसते ही सब कोई शान्त हो गये—इञीज बोलोयेन खान चाल-चुल को थिरगोत् एना ।

शान्त करना—मेत्-चुबाक्, साँव-राँव, थामाव, जीवी-आनमानाव, कान्धाव, सुमान, गोहाँड़े, धीरपुर, चुबाक, दोम्बड़ा-दुम्बड़ी ।

शान्त कराना—थापो ।

शान्त रहना—गुंबलूसुच्, गोन-गोन, किरधुम ।

शान्त रहने वाला—थोतोडोक् ।

शान्त होना—उपुत तोड़भोंयोक्, डेल-डेल, गुलुसुच् नाबोर, हापे, राप-चीप, गुड़म, साबसुच, दोमबड़ाव, धाक-दामान ।

शान्त स्वभाव का—सुबुरिया, सापोत

शान्त वातावरण—हाँडाँ हापिज ।

शान्ति—गुड़ुम, सुलुक, सोला-सुलुक, नीराय, रेहाँड़ ।

शान्ति देना—गोरास ।

शान्ति मिलना—नीराय, राड़ेच् ।

मन में शांति मिलना—जीवी-जुड़ासी

शान्ति रखना—सोला सुलुक ।

शान्ति स्थापित करना—ढार-ढूर ।

शान्ति से रहना—सुलुक, रोम बोलोक्

शान्ति भंग करना—गाबाड़-गुबुड़ ।

शान्तिपूर्वक—सापो, दादाहुप्, भोरमे-भोरमे, गास-गुस, रोय-बोय सुलुक-सुलुक, सामे गामे, साच-सुच घुस मानते, दागार-दागार, रासते ।

शान्ति पूर्वक होना—सामे-गामे, हाच-हुच् ।

शान्ति पूर्ण ढंग से—हाँडाँ-हापिज ।

शाकाहारी	वि०	भोगोत।
शाखा	सं०	डोहटा। शाखा बनाना—डोहटा।
शादी	सं०	बापला, गोङ। शादी करना—गोङमाहुरा। तीसरी बार शादी करना—साङगड़ा। शादी का नाच—दोङएनेच। शादी की इच्छा प्रकट करने की प्रक्रिया—जोरोक्।
शाप	सं०	साराप। शाप देना—जोजना।
शाबास	विस्मयादी बोधक	साबास। शाबासी—साबासी।
शाम	सं०	आयुप्-बेला। शाम का भोजन—मालजान, साळज
शामिल	सं०	सामिल, मेसाव। शामिल होना—आजबाझाव, सामील, मेसाल।
शायद	क्रि० वि०	जानीच, पासेच्।
शाला	सं०	ठाय, ओड़ाक।
शाश्वत काल	वि०	तोरे-जुगे।
शास्त्र	सं०	सोसतोर।
शासक	सं०	मालिकी, चाक्लाविच्, सासोन। शासन करना—मालिकी।

शासन	सं०	सासोन । शासन करना—सासोन, जाङ्गा-लातार ।
शिकार	सं०	कारका, सेन्दरा, आहेट, पोर-सेन्दरा, मुतलुङ । मच्छली का शिकार—दाक-सेन्दरा । शिकार करना—गोनोच्, सेन्दरा, झापटाब, झापोट, खेंद । मच्छली का शिकार करना—दाक सेन्दरा । शिकार काटना—गुर-लोटोम । शिकार मारना—गोनोच । शिकार का बँटवारा—हुण्डा । शिकारी—सोकारी, सोकरिया ।
शिखर	सं०	मुथनी, मुथना, छातना, टुई, रोन्दोड़, हिरहिर, चोमदङो, छीप, चुड़ा । ऊँची शिखर—हुच-हुच् ।
शिखा	सं०	लेप् ।
शिथिल	वि०	जेन, तेन, डायबोक्, गाबुर, चुकुच्-चुकुच् । शिथिल होना—डायबोक्, गाबुर । शिथिल होते हुए—रूज-रूज । शिथिलता होना—रूज-रूज । शिथिलता से बढ़ा हुआ—रूयाँ । शिथिलता से गिरना—लेसड़ोक् । शिथिलता पूर्वक—जेन-तेन । शिथिलता पूर्वक बढ़ा हुआ होना—रूयाँ ।

शिल्पी	वि०	विरितिया ।
शिव	सं०	सीब-ठाकुर । शिव पुँजा—पाता । शिवरात्रि—सीबरात ।
शिश्नाग्र	सं०	हेजेड़ । शिश्नाग्र चर्म सिकुड़ना—हेजेड़ ।
शिशिर	सं०	सीसीर ।
शिशु	सं०	बाले गिदरा । नवजात शिशु—बाले-बेलकेञ, बाले-बेलेतेञ, बाले-बेटकैच् ।
शिक्षक	सं०	चेचेत्-इचँ् । शिक्षिका—चेचेत्—दाये ।
शिक्षा	सं०	तालीम, सीखावना, सीखात,सीकनात । शिक्षा देना—सीखावना, सीखान । शिक्षा पाना—तालीम । शिक्षा देने वाली वस्तु—चेचेतआक् । शिक्षित—सोरकार ।
शीघ्र	क्रि० वि०	जाड़ाप्-मानते, उसारा, आकबाक-छाच् छुच्, हाचाड़, गोत्, कापाखाप, चोगोड़-चोगोड़, चाटकाना, हारजा-हुरजी, तीड़ा-तीड़ी, ताड़ाक मानते, चाण्ड, उसराव, छिड़ी-छुनती, छाड़-छुड़, झाम-झुम, झाप मानते, घामप-धुड़े, चाण्डाकी, चाण्डा-चाण्डी, चाटकाली, कोबोड़-कोबोड़, हारेकार, चापोड़-चापोड़, आन्धी-पान्धी, हार-काल-पारकाल, चोगोड़-चांगोड़, छाप-

छाप चाण्डुच् चाण्डुच्, गुडुर-गुडुर, जाड़ाप-जाड़ाप् हुपुच्-हुपुच्, पेडेल, पेडेल, दामाङ-दामाङ, साटाक्-साटाक् फुचुक-फुचुक, डुगुर-डुगुर, चुलुङ, मारघर, फुचुच्-फुचुच्, थानते चुण्डुङ, थानते, जाटा-जोटो, मार-मार, चाटा-चाट, चुडगुर, आम्पा-ओम्पो, टुडुक-टुडुक, सेड़ेया-सोटेया, हाको-पाको, छिन्डुङ-मिन्डुङ, छालाक-छालाक, आड़क्-धाड़क, आहुप्-चाहुप्, धील-थातरा, हुदगु, दुगुङ, हाको-फारे।

कितना शीघ्र—ओका-बाते।

अतिशीघ्र—साट-साट।

यथाशीघ्र—टाटका-भार।

शीघ्र करना—छाप-छाप, उलू-धुत्, हाका-चाका, धाड़-धाड़, हाडुम-ताडुम हाकुप्-चाकुप्, चुरमार, ताड़ताड़ाव, सोगरी, आकबाक।

शीघ्र काम करना—साट-पाट, उतूधुत्।

शीघ्र घुंट पीना—ढाक-ढाक।

शीघ्र घबड़ा कर—हाकुप्-चाकुप्।

शीघ्र चलना—भुचुङ-भुचुङ, चेमेड़-चेमेड़, ठुसुक-ठुसुक।

शीघ्र चलने वाला—हाचाड़।

शीघ्र जाना—हिडीच् हिकींड़, टुडुक-टुडुक।

शीघ्र बोलना—बाचको।

शीघ्र बोलने वाला—थोतो-मोतो।

शीघ्र से—हाको-फारे।

शीघ्रता करना—आकताव, हिल-हिलाव, हुद-हुदाव।

शीघ्रता पूर्वक---रूबुच्-रूबूच्, तोङ गरा-तुङगरी, भाचला-भाच, दोकोड़-दोकोड़, टेपे-टेपे, बुच्-बुच्, ताहबीं, आहाप्-चाहाप्, आहरोम-चाहरोम, आसाम-उसुम, गेसेर-गेसेर, टाटका-माटका, उकुङ-सुकुङ, लाबाल, लाबाल भाकार-पाकार, धापेड़, धाचाल-धाचाल, दुरनार, ठाम-ठाम, हादाड़-पादाड़ ।
शीघ्रता पूर्वक करना---हुच-मानते ।
शीघ्रता पूर्वक कार्य करना---ढाड़ाय-ढापाय ।

शीत — वि० — रेयाड़, राबाङ ।
शीत काल---राबाङ दिन ।
शीत काल की फसल---सीसीर-चास, सीसीर खाण्ड ।

शीतल — वि० — सीतोल, रेयाड़ ।

शीला — सं० — धीरी ।
शीला युक्त---धीरी-जेर ।

शीश — सं० — सीस, बोहोफ् ।

शीशा — सं० — सीसा, आरसी ।
शीशा का दरवाजा-आरसी-सिलपिञ ।

शीशी — सं० — सीसी ।

शुक्र — सं० — सुकरो ।

शुतुरमुर्ग — सं० — ऊँट-चेड़ें ।

शुद्ध	सं०	आमीज, खाटी ।
		शुद्ध करना—इच्-ओडोक, सुधी, सीधी ।
		शुद्ध होना—खाटी ।
		शुद्धि—छुत मेटाव ।
		शुद्धि लेना—गोरास ।
शुभ्र	वि०	बारात्-बोरोत् ।
शुभ	वि०	सोनोत ।
		शुभारम्भ—छान्दाव ।
		शुभाशुभ—जातरा ।
शुरू	सं०	धुँन्दाड़, भेत्, एतोहोप् ।
		शुरू करना—एहोब, आरम्बो, जातरा, नानघाव, छान्दाव, ओस-राव, लिकीर, ओड़, उपोस्ती, लेङ-गेत्, उठाव, ऐलाहोय, रादा, ठेकाव पुड़ना, पोरतोन ।
		शुरू कर देना—दाबड़ा ।
		शुरू का—साबीक ।
		शुरू होना—उधनाव, उपचाव, एसेर, उचराव, उपतान, ।
		शुरू आत—एहोंप्, ओनोड़, ओड़ोंत्, ओड़ ।
		शुरू आत होना—नानघाव ।
शुल्क	सं०	बानी, बोहरी ।
		नापने वाला का शुल्क—के आली ।
शुष्क	वि०	जोड़-झाकुआ ।
शून्य	वि०	सुन, हिड़हात ।

शूर	सं०	बिरबाण्टा, होडोमिया ।
शूल	सं०	ओंट पाट ।
शेष	सं०	बाकी, दोकी, बाकी-बोकेया, पावना, सेसोक् । शेष होना—सेसाव, चाबा । शेष करना—चाबा, खोतोम । उदा :—हमलोग इस बात को खत्म कर दिये—नोवा काथा दोले चाबा केदा ।
शैतान	सं०	सोयतान ।
शोक	सं०	एतेल-गेञजेल, होमोर, दोकसोक । शोक करना—एतेल-गेञजेल । शोक व्यक्त करना—होमोर-हालाङ । शोक-संतप्त—हाय-दान्दी ।
शोभा	सं०	सोभा, ठोनोक । शोभायमान—ठोनोक ।
शोर	सं	गोलमाल, गोहाल, गुहार, हाव-हाव हाव-राव, धूम, किरीड़ गावड़गुञ्ज, गाजाड़, गाल-गालाव, हुलिया । शोर करना—सागाय-दाड़ाय, हाव-हाव, हाव-राव आन्दोड़, धूम, किरीड़, आवरा-आवरी । शोर होना—गाजाड़, हाडार-हाडार, राव-राव, गल माल, चाँओ-चाँओ, रीहीड़-बीदीड़ । शोर करते हुए—रूगदाय । बहुत शोर होना—रीहीड़-बीदीड़ ।

		शोर गुल—आवरा-आवरी, गुतिमाल । शोर गुल करना—धार-धुर । शोर-गुल होना—आनदोड़, गाल-गालाव । बहुत शोर गुल होना—रीहीड़-बीदीड़, रूबदाई-रूबदाई ।
शोक	सं०	सोक । शोक रहित—बेसोक । बहुत शोक के साथ-भारी-सोक । शोकीन—सुखी ।
षड्यन्त्र	सं०	छोल, बानथेच । षड्यन्त्र के द्वारा—छोलते ।

स

संक्रान्ति	सं०	साकरात ।
संक्रामक-रोग	सं०	माराङदुक, रोसा, होय दुक, नामानी, बाव ।
संकट	सं०	मुहींन, हार-गार, दाँय-खाँय, आवा-टापा । संकट में पड़ना—दाँय-खाँय, कान्दा-काटा, आवा-टापा । संकट की सूचना देना—गुहरिया । संकट की सूचना देने का नगाड़ा—गुहरिया ।
संकल्प	सं०	मानान । संकल्प करना—मानान, ढाला-ढुला ।

संकीर्ण	सं०	कुचित, साकड़ा, हयुड़, चिरित, सोडधा साकड़ा-साकड़ी, सुड्च्, सीनीत् । संकीर्ण होना—साकड़ा, कुचित, साकड़ा-साकड़ी, टेपेल । संकीर्ण कपड़ा—टीपीज-टीपीज । संकीर्ण गढ़ेदार खेत—सुटिपा । संकीर्णता—आटगाटे, चिरित्, एटके, टोड़े ।
संकुचित	क्रि० वि०	दुखाराक्, दुखड़ी, साकड़ा ।
संकेत	सं०	चाहेर । उदा :—पहले संकेत करने पर भी मैं नहीं समझा—लाहा रेये चाहेर आदिज रेहों बाव बुजहाव लाक्आ । संकेत करना—गाविच् । संकेत से बुलाना—गाविच् ।
संख्या	सं०	लेखा, डेड़ ।
संग्रहकर्त्ता	वि०	जोगाड़िया, जारो । संग्रह करना—सालचाव, सोंच, जोगाव
संग	वि०	साँव । संगभाई—साङ-भाय । संग संग—जुरी, जोता, सोङ-बोत । संगवाला—साङबार, साँवआन । संग छोड़ने का शुल्क—सोङ छाड़ावनी
संगठन	सं०	जोम, जोहड़ा । संगठन होना—जोहड़ा ।
संगति	सं०	गाथो, रासीया ।

संगी	वि०	सोङगेरेन, सोङ, सोङ्ग, सोङ-गेतेन ।
संघ	सं०	मिली-जुली, सौंटा, एकान । संघ में रहना—सौंटा । संघ बनाना—सौंटा ।
संचय	सं०	जारवा । संचय करना—सावचाव, सोंचकुलाव संचय कर के रखना—बाय । संचित—कुलाव ।
संझली	वि०	सावजली । संझला—सावजला ।
संताल	सं०	होड़, होपोन, जानमाल ।
संताप	सं०	साताप, हादोस ।
संताल	सं०	होड़, सानताल, साँवलाल । संताल, जो इसाई नहीं हैं—बोङगा-होड़, बीदीन । संताल, जो इसाई हैं—उम होड़, साफा होड़, इसाई होड़ । संतालों की पदवियाँ या गोत्र— हाँसदाक्, मुर्मू, किस्कू, माराण्डी, हेम्बरम, सोरेन, बासके, बेसरा, टुडू, चोड़ें, पाउरिया, बेदया । हाँसदाक् की उप-पदवी—जोहू-हाँसदाक मुर्मू की उप-पदवी—नीज मुर्मू, हाण्डी, मुर्मू, जुगी मुर्मू, गाँड मुर्मू, दाँतेला मुर्मू । किस्कू की उप-पदवियाँ—जाबे-किस्कू, गाड़ किस्कू ।

माराण्डी की उप-पदवियाँ—गोदा मारांण्डी, जुगी मारांण्डी।
हेम्बरम की उप-पदवी—गुवा हेम्बरम
सोरेन की उप-पदवियाँ—गुवा-सोरेन, जुगी-सोरेन।
बेसरा की उप-पदवी—गाड़-बेसरा।
टुडू की उप-पदवी—जुगी टुडू, दाँतेला टुडू।
चोड़ें की उप-पदवी—गुवा-चोड़ें।
संतालों का उप-गोत्र—ओक्।
संतालों के गढ़ (जैसा उन लोगों के दन्त कथा से पता चलता है)—चाय गाड़, चाम्पा गाड़, बादोली, पाड़, सीम गाड़, शिकारगाड़, खायरी गाड़, कोयन्डा गाड़।
संतालों का मूल देवता—माराङ बुरु।
संतालों का एक देवता—गाड़दाना, धुराया।
संतालों का पर्व—सोहराय, बाहा-पोरोब, साहार-लुण्डा मांक्-मोड़।
संताली बच्चा—होड़-होपोन, होड़ पुत।

संतुष्ट — वि० — तीरपीत, आधा, मोजोज।
संतुष्ट करना—हातेर-सुक, मानता।
संतुष्ट रहना—धाराव।
संतुष्ट होना—नेहाल, तीरपीत, आधाक्, आहाङ, उपुत, आपनाव, गाद, भाद।
संतुष्ट न होना—नोन्दोक् खीन्दोक्।
संतुष्टि—सुबीता।

संतोष जनक	सं०	सुपोट । उदा:—संतोष जनक उपदेश दिया गया—सुपोट को बिनती केदा । संतोष होना—सुपोट ।
संदेह	सं०	दोखा, सोन्दो, धोरमा-कोरमा, इनदित दिगधा, खुटू, तोनचोक्, दीगोच, ·· सोन्धी, सनदो । संदेह करना—हेयात्र, मेना, तोनचोक्, ओहमान, पासे, धोरमा-कोरमा, भातावदा, दीगा-दिगी, दिगीजोक, आरमान, इनदित, होयता-चोक- जोयता-चोक, मारपास, सोन्धो, दीगीजोक, दानधा-मानधा । संदेह होना—दिगधाक । संदेह पूर्वक—जोसकोस, काजातडोर-डोसाहा । संदेह युक्त—हेचे-पेचे, डोर-डोसाहा । संदेहास्पद—होयता चोकजोयता-चोक । संदेही-खुड़क । संदिग्ध—दीगोच् दीगाव, गाड़-माक् । संदिग्ध रूप में—दानधा-मानधा । संदिग्ध रूप से—धोखा ते दीगाव । संदिग्धता—दीगाव ।
संदेश	सं०	रोहपोट । संदेश देना—रोहपोट । संदेश भेजना—आठावना पाठावना । संदेश वाहक—सिपाही, पाक, गोड़ैत, आठावना-पाठवना, बाखान, टाहलु-दार ।

संध्या सं० आयुप-सुमाङ, माची-आन्धार, सीङगाड़, घींनाङ।
संध्या होना—आयुप्-सुमाङ।

संधि सं० नीम-नाम।

संपत्ति सं० जायजात।

संपूर्ण वि० सामटी-उमटी, बेबाक, सारा, जोतो, गोटाँ, सामथूल, सोमफोला, गोटान, गोटाँड़, सोसागोड़ा, तामाम, गायुर टापुर, ओसलो, तेसनेक, सागेर, भोजज, सोनेसोद, सुधा, जाँक, राटी, कुटी, जातेक्, निकाड़, झाड़, सोमोस्तो।
संपूर्ण परिवार—सारी-पारीया।
सम्पूर्ण शरीर—आनधार-गाँड़।
उदा:-सम्पूर्ण शरीर दर्द करता है—आनधार गाँड़ हासो इदिया।
सम्पूर्ण घर में-धारा हार।
संपूर्ण गाँव में—धारा हार।
संपूर्ण चीजों के साथ—सामटा-सामटी।
संपूर्णता—आतोम।

संबंध सं० सागाय, बाबोत, सोमबोन्द, नात, सम्पक।
संबंध रखना—बाङठेला।
संबंध होना—आपुस।
संबंधी—उसटो-पुसटी, आपुस, पेड़ा-पोरमा, भाइ-भागार, हागाया, झाड़, ओवारीस, सातार-गातार, बेयादारी सोदारा, पेड़ा, पेड़ा-पोरवा।

		निकट संबंधी—सोर-पेड़ा ।
		दूर का संबंधी—दाक्-दाक् ।
		बिना किसी संबंधी के—एक जीबा ।
		संबंधी होना—ओवारीस ।
		संबंधित—सम्पक ।
		सम्बन्धित घटना—आगा-गोन्डा ।
संबोधन	सं०	सागाय, होहो ।
		संबोधन करना—चोहाव ।
संभव	सं०	सोमभोव ।
		संभव होना—धारले ।
		संभवत:—जानीच्, बोतेच्, काजात, चाहे, पासेच, गानोक्, धाबिच, हेना, जाँहान, लागित, धीरलोय, पारलोय, एन्डेरेमा ।
संभालना	क्रि०	डाण्डाव, सामबड़ाव ।
संभावना	सं०	डोगोर ।
		सम्भावना होना—ताहे ।
		सम्भावित—सेभाला ।
संभोग	सं०	देड़, जोड़ ।
		कुत्तों का सम्भोग—गाँट, काट ।
		संभोग करना—दुहुड़, देपेड़ ।
संयमी	वि०	सोते ।
संयोग	वि०	साजजोक ।
		संयोगवश—सोन्हेते, आचकागे, बेजायलेका ।
संयोजना	क्रि०	सोलो सोनजोक ।

संरक्षण	सं०	जिमा । संरक्षण में होना—जिमा ।
संवत	सं०	सोम ।
संवाद	सं०	सोम्बाद, हुकीगोत संवाददाता—सोम्बाद, एमोक्‌इच्, गोडेत । संवाद देना—आठावना-पाठावना, चाकलादार ।
संवारना	क्रि०	सांवहाँ, सांवरांव ।
संशय	सं०	सुभा । संशय होना—सुभा ।
संस्कार	सं०	सोद, आरी-चाली । अंतिम संस्कार करना—हार-हालाङ ।
संसार	सं०	दुनिया, सोङसार, धारती, देसदुनिया, दिन-दुनिया । संसार का रीत-रिवाज—दिन-दुनिया ।
संड्सी	सं०	साण्डासी ।
संक्षेप	सं०	सानछेप, खाटोते । संक्षेप में—तोंङगे-तोङते, चोमोक । संक्षिप्त—सानछेप, चुम्बोक, खाटोटाङ-टुङ, टुङ-टुङ ।
सृष्टिकर्ता	सं०	ठाकुर, जाजानामीच, सिसिरजावीच् । सृष्टि करना—बेनाव ।
श्रृंगार	सं०	सोभा ।

स्कूल सं० इसकूल ।

स्केल सं० रूल ।

स्टेशन सं० इसतीङ, इसटीसन, टीसान ।

स्तन सं० दुदुआक्, नुनू, बास, तोवा ।
पशु का स्तन—आनडवार ।
उदा :—इस गाय का स्तन बहुत बड़ा है—नुई गायाक् आनडवार दो आडी लाटू गेया ।
स्तन पान करना—दुदू, नुनू ।
स्तन बढ़ना—चोटकोल ।
स्तन होना—तोवा ।
स्तन पान छोड़ना—बाकरान ।
स्तनपान छोड़ने की अवस्था—बाक-रान ।
स्तन की चुण्डी—नुनू ।

स्तब्ध वि० ठाक, थाकमाराव, डेलडल ।
स्तब्ध होना—चापचुप ।

स्तम्भ सं० थाम, खुन्टी ।
स्तम्भ खड़ा करना—थाम ।

स्थगित वि० थुकीत ।
स्थगित करना—थुकीत, ठेलाव, मोहलोत, मुहकूप, मोहलाव उमाथा, सीक-टाङगा ।

स्थान सं० आवछाट, ठाँव, ठाँय, डोह, जाइगा, जागा, थानी, उनदारा ।
गन्दा स्थान—इच्-कुण्ड ।
दूर अपरिचित स्थान—दाहा देश ।
अनिश्चित स्थान—बेथान ।

घर बनाने का स्थान—डोनड़ा ।
बीज बोने का स्थान—डीगड़ा ।
सभी स्थान—ओनते-नोतेन, जोतो, जायगा ।
अनिर्धारित स्थान—सोदड़े ।
ऊँचा स्थान—कोटको ।
संकुचित स्थान—ओचो-चोङगोत, चोङगोत ।
दो डालियों के बीच का स्थान—बाङ्गाड़ा
रिक्त स्थान—जायगा ।
निर्धारित स्थान—जायगा ।
उचित स्थान में लगाना—हाँड़ोप् ।
गुप्त स्थान में रहना—होरो लम्बेत् ।
एक स्थान में—ठावका, मित्-ठेन ।
अन्य स्थान से लाना—आनीज ।
स्थान देना—ठाँय, जायगा-आड़ाग ।
स्थान पाना—ठाँय ।
स्थानान्तर—ओरा-पारी ।
स्थानान्तर होना—साळाव ।

स्थापित वि० कायेम, मोकोरोर ।
स्थापित करना—बायसाव, मोकोरोर, थापना ।

स्थायी वि० जाय-जुग ।
दीर्घ स्थायी—धलटा-धोलटा, गुही ।
दीर्घ स्थायी रोग—रेङ गोस ।

स्थिति सं० दारजा; हाळहालाव ।
किसी भी स्थिति में नहीं—बाङ-ते-हों-बाङ ।

स्थिर वि० थीर, इसथीर, हेण्डकेतें, राक जाक, डेमडेम, तोड़मौंयोक्, चाक-बान्धी, बेलाड़ा–ओक् उकुस–न–पुकुस, आक्-ओक् दोन्दोड़चोत, सान–सुन ।
स्थिर खड़ा रहना—एड–एडे ।
स्थिर खड़ा होना—डुञडुञ ।
स्थिर करना—दोमबड़ा–दुमबड़ी, छिन्ड–खान्ड, सुरुथाल
स्थिर होना—तायभाव, थीर, टेहहे, डेमडेम, हेण्डकेत; हेन-डेत् । हेंटम्बर
स्थिर रहना—आक्-ओक्, गातागाम ।
स्थिर दृष्टि—ओन्डोर-ओनडोर ।
स्थिरतापूर्वक—डुञडुञ, राक-जाक, दोलो-दोलो ।
स्थिरता पूर्वक—सान-सुन ।

स्थूल वि० धोदो, गोटा, भानवाक, लुटकुम, गाबडुलाक्, लेडेधेच्, गोबले, डोब्रा ।
स्थूलकाय—धोदोघोक, लेडेधोच, धुमसाङ-धुमसीङ, धुमसा लेहेजाङ, धोधरोक, भानवाक, लोडेंबो, गोबोरिया, लोधेया, इधीच्-ओधीच, इदि, ओदो, मासुड़दाङ; दीड़ोदाङ ।

स्नान सं० उम डाबरा ।
स्नान करना—उमोक्, उम-आमीञ, डाबराक् ।

स्नायु सं० पाटे-सीर-सीर ।
स्नायु का फुलना—हार्डो ।

स्पर्धा सं० हापराव, हापाटाव, बादाव ।
स्पर्धा होना—हापाटाव, हापराव ।

स्पर्धा	सं	स्पर्धा पूर्वक—जिदा-जिदी ।
स्पर्श	सं०	जाक्, जादगो, जाक्-जोटेत्, जोटेत् ।
		स्पर्श करना—जादगो, जाक्-जोटेत्, जोटेत्, जाके, छुयओ, ओडोर, जोपोक् ।
		धीरे से स्पर्श करने की प्रक्रिया—जाक् गाईगुम ।
		स्पर्श होना—डाप्, डुप्, थुकड़ी, जाक्-जोटेत ।
स्पष्ट	वि०	साफा, पुसटाव, पारसाङ, इसपोस्टो, दोहाक, नीठुर, पोड़छा, टूड़टुङ ।
		स्पष्ट होना—इसपोस्टो, पोड़छा, रीली-फीली ।
		स्पष्ट रीति से—ठाम-ठाम ।
		स्पष्टवादी—मुहखोरो ।
		स्पष्टता—सोदो-बिदो, दोन्दकोड़ो ।
		स्पष्टता—साखीआत ।
स्पीक	सं०	पाजजरी ।
स्मृति	सं०	दिसा ।
स्मरण	सं०	दिशा ।
		स्मरण करना—दिसा, एयाद ।
		देवता को स्मरण करना—हुलुई ।
		स्मरणीय—आनखाय-आनखाय ।
स्याही	सं०	सीआही, काली ।
स्लेट	सं०	सीलाट ।
स्वच्छ	वि०	जीरा—हीरी, रीलोफीलो, सोनोत, हामरान, तार-तारिया, साफा-साफी,

		सुथराथ, निखार निन्दी, टुडुङ, टुडुङ, फुली, पुड़छो, पुसटाव, सोने सोद । स्वच्छ जल—रीड़ीम-रीड़ीम । स्वच्छ आकाश—धारून । स्वच्छता पूर्वक-रेमके-चेमके । स्वच्छन्द-आस्ता-बाउड़ा, छाड़-हातुआ ।
स्वजातीय	वि०	जातिया ।
स्वतः	वि०	आबगे, निजगुत, आचूतेगे, गांये-धोरे, तेत् ।
स्वतंत्र	वि०	मासदार, साधीन, उथमा । स्वतंत्र करना—उरीआव । स्वतंत्र होना—साधीन ।
स्वदेश	सं०	दीसोम । स्वदेशी—दीसी । स्वदेशी कुरथी—दीसोम-होड़ेच् ।
स्वप्न	सं०	कुकमू, सामेक । स्वप्न देखना—कुकमू ।
स्वभाव	सं०	गुनाक, सोभाव साबाब, धारा-धारोन, दुड़प्-तेङगोन, चाली, जाती । एक स्वभाव का होना—जाती । स्वाभाविक—सोभाबीक ।
स्वयं	सर्वनाम	आच्, आंया । उदा :—वह स्वंय आया था—आच् गेये हेच् लेना । स्वंम उत्पन्न—लाम्बे । स्वंय सोचना—आच कीथाय ।

		उदा:—वह स्वंय सोता है कि वह सबसे अच्छा है—आच् काथाय जोतो लोन आच् गेये सोरोसा।
		स्वंय-भू-लाम्बे।
स्वर्ग	सं०	सोरोग, सेरमापुरी।
		स्वर्गदूत—सेरमा-गोडेत।
स्वर	सं०	सूर, आड़ाङ, राड़।
स्वस्थ्य	वि०	निफूट, बोगे सुसुरटाक्, सुसुलताक्, भुटियाव, भोरोम-भाक्, निरोपोन, आराम, चेठा।
		स्वस्थ युवक—धामीड़गोम।
		स्वस्थ्य लड़की—धामिड़ी।
		स्वस्थ्य चलने वाला—गीर-केटेच्।
		स्वस्थय होना—सुसुलताक्।
स्वागत	सं०	आताङ-दाराम, दाराम।
		स्वागत करना—आताङ दाराम, दाराम।
		स्वागतम—आताङआदेर।
स्वाद	वि०	सेबेल, आटाप।
		कच्चा स्वाद—हीलोएत्
		कच्चा स्वाद होना—हिलोएत्।
		स्वाद लगाना—आटाप्।
		स्वाद लेना—जोह, चुकुप्-चुकुप्।
		स्वाद लेते हुए—चुकुप्-चुकुप।
स्वादिष्ट	वि०	छानाङ-नानदाङ, सेबेल, सीरात-बारात्, हेड़ेम, सोडोम, तार, चाखना, सीपोट, तोरोंप, सेबेल,

तारीबोत, तीरओड़-बोरओड़ ।

स्वादिष्ट बनाना—हुस ।

स्वादिष्ट होना—हेड़ेम, सोड़ोम, तार, तोरोप, तारीबोत ।

स्वाधीन — साधीन, बेताबे, ।

स्वाधीन होना—साधीन, बेताबे ।

स्वामी — सं० — निअजाम, हाजूर, मालीक ।

स्वामी (पति)—जावाँय, ओड़ाक्, होड़ ।

स्वामीत्व—ताबेजदार ।

स्वार्थी — वि० — बेहुरमी, सारथी ।

स्वार्थ होना—दाक्-दोहो ।

स्वांस — सं० — साताहेंत, साहेंत, निकास ।

स्वांस लेना—साहेंत्, साताहेंत्, फू ।

स्वांस लेने का समय—उघमा दिन ।

बिना स्वांस का—निरदोम ।

दीर्घ स्वांस के साथ—पुकुस मानते ।

दीर्घ स्वांस लेना—से मानते ।

स्वीकार — सं० — आडगोच्, आताडहेंक्, गाछाव ।

स्वीकार करना—आताड, हेक्, हें, गाछाव, आडगाछाव, तेला, गोड़ाब, आरांड़, सीकार, आडगोच, गोडाप्, गोक् होमानार्, हुमान, गाय-माराब, हाताव ।

स्वीकार पत्र—पान-पाटा ।

स्वीकारात्म शब्द—हुँक् ।

स्वीकृत—मंजुर, आसी, आताडतेला, आडगोच, रोका ।

स्वीकृत होना—आगा।
स्वीकृति देना—रूजू।
स्वीकृति पत्र—दाखीला।
स्वीकृति—आङगोच, मुनजूरी।

स्त्री	सं०	एङगा, आयो मायजीउ, एरा, रीनीच् नौकरी पेशेवाली स्त्री—टान्डी, छान्डया। उनकी स्त्री—एरात। स्त्री और बाल बच्चे—एरा-उरू। स्त्री पुरूष और बच्चे—एरा-होगोन। स्त्री धन—जारापिया। स्त्रियों के लिए—बाताड़ी। एक स्त्री रोग—आराक्-पोरघोल। स्त्रियों का पहला मासिक धर्म—हाँसधुड़ी।
स-उल्लास	क्रि० वि०	गजान-बाजान।
सकना	क्रि०	घेज, थोतोच्, साकाब, घोषामो।
सकरकन्द	सं०	मेकेरकेन्दा।
सकरा	वि०	साकड़ा, टेपेव, कुचित, चिरित्। सकरा होना—कुचित, साकड़ा, हयुङ, सोकुप्, सकड़ाक्। सकरा पन—आटगाटे।
सकुशल	सं०	नाय मापाय। सकुशल होना—नाय मापाय।
सख्त	वि०	चिमोड़, केटेच्। उदा:—इमली का पेड़ बहुत सख्त है—जोजो दारे दो बाडी चिमोड़ा।

सखरी	वि०	साकड़ी ।
सखुआ	सं०	जारजोम दारे ।
सग्गड़	सं०	कागथा-सागाड़ ।
सगाई	सं०	होरोक चिखना । सगाई करना—होरोक्, चिखना । सगाई होना—होरोक ।
सगुन	सं०	सागुन । सगुन करना—सागुन । सगुन घड़ा—सागुन-कान्डा ।
सगे-संबंधी	सं०	पेड़ा, होड़, सागाय ।
सगोत्र	सं०	सागाय, ञाड़, नाया । सगोत्र होना—सागाय ।
सघन	वि०	आजगाड, गाजाड़, झाड़पा । उदा:-सघन वृक्ष के नीचे हम ने आश्रय लिया—आजगाड़ दारे, रेले हिरला एना ।
सङ्गती	सं०	साङती ।
सच्चा	वि०	सोच, सारियाक, सारीनाक, सुचा, सोत । सच्चा होना—सोच, सारियागोक्, आतकाम । सच्चाई—सारी, सोत, आँयाँ, बोटे, साँच, सारीयाक्, धीरोय, उबीकोल, मोहोह, साचाय । सच्चाई होना—सारी ।

		सच्चाई का पता लगाना—**तोलोन** ।
		सच्चाई से काम नहीं लेते हुए—एन्दे-पेन्दे ।
सच	सं०	बायबी, सारी ।
		सच होना—बोटकोच्, सारीथागोक् ।
सचमुच	क्रि०	साँहाँ, से भातिव, बिस-बिसवास, आलबोत, हें, सारी गे ।
सचेत	सं०	दानदागिरी, सुमुक, चहाओना ।
		सचेत होना—टेवेत्, ठेपे ।
		सचेत रहना—दान्दागिरी ।
सजग	वि०	दीड़हो, जागरोन, सोते, एभेन, जागआर ।
सजा	सं०	साजाई, डाण्डोम, साजाई, उरीआव ।
सजाना	क्रि०	रेट, पाहराव, सँवहाँ, बाँक, जाँक जोमोक, साजाव, ठाहबोन्द, साज ।
		पात्र में सजाना—साँवजाव ।
		सजा हुआ होना—हुसनाक् ।
		सजा हुआ—राङगा-दोङगा, हुसनाक् ।
		सजाया हुआ—साजाव, झाबराव ।
		सजावट—हुसनाक्, झीकी-मीकी, राज ।
		सजीला—छाकमाकिया ।
सट्टा	सं०	तोमोसुक ।
		सट्टा करना—दाम-दुड़ी ।
		सट्टा लिखना—तोमोसुक ।

सटना — क्रि० — जेनेरेत, जोपोक्, साटाव, साटी-श्राव, जेपेत, टेण्डार, जिलात्-जेपेत्, लेनठे, लेवठे, लेटकोम ।

सट जाना—मिलोन ।

सट कर मिलना—जेमवेत् ।

सटने की प्रक्रिया—जेनेरेत् ।

सटाना—चींट, जिलात, साटाव, जालात, साटकाव ।

सट-सट के—रेपेजजेत् ।

सटा हुआ—थेरे थेपे, जेपेत्, ठेके-ठेके ।

सटा कर मिलाने की प्रक्रिया—जेमबेत् ।

सटा-सटा के बाँधना—रेन्द-बेन्द ।

सटा-सटा—साटाव ।

सटा-सटा घेरा डालने की प्रक्रिया—जेजलटोव ।

सटाक-सटाक — क्रि० वि० — सारपाट मानते ।

सत्कार — सं० — मानोत, मानाव, मानता ।

सत्कार करना—मानाव, मार-जात, छोकडोक ।

सत्तू — सं० — आता-नालसा, सातू ।

सत्तू बनाना—सातू ।

सत्रह — सर्वनाम — गेल एयाय ।

सतर्क — वि० — चेताओना, चातुर, चेतोन चेहाओ, चिरगाल, बेम्वेकाक् ।

सतर्क होना—ठेपे ।

सतर्क होकर सुनना—लुतुह बीत् ।

सतर्कता पूर्वक—बिसीच्, सुटुच् ।

सतरंगी	सं०	सातराङगी ।
सतह	सं०	सूर, था, ओत, ताह, लातार । सतह पर चलना—होयोड़ । सतह पर कोई चीज बैठ जाना—तापुक ।
सताना	क्रि०	सानताव, आला-झाला, डाय-डाय, दिक, सासेत, हान-ताव । सताने वाला—आहला-आहली ।
सती	सं०	साती । सती होना—साती ।
सदृश्य	वि०	तानाक, मित्र-धारा, नीपाट, तोरान, ओपेल आपात्, छोन्द-बोन्द, मित धारा-धारी, गेनेड़ेओम, माँड़ाँ, मित जोनतोर, मित-जुवारी, मितलेकान, मित-रास, माछा, लेका, लेकान, सीनाक, होन, रास, एक धात, झा-झाका, तुलनी, बाराग, सोरा-सुरी, जायसान, दावा, जुकुर, लेकानिच्, लेकानाक् । उसके सदृश उनी—बातांड़िय, इन-उर्डी, हानहानका । सदृश होना—छोन्द-बोन्द, ओपेल-आपात् लेका, तुलनी
सदाबहार	वि०	रातामा । सदाबहार वृक्ष—रातामा दारे ।
सन्त	सं०	उतीत, जुगी ।
सन्तरी	सं०	सोनतोरो ।

सन्तान	सं०	गेले-बाले, होन, इता, होपोन।
सन्तुष्ट	वि०	तीरपीत।
		सन्तुष्ट होना—लुपाक, बोद।
		सन्तुष्ट करना—बाँवसाँव।
		सन्तुष्ट न होना—हाया-दाया।
सन्तोष	सं०	पारपासोन्द, तीरपीत, मोकोत्र।
सन्दूक	सं०	सुनदुक।
सन्देह	सं०	सोन्दो, दिग्धा।
		सन्देह करना—खुञ्ज मुञ्ज।
		सन्देह पूर्वक—ठाटार बाज।
सन्नाटा	वि०	निसुन, हुच्-हुच्, निझुम
		सन्नाटा छाना—उलाग।
सन्निकट		ठाँवहें, सोर।
सन्यासी	सं०	सोन्यासी, उतीत।
सनई	सं०	सोन।
		जंगली सनई—बिर सोन।
		सनई साग—सोन आड़ाक्।
सनकी	सं०	बावड़ाहा, बावलाहा, बावड़ा, बावड़ाम
		सनकी होना—बावलाहा, बावड़ाव।
सनसनाना	क्रि०	सान-सानाव।
		सनसनाते हुए—हुर मानते, सान-सान, साँय मानते।
		सनसनाहट—हुर-हुराव।
		सनसनाहट की आवाज—सान-सानाव।

सनसनाहट के आवाज के साथ—
साँय मानते ।
सन-सन करना—हुर-हुराव ।
सन सन हवा बहना—हादाय-हादाय।
सन-सन शब्द करते हुए—हुर-हुर,
हुर-हुराव ।

सप्तर्षी तारा	सं०	सोरेन, इपिल, बुढी परकोम ।
सप्ताह	सं०	हापता । सप्ताह भर का मजदूरी मिलना—हापता ।
सपरिवार	सं०	साङगाड-पोटाय, छाये-माये, धीया पुता, डुरिया, डुरिची, सामटी-उमटी एरा-उरू, जिड़ो-टोको ।
सपेरा	सं०	सापाडुरिया, बीज-एकनेच्-इच् ।
सफर	सं०	साफोर, दौड़ा । सफर करना—साफोर
सफल	सं०	जोईआन, जीत, जीताव । सफल होना—बेज, नेहाल । सफलता—रास, जीत, जोय, दाड़े । सफलता पाना—जीत, जोय ।
सफेद	वि०	पोण्ड, सादासेल-सेल, धाड़छा, तेगने-आक्, बोरोत, बोरोत् । बहुत सफेद—तेहे-तेहे । बर्फ के समान सफेद—तेहे-तेहे । चमकता हुआ सफेद—तेहे-तेहे, झाक । सफेद होना—तेगनेआक् । सफेद दिखाई देना—पोतोहाक ।

		सफेद कमल-पोण्ड-उपाल बाहा। सफेद पलास-पोण्ड मुरूत्। सफेद फतिंगा—पोण्ड सोसरोच्।
सब्जी	सं०	तोरकारी, उतू, आड़ाक्, तुरी तोर-कारी। एक प्रकार की सब्जी—तागोज।
सब	वि०	जोतो, सानाम, भोट, सोभोस्तो, निकाड़खाड़, जातेक, सोबो, गेच्-गायुम, साम-फोला। सब कहीं—आड़े पाताड़े। सब कुछ—नारी-ठुरी। सब कोई—मित्-के-मित्। सब के लिए—हुंही। सब के सब—मित्-के-मित् सब जगह होना—लावात रिडेत। सब तरफ से—उधीयाँ। सब दिशाओं में—सानाम सेच्। सब प्रकार का खाना—गासी गुबरी।
सबई	सं०	बाबकोय।
सबूत	सं०	साय-साबूत, साबुत, फरेमान। सबूत होना—साबूद। साबित करना—साय-साबूद, जाज, जोजान, पुराब, दाराब, ओहजाब।
सबेरा	सं०	सेताक्, आड्गा भारसाल। बहुत सबेरा—पियाङ पायाङ, पाहा-पोहो। सबेरे तक रहना—आड्गा हाटिज।
सभ्य	वि०	सोभो।

सभा	सं०	बायसी, मुन्जल स, मुजलीस, दोर-बार, साफा ।
		सभा करना—दुपुड़प् ।
		सभा बैठना—बायसी ।
		सम्पूर्ण गाँव की सभा—दोस गुनी गुरीब ।
सभी	वि०	सोसागोड़ा, जोतो, सोबाय, सानाम, मित्-मित् ते, मित् के मित्, राटी, कुटी, गुट, आम-आमते, तेको ।
		सभी जगह—गोटा-गान्डी, घाटे-घाटे
		सभी प्रकार के पक्षी गण—चेड़ें-चिपरुत्
		सभी प्रकार से—दीगफाँड़ ।
		सभी समान के साथ—सामटी उमटी ।
सम्पत्ति	सं०	आरजोन, जिनिस, बिसोय, जाय-जिनिस, चीज-दुरीब ।
		चल सम्पत्ति—जाय जिनिस ।
सम्पूर्ण	सं०	मुन्जरा ।
		सम्पूर्ण रीति से होना—होत-हुसित् ।
		सम्पूर्ण शरीर को मोटे कपड़े से ढकना—हादुय-हादुय ।
संबंध	क्रि० वि०	सोमबोन्द ।
		संबंध स्थापित करना—तोमबोङ ।
		संबंधी—कुटुम ।
सम्बोधन	क्रि० वि०	कुम ।
		सम्बोधित करना—बाँखड़ ।
सम्भवतः	क्रि० वि०	होय ।
सम्मति	सं०	खुसी-राजी ।
		सम्मति देना—हें-हूँ ।
		सम्मत होना—खुसी-राजी ।
सम्मन	सं०	सोमोन ।

सम्मान	वि०	सोनमान, मानोत । सम्मानित—पोदमान ।
सम्मिलित	सं०	इनमाली, जुड़ ।
सम्मुख	सं०	उरु, बाकाल । सम्मुख होना—सोमुक रे, सामाङ रें
समृद्ध	वि०	लुदगुप्, बाहार, जोखार, मानगार । समृद्ध होना—लुदगुप् ।
सम	वि०	मित् । सम-विचार—एकामोय । सम विचार होना—एकामोय ।
समकोण	सं०	राय, टेङगोल ।
समझना	क्रि०	बुझाव, बुजहाव, सुमझाव । ठीक से समझना—थाहाय ठीक । बेकार समझना—छियाक । समझ—सुजबुज, बुज, बुझाव, बुद । समझकर—मेनते । समझ से बाहर—बुजभार । समझदार—बुझान्तार, बुदान । समझाना—बुझाव, बोधाव, तारीक, सामझा-सामझी, सामझाव, दोबका-दुबको, सामझाव । परस्पर समझाना—बुदुझाव ।
समझौता	सं०	राजीनामा, सेटेलमेन्ट, साही, सुही, तारीक । समझौता होना—साही-जुहीसापोवमा एन्डेनेन्डे । समझौता करना—रापधाप ।

समतल	सं०	सूर, छापोराय, चाउरास, मित्, साँव, छक-छुक, लेत्र-लेत्र, बेल, आनढाल, थामाल। समतल करना—मुरछाव, बाट, सारियाव, सूर, सुरूयाल, हेड़ा। समतल चट्टान—धीरी, चाटाँनी। समतल जगह—ओतेत। समतल भूमि—सोतेल। समतल मैदान—चाउबाल। समतल बनाना—छापोराय। समतल होना—सोतेल।
समता	वि०	सोमान। समता का व्यवहार करना—सोलोमान
समधी	सं०	सुमधी, बाला-साका, बाला। बड़ा समधी—गोडगोबाला। तुम्हारा समधी—बालाम। समधी-समधी—बालाया। समधी बनाना—बाला-साका।
समय	सं०	जुग, हिलोक्, दिन, काल, साँवाँय, पारताल, कार, ओपसोर, छोट, सोमोय, घुड़ी, ओकते, जोखा, घाड़ी, जोरवाच्, जाँत सात, हेल, लालाय, हुपका, दोम, घाड़िच्, बेला, बाट, तेखार, जोखेच्, धाव, धीप, आमदानी बेर, पोहोर, पाड़ीया, पान, दाव-घाव, धाय, पायार। एक समय—एक हारा-एक-बार, मित्, धाव। एक समय में नहीं होना—रीकोच्-रीकोच्।

उचित समय पर आना—जोखा-जुमाव ।

उस समय वाला—एनाङ इच् ।

आधुनिक समय—हाली, हाली-साली

आजकल का समय—हाली-साली ।

अनिश्चित समय—नाङ ।

कम समय मिलना—होपतो ।

किसी समय—तीसोक, तीन सोमोय, ओनेन, ओकाबाते ।

कितने समय—दारते ।

किसी समय—मित्-आतोमते, जाशेव, बाजे-वेला ।

कुछ समय—ओका मा ।

कुछ समय पूर्व—एनेओक् ।

पौ फटने के पूर्व का समय—हादाम-हुदुम ।

आदायगी निश्चित समय पर नहीं देना—किलाप ।

समय नष्ट करना—खेमाव, खापाव, ले लो, रीभो-रोभो ।

हर समय—पोला, मित्-तातले, मित् तालाव ।

तथा कथित समय-दिन आंकोत ।

समय नष्ट होना—खापाव

समय बर्बाद करना—आलाय फुलाय, गायहा गोयहो ।

समय मिलना—ओपसोर ।

समय होना—धाव, हेल, धोण्टा ।

समय बिताना-खेमाव, खापाव टालाव ।

समय निश्चित करना—नेनडा, नेनडा-गोन्डा ।

समय का फैसला—तेखार ।
समय पर होना—पोहरेक ।
बेकार समय होना—सुक बाराग।
समय में—होतेर।
समय पर—बेला-बीली, आगोतोर ।
समय से पूर्व—आँड़गात, आलो-सोकालो, आबे-ताबे ।
समय के पहले—आगोतर ।
समयानुसार—बाजे-खानेक ।

समथन सं० बाहूवाक् ।

समर्पन वि० आखान ।
समर्पण करना—आखान, आखान-जातरा, सोपरोत, आलाय, हारता ।

समरूप सं० बानकी ।

समस्त्र वि० सोमोस्तो, जोतो, बेकाक ।

समस्या सं० सुक-दुक ।

समक्ष वि० सामाङ रे, सामुक रे ।
समक्ष होना—सामुक रे ।

समाचार सं० बोगे-जुदा, हुकी गोत, सामाचार, जीवी-जाती, बिरतान्त ।
समाचार देना—जाहीर ।
समाचार लाना—हुकी गोत ।
समाचार पूछने की प्रक्रिया—जीवी-जाती ।

समान सं० बाताड़िच्, लैकान, सोमान ।
एक समान—ओपोर-खोपोर, एक

रोकोम, छानमान, जोपोर, मित्-लेका।
समान होना—जोपोर, ओनालेका, ओना-बाताड़िच् ओन-बाताड़िच्, ओज, जोट।
एक समान करना—झालाझुला।
एक समान होना—रोद-बोदोल, ओपोर-जोपोर।
समान भीतर करना—सीधो, आदेर।
समान हिस्सा—जोमो-जोस।
समानता—ओज, उरगान, सुरीक, रकान, होरोप।

समाना	क्रि०	साहोप्, खोंजा।
समानान्तर	वि०	जोक।
समाप्त	वि०	मुचा,त् चाबा, सामुड़, सेसान्ती। समाप्त करना—उरान, आगाड़-बिगाड़, गुचाव, चोयोत्, चाङ चुङ, निरोत, मार, सीकीम, माचोट, मारोत, सात, झाकाव, मुनुचात्, ढाका, पुराव, छुटी, बेथामाली, ओटाङ, झाड़ा, झुड़ा, छोरकोत, मोहण्डा, माराव, माहूकूप, कामाल, तामुर, चाबा, रासुक, साबाड़। बात समाप्त करना—साकीम। समाप्त कर देना—हेण्डकेत्। समाप्त होना—चाक्-पुची, सेसे, आत्, एन्डे, आसीत्, आटोक्, निङभार, निमभाव, आम्पा-ओम्पो, गोतो, थुर, सेनतो, खोंतोम, निङ गराव, सेसान्ती, मुचात्, गुदराव पूरा, बात् मानते,

		गुर-लोटोम, हाड़, होय, निव-झाव, उड़ाव, उठा-उठी, गोजोर-दोमा, चाबाक्, दीनहार, आहराव, गोर-बाद, सीत् ।
		समाप्त हो जाना—ओसोड़, आसीत् ।
		समाप्ति—छुटी, राम ।
		समाप्ति करना—छुटी राम ।
		समाप्ति होना—छुटकान ।
समीप	सं०	सोर ।
		समीप रहना—जेलेत् जेपेत् ।
		समीटवर्ती—गाडा गुरु, जाबड़े ।
		समीपवर्ती घेरा—जेजलेटेत् ।
समुचित	वि०	लेक, लेका ।
		सामफोला, सामुङ ।
		समुचित रीति से होना—सामुङ ।
समुद्र	सं०	सागोर, जालापुरी, जाला, दिरियाव ।
समुदाय	सं०	गांड़ा ।
समूचा	क्रि० वि०	गायुम, डुरिया-डुरियी, जोतो, सानाम, ताभाम ।
समूह	वि०	दान्धी, पाल भेवजान, जोहड़ा, चुमकाक्, जोग ।
		समूह में होना—जोग, जोड़हा ।
		समूह होना—जोहडा ।
समेटना	क्रि०	सामटाव, हार, मोटेआन ।
समेत	अव्यय	सामीत ।
सयाना	वि०	सेयान ।

सर्कस	सं०	सोरकोस।
सर्दी	सं०	आनदा मान्दा। उदा:-मुझे बहुत जोरों की सर्दी लगी है—आडी आँट इञ आनदा आकाना।
सर्वदा	क्रि० वि०	जायजुग, तीरीस काल, तीरीस-बारीस, जुग, जाडाम-जाडाम, सोदाय।
सर्वनाश	क्रि० वि०	बिचमारा।
सर्वहारा	क्रि० वि०	बाटे-घाटे, गानी-गाती, जोतो, पाकाड़, गोटा-टान्डी, हावात्-रिडेत्।
सरकना	क्रि०	गेनढेर, सोरकाव, सोरकोत, सारकाव, सोटकोयाक, सुरकाव, होसहोसाव, फाण्टील। सरक कर आना—खोरमबोत्। सरकते हुए—हिसरोत-होसरोत।
सरकम फाँसी	सं०	ओर-आसीत।
सरकार	सं०	सोरकार।
सरदार	सं०	सोरदार।
सरल	सं०	सोहोज, हारा-हुरा, पारहाड़, आल्गा। सरलता—आल्गा-बाल्गा। सरलता से घुसते जाना—बुयुत्-बुयुत्। सरलता पूर्वक—गोब-गोब, हारा-हुरा, बुस-बुस।

सरसराहट	वि०	सारसाराव ।
सरसों	सं०	तुड़ी ।
		जंगली सरसों—बिर-तुड़ी ।
		एक प्रकार का सरसों—लुटनी, ठाडिया ।
		सरसों तेल—उतीज सुनुम, सांची सुनुम ।
सराती	सं०	सारीयात ।
		सराती होना—सारीयात ।
सराबोर	वि०	साबार-सुबुर, जिवोच्-जोबोच्, जेहे-जोंबे ।
		सराबोर होना—जिबोच्-जोबोच, चेहेल-चेपेल ।
सराय	सं०	चाट्टी, साराय ।
		उदा:-कल हमलोग सराय में सोये थे—होला बिन्दा दो चाट्टी रेले गितिच् लेना ।
सरेंस-धूप	सं०	धुँड़ी-धूप ।
सरौता	सं०	सारोता ।
सलगम	सं०	सालगाम ।
सलाख	सं०	पाजजरी ।
सलाम	सं०	सालाम, जोहार ।
		सलाम करना—सालाम, जोहार ।
		सला ी—इतात्, जोहार ।
सलाह	सं०	बुद-भोरसा, पोरापोस, सोलहा ।
		सलाह करना—पोनथा, रियाव-

		राजोत, बुझा-बुझी। सलाह देना—टारकाव।
सवई	सं०	ढाँत।
सवाई	वि०	सावा।
सवार	सं	सोवार, दर्जोकि। सवार होना—चोधे। सवारी—सावारी।
सस्ता	वि०	सोरफा, मोन्दा, साहुता, सासता। सस्ता होना—सासता, साहुता, सोरफा।
ससुर	सं०	होब्रहार, बाबा, होब्रहार, बाबा ससुर।
सहकर्मी	वि०	साझा, हुका-बारदा, सौंहगे। सहकर्मी होना—साझा।
सहज	वि०	हारा-हुरा, आलगा, सोहोज। सहज होना—हारा-हुरा। सहज में झुकने योग्य—लुङकाड़।
सहना	क्रि०	साहाव, भुञ्जाव, सुमबराव। सहनशील होना—साहाव, लाहाव, ञोल-साहाव।
सहमत	सं०	सापोबञजा, राजी। सहमत होना—आपनाव, गाछाव, सीकार, खांम, सापोबाञजा, रियाव-राजोत, रीकीत, जुझाव, साधाव, उपुत्, सीपी, पानपाटा, गालोट,

		एकोक्, रीओत्, मिलोन, जोमका-जुमकी, रेबेन, एने, सेच, गिर-मिट । काम के लिए सहमत होना—एने, रेबेन ।
सहयोग	सं०	गोड़ो, सोपोहोत् । सहयोग देना—सोपो सेरोम । परस्पर सहयोग करना—पासरी ।
सहलाना	क्रि०	सुधाब, सुधेत् । बीमारी को सहलाना—चापो ।
सहसा	वि०	आचका । सहसा छीन लेना-जाङगला-जाङगली । सहसा उठा लेना—जाङगला-जाङगली । सहसा झटके के साथ—धामचुक्-मानते ।
सहानुभूति	वि०	सीर-टाटाव । सहानुभूति दिखाने वाला—गाये-माये
सहायता	सं०	आठड़ें, गोड़ो, बाह, उसास, साहाय, बाय । सहायता करना—बाहलोक- सुसार, साङगाड़हे, गोकड़ो, गोरास, सामाल, उसास, आय-उपाय, साप्-सोर, सोहोत सोपो-सेरोम, हातेया, गोगड़ों, आसु-दाक, साहाय, गोड़ो, ताला, धाव-जोगाब, उपोर, सोंवहा, जीताव, पाहलाव । सहायता का प्रबन्ध—आसुदाक् । सहायता पाना—तोराव । सहायता देना—हातेया ।

सहायतार्थ बुलाना—हाँकार-टोकार, हार-गुहार, हाँक-डाका ।
सहायता मिलना—साहास ।
सहायक—आसुल, हाँका-डाका, गोकरोयीच्, सोहोदा, दारे ।
सहायक प्रधान—जोग-माजझी ।

सहारा	बि०	ठेक, टीमी, उठाट । सहारा देना—ठेक, टेहाँड़, गिरहाड़, ओठाङगाव, टेसा, टीमी, ओठाङगाव, आठड़े, जापाक् सोतोक् । चलने में सहारा देना—सोतोक् । तिनके का सहारा बनना—धाटवा । कुल्हे के सहारे—चोचोंगोत् । सहारा लेना—टेण्डार ।
सहित	क्रि० वि०	साहीत, सोंगे, साँव ।
सहिष्णु	वि०	आहले-काहले, बेहुठू, भेरट ।
सही	सं०	सुही ।
सहेली	सं०	गाते-कुड़ी । पत्नी की सहेली—लुमती ।
सहोदर	सं०	मित्-लाच् । सहोदर—मिसेरा ।
सड़क	सं०	डाहार, सोड़ोक । सड़क होना—डाहार ।
सड़ना	क्रि०	पाल-पालाव, आहनाव, पोच-पोचाव, बेजे-बेजे, गाराव, सेया, बोराव, आम्बलाव, मोन्दे, लाम्वाव, गुमा,

धाल, धालाव, बोराम, फोराओ, गाजवाक् ।
सड़जाना—गाज-गाजाव, गाज-गाज ।
सड़ने के लिए गिरना—भांगा, सुलिया ।
सड़ा—बासकातिया, पोचा, पोन्दा, पोदरा, पोल-पोल ।
सड़ा हुआ—मोन्दे, गुमा, सेया, बेजे-बेजे, पोसकोत, फोरा, मुँहुँत् ।

सड़सड़ाना क्रि० सोड़-सोड़ाव ।

साँचा सं० साँच, बोहोंक ।

साँझ सं० आयुप बेला, साञझाली, ञुहुम ।
साँझ होना—ञुहुम, आयुप्-ञुम्बाक् ।

साँप सं० बिञ ।
उड़ने वाला साँप—उडाप् बिञ ।
नाग साँप—आयाङ बिञ ।
छोटी जाति का नाग साँप—नरेञ-आयाङ ।
एक प्रकार नाग साँप—धुरा आयाङ ।
विभिन्न प्रकार के साँप—सोच्-सोच् गाडा-बिञ, दाक् चीता कोंड़ी-बिञ, बुका सोबोक् बिञ, आमबाय-तार बीञ पाटोंड़हाङ, होड़-होड़ाङ बिञ, लाड़ बिञ ।

साँवला वि० तेल साँवाँर ।

साँस सं० साँहेत् ।
जोर से साँस लेना—पाकास-पुकुस ।

साँढ़	सं०	आयार, साँड़, सान्ड, आदार, आन्डार आन्डिया, उरिच् । खुला साँड़—उदाम-सान्ड ।
सा	प्रत्यय	ओक् । उदा:—थोड़ा सा—थोड़ा, ओक। ढेर सा—ढेर ओक् ।
साईस	सं०	सुहीस ।
साग	सं०	आड़ाक् । साग-सब्जी—आड़ाक् साका, तुरी-तोरकारी, घासे-पाते । साग-पात—साबुर साबुर । साग को डंटी से अलग करना—होत् विभिन्न प्रकार के साग—बिर-गान्धारी, बोय-बिन्दी, आड़ाक्, काना आड़ाक्, ओनोतू, आड़ाक, बुढी दातरोम, आपाङगीर-आड़ाक्, जीवी-रूखिया, मातकोम, आड़ाक्, हुड़हुड़ा, लान्द आड़ाक्, सीरगीटी आड़ाक्, तोवा-आड़ाक, गोटा गुन्दली आड़ाक्
सागर	सं०	सागोर, जालापुरी, दारयाँव ।
सागवान	सं०	सागवान ।
साची सनई	सं०	साची सोन ।
साज	सं०	साजाव । घोड़े की साज—गुनपालान ।
साझा	सं०	साझा । साझेदार—साझा ।

साझीदार	सं०	रासीया । साझ में काम करना—हुड़।
साटना	क्रि०	साठाव, जिलेत्, लाथीआव, जालात्
साठ	सं०	तुरुई गेल ।
सात	सं०	सालाय, सात, एयाय । सात दाँतवाला पशु—सातोलिया । सात भैया चिड़ियाँ—जीडू । सातवाँ—सोपतोमित्, एक्आय, एयायाक् । सात रंगी फूल—सात रांङगी ।
साथ	वि०	तेन, तुलुच्, साँव, सुघा, सेलेत, सेतेलेत, सातालाक, सालाक्, ठेच्, उपार, सामटी-उमटी, तीलीञ, तीकीन, पीछे । एक साथ—मित् जोमोक, मित् ठेन, मित्ते, मित्-जोमकाव, गोड़ते, सामीत गुट, गाले-गोले । साथ-साथ—ताकीन, गाल-साल, साहींत चोट, पान्ते, पितेत्, सोते, छोट, जोलोय, जोलोय, गानजा-गुनजा, गाले गोले, सालाक्, जामेक, गुडिया, गुडियी, तोरा, सोङगे-सोङगे, जोमका-जुमकी । साथ चलना—सोतोक् । साथ जीना—आपासुल । साथ देना—जोमका-जुमकी, लोय साथ धोना—आबुक सेलेत् । साथ बाँधना—जोड़ाव, हेल ।

साथ मिलाना—काँठा, गाञजा-गाञजी, हाड़ोप् मित् ।
साथ मिला हुआ—सामीट, सामीत।
साथ रहना—आपासुल ।
साथ ले जाना—टोडकोर ।
साथ सोना—गितिच्, गोड़ो ।
साथ होना—सेलेत्, लागाय, लोय, तुलुच्, गोड़ो ।
साथ में—ठेच् ।
एक साथ बेचना—गोड़ रे ।
एक साथ बैठना—साबाब ।
एक साथ मिल कर—सापटा ।
एक साथ होना—जोमकाव ।
साथ-साथ लेकर—टोकोर-टोकोर, डुयुङ-डुयङ ।
साथ-साथ सटा हुआ—जेपेरेत् ।

साथी | सं० | जोट, जुरी, जोला, जोड़, जुड़ीदार, गाते, सोङ भाई तीरी साङती, जुरी, जोह, लोय, साझा, साङवार, साङचाय सोङवार, साङचाय, सोङगे ।
साथी बनाना—जोड़ ।
साथी होना—जोड़हा, जुरीदार, जुरी, साँव, साझा, गाते, सोङगे ।
बिना साथी का—एकाड़हा ।

साधन | सं० | आय-उपाय ।
उदा :- उसके पास जीने का साधन है—उनी ठेन जीवादोक् लागित् आय-उपाय मेनाक् ताया ।

साधना | सं० | साबाव, मानान ।

साधारण	सं०	बिजुच्-बिजुच्, साधारोन, सादा, आङगोम, आवड़ी, चेटेया । साधारणत:—आसोकायते, सोबो-राचोर ।
साधु	सं०	जुगी, बाबाजी, साधू, उतीत । साधु होना—साधू ।
सान्त्वना	सं०	जीबी-राड़ेच् हापे, पुरूधुन । सन्तवना देना—इकोट: रापाड़ेच्, थामथुम, मेंत, चुबाक्, जीवी-राड़ेचे, ढार-दुर, हापे, नेमजा-निमजी, गोचार । सन्तवना मिलना—पुरूधुन ।
सान-चढ़ाना	क्रि०	सीलाव, सीकील, सान, धार, । सान चढ़ाने वाला—सीकीलदार ।
सानना	क्रि०	सोपी, कादलाव, कावटा-काचटी, सानाव ।
सान-पत्थर	सं०	सीकील, सान ।
साफ	सं०	पोटोर, इसपोस्टो, साफा, बोरोत-बोरोत, पुरठा, पाड़छा, एसेल, हामरान, फारिया, झाला-झुला, जीरी-हीरी, रीली-फोली, कोटा, नीठुर, निखार, पोटोर-पोटोर । साफ करना—पोटोर, पाड़छा, आमील, पाइटाव, हेङगा, लापुक्साला, रालाकसाका, कोचलाव, सालाला, चोकटाओ, झोराव, झाडाव, उरीलाव,

उरलाव, उरला-डरली, कुकार, सुथराय, पुड़छाव, हावात्‌रिडेत, सीडगीर, बोहोय, झाक-झाकाव, लेताड़, जोत, फारछा, मायठान, सुथी, सोलतोन, टान्डी, फोलोक, फेड़ाव।

साफ किया हुआ फल—बोकलाओ।

अधूरा साफ किया हुआ—गाबाड़।

साफ होना—पारसाडठायात्‌, ठापोत, ठात्‌ मानते, छाक-माकाब, टान्डी, उबेड़, रीली-फीली, पोरोओङ, हामरान, घूत-मेटाव, पोड़छो।

साफ बरामदा—चिकाँड़-पिण्ड़ा।

साफ सुथरा—साफा-साफी, हामरान, रीला-मोला, चेंड़कोत, आरीक-पारीक, माहीत, नापाय, छीक-छाक।

साफ सुथरा न होना—हेजलेच्‌।

साफ—सुथरा वस्त्रधारी—चेलकोत।

साफ स्थान—जारा।

साफ-साफ—पुसटा-पुसटी।

साफ रंग—गारलाथ।

साफ और चिकना—चिकाँड़।

साफ और सुन्दर—झारला-पुरला।

साबल	सं०	साबोल।
साबित	सं०	दारसाव।
		साबित करने वाला—पुकरावइच।
		साबित होना—दुबदान।
साबुन	सं०	साबून।
		साबुन लगाना—साबून।

साबुदाना	सं०	सागू ।
साम्भर	सं०	गादले-सारोम ।
सामग्री	सं०	सामागीरी, जिनिस, साना-फाना ।
सामने	क्रि० वि०	आगला-आगली, सामने, सामाङरे, आगीया, उचाट, लाहा, लाहा रे, सामाङ रे । सामने रखना—उचाट, सामाङ । सामने लाना—आगीया । सामने होना—सामना सामनी, सामका-साही । सामने निकली दांत—दातरा । सामने में—सामुक रे ।
सामर्थ	सं०	धावोत । सामर्थ होना—धेजाव । सामर्थ पुर्वक—उमार-सामार ।
सामा	सं०	सामा घांस—(घास)
सामान	सं०	जिनिस, दुरीब, चीज, माल । आवश्यक सामान—बाबसाब, सोमोल । अधिक सामान—डाटा-डुमार ।
सामी	सं०	सामभे ।
सामुहिक	क्रि० वि०	चुमकाक् ।
साया	सं०	साया ।
सार-तत्व	सं०	तुमुल ।

सारङ्गी	सं०	साराङ्गी, रावनी, बुआङ, कीन्दीरी-बानाम । सारङ्गी बजाकर पेट पालना—बुआङ ।
सारस	सं०	सुङकाल, ढेङ्का, बाद-ढेङ्का । सफेद गर्दन वाला-सारस—मानीक जोड़ ।
सारांश	सं०	चोमोक् खाटोते ।
साल	सं०	सेरमा, बोछोर, माहाँ, साल । साल भर—बारोमास, बोरो माहना, बारो-मासीया । साल भर की लगान—ओघे । सालाना—बाछड़ी । साल बृक्ष—सारजोम, सोन । छोटा साल वृक्ष—हाबुका । साल वृक्ष का सरेस—धुँड़ा ।
साला	सं०	एखेल, साला । साला-बहनोई—एरबेलेया । साला-बहनोई का रिश्ता—साङगात, तेत्राया । साली—साली, एरा-बोयहा ।
सावधान	सं०	दान्दागिरी, चेतान, चेहाओ, छत्रीत्, जागवार, हुसियार, सोनतोर, सावधान, जाँकोड़, जोगास, चेहाओना, राक-जाक, चिरगाल । सावधान कराना—टारकाव । सावधान कर देना—चेहाव । सावधान होना—आवधान, हुसियार, आहाँक्, जोह जोहाव ।

सावधानी से देखना—हुचका-हुचकी ।
सावधानी पूर्वक—सोनतोर, जाँकोड़, जोगास, चाण्डाक्-चोण्डोक्, रोकमे-रोकमे, जाड़ी, जान्ती, चोलो-चोलो, दीग-दीगुआर, ठामकाव, ठामकावते, बेस ओकोचते, जुते-जुतेतु मुरी-मुरी, राचे, बाचेते, काने-काने, दाया-दायाते, दोलो-दोलो, गोसेच्-गोसेच्, गान-गानते ।
सावधानी पूर्वक करना—लाहके-लाहके
सावधानी पूर्वक परीक्षा करना—दांवांव ।
सावधानी पूर्वक देखना—मेंत्-बायसान ।
सावधानी पूर्वक होना—कोड़ेको-रोबोत् ।

सावन	सं०	सान ।
सास	सं०	हानहार, आयो । अपना सास—हानहारिञ । उसकी सास—हानहारतेत् ।
साहब	सं०	साहेब ।
साहस	सं०	दिल, बुक, साहास, भोरसा, साहोस । साहस करना—साहोस, छाती, दिल । साहस देना—उदगाव, साहोस । साहस दिलाना—साहास । साहसी—जाल-जालिया, दिल, गाजो-लमान, दिलान, दिल-गारिया आट-

बारा, आरोंट, बीदरीक, टाबोस, ढाबोसिया, ढीटाव, जारनाहा, छाती-बाला, बाग रासियाँव, जोलोनिया, साहासिया दिलमान, दिलगारिया, दिलगार।
साहस पूर्वक—जीवी, जाङते, निरधोक, दिलानते।
साहसीक—आडाप-बाडाप

साही	सं०	झींक।
साहुल	सं०	साहुल। साहुल से नापना—साहुल।
साक्षी	सं०	गोहा, इजहार, साखी, साद, गुजरात। साक्षी देना—गुजरात, साद, गुजराव, गोहा-एम, साखी एम, इजहार, गोहा गुजराव, गोह जाव।
साड़ी	सं०	साड़ी। किनारा सफेद और लाल साड़ी—दोआल। साड़ी पहनना—बान्देक्। साधारण साड़ी—बान्दे लाबड़े। काम चलाऊ साड़ी—बान्दे लाबड़े।
साढ़ू	सं०	साडगे, साढ़ू।
साढ़े	वि०	साड़हे।
सिंघाड़ा	सं०	पानीफोल।
सिंचाई	सं०	सियात, पाटान। सिंचाई करना—सियात, सीआन।

		सिंचाई का कर—जोल-सासोन ।
		सिंचाई करने की नहर—जापाइ ।
		सिंचाई कर लगाना—जोल सासोन ।
		सिंचित—सीआन ।
सिंह	सं०	कूल, बिर-राज, सिङ्हो ।
		सिंह पदवी—सिङ
		सिंह द्वार—सीञ दुआर ।
सिंहल-द्विप	सं०	सीङधीन-दीप, लोङ्का ।
सिंहासन	सं०	सिङ्हासोन ।
सिक्कड़	सं०	सीकड़ी, काड़ी ।
सिक्का	सं०	सीकी, सीका ।
		सिक्का बनाना—गीलटी ।
सिकहर	क्रि० वि०	टीपा ।
सिका	सं०	सीका (संताल परम्परा के अनुसार लड़कों की कलाई में जला कर बनाया हुआ गोल चिह्न)
सिकुड़ना	क्रि०	राचुप्, काड़चाङ-कुड़चाङ, ढोम-बोक, डोपोयोत्, जुकनुच्, रूपुचकुत्, झाम-झाडरूक, कारचुप्, चोकड़ो, बेतियार चाकड़ा चोकड़ो, फुटी, लाकड़ुच्, जोङगड़ाव, गोञ्जड़ाव, लाटिच्, हाबजलुक्, डुडुम-ढुकाक्, सुरूसुच्, हाहालपात, चेटे-पेटे, कुकुच्, कुड़बाङ कोड़योत्, किरचुप्, जाक-नुच्, खामपोक्, चोयकोत्, डुडुरकुच्, टुनकाव, टुन-टुनाव, चाकड़ा-चोकड़ो,

		चामोड़िया, जोङगड़े, जोको, कोको-ड़चोत् ।
		ठण्ड से चमड़ा सिकुड़ना—सीम जेळ।
		ठण्ड से कोई चीज सीकुड़ना—सुड़-सुच् ।
		सिकुड़ा हुआ—काकाड़चाङ, जोल्पो, बेधा, झुनकी, कोड़गा, ।
		काड़चाड़, कुड़चाङ, ढोमबोक, चुपुयकुत्, डुडुरकुच्, जिलपात्, जोङगड़े, जोङगडा,-जुङगड़ी, जोको, कोकोड़चोत्, कुडबुङ, कोड़चोत्, किरचुप्, डुडुम दुकाक, जाकनुच्, जुकनी, खायपोक्, चोयकोत्, कुकुच्, लाटिच्, जुकनुच् ।
		सिकुड़ा हुआ होना—रपुचकुत्, लुमकुयुत् ।
		सिकुड़ा हुआ अवस्था—लुमकुयुत्, जोकड़े, जुलुङ जुपुङ ।
		सिकुड़ा हुआ पेट—हाहालपात, हापाक-हापाक् ।
		सिकुड़ते हुए—जीङगड़ाव ।
		पेट को सिकोड़ना—ओड़सेच् ।
सिखाना	क्रि०	बातलाव ।
		सिखाया हुआ—बोलाओ ।
सिगरेट	सं०	चुटी ।
सिझाना	क्रि०	रून ।
सिट्ठा	वि०	सीठा, सीटीक्, साबाक्, चापोस-चापोस ।
सितार	सं०	बानाम, सीतार ।

सिद्ध	सं०	गाखुड़ ।
		सिद्ध करना—हाटाव ।
सिद्धांत	सं०	होरा, राहा, हार ।
सिन्दूर	सं०	सीनदुर ।
		कृत्रिम सिन्दूर—रोस-मानीक ।
		सिन्दूर देना—सीन्दरादान ।
		सिन्दूरदान—किया ।
		सिन्दूरदान (रस्म)—सीन्दरादान ।
		सिन्दुर युक्त पति—सीन्दुर साकाम ।
		सिन्दुर लगाना—सिन्दूर एतोत बुन्दी ते ।
		अनिच्छा पूर्वक सिन्दूर लगाना—इपुतुत् ।
सिन्धु	सं०	सीन्धू ।
सिपाही	सं०	दीगुआर, सिपाही ।
		सिपाही बनना—सिपाहीक् ।
सिमसिम	वि०	सेम-सेमाव ।
		सिमसिमाना—सेम-सेमाव ।
सिमेंट	सं०	सीमींट ।
सियार	सं०	तोयो, सीयाल ।
		सियार गाड़ी (छोटे-छोटे पहिया का बैलगाड़ी)—तोयो-सागाड़ ।
सिर्फ	अव्यय	सीरीप ।
सिर	सं०	बोहोक् मूँसीड़,स ।
		सिर चकराना—ढेनमेन ।

सिर झुकाना—कुडबुर, डुबुक्, तुमबुत् ।
सिर झुका कर—डबुङ-डुबुङ, कुडुङ-कुडुङ, डुबुक-डुबुक्, गुडुङ-गुडुङ ।
सिर झुका कर जाना—हामचाक्, हुमचाक् ।
सिर झुका हुआ—डाबुङ-डाबुङ ।
सिर का बाल मुड़ना—होयो-मुण्डरा ।
सिर फोड़ना—ढेस माराव ।
सिर टकराना—ठुक्-ठुपुठुक् ।
सिर भारी लगना—तुगुम-तुगुम, लाङगुल-थाङगुल ।
सिर हिलाना—रुम-डुबुक् ।
सिर में हल्का दर्द होना—तुगुम-तुगुम ।
सिर पर ढोना—दीपिल ।
सिर पर मारना—गुँड़-ठुटका, कोटाप् ।
सिर का बाल कम होने की प्रक्रिया—डुडगा ।
बड़ा सिरवाला—दाड़मा ।

सिरका	सं०	सीरका ।
सिरिस	सं०	सिरिस ।
सिलसिला	सं०	बाबोत ।
सिलाई	सं०	सीलाय, रोक् ।

सिलाई करना—सीलाय, रोक् ।
सिलाई मशीन—सीलाय-मिसिन ।
सिलाई करके जोड़ा हुआ—रोतोक् ।
सिर हिलाते हुए—डाबाक्-डुबुक ।

सिलौट	सं०	सासाङ, रित-धीरी, पाटी-धीरी । सिलौट-लौढ़ा—गुड़गु ।
सिसकना	क्रि०	हेने- फेने, फेकनाक, सुरूच-सुरूच, हुकराव, तीरूङ-मिरूङ, कुसुत-कुसुत, ञेञे-ञेञे, उरूञ-उरूञ, गिरिया, जेनेफेने, राक, डेङगा, बाराङ-बुरूङ, तीरीञ-गोरीञ, कान्दना, हुँकुत-हुँकुत- आङञुङ, आञ-इञ, सुरूच्-सुरूच् । सिसकते हुए—खानास-खुनुस आङ-ञुङ, ञेञे-ञेञे लीरूङ-गिरूङ दाराङ-दाराङ । सिसकी—कान्दना, सुरूच् । सिसकी आना—दाराङ दाराङ । सिसकी भरना—कान्द, कोंसोत, कुसुत, कुसुत, गिरिया, एहेक्—एहेक् हुँकुत-हुँकुत, हेहें-पेपे, हेंकोत, हेंकोत । सिसकी भरते हुए—एहेक-एहेक, हुँकूत-हुँकूत । सिसकारी—आञ-इञ । सिसकारी करना—सीसगार ।
सीरीस	सं०	सीरीस ।
सील	सं०	सील ।
सीसम	सं०	सीसु ।
सीढ़ी	क्रि०	सीड़ी, धारड़ी, चाइनी, । सीढ़ी का डंडा—हुदरा ।

सुअवसर	सं०	सीक, बातार, बाताड़, उफाङ, ताक, घात, दाब, दाव-घाब, एहे-बातार, धाय, साञजोक, बाह, दीन-सोमोय । सुअवसर प्राप्त करना—घात, एलेम-चेलेम । सुअवसर प्राप्त होना—दाब । सुअवसर मिलना—ताक । सुअवसर ढुंढना—एहले-चेलहे ।
सुकुमार	वि०	रेरेत ।
सुख	वि०	खेभा, सुक । सुख रोग—जिबेत-रोग । सुखी-सुखी । सुखी होना—हातेर सुक, सुखी ।
सुखना	क्रि०	रोहोड़, आसीत, रोकड़ेक् । सुखकर—मोघूबन ।
सुखाना	क्रि०	तासे, रोहोड़ ।
सुग्गा	सं०	मीरू, सुगा-सकरो । छोटा सुग्गा—दोच्-मीरू, सुगी-चेड़ें ।
सुगन्ध	वि०	सोन्दगोन्द, मोहोक मोञ्ज-सो । सुगन्ध होना—आंवरा मिथी । सुगन्धित तेल—सो-सुनुम, आंवरा-मिथी ।
सुगबुगाना	क्रि०	उकुस-पुकुस, उसकु-पुसकु-सुग-बुगाव ।
सुघड़	वि०	सुघोड़ ।
सुडौल	वि०	डाटो, डेमचोक, घाड़ेङगा, घामेला, राङगा ढोङगा ।

		सुडौल शरीरी वाला—डाटमोट, पोत-मोत् ।
सुण्डा	सं०	जारण्डी । सुण्डा द्वारा अनाज नष्ट करने की प्रक्रिया—जारण्डी ।
सुतरी	सं०	सुतरी-दाल ।
सुधारक	सं०	सुसारिया ।
सुधारना	क्रि०	तुलीआव, कोबआव, सुधराव, दुमेड़ । सुधार होना—ढोनको ।
सुन्दर	बि०	चोमोक, चेहरा, रेङगलेच् चेमकेच्, हुसनाक, धाम-धामिया, मोञ्ज, मोञ्जोक, लिठुर, ढाब-ढोब, झाबराही खुलाव, ठोसोक, ठोसकोर गारलाय, छाकेल-माकेल, कनेकेच्, हुसनाक् हासनाक्, सोहानमोर, मोर, मोंजगुत, साहित, चाकमाक, डोल, दीखनोर, सुथार, मुरचुलू, जुत, हाँस, चोंहोंक । उदा :—नाचते समय मोर बहुत सुन्दर दिखाई देता है—एनेच जोखेन माराक्, आधी जोहोंक को नेलोकआ । सुन्दर ढांचा—ढोबान । सुन्दर और भव्य—दारा-हारा । सुन्दर दिखाई देना—खुलाव । सुन्दर बनना—डोल । सुन्दर बनाना—ढाब-ढोब । सुन्दर लगना—सोहान मोञ्ज । सुन्दर होना—छाक-माकाव ठाटबोन्द, रोकोड, जुत, छाक्-माकाव, ठोसोक, खुलाव सुन्दरी—एक-मेक ।

सुनना	क्रि०	हेनात, आञजोम, आकञ्जोम, मानता, आतेन, होते, ताताब, आते, तोन, कान-हेह लुतुर।
		ध्यान से कान लगा कर सुनना—लुतुरबीत्।
		नहीं सुनना—बातील।
		परस्पर सुनना—आपाञजोम।
		सुनने के लिए कहना—हो-ते, ओते-हो; एते, ओतेया, ओते-ओते-ओकोय, ओते-तोरा।
		सुनवाई होना—सार-बाजाव, सुनान।
		सुनाई नहीं पड़ना—तीङगोत्।
		सुनी हुई-उनान, होयजा, काथाय।
		सुना हुआ—काल दे।
		सुनो—हेते, होयजा, ओते-ताम, हाय, जोई, इया।
		आते-हो, ओते-तोरा।
सुनसान	वि०	हायता-होयतो, दाँयाँक् निसुन, दायाँक्, दाँयाँक्, निचोल, चमाल-चोमोल।
		सुनसान होना—निसुन।
सुपली	सं०	सुपतीत् सुतीच, हाटाक्।
सुपारी	सं०	गुवा।
		सुपारी का पौधा—आजुवा।
		उदा :- वे सुपाड़ी का पौधा लगा रहे हैं—ओन को दो आजुवा को रोहोय एदा।
सुबह	सं०	सेताक्,।
		सुबह होना—आङगा-मारसाल, पाहू-पाहाव।

		सुबह का तारा—आङगा इपिल ।
सुबेदार	सं०	सुबादार ।
सुर्खी	सं०	सुरकी ।
सुर	सं०	गाला, राड़, राहा । सुर (राग)—आड़ाङ । सुर में होना—सुरमाव ।
सुरंग	सं०	सुरूङ, खोन्डरोङ । सुरंग खोदना—सुरूङ ।
सुरगी	सं०	सुरगी-बाहा ।
सुरगुजा	सं०	सुरगुजा । जंगली सुरगुजा—बिर सुरगुजा ।
सुरसुर	क्रि० वि०	रागाय-रागाय, रागा-बाजा, रागाम-रागाम, रागाय मानते । सुर-सुराते हुए—रागाय-मानते । सुरसुराना—रागाम-रागाम ।
सुरक्षा	सं०	रूखिया, जोगासोन, आड । सुरक्षा करना—रूखिया, जोगाव सुरक्षा पूर्वक—जोगाड़ते । सुरक्षित—राखा, सोहबोद । सरक्षित रखना—जोगाव, दातका होरहो-जाङगे, राखी-जोगाव, बाय मोरे, सांयताव बानधे, जोगाव । सुरक्षित स्थान—आमदा, बाबायाक । सुरक्षित होना—सोहबोद, राखा ।
सुराही	सं०	सुराही, सुराई ।

सुलगना	क्रि०	सारङगाव, डाउ-डाउ, सालगाओक, सुलगाव, हाव-हाव, खेच—राव। सुलगाना—सुलगाव, दाहुङगा-दाहुङगी, धानधा, सालगाव, सुरनगाव।
सुलझाना	क्रि०	फीदली, फारियाव, छिनड़ाव। सुलझा—सोदगोड़ो।
सुलह	सं०	नीम-नाम। सुलह करना—सामझा-सामझी।
सुलाना	क्रि०	गितिच्। उठा करके सुलाना—हार-गितिच।
सुव्यवस्थित	सं०	दोबोन, दासा-गुड़गुड़िया। सुव्यवस्थित करना—साँबहाँ। सुव्यवस्थित होना—दोबान, छाकमाकिया।
सुव्यवहार	सं०	इज्जत।
सुविधा	सं०	सुबीता। सुविधा होना—साहबीत। सुविधा जनक—कुबाव।
सुशुषा	सं०	सुसारिया।
सुशील	वि०	सुजात, बिन्दोस।
सुस्त	वि०	काम-उड़ाव, लाठेया, धोलो-मोलो, धापुधा, मासुवा, गोसड़, बोरसोत्, मोरगोते, गाफिल, किदगिच् बेबाण्डाकी, पेला-काण्डिया, गाडामी, गोद-गोदो, कुड़हिया, लोजाही, जाढना, लोनदेया, हितो-हातो, लेकामूँ, सुकराज, पाथ-राहा पाथराही, टाम्बी, आन्हिया।

भेररो, थुङ्गुल-थुङ्गुल, तोरलात,
माहींर, दोग-दोगो, जोडो, जोड-जोडो
मोटा और सुस्त—भाण्डा-भोण्डो।
सस्त पड़ना—सुसुतो, तोरलात।
सुस्त होना—धीसाड-धोसोड़, आलाम
पोलेत् सुकराज, लकामू, कुड़हिया,
डीङगार, गाधा-गोधी, जोड-जोडो।

सुसज्जित	वि०	ओलाडका, छाकमाकिया, सजाव।
सुसम्पन्न	वि०	गान, गानिया।
सुसंस्कृत	वि०	सुजात।
सूंघना	क्रि०	जी।
सूँढ़	सं०	सोण्डा, सुण्ड।
सुअर	सं०	सुकरी, ओत-उकटाइच्, हुण्डरुक। जंगली सूअर—बिर सुकरी। सूअर का बखोर—सुकरी-बाण्डा, सुकरी-बांडा। सूअर की चर्बी—सुकरी-इतिल। सूअर की आवाज—हुण्डरूक, हुण्डरूक् सूअर बुलाने का शब्द—डुरू-डुरू।
सूई	सं०	सई।
सूखना	क्रि०	चुड़-चुड़िया, खाङगोर, झांवराव, गोसो, आसीत्, हाबेत, रोहोड़, ओधराव, झानझानाव, आनजेत, जोलखोत, जुकनुच्, झामाट, ठोनको, रोपाम, तोलमोच, आयनू, सोच-सोच, सोखाव, सुसाव, निङगराव, वोराम, सीटकोच, रोहोड़, साकीत्, लाटाव, राचुप, आटकाव।

सूख जाना—सुरास, झाँवरा-झाँवरी मानजाल, साटकाव, झाकाट, डोयोत, आर-माराव, हावेत, आसीतझुरा, रूचकुप, खाङगोट ।

सूख कर ढेला बना हुआ—चाचा ड़दाङ ।

सूखा—सायदाङ, बिडिर-बिडिर, टोकुरी, केकेड़चाङ, झान-झान, चाईता-चोयता, सुखा, खाङगोट, बेरोस, मालोट, कुठांड़, टानुआ-जोल-झाकुआ, जोल-खोत, ठोनको, डोयोत, टान, टाङटाङाङ राठाय-पोठाय, माटोर, कोरहोड़, टान ।

सूखाना-झाकाट, हिजजित, सुरास ।

सूखने के लिए फैलाना—मेलाव ।

सूखकर पतला—रोहोड़-जेडेर ।

सूखकर कांटा होना—रोहोड़-जेडेर ।

सूखकर झुर्री होना—चाट-चाटाओ ।

सूखकर खुर-खुरा—रोद-रोदो ।

हवा में सूखाना—होयोङ ।

सूखा देना—झाकाट ।

सूखा पड़ना—टानोक्, टानुआ, टाङ टाङाङ, माटोर, टान ।

सूखा पकाना—चुड़चुड़िया ।

सूखा स्थान—कुढांड़ ।

सूखा होना—जमाव ।

सूखा और कड़ा—रामबाड़-रूखाड़, देगेन

सूखा हुआ—तोलमोच्, रुखाड़, पोच्-सोच, रूचकुप्, माजजेला जामाव, जेकड़े, झुरा, चुड़-चुड़िया, जोको, रोहोड़, बोरोच् ।

अधिक सूखा हुआ—खारगाव ।
आधा सूखा हुआ—ताबुच् ।
पूर्णतः सूखा हुआ—टाटाव ।
सूखी जमीन—डाङगाल ।
सूखी खाँसी—ठाय-खोक् ।
सूखी टहनी—रोयो, रोयो-रोपो ।
सूखी लकड़ी—झुरी-झान्टी ।
सूखी हवा—हाडाहा ।

सूचक सं० जाना-जानी ।

सूचना सं० जान-गुमान, खोकबोर, खोड़ो, तोला-सामबला, ढारवाक, चुपती टेवान, सुम-बाखरा, लुटिस, रोहपोट, चिट्ठा, टीआव, खुटावः सामाचार ।
सूचना देना—लुटिस, रोहपोट, खुटाव, सोर-बाजाव, सुनान ।
जाना—जानी, छान्दाव, जानातो, एतलाय, जारी, जाबीद ।
जाँचाव, डामडाहे, खुन्टाव, जाहिर, हुलिया ।
शिकार में जाने के लिए सूचना देना—ढारवाक् ।
सूचना मिलना—खोड़ो ।
तुरंत सूचना मिलना—होपतो ।
सूचित—डामडाहे ।
सूचित करना—जानाव, लाय-साडे, जारी, एतलाय, जानातो, छान्दाव, जाना-जानी, ढारवाक, दारी-यारी लाय-सोदोर ।

सूची सं० सुची ।
सूचि बनाना—तालखा ।

सूझबूझ	वि०	सुझबुझ, उजबुज ।
		सूझ न बूझ—उजन बुज ।
सूत	सं०	सुताम ।
		सूत कातना—ताकोय, ताक्को, एवड़ा, बातकुन्डा ।
		सूत की लच्छी—लाती ।
		सूत की लच्छी बनाना—लाती ।
सूद	सं०	आघी-बेयाज, सुद, घोराट, होपोन ।
		उदा :—में सूद देने के लिए महाजन के पास जा रहा हूँ—इञ दो आघी पैसा एम महाजन ठेन इञ चालाक् काना ।
		सूद लगाना—सुद-बाइसाब ।
		सूद लेना—घीराट ।
		पचास प्रतिशत सूद—डीढ़ी ।
सूना	वि०	सुना, सोसीड़िच् ।
		सूना पड़ना—सुना ।
		सूनापन—उलाग ।
		सूनसान—सानसुन ।
सूप	सं०	हाटाक् ।
		सूप से साफ करना—लेचेच् ।
सूर्य	सं०	चान्दो, सिञ-चान्दो ।
		सूर्य देवता—सिञ-बोङगा ।
		सूर्य भगवान—सुरजाही ।
		सूर्य की किरण—चान्दो-रोत ।
		सूर्य की लालिमा—दाक् बाहा ।
सूर्यास्त	सं०	आयुप्, जोपोक, बेरहासुर ।
		सूर्यास्त होना—बेरहासूर, आयुप्-जोपोक ।

सिलौट	सं०	सासाङ, रित-धीरी, पाटी-धीरी । सिलौट-लौढ़ा—गुड़गु ।
सिसकना	क्रि०	हेने- फेने, फेकनाक्, सुरूच-सुरूच, हुकराव, तीरूङ-मिरूङ, कुसुत-कुसुत, ञेञे-ञेञे, उरूञ-उरूञ, गिरिया, जेनेफेने, राक्, डेङ्गा, बाराङ-बुरूङ, तीरीञ-गोरीञ, कान्दना, हुँकुत-हुँकुत- आङञुङ, आञ-इञ, सुरूच्-सुरूच् । सिसकते हुए—खानास-खुनुस आङ-ञुङ, ञेञे-ञेञे लीरूङ-मिरूङ दाराङ-दाराङ । सिसकी—कान्दना, सुरूच् । सिसकी आना—दाराङ दाराङ । सिसकी भरना—कान्द, कोंसोत, कुसुत, कुसुत, गिरिया, एहेक्—एहेक् हुँकुत-हुँकुत, हेहें-पेपे, हेंकोत, हेंकोत । सिसकी भरते हुए—एहेक-एहेक, हुँकूत-हुँकूत । सिसकारी—आञ-इञ । सिसकारी करना—सीसगार ।
सीरीस	सं०	सोरोस ।
सील	सं०	सील ।
सीसम	सं०	सीसु ।
सीढ़ी	क्रि०	सीड़ी, धारड़ी, चाइनी, । सीढ़ी का डंडा—हुदरा ।

सुअवसर	सं०	सीक, बातार, बाताड़, उफाङ, ताक, घात, दाब, दाव-घाब, एहे-बातार, धाय, साजजोक, बाह, दीन-सोमोय । सुअवसर प्राप्त करना—घात, एलेम-चेलेम । सुअवसर प्राप्त होना—दाब । सुअवसर मिलना—ताक । सुअवसर ढुंढना—एहले-चेलहे ।
सुकुमार	वि०	रेरेत ।
सुख	वि०	सेभा, सुक । सुख रोग—जिबेत-रोग । सुखी-सुखी । सुखी होना—हातेर सुक, सुखी ।
सुखना	क्रि०	रोहोड़, आसीत, रोकड़ेक् । सुखकर—मोघूबन ।
सुखाना	क्रि०	तासे, रोहोड़ ।
सुग्गा	सं०	मीरू, सुगा-सकरो । छोटा सुग्गा—दोच्-मीरू, सुगी-चेड़ें ।
सुगन्ध	वि०	सोन्दगोन्द, मोहोक मोञ्ज-सो । सुगन्ध होना—आँवरा मिथी । सुगन्धित तेल—सो-सुनुम, आँवरा-मिथी ।
सुगबुगाना	क्रि०	उकुस-पुकुस, उसकु-पुसकु-सुग-बुगाव ।
सुघड़	वि०	सुघोड़ ।
सुडौल	वि०	डाटो, डेमचोक, घाड़ेङगा, घामेला, राङगा ढोङगा ।

		सुडौल शरीरी बाला—डाटमोट, थोत-मोत् ।
सुण्डा	सं०	जारण्डी । सुण्डा द्वारा अनाज नष्ट करने की प्रक्रिया—जारण्डी ।
सुतरी	सं०	सुतरी-दाल ।
सुधारक	सं०	सुसारिया ।
सुधारना	क्रि०	तुलीआव, कोबआव, सुधराव, दुमेड़ । सुधार होना—ढोनको ।
सुन्दर	वि०	चोमोक, चेहरा, रेङगलेच् चेमकेच्, हुसनाक, धाम-धामिया, मोञ्ज, मोञ्जोक, लिठुर, ढाब-ढोब, झाबराही खुलाव, ठोसोक, ठोसकोर गारलाय, छाकेल-माकेल, कनेकेच्, हुसनाक् हासनाक्, सोहानमोर, मोर, मोंजगुत, साहित, चाकमाक, डोल, दोखनोर, सुथार, सुरचूलू, जुत, हाँस, चोंहोंक । उदा :—नाचते समय मोर बहुत सुन्दर दिखाई देता है—एनेच जोखेन माराक्, आड़ी जोहोंक को न लोकआ । सुन्दर ढांचा—ढोबान । सुन्दर और भव्य—दारा-हारा । सुन्दर दिखाई देना—खुलाव । सुन्दर बनना—डोल । सुन्दर बनाना—ढाब-ढोब । सुन्दर लगना—सोहान मोञ्ज । सुन्दर होना—छाक-माकाव ठाटबोन्द, रोकोड, जुत, छाक्-माकाव, ठोसोक, खुलाव सुन्दरी—एक-मेक ।

सुनना	क्रि०	हेनात, आजजोम, आकञ्जोम, मानता, आतेन, होते, ताताव, आते, तोन, कान-हेह लुतुर ।
		ध्यान से कान लगा कर सुनना—लुतुरबीत् ।
		नहीं सुनना—बातील ।
		परस्पर सुनना—आपाजजोम ।
		सुनने के लिए कहना—हो-ते, ओते-हो; एते, ओतेया, ओते-ओते-ओकोय, ओते-तोरा ।
		सुनवाई होना—सार-बाजाव, सुनान ।
		सुनाई नहीं पड़ना—तीङ्गोत् ।
		सुनी हुई-उनान, होयजा, काथाय ।
		सुना हुआ—काल दे ।
		सुनो—हेते, होयजा, ओते-ताम, हाय, जोई, इया ।
		आते-हो, ओते-तोरा ।
सुनसान	वि०	हायता-होयतो, दाँयाँक् निसुन, दायाँक्, दाँयाँक्, निचोल, चामाल-चोमोल ।
		सुनसान होना—निसुन ।
सुपली	सं०	सुपतीत् सुतीच, हाटाक् ।
सुपारी	सं०	गुवा ।
		सुपारी का पौधा—आजुवा ।
		उदा :- वे सुपाड़ी का पौधा लगा रहे हैं—ओन को दो आजुवा को रोहोय एदा ।
सुबह	सं०	सेताक्, ।
		सुबह होना—आङ्गा-मारसाल, पाहू-पाहाव ।

		सुबह का तारा—आङगा इपिल ।
सुबेदार	सं०	सुबादार ।
सुर्खी	सं०	सुरकी ।
सुर	सं०	गाला, राड़, राहा । सुर (राग)—आड़ाङ । सुर में होना—सुरमाव ।
सुरंग	सं०	सुरूङ, खोन्डरोङ । सुरंग खोदना—सुरूङ ।
सुरगी	सं०	सुरगी-बाहा ।
सुरगुजा	सं०	सुरगुजा । जंगली सुरगुजा—बिर सुरगुजा ।
सुरसुर	क्रि० वि०	रागाय-रागाय, रागा-बाजा, रागाम-रागाम, रागाय मानते । सुर-सुराते हुए—रागाय-मानते । सुरसुराना—रागाम-रागाम ।
सुरक्षा	सं०	रूखिया, जोगासोन, आड़ । सुरक्षा करना—रूखिया, जोगाव सुरक्षा पूर्वक—जोगाड़ते । सुरक्षित—राखा, सोहबोद । सरक्षित रखना—जोगाव, दातका होरहो-जाङगे, राखो-जोगाव, बाघ मोरे, सांयताव बानधे, जोगाव । सुरक्षित स्थान—आमदा, बाबायाक । सुरक्षित होना—सोहबोद, राखा ।
सुराही	सं०	सुराही, सुराई ।

सुलगना	क्रि०	सारङगाव, डाउ-डाउ, सालगाओक, सुलगाव, हाव-हाव, खेच—राव। सुलगाना—सुलगाव, दाहुङगा-दाहुङगी, धानधा, सालगाव, सुरनगाव।
सुलझाना	क्रि०	फीदली, फारियाव, छिनड़ाव। सुलझा—सोदगोड़ो।
सुलह	सं०	नीम-नाम। सुलह करना—सामझा-सामझी।
सुलाना	क्रि०	गितिच्। उठा करके सुलाना—हार-गितिच।
सुव्यवस्थित	सं०	दोबोन, दासा-गुड़गुड़िया। सुव्यवस्थित करना—साबिहाँ। सुव्यवस्थित होना—दोबान, छाकमाकिया।
सुव्यवहार	सं०	इज्जत।
सुविधा	सं०	सुबीता। सुविधा होना—साहबीत। सुविधा जनक—कुबाव।
सुशुषा	सं०	सुसारिया।
सुशील	वि०	सुजात, बिन्दोस।
सुस्त	वि०	काम-उड़ाव, लाठेया, धोलो-मोलो, धापुषा, सासुवा, गोसड़, बोरसोत्, मोरगोते, गाफिल, किदगिच् बेबाण्डाकी, पेला-काण्डिया, गाडामी, गोद-गोदो, कुड़हिया, लोजाही, जाढना, लोनदेया, हिती-डाती, लेकामूँ, सुकराज, पाय-राहा पायराही, टाम्बी, आन्दिया,

		भेहरो, थुङगुल-थुङगुल, तोरलात, माँहींर, दोग-दोगो, जोडो, जोड-जोडो
		मोटा और सुस्त—भाण्डा-भोण्डो ।
		सस्त पड़ना—सुसुतो, तोरलात ।
		सुस्त होना—घीसाड-घोसोड़, आलाम पोलेत् सुकराज, लकामू, कुड़हिया, डीङगार, गाधा-गोधी, जोड-जोंडो।
सुसज्जित	वि०	ओलाङका, छाकमाकिया, सजाव ।
सुसम्पन्न	वि०	गान, गानिया ।
सुसंस्कृत	वि०	सुजात ।
सूंघना	क्रि०	जी ।
सूँढ़	सं०	सोण्डा, सुण्ड ।
सुअर	सं०	सुकरी, ओत-उकटाइच्, हुण्डरुक।
		जंगली सूअर—बिर सुकरी ।
		सूअर का बखोर—सुकरी-बाण्डा, सुकरी-बाँडा ।
		सूअर की चर्बी—सुकरी-इतिल ।
		सूअर की आवाज—हुण्डरूक, हुण्डरुक्
		सूअर बुलाने का शब्द—डुरू-डुरू ।
सूई	सं०	सई ।
सूखना	क्रि०	चुड़-चुड़िया, खाङगोर, झाँवराव, गोसो, आसीत्, हाबेत, रोहोड़, ओधराव, झानझानाव, आगजेत, जोलखोत, जुकनुच्, झामाट, ठोनको, रोपाम, तोलमोच, आयनू, सोच-सोच, सोखाव, सुसाव, निङगराव, वोराम, सीटकोच, रोहोड़, साकीत्, छाटाव, राचुप, झाटकाप ।

सूख जाना—सुरास, झाँवरा-झाँवरी माञजाल, साटकाव, झाकाट, डोयोत, आर-माराव, हावेत, आसीतझुरा, रूचकुप, खाङगोट ।

सूख कर ढेला बना हुआ—चाचा ड़दाङ ।

सूखा—सायदाङ, बिडिर-बिडिर, टोकुरी, केकेड़चाङ, झान-झान, चाईता-चोयता, सुखा, खाङगोट, बेरोस, झालोट, कुठांड़, टानुआ-जोल-झाकुआ, जोल-खोत, ठोनको, डोयोत, टान, टाङटाङाङ राठाय-पोठाय, माटोर, कोरहोड़, टान ।

सूखाना-झाकाट, हिञजित, सुरास ।

सूखने के लिए फैलाना—मेलाव ।

सूखकर पतला—रोहोड़-जेडेर ।

सूखकर कांटा होना—रोहोड़-जेडेर ।

सूखकर झुर्री होना—चाट-चाटाओ ।

सूखकर खुर-खुरा—रोद-रोदो ।

हवा में सूखाना—होयोङ ।

सूखा देना—झाकाट ।

सूखा पड़ना—टानोक्, टानुआ, टाङ टाङाङ, माटोर, टान ।

सूखा पकाना—चुड़चुड़िया ।

सूखा स्थान—कुढांड़ ।

सूखा होना—जमाव ।

सूखा और कड़ा—रासबाड़-रूखाड़, देगेन

सूखा हुआ—तोलमोच्, रुखाड़, पोच्-सोच, रूचकुप्, माञजेला जाभाव, जेकड़े, झुरा, चुड़-चुड़िया, जोको, रोहोड़, बोरोच् ।

अधिक सूखा हुआ—खारगाव ।
आधा सूखा हुआ—ताबुच् ।
पूर्णतः सूखा हुआ—टाटाव ।
सूखी जमीन—डाङगाल ।
सूखी खाँसी—ठाय-खोक् ।
सूखी टहनी—रोयो, रोयो-रोपो ।
सूखी लकड़ी—झुरी-झान्टी ।
सूखी हवा—हाडाहा ।

सूचक सं० जाना-जानी ।

सूचना सं० जान-गुमान, खोकबोर, खोड़ो, तोला-सामबला, ढारवाक, चुपती टेवान, सुम-बासरा, लुटिस, रोहपोट, चिट्ठा, टीआव, खुटावः सामाचार ।
सूचना देना—लुटिस, रोहपोट, खुटाव, सोर-बाजाव, सुनान ।
जाना—जानी, छान्दाव, जानातो, एतलाय, जारी, जाबीद ।
जाँचाव, डामडाहे, खुन्टाव, जाहिर, हुलिया ।
शिकार में जाने के लिए सूचना देना—ढारवाक् ।
सूचना मिलना—खोड़ो ।
तुरंत सूचना मिलना—होपतो ।
सूचित—डामडाहे ।
सूचित करना—जानाव, लाय-साडे, जारी, एतलाय, जानातो, छान्दाव, जाना-जानी, ढारवाक, दारी-यासी लाय-सोदोर ।

सूची सं० सुची ।
सूचि बनाना—तालखा ।

सूझबूझ	वि०	सुझबुझ, उजबुज । सूझ न बूझ—उजन बुज ।
सूत	सं०	सुताम । सूत कातना—ताकोय, ताक्को, एवड़ा, बातकुन्डा । सूत की लच्छी—लाती । सूत की लच्छी बनाना—लाती ।
सूद	सं०	आघी-बेयाज, सुद, धीराट, होपोन । उदा :—में सूद देने के लिए महाजन के पास जा रहा हूँ—इञ दो आघी पैसा एम महाजन ठेन इञ चालाक् काना । सूद लगाना—सुद-बाइसाब । सूद लेना—धीराट । पचास प्रतिशत सूद—डीढ़ी ।
सूना	वि०	सुना, सीसीड़िच् । सूना पड़ना—सुना । सूनापन—उलाग । सूनसान—सानसुन ।
सूप	सं०	हाटाक् । सूप से साफ करना—लेचेच् ।
सूर्य	सं०	चान्दो, सिञ-चान्दो । सूर्य देवता—सिञ-बोङगा । सूर्य भगवान—सुरजाही । सूर्य की किरण—चान्दो-रोत । सूर्य की लालिमा—दाक् बाहा ।
सूर्यास्त	सं०	आयुप्, जोपोक, बेरहासुर । सूर्यास्त होना—बेरहासुर, आयुप्-जोपोक ।

सूर्यकान्त-मणी	सं०	सुरजोकान्तो।
सूर्यमुखी	सं०	सुरूज-मुखी-बाहा, सुरूज-लेबेर-बाहा। जंगली सूर्य मुखी—बिर-सुरूज मुखी। सूर्यमुखी मिर्ची—सुरूज मुखी मारीच, सोडधीन मारीच। सूर्य मुखी धान—सुरूज मुखी होड़ो।
सूर	वि०	राड़, आड़ाङ। संगीत का एक सूर—बुआङ राड़।
सूरत	सं०	चहरा मेंत्हाँ।
सूल	सं०	चेंधा।
सूक्ष्म	वि०	लेमेत्र, बेलेत्र-बेलेत्र, बेजनेच्। सूक्ष्म रूप से—भेदे-भेद। सूक्ष्मतः—सुच्-सुतरूच्, ओड़े-ओड़-पाक्, ओड़े-ओड़। सूक्ष्मता पूर्वक—इड़तिच-गुड़तिच्।
सेंकना	क्रि०	सेकाव।
से	क्रि० वि०	दायते, ते, तेते, उपारते, तुलुच्, खोन। उदा:-वह हाथ से खाना खाता है—तीते दाकाय जोम एदा। राम कलकत्ता से आ रहा है—राम कालकता खोन ए हिजुच् काना।
सेटलमेन्ट	सं०	सीटेलमेन्ट।
सेन्ध	सं०	सीन्द-मुहाँनी, सीन्द। सेन्ध-मारना—सीन्द, सीन्द-फोड़ाव, सीसीन्द।

		सेन्ध मारने वाला चोर—सीन्द-कोम्बड़ो ।
		सेन्ध मारने का यन्त्र—सीन्दकाठी ।
सेम	सं०	मातहान ।
		जंगली सेम—बिर-मालहान ।
		एक प्रकार का छोटा सेम—टूरी-मालहान ।
सेमल	सं०	एदेल ।
		सेमल का फूल—एदेल-बाहा ।
		सेमल का कांटा—एदेल रोङगा ।
		सेमल की रूई—एदेल तुलाम ।
		सेमल का कोमल फल—एदेल जाली ।
		सेमल की नई जड़—सीम-बरीत ।
सेर	सं०	सेर ।
सेरही	सं०	पुरसा, पायला, बुरसा, भुरसा ।
सेवक	सं०	सेबोक, गुती ।
सेवा	सं०	सेवा, जोतोन ।
		सेवा करना—सेवा, साङगे, सेबोक, उधार, सामहार, जाहित ।
सैकड़ा	वि०	सासकाड़ा ।
सोंठ	सं०	सूंट ।
सो	संयोजक	जे ।
सोचना	क्रि०	हुदीस, गुनी-भाबी, सोच, गुनान, रोङ-खोङ, तोज-बीज, मोने जोङ, साने-गुमान, पोनधा, धोराट, हुदिस,

दान्द, दान्दी, चिन्ता, गान्डोन, हुँस, बुज-बजिल।
गहराई तक सोचना—दीसा-राक़ाप्, दीसा, आँड़गी।
सोच—दान्द, दान्दी, चिन्ता, हुदिस, सोच, दान्दा-दान्दी, फीकीर।
सोच—समझ-उज-बुज।
सोच विचार—जोगासोन, हुदिस-बुन्दीस, तोजबीज।
सोच विचार करना—तोज-बीज, गुनान, नोन्द-खीन्द, गुनी-भावी, जोगासोन, रोड़-खोड़, खाबजाल, गान्डोन दारियाप, नान्दी-गुन्दी, राचे-बाचेते, जुते-जुतेते।
बिना किसी सोच विचार के—होटोक् कायते।
सोच लेना—गालोट।
सोचनीय—ओ आखेप।
सोच कर—मेनकाते।

सोटा	सं०	गुडना।
सोठा-शराब	सं०	ढोपसा।
सोडा	सं०	सोरा। सोडा पानी बनाना—इतीज। सोडा पानी सोख लेना—हाप।
सोता	सं०	झारना, सियानी, सत्। सोता फूटना—सेतेज। खारे पानी का सोता—छापार।
सोन्धा	वि०	सोनधाड़।

सोन्धाना	क्रि०	सोनधाव।
सोनपात	सं०	सोनपात (दाँत की एक बीमारी—)।
सोना	क्रि०	जापीत्, साण्डाङ, कुण्डलाङ, गितिच्, मेंत्-झापनी। गहरी नींद सोना—पुस-पुस, घुमघोर, साँय-सुई। पेट के बल सोना—ताबेर। एक करवट सोना—सोड़ता। सो जाना—ओलढाव। सोने का समय-साड़ा-सातीञ, गितिच्-हेड़ेप्।
सोना	सं०	सोना, सामानोम। सोना-मोती- सोना-मुती। सोने का पानी चढ़ाना—सामानोम। सोने का छाता—सोना-छाता। सोनार—सोनहार।
सोमवार	सं०	सोम, सोमबार।
सोरवा	सं०	सुरूवा, रासे। सोरवा बनाना—सुरूवा।
सोलह	वि०	सोलो, गेल-तुरूई। सोलह आना—सोलो-आना सोलह पाई—आड़ा।
सोहराय	सं०	सोहराय (संतालों का एक पर्व) सोहराय गीत—सोहराय-सेरेञ, सोहराय-राड़। सोहराय-ताल—सोहराय-रू।

सोहागा	सं०	सोहगा ।
सौंपना	क्रि०	दाखीलाब, जिमा ।
सौ	सं०	साय ।
सौत	सं०	हिराम, हिरोम, सुतीन । सौत बनाना—सुतीन । सौत सम्बन्ध—हिरामेया ।
सौदा	सं०	सावदा । सौदा करना—सावदा, सोयदा । सौदा पार्टी—सोयदा-पार्ती । सौदा करने वाला—टाहलुदार । सौदागर—सोदागोर ।
सौभाग्य	सं०	हातजोस लाग, भाग । सौभाग्य प्राप्त करना—लाग । सौभाग्य का दिन—खारा दिन । सौभाग्य शाली—भागमान ।
सिहरना	क्रि०	चिहराउ, चोमकाओ, चाटो, खबखु उदा:—शेर को देख कर मैं सिहर गया—कुल ञेलते, होड़मो, चिहराउ गोत्, एन तिजा ।
सिहुली	सं०	सुरही ।
सींग	सं०	देरेञ । पीछे तरफ झुकी सींग—मेड़पो । बड़ा सींग होना—डाबे । सींग मारना—उदा, रोक्, धुनाव, रोरोक् । सींग आर सिर—सीङ-माथा

सींचना क्रि० बातान, पाटाव ।

सीखना क्रि० डीडा, ओता, चेत, चेचेत्, कानहेड़, चेङगोत्, आकेल-हार, आमाड़-ओमोड़
सीख—सीकनात, सीखात, सीखावना
सीखाना—चेचेत्, चेत्, सीखाव, पाड़हाव, तालीम ।
सीखलाना—सीखाव, सीकलाव, सीकनात, सीखात, सीखावना ।

सीटी सं० सीटी, गोल ।
सीटी बजाना—सीटी, गोल, सायाड़-सुयुड़, सुयुड़, सीच्-सीच, सीब-सीब ।
सीटी बजाते हुए—सीब-मानते, सीब-सीब ।

सीठा वि० चेपेस-चेपेस, दोजा ।
सीठा शराब—दोजा

सीता सं० सीता ।

सीध सं० दोरेआंब-चिरित् ।

सीधा सं० आवधार, सोके, सोझे मोझे, सीधा, दोरेआंब-चिरित् ।
सीदुप्, दारा, दार, सांवार, सेर, सीधा, सोच् ।
सीधा (भोज्य पदार्थ)—सीधा ।
एकदम सीधा—रूतुच् लेका ।
सीधा और पतला—रूतुच्-लेका, रूतुड़युत्
सीधा स्वभाव वाला—सांवार ।
सीधा सादा—सादा, सोझे, सीधा ।

सीधा रास्ता—रोसोद ।
सीधा पेड़—रोतलेत् ।
सीधा और लम्बा—तेलङ्गा ।
सीधी छड़ी—रोतलेत् ।
सीधी सींग—सींङधीन ।
सीधी रीति से—हाड़ा-हुड़ा ।
सीधी कतार में—गेत-गेते ।
सीधाई से—एक-भाकिया ।

सीना क्रि० रोक्, कोड़ाम ।
सीने की हड्डी—कोन्दोराम ।

सीमा सं० सीमा, सीमाना, सारहाद, देस-तिरुप्-दिसोम-तिरूप्, दो-सीमा, नाँन, चोहोदी ।
सीधा निर्धारित करना—सीमाना, नाँन ।
सीमा घेरना—सीमा-तबाड़ ।
सीमाबद्ध करना—धारना-धारनी, हार ।
सीमित—जाथ ।
सीमित स्थान—एटके-टोड़े
सीमित होना—धारना ।
सीमा लगाना—दुई ।

ह

हँगामा सं० हाङगामा ।

हँस सं० साँक ।

हँसना क्रि० लान्दा, इलीड़-सीटकाच, एडोय-बेनदोय ।

खिलखिलाकर हँसना—हादहादाव।
हँसना-खेलना—हासाय-खेलाय।
हँसते हुए—इसीड़-सामपेड़, इसीड़, सीटकाच्।
हँसमुख—गाल-बाजाड़ी, सीड़बाच्, खारसाला, छारकाव, पुरठा।
हँसाना—लान्दा-ओचो।
हँसाने वाला—लामोटीच्।
हँसी—लान्दा।
हँसी उड़ाना—लान्दा-धुत्, हँसी, हाँस भाङगाव।
हँसी करना—इही-इही।
हँसी खुशी—हासाय-खेलाय।
हँसी मजाक—खिलड़ु, इरीच्-चिकोच्, आलाय।
हँसी मजाक करना—हापसी, हाँसी-ठाठा, लान्दा।
हास्य—लोहोक।
हास्य पूर्वक क्रीड़ा—लोहोक।

हँसुआ | सं० | दातरोम, कातो, दाव।
थोथा हँसुआ-दातरे।
बिना दाँत वाला हँसुआ—कायदा, लेड़ो।

हृदय | सं० | इन, जीवी।
हृदय-सुख हातेर-सुक।

हृष्ठ-पुष्ठ | वि० | दोड़को-दुमाड, सुसुलटाक्, लेदगेच्, बोलगोर।

ह्रास | सं० | आपचो, लोकसान।
ह्रास होना—आसीड़।

हुक	सं०	होक ।
हकलाना	क्रि०	थात्, थोत, थाता-थोतो, हेसाक । हकलाते हुए—थाता-थोतो ।
हजम	सं०	हाजाम । हजम करना—हाजाम, जिराव । हजम शक्ति—उगनी ।
हजाम	सं०	नापित । हजामत करना—हुसित, होयो ।
हजार	सं०	हाजार ।
हजूर	सं०	हाजूर ।
हट्टा कट्टा	वि०	धामधामिया, दोंड़ोंक-दोंड़ोंक, बाङ-गारिया, सालसालिया, दारमोट, दुमेड़ाम, डाहमोट, दुकुड़-दुमाङ । हट्टी-कट्टी—दोहाड़ा ।
हट	सर्व	सेत्, धीर, मेन । हट जाना—ओचोगोक, ओटाक्-टान्डी, ओटाङ । रास्ते से हटना—होसेच् ।
हटाना	क्रि०	दुरमार, दूर, दुर-दुर, ओटाक्, ओचोग, गेमेर, सुरकाव, साला, काटित्, सारकाव, धासकाव, सा, काटित, टासाक, टासकाव, साहाड़, साहा-मारखू, माराव, सोराव, हाठाव, हाटाव, धाकलाव, ओचोक, उसकाव, छाडाव, उछाद, धासकाव, उचाड़, झाकाव, बाचोट, लिहाव ।

रास्ते से हटाना—सारकाव, ओचोक् ।
हटाने का प्रयत्न करना—उसका-उसकी ।
हटा देना—गुचाव ।

हटिया सं० हाट ।

हठ सं० जिद, ढाडोस, टाढ़नाचा ।
हठ करना—हाटी, हाँठू, झीकी, लेठो, ठोक, इड़ी-जुधी, जीगीर, रेगेत् रीगीड़-जुङगी, रेगेतरेगेत ।
हठी—डीहाँव, ढाड़नाचा, झीको, चाम्भा, रोगोड़िया, दुनदुर, हुठू हुँट ठोक, एक-सीडरी, ठेटा, फाडियाबाज, लोखोतिया, भुचभुची, लेठो, पाकुआहा, पान्टेत, धाचराड़, डिगोर, जिदाही, गाईपूत, दुनदुर-मुहाँ ।, हुरमुट, हाँठू, हाटी, टिडवी, बाटा, माकठा, हठी, झीकी, एक-भाकिया, इड़ी-जुधी, गादवु, सीरड़ी, ढाठी, केटेच् एक-रासुआ, जिदधी, जोबोरी, लेकामूँ, ढाडोसिया, लिलोज, लातकुटा, गाड़ोर, राडाहा, सातमेड़ें, जाहबाज ।
हठी होना—टिडवी, डीठाँव, लेकामूँ ।
हठपूर्वक—सीडरी, एक-तारिया, तिरूङ-मिरूङ, रोगोत रोबोत, जीगीर, जिगरा-जिगरी, रेगेत, रेगेत् जोबोरी ।

हड्डा सं० सुसुरबाङ ।

हड्डी सं० जाङ ।
विशाल हड्डी—ठाबू ।

आगे की ओर फैली हड्डी—बातुवा।
घुटने के नीचे की हड्डी—नारहाडा।
कुल्हा की हड्डी—डुके।
लचीली हड्डी—पाटजाङ।
हड्डी टूटना—पोटोच्।
हड्डी फिसलना—माचकाब।
हड्डी मुरकना—लोटोच्, पोटोच्,
बड़ा हड्डी होना—हाडगार।
बड़ा हड्डी वाला—हाडगार।
हड्डी-हड्डी—ठाबा-ठुबा, डेरेत-डेपेत।

हत्या क्रि० वि० विलिया-बिलित, गोच्।
हत्या करना—जीवी-आगू, गोच्।
उदा:-राम ने मोहन का हत्या किया—राम दो मोहोन एगोच् केदेया।
हत्यारा—खुनियाही।

हत् विस्मयादि बोधक धीत।

हताश सं० सीटाल-मीटाल, आस छुटाव, हाय-निसास, हादोस, होलोस, भाङ्गा, मिरलुङ, मोमोमोच्।
हताश करना—दाबाब-दुनदराय, हामा-होमो, दाबड़ोच्, दाबाव, दाबड़ी।
हताश होना—दाबकाव, दाबड़ा-दाबड़ी, आसछुटाओक, नोनदोक, लीन्दोक् सीवेच्-गेलेच्, हायनिसासोक-सीठाव, तीतीक्, होदोसोक् हालसो, सीटाल-मीटाल, जीवीब्र ओलोब, जीबी—ओलोब।

हतोत्साह	सं०	हारिआँ, बुसिआँ ।
		हतोत्साह होना—पानीआव, छाती-जाड़ाव ।
		हतोत्साही—छाती-जाड़ाव ।
हथकड़ी	सं०	हातकाड़ी, तुडुङ, बींड़ी ।
		हथकड़ी पहनाना—तुडूङ ।
हथियाना	क्रि०	हातियाव, हाताव, हामेट ।
हथियार	सं०	हातीआर, सपाप् ।
हथौड़ा	सं०	मारतुल, कुटासी, हाथौड़ी, हाताबड़ा
		बड़ा हथौड़ा—हामोर-मारतुल ।
हबकना	क्रि०	ताङगाम ।
हनुमान	सं०	हाँडू ।
हम	सर्वनाम	इञ, आले ।
		हमदोनों—आलिञ, आलाङ ।
		हम दोनों का—तालाङ ।
		हम लोग—आले, आबो ।
		हमलोगों का—ताबों, ताले, ताबोन ।
		हम उम्र—मित् जुवारी, एङगा जोपोर, बाताड़ा, ओपोर, जोपोर, तुरिया, मित्-तुर ।
हमारा	सर्वनाम	हामारियों, आलेयाक् ।
हमेशा	वि०	सादाय, जावगे, मित्-तालाव, झाड़, हेसेर-हेसेर ।
		हमेशा होना—जाव गे मित-तालाव ।
		हमेशा मुँह चलाते हुए—एड़ोय-बेन्दोय ।

		हमेशा खाते हुए—एड़ोय बेनदोय ।
		हमेशा के लिए—उपी कालगात् ।
हर कहीं	क्रि० वि०	बोने—बादाड़े, जहाँ-ठेन ।
		हर घड़ी—सारा-धाड़िच् ।
		हर समय-सारा धाड़िच् ।
		हर प्रकार का-हारेक—रोकोमाक् ।
हरगिज	क्रि० वि०	हारगिज ।
हरदम	वि०	मित्-तालाव, मित्, रोगोड़, सारा-धाड़िच् ।
		हरदम साथ रखना—टोकोर-टोकोर ।
हरहरिया-साँप	सं०	डुलुडुङ ।
हरा	वि०	हारियाड़ ।
		हरा कसीस—हीरा कोस ।
		हरा तम्बाकू—काचरी ।
		हरा भरा—रूहुड़-रूहुड़, साहरे ।
		हरा मक्खी—आसाँय रों ।
हराना	क्रि०	भागाओ, हेंट, हाराव, हाठाव, पाछड़ाव, हाक्राव, दाड़े, ठेपो, हापचाव ।
		हराया हुआ—टुरू-टुसिया ।
हरामजदा	वि०	हारामजादा ।
हरिण	सं०	जेल, साराम ।
		बड़ा हरिण—झाङकार ।
		चितकबरा हरिण—पोस्ता-जेल ।
		बिना सिंघ वाला हरिण—गुतरूत् ।
		छोटी जाति का हरिण—ओरेच्-सेलेप्, मेटरेच्-जेल-से-जेल, सेमाबाम जेल, मिरगी जेल, बोडरा-जेल ।

हरियल-पक्षी	सं०	हुहाड़ ।
		बड़ा हरियल पक्षी—हापड़ाक्-हुहाड़
हरेक	वि०	हारेक।
हलका	वि०	होलको, सोहोल, रावाल, होयाङ, सोहोज ।
		हल्का फुलका—रोयो-रोयो, रोयो-रोपो ।
		हल्का रंग—पोलसो ।
		हल्का लाल रंग—राङराङगिया
		हल्का फूस—रागुई-रागुई ।
		हल्का ज्वर—रोसोम, रोसो-पोसो ।
		हल्के पीले रंग वाला—सासाङ-आराक् सासाङदाक् ।
		हल्का स्पर्श—आयगाम ।
		हल्का होना—गाजाङ रावाल-होलको सोहोल ।
		बहुत हल्का होना—होयाम-होयाम ।
		हल्का ज्वर होना—रोसोम-रोसो-पोसो
		हल्का भुनना—आला ।
		हल्का दण्ड देना—छोले ।
		हल्का बुखार होना—रोसो-पोसो ।
		हल्का हाथ लगना—हातलुड़की ।
		हल्की आवाज के साथ—थुलुक-मानते
		हल्की बौछार पड़ना—छिरीक-छिरीक
		हल्की रीति से छुना—थापसे ।
		हल्की रीति से—होयाङ-होयाङ ।
हल्दी	सं०	सासाङ, हारदी ।
		जंगली हल्दी—बिर-सासाङ ।
		हल्दी के पानी से रंगना—सासाङ-दाक ।

		हल्दी का कन्दा—सासाङ दा ।
		हल्दी मिला भात—सासाङ दाका ।
हल्ला	वि०	आन्दोड़, काउमाउ, आड़िस ।
		हल्ला करना—काउमाउ, अन्दोड़, आड़िस, गोहरा-गुहरी ।
		हल्ला होना— घाम धुम ।
हल	सं०	नाहेल, ठाँ ।
		हल का बाँट—कोड़बा ।
		हल पकड़ने की मुठ—टीर ।
		हल खीचने वाला बैल—ओरोक्-डाङगरा, हाल-हातिआर,
		हल चलाना—सियोक्, सी ।
		प्रथम बार हल चलाना—पाड़ाक् ।
		हल चला कर मिट्टी बारिक करना—तामुर ।
		असमय हल जोतना—सी आलोङ ।
		हल जोत कर खेत को बीज लगाने लायक बना देना—लाहुत ।
हलचल	सं०	उमधूम, गाहुल ।
		हलचल होना—गाहुल ।
हलवाई	सं०	हालुआय, हालवाय ।
हलवाहा	सं०	सियोकइच्, हारवाहा, हालबोहा ।
हवलदार	सं०	हावालदार ।
हवा	सं०	होय, हावा, बाव, बाव-बातास ।
		हवा-पानी—दाक् आर होय ।
		हवा करना—एवेर ।
		हवा में घूमना—खेलचेर ।

हवा से गिर जाना—झाड़गाव ।
हवा भरना—दोम-एम, होय, पेरेज ।
हवा देना—एवेर ।
गंदा हवा निकालना—हुडराक्-माराव ।
हवा बहना—होय ।
छेद से हवा पार होना—पोसोङ ।
तेज हवा बहना—सागाय-सागाय ।
मुँह से हवा पार होना—पोसोङ ।

हस्ताक्षर सं० दोस्तोखोत, साही, सुही ।
हस्ताक्षर करना—सुही ।

हड़पना क्रि० आङगे, हाड़ोप, हामेट ।
हड़प लेना—गुबुड़-गुबुड़ ।
उदा:–इस जमीन को तुम्ही हड़प लिये हो—नोवा जुमी दो आम-गेम आङगे आकातआ ।

हड़बड़ क्रि० वि० हाड़बाड़, चान्धाई-रान्धाइ ।

हड़बड़ाना क्रि० हाड़बाड़ाव, हाड़बाड़, बिदड़-बिदड़ी, तालतालाव ।
हड़बड़ाकर-पुचुच्-पुचुच्, हातुड़-आतुड़, चाल-चालुआ ।
हड़बड़ाने की आवाज—हाड़ाबाड़ ।
हड़बड़ा के करना—हाड़बाड़ाव ।
हड़बड़ी होना—हाड़बाड़ ।
हड़बड़िया—हाड़बाड़िया ।

हड़िया सं० आद-टुमाङ, टुकुच्, टुडमाङ, चेलाङ ।
उदा:–हड़िया में पानी गर्म करो—चेलाङ रे दाक् लोलोय में ।
बड़ी मुँह वाली हड़िया—हाण्डलाङ ।

हाँ	स्वीकारात्मक शब्द	हैं, हेंक्, हाय, हूँ । हाँ करना—हेंग, हें-हूँ, हेंक्, हें-हाँ, होंक्, हाँ । हाँ ! हाँ ! (रोकना)—हाँ-हाँ ।
हाँकना	क्रि०	छुटार, लगाय ।
हाँफना	क्रि०	हाकार-हाकार, हेंसराव, हाकराव, हाईदोम, सें-सें आलाप्-आलाप्, आकाड़्-साकाड़्, खा-खो, हाकार-हुकुर, धाड़्, धाड़े, हापसाव, से-फों । जोर-जोर से हाँफना—हाकार-हाकार । हाँफते हुए—आकाड़्-साकाड़्, आकाल-साकाल । हाँफते हुए बोलना—हाकार-हुकुर ।
हाकिम	सं०	हाकिम ।
हाजरी	सं०	हाजरी । हाजरी लेना—हाजरी । हाजिर होना—हाल-हाजिर । हाजिर जवाब—जोबाबिया ।
हाट	सं०	हाटिया, हाट । पाँच दिनों के अन्तराल पर लगने वाला हाट—पाचेर-हाट । हाट-बाजार—हाट-बाजार ।
हाडुडु	सं०	आइटाव, पाइटाव । उदा:—वे हाडुडु खेल खेल रहे हैं—आइटाव-पाइटाव को एनेच् काना ।

हाथ	सं०	ती, लुलहा, हाते, हात ।
		दो हाथ—बार ती ।
		हाथ (मन्त्रोच्चारण के समय—बाय ।
		हाथ पैर—डारपात ।
		हाथ खोलना—आञ्जेल ।
		हाथ जोड़ना—जोड़हाथ ।
		हाथ झुलाते हुए—हुरला-हुरली ।
		हाथ बढ़ाना—लेयोङ ।
		हाथ पकड़ कर—हाते धुरिया ।
		हाथ रखना—चापो ।
		हाथापाई होना—ओपोता, हाताहाती ।
		हाथ में आना—हाताबा ।
		हाथ में देना—चाल ।
		हाथ में ले लेना—हातवा, हातेया ।
		अपने हाथ में ले लेना—हातमा, एटेच् ।
		हाथ से उठाना—तेबेञ ।
		हाथ से छुड़ाना—चोकलाओ, चोट-काओ ।
		हाथ से ढूँढ़ना—हुतड़ाव ।
		हाथ से नापना—मोका, हात ।
		हाथ से दबाना—रोबोत, सिपोत् ।
		हाथ से पकड़ना—हाताहाती, तेबेञ, गुहियाव ।
हाथी	सं०	हाती ।
हानि	सं०	केसारात, आवभाट, खेआनात, हान, छाय, लोकसान, टुट ।
		हानि करना—हान ।
		हानि पहुँचाना—हुलाड़, दुरूमदाय ।
		हानि होना—भारा, हानाव, लोक-सान टुट, हेरो, दोबोड़-डौन्ड ।

		हानि कारक—बेपोरहोवान, हाक्राव, खेआनात।
हाय	विस्मयादि बोधक	हाय, हायरे।
		हाय ! हाय—हायरे हायरे।
हार	सं०	हार-हारी, माला।
		चाँदी का हार—गुनसी।
		एक प्रकार का हार—मानदोली।
		गले का हार—गोलार-माला।
		काँच की दाने वाला हार—गोफा-माला।
		गले की हार का तह—लाइ।
		लोलक लगा हुआ पतला हार—हांस।
हारजीत	सं०	हार-जीत।
हारना	क्रि०	काल, चुपुत, हाटका-हाटकी, गम, हारोक्, ह राओक्, हार।
		उदा :—वह लड़ाई में हार गया—लाड़हाई रेय चुपुत् एना।
		हारा हुआ—टुरू-टूसिया
हारा-राता	वि०	हारा-राता।
हाल	सं०	हालात, हाल।
		हाल में—हाते-पाते।
		हाल समाचार-आवहाल।
		उदा :—उन लोगों का हाल समाचार बताओ-ओनकोवाक् आवहाल लाय में।
हालात	वि०	हालात।
		अच्छी हालत—ताजा।
		उस हालत में—हेण्ड़े, आनाङ।

हिंसक	वि०	जोबोरी ।
		हिंसापूर्वक—जोबोरी ।
हिचकी	सं०	ञ्हांक्, हेंयोंक्, हेंकोट ।
		हिचकी आना—ञूडागोक्, हेंकोच् ।
		हिचकी बीमारी—हेंयोंक्-बाय ।
हिजड़ा	सं०	मार्यो, चाकरा ।
हिज्जै	सं०	बानान ।
हिण्डोला	सं०	हिनडोल, तारा-माचा ।
हिन्दू	सं०	दीकू ।
		निम्न कोटी के हिन्दू—नाया ।
हिनहिनाना	कि०	हिञहाव ।
		हिनहिनाहट—हिञहाव ।
हिम	सं०	हिम, राताङ ।
		हिमपात—हिम ।
		हिमालय पर्वत—हिमालोय, राताङ, बुरू ।
हिरण	सं०	इचाक्-झाङकार, जेल, हुरीन, हारना ।
हिलना	क्रि०	हिलाप्, लाड़ाप्, दोयो, हेकेत, लेवे, उटुप-उटुप, स्केप्-सेकेप्, डेबे-डेबे, रुकुन-रुकुन, घालाय-घालाय, दाल-मालाव, दायमाल, डेकेत डेकेत, दामसाव, डेवेत, हिलाक्, धुलुप्, धुलुप, दुलुय-दुलुय, लुधुर, लोधोर, डिबिच्-डिबिच्, सुयबुगाव, लाड़ाओक,

		झाड़कुक्, टेवेत, दालाक्-मालाक्, थाल-थालाव । इधर उधर हिलना—धाकाड़-धोकोड़, हुलुई-मानते । हिलने की प्रक्रिया—डाबुङ-डाबुङ, डेवेत-डेबेत । हिल जाना—डेवेत-छिलकाव, डीके-डाके, लेवे । हिलते हुए—रूकुन-रूकुन, डेबेत-डेवेत, हुलुई-मानते । हिलता हुआ—डीका-डाके । हिलते डुलते—जिदो-जोहो । हिलते डोलते—हिडिच्-डीकोच् दापाच्-दुपुच्, हिचो-होचो, डाकाच्-डुकुच्, हाड़ुच-ठाकुच्, भातका-भितुड़, दाकाड़-दोकोड़ जाहुर-जाहुर, घालाच्-धुलुच्, धाकाच् धुकुच् ।
हिलाना	क्रि०	इबी, लाड़ाव, हिलाव, टासाक्, दाकाल-दाकाल, तुलुच्-कुकुच्, सोकोच, धाकुच, रूकु, हुलुई, लिहाव, दाल-दालाव, आकुच्-साकुच्-आकुच्-धाकुच्, लुकान, लाड़ाव । कान हिलाना—ठेपे । पूँछ हिलाना—ठेपे । सिर हिलाना—ओकोर । हिला कर गिराना—हुण्डा ।
हिस्सा	सं०	हुण्डा, बाखरा, आक्रे, बाँट, थाक, हिसा, जोड़ो, बाँट-बाखरा हिस, हाटिञ, जोड़ान, गुटी, ओङसी, तोड़, हिस डुनडें, चिरा सारीक, हिस्सा, धारास ।

नोकिला हिस्सा—डीमबी।

एक हिस्सा—काड़।

शरीर के एक हिस्से में होना—काड़।

बाँस का एक हिस्सा—कानाय।

बाँस का एक हिस्सा होना—कानाय।

एक चौथाई हिस्सा—कुनी।

आधा हिस्सा—नारा-सेच्।

हिस्सा करना—हिस, हाटिञ-इरिच्, जोड़ो।

हिस्सा अलग करना—हाटिञ-बेगार।

हिस्सा देना—सारभार, जोड़ान, ओङसो, बाँट-बाखरा, चाला-चुला। उदा:-मेहमान आया है जो कुछ भी हमारे हिस्से का है उसमें से ही दे दो—पेड़ाय हेच् आकाना चाला-चुला, आओ आक् खोनगे एमायमें।

हिस्सा निकालना—हाटिञ-ओडोक।

हिस्सा लगाना—बाँट-बाखरा, बाखरा खाञजाव, कान्धी।

हिस्सा लगा कर बेचना—लालाव।

हिस्सा होना—होरा।

हिस्सेदार	वि०	सारीकदार, बाखरादारी, बाखरादार, ओङसोदार, हिसादार, सारीक। हिस्सेदार होना—ओङसोदार।
हिसाब	सं०	हिसाब, लेखा, नापताप। हिसाब किया हुआ—हिसाब-कोरा।

		हिसाब-किताब—निकास।
		हिसाब-किताब समझना—निकास।
		हिसाब लगाना—खुतियान, हिसाब।
हीन	वि०	हीन।
		हीनता—हीन।
		हीनता होना—हीन।
हीरा	सं०	हीरा।
हुंकार	सं०	हुका।
		हुंकारी भरना—हुका।
हुक्का	सं०	हुका।
हुक्म	सं०	हुकुम, आदोली।
हुक	सं०	बाकुप्।
हुनर	सं०	हुनार।
हुल्लड़	वि०	आँखधाट काङदोङ़।
		हुल्लड़ मचाना—काङदोङ़।
हुलकना	क्रि०	हुलकाव।
हुवाँ-हुवाँ	वि०	हुवा-हुवा।
हुरना	क्रि०	गुतू।
हेंगा	सं०	आँड़ग़ोम, राकसा, ढालवा, कारहा, चाउकी-आँड़गोम।
		हेंगा चलाना—कारहा, राकसा, आड़गोम।

हेरफेर	वि०	हेरफेर, फेरा-फिरी ।
		हेरफेर करना—हेरफेर, हेराफिरी ।
		हेरफेर होना—हातफेर ।
हैजा	सं०	हाड़हुड़िया, मारी-भाँय, हावा-दुक ।
है ना	वि०	बासे ।
होंठ	सं०	लुटी ।
		मोटी होंठ—बाहुनी-लुटी ।
		बड़ा होंठ वाला—बाड़वीर ।
		गुस्सा से होंठ काटना—हाप्-इक-डुम ।
होना	क्रि०	होय, होयोक् ।
		एक होना—मींड़ी ।
		बड़ा होना—दाँय-दाँय, हारा ।
		कय और दस्त होना—नोते-ओनते ।
		बाद में होना—एन-खानते ।
		होने से—रेकाना, होनाड़ ।
		होने योग्य होना—होयोक् ।
		होने वाला—होयोकआक् ।
		होने देना—होय-ओचोवाक्, होय-ओचोकाक् ।
		होते हुए—हुयाँ ।
होली	सं०	डोल ।
		पानी से होली खेलना—बाहा-दाक् ।
होश	सं०	चेताव ।
		होश रहना—जोमाद ।
होशियार	वि०	चेताओना, चाहाओ, सावधान, हुशियार, घाधोड़ ।

होड़ सं० हापाटाव ।
होड़ होना-हापाटाव, आफटा-आफटी ।
होड़ लगाना—बेसा-बीसी ।

हौले-हौले क्रि० वि० सागाय-सुगुय ।

क्ष

क्षण सं० ताक ।
क्षण भर—बाते, चोबोक, मिल्-घाड़े ।
उदा:-वह क्षण भर के लिए कल आया था—उनी होड़ हौलाय हेच् चोबोक् लेना ।
क्षणिक—मुरसीज-बारसिज, आरसिज-बारसिज, टोङगरी ।
क्षणिक बन्द—उठी-बापसी ।
क्षणिक बीमारी—आसकानदुवा ।
उदा:-यह बीमारी क्षणिक है—नोवा रूआ दो आसकान दुवा काना ।

क्षीण वि० जालाय ।

क्षुधा वि० आटाप्-साड़ाप् ।
क्षुधित—काङदोड़, जिलू-मिलू, जालात्-जापात् ।

क्षुब्ध वि० आवा-पापा ।

क्षेत्र सं० ओलचोल, काली, इनदारा, एलाका, टोठा, माहेल, माण्डेर, हाटिञ ।

क्षति सं० छाय, खुती, हान ।
क्षति होना—खुती ।

क्षति पूर्ति—उसलात, जाय-बोदोल, कूत, पुरान।
क्षतिग्रस्त—खीतारी।

क्षमा	सं०	इका, ओजोन।
		क्षमा करना—इका, इकान, आड़सा, काटित।
		क्षमा माँगना—इका-अकोय, ओजोर।
		क्षमाशील—इका-इकी, इकान।
क्षत्रिय	सं०	छातरी।
क्षार	सं०	साजी, सायदाङ, तोरोच्।
		क्षार मिट्टी-साजी-हासा, तोरो।
		क्षार जल—रासे।
क्षीण	वि०	सीटका।
		क्षीण काम—रोहड़ा।
क्षीण	वि०	सोच्-बोदरोच्।
		क्षीण होना—टुटाव।
		क्षीण स्मरण—हायाम।

त्र

त्रिशूल	सं०	तीरसूल।
त्रिशंकु	सं०	रोङगा।
त्रीएक	वि०	पेने-मित्।
त्रुटि	वि०	दाग।

ज्ञात	सं०	नाम-चिन्ता ।
ज्ञान	सं०	आढकार, हिकमोत, उचोत, एले, तारीक, गेयान, तालीम । ज्ञान होना—धामाम, तालीम । पूर्णतः ज्ञान होना—धामाव । ज्ञान होते हुए—एन्डेतेगे । ज्ञान शुन्य—टाटाव । ज्ञान शुन्य होना—तुकुन । ज्ञानी—गेयान, आकिलान, गुली, बाबायिच् ।